भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

वार्षिक रिपोर्ट
2017—18

कल के BHEL का निर्माण

नये भारत के सृजन में योगदान करते हुए

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

हम कौन हैं

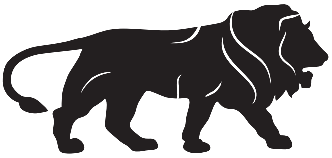

मेकिंग इन इंडिया
वर्ष 1964 से

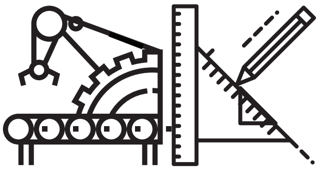

भारत का सबसे बड़ा
अपनी तरह का अभियांत्रिकी
और विनिर्माण उद्यम

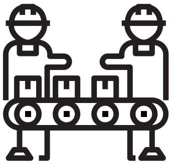

17
विनिर्माण इकाइयां

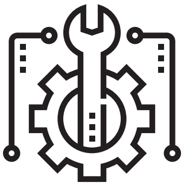

150+
परियोजना स्थल

8
सेवा केन्द्र

मेकिंग इन इंडिया

पावर

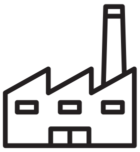

उद्योग

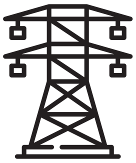

पारेषण

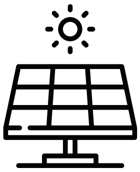

नवीकरणीय ऊर्जा

रक्षा और अंतरिक्ष

तेल और गैस

भारत का सबसे बड़ा

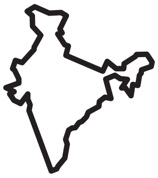

भारत

देश के सभी राज्यों और 6 संघ राज्य क्षेत्रों में बीएचईएल द्वारा संस्थापित विद्युत उत्पादन उपस्करों का प्रयोग होता है। 443 कोयला, 417 हाइड्रो, 102 गैस, 12 न्यूक्लियर और 32 मेगावाट स्केल ग्रिड–सम्बद्ध सोलर पीवी संयंत्र

दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता
भारतीय पूंजीगत वस्तु उद्योग में

5 अनुसंधान संस्थान
14 उत्कृष्टता केन्द्र

परिवहन

जल

ऊर्जा भण्डारण

वैश्विक उपस्थिति
सभी 6 आवासित महाद्वीपों में 83 देशों में उपस्थिति लगभग 17,000 मेगावाट क्षमता के अनुबंधित विद्युत संयंत्र उपस्कर 21 परियोजनाएं निष्पादनाधीन

बी एच ई एल
BHEL

हम भारतीय विद्युत संयंत्र उपस्कर निर्माताओं के निर्विवादनायक हैं।

भारतीय उद्योग में गंभीरता से लिया जाने वाला एक नाम दुनिया में भारत का औद्योगिक राजदूत

भारतीय इंजीनियरिंग क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार पर उच्चतम निवेश

विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी और अत्याधुनिक परिसंपत्तियां कल के बीएचईएल के निर्माण के लिए सामरिक परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करना

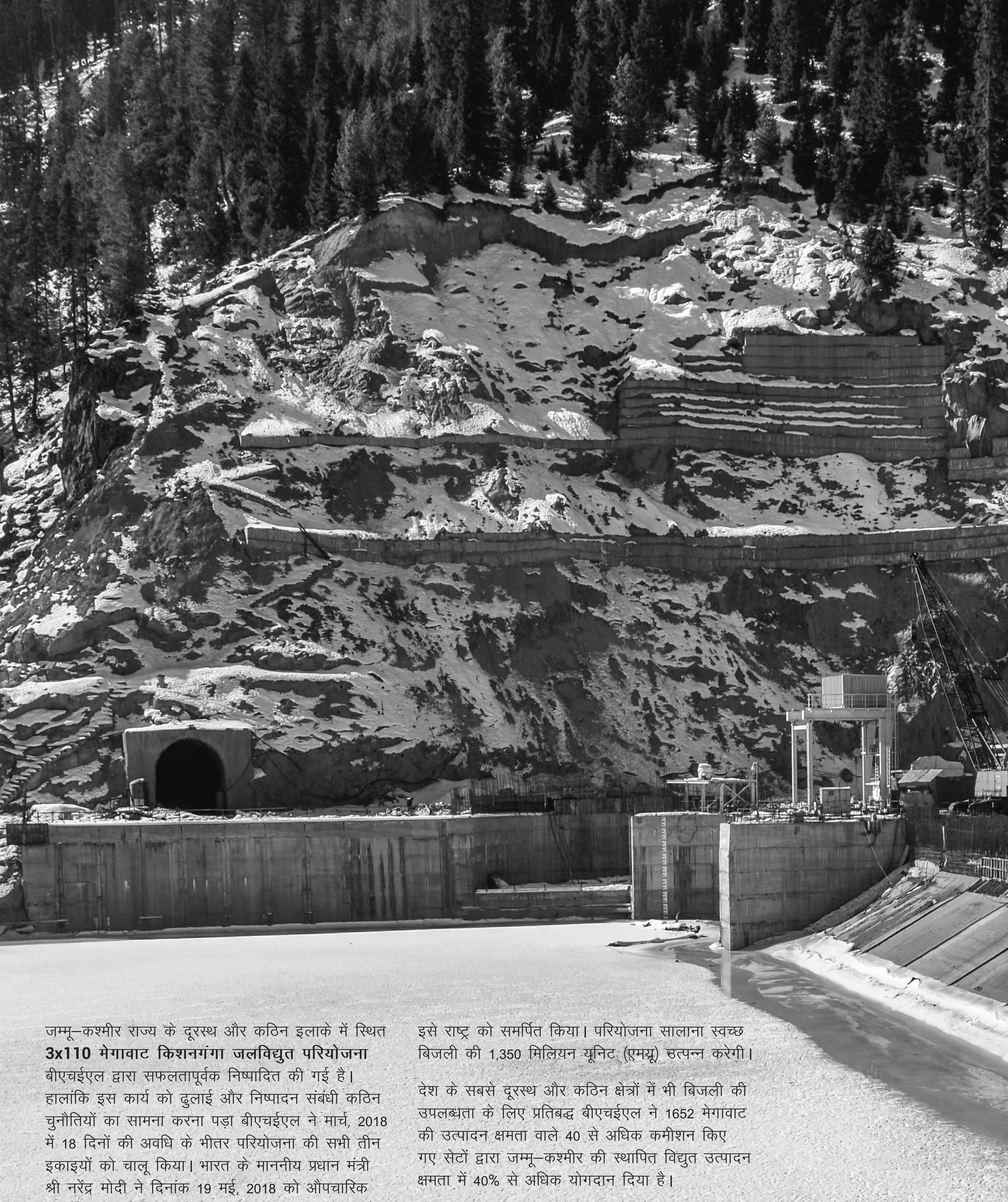

जम्मू–कश्मीर राज्य के दूरस्थ और कठिन इलाके में स्थित **3x110 मेगावाट किशनगंगा जलविद्युत परियोजना** बीएचईएल द्वारा सफलतापूर्वक निष्पादित की गई है। हालांकि इस कार्य को ढुलाई और निष्पादन संबंधी कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा बीएचईएल ने मार्च, 2018 में 18 दिनों की अवधि के भीतर परियोजना की सभी तीन इकाइयों को चालू किया। भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 19 मई, 2018 को औपचारिक रूप से इस प्रतिष्ठित परियोजना का उद्घाटन किया और इसे राष्ट्र को समर्पित किया। परियोजना सालाना स्वच्छ बिजली की 1,350 मिलियन यूनिट (एमयू) उत्पन्न करेगी।

देश के सबसे दूरस्थ और कठिन क्षेत्रों में भी बिजली की उपलब्धता के लिए प्रतिबद्ध बीएचईएल ने 1652 मेगावाट की उत्पादन क्षमता वाले 40 से अधिक कमीशन किए गए सेटों द्वारा जम्मू–कश्मीर की स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में 40% से अधिक योगदान दिया है।

विषय सूची

वार्षिक समीक्षा 4

शेयरधारकों को पत्र 4

बीएचईएल में नेतृत्व 8

वर्ष एक नज़र में 14

कॉर्पोरेट प्रोफ़ाइल 16

बीएचईएल के बारे में 16

पैन इंडिया उपस्थिति 20

बीएचईएल की दुनिया 22

उत्कृष्टता की पहचान 24

बोर्ड की रिपोर्ट 26

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण 35

व्यापार खंडों का प्रोफाइल और निष्पादन 38

वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण 62

कॉर्पोरेट शासन प्रणाली 78

सतत विकास 113

व्यापार उत्तरदायित्व संबंधी रिपोर्ट 122

आरएंडडी और तकनीकी उन्नतियां 128

वित्तीय विवरण 149

स्टैंड अलोन वित्तीय विवरण 150

संयुक्त वित्तीय विवरण 220

अतिरिक्त जानकारी 293

वित्तीय सारांश 294

वर्षवार पूंजी व्यय 295

लाभांश वितरण नीति 296

उत्पाद प्रोफाइल 298

शब्दावली और शब्द–संक्षेप 307

नोटिस 311

शेयरधारकों के लिए पत्र

प्रिय शेयरधारकों

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपकी कंपनी ने 2017–18 के दौरान शानदार प्रदर्शन दिया था। लगातार चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बीच, हाल ही में किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप लाभप्रदता और उत्पादकता में वृद्धि हुई, विद्युत क्षेत्र में हमारे नेतृत्व को सुदृढ़ करने और गैर–विद्युत व्यवसाय क्षेत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। रणनीतियों के साथ–साथ ये उपलब्धियां, राष्ट्रीय संपत्तियों के बीच हमारी विशिष्ट स्थिति को मजबूत करती हैं और 'न्यू इंडिया' बनाने में हमारा योगदान सुनिश्चित करती हैं।

प्रमुख निष्पादन

मैं वित्तीय वर्ष 2017–18 के निष्पादन के मुख्य अंश आपको बताना चाहता हूं।

- कंपनी ने पिछले वर्ष में ₹27,740 करोड़ के मुकाबले 2017–18 के दौरान ₹ 27,850 करोड़ का कारोबार किया। इसके साथ, आपकी कंपनी ने पिछले दो वर्षों, 2016–18 के दौरान 11% की वृद्धि हासिल की है।

- गत वर्ष के ₹628 करोड़ की तुलना में वर्ष 2017–18 के दौरान कर पूर्व लाभ, 152% की वृद्धि के साथ, ₹1,585 करोड़ रहा। 2016–17 में ₹496 करोड़ की तुलना में शुद्ध लाभ (पीएटी) ₹807 करोड़ रुपये रहा।

- एक संकुचित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी भारतीय विद्युत क्षेत्र के बाजार में, हमने वर्ष के दौरान थर्मल पावर परियोजनाओं के मुख्य पैकेजों के सभी ऑर्डर प्राप्त करके हमारी अग्रणी स्थिति को सुदृढ़ किया। वर्ष के दौरान प्राप्त किए ₹40,932 करोड़ के कुल आदेश – पिछले वर्ष की तुलना में 74% अधिक हैं। जिसमे गैर–कोयले के कारोबार में बढ़ोतरी पर हमारा पूरा ध्यान केंद्रित होने के परिणामस्वरूप परिवहन, रक्षा, सौर और जल व्यापार में प्राप्त उच्चतम आदेश शामिल

कारोबार
₹27,850 करोड़

कर पूर्व लाभ
₹1,585 करोड़

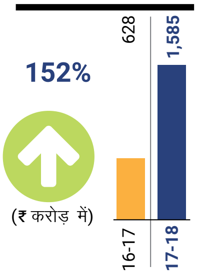

बुक किए ऑर्डर
₹40,932 करोड़

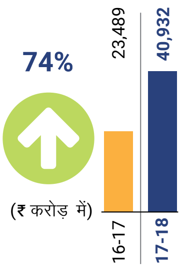

- थर्मल पावर परियोजनाओं में 100 प्रतिशत बाजार हिस्सेद
- परिवहन, रक्षा, सोलर एवं ज में अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर

स्वयं के पास कुल ऑर्डर
₹1,18,000 करोड़

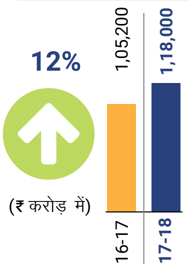

- अंतिम चार वर्षों के दौरान उच्चतम

हैं। इसके साथ, पिछले पांच वर्षों के दौरान सबसे अधिक, ₹1,18,000 करोड़ से अधिक के ऑर्डर हमारे हाथ में हैं।

- प्राप्त किए कुछ प्रमुख आदेश 3x800 मेगावाट पतरातु – देश में आंतरिक प्रतिस्पर्धी बोली द्वारा प्राप्त अब तक का सबसे बड़ी विद्युत परियोजना का ऑर्डर, 2x660 मेगावाट उड़ानगुडी, 1x660 मेगावाट पंकी, 1x660 मेगावाट भुसावल, स्टीम जनरेटर पैकेज –2x700 मेगावॉट परमाणु ऊर्जा संयंत्र, गोरखपुर और अन्यों के साथ भारतीय रेलवे से मुख्य लाइन ईएमयू ट्रेनों के लिए 25 केवी एसी आईजीबीटी आधारित तीन चरण इलेक्ट्रिक के 146 सेट हैं।

- उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय में अपनी क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, बीएचईएल ने 31 मार्च, 2018 तक 17 थर्मल इकाइयों के लिए फ्लू गैस डीसल्फराईजेशन (एफजीडी) आदेश प्राप्त किया है।

- आपकी कंपनी के विविधीकरण प्रयासों को सौर ऊर्जा में सबसे ज्यादा आदेश प्राप्त करने और नगरपालिका खंड में रायपुर में छह सीवेज उपचार संयंत्रों के निर्माण के लिए आदेश प्राप्त करने से बढ़ावा मिला। स्पेस ग्रेड लिथियम–आयन कोशिकाओं के लिए इसरो और कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान के साथ मेट्रो ट्रेन्स के लिए बोगी और स्टेनलेस स्टील के कोच के लिए प्रौद्योगिकी साझाकरण समझौतों द्वारा उभरते क्षेत्रों में क्षमताओं को सुदृढ़ करने में आपकी कंपनी को मदद मिलेगी।

- वर्ष के दौरान 4,149 मेगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता को चालू / सिंक्रनाइज़ किया गया था।इसके अलावा, 170 मेगावाट सौर पीवी संयंत्रों को भी शुरू किया गया। इसके साथ ही, बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए बिजली उत्पादन उपकरणों का विश्वव्यापी स्थापित आधार 183 गीगावाट से अधिक हो गया है।

- बीएचईएल के अत्याधुनिक प्रणोदन उपकरण से लैस भारत की पहली वातानुकूलित एसी ईएमयू ट्रेन दिसंबर, 2017 से मुंबई में सफलतापूर्वक परिचालन कर रही है और इस तरह के अवसरों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही है।

- कंपनी ने आर एंड डी पर कारोबार के 2.7% – ₹753 करोड़ का निवेश किया। वर्ष के दौरान 530 पेटेंट और कॉपीराइट के दाखिल होने के साथ कंपनी की कुल बौद्धिक पूंजी 4,357 पेटेंट और कॉपीराइट तक बढ़ गई है।

- आपकी कंपनी वर्ष 2017–18 के लिए बढ़ाए गए भुगतान शेयर पूंजी पर, 2017 में बोनस जारी करने के बाद 91% के कुल लाभांश का भुगतान प्रस्तावित कर रही है। यह शेयरधारकों की मंजूरी मिल जाने पर, पिछले चार वर्षों के दौरान भुगतान किया गया सबसे अधिक लाभांश होगा।

भविष्य

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। इसकी वर्तमान में जनसांख्यिकीय लाभांश, टेक्नोलॉजी विकास और आर्थिक सुधारों द्वारा समर्थित यूएस + 2.6 ट्रिलियन से 2025 तक यूएस + 5 ट्रिलियन और 2030 तक यूएस + 10 ट्रिलियन इकोनॉमी बनने की कल्पना की गई है। इसमें ऊर्जा और आधारभूत संरचना क्षेत्र में भारी मांग और अवसर पैदा होंगे।

28 अप्रैल, 2018 भारत की विकास यात्रा का ऐतिहासिक दिन है। इस दिन, भारत के हर गांव में बिजली पहुंच गई। आगे बढ़ते हुए, सरकार साल के अंत तक 100% गांवो के विद्युतीकरण से 100% घरों का विद्युतीकरण करने का लक्ष्य रख रही है। भारत की विद्युत क्षेत्र में विद्युत की पहुंच और उपलब्धता में यह सुधार सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक है, जहां आपकी कंपनी अग्रणी कंपनियों में से एक है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, रेलवे, बंदरगाहों, शहरी आधारभूत संरचना, पर्यावरणीय समाधान, और सीमेंट, कोयले, स्टील, पेट्रोकेमिकल्स जैसी बुनियादी सामग्रियों को आने वाले वर्षों में भारत की विकास आकांक्षाओं को बढ़ावा देने हेतु भारी निवेश के लिए तैयार किया गया है।

यह बहुत ही रोमांचक समय है। यह आपकी कंपनी, स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, अस्थिरता, उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण, शहरी परिवहन और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्रों में कणों के लिए कई और अवसर ला रहा है। यह स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, ई–गतिशीलता, उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण, शहरी परिवहन और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्रों में आपकी कंपनी के लिए कई और अवसर ला रहा है।

कल के बीएचईएल का निर्माण

आपकी कंपनी के लिए संभावित सफलता की कहानियों में उभरते अवसरों को परिवर्तित करके सतत निष्पादन के अगले स्तर पर जाने हेतु यह एक ऐतिहासिक क्षण है। इसलिए, आपकी कंपनी ने 'उभरते अवसरों की

प्रतिक्रिया को बढ़ाने, मजबूती के नए लीवर बनाने और लगातार बढ़ते बीएचईएल की नींव रखने के उद्देश्य से' कल के बीएचईएल का निर्माण 'की एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है।

हमारा मौलिक रणनीति ढांचा जो परिवर्तनकारी यात्रा का खंभा है, समवर्ती समय क्षितिज पर फैले तीन रणनीति विषयों से मिलकर बना है: तीन विषयों को एक साथ लक्षित किया जाता है और इनके अंतर्गत रणनीतियों से कंपनी की वर्तमान तथा भविष्य की चुनौतियों का समाधान होगा।

अस्तित्व में रहें : 2015–16 तक निष्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति को देखते हुए, पिछले दो वर्षों के दौरान आपकी कंपनी का पहला लक्ष्य लाभप्रदता और विकास हासिल करना था। हमने सख्त लागत नियंत्रण, समेकन के माध्यम से संसाधनों का कुशल उपयोग, और सरलीकरण के माध्यम से प्रतिक्रिया की गति को बढ़ाकर आदेशों के त्वरित निष्पादन को अधिकतम प्राथमिकता दी। गैर–निष्पादन योग्य आदेशों के निष्पादन योग्य आदेशों में रूपांतरण पर पूरा ध्यान; कॉर्पोरेट कार्यों और व्यापार समूहों का एकीकरण और पुनर्गठन; जनशक्ति लेखा परीक्षा; नीतियों और प्रक्रियाओं का सरलीकरण, और व्यावसायिक प्रक्रियाओं में सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतर प्रयोग आपकी कंपनी द्वारा सफलतापूर्वक निष्पादित कुछ पहल थीं। यह हमारी 'जीवन रक्षा रणनीति' थी, जिसने हमें न केवल गिरते निष्पादन के रुझानों को कम करने में सक्षम बनाया, बल्कि हमारी बेहतर निष्पादन की गति को भी आगे बढ़ाया।

भारत ने... वर्ष 2025 तक 5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर तथा वर्ष 2030 तक 10 ट्रिलियन अमरीकी डालर की अर्थव्यवस्था बनने की परिकल्पना की है.... जिससे ऊर्जा और ढ़ांचागत क्षेत्र में भारी मांग तथा अवसरों के लिए द्वार खुलेंगे।

पुनरुत्थान: पुनरुत्थान: जबकि कंपनी को विकास पथ पर वापस देखने के लिए संतोषजनक रहा है, लेकिन कंपनी के निरंतर 'पुनरुत्थान' के लिए ताकत के नए स्रोत बनाने की हमारी रणनीतियां अनिवार्य हैं।

इसमें हमारे मुख्य व्यवसाय में नेतृत्व की रक्षा के लिए दृढ़इच्छाशक्ति और कुछ भी कम से समझौता न करने का संकल्प, भविष्य की व्यावसायिक आवश्यकताओं के साथ संरेखण में, हमारी सबसे महत्वपूर्ण पूंजी – हमारे लोग का समग्र विकास, और नए विकास के अवसर बनाने और परिचालन उत्कृष्टता में सुधार के लिए डिजिटलकरण का अधिकतम उपयोग शामिल हैं। मुख्य व्यवसाय में पोर्टफोलियो विस्तार; कर्मचारी विकास और प्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए नीति और संरचनात्मक परिवर्तन; उपयोगिता के लिए आईओटी बेस समाधान का विकास; और सभी कर्मचारी–उपयोगिता सेवाओं का डिजिटलीकरण निष्पादित किया जा रहा है। यह मध्यम अवधि में प्रगति करने और हमारे अपने मानक से आगे निकल जाने की कुंजी है।

प्रगति: कंपनी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए, हम वैश्वीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और गैर–कोयले क्षेत्रों में व्यवसाय बढ़ाने के लिए विविधता पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और हमारी नवप्रवर्तन क्षमताओं को और मजबूत करते हैं, जहां आपकी कंपनी 'सफलता' और वैश्विक इंजीनियरिंग उद्यम बनने की दृष्टि से बढ़ने की इच्छा रखती है। तदनुसार, हमने उभरते अवसरों के लिए विशिष्ट व्यापार बनाए और पुनर्गठित किए हैं। बिजली उत्पादन के लिए उन्नत अल्ट्रा–सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रणोदन प्रणाली

रणनीति विषय

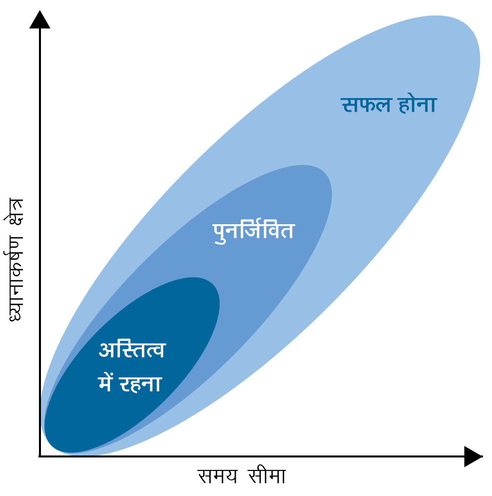

पहल	तत्व
दीर्घकालिक जीविका के लिए नई क्षमताओं और व्यापार का निर्माण करें	• **वैश्वीकरण:** वैश्विक व्यापार और सोर्सिंग में वृद्धि • **विविधीकरण:** नवीनीकरण, परिवहन, रक्षा, एयरोस्पेस, जल, पुर्जों और सेवाओं तथा अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से व्यापार बढ़ाए • **नवाचार:** : परिणाम आधारित इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करें
मूल तत्व को सुरक्षित रखें, लोगों की रणनीति को दिशा दें, मूल तत्व को अधिक उपयोगी बनाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करें	• **दृढ़ता:** मुख्य व्यापार में नेतृत्व बनाए रखें और ग्राहक फोकस को बढ़ाएं; किसी अन्य वस्तु से समझौता न करें • **विकास:** कल के लिए जानें–साझा करें–विकसित करें • **डिजिटलकरण:** मौजूदा और नए व्यापार के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करें
आदेशों का त्वरित निष्पादन; लगनशील और चुस्त संगठन बनाने के लिए सरलीकरण और समेकन	• **निष्पादन:** गुणवत्ता में उत्कृष्टता के साथ तत्परता से निष्पादित करें • **एकीकरण:** नकल की परतों को हटा दें; कॉर्पोरेट कार्यों और व्यापार समूहों का रणनीतिक समेकन • **सरलीकरण:** प्रक्रियाओं और एक–दूसरे के कार्यों को सरल बनाना

हमारे मूल रणनीतिक ढांचे में समवर्ती समय सीमाओं पर आधारित तीन कार्यनीतिक मूल विषयः कायम रहो, पुनर्जीवित हो, और आगे बढ़ो (एसआरटी) शामिल हैं।

और मेथनॉल कोयले जैसी तकनीकों का विकास, मिशन मोड में लिया गया है।

नौ तत्व – ईसीएस, एडीडी, जीडीआई, जिसे कार्यकारी दृष्टि (एनईईवी) के लिए नौ तत्वों के रूप में नामित किया गया है, आपकी कंपनी के रणनीतिक योजना 'रोड टू 2011' का अभिन्न हिस्सा हैं और हमारी परिवर्तन यात्रा –'कल के बीएचईएल का निर्माण ' की नींव हैं। जैसा कि पिछले दो वर्षों के दौरान साबित किया गया है, आपकी कंपनी भविष्य में समान उत्साह और उमंग के साथ इन सभी तत्वों पर परिश्रमपूर्वक काम करना जारी रखेगी।

यात्रा में भागीदार

आपकी कम्पनी.... 'मेक इन इंडिया' की सफलता का सबसे बेहतरीन उदाहरण है.......और 'न्यू इंडिया' के निर्माण की इस यात्रा में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए सदैव तैयार एवं कटिबद्ध है।

बीएचईएल परिवार के प्रत्येक सदस्य के समर्पित और प्रतिबद्ध प्रयासों का आभार माने बिना हमारी यात्रा में महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं की जा सकती हैं। मैं अपने सम्मानित ग्राहकों और अन्य व्यापार भागीदारों को हमारे लिए लगातार विश्वास बनाए रखने के लिए, हमारे कर्मचारियों को उनके जुनून और दृढ़ता के लिए, बोर्ड के सदस्यों का उनके मार्गदर्शन के लिए, और आप, हमारे शेयरधारकों को कंपनी में समर्थन और विश्वास के लिए ईमानदारी से धन्यवाद और कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं। मैं अपने सभी प्रयासों में उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए भारत सरकार के मंत्रालयों, विशेष रूप से भारी उद्योग विभाग का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आपकी कंपनी, बीएचईएल के राष्ट्र निर्माण प्रयासों में अत्यधिक योगदान ने इसे सफल 'मेक इन इंडिया' का बेहतरीन उदाहरण बना दिया है। हम प्रतिबद्ध हैं और 'न्यू इंडिया' बनाने की इस यात्रा में आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं जो समृद्ध, आश्वस्त और प्रसन्न है।

मैं इस यात्रा में आपके निरंतर समर्थन की आशा करता हूं।

शुभकामनाओं सहित,

अतुल सोबती
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली
08 अगस्त, 2018

बीएचईएल नेतृत्व

निदेशक मंडल (20.07.2018 की स्थिति)

दाएं से बाएं बैठे हैं

श्री राजेश किशोर
स्वतंत्र निदेशक

सुश्री सुरमा पाधी
स्वतंत्र निदेशक

श्री अतुल सोबती
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डॉ. सुभाष चंद्र पांडेय
एसएस एवं एफए, डीआईपीपीः अंशकालिक सरकारी निदेशक

श्री प्रवीण एल. अग्रवाल
संयुक्त सचिव, डीएचआईः अंशकालिक सरकारी निदेशक

दाएं से बाएं खड़े हैं

श्री केशव एन. देसीराजू
स्वतंत्र निदेशक

श्री एस. बालाकृष्णन
निदेशक (आईएव एवं पी)

श्री अखिल जोशी
निदेशक (पावर)

श्री सुबोध गुप्ता
निदेशक (वित्त)

श्री रंजीत रे
स्वतंत्र निदेशक

श्री एस. बिस्वास
निदेशक (इंजीनियरिंग, आरएंडडी)

श्री आर. स्वामीनाथन
स्वतंत्र निदेशक

श्री देश दीपक गोयल
स्वतंत्र निदेशक

श्री डी. बंद्योपाध्याय
निदेशक (मानव संसाधन)

बीएचईएल नेतृत्व

प्रबंधन टीम (20.07.2018 की स्थिति)

अतुल सोबती
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डी. बंद्योपाध्याय
निदेशक (मानव संसाधन)

एस. बिस्वास
निदेशक (इंजीनियरिंग, आरएंडडी)

अखिल जोशी
निदेशक (पावर)

सुबोध गुप्ता
निदेशक (वित्त)

एस. बालाकृष्णन
निदेशक (आईएसएंडपी)

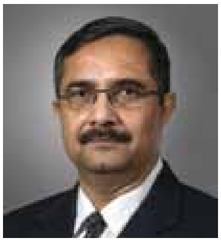
एम.के. शर्मा
का.नि. (सीपीपी, पीएमजी एवं संविदा समापन), नई दिल्ली अति. प्रभार (डीएबीजी)

वी.के. चौहान
का.नि. (आईओ), नई दिल्ली

डॉ. उमाकांत चौधरी
का.नि. (सीटीएम), नई दिल्ली

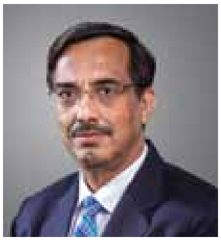
के. पुरस्वानी
का.नि. (जन कार्यनीति), नई दिल्ली अति. प्रभार (सीक्यूएंडबीई एवं सीएलडी)

अंजन मुखोपाध्याय
का.नि. (पीएस– पू.क्षे.), कोलकाता

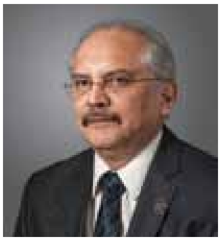
डी. गुईन
का.नि. (सीएसएम), नई दिल्ली सचिव, प्रबंधन समिति

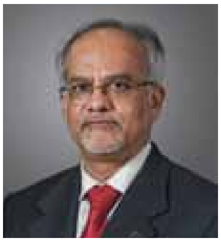
जी.एस. रोट्टी
का.नि. (आरईडब्ल्यूबी), नई दिल्ली

तापस मजूमदार
म्का.नि. (पीएस–टीएस), नोएडा अति. प्रभार (पीएस–पीएमजी)

आर. राजामनोहर
का.नि. (तिरुचिरापल्ली), पीपीपीयू एंड पाइपिंग सेंटर)

के कलईसेल्वन
का.नि. (टी.बी.जी.), रानीपेट

एस.वी.एन. जितिन सुन्दर
का.नि. (कार्पोरेट आरएंडडी), हैदराबाद

डी.के. ठाकुर
का.नि. (एचईपी), भोपाल

डी.के. दीक्षित
का.नि. (टीपी), झांसी

ए.के. मुखोपाध्याय
का.नि. (पीएस–दे.क्षे.), चेन्नई

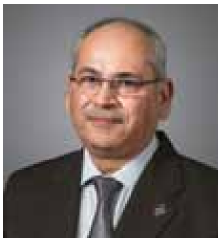
एस. चतुर्वेदी
का.नि. (टी.बी.जी.), नोयडा

जी.के. हेडाऊ
का.नि. (पीएस–मार्केटिंग, थर्मल एवं गैस), नई दिल्ली

राजीव मेहरा
का.नि. (सीएफएफपी), हरिद्वार

वी. रविन्द्रन
का.नि. (एसएसबीजी), नोएडा

अशोक एम. दावने
का.नि. (सीएस एंड एफपी), जगदीशपुर

मंजीत सिंह
का.नि. (पीएस–उ.क्षे.), नोएडा

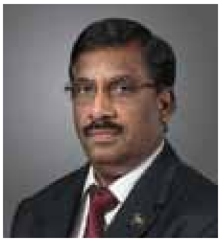

आर. सुब्रमणियन
का.नि. (पीएस–प.क्षे.), नागपुर

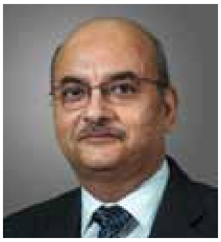

के.के. खुराना
का.नि. (पीएस–पीईएम), नोएडा

राणा बासु
का.नि. (पीसीएसजी), नोएडा

जी. उदय कुमार
का.नि. (आईएसजी), बेंगलुरु अति. प्रभारी (एचपीईपी)

ए.एम. गुप्ता
का.नि. (एचबीजी), नोएडा

एम.के. वर्मा
का.नि. (सीबीयू), बेंगलुरु

सी. मूर्ति
का.नि. (सीओएम), नई दिल्ली

कमलेश दास
का.नि. (आरओडी), नई दिल्ली अति. प्रभार (आईएस–आईपीई एंड आईपीएम)

अनिल कपूर
का.नि. (मा.सं एंड का.स.), नई दिल्ली

सी. आनंदा
का.नि. (ईडीएन), बेंगलुरु

पी.पी. यादव
म.प्र.–प्रभारी (एनबीजी), नोएडा

संजय गुलाटी
म.प्र.–प्रभारी (एचईईपी), हरिद्वार

पी. जगदीश्वर रेड्डी
म.प्र.–प्रभारी (पीईएंडएसडी), हैदराबाद अति. प्रभार (एचपीवीपी)

रेणुका गेरा
म.प्र.–प्रभारी (ईएसएस), नई दिल्ली

अनिल जोशी
म.प्र.–प्रभारी (सीडीटी), नोएडा

ए.के. जैन
म.प्र. एवं प्रमुख (टीबीएसजी), नई दिल्ली

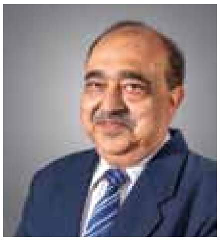

एस.बी. नारंग
म.प्र. एवं प्रमुख (कॉर्पोरेट वित्त), नई दिल्ली

का.नि. : कार्यपालक निदेशक
म.प्र.–प्रभारी : महाप्रबंधक–प्रभारी
म.प्र. : महाप्रबंधक

निदेशक मण्डल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कार्यकारी निदेशकों की समिति

निदेशक इंजीनियरिंग, आर एंड डी

- **कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास**
  - कॉर्पोरेट आरएंडडी, हेदराबाद
  - सेरामिक प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु
  - एएसएससीपी, गुरुग्राम
- **कार्पोरेट प्रौद्योगिकी प्रबंधन**
  - नवाचार कार्यनीति एवं निष्पादन
  - प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग
  - ज्ञान प्रबंधन
  - उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाएं एवं प्रौद्योगिकियां
  - संयुक्त उद्यम, विलय एवं अधिग्रहण
- **कॉर्पोरेट परिचालन प्रबंधन**
  - परिचालन प्रबंधन
  - सोर्सिंग स्ट्रेटजी एंड पॉलिसी
  - परिचालन सुधार पहलें और प्रोत्साहन कार्यक्रम
- **कॉर्पोरेट डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन**
  - डिजिटल स्ट्रेटजी एंड गवर्नेन्स
  - उत्पाद और सेवाएं डिजिटलीकरण
  - आई.टी. सिस्टम्स एवं अनुप्रयोग विकास
  - आईटी सेवा, सुरक्षा और सहयोग
  - आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रबंधन
- **कॉर्पोरेट गुणवत्ता और व्यावसायिक उत्कृष्टता**
  - नई गुणवत्ता पहल
  - समग्र गुणवत्ता प्रबंधन
  - गुणवत्ता प्रमाणन
  - फील्ड गुणवत्ता आश्वासन
- उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) परियोजना

निदेशक वित्त

- **कॉर्पोरेट वित्त**
  - बजट और बजट नियंत्रण
  - परियोजना एवं जनरल इंश्योरेंस
  - कॉर्पोरेट बुक्स एवं लेखा
  - वित्तीय योजना एवं रणनीतियां
  - विदेश व्यापार नीति
- **कोष प्रबंधन एवं बैंकिंग**
  - प्राप्य प्रबंधन
  - राजकोष एवं नकदी प्रबंधन
  - बैंकिंग परिचालन
  - फोरेक्स प्रबंधन
  - परियोजना वित्त
- **कराधान**
  - प्रत्यक्ष कर प्रबंधन
  - अप्रत्यक्ष कर प्रबंधन
- **लेखा परीक्षा एवं अनुपालन**
  - सांविधिक एवं लागत लेखा परीक्षा
  - आंतरिक लेखा परीक्षा
  - सीएंडएजी लेखा परीक्षा
  - } बीएचईएल एवं इसकी इकाइयां, क्षेत्र तथा व्यावसायिक खंड

निदेशक मानव संसाधन

- **कॉर्पोरेट मानव संसाधन एवं सीसी**
  - मा.सं.–नीति
  - मा.सं. विश्लेषण
  - चिकित्सा सेवाएं
  - विधि
  - औद्योगिक संबंध
  - कॉर्पोरेट संचार
  - कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
  - स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पर्यावरण
  - प्रशासन और सुरक्षा
  - केन्द्रीय लोक सूचना कार्यालय
- **जन रणनीतिक समूह**
  - जनशक्ति योजना एवं अधिग्रहण
  - जनशक्ति लेखा परीक्षण
  - प्रतिभा प्रबंधन
  - उत्तराधिकार योजना
  - कर्मचारी नियुक्ति
  - कार्य–निष्पादन प्रबंधन
- **कॉर्पोरेट ज्ञानार्जन और विकास**
  - एलएंडडी रणनीतिः निर्माण, अलाइनमेंट और रिपोर्टिंग
  - तकनीकी, व्यवहार संबंधी प्रबंधकीय कौशल प्रशिक्षण

मुख्य सतर्कता अधिकारी

- सतर्कता

कॉर्पोरेट रणनीतिक प्रबंधन

- कार्य रणनीति योजना एवं निष्पादन
- जोखिम की पहचान और प्रबंधन
- बाह्य अनुबंध
- विकास के नए क्षेत्र
- सहयोगात्मक प्रबंधन

कंपनी सचिव

- सचिवीय अनुपालन एवं निवेशक सेवाएं
- कंपनी अधिनियम और सूचीयन अनुबंध
- वार्षिक आम बैठक, बोर्ड और बोर्ड स्तरीय समिति की बैठकें

निदेशक पावर

निदेशक औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद

बीएचईएल नेतृत्व

कॉर्पोरेट संगठनात्मक संरचना (20.07.2018 के अनुसार)

प्रबन्धन समिति

- पावर सेक्टर–विपणन (थर्मल और गैस)
- न्यूक्लियर बिज़नेस ग्रुप
- हाइड्रो बिजनेस ग्रुप
- परियोजना प्रबंधन समूह
- तकनीकी सेवाएं
- परियोजना समापन सिनर्जी समूह
- संविदा समापन समूह
- परियोजना इंजीनियरिंग प्रबंधन
- पुर्जे एवं सेवा व्यापार समूह
- भारी उपस्कर मरम्मत संयंत्र, वाराणसी
- आर एंड एम सिस्टम्स समूह, भोपाल
- औद्योगिक प्रणाली समूह, बेंगलुरु
- पावर सेक्टर– दक्षिणी क्षेत्र चेन्नई
- पावर सेक्टर– उत्तरी क्षेत्र, नोएडा
- पावर सेक्टर– पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता
- पावर सेक्टर– पश्चिमी क्षेत्र, नागपुर
- पावर सेक्टर–मुख्यालय, एमएसएक्स, मानव संसाधन

- कैप्टिव पावर प्लांट बिजनेस
- औद्योगिक उत्पाद व्यवसाय (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल)
- आईएस–पीएमजी और संविदा समापन
- क्षेत्रीय परिचालन प्रभाग
- परिवहन व्यवसाय और प्रणाली समूह
- रक्षा एवं अंतरिक्ष व्यापार समूह

- अक्षय ऊर्जा और जल व्यापार
- पारेषण व्यापार समूह
- परियोजना इंजी. और प्रणाली प्रभाग, हैदराबाद
- ऊर्जा भंडारण समाधान समूह

- अंतर राष्ट्रीय परिचालन

भोपाल
- हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट

हरिद्वार
- हेवी इलेक्ट्रिकल इक्यूपमेंट प्लांट
- सेन्ट्रल फाउण्ड्री फोर्ज प्लांट[1]

हैदराबाद
- हेवी पावर इक्यूपमेंट प्लांट

तिरुचिरापल्ली, तिरुमयम, गोइंदवाल
- हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट, त्रिची
- सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट, त्रिची
- पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट, तिरुमयम
- पाइपिंग सेंटर, चेन्नई
- इंडस्ट्रियल वाल्व प्लांट, गोइंदवाल

रानीपेट
- बॉयलर ऑग्जिलरीज् प्लांट

बेंगलुरु
- इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन
- इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिवीजन
- इलेक्ट्रो पोर्सिलेन्स प्रभाग[2]

झांसी
- ट्रांसफार्मर प्लांट

रुद्रपुर
- कम्पोनेन्ट फेब्रिकेशन प्लांट

विशाखापट्टनम
- हेवी प्लेट्स और वेसल्स प्लांट

जगदीशपुर
- इन्सुलेटर प्लांट
- सेन्ट्रलाइज्ड स्टाम्पिंग एवं फेब्रिकेशन प्लांट[1]

1. सीएफएफपी, सीएस एंड एफपी – निदेशक (अभियांत्रिकी, आरएंडडी) को रिपोर्ट
2. ईपीडी – निदेशक (औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद) को रिपोर्ट

वर्ष एक नज़र में | 2017-18

(आकड़े ₹ करोड़ में हैं जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो)

प्राप्त ऑर्डर

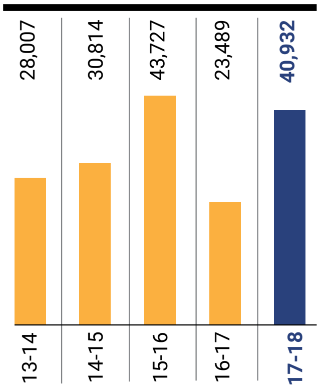

कारोबार

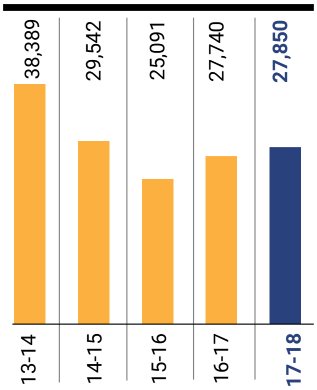

जनशक्ति (अंको में)
(कारोबार प्रति कर्मचारी) ₹ लाख

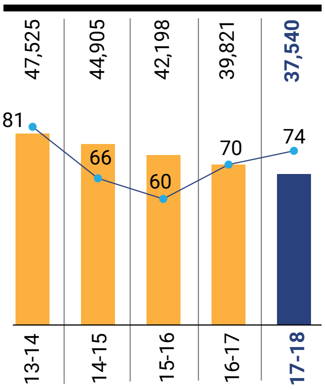

ईबीआईडीटीए
(% करोबार)

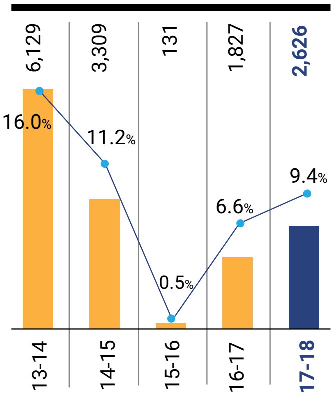

कर पूर्व लाभ (पीबीटी)
(% करोबार)

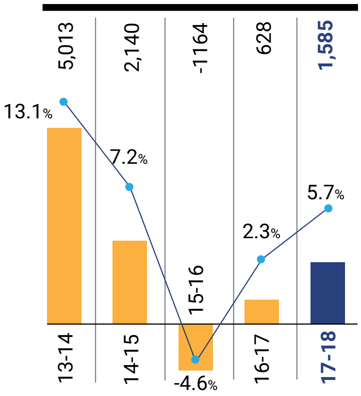

कर पश्चात लाभ (पीएटी)
(% औसत औसत शुद्ध मूल्य)

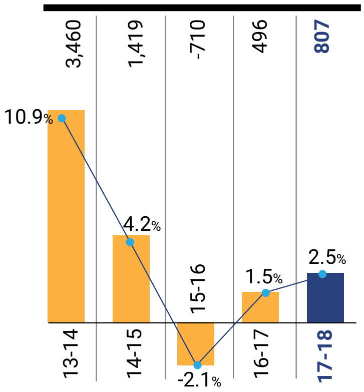

लाभांश भुगतान
(लाभांश कर सहित)

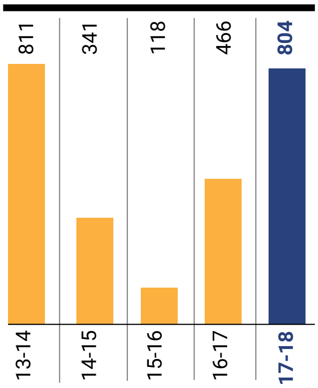

प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस)
(₹ में)

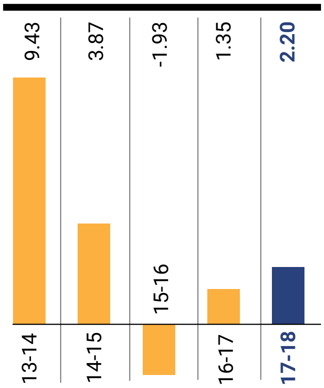

कोष में योगदान

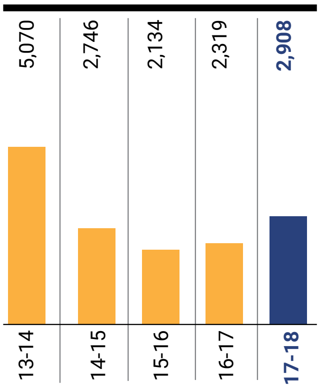

वित्त वर्ष 2013-14 और 2014-15 के आंकड़े आईजीएपी के अनुसार हैं और वित्त वर्ष 2015-16 और उसके बाद के आंकड़े इंड एएस के अनुसार हैं।

बीएचईएल की रणनीतियों और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध रहकर हम सब कुछ करते हैं। 2017-18 में आपकी कंपनी के निष्पादन के मुख्य अंश यहां दिए गए हैं:

कुल बुक ऑर्डर

₹1,18,000 करोड़

पिछले पाचं वर्षों के दौरान अधिकतम

100% बाजार हिस्सेदारी

थर्मल यूटिलिटी सेगमेंट में

अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर **परिवहन**, **रक्षा** तथा **जल** खण्डों में बुक किया गया

183 गीगावाट + विद्युत उत्पादन उपकरण

अब तक संस्थापित

1,000+ यूटिलिटी सेट देश में कमीशन किए गए

कोयले, हाइड्रो, परमाणु, सौर और गैस सहित

530 मेगावाट + सौर पीवी पोर्टफोलियो

अब तक का सबसे बड़ा **75 मेगावाट** का ऑर्डर एसपीवी संयंत्र

15.61 मिलियन यूनिट्स विद्युत आंतरिक सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों के माध्यम से उत्पन्न की गई

आर एंड डी नवाचार में **₹750 करोड़** से अधिक का निवेश

530 पेटेंट/कॉपीराइट दायर | **4,357** कुल बौद्धिक पूंजी

कंपनी संपत्ति में **₹240 करोड़** से अधिक का निवेश किया गया

क्षमता निर्माण / उत्पादकता वृद्धि / स्वदेशीकरण के लिए

मानव पूंजी आधार **37,540**

2100+ महिला कर्मचारी

27 श्रम पुरस्कार

15 विश्वकर्मा पुरस्कार

24,046 प्रशिक्षु प्रशिक्षित

6,088 अधिनियम–प्रशिक्षुओं सहित कौशल भारत के एक प्रयास के रूप में

रणनीतिक विविधीकरण

ली–आयन कोशिकाओं के लिए इसरो के साथ स्टेनलेस स्टील मेट्रो कोचों के लिए केएचआई के साथ **प्रौद्योगिकी समझौता**

बीएचईएल के बारे में

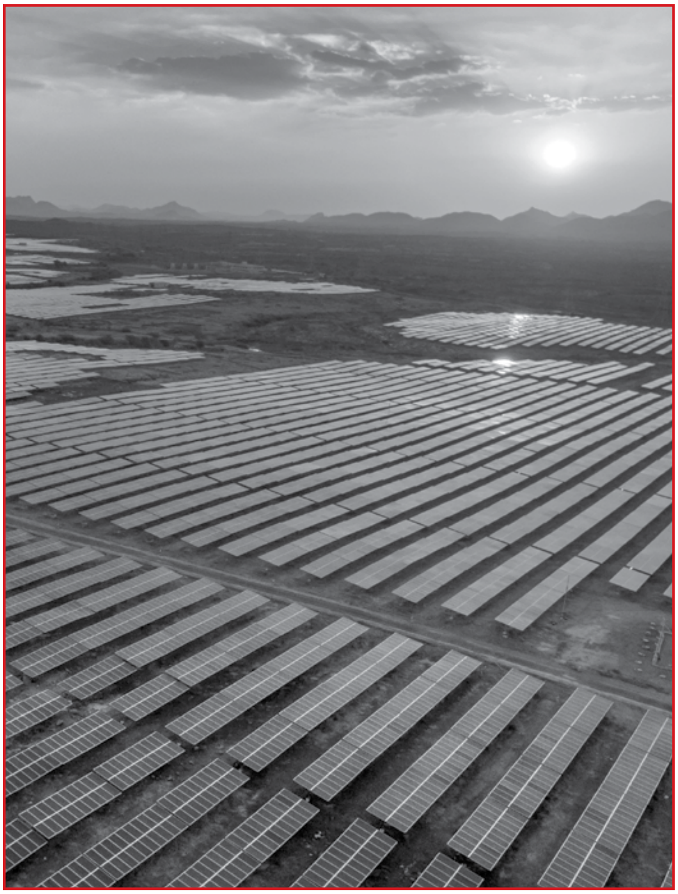

बीएचईएल भारत की औद्योगिक उपलब्धियों का द्योतक है। अपनी 55 वर्षों से अधिक की यात्रा में, इसने भारतीय उद्योग के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक होने का गौरव प्राप्त किया है। बीएचईएल अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों में कार्य करता है और विद्युत, पारेषण, परिवहन, अक्षय ऊर्जा, जल, रक्षा और एयरोस्पेस, तेल एवं गैस और उद्योग क्षेत्र में ग्राहकों के लिए व्यापक समाधान प्रदान करता है। भारत में सबसे बड़ी इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनियों में से एक, बीएचईएल ने अपने परिचालन के स्तर और गंभीरता, गहन अनुभव, सक्षम जनशक्ति, अभिनव पारिस्थितिक तंत्र, विविध उत्पाद मिश्रण और टिकाऊ व्यावसायिक समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के कारण अपने सभी पणधारकों के बीच महत्व बनाए रखा है। बीएचईएल की सबसे बड़ी संपत्ति – 37,000 से अधिक कर्मचारियों का अत्यंत कुशल और प्रतिबद्ध कार्यबल इसकी सफलता का आधार है।

बीएचईएल की राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता कई रूपों में प्रतिबिंबित होती है। इनमें से कुछ हैं – देश की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता के आधे से अधिक में इसका योगदान; नवीनतम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को देश में लाना; आर एंड डी और नवाचार पर अधिकतम खर्च; पैन–इंडिया उपस्थिति; विश्व स्तरीय संपत्तियों की स्थापना और सामाजिक कार्यक्रमों में निवेश जैसे कि युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और हाइजीन, शिक्षा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण ।

पॉवर सेक्टर

बीएचईएल दुनिया की कुछ कंपनियों में से एक है जिसमें थर्मल, गैस, हाइड्रो और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए सिद्ध क्षमताओं के साथ विद्युत संयंत्र उपकरणों की पूरी श्रृंखला का निर्माण करने की क्षमता है। इसके उत्पादों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- 1000 मेगावाट आकार की इकाई तक जीवाश्म ईंधन अनुप्रयोगों के लिए स्टीम टरबाइने, जनरेटर, बॉयलर और इसके सहायक उपकरण
- फ्लू गैस डीसल्फारिजेशन प्रणाली, उच्च दक्षता इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपीटेटर और NOx उत्सर्जन नियंत्रण के लिए सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन सिस्टम सहित उत्सर्जन नियंत्रण उपस्कर
- 297 मेगावाट यूनिट आकार तक के गैस टरबाइन और जेनरेटर
- 400 मेगावाट यूनिट आकार तक के हाइड्रो टरबाइन और जेनरेटर
- 220 / 235 / 540 / 550 / 700 मेगावाट न्यूक्लियर टरबाइन जेनरेटर सेट
- सयंत्रों का नवीनीकरण, आधुनिकीकरण, अपरेटिंग , शेष जीवन मूल्यांकन, स्वास्थ्य निदान और कार्य करने की अवधि का विस्तार करके संयंत्र निष्पादन सुधार

उद्योग क्षेत्र

बीएचईएल अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों के लिए विभिन्न प्रणालियों और उत्पादों का अग्रणी निर्माता है। इसके परिचालन और सेवा के निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्र हैं:

- परिवहन: आईजीबीटी आधारित प्रोपल्शन उपकरण (ट्रेक्शन कनवर्टर / सहायक कनवर्टर / वाहन नियंत्रण इकाई), 25 केवी के एसी लोको, ईएमयू कोच, 6000 एचपी तक के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव और 3000 एचपी तक के डीजल इलेक्ट्रिक लोको
- ट्रांसमिशन: 132 केवी से 765 केवी तक ईएचवी और यूएचवी सबस्टेशन और + 800 केवी तक एचवीडीसी कनवर्टर स्टेशन, पावर ट्रांसफार्मर, शंट रिएक्टर, वैक्यूम और एसएफ6 स्विचगियर, गैस इन्सुलेटेड स्विचगियर, सिरेमिक इंसुलेटर, लचीला एसी ट्रांसमिशन सिस्टम डिवाइसेज आदि।
- नवीकरणीय ऊर्जा: सभी आकार के सयंत्रों, अंतरिक्ष ग्रेड सौर पैनलों और अंतरिक्ष ग्रेड बैटरी के लिए ग्रिड से जुड़े और स्टैंडअलोन सौर पीवी अनुप्रयोगों के लिए संकल्पना से कमीशन तक ईपीसी समाधान
- जल: पूर्व उपचार संयंत्र, समुद्री जल रिवर्स ऑस्मोसिस प्लांट, डेमिनेरलाइजेशन प्लांट्स, प्रदूषण उपचार संयंत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स, टेरिटरी ट्रीटमेंट प्लांट्स और शून्य द्रव रिसाव प्रणाली सहित विद्युत संयंत्रों, उद्योगों और नगर निगम के अनुप्रयोगों के लिए पूर्ण जल प्रबंधन समाधान।
- रक्षा तथा एयरोस्पेस: नौसेना के जहाजों के लिए सुपर रैपिड माउंट गन और एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली सहित भारतीय रक्षा बलों के लिए सामरिक उपकरण, एलसीए के लिए ताप विनिमायक,टी 72 टैंकों के लिए बुर्ज कास्टिंग, जहाजों के लिए कास्टिंग,सिमुलेटर आदि।
- कैप्टिव पावर प्रोजेक्ट्स: भाप और गैस टरबाइन आधारित कैप्टिव पावर प्लांट्स
- औद्योगिक उत्पाद: तेल रिग, वेलहेड्स और क्रिसमस ट्री वाल्व, यांत्रिक पैकेज, फैब्रिकेटेड उपकरण और बॉयलर फीड पंप, कंप्रेसर और एसी मशीनों सहित औद्योगिक उत्पादों की रेंज

17 विनिर्माण संयंत्रों, 2 मरम्मत इकाइयों, 4 क्षेत्रीय कार्यालयों, 8 सेवा केंद्रों, 1 सहायक, 3 सक्रिय संयुक्त उपक्रम, 15 क्षेत्रीय विपणन केंद्र, 3 विदेशी कार्यालय और भारत और विदेशों में वर्तमान में 150 से अधिक परियोजना स्थलों पर परियोजना निष्पादन, बीएचईएल विभिन्न उद्योगों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता और विश्वसनीय उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करता है ।

सभी छह निवास योग्य महाद्वीपों के 83 देशों में अपनी व्यापक पहचान बनाकर, बीएचईएल वास्तव में भारत का 'औद्योगिक राजदूत' है। आज तक, बीएचईएल ने विदेशी बाजारों में लगभग 11 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता स्थापित की है, और अतिरिक्त 6 गीगावाट निष्पादनाधीन है।

बीएचईएल की उपलब्धियां हासिल करने की परंपरा, और मूल दक्षता भविष्य के निर्माण के लिए हमारी ताकत का स्रोत हैं। नए भारत का उदय होने वाला है और बीएचईएल इसमें आगे बढ़ने के लिए तैयार है। अपनी शानदार यात्रा के दौरान स्वयं को बाजार की आवश्यकताओं के अनुकूल ढालने में समर्थ होने के कारण, यह कंपनी जहां एक ओर विविधीकरण के माध्यम से सतत विकास पर बल दे रही है, वहीं दूसरी ओर मुख्य व्यवसायों में अपने नेतृत्व को मजबूत करके स्वयं को बदल रही है।

कंपनी अपनी विकास की महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देने के लिए नए मार्ग बना रही है। मुख्य व्यवसायों में उपयोगिता प्रस्तावों को बढ़ाने और नई क्षमताओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, बीएचईएल अपने व्यापार का विस्तार कर रहा है और भविष्य में व्यापार के लिए सौर, परिवहन, पारेषण, रक्षा, एयरोस्पेस और जल व्यवसाय तथा अन्य नए विकास क्षेत्रों में अपने पोर्टफोलियो को बढ़ा रहा है। भविष्य में आगे बढ़ने के लिए, कंपनी विभिन्न क्षेत्रों जैसे शहरीकरण, डिजिटलीकरण, इत्यादि में बढ़ती अर्थव्यवस्था से उभरने के अवसरों का लाभ उठा रही है।

नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केन्द्रित करना बीएचईएल की ताकत है। विविधीकरण के लिए, कंपनी प्रौद्योगिकी विकास के साथ–साथ तकनीकी सहयोग पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके आँय प्रयासों के अंतर्गत, उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी और कोयला टू मेथनॉल जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का आंतरिक स्तर पर विकास किया जा रहा है। इसके अलावा, दुनिया में अग्रणी कंपनियों से प्रौद्योगिकियों के अधिग्रहण और अनुकूलन का भी प्रयास किया जा रहा है।

अपनी परिवर्तन यात्रा को जारी रखते हुए, बीएचईएल बदलाव को अपना रहा है और विकास के नए अवसर विकसित कर रहा है, जिससे बीएचईएल नए भारत के निर्माण में अधिक योगदान के लिए समर्थ बनेगा।

बीएचईएल, हरिद्वार में जेनरेटर के पुर्जों की विनिर्माण सुविधा

अखिल भारतीय उपस्थिति

उत्कृष्ट विनिर्माण शक्ति और ग्राहक को समर्पित समर्थन – 17 विनिर्माण इकाइयों 2 मरम्मत इकाइयों, 4 क्षेत्रीय कार्यालयों, 8 सेवा केंद्रों, 1 सहायक कंपनी, 3 विदेशी कार्यालयों, 3 सक्रिय संयुक्त उद्यमों, 15 क्षेत्रीय विपणन केंद्रों का व्यापक नेटवर्क और वर्तमान भारत तथा विदेशों में 150 से अधिक परियोजना स्थलों पर परियोजना निष्पादन का व्यापक नेटवर्क।

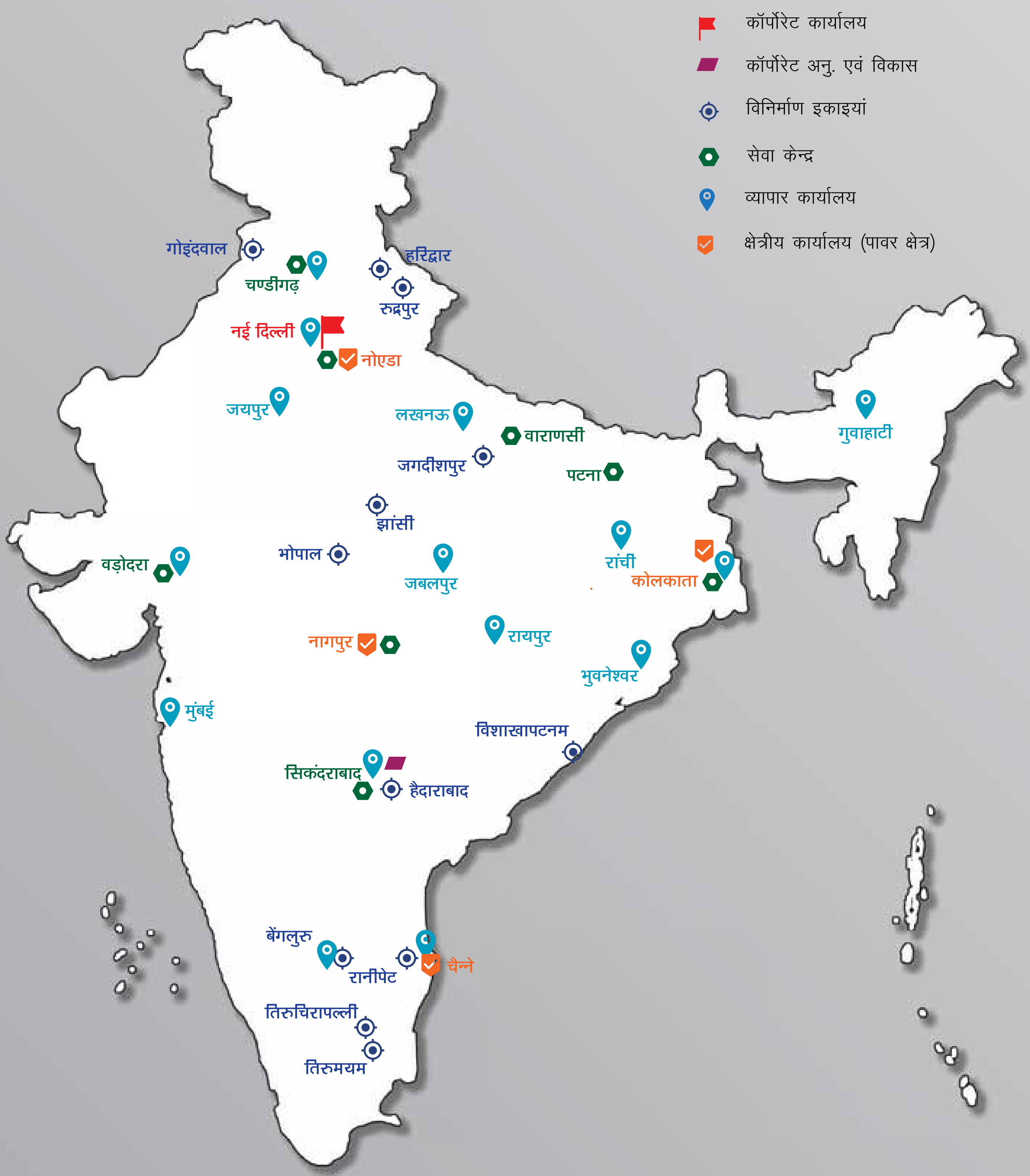

यह भौगोलिक प्रस्तुतिकरण, भारत के राजनीतिक मानचित्र को नहीं दर्शाता है।

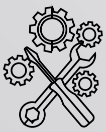

17
विनिर्माण इकाइयाँ

08
सेवा केन्द्र

15
व्यवसायिक कार्यालय

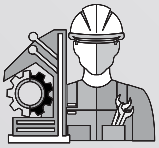

150+
भारत तथा विदेशों में परियोजना स्थल

विनिर्माण संयंत्र/इकाई अवस्थिति

बीएचईएल विनिर्माण इकाइयां	बेंगलुरु	1. इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन (ईडीएन) 2. इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिवीजन (ईएसडी) 3. इलेक्ट्रो पोर्सिलेन डिवीजन (ईपीडी)
	भोपाल	4. हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट (एचईपी)
	गोइंदवाल	5. इंडस्ट्रियल वाल्वस् प्लांट (आईवीपी)
	हरिद्वार	6. हेवी इलेक्ट्रिकल इक्युपमेंट प्लांट (एचईईपी) 7. सेंट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट (सीएफएफपी)
	हैदराबाद	8. हेवी पावर इक्युपमेंट प्लांट (एचपीईपी)
	जगदीशपुर	9. इंसुलेटर प्लांट (आईपी) 10. सेंट्रलाइज्ड स्टैंपिंग एंड फेब्रिकेशन प्लांट (सीएसएंडएफपी)
	झांसी	11. ट्रांसफॉर्मर प्लांट (टीपी)
	रुद्रपुर	12. कम्पोनेंट फेब्रिकेशन प्लांट (सीएफपी)
	रानीपेट	13. बॉयलर ऑग्जिलरीज् प्लांट (बीएपी)
	तिरुचिरापल्ली	14. हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट (एचपीबीपी) 15. सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट (एसएसटीपी)
	तिरुमयम	16. पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट (पीपीपीयू)
	विशाखापट्टनम्	17. हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स प्लांट (एचपीवीपी)
बीएचईएल मरम्मत इकाइयां	मुंबई	1. इलेक्ट्रिकल मशीन रिपेयर प्लांट (ईएमआरपी)
	वाराणसी	2. हेवी इक्युपमेंट रिपेयर प्लांट (एचईआरपी)
बीएचईएल सहायक कंपनी	कासरगोड	1. बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लि. (बीएचईएल–ईएमएल)

बीएचईएल की दुनिया

विज़न

बेहतर कल के लिए समाधान प्रदान करने वाला एक वैश्विक अभियांत्रिकी उद्यम।

मिशन

ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में संधारणीय व्यावसायिक समाधान प्रदान करना।

क्या आप जानते हैं

बीएचईएल देश की पहली सोलर फोटोवोल्टिक सेल एवं मॉड्यूल विनिर्माता कंपनी हैं।

भूमि पर सोलर, रूफटॉप पर सोलर, जल पर सोलर, उपग्रहों में सोलर – बीएचईएल यह सभी कार्य करती है!

बीएचईएल लड़ाकू विमान के लिए हीट एक्सचेंजरों का डिज़ाइन तैयार करने और निर्माण करने की क्षमता रखने वाली विश्व की चुनिंदा कुछ प्रमुख फर्मों में से एक है।

घरेलू विनिर्माताओं के बीच, बीएचईएल देश में अधिकतम संख्या में पर्यावरण हितैषी सुपरक्रिटिकल सेट कमीशन किए।

बीएचईएल देश की कुल संस्थपित विद्युत क्षमता के लिए एकमात्र सबसा बड़ा सहयोगी है।

इसरो द्वारा लांच किए गए सभी भारतीय उपग्रह, बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए सोलर पैनलों एवं बैटरियों से सुसज्जित हैं।

विश्व की सबसे बड़ी -+ 800 केवी क्षमता में से एक, 6000 मेगावाट मल्टी–टर्मिनल एचवीडीसी एनई–आगरा पारेषण परियोजना बीएचईएल (एबीबी के साथ) द्वारा निष्पादित की गई।

राष्ट्रीय संस्थान

भारत की एक सबसे बड़ी इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनी जो आधारभूत क्षेत्रों में सेवारत है।

विश्व के लिए भारत का औद्योगिक राजदूत

पावर सेक्टर में संकल्पना से कमिशनिंग तक में देश को आत्मनिर्भर बनाया

पूरे भारत में 17 विनिर्माण इकाईयों और वैश्विक रूप से 150+ परियोजना साइटों के साथ उपस्थिति

वैश्विक उपस्थिति

सभी आवासित महाद्वीपों में 83 देशों में उपस्थिति

विदेशी बाज़ारों में 11,000 मेगावाट़ विद्युत उत्पादन क्षमता की वृद्धि

6,000 मेगावाट़ परियोजनाएं निष्पादन के अधीन

बांग्लादेश में 2x660 मेगावाट मैत्री तापीय विद्युत परियोजना–अब तक के सबसे बड़े निर्यात ऑर्डर का निष्पादन

भारत का विद्युतीकरण

देश में 1,000+ यूटिलिटी सेट अधिष्ठापित

भारत तथा विदेश में 183+ गीगावाट विद्युत उत्पादन उपस्कर अधिष्ठापित

450+ मेगावाट – पीवी सेलों, मॉड्यूलों, और प्रणालियों की संचयी आपूर्ति

बीएचईएल निर्मित उपस्कर में 47% परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता (दूसरी ओर) तथा देश में 45% हाइड्रो विद्युत उत्पादन क्षमता निहित होती है।

विद्युतीकरण **प्रगति पर...**

प्रमुख क्षेत्रों में अद्वितीय योगदान

600,000 + एमवीए पारेषण उपस्कर की आपूर्ति;

31,000 + एसी मशीनों की आपूर्ति; सबसे बड़ी भारतीय विनिर्माता

360 इलेक्ट्रिक लोको की भारतीय रेल एवं उद्योग को आपूर्ति

390+ कम्प्रेशरों एवं 90 तेल ड्रिलिंग रिगों की आपूर्ति

38+ सुपर रेपिड गन माउंट की भारतीय नौ सेना के जहाजों के लिए आपूर्ति

जनशक्ति को सम्मान

भारतीय पूंजीगत वस्तु उद्योग में दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता

कार्य बल में 8,000 से अधिक अभियंता– ~ 90% कार्यपालक

2,100+ महिला कर्मचारी

वर्ष 1973 से भागीदारी प्रबंधन संस्कृति– 1% से कम संघर्षण दर

चिरस्थायी भविष्य के लिए प्रौद्योगिकी

उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) तथा कोयले से मैथेनोल सहित स्वदेशी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास

कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों हेतु उत्सर्जन नियंत्रण उपस्कर के विकास तथा अधिष्ठापन कार्य को आगे बढ़ाना

अपेक्षाकृत अधिक दक्ष ईएचवी पारेषण प्रणालियों एवं उत्पादों (800 केवी एचवीडीसी सहित) का विकास

सामाजिक दायित्व

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समझौते के सिद्धांतों के प्रति वचनबद्ध

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इंटीग्रिटी संधि पर हस्ताक्षरकर्ता

जनरेशन–वाई को कुशल बनाने के लिए 'चैंपियन ऑफ चेंज' का पुरस्कार

स्वस्थ भारत, शिक्षित भारत, हरित भारत और स्वच्छ भारत पहल में सक्रिय सहयोगी

4.7 मिलियन वर्ग मीटर का आंतरिक हरित कवरेज

नवाचार

अनुसंधान एवं विकास व्यय झ कारोबार के 2-5% से अधिक–भारतीय इंजीनियरिंग क्षेत्र में सबसे अधिक

पांच अनुसंधान संस्थान

14 उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई)

डीएसआईआर द्वारा मान्यताप्राप्त 12 विनिर्माण इकाइयों एवं प्रभागों में आंतरिक अनुसंधान एवं विकास केन्द्र

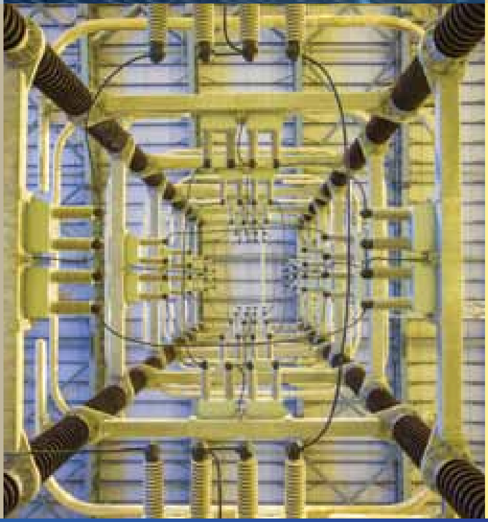

डिजिटलीकरण

विद्युत संयंत्रों में मूल्य वर्धित सेवाओं के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स् (आईओटी) को काम में लाना

कर्मचारियों के लिए इंटरप्राइज सोशल नेटवर्क की आइकॉन शुरुआत

विद्युत संयंत्रे में शुरू किए गए रिमोट मॉनीटरिंग और निदान प्रणाली के माध्यम से निष्पादन कार्य में सुधार

...खुशहाल जीवन की ओर अग्रसर

उत्कृष्टता का सम्मान

सम्मान/पुरस्कार

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने की परंपरा को जारी रखते हुए संगठन और इसके कर्मचारियों ने वर्ष के दौरान कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं जिनमें उल्लेखनीय हैं–

भारत के माननीय राष्ट्रपति ने वरिष्ठ नागरिकों की भलाई और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए बीएचईएल को व्योश्रेष्ठ सम्मान 2017 प्रदान किया

- **प्रधान मंत्री श्रम अवार्ड** : (सं.27) 42 बीएचईएल कर्मचारियों को जिनमें 4 श्रम भूषण, 10 श्रमवीर/वीरांगना और 13 श्रम श्री /देवी पुरस्कार शामिल हैं , को उनके उत्कृष्ट निष्पादन, नवीन योग्यताओं तथा उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु पुरस्कृत किया गया। इसमें बीएचईएल से 8 महिला कर्मचारी भी शामिल हैं जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक शेयर जीतकर इतिहास रचा है।
- **विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार** : (सं.15) 63 बीएचईएल कर्मचारियों को लागत में कमी से संबंधित नवीन सुझावों, गुणवत्ता में सुधार, उत्पादकता तथा कार्य परिस्थिति/हालात में सुधार संबंधी सुझावों हेतु पुरस्कृत किया गया।
- **गोल्डन पीकॉक इनोवेशन मैनेजमेंट अवार्ड** : बड़े उद्यम–इंजीनियरिंग सेक्टर के अंतर्गत
- **पीएसई एक्सिलेंस अवार्ड 2016** : मानव संसाधन प्रबंधन उत्कृष्टता,पीएसई में महिलाओं का योगदान, आरएण्डडी, इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स द्वारा प्रौद्योगिकी विकास एवं नवीन खोज
- **व्योश्रेष्ठ सम्मान 2017** : भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा कल्याण और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम के लिए व्योश्रेष्ठ सम्मान 2017 से सम्मानित ।
- भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा श्रम कानूनों केसर्वोत्तम अनुपालन के लिए श्मॉडल नियोक्ता/एम्पलॉयर के रूप में सम्मानित किया गया
- पावर सेक्टर केविकास में उत्कृष्ट योगदान जिसमें पावरजेनेरेशन, ट्रांसमिशन तथा सेंट्रल बोर्ड ऑफ इरिगेशन एवं पावर से नवीकरणीय ऊर्जा शामिल हैं, हेतु **सर्वश्रेष्ठ विद्युत उपस्कर विनिर्माण संगठनके लिए सीबीआईपी पुरस्कार**।

बीएचईएल ने अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार, मानव संसाधन प्रबंधन, उत्कृष्टता और पीएसई में महिलाओं के योगदान के लिए पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किए

सीएमडी और निदेशकों के साथ श्रम पुरस्कार विजेता

श्री अतुल सोबाती, सीएमडी, बीएचईएल ने भारी उद्योगों में उत्कृष्टता के लिए इंडिया प्राइड पुरस्कार 2017–18 प्राप्त किया

- वर्ष 2015–16 में औद्योगिक संबंधों में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए फिक्की – एआईओई नेशनल अवार्डसे सम्मानित।
- वर्ष 2013–14 और 2014–15 हेतु टॉप एक्सपोर्टर के श्रेणी में इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट एक्सिलेंस के लिए ईईपीसी इंडिया नॉर्दन रीजन अवार्ड से सम्मानित। उच्च कोटि के प्रौद्योगिकी उत्पादों(बड़े उद्यम) के उत्कृष्ट निर्यात के लिए विशेष ट्राफी ।
- विनिर्माण उद्यम–बृहत्त संगठन की श्रेणी में काउंसिल ऑफ फेयर बिजिनेस प्रैक्टिसिज़ द्वारा सीएफबीपी अवार्ड 2017।
- केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम(महारत्न) के अंतर्गत भारी उद्योग में उत्कृष्टता हेतु दैनिक भास्कर ग्रुप द्वारा इंडिया प्राइड अवार्ड 2017–18
- सार्वजनिक क्षेत्रक में प्रोमोशन ऑफ हेल्थकेयर तथा बेस्ट सीएसआर कंपनी की श्रेणी में बीटी सीएसआर एक्सिलेंस अवार्ड 2017 से सम्मानित ।
- पावर सेक्टर के विकास में उत्कृष्ट योगदान हेतु बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को सीबीआईपी स्पेशल रिकग्निशन 2018 से सम्मानित किया गया।
- इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग(आईएनएई) द्वारा इंजीनियरिंग क्षेत्र में योगदान के लिए बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को आईएनएई फेलोशिप अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया।
- श्री सुबोध गुप्ता, निदेशक(वित्त) को सार्वजनिक क्षेत्र (बृहत्त/बड़े) की श्रेणी में सीएमए (कोस्ट एवं मैनेज़मेंट अकाउंटेंट) अवार्ड ।
- कॉर्पोरेट आरएण्डडी से डॉ. एम.एम.राव ने हाई बोल्टेज गैस इंस्यूलेटिड सबस्टेशन तथा ट्रांसमिशन के क्षेत्र में अपने नवीनतम योगदान के लिए **आईएनएई द्वारा आईएनएई इनोवेटर इंटरप्रिनियर अवार्ड 2017 प्राप्त किया।**
- श्रीमती शिखा सक्सेना, वरि. प्रबंधक(आईटीएस), बीएचईएल, भोपाल ने जयपुर में आयोजित इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी समिट में नेक्स्ट चीफ इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी आफिसर्स (सीएसओ) अवार्ड प्राप्त किया। श्री रजनीश राय, उप प्रबंधक (आईटीएस), बीएचईएल, भोपाल तथा श्री विशाल रोडे, वरि. प्रबंधक (आईटी एवं एस), ईडीएन को **नेक्स्ट 100 सीआईओ अवार्ड 2017 प्रदान किया गया।**
- बीएचईएल, तिरुचिरापल्ली की सुश्री जी.अर्चना ने गैर–कार्यपालक संवर्ग में विप्स फोरम में विप्स बेस्ट वूमन एम्प्लाई अवार्ड प्राप्त किया।

श्री सुबोध गुप्ता नेमाननीय राज्य मंत्री,वित्त और कॉर्पोरेट मामले से 18 जुलाई, 2017 को सीएमए पुरस्कार प्राप्त किया

बीएचईएल तिरुचिरापल्ली की सुश्री अर्चना, डब्ल्यूआईपीएस फोरम में डब्ल्यूआईपीएस बेस्ट वुमन कर्मचारी पुरस्कार प्राप्त करते हुए

बोर्ड रिपोर्ट

निदेशक मंडल की रिपोर्ट 27

परिशिष्ट –I 35

प्रबंधन विचार–विमर्श एवं विश्लेषण

परिशिष्ट –II 78

कॉर्पोरेट गवर्नेंस

परिशिष्ट –III 112

सीईओ तथा सीएफओ सर्टिफिकेट

परिशिष्ट –IV 113

संधारणीय विकास

परिशिष्ट –V 122

बिज़नेस रेस्पॉन्सबिलिटी रिपोर्ट

परिशिष्ट –VI 128

आरएण्डडी तथा टेक्नॉलोजी उपलब्धियॉं

परिशिष्ट –VII 136

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेश
तथा विदेशी मुद्रा आमदनी और व्यय

परिशिष्ट –VIII 137

एओसी–1 एवं एओसी–2 फार्म

परिशिष्ट- IX 140

निष्पक्ष/स्वतंत्र संपादक रिपोर्ट तथा सीएण्डएजी टिप्पणी

निदेशक मण्डल की रिपोर्ट

प्रिय सदस्यों,

निदेशक मंडल को आपकी कंपनी के व्यापार और संचालन तथा 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर 54 वीं वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए खुशी हो रही है।

वित्तीय परिणाम

(₹ करोड़ में)

	वर्ष के अंत में	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
टर्नओवर	**27850**	27740
प्रचालन से राजस्व	**28813**	28599
ईबीआईडीटीए	**2626**	1827
प्रचालनात्मक ईबीआईडीटीए	**1933**	1061
कर पूर्व लाभ	**1585**	628
कर पश्चात लाभ	**807**	496
कुल व्यापक/विस्तृत लाभ	**890**	467
लाभांश (अंतरिम लाभांश सहित)	**485**	294
ईपीएस(₹में)	**2.20**	1.35

नोटः

(क) बेहतर तुलना के लिए संचालन से कारोबार और राजस्व से उत्पाद शुल्क और करों को बाहर रखा जाता है, जब तक विशेष रूप से न कहा जाए।

(ख) लाभांश में पिछले वर्ष के लिए अंतिम लाभांश और चालू वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश शामिल है।

कंपनी मामलों कीस्थिति

बढ़ते मार्केट शेयर और विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करने के परिणामस्वरूप, कंपनी ने ₹40,932 करोड़ के आदेश प्राप्त किए हैं जिससे वित्तीय वर्ष 2016–17 के मुकाबले 74% की वृद्धि हुई है इसमें कुल मिलाकर ₹33,342 करोड़ पावर क्षेत्र में ₹ 7,590 करोड़ उद्योग और ओवरसीज़ आर्डर शामिल हैं। कंपनी ने पिछले पांच वर्षो में सबसे अधिक ₹1,18,000 करोड़ की कुल ऑर्डर बुक के साथ साल समाप्त किया।

संकुचित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक भारतीय विद्युत क्षेत्र के बाजार में, आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान थर्मल यूटिलिटी क्षेत्र के लिए मुख्य संयंत्र उपस्करबाजार में अपनी हिस्सेदारी को100% सुरक्षित करके अपने नेतृत्व को मजबूत किया है।

वित्तीय वर्ष 2016–17 के टर्न ओवर ₹27,740 करोड़ के विरुद्ध वित्तीय वर्ष 2017–18 में. टर्नओवर ₹27,850 था । तथापि, कमजोर कारोबारी माहौल के बावजूद वर्ष 2017–18 के लिए टर्नओवर ₹28,338 करोड़ है जो वित्तीय वर्ष 2016–17 से 2.2% अधिक है। (संदर्भित विवरण वार्षिक खाते के नोट 27 में "प्रचालन से राजस्व" में है।)

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 20117–18 में ₹1,585 करोड़ कर पूर्व लाभ (पीबीटी) अर्जित किया, जिसमें वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹628 करोड़ की तुलना में 152% की वृद्धि हुई।

आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान थर्मल यूटिलिटी क्षेत्र के लिए मुख्य संयंत्र उपस्कर बाजार में अपनी हिस्सेदारी को 100% सुरक्षित करके अपने नेतृत्व को मजबूत किया है।

आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान थर्मल यूटिलिटी क्षेत्र के लिए मुख्य संयंत्र उपस्कर बाजार में अपनी हिस्सेदारी को100% सुरक्षित करके अपने नेतृत्व को मजबूत किया है।

वित्तीय वर्ष 2017–18 में शुद्ध लाभ (पीएटी) ₹807 करोड़ रुपये है जिसमें वित्तीय वर्ष 2016–17 के ₹496 करोड़ के विरुद्ध 63% की बढ़त है। आपकी कंपनी ने परिचालन ईबीआईडीटीए में एक महत्वपूर्ण सुधार किया है, जिसे विभिन्न लागत में कमी की पहलों के माध्यम से हासिल किया जा सकता है।

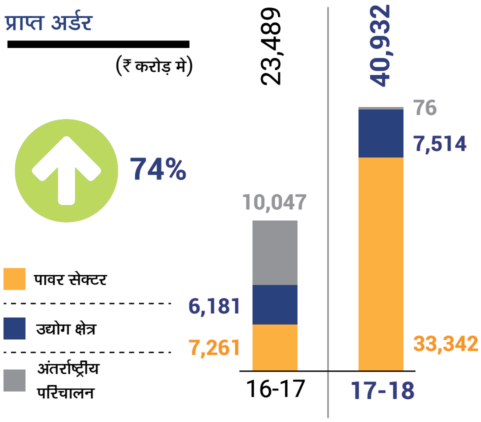

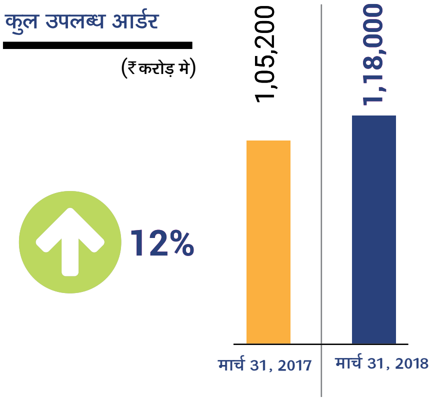

बीएचईएल ने वित्त वर्ष 2017–18 में 4319 मेगावाट के विद्युत उत्पादन संयंत्र कमीशन/सिंकरोनाइज़ किए।

बीएचईएल ने वर्ष 2017–18 के लिए माननीय केंद्रीय भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री श्री अनंतग. गीते, और भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्यमंत्री श्री बाबुल सुप्रियो को अंतरिम लाभांश का 1,85.21 करोड़ रुपये का चेक प्रस्तुत किया

आपकी कंपनी ने परिचालन ईबीआईडीटीए में एक महत्वपूर्ण सुधार किया है, जिसे विभिन्न लागत में कमी की पहलों के माध्यम से हासिल किया जा सकता है।

शेयर पूंजी में बदलाव

22 सितंबर, 2017 को आयोजित वार्षिक आम बैठक में अनुमोदित बोनस शेयर दिनांक 3 अक्तूबर, 2017 को 1:2 के अनुपात में आबंटित किए गए थे। एक इक्विटी शेयर दो मौजूदा पूर्ण भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों के लिए था। परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2016–17 में पेड–अप शेयर पूंजी ₹489.5 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2017–18 में ₹734.28 करोड़ हो गई है।

रिजर्व का अंतरण

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान कंपनी ने किसी भी राशि का रिजर्व में अंतरण नहीं किया है।

लाभांश

कंपनी ने फरवरी 2018 में ₹0.80 प्रति इक्विटी शेयर(40% की दर से प्रत्येक ₹2/– केइक्विटी शेयर पर) ₹734.28 करोड़ की भुगतान पूंजी पर ₹293.71 करोड़ का अंतरिम लाभांश चुकाया है। तत्पश्चात निदेशक मंडल ने दिनांक 29 मई, 2018 को आयोजित बैठक में वित्तीय वर्ष 2017–18 के लाभ को निकाल कर, अनुमोदन के आधार पर ₹1.02 प्रति इक्विटी शेयर (₹2/– प्रति इक्विटी शेयर पर 51% की दर से) के अंतिम लाभांश राशि ₹374.48 करोड़ की सिफारिश की थी। इसके साथ वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए कुल लाभांश ₹668.19 करोड़ की राशि (91% बढ़ी हुईइक्विटी पर)है जिसमें वित्तीय वर्ष 2016–17 के मुकाबले 73% की वृद्धि दर्ज की गई है।

कंपनी शेयरधारक मूल्य को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और 1976–77 के बाद से अनवरत लाभांश के भुगतान करने का एक ट्रैक रिकॉर्ड है।

(लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एण्ड डिसक्लोजर रिक्वायरमेंट्स) विनियम, 2015 ("एलओडीआर") भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अधिनियम 43ए की अपेक्षाओं का अनुसरण करते हुए कंपनी ने लाभांश वितरण पॉलिसी बनाई है। लाभांश वितरण पॉलिसी कंपनी की वेबसाइट **www-bhel-com** पर उपलब्ध है और वार्षिक रिपोर्ट में अलग से प्रदान की जाती है।

जमा

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड/धारा 73 के अंतर्गत पब्लिक /लोगों से जमा स्वीकार नहीं किया है।

समझौता ज्ञापन रेटिंग

वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिए कंपनी को भारत सरकार द्वारा समझौता ज्ञापन निष्पादन पर उत्कृष्ट के रूप में रेटिंग प्रदान की गई है।

भौतिक परिवर्तन तथा वित्तीय स्थिति की प्रतिबद्धताओं को प्रभावित करने वाले कारक

वित्तीय वर्ष के अंत और वित्तीय वर्ष 2017–18 की इस रिपोर्ट की तिथि के बीच कोई भी भौतिक परिवर्तन और कंपनी की वित्तीय स्थिति की प्रतिबद्धताओं को प्रभावित करने वाले कारक नहीं है।

निदेशकों की जिम्मेदारी विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 134 (5) के अनुसरण में निदेशक मंडल पुष्टि करता है कि:–

क. वार्षिक खातों को तैयार करने में मान्य / लागू लेखा मानक (इंडएएस) का पालन भौतिक प्रस्थान से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ किया गया है।

ख. निदेशक मंडल ने ऐसी लेखा नीतियों को चयनित और लागू किया है और निरंतर निर्णय और अनुमान स्थापित किए हैं जो तर्कसंगत और दूरदर्शी है ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी के मामलों के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दिया जा सके तथा उस अवधि के लिए कंपनी लाभ को बताया जाए।

ग. कंपनी के निदेशकों ने कंपनी की संपत्तियों की सुरक्षा व धोखाधड़ी और अन्यअनियमितताओं से बचने के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड के रख रखाव के लिए उचित और पर्याप्त देखभाल की है।

घ. निदेशकों ने वार्षिक खातों को एक सतत चिंतित आधार पर तैयार किया है।

ङ. निदेशकों ने कंपनी द्वारा माने जाने वाले आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए हैं तथा ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

च. निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली तैयार की है और इस तरह की प्रणाली पर्याप्त है और प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

ए आर सिहाग, सचिव, भारी उद्योग विभाग (बाएं से तीसरे), सीएमडी–बीएचईएल तथा संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग के साथ उनके बीएचईएल, हैदराबाद दौरे के दौरान

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

घरेलू अर्थव्यवस्थाअपनीपुरानीस्थितिमेंलौटरहीहै। वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में लगातार प्रत्येक तिमाही में वृद्धि हुई है, हालांकि वित्तीय वर्ष 2016–17 (सीएमआईई के अनुसार) में 7.1% वार्षिक वृद्धि की तुलना में वर्ष 2017–18 में वार्षिक वृद्धि 6.7% है। वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिएआरबीआई ने 7.4% की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को दर्शाया है। सरकारी पहल और हस्तक्षेप से पूंजीगत व्यय, ग्रामीण मांगतथा सामाजिक एवं भौतिक आधारभूत संरचना को विकसित कर आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।

हालांकि एक कठिन व्यावसायिक वातावरण में परिचालन करते हुए, कंपनी मौजूदा कारोबार में नेतृत्व बनाए रखने तथा सौर ऊर्जा, ट्रांसमिशन, परिवहन, रक्षा एवं एरोस्पेस और जल व्यवसायों के क्षेत्रों में विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए अवसरों का उपयोग करने के लक्ष्य रखती है, जिससे विकास की अगली लहर उत्पन्न हो सकें।

'कल के बीएचईएल का निर्माण करने के विज़न से प्रेरित, कंपनी ने उभरते अवसरों की प्रतिक्रिया बढ़ाने और मजबूती के नए स्तरों के निर्माण के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है, जिससे एक उभरते दीर्घकालिक बीएचईएल की नींव रखी जा रही है। कंपनी विशिष्ट रणनीतियों के माध्यम से अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य में निरंतर उनकीवृद्धि सुनिश्चित का प्रयास रही है। अधिक जानकारी के लिए कृपया **अनुलग्नक –1 देखें**।

कॉर्पोरेट अभिशासन

सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएं) के अधिनियम, 2015 के अधिनियम 34 के अनुसरण में कॉर्पोरेट गवर्नेंस (बोर्ड/समिति बैठक विवरण सहित) पर एक रिपोर्ट निम्नलिखित के साथ **अनुलग्नक–II** में दी गई है।

(i) कॉर्पोरेट अधिशासन पर विनियम एवं डीपीई दिशानिर्देश की सूची के अंतर्गत कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर ऑडिटर्स के प्रमाण पत्र।

(ii) कंपनी अधिनियम 2013 कीधारा 204 (1) के अनुसार सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट. तथा उस पर प्रबंधन का जवाब

(iii) कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 92(3) के अनुसार वार्षिक रिटर्न का सार

स्वाबलंबन के मानदंडों से संबंधित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 149 (6) के तहत स्वतंत्र निदेशकों द्वारा निदेशक मंडल को की गई घोषणा।

कंपनी वेबसाइटों के लिंक

1. स्वतंत्र निदेशकों के परिचय कार्यक्रम से संबंधित विवरण कंपनी की वेबसाइट **www-bhel-com@ indeÛ-php @ ind&dir** परस्वतंत्र निदेशकों के परिचय कार्यक्रम शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध हैं (Under Independent Directorþ Related Information½

2. सामग्री सहायक निर्धारण नीति तथा पक्ष लेनदेन के निपटान संबंधित नीति **http%@@www-bhel-com@pdf@polocy&with&regard&to&Related&party& Transactions-pdf**

लेखा परीक्षक :

कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षाओं के निबंधन में कंपनी की बोर्ड स्तरीय लेखापरीक्षा समिति है, जिसमें सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएं) के विनियम 2015 के विनियमन 18 के पठित, जिसके संबंध में विवरण कॉर्पोरेट अधिशासन रिपोर्ट के बिंदु 2.3 पर दिए गए हैं, इसके अलावा, ऐसा कोई मामला नहीं है जहां निदेशक मंडल ने लेखापरीक्षा समिति की सिफारिश को स्वीकार नहीं किया है।

सचिवीय मानकों के साथ अनुपालन

कंपनी ने लागू सचिवालय मानकों का पालन किया है।

निदेशकों और शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक में परिवर्तन

नियुक्ति

श्री देश दीपक गोयल और श्री रणजीत राय को 23 सितंबर, 2017 से अंश कालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री सुबोध गुप्ता को दिनांक 18 अप्रैल, 2018 से पूर्णकालिक (कार्यात्मक) निदेशक के रूप में निदेशक (वित्त) के कार्यालय का प्रभार लेने के लिए नियुक्त किया गया है।

श्री प्रवीण एल अग्रवाल, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय को दिनांक 18 मई, 2018 से अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री एस बालकृष्णन को दिनांक 1 जून, 2018 से पूर्णकालिक (कार्यात्मक) निदेशक के रूप में निदेशक (आईएसएण्डपी) के कार्यालय का प्रभार लेने के लिए नियुक्त किया गया है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 तथा कंपनी के एसोसिएशन ऑफ आर्टिकल्स के अनुच्छेद 67 (iv)के अनुपालन में एस / श्री देश दीपक गोयल, रणजीत राय, सुबोध गुप्ता, प्रवीण एल. अग्रवाल और एस. बालकृष्णन को

अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया, कंपनी की 54 वीं वार्षिक आम बैठक तक डायरेक्टरशिप रखेंगे और बैठक में निदेशकों के रूप में नियुक्ति के पात्र होंगे।

श्री ए एन 27 अगस्त, 2014 को पार्ट–टाइम गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में नियुक्त रॉय, 20 अगस्त, 2017 को अपने कार्यकाल को पूरा करने के बाद कंपनी के निदेशक बने।

विराम

श्री ए. एन रॉय जिन्हें दिनांक 27 अगस्त, 2014 को अंशकालिक गैर–आधिकारिक/सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था को दिनांक, 20 अगस्त, 2017 को कार्यकाल पूरा करने के पश्चात कंपनी के निदेशक बने है।

श्री टी. चोकालिंगम जिन्हें 11 फरवरी, 2016 को निदेशक (वित्त) नियुक्त किया गया था,अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30 नवंबर, 2017 को कंपनी के निदेशक बने।

श्री भास्कर जे. महंता, तत्कालीन संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय, जिन्हें 3 जनवरी, 2017 को अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, 18 मई, 2018 को अंशकालिक सरकारी निदेशक बने ।

श्री अमिताभ माथुर जिन्हें दिनांक 01सितम्बर, 2015को निदेशक (आईएसएण्डपी) नियुक्त किया गया था, अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 मई, 2017 को कंपनी के निदेशक पद से निदेशक मंडल एस / श्री ए एन द्वारा उनकी गहरी प्रशंसा रिकॉर्ड करता है, टी। चॉकलिंगम, निदेशक मंडल श्री ए.एन. रॉय, टी. चोकालिंगम, भास्कर जे. महंता और अमिताभ माथुर द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान प्रदान की जाने वाली मूल्यवान सेवाओं के साथ–साथ सलाह और मार्गदर्शन के लिए उनकी प्रशंसा करता है।

इसके अलावा, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152 तथा कंपनी के एसोसिएशन ऑफ आर्टिकल के अनुच्छेद 67 (i) के अनुपालन में डॉ सुभाष चंद्र पांडे और श्री अखिल जोशी वार्षिक आम बैठक में रोटेशन से रिटायर होंगे और पात्र होने के कारण, उन्होंने पुनः नियुक्ति के लिए स्वयं की पात्रता व्यक्त की है।

सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएं) के विनियम 2015 के विनियम 36 (3) अनुपालन में, नियुक्ति और पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त विवरण विशिष्ट कार्य क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता की प्रकृति और उन कंपनियों के नाम जिसमें वे निदेशक भी है निदेशक मंडल की समितियों समिति की सदस्यता सहित डायरेक्टरशिप भी प्रदान की जाती है, इस सूचना के व्याख्यात्मक विवरण/अनुबंध में दिया गया है।

वर्ष के दौरान किसी भी निदेशक ने इस्तीफा नहीं दिया।

सीईओ/सीएफओ प्रमाण पत्र

सीईओ/सीएफओ प्रमाण पत्र (सूची विनियम के विनियम 17(8) के अनुसार) **परिशिष्ट–।।।** दिया गया है।

ऋण एवं निवेश

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 186 के प्रावधानों के अंतर्गत शामिल ऋणों और निवेशों का विवरण वित्तीय विवरणी का भाग हे। 2015–16 के दौरान बीएचईएल की सहाये कंपनी, मैसर्स बीएचईएल ईएएमएल को रु. 3 करोड़ का ऋण कार्यकारी पँजी के रूप में दिया गया तथा वित्तीय वर्ष 2017–18 में प्रदान किया गया।

समेकित वित्तीय विवरणी

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) और सेबी के विनियम 34 (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम 2015 के अनुसार तैयार समेकित समेकिम वित्तीय विवरणियॉ प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण के अंतर्गत पैरा 1.5.4 में दी गई हैं।

संधारणीय विकास

संधारणीय विकास में बीएचईएल का सश्सक्त विश्वस इसके मिशन वाक्य ऊर्जा, उद्योग और अवसंरचना के क्षेत्रों में संधारणीय व्यवसाय समाधान प्रदान करना में अभिव्यक्त होता है। यह हमारी व्यवसाय प्रक्रियाओं का अभिन्न अंग है। पर्यावरणीय संधारणीयता बढ़ाने के लिए हमारी मूल्य श्रृंखला में पर्यावरणीय पदचिह्न कम करने पर रिपोर्टिंग अवधि के दौरान जोर दिया जाना जारी रहा है। लागत के साथ–साथ पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करने, उत्पादों में सामग्री खपत को कम करने, सभी परिचालनों में प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को लगातारकम करने / नियंत्रित करने, कम करना/पुनर्चक्रण/ पुनः उपयोग की अवधारणा से मजबूत अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण गतिविधियॉ,हरित ईंधन का अधिक उपयोग तथा हमारे परिचालनों में सौर ऊर्जा के बढ़ते उपयोग, प्रति वर्ष मौजूदा वृक्षारोपण और नए वृक्षारोपण की रक्षा/संरक्षण हमारी पर्यावरणीय संधारणीय रणनीति की आधारशिला है। सामाजिक संधारणीय के लिए, बीएचईएल ने अपने सीएसआर कार्यक्रमों को समाज के संयुक्त और संधारणीय विकास पर केंद्रित किया है। सतत विकास से संबंधित इन पहलुओं का विवरण अनुलग्नक –4 में दिया गया है। संधारणीय विकास से संबंधित चलाई गई पहलों का विवरण **अनुबंध IV** में दिया गया है।

26 मेगावाट + के सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों में माध्यम से, बीएचईएल ने कार्बन फुटप्रिंट में महत्वपूर्ण कमी की है

व्यापार जिम्मेदारी रिपोर्ट

सेबी नियमों, 2015 के विनियमन 34 (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) के अनुसार, पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासन परिप्रेक्ष्य से कंपनी द्वारा उठाए गए कदमों का वर्णन करने वाली व्यावसायिक जिम्मेदारी रिपोर्ट अनुलग्नक –5 में संलग्न है।

आर एंड डी और तकनीकी विकास की उपलब्धियां

बीएचईएल की आर एंड डी रणनीति, संरचना और बुनियादी ढांचे को वर्तमान और भविष्य के कारोबारी माहौल की चुनौतियों का सामना करने के लिए श्रृखलाबद्ध किया गया है।वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए कंपनी का आर एंड डी व्यय 753 करोड़ रुपये है जो कारोबार का 2.7þ है।इसमें

आर एंड डी परियोजनाओं के अलावा उत्पादों / डिजाइन / ग्राहकों की आवश्यकताओं के मुकाबले प्रमुख संशोधन / सुधार के लिए विनिर्माण इकाइयों में किए गए आर एंड डी प्रयासों पर किए गए व्यय शामिल हैं।कंपनी ने वर्ष के दौरान 530 पेटेंट और कॉपीराइट आवेदन दायर किए हैं, जिससे कंपनी की बौद्धिक पूंजी 4357 हो गई है।कंपनी के कारोबार का लगभग 19%, आंतरिक उत्पादों द्वारा 5247 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की गई है। **अनुलग्नक –6** में और जानकारी प्रदान की गई है।

बीएचईएल, एएसएससीपी, गुरुग्राम में सौर कोशिकाओं के लिए समर्पित आर एंड डी सुविधा

राजभाषा कार्यान्वयन

कंपनी की सभी इकाइयों में राजभाषा के प्रचार–प्रसार और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और राजभाषा प्रगति की निरंतर समीक्षा मॉनीटरिंग की रही है। संसदीय समिति नेविभिन्न इकाइयों के निरीक्षण के दौरान इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है। विभिन्न क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान। भारी उद्योग विभाग ने भी कुछ इकाइयों का निरीक्षण भी किया।

कॉर्पोरेट कार्यालय समेत सभी इकाइयों /प्रभागों हिंदी दिवस/सप्ताह / पखवाड़े / माह का आयोजन किया गया, जिसके दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं, संगोष्ठियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कवि–सम्मेलन आयोजित किए गए । दिल्ली / एनसीआर में स्थित कार्यालयों में राजभाषा उल्लास पर्वआयोजित किया गया। निदेशक (पावर) की अध्यक्षता में कॉर्पोरेट कार्यालय में हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया गया, जिसमें डॉ सत्यनारायण जातिया संसदीय समिति के उपाध्यक्ष मुख्य अतिथि थे। भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक नवंबर 2017 में भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री की अध्यक्षता में गंगटोक, सिक्किम में आयोजित की गई।

डॉ सत्यनारायण जटिया ने बीएचईएल के कॉर्पोरेट कार्यालय में हिन्दी दिवस समारोह का उदघाटन किया

कंपनी विभिन्न शहरों में स्थित राजभाषा कार्यान्वयन समितियों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। इन समितियों के तत्वावधान में कई अनेक प्रतियोगिताएं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कंपनी में पंद्रह हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं और कर्मचारियों को इन पत्रिकाओं में प्रकाशन लेखों में योगदान के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा श्रेष्ठ चयनित प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया जाता है।

सतर्क क्रियाविधि

बीएचईएल बेहतर अभिशासन, पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और नैतिकता के सिद्धांतों कासमर्थक हैं

कंपनी में सतर्कता कार्यों का नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) द्वारा किया जाता है होता है जो केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) तथा प्रबंधन के बीच एक लिंक के रूप में कार्य करता है। कॉर्पोरेट कार्यालय में सतर्कता विभाग के अलावा, बीएचईएल की सभी विनिर्माण इकाइयों/बीएचईएल के पावर सेक्टर क्षेत्रों में भी सतर्कता विभाग स्थापित है जिसका नेतृत्व वरिष्ठ स्तर के कार्यपालक द्वारा किया जाता है जिसकी रिर्पोटिंग मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) को होती है। बीएचईएल में सतर्कता उपकरण कर्मचारियों के लिए ऐसा वातावरण निर्माण प्रदान करता है ताकि वे कंपनी के लिए उच्चतम नैतिक मानकों को कायम रखते हुए, अखंडता, दक्षता, पारदर्शिता के साथ अपना कार्य कर सकें। सतर्कता विभाग ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक बहुपक्षीय/बहुआयामी रणनीति और दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें दंडनीय, निवारक और सहभागिता सतर्कता शामिल है।

निवारक सतर्कता हमेशा बीएचईएल सतर्कता का फोकसक्षेत्र रहा है। निवारक सतर्कता का मुख्य उद्देश्य किसी अपराध का इंतजार करना नहीं है, बल्कि संगठन में अति संवेदनशील की पहचान करके इसकी रोकथाम सुनिश्चित करना है। वर्ष के दौरान अपनाएंगए कुछ महत्वपूर्ण निवारक उपाय निम्नानुसार हैं:–

- कंपनी की लगभग 23 इकाइयों/क्षेत्रों/कार्यालयों के औचक, नियमित तथा मुख्य तकनीकी परीक्षक प्रकार के निरीक्षण किए गए। इन निरीक्षणों से सीखने के आधार पर सुधार/सुधारात्मक उपाय किए गए।
- विवेकाधीन शक्तियों को कम करने और उन प्रावधानों में स्पष्टता लाने के लिए जो व्याख्यात्मक हैं, को निरंतर समीक्षा/विभिन्न नीतियों/दिशानिर्देशों, का अद्यतन कर सरकार की नीतियों/दिशानिर्देशों के साथ संरेखित/मिलायाकिया जाता है
- कार्य लेखा मैनुअल और पूंजीगत बजट मैनुअल की समीक्षा की गई और पुनरीक्षित/संशोधित संस्करण जारी किए गए।

निदेशक (मास) बीएचईएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान कर्मचारियों को प्रतिज्ञा दिलाते हुए

- निवारक सतर्कता पर जागरूकता कार्यक्रम और नैतिक और मूल्य आधारित संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। सतर्कता पर एक सत्र अनिवार्य इनपुट के लिए मध्यम और उच्च स्तर के कार्यपालकों के लिए जनरल मैनेज़मेंट प्रोग्राम/स्ट्रेटिजिक मैनेज़मेंट प्रोग्राम आयोजित किए गए। विभिन्न इकाइयों/क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमोंके दौरान सतर्कता मुद्दों को सुग्राही बनाने के लिए लगभग 2800 बीएचईएल कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) दिनांक 30 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2017 तक "मेरी दृष्टि भ्रष्टाचार मुक्त भारत" थीम पर आयोजित किया गया। बीएचईएल कर्मचारियों के अतिरिक्त विक्रेताओं और जनता को भ्रष्टाचार के बारे में जागरूक करने , भ्रष्टाचार के खतरों को प्रचारित करने, भ्रष्टाचार से निपटने और उनसे लड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देश की भलाई पर इसके दुष्प्रभावों पर जोर देने के लिए के लिए आउटरीच कार्यक्रम चलाए गए। पहलों में ईमानदारी ई–प्लेज, ग्राम सभा में जागरूकता अभियान और स्कूल/कॉलेजों में जागरूकता अभियान का प्रचार शामिल है। नैतिक मूल्यों, नैतिकता, अभिशासनजैसे विषयों परव्याख्यान आयोजित करना; पैनल चर्चाएं, वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, नारा लेखन/भाषण/कार्टून/पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं का आयोजन करना। कंपनी द्वारा 70 स्कूलों/कॉलेजों में 8000 से अधिक छात्रों और युवाओं के लिएकार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

बीएचईएल ने 16 दिसम्बर, 2008 को ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के साथ विशेष समझौता किया है और फरवरी 2009 में अपनाया गया। स्वतंत्र बाहरी निगरानीकर्ता (आईईएम) के साथ प्रत्येक तिमाहीमें व्यवस्थित बैइक आयोजित की जाती है जिसमें खरीद संबंधित मुद्दों और उनकी शिकायतों पर विचार किया जाता है। ईमानदारी समझौते के तहत कवरेज बढ़ाने के लिए निविदाओं के लिए दहलीज मूल्य को ₹10 करोड़ से ₹5 करोड़ (फरवरी 2016 से) नीचे लाया गया है। वर्तमान में, कुल खरीद का 56% ईमानदारी समझौते के तहत कवर किया गया है।

भारत सरकार और सीवीसी द्वारा जारी दिशानिर्देशों/ निर्देशों के अनुसार कंपनी की शिकायत निवारण नीति भी है। यह बीएचईएल के उस प्रणाली का मार्गदर्शन करता है जिसमें बीएचईएल शिकायतें प्राप्त कर उनका निवारण करता है। वर्ष के दौरान कुल शिकायतों में से 162 शिकायतों का निवारण किया गया, 9 मामले विस्तृत जांच के लिए सामने आए और आवश्यकतानुयार उन पर उचित कार्रवाई शुरू की गई।

खरीद नीति, नियमों और प्रक्रियाओं इत्यादि के बारे में जागरूकता पैदा करने, केंद्रीय सतर्कता आयोग और भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी अनुदेशों /दिशानिर्देशों का प्रचार करने, श्रेष्ठ पद्धतियों और केस स्टडी को साझा करने जो कार्य और सीखने के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देखे /जांच किए गए के उद्देश्य से सतर्कता विभाग जून 2013 से तिमाही न्यूज़ लेटर दिशा प्रकाशित करता है। बीएचईएल के सभी क्षेत्रों/इकाइयों की इंटरनेट साइट पर न्यूज़लेटर अपलोड किया जाता है तथा इसके लिंक को ई–मेल द्वारा सभी कर्मचारियों को भेजा जाता है। दिशा के बीस अंक प्रकाशित किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण

व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (ओएचएस) की जिम्मेदारियों को हमारे कर्मचारियों, जिन लोगों के साथ हम काम करते हैं, और समुदाय को बड़े पैमाने पर बचाने के लिए हम प्रतिबद्धता हैं। कंपनी अपने सभी व्यावसायिक गतिविधियों में असुरक्षित काम और सुरक्षा के लिए गैर–अनुरूपता के लिए शून्य सहनशीलता में विश्वास करती है।

स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) से संबंधित बेहतर प्रणालियॉ, प्रक्रियाएं और कार्यप्रणालियॉ हैं। संगठन में एचएसई प्रबंधन प्रणाली और प्रक्रियाओं को मजबूत करने के प्रयास लगातार किए जाते हैं। सभी विनिर्माण इकाइयों और परियोजना स्थलों में एचएसई विभाग है जिनमें निपुण सुरक्षा अधिकारियों सहित सुरक्षा निरीक्षण, एचएसई लेखा परीक्षा, कार्यस्थल पर्यावरण मॉनीटरिंग, स्वास्थ्य मॉनीटरिंग इत्यादि सहितउपलब्ध अपेक्षित संसाधन निर्धारित प्रणाली और प्रक्रियाओं के अनुसार किए जाते हैं।सभी इकाइयों और क्षेत्रीय कार्यालय जिनके पास आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस 18001 के लिए प्रमाण पत्र हैं, सिस्टम की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए प्रमाणन एजेंसी द्वारा आवधिक लेखा परीक्षा से गुजर चुके हैं।

वर्ष के दौरान, सभी संवर्ग के कर्मचारियों के साथ–साथ संविदा कामगारों के लिए विभिन्न एचएसई संबंधी मुद्दों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह, सड़क सुरक्षा सप्ताह, राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह, विश्व पर्यावरण दिवस इत्यादि के माध्यम से एचएसई मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।इन कार्यक्रमों के दौरानकर्मचारियों, संविदा कामगारों और स्कूल के बच्चों के लिए नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी इत्यादि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भोपाल और एचपीईपी हैदराबाद इकाइयों में शॉप फलोर पर सुरक्षा के महत्व पर 'भाव भंगिमा नाटक' (माईम) आयोजित की गईं।

ईडीएन, बेंगलुरु इकाई ने स्टेट लेवल सेफ्टी कॉम्पीटिशन मेगा दृइंडस्ट्री श्रेणी के अंतर्गत सन् 2017 मेंसर्वोत्तम सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। ईडीएन, बेंगलुरु इकाई से आर्टिजन की एक टीम ने स्टेट लेवल सेफ्टी क्विज़ कॉम्पीटिशन में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। बीएचईएल तिरुचि इकाई ने इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एवं सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम)–2017 तथा छठें नेशनल सेफ्टी अवार्ड के 27 वें वार्षिक ग्लोबल कॉनक्लेव के दौरान दो अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए।

डेटा और साइबर सुरक्षा

कंपनी ने एक अत्याधुनिक स्टेट–ऑफ–द–आर्ट सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी) स्थापितकिया है, एक ऐसी सुविधा जिसमें सूचना सुरक्षा टीम लगातार मॉनीटरिंग करती है तथा संगठन के सुरक्षा पोस्चर में सुधार हेतु साइबर सुरक्षा से संबंधित घटनाओं को प्रौद्योगिकी के साथ–साथ पूर्णतः स्पष्ट प्रक्रियाओं और प्रणालियों द्वारा रोकना, पता लगाना/पकड़ना तथा उनका विश्लेषण करती है।

बीएचईएल, एचआरडीआई कॉम्प्लेक्स, नोएडा में अत्याधुनिक सुरक्षा परिचालन केंद्र (एसओसी) का उद्घाटन

एसओसी के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर बीएचईएल हैदराबाद इकाई में अधिष्ठापित किए गए हैं और सुरक्षा डेटा पर नियोजित हमलों और डेटा उल्लंघनों की शुरुआती पहचान के लिए बीएचईएल नोएडा कार्यालय में नियंत्रण केंद्र स्थापित किया गया है।बीएचईएल से बाहर जाने और संगठन में आने वाले सभी इंटरनेट ट्रैफिकको एसओसी 24X7 के आधार पर मॉनीटर करती है। एसओसी ने एंटरप्राइज़ जोखिम को कम किया है

यह व्यवसाय को सुरक्षित तथा प्रतिक्रिया से अग्र सक्रिय अल्पीकरण में बीएचईएल की सहायता करता है।

एसओसी की स्थापना सरकार द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय नोडल एजेंसियों जैसे नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इनफरास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीआईआईपीसी) तथा इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पांस टीम (सीईआरटी–इन) की सलाहों का अनुपालन भी करती है।

अन्य सूचनाएं

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) (एम) के प्रावधानों के अनुपालन, ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेश तथा विदेशी विनियम आय तथा खर्च से संबंधित कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के साथ पठित सूचना परिशिष्ट –VII में दी गई है।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 19 के साथ पठित कंपनी नियम 5 (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) अनुसार प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी के निदेशकों आदि के पारिश्रमिक के विवरण को बोर्ड की रिपोर्ट में प्रकट करना करना अपेक्षित है। तथापि, कॉर्पोरेट अफेयर्समंत्रालय द्वारा जारी दिनांक 05 जून, 2015 की अधिसूचना सं. जीएसआर 463 (ई) के अनुसार सरकारी कंपनियॉ को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधानों के अनुपालन मेंछूट दी गई है। बीएचईएल एक सरकारी कंपनी होने के कारण बोर्ड की रिपोर्ट में ऐसे विवरण हिस्से के रूप में शामिल नहीं हैं।

सब्सिडरी कंपनियों एवं संयुक्त उद्यमों और फॉर्म एओसी –2 से संबंधित कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (2) के साथ के पठित कंपनी नियम के खंड 134(3) (एच) के अनुसरण में कंपनी अधिनियम की धारा 129 के अनुसार वक्तव्य परिशिष्ट –VIII में दिए गए हैं।

लेखापरीक्षक

कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक द्वारा की जाती है। सांविधिक लेखा परीक्षकों की तीन फर्मों को संयुक्त सांविधिक लेखा परीक्षकों के रूप में तथा पॉच फर्मों को शाखा लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया है।वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए नियुक्त लेखापरीक्षा फर्मों के नाम वार्षिक रिपोर्ट में अलग से मुद्रितहैं।

लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

स्टैंडअलोन और समेकित पर परीक्षकों की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ कंपनी के वित्तीय वर्ष 2017 –18 के लिए वित्तीय विवरणी अनुबंध–प्प में दी गई हैं।कंपनी के वित्तीय विवरण ाे पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में कोई प्रतिबंध/परिवर्तन नहीं है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने भीकंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6)(ए) के अंतर्गत पूरक लेखा परीक्षा आयोजित करने के बाद कंपनी वित्तीय विवरणों पर शून्य (छप्स्) टिप्पण ाी दी है।

सचिवालय लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) के निबंधन में, कंपनी ने मैसर्स पी.पी. अग्रवाल एंड कंपनी, कंपनी सचिवों का कार्य कर रहे, को वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए सचिवालय अनुपालन लेखा परीक्षा आयोजित करने तथा कॉर्पोरेट अभिशासन का पर रिपार्ट बनाने के लिए सचिवीय लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

लागत लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के प्रावधानों के निबंधन में और कंपनियों (लागत अभिलेख और लेखा परीक्षा) नियम, 2014 और इसके संशोधन के अनुसार, बोर्ड, लेखापरीक्षा समिति की सिफारिश पर, लागत लेखाकारों की 7 कंपनियों की नियुक्ति के अनुमोदन पर वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिएलागत खातों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया है।

वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए नियुक्त लागत लेखा परीक्षकों की विस्तृत जानकारी वार्षिक रिपोर्ट में अलग से दी गई हैं। वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिए लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट दिनांक 08 सितंबर, 2017 को एक्सबीआरएल मोड के अंतर्गत दायर की गई, दायर करने की निर्धारित देय तिथि तक।

आभार

निदेशक मंडल कंपनी के परिचालन और विकास संबंधी योजनाओं में भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय तथा भारत सरकार के अन्य सभी विभागों / एजेंसियों से प्राप्त सभी सहयोग, समर्थन और मार्गदर्शन के लिए उनका कृतज्ञता पूर्वक व्यक्त करता है।

निदेशकगण रचनात्मक सुझावों और निरंतर सहयोग के लिए भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, लेखा परीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों, संवैधानिक लेखा परीक्षकों, ब्रांच लेखा परीक्षकों, सचिवीय लेखा परीक्षकों और लागत लेखा परीक्षकों का हार्दिक धन्यवाद करते हैं। कंपनी सभी प्रौद्योगिकी सहयोगियों और आपूर्तिकर्ताओं संविदाकारों से प्राप्त निरंतर सहयोग और वित्तीय संस्थाओं बैंकरों तथा स्टॉक एक्सचेंज द्वारा प्रदान किए समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

निदेशक मंडल भारत और विदेशों में कंपनी के मूल्यवान ग्राहकों तथा सम्मानित शेयरधारको को कंपनी के प्रबंधन को उनके समर्थन और विश्वास के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है तथा भविष्य में भी पारस्परिक सहायक/सहयोगी संबंधों की निरंतरता बनाएं रखने के लिए तत्पर है।

अंत में निदेश मंडल सभी बीएचईएल कर्मचारियों को कंपनी आगे बढ़ने और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए उनके परिश्रमी प्रयासों और योगदान हेतु अपना आभार व्यक्त करना चाहता है।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

के निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

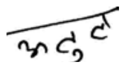

अतुल सोबती

अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक: 25 जुलाई, 2018

क्योंकि हर बूंद कीमती है–

बीएचईएल अपने सभी उपयोगकर्ताओं को पूर्ण तैयार जल प्रबंधन समाधान जैसे पावर प्लांट, उद्योग और सार्वजनिक / नागरिक अनुप्रयोग प्रदान करता है जिसमें पीने योग्य जल, डीएम जल और वेस्ट ट्रीटमेंट सोल्यूशन शामिल हैं। बीएचईएल के पोर्टफोलियों में थर्मल प्लांट्स के लिए भारत के सबसे बड़े अल्ट्रा–फिल्टरेशन प्लांट्स–96 एमएलडी प्लांट ओपल (OPaL) दहज, 40 एमएलडी सावेज़ ट्रीटमेंटप्लांट तथा आरओ–डीएम प्लांट्स की कमीशनिंग भी शामिल है। बीएचईएल ने संपूर्ण भारत में 20 से भी अधिक आरओ आधारित डेसालिनेशन प्लांटों की आपूर्ति की है।

कई दशकों के दक्षता विकास से लाभ उठाते हुए, बीएचईएल ने स्मार्ट सिटी की पहल के अंतर्गत झीलों के शुद्धिकरण/स्वच्छीकरण के प्रयास का कार्य आरंभ किया है। कंपनी वर्तमान में रायपुर, छत्तीसगढ़ में तेलिबंध झील के शुद्धिकरण के लिए ऑर्डर निष्पादित कर रही है और रायपुर विकास प्राधिकरण के लिए प्रतिदिन 25.4 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) क्षमता के छह विकेन्द्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) का निर्माण कर रही है।

येरामारुस टीपीपी में रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) प्रणाली

ओपल दाहेज में अशोधित जल उपचार संयंत्र

बोर्ड की रिपोर्ट का अनुबंध –I

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

1.1 आर्थिक और व्यावसायिक समीक्षा

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार विश्व आर्थिक विकास जिसने वर्ष 2016 के मध्य से मजबूती पकड़ी, वर्ष 2017 में 3.8% थी।निवेश, विनिर्माण गतिविधियों और व्यापार में उछाल रिबाउंड के लिए जिम्मेदार है।निकट भविष्य में, बढ़ती वस्तुओं की कीमतें, विशेष कर कच्चा माल, उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि की गति के लिए खतरा तो हैं लेकिन ये वस्तुओं के निर्यातक देशों की सहायता करते हैं।बढ़ती हुई संरक्षणवादी प्रवृत्तियों और व्यापार प्रतिफल के कदम भी आगे बढ़े, वैश्विक आर्थिक एकीकरण/अनुकुलन और सहकारी वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौतियों का सामना भी किया।

वित्तीय वर्ष 2017–18 मेंभारत का सकल घरेलू उत्पाद(जीडीपी), जिसमें 6.7% की वृद्धि हुई, में हर तिमाही में निरंतर वृद्धि देखी गई। तथापि,सकल घरेलू उत्पाद(जीडीपी), और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 2016–17 में मामूली गिरावट दिखाई दी। आईआईपी में गिरावट के लिएमाइनिंग और विद्युत क्षेत्रों को जिम्मेदार ठहराया गया है जबकि विनिर्माण क्षेत्र में पिछले वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त निर्माण क्षेत्र में वृद्धि हुई जिसके कारण देश की आर्थिक वृद्धि बनाए रखने में विशेष योगदान रहा है।

अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तनों के साथ–साथ, भारत सरकार ने सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे के साथनिर्देशित निवेश कोजारी रखा है। उपर्युक्त पूरकीकरण, केंद्रीय बजट 2018–19 ने बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से विकास को बढ़ावा दिया।भारतीय रेलवे की क्षमता विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए ₹1.48 लाख करोड़ रुपये के एक उच्चकालिक व्यय का आबंटन किया गया है। स्मार्ट सिटीज़ मिशन के अंतर्गत कुल 99 चयनित शहरों के साथ ₹2.04 लाख करोड़ का व्यय किया गया है। तथापि, अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्र जैसे स्टील और पावर उद्योगअभी भी अधिक्षमता और तनावग्रस्त संपत्तियों से जूझ रहेहैं।

इलेक्ट्रिक विद्युत उत्पादन व्यवसाय, नीतिगत निर्देशोंजैसे राष्ट्रीय विद्युत योजना, सीईआरसी/एसईआरसी निर्णय आदि के संबंध में, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सोलर, पवन इत्यादि से उत्पादित/उत्पादन ऊर्जा पर ध्यान देने के अलावा पुराने थर्मल पावर प्लांट्स के प्रतिस्थापन और उत्सर्जन नियंत्रण उपस्करोंके अधिष्ठापन के क्षेत्रों में व्यापार उभर रहा है। अनुकूल सामाजिक–आर्थिक विकास के साथ बिजली की मांग में सुधार की उम्मीद है। जैसे 100% गांव विद्युतीकरण और 100% घरेलू विद्युतीकरण ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार विश्व आर्थिक विकास जिसने वर्ष 2016 के मध्य से मजबूती पकड़ी, वर्ष 2017 में 3.8% थी।निवेश, विनिर्माण गतिविधियों और व्यापार में उछाल रिबाउंड के लिए जिम्मेदार है।

औद्योगिक उत्पादन के संकेतक के रूप में, निवेश मांग और निर्यात वसूली दिखा रहे हैं, भारत का विकास दृष्टिकोण आशाजनक/भरोसा बना हुआ है।उपभोक्ता मांग में तेजी लाने और निजी निवेश के पुनरुत्थान से अल्प से मध्य कालिक अवधि में भारत की विकास गति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बने रहने की संभावना है।

1.2 अवसर और आशंकाएं

घरेलू अर्थव्यवस्था में वसूली का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2017–18 के दौरान जीडीपी की वृद्धि से लगातार हर तिमाही में सुधार हुआ है, हालांकि 2016–17 में वार्षिक वृद्धि 6.7% की तुलना में 7.1% (सीएमआईई के अनुसार) थी। वर्ष 2018–19 के लिए आरबीआई ने 7.4% की जीडीपी की वृद्धि दिखाई है।

8% या उससे अधिक की वृद्धि दर तक पहुंचने और उसे बनाए रखने के लिए सभी घरेलू क्षेत्रों में योगदान की आवश्यकता होगी, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास और सकारात्मक वातावरण के पूरक हैं।मेक्रोइकोनोमिक स्थिरता, बैंकिंग क्षेत्र को समाधान, जीएसटी के क्रियान्वयन से अपेक्षित विकास जानना तथा संरचनात्मक सुधार एजेंडा पुनः प्राप्त करना उच्च विकास दर प्रक्षेपपथ प्राप्त करने के लिए प्रमुख संचालक होंगे।

वर्ल्ड इकानोमिक आउटलुक यह बताता है कि वैश्विक विकास 2018 –19 में 3.9% तक पहुंचने के ट्रेक पर होगा।उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं तेजी से बढ़ेगी जबकि 2018 और 2019 के दौरान उन्नत अर्थव्यवस्थाएं पहले वर्षों में धीमी गति से और बाद मेंतेजी से बढ़ती रहेंगी। तथापि, तेल की कीमतों में अस्थिरता से खतरा उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि की गति को प्रभावित कर सकता है।बढ़ती व्यापार संरक्षणवादी प्रवृत्तियों और प्रतिशोध/ बदला लेना एक संभावित जोखिम है।अंतर्निहित/भीतरी नीतियां वैश्विक आर्थिक एकीकरण के लिए धमकी हैं, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को सेवाएं दी हैं, व्यापार वृद्धि के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में वसूली द्वारा उपयुक्त नीति मिश्रण की पूरक/सहायक होती है।

बदलताएनर्जी मिक्स चुनौतियों और अवसरों दोनों को प्रस्तुत करता है।सरकार संतुलित ईंधन मिश्रण जिसमें स्वच्छ कोयला, हाइड्रो, न्यक्लियर, सौर और पवन ऊर्जा शामिल हैं, के माध्यम से देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है।सीईए द्वारा जारी राष्ट्रीय ऊर्जा योजना तथा नीति आयोग की राष्ट्रीय ऊर्जा नीति के मसौदे ने देश की अधिष्ठापित क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की बढ़ती हिस्सेदारी की पूर्ति की है अपितु, आगामी वर्षों में कोयले की महत्वपूर्ण भूमिका होने की भी उम्मीद है। पुराने सब क्रिटिकल प्लांटों का सुपर क्रिटिकल प्लांटों के साथ प्रतिस्थापन तथा उत्सर्जन नियंत्रण उपस्करों का अधिष्ठापन निकट भविष्य में तथा मध्यम से दीर्घ अवधि में स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों के विकासके क्षेत्रों में व्यापार के नए अवसर उभर कर आ रहे हैं। बीएचईएल पहले से ही उत्सर्जन नियंत्रण मानदंडों तथा कोयला आधारित संयंत्रों के लिए उत्सर्जन नियंत्रण उपस्करों की आपूर्ति द्वारा प्रदान किए गए व्यावसायिक अवसर पर पूंजीकरण कर रहा है और एयूएससी प्रौद्योगिकी के स्वदेशी विकास के साथ स्वच्छ कोयले प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में भी काम कर रहा है। कुछ अपेक्षित विकास जैसे उच्च आर्थिक विकास, 24X7 पावर फॉर ऑल, मेक इन इंडिया' के माध्यम से अनुमानित औद्योगिक विकास और अन्य पहलों से निकट अवधि में बिजली की मांग में काफी वृद्धि होने की संभावना है।देश के बिजली उत्पादन में वृद्धि के लिए बेस लोड को बढ़ाने के साथ–साथ पुराने संयंत्रों के प्रतिस्थापन, नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की आवश्यकताभविष्य में व्यापार के अवसर को जारी रखेगी।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) बिजली संयंत्रों के लिए उपस्कर मॉनीटरिंग से आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है, और प्रचालन इष्टतमीकरण, निष्पादन प्रबंधन तथा डाउनटाइम कमी को सक्षम करके उत्पादन की लागत को कम करने के लिएडेटा का उपयोग करता है।

'मेक इन इंडिया' भारतीय उद्योग के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक है तथा रक्षा, परिवहन, ट्रांसमिशन, नवीकरण आदि क्षेत्रों में प्रमुख सरकारी पहलों के साथ कई अवसर प्रदान करता है।भारत में बुनियादी ढांचे के विकास को सागरमाला, भारतमाला, समर्पित फ्रेट कॉरिडोर, शहरी परिवहन विकास, स्मार्ट सिटीज़ तथा ई–मोबिलिटी जैसी परियोजनाओं के साथ बढ़ावा मिल रहा है, जो दीर्घकालिक चिरस्थायी विकास के लिए नए रास्ते खोलेंगे।सरकार द्वारा उठाए गए सकारात्मक कदम से निकट और मध्यम अवधि में विभिन्न नए व्यावसायिक अवसरों में परिवर्तित होने की उम्मीद है।इसके अलावा, घरेलू उद्योग में निजी निवेश का पुनरुत्थान मध्यम से दीर्घ अवधि में होने की संभावना है। व्यावसायिक क्षेत्रों के संबंधित वर्गों में इन अवसरों की विस्तार से चर्चा की गई है।

1.3 प्रगति के लिए तैयारी

विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक हिस्से के रूप में, भविष्य कई अवसरों के साथ–साथ बाधाकारी ताकतों को प्रस्तुत करता है, जो वर्तमान में किए गए व्यवसाय के तरीके को बदल रहे हैं।इस बात को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने उभरते अवसरों की प्रतिक्रिया को बढ़ाने और मजबूती के नए स्तरों के निर्माण के उद्देश्य से "कल के बीएचईएलके निर्माण" की यात्रा शुरू की, जिससे एक चिरस्थायी उभरते हुए बीएचईएल की नींव रखी जाए।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, कंपनी विशिष्ट रणनीतियों और उनसे संबंधित सामर्थ्य / शक्ति के माध्यम से अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।कंपनी ने लक्ष्य के तरु पहले ही कई कदम उठाए हैं और लाभप्रद विकास की वर्तमान गति को बनाए रखने, नई क्षमताओं के निर्माण के दौरान मुख्य व्यवसाय को सुरक्षित करने तथा उभरते अवसरों के माध्यम से विविधीकरण के साथ–साथ कई अन्यों पहलों के लिएखुद को तैयार कर रही है।

निकट अवधि विकास

आदेशों के शीघ्र **निष्पादन, समेकन** के माध्यम से कुशल संसाधन उपयोगऔर प्रतिक्रिया की गति को बढ़ाने के लिए सिस्टम और प्रक्रियाओं के **सरलीकरण** के माध्यम से तत्काल और अत्यंत प्राथमिक कार्य लाभप्रद विकास को बनाएं रखना है। संयुक्त/संगठित प्रयासों के परिणामस्वरूप एक वर्ष के अंतराल के पश्चात् बीएचईएल ने 2016–17 से अर्निंग मुनाफा प्राप्त किया है तथा वर्ष 2017–18 में लाभप्रदता पैरामीटर्स में उल्लेखनीय सुधार दर्शाया गया है।

आगे जारी रखते हुए, कंपनी दृढ़ता से निष्पादन के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पिछले दो वर्षों में ₹30,000 करोड़ रुपये से अधिक प्रोजेक्ट ऑर्डर के पुनरुत्थान के परिणामस्वरूप पिछले पांच वर्षों के दौरान ऑर्डर बुक में उच्चतम वृद्धि हुई।अब मुख्य उद्देश्य ऑर्डर्स का समय पर निष्पादन कर शीर्ष–रेखा के साथ–साथ नीचे की रेखा के विकास को बढ़ाना है।कंपनी ने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए ऐसा ढांचा सक्षम बनाया है जिसमेंनए व्यापार समूहों का गठन तथा व्यावसायिक आवश्यकताओं के साथ बेहतर रूपरेखा के लिए और कॉर्पोरेट कार्यों का नवीनीकरण / पुनर्गठन शामिल हैं।इन पहलों के तत्काल परिणामों में परिवहन, रक्षा तथा वाटर सेग्मेंट्स में मजबूत आर्डर बुकिंग शामिल हैं।कंपनी की परिसंपत्तियों के समेकन की दिशा में और पहलेंपाइपलाइन में हैं। पहलों के सफलतापूर्वक निष्पादन के लिए कंपनी अपने सिस्टम, प्रक्रियाओं और संरचनाओं को सरल बनाना जारी रखती है।कम मूल्यवर्धित गतिविधियों और प्रक्रिया के समय चक्र में कटौती करने के उद्देश्य से विभिन्न नीतियों को पुनरीक्षित किया गया है।

मध्यम अवधि विकास

कंपनी कोर बिजनेस में अपने नेतृत्व को मजबूत बनाने और कर्मचारियों और डिजिटल क्षमताओं को विकसित करके चिरस्थायी विकास के लिए ताकत / मजबूती के नए स्रोतों का निर्माण कर रही है।

अन्य क्षेत्रों से व्यवसाय को बढ़ाने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कंपनी वर्तमान कारोबार अपने नेतृत्व को सुरक्षित करने के लिए समान रूप से दृढ़ संकल्पी है।कंपनी उभरते अवसरों के लिए वर्तमानपोर्टफोलियो और क्षमताओं को बनाने में मूल्य प्रस्तावों को बढ़ा रही है।वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान सभी थर्मल पावर प्रोजेक्ट ऑर्डर को प्राप्त करना इन प्रयासों की सफलता का प्रमाण है।उत्सर्जन नियंत्रण उपस्कर अब कंपनी के पोर्टफोलियो का हिस्सा हैं।कंपनी विकासशील क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है और नए क्षेत्रों से व्यवसाय जैसे लिफ्ट सिंचाई प्रणाली, परमाणु चक्र के लिए प्राथमिक पक्ष क्षमताएं, एडवांस अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल प्रौद्योगिकी, स्पेयर और सर्विसेज व्यवसाय को बढ़ाने इत्यादि पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

किसी भी पहल का सफल होना संगठन के कर्मचारियों पर निर्धारित होता है। बीएचईएल कंपनी की व्यावसायिक रणनीतियों के अनुरूप सभी कर्मचारियों की दक्षताओं के **विकास** पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। 2016 में 'कॉर्पोरेट लर्निंग एंड डेवलपमेंट' के गठन के बाद कर्मचारियों की विकास पहलों को सहायता देने के लिए अगले चरण के रूप में 2017 में पीपल स्ट्रेटजी ग्रुपबनाया गया है।विकासशील पहलों में प्रौद्योगिकी इंटरफेस को बढ़ाया जा रहा है। विभिन्न उन्नतिशील/प्रगतिशील पहलों जिसमें श्रमशक्ति लेखा परीक्षा, सबेटिकल छुट्टी, साइट कर्मचारियों के लिए प्रोजेक्ट छुट्टी इत्यादि को कार्यान्वित किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रयासों को जारी रखा जाएगा।

मध्यम अवधि के साथ दीर्घ अवधि में विकास का एक महत्वपूर्ण संचालक/ चालक होने के नाते, कंपनी डिजिटलीकरण, व्यवसाय के नए अवसर पैदा करना, प्रचालन उत्कृष्टता को बढ़ाना तथा कर्मचारी रुझान में सुधार पर कंपनी का ध्यान केंद्रित कर रही है। बीएचईएल ने पहले से ही रिमोट मॉनीटरिंग और डायग्नोस्टिक सिस्टम विकसित किया है जो पावर प्लांट निष्पादन के विश्लेषण और मूल्यांकन के लिए पूरी तरह से सक्षम है, जो अपनेविद्युत संयंत्र ग्राहकों के लिए वेल्यू एडिड सेवा होगी।कर्मचारी केंद्रित सेवाओं का डिजिटलीकरण और एंटरप्राइज़ सोशल नेटवर्क आईसीओएन (मैं कनेक्ट हूँ, मैं बातचीत करता हूँ, मैं सहयोग करता हूँ) के रोल–आउट कर्मचारी रुझान बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

दीर्घ अवधि विकास

भविष्य में विकास महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करना क्षमता वृद्धि से प्रौद्योगिकियों विकसित करना, व्यवसाय में और अधिक विविधता लाने और भौगोलिक गहराई में वृद्धि लाने पर निर्भर करता है। अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए, राष्ट्रीय सीमाओं से परे कंपनी के व्यापार को भौगोलिक शर्तों के साथ–साथ व्यापारिक शर्तों पर और मजबूत करने की आवश्यकता है।

कंपनी के दीर्घकालिक उद्देश्यों और लक्ष्यों की प्राप्ति को विधीकरण प्रयासों द्वारा दृढ़ता से समर्थितकरना होगा। विविधीकरण पर जोर देने के परिणामस्वरुप ऑर्डर प्रवाह में उछाल आया है और उद्योग क्षेत्र ने पिछले छह साल में ऑर्डर बुकिंग में

उच्चतम स्तर हासिल किया है। गैर–कोयला क्षेत्र में व्यापार हिस्से को वर्तमान 30:से बढाकर 50: तक करने के लक्ष्य की दिशा में प्रयास जारी है।

सौर व्यापार में, कंपनी नए क्षेत्रों जैसाकि फ़्लोटिंग सौर पीवी संयंत्रोंए सौर आधारित पानी पंपिंगसस्टिम और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सिस्टम आदि में प्रवेश कर रही है।बीएचईएल ने वित्तीय वर्ष 2017–18 में 75 मेगावाट एसपीवी पावर प्रोजेक्ट के लिए उच्चतम रेटिंग एसपीवी आदेश प्राप्तकियाहै।

दिसंबर 2017 से पहली मुंबई उप–नगरीय वातानुकूलित ईएमयू ट्रेन के सफलतापूर्वक संचालन से परिवहन व्यवसाय में नए अवसर मिलने की सम्भावना है। नगरीय परिवहन में उभरते अवसरोंए जिनमें मेट्रों और उच्च गति ट्रेन शामिल हैं, का लाभ उठाने के लिए कंपनी अपने को मजबूत कर रही है। रक्षा और एयरोस्पेस व्यापार क्षेत्र में नई सम्भावनाओं को तलाशने के लिए रक्षा और एयरोस्पेस पोर्टफोलियो का विस्तार किया जा रहा है। जल व्यापार में विकास के अवसरों का उपयोग करने के लिए कंपनी मौजूदा व्यापार मॉडल को मजबूत बना रही है और नए करना और नए मॉडल अपना रही है। सीवेज ट्रिटमेंट संयंत्रों हेतु नगरपालिका क्षेत्र में प्रवेश इस दिशा में पहला कदम है। पारेषण उत्पाद और प्रणाली व्यापार में विकास के लिए ईपीसी निष्पादन में सुधार औरप्रौद्योगिकी क्षमताओं में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

नए विकास क्षेत्रों का विकास करने से विविधीकरण कीदिशा में कंपनी के प्रयासों को बल मिलेगा।ग्रिड स्तर पर ऊर्जा भंडारण और बिजली के वाहनों के लिए समाधान संबंधी व्यापार का लाभ उठाने के लिए ऊर्जा भंडारण समाधान समूह बनाया गया है। कुछ अन्य संभावित क्षेत्र जिनमें अवसर तलाशे जा रहे हैं उनमें शामिल हैं–एयरोस्पेसए ई–मोबिलिटी नवीकरणीय ऊर्जा रेलवे इत्यादि।

नए व्यापार क्षेत्रों में पहल के लिए जिस अति महत्वपूर्ण इनपुट की आवश्यकता होगी वह है – प्रौद्योगिकी विकास।नवोन्मेष पर ध्यान केंद्रित करना कंपनी की विकास रणनीति का एक प्रमुख कारक है।बीएचईएल ने उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) कोयला से मेथनॉल इत्यादि सहित मिशन मोड मेंआंतरिकस्तरपरमहत्वपूर्णप्रौद्योगिकी विकसित की है।

एक संगठन की असली ताकत चुनौतियों में अवसर तलाशना है। अवसर की सम्भावनाएं और वास्तविक व्यापार में उनका रूपांतरण अभी विकसित हो रहा है और कंपनी परिवर्तनों को स्वीकार कर रही है और बाजार की वास्तविकताओं से अनुकूलन कर रही है भावी यात्रा बडी ही चुनौती पूर्ण है, परंतु शुरुआत, नए अवसरों और नए क्षितिज के साथ रोमांचकारी भी है।

बीएचईएल के इंजीनियर एचवीडीसी परियोजना ± 800 केवी एनई–आगरा पर वाल्व हॉल में काम करते हुए

बिजनेस सेगमेंट का प्रोफाइल एवं निष्पादन

पावर सेक्टर

1.4 बिजनेस सेगमेंट का प्रोफाइल एवं निष्पादन

1.4.1 पावर सेक्टर

संक्षिप्त विवरण

पिछले कुछ वर्षों सेभारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है शहरीकरणऔर जनसांख्यिकीय विस्तार और सहायता प्राप्त विभिन्न सरकारी पहलों तथा अनुकूल नीति परिदृश्य जैसे मैक्रो–इकोनॉमिक कारकों से संचालित भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया कीसबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखे हुए हैं।

देश मेंबड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता के कारणऊर्जा क्षेत्र में वृद्धि के साथ अर्थिक विकास में दृढ़ता से सुधार हुआ है। अतः सभी के लिएसस्ती दर पर विश्वसनीय और गुणवत्ता ऊर्जा की उपलब्धतानिरंतर आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत के पास वर्तमान में 344 जीडब्ल्यू से अधिक स्थापित क्षमता आधार है और 31 मार्च 2018 को वार्षिक बिजली उत्पादन 1,200 बिलियन यूनिट से अधिक है। देश में एक साल मेंपारंपरिक स्रोतोंएजिनमें से अधिकांश थर्मल पावर प्लांट्स थेएसे लगभग 9.5 जीडब्ल्यू ऊर्जा क्षमता बढी है।

स्थापित जनरेशन क्षमता

344 जीडब्ल्यू

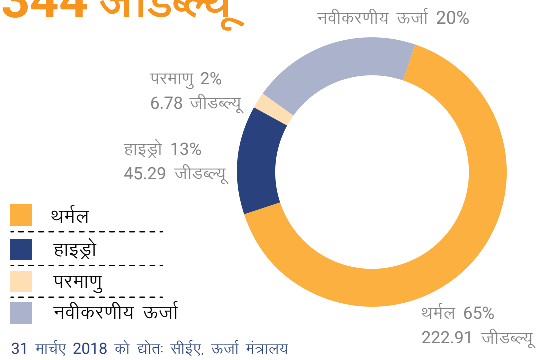

31 मार्चए 2018 को द्योतः सीईए, ऊर्जा मंत्रालय

देश ने '100% गांव विद्युतीकरणश हासिल किया है और हाल ही में घोषित पीएम सौभाग्य योजना के तहत अब 100% घरेलू विद्युतीकरण के लिए काम कर रहा है। श्मेक इन इंडियाश, श्स्मार्ट सिटीजश, '24ग7 पावर फॉर ऑल' इत्यादि जैसी सरकारी पहलों से आने वाले वर्षों में देश मेंबिजलीकीमांग बढने की उम्मीद है। रेलवे के विद्युतीकरणऔर ई–मोबिलिटी समाधान के विकास पर जोर दिए जाने के फलस्वरुप बिजली की मांग और अधिक बढने की उम्मीद है। 2030 तक 8% की आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखने के लिए भारत को अपने बिजली उत्पादन को वर्तमान स्तर से ढाई गुणा बढाना होगा। इसी के साथ विजली उत्पादन, पारेषण और वितरण क्षमताओं के वर्तमान स्तर को भी बढाने की आवश्यकता है।

हालकी सरकारी नीतियों ने नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत (आरईएस) आधारित ऊर्जा की ओर बाजार बदलाव प्रदर्शित किया है। वर्ष 2017–18 में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत (आरईएस) आधारित क्षमता वृद्धि ने बिजली के पारंपरिक स्रोतों से क्षमता वृद्धि को पीछे छोड़ दिया है। कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की उनकी निरंतर उपयुक्तता वर्ष–भर प्रचालन और हमारे देश में कोयला के बड़े घरेलू भंडार के चलते हालांकि अगले कुछ दशकों में भारत की बिजली उत्पादन क्षमतामेंकोयला आधारित बिजली संयंत्र मुख्य आधार बने रहने की उम्मीद है।दक्षता और उत्सर्जन के स्तर में महत्वपूर्ण सुधारसे प्रौद्योगिकी उन्नयन के माध्यम सेकोयला आधारित बिजली संयंत्रों को और हरितबिजली उत्पन्न करने के लिए तैयार किया जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत (आरईएस) आधारित बिजली उत्पादन प्रणाली से तीव्र क्षमता वृद्धि के लिए हाइड्रो–बिजली क्षमता विशेष रूप से पंप वाले भंडारण संयंत्रों और गैस आधारित बिजली संयंत्रों को बढाने की आवश्यकता है जिससे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत (आरईएस) आधारित बिजली प्रणालियों की परिवर्तनशीलता द्वारा ग्रिड संतुलन और स्थिरीकरण आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके।

वर्तमान व्यापार परिदृश्य

थर्मल उत्पादन को और अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने दिसंबर 2015 में मौजूदा और आगामी थर्मल पावर प्लांट्स के लिए संशोधित उत्सर्जन मानदंड अधिसूचित किए हैं जिनके तहत थर्मल जनरेटिंग स्टेशनों में उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण की स्थापना पर बल दिया गया है। वर्ष 2017–18 में विभिन्न इकाइयों ने उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों के लिए ऑर्डर देना प्रारम्भ कर दिया है और मोजूदा बिजली संयंत्रों में नियंत्रण उपकरण लगाए जाने के लिए कई निविदाएं पाइपलाइन में हैं। हाल ही में थर्मल पावर संयंत्र निविदाओं में उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण कार्यक्षेत्र के भाग रूप शामिल किए जा चुके हैं। सरकार पुराने और अक्षम संयंत्रों को नए एवं और अधिक दक्ष तथा सुपरक्रिटिकल संयंत्रों से प्रतिस्थापित करने को प्रोत्साहित कर रही है।

'मेक इन इंडिया, 'स्मार्ट सिटीज', '24X7 पावर फॉर ऑल' इत्यादि जैसी सरकारी पहलों से आने वाले वर्षों में देश में बिजली की मांग बढने की उम्मीद है।

पिछले कुछ वर्षों मेंए डेवलपर्स को, निश्चित ईंधन आपूर्ति और समय पर मंजूरी, भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुद्दों, धन व्यवस्था तथा डिस्कोम के साथ पावर टेक–ऑफ़ करार पाने आदि कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने इन समस्याओं के समाधान के लिए कई कदम उठाए हैं।

इस क्षेत्र के आपूर्ति पक्ष के समाधान हेतु विद्युत संयंत्रों के साथ ईंधन लिंक करने हेतु शक्तियो जनाए प्रगति प्रणाली से समेकित प्रोजेक्ट निगरानी आदि पहलों को प्रारम्भ किया गया है। 2.5 जीडब्ल्यू कमीशन क्षमताओं जहां बिजली खरीद समझौते (पीपीए) का अभाव है, से मध्यम अवधि की बिजली खरीद को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार द्वारा पायलेट योजना अधिसूचित की गई है। इन उपायो से ऐसे मंद प्रोजेक्ट से ऑफ़–टेक में सुधार के साथ–साथ उनकी वित्तीय में सुधार की उम्मीद की जाती है। उदय योजना के फलस्वरुप औसत राजस्व वसूली (एआरआर) और औसत आपूर्ति लागत (एसीएस) के अंतर तथा एटी एवं सी हानि में कमी के माध्यम से डिस्कोम की परिचालन क्षमता में सुधार हुआ है तथा ब्याज लागत में कमी के चलते उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। इन सुधारों से पावर सेक्टर न केवल तनाव से मुक्त होंगे बल्कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ धन की मात्रा भी मुक्त होंगी।

हालांकि कुछ वर्षो में क्षेत्रीय दृष्टिकोण में सुधार हुआ है। कार्य–आदेशों में उथल–पुथल मुख्य रूप से सरकारी क्षेत्र के कारणों से हुई है। निजी क्षेत्र मौजूदा क्षमताओं के साथ अभी भी जूझ रहा है।

जनवरी, 2018 में सीईए द्वारा जारी राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी) में यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि देश की स्थापित क्षमता में आरईएस के बढ़ते योगदान एवं पुराने सब–क्रिटिकल थर्मल संयंत्रों को अधिक कुशल सुपर क्रिटिकल इकाइयों से प्रस्थापित करने के साथ बिजली की मांग में 6% से अधिक की स्थिर वार्षिक वृद्धि होगी। नीति आयोग की राष्ट्रीय ऊर्जा नीति के मसौदे में बड़े पैमाने पर आरईएस आधारित बिजली की स्थापना की परिकल्पना की गई है। साथ ही अगले कुछ दशकों तक देश की बिजली उत्पादन क्षमता में कोयला आधारित बिजली संयंत्र रीढ़ की हड्डी बने रहने की उम्मीद है। इन दोनों संदर्भ दस्तावेजों में यह अपेक्षा की गई है कि संयंत्र परिचालन दक्षता में सुधार तथा लचीला परिचालन के लिए क्षमता के विकास के माध्यम से बिजली क्षेत्र में भविष्य में कोयला आधारित बिजली संयंत्र एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंग

भेल हरिद्वार की न्यू टरबाइन शॉप में निरीक्षण के तहत 800 मेगावाट एलपी टर्बाइन

जनवरी, 2018 में सीईए द्वारा जारी राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी) में यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि देश की स्थापित क्षमता में आरईएसके बढ़ते योगदान एवं पुराने सब–क्रिटिकल थर्मल संयंत्रों को अधिक कुशल सुपरक्रिटिकल इकाइयों से प्रस्थापित करने के साथ बिजली की मांग में 6% से अधिक की स्थिर वार्षिक वृद्धि होगी।

भारत की विशाल जल विद्युत क्षमता का केवल एक–तिहाई हिस्सा 148 जीडब्ल्यू अब तक उपयोग किया गया है।परंपरागत और पंप भंडारण जनरेटिंग स्टेशनों से जल विद्युत उत्पादनए विद्युत उत्पादन के संतुलनए जो नवीकरणीय विद्युत उत्पादन के बढ़ते हिस्से के साथ एक बड़ी चुनौती हैए में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।इससे जल विद्युत परियोजनाओं पर अधिक जोर दिया जाएगा। भारत के 28% जल विद्युत संयंत्र 35 साल पुराने हो चुके हैं। अतः उनके लाइफ और निष्पादन विस्तार एवं दक्षता उन्नयन की आवश्यकता है।

स्वच्छ और हरित ऊर्जा के लिएपरमाणु ऊर्जा भारत सरकार की रणनीति का एक अभिन्न हिस्सा है। 2X700 मेगावाट गोरखपुर– हरियाणा परमाणु ऊर्जा परियोजना (जीएचएवीपी 1 और 2) के लिए क्रय गतिविधियां पहले से ही प्रक्रिया में हैं। मई 2017 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा फ्लीट मोड में पीएचडब्लूआर आधारित 700 मेगावाट की ऐसी 10 अतिरिक्त परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अनुमोदन दिया गया है

प्रस्ताव बीएचईएल दुनिया की कुछ कंपनियों में से एक है जिसके पास थर्मल, गैस, जल और परमाणु विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन की सिद्ध क्षमताओं के साथ सभी श्रेणी के विद्युत संयंत्र उपकरण विनिर्माण की क्षमता है।

बीएचईएल के पास 1000 मेगावाट रेटिंग तक के स्टीम टरबाइन, जेनरेटर, बॉयलर और सहायक उपकरण समेत थर्मल विद्युत संयंत्रों के लिए अवधारण से कमीशनिंग तक की निष्पादन क्षमता है। कम्पनी ईपीसी आधार पर 660/700/800 मेगावाट रेटिंग के सुपरक्रिटिकल थर्मल सेट के साथ कई प्रतिष्ठित परियोजनाओं का निष्पादनकर रही है।

बीएचईएल, थर्मल संयंत्रों के लिए सरकुलेटिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बसशन (सीएफबीसी) बॉयलर जो पेट–कोक, लिग्नाइट इत्यादि जैसे कम कैलोरीफिक ईंधन कीव्यापक रेंज के लिए उपयुक्त है, का भी निष्पादन और आपूर्ति करता है। बीएचईएल, खुले और कम्बाइंड साइकिल दोनों की विशिष्ट आवश्यकता की पूर्ति के लिए 299 मेगावाट (आईएसओ) तक श्रेणी लिए गैस टरबाइन और मैचिंग जेनरेटर ऑफर करता है।

बीएचईएलदुनिया की कुछ कंपनियों में से एक है जिसके पास अवधारणा से कमीशनिंग तक थर्मलए गैसए जलऔर परमाणु विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन की सिद्ध क्षमताओं के साथ सभी श्रेणी के विद्युत संयंत्र उपकरण विनिर्माण की क्षमता है।

परमाणु ऊर्जा खंड में, बीएचईएल उन संगठनों में से हैं जो देश के स्वदेशी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के सभी तीन चरणों में प्राथमिक और माध्यमिक साइड पर जुड़े हुए हैं। बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए 220/235/500 /540 मेगावाट परमाणु टरबाइन जनरेटर सेट पहले से ही संचालन में हैं और वर्तमान में, बीएचईएल 700 मेगावाट सेट निष्पादित कर रहा है।

बीएचईएल में 400 मेगावाट तक मैचिंग जनरेटर के साथ कपलान, फ्रांसिस और

पेलटन प्रकारों के कस्टम–निर्मित पारंपरिक हाइड्रो टर्बाइनों के इंजीनियरिंग और विनिर्माण की क्षमता है।

संशोधित उत्सर्जन मानदंडों से उत्पन्न होने वाले व्यावसायिक अवसरों के संबंध में, बीएचईएल थर्मल पावर प्लांट्स से उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए अनुकूलित समाधान प्रदान करता है। बीएचईएल इलेक्ट्रो–स्टेटिक प्रेसीपिटेटर्स (ईएसपी), फ्लू गैस डिस्फ्फुराइजेशन (एफजीडी), एनओएक्स नियंत्रण उपकरण और फर्नेस संशोधन के लिए रेट्रोफिट समाधान प्रदान करने के लिए भी तैयार है। बीएचईएल ने न केवलस्वयं के बॉयलरों बल्कि अन्य निर्माताओं के बॉयलरों के लिए भी कणों (पार्टिकुलेट) के नियंत्रण के लिए ईएसपी की आपूर्ति की है।

नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और विभिन्न प्रकार के बिजली संयंत्र उपकरणों के उत्थान के माध्यम से, अवशिष्ट जीवन मूल्यांकन, स्वास्थ्य निदान और संयंत्रों के विस्तार के विशेष ज्ञान के अलावा कंपनी ने संयंत्र निष्पादन सुधार में सिद्ध विशेषज्ञता हासिल की है। बीएचईएल द्वारा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ ईएसपी, एफजीडी और सीएंड आई के लिए रेट्रोफिट पैकेज भी तैयार किए जा रहे हैं।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां:

ऑर्डर बुकिंग–

बीएचईएल ने सफलता की कई कहानियां रची हैं और वर्ष 2017–18 के दौरान नए क्षेत्रों में प्रवेश किया है। इस वर्ष, बीएचईएल के पावर सेक्टर ने 5,040 मेगावाट की उत्पादन क्षमता के साथ 33,342 करोड़ रुपये के ऑर्डर प्राप्त किए हैं जिनमें स्पेयर और सेवाएं और आर एंड एम व्यापार से प्राप्त 2,814 करोड़ रुपये के आर्डर शामिल हैं।

प्राप्त महत्वपूर्ण यूटिलिटी आदेश :

थर्मल–

- 3x800 मेगावाट पत्रातु एसटीपीपी फेज – I – ईपीसी (PVUNL)
- 2x660 मेगावाट उदानगुडी टीपीएस – ईपीसी (TANGEDCO)
- 1x660 मेगावॉट भुसावल टीपीएस – ईपीसी (MAHAGENCO)
- 1x660 मेगावाट पनकी टीपीएस – ईपीसी (UPRVUNL)
- 2x490 मेगावाट दादरी एसटीपीपी के लिए एफजीडी – (NTPC)
- 4x210 मेगावाट काहलगांव टीपीएस के लिए ईएसपी रेट्रोफिटिंग – फेज–1 (NTPC)
- 3x200 मेगावाट रामागुंडम एसटीपीपी के लिए ईएसपी रेट्रोफिटिंग फेज – 1 (NTPC)
- 3x200 टीपीएच दमनजोडी ख्नालको, के लिए स्टीम–सह–पावर बॉयलर के ईएसपी के आर एंड एम
- 3x200 मेगावॉट फरक्का टीपीएस एनटीपीसी, के लिए सी एंड आई पैकेज का आर एंड एम
- 600 मेगावॉट रायलसीमा यूनिट – 6(एपीजेनको) के लिए बीटीजी पैकेज अनिवार्य स्पेयर

मुकेरियन हाइड्रो पावर प्लांट –बीएचईएल द्वारा उच्चतम रेटिंग बल्ब टाइप हाइड्रो जनरेटिंग सेट कमीशन किया गया

नाभिकीय:

- गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) यूनिट –1 और 2 (एनपीसीआईएल) के लिए 2x700 मेगावाट के लिए न्युक्लियर स्टीम जनरेटर पैकेज

ईपीसी आधार पर पत्रातु एसटीपीपी, उदानगुडी टीपीएस, भुसावल टीपीएस और पनकी टीपीएस के आदेश अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली (आईसीबी) के तहत प्राप्त किए हैं। पत्रातु, पनकी और भुसावल परियोजनाओं के पुराने मौजूदा सेटों को बदलने पर विचार किया गया है।

उपर्युक्त के साथ, बीएचईएल ने देश के भीतर सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट्स के लिए 55 स्टीम जेनरेटर (एसजी) और 48 टर्बाइन जेनरेटर (टीजी) के लिए ऑर्डर प्राप्त किए हैं और जिनमें से 31 मार्च 2018 तक, 15 एसजी और 13 टीजी कमीशनकिए गए हैं।

विशेष उपलब्धि:

- अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली–प्रक्रिया (आईसीबी) के आधार पर बिजली परियोजना के लिए पत्रातु प्रोजेक्ट, देश का सबसे बड़ा ऑर्डर है। यह एयर कूल्ड कंडेंसर (एसीसी) तकनीक लागू करने वाला देश का सबसे बड़ा ऑर्डर है।
- सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी के आधार पर TANGEDCO द्वारा फाइनल की गई उदानगुड़ी परियोजना पिछले तीन वर्षों में चौथा ऑर्डर है। बीएचईएल द्वारा ये सभी चार ऑर्डर, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली (आईसीबी) आधार पर प्राप्त किए गए हैं।

2x660 मेगावाट उदानगुडी एसटीपीपी का उद्घाटन करते हुए तमिलनाडु के मान्य मुख्यमंत्री श्री एडाप्पडी पलनिस्वामी

बीएचईएल ने 31 मार्च, 2018 तक देश में 15 इकाइयों के लिए एफजीडी आदेशों का अनुबंध करके, उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय में उल्लेखनीय कार्य किया है।

इनमें भुसावल, पत्रातु, यदादरी और पनकी (मुख्य संयंत्र ऑर्डर सहित) के ऑर्डर एवं

थर्मल संयंत्रों के लिए संशोधित उत्सर्जन मानदंडों की अधिसूचना के बाद 2x490 मेगावाट के एनटीपीसी/दादरी परियोजना के लिए एफजीडी पैकेज के लिए पहला स्टैंड–अलोन ऑर्डर शामिल हैं।

- वर्ष के दौरान, बीएचईएल और एनटीपीसी ने एनटीपीसी परियोजनाओं के लिए टर्बाइन, मिल्स और सीएंडआई स्पेयर की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक स्पेयर सप्लाई एग्रीमेंट (एलटीएसएसए) में प्रवेश किया।

इस क्षेत्र में ध्यान देने के परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान 5x800 मेगावाट टीएसजीएनसीओ/यदादरी परियोजना का पुनरुद्धार हुआ है। इसके अलावा, परियोजना के कार्य–क्षेत्रमें संशोधन, जिसमेंउत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों को शामिल किया गया है, के परिणामस्वरूप बीएचईएल की निष्पादन योग्य ऑर्डर बुक बढ़ कर 20,000 करोड़ रूपये से अधिक हो गई है।

परमाणु खंड में, बीएचईएल ने एनपीसीआईएल 2x700 मेगावाट गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) यूनिट – 1 और 2 के लिए 04 परमाणु भाप जेनरेटर की आपूर्ति के लिए, 736 करोड़ रुपये का ऑर्डर प्राप्त किया है। परमाणु परियोजना के लिए उपकरणों की आपूर्ति के लिए पिछले पांच वर्षों में यह पहला बड़ा ऑर्डर है।

प्रोजेक्ट कमीशनिंग:

2017–18 में, बीएचईएल ने 3,738 मेगावॉट के बिजली उत्पादन सेटों की क्षमतामें वृद्धि हासिल की है। महत्वपूर्ण बात यह है कि देश में किसी अन्य एकल उपकरण आपूर्तिकर्ता द्वारा प्राप्त क्षमता वृद्धि का यह 2.5 गुणा है। वर्ष के दौरान कुल 17 यूटिलिटी सेट स्थापित किए गए हैं। इसके साथ भारत में स्थापित बीएचईएल के कुल सेटों में शामिल हैं – 443 कोयला आधारित सेट, 417 हाइड्रो यूटिलिटी सेट और 102 गैस आधारित यूटिलिटी सेट।

भारत में बीएचईएल आपूर्ति किए गए यूटिलिटी सेट की स्थापित क्षमता 155 जीडब्ल्यू है, जिसमें 123 जीडब्ल्यू कोयला आधारित और 21 जीडब्ल्यू हाइड्रो आधारित उपकरण शामिल हैं। उपर्युक्त के साथ, बीएचईएल देश की कुल स्थापित क्षमता में 288 जीडब्ल्यू में 54% की प्रमुख हिस्सेदारी बनाए हुए है, जिसमें कोयला, गैस, डीजल, हाइड्रो और परमाणु सेट (नवीनीकरण को छोड़कर; स्थापना के समय रेटिंग के आधार पर) शामिल हैं ।

स्थापित क्षमता – यूटिलिटी

31 मार्च, 2018 को 2,88,685 मेगावाट

* कोयला, गैस, सीसीपी, परमाणु और हाइड्रो शामिल है; नवीनीकरण को छोड़कर यह स्थापना के समय रेऋटग के आधार पर है ।

इस वर्ष की कुछ प्रमुख उपलब्धियां हैं:

- 5x270 मेगावाट की रतन इंडिया, नासिक टीपीपी के यूनिट 3, 4 और 5 की क्षमता की वृद्धि 46 दिनों की अवधि में की गई।
- 3x110 मेगावाट एनएचपीसी किशनगंगा एचईपी की सभी 3 इकाइयों की कमीशनिंग 18 दिनों की अवधि में की गई।

बीएचईएल की उच्चतम रेटिंग बल्ब जनरेटिंग सेट (2x9 मेगावाट) की आपूर्ति एवं कमीशनिंग पीएसपीसीएल/मुकरियन हाइड्रो–इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (एचईपी) स्तर–2, पंजाब को की गई ।

- बीएचईएल द्वारा निर्मित प्रथम 800 मेगावाट के सेट ने अप्रैल, 2017 से आरपीसीएल/ येरामरूस यूनिट –2 में कमर्शियल ऑपरेशन शुरू किया।
- बॉयलर इरेक्शन की शुरुआत के बाद 24 महीने और 7 दिन के रिकॉर्ड समय के भीतर, टीएसजेएनसीओ कोथगुडेम टीपीएस में 800 मेगावॅाट के कोयला आधारित सुपरक्रिटिकल बॉयलर का लाइट–अप किया गया।

बरोनी –– 9 (250 मेगावाट) सिंक्रनाइज़ेशन के 38 मिनट के भीतर पूर्ण भार (सवंक) प्राप्त किया

मुकेरियन हाइड्रो पावर प्लांट – बीएचईएल द्वारा उच्चतम रेटिंग बल्ब टाइप हाइड्रो जनरेटिंग सेट कमीशन किया गया

नवीकरणीय ऊर्जा को छोड़कर, स्थापना के समय रेटिंग के आधार पर) 2,88,685 मेगावाट की देश की कुल स्थापित क्षमता में 54: का अपना प्रमुख हिस्सा बनाए रखा है।

देश की कुल 986.59 बीयू जेनरेशन में 59.8% बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए थर्मल यूटिलिटीसेट (कोयला आधारित) से है जो बीएचईएल सेट के बेहतर प्रदर्शन की पुष्टिकरते हैं।

उत्पादन यूटिलिटी (कोयला और लिग्नाइट)

2017-18 के लिए **986-59** बीयू

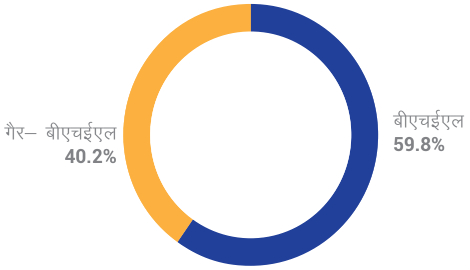

उपकरण का निष्पादन:

बीएचईएल आपूर्ति किए गए उपकरणों के साथ बिजली संयंत्र, ऑपरेटिंग उपलब्धता (ओए)', प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) और आउटेज के संबंध में समान से अधिक स्तर पर निष्पादन जारी रखे हुए हैं।

*ऑपरेशनल उपलब्धता की गणना करते समय कम सिस्टम की मांग के तहत इकाइयों, कोयले की कमी और रिजर्व शट डाउन को उपलब्ध के रूप में माना जाता है।

बीएचईएल द्वारा निर्मित प्रथम 800 मेगावाट सेट ने 2X800 मेगावाट येरामरूस में अप्रैल, 2017 से कमर्शियल ऑपरेशन शुरू किया।

बीएचईएल सेट की प्रमुख निष्पादन उपलब्धियों में शामिल हैं:

बीएचईएल के सेटों की प्रमुख निष्पादन उपलब्धियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- थर्मल सेटों ने कुल 84.1% आपरेशनल उपलब्धियां दर्ज की है। 203 थर्मल सेटों ने 90% से अधिक आपरेशनल उपलब्धियां दर्ज की है।
- 151 थर्मल सेटों नें 70% से अधिक पीएलएफ हासिल किया है जिनमें से 23 थर्मल सेटों ने 90% से अधिक और 60 थर्मल सेटों ने 80% और 90% के बीच पीएलएफ हासिल किया है।
- 195 मेगावाट और उससे ऊपर के सेटों से उत्पादन (जो देश की बिजली उत्पादन की रीढ़ की हड्डी है) 84.9% ओए, 60.3% पीएलएफ के साथ 5,72,202 MUs तक पहुंचा है।
- बीएचईएल की पहली सुपरक्रिटिकल यूनिट बाढ़–4 (660 मेगावाट) का परिचालन 28,242 घंटा है। इसने 99.3%, ओए और 85.6% पीएलएफ, और 174 दिनों का निर्बाध संचालन पूरा किया।
- बीएचईएल के सब–क्रिटिकल सेटों में से, विंध्याचल–9 ने 95.5% का उच्चतम पीएलएफ और 99.5% की परिचालन उपलब्धता हासिल की है।

बीएचईएल की पहली सुपरक्रिटिकल यूनिट बाढ़–4 (660 मेगावाट) ने 2017–18 में उत्कृष्ट निष्पादन मापदंड प्राप्त किए।

- तलचर –6 (110 मेगावाट), जो 30 साल से अधिक पुराना है, ने 95.7% की पीएलएफ और 95.7% की परिचालन उपलब्धता हासिल की है।
- बीएचईएल द्वारा आपूर्ति 12 परमाणु सेटों में से 6 इकाइयों ने 90% से अधिक पीएलएफ हासिल की, जिसमें काइगा में 2x220 मेगावाट यूनिट 1 और 2 के द्वारा वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान लगभग 100% पीएलएफ प्राप्त हुआ।

उत्कृष्टता की पावती और पहचान:

समय पर पूरा करने, उपकरण निष्पादन और बिक्री उपरांत सेवाएं (एसएएस)में सुधार के प्रति बीएचईएल के प्रयासों की निम्न विभिन्न ग्राहकों द्वारा सराहना की गई है :

- **आरपीसीएल** – 2x800 मेगावाट येरामरूस टीपीएस यूनिट – 2 के सीओडी प्राप्त करने के लिए
- **टीएसजीएनसीओ** – पुलिचिंतला 4x30 मेगावॉट (एचईपी) यूनिट –2 और 3 के वाणिज्यिक संचालन के लिए
- **एससीसीएल** – एससीसीएल सिंगारेनी 2x600 मेगावाट की दोनों इकाइयों में उच्चतम पीएलएफ की उपलब्धि के लिए

जीएनएफसी – भरूच जहां बैंक ट्यूब प्रतिस्थापन समय से पूर्व पूरा किया

- **एपीपीडीसीएल** – 1x800 मेगावाट कृष्णापट्टनम स्टेज –II पर शून्य दुर्घटनाओं/घटनाओं के साथ सभी मुख्य गर्डर्स की नियुक्ति के लिए
- **एनटीपीएल** – तुतीकोरिन टीपीएस की यूनिट – I के लिए एमआरएस सिस्टम के सुधार और कमीशन के लिए
- **एमपीपीजीसीएल** – बार प्रतिस्थापन सहित जेनरेटर के कैपिटल ओवरहॉल के लिए एसएसटीपीपी एमपीपीजीसीएल डोंगलिया खंडवा (एमपी) तथा और यूनिट –2 के टारबाइन ओवरहॉल के लिए

- **टेनजेडको** – तुतीकोरिन टीपीएस यूनिट 2 – 210 मेगावाट एलएमडब्लू टरबाइन और जेनरेटर की कैपिटल ओवरहॉलिंग के लिए
- **जीएनएफसी** – भरूच परियोजना में संविदात्मक समय से पूर्व बैंक ट्यूब प्रतिस्थापन के पूरा होने के लिए
- **एनटीपीसी** – तलचर यूनिट – 4 और 6 की ओवरहॉलिंग आवश्यकता को पूरा करने के लिए एपीएच और ईएसपी स्पेयर्स की शीघ्र आपूर्ति के लिए

विकास के लिए तैयारी

बीएचईएल ने पिछले पांच दशकों में विभिन्न डोमेनों में विश्व के नेताओं से प्रौद्योगिकी को सफलतापूर्वक स्वदेशी बनाने और अत्याधुनिक इन–हाउस विनिर्माण बुनियादी ढांचे और क्षमताओं का निर्माण करके देश की बिजली उपकरणों की आवश्यकताओं को पूरा किया है। संगठन में वक्र से आगे रहने तथा पावर सेक्टर में प्रस्तावित अवसरों और चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करने की क्षमताएं हैं।

संशोधित उत्सर्जन मानदंडों से उत्पन्न आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से भारतीय पावर सेक्टर से उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय में पर्याप्त गतिविधियां अपेक्षित हैं । बीएचईएल में नई परियोजनाओं के साथ–साथ पहले से ही संचालित सेटों के लिए ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित उत्सर्जन नियंत्रण समाधान प्रदान करने की क्षमताएं हैं और उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण के पूरे स्पेक्ट्रम में एफजीडी डोमेन में अपने वर्तमान नेतृत्व को बढ़ाने के लिए तैयार है ।

पुराने संयंत्रो को नष्ट करने और उनके प्रतिस्थापन के लिए समाधान प्रदान करने के लिए पुरानी सब–क्रिटिकल क्षमता को उच्च दक्षता वाले नई सुपर–क्रिटिकल क्षमता के साथ प्रतिस्थापन पर सरकार का ध्यान आवश्यक होगा। बीएचईएल डेवलेपर्स को इष्टतम टेक्नो– इकोनॉमिक की दिशा में समाधान प्रदान करने के लिए तैयार हैं ।

बीएचईएल तिरुचिरापल्लि में सुपर–क्रिटिकल बॉयलर के लिए स्पाइरल वॉटर वॉल असेम्बली प्रगति पर

बीएचईएल हरिद्वार फाउंड्री शॉप में हॉट मेटल पोरिंग प्रगति पर

मिजोरम में बीएचईएल द्वारा 2•30 मेगावाट तुरियल हाइड्रो इलेक्ट्रिक (एचईपी) पावर हाउस कमीशन किया गया

बीएचईएल उन डेवलपर्सएजो उनके मौजूदा सेटों के निष्पादन में सुधार चाहते हैं, को नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और जीवन विस्तार में अपना विशाल अनुभव प्रदान करता है। बीएचईएल स्पेयर और सेवाएं व्यवसाय सहित ग्राहकों को अपने मूल्य प्रस्तावों को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का भी उपयोग कर रहा है।

कंपनी अपने बिजली क्षेत्र पोर्टफोलियो में जल प्रबंधन प्रणालियोंए एयर कूल्ड कंडेनसर, बीओपी सिस्टम, एफजीडी जैसे उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण, चुनिंदा उत्प्रेरक कमी, चुनिंदा गैर–उत्प्रेरक कमी इत्यादि जैसे नए उत्पादों को शामिल करने के प्रस्ताव के अपने दायरे को भी बढ़ा रही है।

कंपनी एक तकनीकी नेता होने की अपनी विरासत को बनाए हुए है और आगामी वर्षों में क्लीनर पावर मिश्रण को स्वच्छ बनाने में देश की मदद करने के लिए काम कर रही है। बीएचईएल देश के पहले उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी आधारित संयंत्र के स्वदेशी विकास में अग्रणी रहा है। जो परमाणु अनुसंधान के लिए इंदिरा गांधी केंद्र और एनटीपीसी के साथ एक संयुक्त अग्रणी अनुसंधान एवं विकास परियोजना है। इस तकनीक के विकास से न केवल क्षमता में भारी वृद्धि हासिल करने में मदद मिलेगी बल्कि सीओ 2 उत्सर्जन स्तर के साथ–साथ कोयले की खपत में भी कमी होगी।

रायचूर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के 2ग800 मेगावाट येरामरुस थर्मल पावर स्टेशन पर सुपरक्रिटिकल की दोनों इकाइयों के वाणिज्यिक संचालन के शुरु होने के साथ बीएचईएल बिजली उत्पादन के क्षेत्र में एक डेवलपर के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कर रही है। यह कदम ईंधन विकास और नए एवं निरंतर राजस्व जैसे कम्पनी के प्रमुख उद्देश्यों के अनुरूप है।

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन की दिशा में सरकारी प्रयासों से थर्मल पावर संयंत्रों की लचीली प्रचालन क्षमताओं में सुधार के लिए एक आवश्यकता पैदा होगी। विशेषकर जब कि ऊर्जा भंडारण तकनीक अभी भी व्यावसायिक रूप से लागत प्रभावी समाधान नहीं है। संगठन थर्मल संयंत्रों के लचीले प्रचालन में आने वाली कोई भी संभावनाओं के समाधान के लिए तैयार है।

हाइड्रोपावर क्षेत्र में संगठन ने 400 मेगावाट रेटिंग तक हाइड्रो सेट के विनिर्माण की अपनी क्षमताओं को बढ़ाया है। इस क्षेत्र में अपने कुशल प्रोफाइल का विकास करना और हाइड्रो टर्बाइन के भार में कमी लाना बीएचईएल की सफलता के कारक हैं। बीएचईएल लिफ्ट सिंचाई योजना संबंधी परियोजनाओं में उपयोग आने वाली बड़े आकार की पंप–मोटर्स में अग्रणी खिलाड़ी के रूप में उभरा है।

देश को परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण में ले जाने की दिशा में बीएचईएल ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के साथ मिलकर 300 मेगावाट उन्नत भारी जल रिएक्टर (एएचडब्ल्यूआर) परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए सहायक टर्बाइन साइकिल विकसित की है। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में उभरते अवसरों का उपयोग करने के लिए कंपनी स्वदेशीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए परमाणु संयंत्रों में अपने कार्यक्षेत्र को बढ़ा रही है और ईपीसी आधार पर सम्पूर्ण टीजी पैकेज ले रही है। अपनी मजबूत विनिर्माण क्षमता के साथए बीएचईएल इस क्षेत्र में अपना योगदान बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

बीएचईएल भारतीय ऊर्जा क्षेत्र में संक्रमण–काल के विभिन्न पहलुओं और उनसे जुडी चुनौतियों पर काम कर रही है तथा इस बदलते ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के अग्रणी खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए सभी मोर्चों पर तैयारी सुनिश्चित कर रही है।

कंपनी एक तकनीकी नेता होने की अपनी विरासत को बनाए हुए है और आगामी वर्षों में क्लीनर पावर मिश्रण को स्वच्छ बनाने में देश की मदद करने के लिए काम कर रही है। बीएचईएल देश के पहले उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी आधारित संयंत्र के स्वदेशी विकास में अग्रणी रहा है

बीएचईएल द्वारा इलेक्ट्रिक यूटिलिटी संस्थापना

31.03.2018 तक चालू

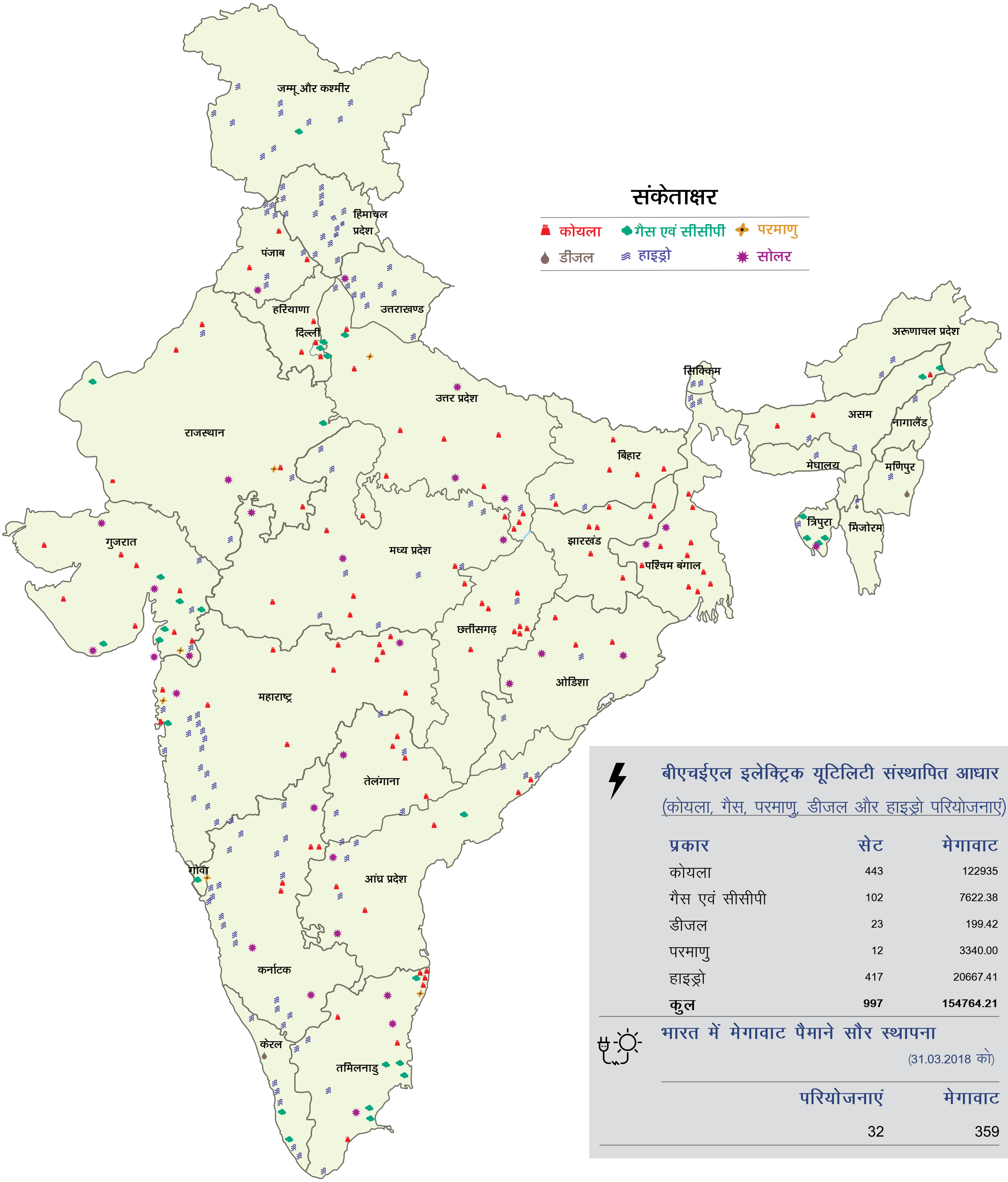

बीएचईएल इलेक्ट्रिक यूटिलिटी संस्थापित आधार

(कोयला, गैस, परमाणु, डीजल और हाइड्रो परियोजनाएं)

प्रकार	सेट	मेगावाट
कोयला	443	122935
गैस एवं सीसीपी	102	7622.38
डीजल	23	199.42
परमाणु	12	3340.00
हाइड्रो	417	20667.41
कुल	**997**	**154764.21**

भारत में मेगावाट पैमाने सौर स्थापना

(31.03.2018 को)

परियोजनाएं	मेगावाट
32	359

बिजनेस सेगमेंट का प्रोफाइल एवं निष्पादन

उद्योग क्षेत्र

1.4.2 उद्योग क्षेत्र

संक्षिप्त विवरण

उद्योग क्षेत्र 1980 के दशक से भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख औद्योगिक खंडों के लिए प्रणालियों और व्यक्तिगत उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है। कंपनी के गैर–कोयला आधारित व्यापार के विकास पर ध्यान केंद्रित करने की दृष्टि से उद्योग क्षेत्र में कई बाजार केंद्रित समूह हैं जो परिवहन, ट्रांसमिशन, नवीकरणीय ऊर्जा, जल प्रबंधन, रक्षा और एयरोस्पेस, कैप्टिव पावर जनरेशन, औद्योगिक उत्पाद; मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल) और एनर्जी स्टोरेज सिस्टमके लिए व्यापक समाधान प्रदान करते हैं।

2017–18 के दौरान उद्योग क्षेत्र ने ₹ 7,514 करोड़ के ऑर्डर प्राप्त किए हैंए जिसमें परिवहनए जल, रक्षा और एयरोस्पेस व्यापार समूहऔर सौर व्यापार समूह (मेगावाट में) की उच्चतम ऑर्डर बुकिंग शामिल है।पिछले छह वर्षों में ऑर्डर बुकिंग सबसे ज्यादा रही हैए और लगातर दूसरे वर्ष के लिए इसमें वर्ष दर वर्ष आधार पर 20% से अधिकइसमें वृद्धि हुई है।

1.4.2.1 परिवहन

व्यापार परिदृश्य एवंअवसर

भारतीय रेल ने रेलवे नेटवर्क को मजबूत करने और उनकी वाहक क्षमता को बढ़ाने हेतु बड़े पैमाने पर कार्यक्रम शुरू किया है। 2018–19 मेंए रेलवे काकेपक्स 1.48 लाख करोड़ रुपएदेखा गया है, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा क्षमता निर्माण, सरंक्षा, रेलवे विद्युतीकरण, स्टेशनों के आधुनिकीकरण, रोलिंग स्टॉक, आदि के लिए निर्धारित किया गया है। रेलवे पटरियों के विद्युतीकरण पर सरकार की योजना से इलेक्ट्रिक लोको और एसी ईएमयू की मांग में बढ़ने की उम्मीद है।

बीएचईएल के आपूर्तितउपकरणों से सुसज्जित भारत की पहली वातानुकूलित एसी ईएमयू दिसम्बर से मुंबई में सफलतापूर्वक काम कर रही है।

मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर कार्य आरंभ हो चुका है औरअन्य उच्च गति/अर्द्ध–उच्च गति मार्गों की पहचान की जा रही है। भारतीय रेल बेहतर दक्षता के लिए परिवहन में नवीनतम तकनीकों जैसे 3. फेस आईजीबीटी आधारित ड्राइव और रिजनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम को अपनाने पर भी विचार कर रही है।

उद्योग क्षेत्र में परिवहनए जलए रक्षा और एयरोस्पेस व्यापार समूहऔर सौर व्यापार समूह (मेगावाट में) मेंसबसे ज्यादा ऑर्डर बुकिंग देखी गई।

बढ़ते शहरीकरण के कारणए बहुत से शहरों में अपनी दिन–प्रतिदिन संचलन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मेट्रो रेल की आवश्यकता महसूस की जा रही है। सरकार ने मेट्रो रेल नीति 2017 लागू की है, जिसमें मेट्रो परियोजनाओं के कार्यान्वयन में सार्वजनिक निजी साझेदारी (पीपीपी) लागू करने की परिकल्पना की गई है। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहतए नई पूर्व–योग्यता आवश्यकताएं भारतीय कोच विनिर्माण कर्ताओं को अधिक भागीदारी के लिए अनुमति देती है तथा भारतीय विनिर्माण कर्ताओं को प्रोपल्शन प्रणाली के लिए विकास ऑडरोंके लिए प्रावधान किए गए हैं। केंद्रीय और राज्य सरकारें परिवहन के भावी तरीकों जैसे मैगलेव और हाइपरलोप पर भी विचार कर रही है।

प्रस्ताव

- **रेल के डिब्बे और इंजन**
    - इलेक्ट्रिक इंजन 6000 एचपी तक
    - 3000 एचपी तक डीजल–इलेक्ट्रिक इंजन
- **ट्रैक्शन मशीनें**
    - ट्रैक्शन मोटर और एल्टर्नेटर्स
- **ट्रैक्शन ड्राइवसिस्टम और नियंत्रण**
    - आईजीबीटी आधारित ट्रैक्शन पावर कन्वर्टर्स सिस्टम
    - नियंत्रण गियर उपकरण
    - होटल लोड कनवर्टर
- **ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर रसिंगल और तीन फेस,**

प्राप्त ऑर्डरः

परिवहन क्षेत्र ने 2017–18 के दौरान उच्चतम मूल्य के ऑर्डरों प्राप्त किए, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैंः

- रेलवे बोर्ड से 3 फेस आईजीबीटी आधारित डब्ल्यूएजी–9एच विद्युतइंजन के30 नग की आपूर्ति और एएमसीके लिए ऑर्डर
- सीएलडब्ल्यूए चितरंजन से आईजीबीटी आधारित पूर्ण प्रोपल्शन प्रणाली के 161सेट की आपूर्ति और एएमसी के लिए ऑर्डर
- आरसीएफए कपूरथला से मेनलाइन ईएमयू (एमईएमयू) ट्रेनों के लिए 25 केवी एसी आईजीबीटी आधारित 3–फेस इलेक्ट्रिक के 146 सेट की आपूर्ति के लिए पहला ऑर्डर
- आईसीएफए चेन्नई से डीईटीसी के लिए 8 सेट ट्रैक्शन इंजन और इलेक्ट्रिक की आपूर्ति और एएमसी के लिए पहला ऑर्डर
- सीएलडब्ल्यूए चितरंजन से 7775 केवीए ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर के 74 सेट और ट्रैक्शन मोटर टाइप 6 एफआरए 6068 के 297 सेट की आपूर्ति के लिए ऑर्डर
- डीएमडब्ल्यूए पटियाला से 939 नग ट्रैक्शन मोटर्स की आपूर्ति के लिए ऑर्डर
- आरसीएफए कपूरथला से एमईएमयू इलेक्ट्रिक (पारंपरिक) के 86 सेट और ट्रैक्शन मोटर्स के लिए 439 नग के लिए ऑर्डर

अन्य उपलब्धियांः

- बीएचईएल के डिजाईन और विकसित किए गए उपकरणों से सुसज्जित और अत्याधुनिक आईजीबीटी आधारित 3–फेस ड्राइव प्रोपल्शन उपकरण से सुसज्जित मुंबई उप–नगरीय क्षेत्र के लिए भारत की पहली वातानुकूलित एसी ईएमयू ट्रेन 25 दिसम्बर, 2017 को यात्री सेवा में शामिल की गई और यह सफलतापूर्वक चल रही है।
- बीएचईएल को रेलवे से 3–फेस यात्री इलेक्ट्रिक इंजन के लिए इन–हाउस

विकसित प्रोटोटाइप आईजीबीटी आधारित 2x500 केवी, होटल लोड कनवर्टर की मंजूरी मिली है।

बीएचईएल के डिजाईन और विकसित किए गए उपकरणों से सुसज्जित औरअत्याधुनिक आईजीबीटी आधारित 3.फेसड्राइव प्रोपल्शनउपकरण से सुसज्जित मुंबई उप–नगरीयक्षेत्रके लिए भारत की पहली वातानुकूलित एसी ईएमयू ट्रेनसफलतापूर्वक चल रही है।

- बीएचईएल ने कावासाकी हेवी इंड्रस्ट्रीज के साथ भारत में स्टेनलेस स्टील मेट्रो कोच और बोगी के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी सहयोग समझौता (टीसीए) किया है। टीसी, में बीएचईएल में अत्याधुनिक डिजाइन, इंजीनियरिंग और विनिर्माण सुविधास्थापित करना शामिल है।

बीएचईएल नेमेट्रो के लिए स्टेनलेस स्टील कोच के निर्माण हेतुकावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेडके साथ प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

विकासके लिए तैयारी

- **प्रौद्योगिकी आत्म निर्भरता**
  - सभी प्रकार के रोलिंग स्टॉक के लिए आईजीबीटी आधारित प्रोपल्शन प्रणाली का डिजाइन और निर्माण करने के लिए इन–हाउस क्षमता को पूरा करना। एयर कंडीशनिंग एसी ईएमयू के लिए ट्रेन नियंत्रण प्रबंधन प्रणाली सहित आईजीबीटी आधारित प्रोपल्शन प्रणाली को विकसित किया गया। डीई लोकोमोटिव्स, डीईएमयू और एमईएमयू के लिए आईजीबीटी आधारित प्रोपल्शन उपकरण का विकास, और 3–फेस बिजली लोकोमोटिव के लिए आईजीबीटी आधारित कम्पोसिट कनवर्टर भी बीएचईएल द्वारा शुरू किए गए हैं।

बीएचईएलए भोपाल में सेंटर फॉर इलेक्ट्रिक परिवहन में आईजीबीटी–आधारित एसी ईएमयू के लिए संयुक्त सिस्टम परीक्षण

  - मौजूदा उत्पादों के लिए बेहतर प्रौद्योगिकियों का विकास: भारतीय रेलवे के लिए डब्ल्यूएजी –7 इंजनों के लिए रिजनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम बीएचईएल द्वारा विकसित किया जा रहा है।
  - लोको की उच्च रेटिंग का विकास: बीएचईएल मौजूदा 6000 एचपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव को9000 एचपी में अपग्रेड करने की प्रक्रिया में है।
- **नए अवसर**
  - बीएचईएल 2018–19 में आईजीबीटी आधारित डब्ल्यूएजी–9 लोकोमोटिव के निर्माण और आपूर्ति के लिए तैयार है।
  - बीएचईएल ने मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए रोलिंग स्टॉक प्रदान करने के लिए विशेष आधार पर संयुक्त रुप से काम के लिए कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है।

1.4.2.2 ट्रांसमिशन

व्यापार परिदृश्य एवं अवसर

- भारत सरकार की 2017–2022 की अवधि के दौरान 2,92,000 एमवीए की सबस्टेशन क्षमता जोड़ने की योजना के तहत पारेषण एवं वितरण क्षेत्र में विशाल अवसरों की संभावना है। भारत सरकार की ष्सबके लिए ऊर्जा" उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्युत वितरण क्षेत्र को मजबूत करने की सरकारी योजनाओं के अनुसार टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली–प्रक्रिया (टीबीसीबी) पर लंबी दूरी पर विद्युत के बल्क पारेषण के लिए उच्च क्षमता के कोरीडोरों का नियोजन एवं निष्पादन किया जा रहा है। 2022 तक लक्षित भारी अक्षय ऊर्जा क्षमता वृद्धि ग्रिड स्तर पर ऊर्जा भंडारण प्रणाली एकीकरण के साथ विद्युत की निकासी के अवसर प्रदान करेगी।प्रभावी भूमि उपयोग के कारण गैस इन्सुलेट सबस्टेशन परियोजनाओं का विकास जारी रहेगा।

बीएचईएलए भोपाल में सेंटर फॉर इलेक्ट्रिक परिवहन में आईजीबीटी–आधारित एसी ईएमयू के लिए संयुक्त सिस्टम परीक्षण

प्रस्ताव

- ईएचवी और यूएचवी सबस्टेशन और ईपीसी आधार पर एचवीडीसी कनवर्टर स्टेशन सहित अवधारणा से कमीशनिंग तकटर्नकी ट्रांसमिशन परियोजना निष्पादन
- ट्रांसफार्मर और शंटरिएक्टर्स 765 केवी तकए 1200 केवी सीवीटी और 1200 केवी ऑटो ट्रांसफार्मर, ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर, वैक्यूम और एसएफ 6 स्विचगियर, कैपिसिटर बैंकएसर्किट ब्रेकर, नियंत्रण और सुरक्षा उपकरण, थाइरिस्टर वाल्व आदि
- 420 केवी तक गैस इन्सुलेटेड स्विचगियर (जीआईएस)
- सिरेमिक और मिश्रित इन्सुलेटर्स. बीएचईएल के पास 1200 केवी एसीए ± 800 केवी डीसी तक के ईएचवी और यूएचवी एसी/डीसी अनुप्रयोगों, 400 केवी तक सॉलिड इन्सुलेटर्स और 765 केवी एसी तक हॉलो पोर्सेलेन इन्सुलेटर्स के लिए बड़ी रेंज की डिस्क इन्सुलेटर्स हैं।
- 400 केवी लाइनों के लिए फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम [एफएसीटीएस, डिवाइस जैसे निश्चित श्रृंखला क्षतिपूर्ति और लंबी 400 केवी पारेषण लाइनों के गतिशील प्रतिक्रियात्मक विद्युत प्रबंधन के लिए नियंत्रित शंट रिएक्टर (सीएसआर) और 765 केवी अनुप्रयोगों तक विद्युत प्रवाह को नियंत्रित एवं संतुलित करने के लिए फेज शिफ्टिंग ट्रांसफार्मर (पीएसटी)

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

प्राप्त प्रमुख ऑर्डर

- मैसर्स पावरग्रिड मे दिनीपुर–जीरत ट्रांसमिशन लिमिटेड से टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली–प्रक्रिया (टीबीसीबी) के तहत765ध्400 केवी मेदिनीपुर और जीरत सबस्टेशन के लिए ईएचवी ट्रांसमिशन सबस्टेशन सेगमेंट में अब तक का उच्चतम मूल्य का ऑर्डर प्राप्त किया
- मैसर्स टेनट्रान्स को से विल्लुपुरम जिला एत मिलनाडु में 765/400 केवी अरियालुर सबस्टेशन (अतिरिक्त स्कोप – भाग–2) के लिए ऑर्डर
- यूपीपीटीसीएल और आरआरवीपीएनएल से 500 एमवीएए 400 केवी ऑटो ट्रांसफार्मर के ऑर्डर सहित कुल लगभग 34000 एमवीए के लिए विद्युत ट्रांसफार्मर के 330 नग हेतु ऑर्डर
- 11 और 33 केवी वोल्टेज सेगमेंट में 3600 नग के स्विचगियर्स

मुख्य उपलब्धि

- हैदराबाद में टीएस ट्रांसको, विठलवाड़ी में बीएचईएल द्वारा निर्मित 132/33 केवी जीआईएस को चालू किया।

विकास के लिए तैयारी

यूएचवीएसी और यूएचवीडीसी प्रणालियांः

बीएचईएल ने 765 केवी श्रेणी ट्रांसफॉर्मर और रिएक्टरों की सफलतापूर्वक डिजाइन, निर्मित, आपूर्ति की है और उन्हें चालू किया है, और यूएचवीडीसी उपकरण जैसे कनवर्टर ट्रांसफार्मर, थाइरिस्टर वाल्वएफिल्टर कैपेसिटर आदिके लिए विनिर्माण सुविधाएं रखता है।यूएचवी एसी और डीसी अनुप्रयोगों के लिए, 1200 केवी ट्रांसफार्मर, कैपेसिटिव वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर, और 420 केएन और 530 केएन डिस्क इंसुलेटर भी सफलतापूर्वक संस्थापित किए जा चुके हैं और प्रचालन में हैं।

बीएचईएल ने विश्व के सबसे बड़े ‘ 800 केवी बहु टर्मिनल एचवीडीसी परियोजना (उत्तर–पूर्व से आगरा) के लिए द्विध्रुवीय –1 और द्विध्रुवीय –2 दोनो को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है जो सितंबर, 2017 के बाद सेवाणिज्यिक प्रचालन में हैं। यूएचवीएसी और यूएचवीडीसी सेगमेंट में भविष्य की बाजार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बीएचईएल अब पूरी तरह से तैयार है।

एनई–आगरा एचवीडीसी में बीएचईएल द्वारा स्थापितविश्वका सबसे बड़ा प्री–इंजीनियर इंडोर डीसी हॉल (800 केवी) टर्मिनल

गैस इन्सुलेटेड स्विचगियर (जीआईएस):

बीएचईएल द्वारा निर्मित 420 केवीए 40 केए जीआईएस एनएचपीसी चमेरा–I एचईपी मेंनिष्पादन केअधीन है।

1.4.2.3 नवीकरणीय ऊर्जा

व्यापार परिदृश्य और अवसर

सोलर नीति रोडमैप के अनुसारए भारत सरकार ने सन् 2022 तक 100 गीगावाटक्षमता वृद्धि की योजना की है। 31 मार्चए 2018 को देश में 21ए651 मेगावॉट सौर पीवी क्षमता पहले से ही स्थापित की जा चुकी है।

सोलर पीवी संयंत्रों के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के समेकन पर भी अधिक जोर दिया जा रहा है।निरंतर तकनीकी सुधारों और घटते हुए मॉड्यूलकीमतों से इस प्रगति को सहायता मिल रही है।

प्रस्ताव

- सोलरपीवी विद्युतसंयंत्रों के लिए अवधारणा से लेकर चालू करने तक ईपीसी समाधान :
- बीईएसएस(बैटरीऊर्जा भंडारण प्रणाली) सहित और रहित ग्रिड इंटरेक्टिव सिस्टम

- हाइब्रिड सिस्टम
- रूफटॉप, नहर टॉप और फ़्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र
- सौरआधारित सिंचाई पंप

बेंगलुरुके उल्सोर झील में बीएचईएल द्वारा संचालित फ़्लोटिंग सौर संयंत्र

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- इन–हाउस विकसित 1.25 एमवीए पावर कंडीशनिंग यूनिटका सफल व्यावसायीकरण
- उल्सोर झील, बेंगलुरु में फ्लोटिंग सौर संयंत्र का सफल कमीशन
- मेगावाट स्केल सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए इन–हाउस विकसित बड़े पैमाने में सौर ट्रैकर्स बीएचईएलए हरिद्वार में प्रचालन में,

प्राप्त प्रमुख ऑर्डर :

वित्त वर्ष 2017–18 में 162 मेगावाट (दोनों जमीन और रूफटॉप सौर) कुल ऑर्डर बुकिंग में शामिल हैं।

- 75 मेगावाट जीआईपीसीएल चारंका ईपीसी,
- 60 मेगावाट – ईईएसएल मॉड्यूल आपूर्ति,
- ओएफबी राइफल फैक्टरी इशापोर में 1 मेगावाट रूफटॉप सौर–ईपीसी,
- एनबीसीसी किदवाई नगर में 1.25 मेगावाट रूफटॉप सौर–ईपीसी,

चालू की गई परियोजनाएं:

वर्ष 2017–18 के दौरान कमीशन किए गए रूफटॉप संयंत्र सहित 170 मेगावाट एसपीवी में शामिल हैं :–

- एनएलसीए 65 मेगावाट ख्एकल सबसे बड़ी परियोजना,
- एनटीपीसी मंदसौर, 50 मेगावाट
- बीएचईएलत्रिची (7.5 मेगावाट), हरिद्वार (5 मेगावाट) और झांसी (2.5 मेगावाट)
- मेजिया और चररा (20 मेगावाट) में डब्ल्यूबीएसईडीसीएल परियोजनाएं।
- डीएमडब्ल्यू पटियाला में 2 मेगावॉट रूफटॉप सौर
- सूरत स्मार्ट सिटी परियोजना के एक भाग के रूप में सूरत नगर निगम के लिए 3.6 मेगावॉट रूफटॉप सौर

एनटीपीसी, मंदसौर में बीएचईएल द्वारा जमीन पर लगाया गया 50 मेगावाट एसपीवी संयंत्र

एनटीपीसीए मंदसौर में बीएचईएल द्वारा जमीन पर लगाया गया 50 मेगावाट एसपीवी संयंत्र

सूर्य – बारहमासी ऊर्जा स्रोत!

कादिरी (अनंतपुर) में एनटीपीसी का 5•50 मेगावाट सौर पीवी संयंत्र – बीएचईएल द्वारा 50 मेगावाट ईपीसी

बीएचईएल भारत की कुछ कंपनियों में से एक है जो सभी सौर ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए अवधारणा से तक एंड–टू–एंड इन–हाउस समाधान प्रदान करता है। सौर में बीएचईएल ने अधिक विश्वसनीय और अत्यधिक दक्ष विद्युत उत्पादन के लिए सर्वोत्तम श्रेणी के सौर फोटो–वोल्टिक (एसपीवी) कक्षों, मॉड्यूल, स्पेस–ग्रेड पैनल और सौर पीवी संयंत्र के लिए आवश्यक उपकरणों जैसे इनवर्टर, ट्रांसफार्मर, पावर कंडीशनिंग इकाइयां, निष्क्रिय ट्रैकर्स आदि के लिए विनिर्माण सुविधाओं द्वारा अपनी विशेषज्ञ दक्षता को बढ़ाया है।

जमीन और छत के ऊपर संस्थापित सौर पीवी संयंत्रों के साथ बीएचईएल का देश भर में सौर पोर्टफोलियो 550 मेगावाट है। भारत का पहला मौसमी नहर टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र भी मवारम, आंध्र प्रदेश में बीएचईएल द्वारा स्थापित किया गया है। बीएचईएल इसरो को उनके अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए अंतरिक्ष ग्रेड पैनलों और बैटरी का एकमात्र आपूर्तिकर्ता है।

बीएचईएलए बेंगलुरु में सौर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण सुविधाएं।

विकास के लिए तैयारी

- बीएचईएल ने अपनी सेल विनिर्माण क्षमता 105 मेगावॉट तक और मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 226 मेगावॉट प्रति वर्ष तकबढ़ा दी है
- पीसीयू और एससीएडीए को वर्तमानउत्पाद पोर्टफोलियोमें जोड़ा गया है

बीएचईएल ने अपने सौर सेल और सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता कोप्रति वर्ष क्रमशः 105 मेगावॉट और 226 मेगावॉट बढ़ाया है।

1.4.2.4 जल व्यापार

व्यापार परिदृश्य एवं अवसर

भारत में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में कमी आई है।सीवेज का लगभग सत्तरप्रतिशतशहरी क्षेत्रों में उत्पन्न होता है और आधे से भी अधिक औद्योगिक अपशिष्ट का शोधन नहीं किया जाता हैएजोनदियोंए झीलोंऔर अन्य जल निकायों को प्रदूषित करता है। उच्च औद्योगिक शुल्क और जलनिर्वहन विनियमों के लागू किए जाने के मद्देनजर उद्योगअपनी बढ़ती पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपशिष्ट जल को रीसाइक्लिग औरपुनः उपयोग के लिए चुन रहे हैं।

नदी सफाईकार्यक्रमए स्मार्ट शहरों और औद्योगिक कॉरिडोरके विकास संबंधी सरकारी नीतियों और पहलों से इस क्षेत्रमें और अधिक अवसर बढने की संभावना है।

प्रस्ताव

बिजली संयंत्रोंए उद्योगों और नगरपालिका अनुप्रयोगों के निम्न के लिए व्यापकसमाधान सहित पूर्ण जल प्रबंधन समाधान।

- प्री ट्रीटमेंट प्लांट्स (पीटी)
- सागर जल रिवर्स ओसमोसिस (एसडब्ल्यूआरओ) और विखनिजीकरण (डीएम) प्लांट्स
- अपशिष्ट शोधन संयंत्र (ईटीपी)
- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और तृतीयक ट्रीटमेंटप्लांट्स (टीटीपी)
- जीरो तरल निर्वहन (जेडएलडी) सिस्टम

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

निम्न में प्रवेश

- नगरपालिका क्षेत्रः रायपुर विकास प्राधिकरणके लिए रायपुर में 10 साल के ओएंडएम के साथ 25.4 एमएलडी के 6 विकेन्द्रीकृत एसटीपी
- स्मार्ट सिटी क्षेत्रः तेलिबंध झीलए रायपुर में जैविक उपचार के साथ झील शुद्धि और पुनर्स्थापना। प्रौद्योगिकी प्रदाता के रूप में एमओयू भागीदार राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट एनईईआरआई, के साथ 5 साल का ओएंडएम

विकास के लिए तैयारी

बीएचईएल ने राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई)के साथ नगरपालिका क्षेत्र में जल और अपशिष्ट जल उपचार की निर्धारित परियोजनाओं पर संयुक्त रूप से काम करने के लिएएक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

हैदराबाद में बीएचईएल द्वारा संस्थापितझिल्ली जैव–रिएक्टर (एमबीआर) आधारित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)

1.4.2.5 रक्षा और एयरोस्पेस

व्यापार परिदृश्य एवं अवसर

भारत सरकार (जीओआई) स्वदेशी स्रोतों के माध्यम से रक्षा उपकरण की खरीद को बढ़ावा दे रही हैऔर अगले दशक तक स्वदेशी खरीद को 30% के मौजूदा स्तर से 70% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान व्यवसाय परिदृश्य को नीचे संक्षेप में सारांशित किया जा सकता है:

- रक्षा खरीद नीति ख्डीपीपी – 2016 एक नई श्रेणी मेक II (उद्योग वित्त पोषित) लागू की गई है जिसका लक्ष्य उपकरण/प्रणाली/मंच के विकास या उनके उन्नयन या उनके उपप्रणाली/उप–असेंबली/असेंबली/घटकों के आयात प्रतिस्थापना पर फोकस के साथकड़े रक्षा मानदंडों को पूरा करते हुए महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं विकास करने हेतु भारतीय उद्योग को एकजुट करना है।
- फरवरीए 2018 में सरकार ने रक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दो रक्षा औद्योगिक उत्पादन कॉरिडोर के विकास की घोषणा की है। रक्षा कॉरिडोर एक मार्ग या पथ कोसंदर्भित करता हैजिसके साथ सार्वजनिक क्षेत्रए निजी क्षेत्र और एमएसएमई के रक्षा उपकरण के घरेलू उत्पादन को रक्षा बलों की परिचालन क्षमता वृद्धि में उपयोग किया जा सके।

प्रस्ताव

बीएचईएल के पास तीन दशकों सेरक्षा कारोबार में प्रतिस्पर्धी, भरोसेमंद और गुणवत्ता की आपूर्ति के साथ, और आजीवन उत्पाद समर्थनएक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। बीएचईएल सन् 1994 से 76/62 एसआरजीएम (सुपर रैपिड गन माउंट) का निर्माण कर रहा है।

तीन दशकों से रक्षा व्यवसाय में प्रतिस्पर्धीए भरोसेमंद और गुणवत्ता की आपूर्ति और आजीवन उत्पादके साथ सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड

एयरोस्पेस मेंए बीएचईएल का अंतरिक्ष ग्रेड सौर पैनलों और उपग्रह बैटरी की आपूर्ति जैसे क्षेत्रों में प्रमुख भारतीय संगठन जैसे इसरोए एचएएलए एडीएए एनएएलए डीआरडीओ इत्यादि के साथ दीर्घकालिक संबंध रहा है

- बीएचईएल सैन्य विमान के लिए ताप विनिमायक (हीट एक्सचेंजर्स) के डिजाइन और निर्माण करने की क्षमता वाली विश्वव्यापी कुछ चुनिंदा कंपनियों में से एक है। स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए), 'तेजस' के लिए 11 प्रकार के कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स बीएचईएल द्वारा विकसित किए जा रहे हैं।

लाइट लड़ाकू विमान श्तेजसश्ए भारतीय वायु सेना के लिए स्वदेशी डिजाइनए बीएचईएल निर्मित हीट एक्सचेंजर्स का उपयोग किया गया

रॉकेट सिस्टम के लिए टाइटेनियम गोले / डोम्स का हॉट फॉर्मिंग औरसैटेलाइट /लॉन्च वाहन ईंधन के लिए क्रायोजेनिक टैंक के लिए विभिन्न इसरो केंद्रों के साथ दीर्घकालिक संबंध रहा है।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- बीएचईएल ने विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) में इसरो द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए अंतरिक्ष ग्रेड लिथियम–आयन कोशिकाओं के निर्माण के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किया है। प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण बीएचईएल कोइसरो और अन्य उपयुक्त अनुप्रयोगों के लिए लिथियम–आयन कोशिकाओं और बैटरी इन–हाउस निर्माण में सक्षम करेगा।
- भारत के स्वदेशी एलसीएश्तेजस" के लिए हीट एक्सचेंजर्स का ऑर्डर प्राप्त किया

बीएचईएल ने अंतरिक्ष ग्रेड लिथियम–आयन कक्षों के विनिर्माण के लिए इसरो के साथ प्रौद्योगिकी समझौते पर हस्ताक्षर किया

1.4.2.6 कैप्टिव पावर प्लांट्स (निजी ऊर्जा क्षेत्र)

व्यापार परिदृश्य एवं और अवसर

2017–18 में कैप्टिव पावर संयंत्रों के लिए बाजार मांग में उछाल दिखाई दिया है। प्रमुख रिफाइनरियों की विस्तार योजनाओं से जीटीजी सेगमेंट में मांग में वृद्धि हुई है। मांग को बढाने में प्रसंस्करण उद्योग जैसे सीमेंट, रसायनों आदि का भी योगदान रहा है।

अगले कुछ वर्षों में प्रमुख कम्पनियों की योजना विस्तार से धातु और खनन व्यवसाय क्षेत्रों में कैप्टिव जेनरेशन जरुरतों की मांग बढने की उम्मीद है।

प्रस्ताव

- स्टीम टरबाइन आधारित कैप्टिव पावर प्लांट्स
- गैसटरबाइन आधारित ओपनए कॉजनरेशन और संयुक्तसाइकिल कैप्टिव पावर प्लांट्स

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- स्टीम टरबाइन जनरेटर पैकेज के लिए दो नए ग्राहकोंए मैसर्स श्री सीमेंट और मैसर्स कच्छरसायन कोशामिल किया गया है।

प्राप्त प्रमुख ऑर्डर

- मैसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड से विशाखापत्तनमए आंध्र प्रदेश में एक मुश्तटर्न की पर (एलएसटी के आधारित) 75 मेगावाट जीटीजी आधारित कैप्टिव पावर प्लांट
- मैसर्स ओएनजीसी उरेनसे 15 मेगावाट जीटीजी कोजन प्लांट
- मैसर्स गेल विजयपुर से 2ग17ण्5 टीपीएच एचआरएसजी
- मैसर्स कच्छ केमिकल्स से 1x60 मेगावाट एसटीजी
- मैसर्स श्री सीमेंट ने कर्नाटक के कोडला में 1x27 मेगावाट का पहला एसटीजी ऑर्डर करने के बाद रासए राजस्थान में 1x27 मेगावाट एसटीजी के लिए पुनः ऑर्डर देकर बीएचईएल में अपना विश्वास दोहरायाहै।
- मैसर्स श्याम समूह के संबलपुर और जमुरिया संयंत्रोंके लिए 2x30 मेगावॉट एसटीजी सेट

1.4.2.7 औद्योगिक उत्पाद (तेल एवं गैस और विद्युत मशीनें सहित)

व्यापार परिदृश्य एवं और अवसर

- 2022 तक 10% तक भारत की आयात निर्भरता को कम करने के लिए तेल और गैस का घरेलू उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रधान मंत्री के आह्वान के मद्देनजर तथा कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ तेल क्षेत्र उपकरण, कंप्रेसरों, फायर्ड हीटरों, कॉलमों और एयर सेपरेशन यूनिटों इत्यादि के लिए व्यापार में वृद्धि की उम्मीद है।
- 1 अप्रैल, 2020 तक देश भर में बीएस –VI मानदंडों के कार्यान्वयन के भारत सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न सीपीएसई रिफाइनरियां जैसेआईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल उनके उन्नयन परियोजनाओं के साथ आगे आए हैं।
- आईओसीएलए बीपीसीएल और एचपीसीएल द्वारा लगभग 120 एमएमटीपी, की क्षमता विस्तार परियोजनाओं जिनमें आईओसी बरौनीए सीपीसीएल नागपटि्टनम आदि ब्राउन–फील्ड विस्तार और बाड़मेर, रत्नागिरी आदि में हरित फील्ड रिफाइनरियां आदि शामिल हैए पर कार्य चल रहा है।
- उर्वरक क्षेत्र में भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार विभिन्न उर्वरक संयंत्रों जैसे आरसीएफ थालएजुआरी गोवा, कृभको हजीरा आदि में आने वाली ऊर्जा बचत परियोजनाएं।

प्रस्ताव

- **तेल रिग्स** –9,000 मीटर गहराई तक खुदाई करने के लिए एसी–वीएफडी और एसी–एससीआर प्रौद्योगिकी सहित ऑन–शोर ड्रिलिंग रिग्सए 6,100 मीटर गहराई तक सर्विस करने के लिए वर्क–ओवर रिग्सए 3000 मीटर गहराई तक खुदाईकरने के लिए मोबाईल रिग्स. पुराने तेल रिग्स का नवीकरण और उन्नयन।
- **वैलहैड्स एवं क्रिसमस ट्रीज** – 10,000 पीएसआई तक मड लाइन विस्तावएचोक और किल मैनिफोल्ड, वैलहैड्स, मैनिफोल्ड एसेम्बली, मड

आईओसीएल पारादीप रिफाइनरी परियोजना में बीएचईएल द्वारा संचालित 376 मेगावाट कैप्टिव पावर प्लांट (सीपीपी)

वाल्वस्, हैंगर, केसिंग हैड्स के लिए ब्लॉक टाइप क्रिसमस ट्रीज और लैंडिग बेस।

- **कंप्रेसर्स**– एपीआई 617 के अनुसार उर्वरकों, रिफाइनरियों, पेट्रोकेमिकल, पाइपलाइनों, गैस प्रोसेसिंग, इस्पात उद्योगों इत्यादि में प्रयोग हेतु मल्टी–स्टेज सेंट्रीफ्यूग कंप्रेसर्स।
- **मैकेनिकल पैकेज**– क्रायोजेनिक वायु सेपरेशन यूनिटों, कॉलम, रिएक्टर, प्रेशरवेसल्स, हीट एक्सचेंजर, फायर्ड हीटर्स और पर्ज गैस रिकवरी यूनिट।
- **विद्युत मशीनें** – सुरक्षित और खतरनाक क्षेत्रों के अनुप्रयोग के लिए एसी सिक्वरेल केज, स्लिप रिंग, सिंक्रोनस मोटर्स, वेरिएबल स्पीड मोटर्स, औद्योगिक अल्टरनेटर्स और विशिष्ट उपयोगी मशीनें।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

प्राप्त ऑर्डर

- विभिन्न ओएनजीसी संपत्तियों और ओआईएल, दुलियाजान से ऑयलरिग उपकरण।
- असम पेट्रो–केमिकल एआईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल से 5 नग सेंट्रीफ्यूग कंप्रेसर्स का आदेश।
- विभिन्न ओएनजीसी परिसंपत्तियों और अन्य ड्रिलरों से 1280 नग वेल हैड्स और 778 नग क्रिसमस ट्रीज। एक वित्तीय वर्ष में वेल हैड्स और क्रिसमस ट्रीज की आपूर्ति के लिए सबसे अधिक मूल्य का ऑर्डर बुक किया।
- सीपीसीएल और आईओसीएल बीएस VI परियोजनाओं के लिए विभिन्न

ओएनजीसीए हजीरा के लिए बीएचईएल द्वारा निर्मित 17 एमएमकेकल / घंटावायुमंडलीय स्तंभ फीड हीटर।

ओईएम कंप्रेसर से 7 सेट प्रेसराइज्ड सिंक्रोनस मोटर और वीएफडी

- कर्नाटक नीरावरी निगम लिमिटेड (केएनएनएल) – केम्पवाड़ लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए उद्दीपन पैनल सहित 5 नग 6.8 मेगावाट, 11 केवी, 10 पोल वर्टिकल सिंक्रोनस मोटर्स।

संस्थापित परियोजनाएं

- ईपीसी आधार पर ओएनजीसी हजीरा संयंत्र के लिए 17ण्347 एमएमकेकल/घंटा फायर्ड हीटर पैकेज

1.4.2.8 ऊर्जा भंडारण समाधान समूह ऊर्जा भंडारण

ई–मोबिलिटी और बैटरी के क्षेत्रों में आगामी संभावनाओं को टैप करने के लिए बीएचईएल विविधीकरण रणनीति के एक भाग के रूप मेंमई2017 में ऊर्जा भंडारण समाधान समूह की स्थापना की गई थी। बीएचईएल रणनीतिक टाई–अप के साथ–साथ ग्रिड स्टोरेज और ई–मोबिलिटी के क्षेत्रों में इन–हाउस विकास पर काम कर रहा है। वर्तमान में शहरी परिवहन में इलेक्ट्रिक संचलन में नवीकरणीय स्थापना और रेलवे ट्रैक विद्युतीकरण के लिए बैटरी भंडारण प्रणाली की आवश्यकताओं के चलते समूह अनेकों संभावनाएं तलाशने पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है।

व्यापार परिदृश्य एवं और अवसर

- भारत सरकार का सभी विद्युत वाहनों का क्रमिक विद्युतीकरण करने का लक्ष्य है।देश में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देते हुए भारतीय ईंधन सुरक्षा प्राप्त करने के लिए वर्ष 2020 से आगे वर्ष दर वर्ष हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की 6.7 मिलियन बिक्री के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ भारत सरकार द्वारा सन् 2013 में राष्ट्रीय ईंधन नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (एनईएमएमपी) 2020 लागू किया गया है।
- कुछ एसटीयू (राज्य परिवहन उपक्रम) ने इलेक्ट्रिक बसें चलाने की शुरुआत की है। इलेक्ट्रिक कारों और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर्स के लिए अवसर आ रहे हैं।

प्रस्ताव

- ईवी चार्जर्स
- इलेक्ट्रिक पावर ट्रेन
- लिथियम आयन बैटरी पैक
- बिजली के वाहन

विकास के लिए तैयारी

बीएचईएलए एंड–टू–एंड एकीकृत ई–मोबिलिटी समाधान प्रदान करने के लक्ष्य के साथ देश के ई–मोबिलिटी मिशन के लिएप्रतिबद्ध है। इस दिशा मेंए एकीकृत ई–मोबिलिटी समाधान प्रदान करने के लिए संयुक्त रुप से कार्य के लिए मैसर्स डीआईएमटीएस (दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम लिमिटेड) के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया है। बीएचईएल ने ईवीएईवी चार्जर्स के लिए इलेक्ट्रिक पावर ट्रेन और इलेक्ट्रिक बसों के इन–हाउस विकास का बीड़ा उठाया है।

ऊर्जा भंडारण प्रणाली

व्यापारिक परिदृश्य

- भारत सरकार ने 2020 तक ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा के 100 जीडब्ल्यू जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारीमें वृद्धि के साथए ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा भंडारण अक्षय ऊर्जा संयंत्रों का एक अभिन्न अंग बनने जा रहा है। आईईएसए अनुमानों के अनुसार 2022 तक ऊर्जा भंडारण बाजार की क्षमता 2 से 3.5जीडब्ल्यूएच तक पहुंचने की उम्मीद है।
- एनटीपीसीए एसईसीआईए एनएलसी जैसी कंपनियां पीवी संयंत्रों का सहयोग करने के लिए ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए निविदाएं आमंत्रित करने की प्रक्रिया में हैं।

प्रस्ताव

- पीसीएस (पावर कंडीशनिंग सिस्टम)
- ईएमएस (ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली)
- पूर्ण कंटेनरकृत समाधान

विकास के लिए तैयारी

बीएचईएल ने मौजूदा पीवी संयंत्र के साथ एकीकृत करने के लिए एमएनआरई से 1 मेगावाट बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएस) एक पायलट परियोजना शुरू की हैए ताकि इन–हाउस विकसित पीसीएस और ईएमएस के साथ तीन अलग–अलग बैटरी जैसेलिथियम आयनए लीड–एसिड और फ्लो बैटरी की कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया जा सके।

बीएचईएल ग्रिड इंटरैक्टिव बीईएसएसके लिए पूर्ण समाधान प्रदान करने की परिकल्पना करता है।

रेलवे विद्युतीकरण

व्यापारिक परिदृश्य एवं अवसर

- भारतीय रेलवे अगले पांच वर्षों में लगभग 30ए000 टीकेएम (ट्रैक केएम) के विद्युतीकरण की योजना बना रही है।
- भारतीय रेलवे ने प्रति वर्ष लगभग 6000 टीकेएम के रेलवे विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा है।
- भारतीय रेलवे ने रेलवे विद्युतीकरण (कोर) के लिएकेंद्रीय संगठन के माध्यम से चार खंडों के लिए कुल 7500 टीकेएम के अवसरों की घोषणा पहले ही कर चुकी है।

प्रस्ताव

- पूर्ण ईपीसी समाधान

विकास के लिए तैयारी

बीएचईएलरेलवे विद्युतीकरण के सभी अवसरों में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपने समृद्ध परियोजना निष्पादन अनुभव के साथ रेलवे विद्युतीकरण परियोजनाओं के निष्पादन का इरादा रखता है।

रक्षा एवं एयरोस्पेस मे देशी क्षमता का सुदृढ़ीकरण

एलसीए 'तेजस' के लिए प्रयुक्त बीएचईएल – निर्मित हीट एक्सचेंजर्स और प्री कूलर्स

बीएचईएल तीन दशकों से रणनीतिक उपस्करों और रक्षा व्यापार में सेवाएँ प्रदान करने वाला भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता है। एयरोस्पेस में, बीएचईएल इसरो को स्पेस ग्रेड सोलर पैनल और सैटेलाइट बैटरी प्रदान करने वाला मुख्य आपूर्तिकर्ता है तथा विश्व की कुछ चुनिंदा फर्मों में से एक है जिसके पास मिलिट्री एयरक्राफ्ट के लिए हीट एक्सचेंजर्स के विनिर्माण और डिजाइन की क्षमता है।

बीएचईएल ने विभिन्न स्थानों पर समर्पित अभियांत्रिकी और विनिर्माण सुविधाओं सहित वृहत ढांचा स्थापित किया हुआ है, जहां कंपनी 1994 से 76/62 सुपर रेपिड़ गन माउंट – जो नौसेना जहाजों पर तैनात अत्यधिक विशिष्ट और भरोसेमंद शस्त्र है तथा अन्य रणनीतिक रक्षा उपकरण जैसे जहाजों के लिए समेकित प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली, टी72 टैंकों के लिए टुर्रेट कास्टिंग, सिमुलेटर्स तथा कास्टिंग एवं फोर्जिंग इत्यादि का विनिर्माण कर रही है। बीएचईएल रक्षा के साथ एयरोस्पेस दोनों में– राष्ट्र की वर्तमान और भविष्य की अपेक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न निच प्रौद्योगिकियों पर भी कार्य कर रही है।

बीएचईएल में निर्मित की जा रही सुपर रेपिड गन माउंट (एसआरजीएम)

व्यापार खंड की रूपरेखा और निष्पादन

अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन

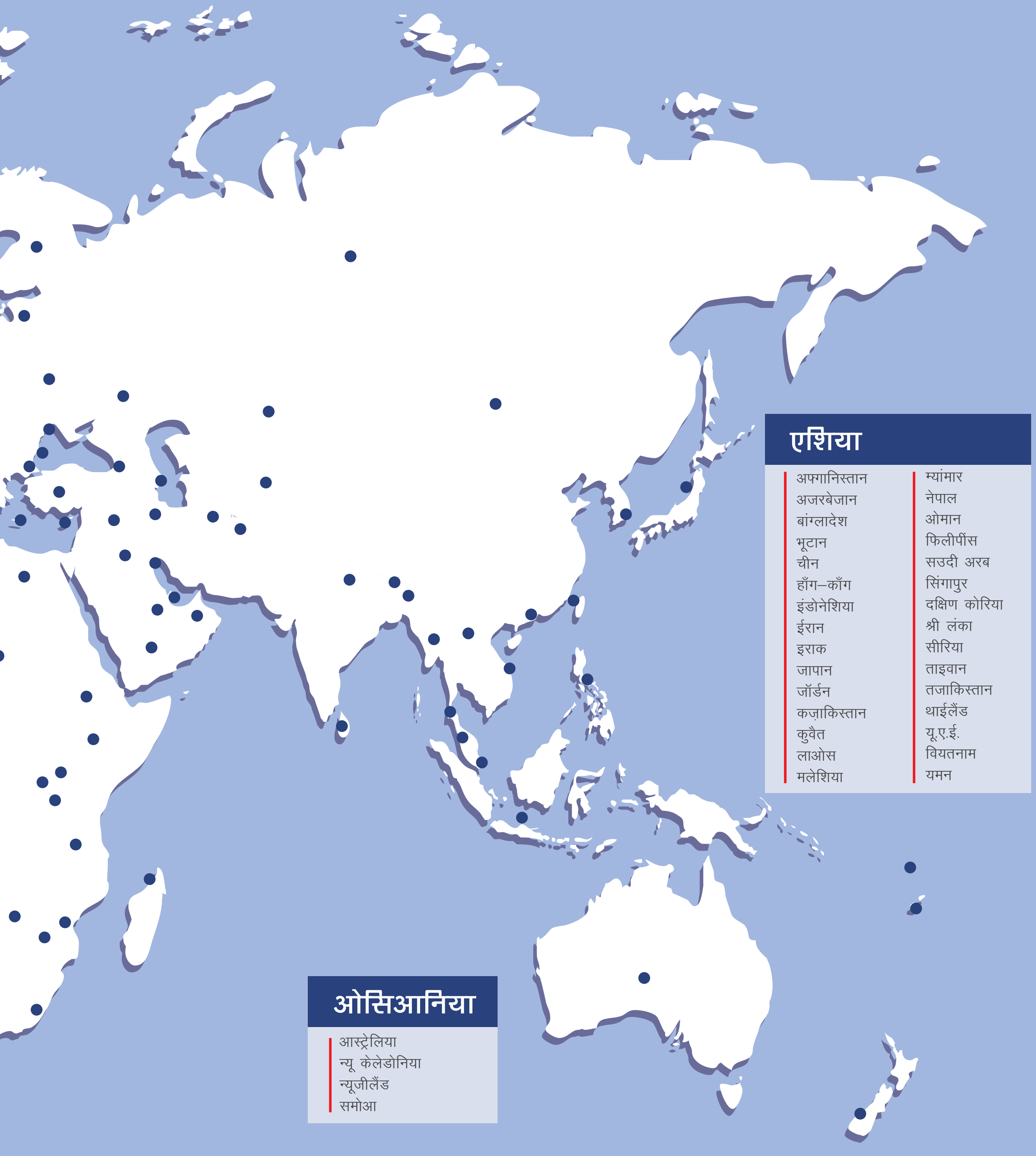

यह भौगोलिक प्रतिरूप दुनिया के राजनीतिक मानचित्र को नहीं दर्शाता है

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के नेतृत्व में बीएचईएल टीम अन्य वरिष्ठ ग्राहक अधिकारियों के साथ प्रस्तावित 1320 मे.वा. (2X660 मे.वा.) एसटीपीपी बांग्लादेश में – कंपनी द्वारा अभी तक का प्राप्त सबसे बड़ा निर्यात ऑर्डर

1.4.3 अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन

वैश्विक आर्थिक उभार जो 2016 के मध्य के आसपास आरंभ हुआ था वह काफी व्यापक और सुदृढ़ हो गया है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं और उभरते देशों जैसे चीन में विकास में सुधार हुआ है एवं भारत भी फिर से विकास के पथ पर अग्रसर है। विश्व बदल रहा है और विद्युत शक्ति उद्योग, प्रौद्योगिकी, नियामन तथा प्रतिस्पर्धात्मक शक्तियों के कारण बदलाव के दौर में है।

इस बदलते परिदृश्य में, व्यापक रूप से उदीयमान शहरीकरण और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आय स्तर– के कारण उर्जा मांग निरंतर बढ़ी है। उन्नत प्रौद्योगिकी, ग्राहक प्राथमिकताओं में बदलाव और विकसित नीति उपायों के चलते ऊर्जा मिश्रण बदल रहा है।

आज हम अधिक समेकित विश्व में क्रियाशील हैं। जैसाकि, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में संभव व्यापार संरक्षणवाद प्रौद्योगिकी सोर्सिंग तथा निर्यात व्यापार की वृद्धि की प्रत्याशा के खतरों को बढ़ाती हैं।

निर्यात में अनुभव

बीएचईएल ने विगत चार दशकों में निर्यात में संतुलित प्रगति की है। 70 की शुरुआत में अपने पहले निर्यात से अपनी यात्रा आरंभ करने के साथ पश्चिम में संयुक्त राज्य से लेकर सुदूर पूर्व में न्यूजीलैंड तक 83 देशों तक पहुँचने में कंपनी ने एक लंबी यात्रा तय की है। भारत से बाहर, बीएचईएल ने 11 गी.वा. के आसपास विद्युत संयंत्र उपस्करों के ऑर्डर निष्पादित किए हैं और 12 देशों में लगभग 6 गी.वा. की परियोजनाएं निष्पादित की जा रही हैं। कंपनी अपने विदेशी ग्राहकों को स्पेयर्स और सेवाओं के रूप में बिक्री पश्चात सहयोग प्रदान कर रही है।

प्राप्त ऑर्डर

वर्ष के दौरान बीएचईएल ने निम्नलिखित विदेशी ऑर्डर प्राप्त किए हैं :

- नए व्यवसाय खंड में प्रवेश द्वारा जर्मनी की एफआईएमए, जर्मनी से मोटर्स के लिए प्रथम ऑर्डर प्राप्त किया है।
- रक्षा मंत्रालय ओमान से डी.जी. सेट उपस्करों के पैनल के लिए अब तक का प्रथम ऑर्डर।
- बीएचईएल में ग्राहक विश्वास को पुनःकायम रखते हुए, 400 कि.वा. एचटी मोटर्स के लिए इंडोरमा इलिमी पैट्रोकैमिकल्स लिमिटेड, नाइजीरिया ने अन्य ऑर्डर प्रस्तुत किया है।
- उत्पाद बिक्री पर केन्द्रित मार्गदर्शन से केन्या और यू.ए.ई. से मोटर्स के लिए ऑर्डर।
- दीर्घ अवधि साझेदारी की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए, बीएचईएल ने बेलारूस, भूटान, इजिप्ट, इथिओपिया,घाना, इंडोनेशिया, कज़ाकिस्तान, म्यांमार, नेपाल, ओमान,सेनेगल, श्री लंका, सूडान, संयुक्त अरब अमीरात एवं संयुक्त राज्य ग्राहकों से स्पेयर्स एण्ड सर्विसिस के लिए ऑर्डर प्राप्त किए हैं।

विदेशी परियोजना निष्पादन

- इंडोनेशिया– 3ग18 मे.वा. (पीटी सीकेपी) तीसरी (अंतिम) यूनिट के सिंक्रोनाइजेशन के साथ परियोजना को वर्ष के दौरान सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। उसके द्वारा उत्तर पूर्व एशिया में बीएचईएल की स्थापित क्षमता 54 मे.वा. हो गई है। इसके साथ, इंडोनेशिया में बीएचईएल की स्थापित क्षमता अब 150 मे.वा. हो गई है। परियोजना के लिए बॉयलर्स के निष्पादन आश्वासन परीक्षण को भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

इंडोनेशिया में बीएचईएल द्वारा चालू की गई 3X18 मे.वा. पीटी सीकेपी की तीन यूनिटों का एरियल दृश्य

- अब तक के सबसे बड़े निर्यात ऑर्डर– 2ग660 मे.वा. मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट, बांग्लादेश के लिए परियोजना निष्पादन प्रारम्भ।
- भूटान में 4ग84 मे.वा. की छुखा हाइड्रोपावर प्लांट की प्रथम यूनिट के पुनर्जीवन एवं आधुनिकीकरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। सभी प्रचालन पैरामीटर्स को सही पाया गया।

पुरस्कार एवं सम्मान

- ''उच्च प्रौद्योगिकी उत्पादों– बड़ा उद्यम के निर्यात में उत्कृष्टता के लिए विशिष्ट ट्रॉफी'' सहित वर्ष 2013–14 तथा 2014–15 के लिए उच्च निर्यातक की श्रेणी में अभियांत्रिकी निर्यात उत्कृष्टता के लिए ईईपीसी भारतीय दक्षिणी क्षेत्र अवार्ड।
- भूटान एवं ओमान में ग्राहकों से सम्मान प्राप्त करना।

विकास हेतु तैयारी

वैश्वीकरण बीएचईएल के विकास के लिए दीर्घकारक रहा है। विकसित संरक्षणवाद, संकुचित बाजार, प्रबल प्रतिस्पर्धा, घटते सुपुर्दगी चक्रों और कड़ी कीमतों की चिंताओं के बावजूद, बीएचईएल व्यापार विस्तार,व्यापार पैठ एवं नए व्यापारिक मॉड्यूलों की खोज के द्वारा विश्व में अपनी सुदृढ़ उपस्थिति दर्ज कराने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। हमारी मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल हैं:

- अपने स्थापित बाजार में बड़ी परियोजनाओं पर संकेंद्रित करना।
- नवीनीकरण क्षेत्र पर अधिक ध्यान केन्द्रित करना।
- बिक्री पश्चात सेवा खंड पर तीव्र गति से कार्य करना।

4X125 मे.वा. कोस्ती सूडान संयंत्र का एरियल परिदृश्य

1.5 वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण

1.5.1 बीएचईएल स्वचालन

1. ऑर्डर प्राप्ति एवं ऑर्डर बुक

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
ऑर्डर प्राप्ति	**40932**	23489
कुल ऑर्डर प्राप्ति	**118000**	105200

कंपनी ने ₹40,932 करोड़ मूल्य के ऑर्डर प्राप्त किए वित्तीय वर्ष 2016–17 के ₹23,489 करोड़ की तुलना में, 74% की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज करते हुए। बीएचईएलने थर्मल पावर क्षेत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करते हुए इस वर्ष के दौरान थर्मल पावर परियोजनाओं के सभी ऑर्डर प्राप्त किए। वित्तीयवर्ष 2017–18 में औद्योगिक खंड के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2016–17 से अधिक महत्वपूर्ण वृद्धि करते हुए ऑर्डर प्राप्त किए जैसे कैपटिव पावर प्लांट पर ₹1591 करोड़ (524% वृद्धि) तथा यातायात व्यापार पर ₹2181 करोड़ (96% वृद्धि)।

हमारे पास 31, मार्च, 2018 तक ₹118000 करोड़से अधिक के ऑर्डर हैं जो पिछले 5 वर्षों में सबसे अधिक हैं।

2. प्रचालन से राजस्व

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
बिक्री रहित वापसी	**22067**	22826
बाह्य इरेक्शन एवं अन्य सेवा से आय	**5961**	5009
घटावः उचित मूल्य समायोजन	**178**	95
टर्नओवर	**27850**	**27740**

वित्तीय वर्ष 2017–18 में टर्नओवर ₹ 27850 करोड़ था जो वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹27,740 करोड़ था। जबकि,व्यापारिक पर्यावरण को नियंत्रित करने के बावजूद वित्तीय वर्ष 2017–18 में तुलनात्मक टर्नओवर ₹28,338 करोड़ था जो 2.2% अधिक है। (विवरण के लिए वार्षिक लेखा ''प्रचालन से राजस्व'' के नोट 27 को देखें)।

हमारे पास मार्च, 31 2018 तक ₹118000 करोड़ से अधिक के ऑर्डर हैं जो पिछले 5 वर्षों में सबसे अधिक हैं, जो निष्पादन में आवश्यक वृद्धि प्राप्ति का अवसर प्रदान करता है।

अन्य प्रचालन आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
अन्य प्रचालन आय	**963**	859

वित्तीय वर्ष 2017–18 में अन्य प्रचालन आय 963 करोड़ रु. थी जो वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹859 करोड़ थी जिसकी वृद्धि पिशले वर्ष से 12% अधिक रही।

3. अन्य आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
ब्याज आय	**591**	677
म्यूचुअल फंडस की इकाई की बिक्री से लाभ	**26**	-
संयुक्त उद्यम में निवेश पर लाभांश (दीर्घ अवधि व्यापार)	**15**	13
म्यूचुअल फंड में निवेश पर लाभांश	**11**	21
पीपीई, सरकारी अनुदान एवं अन्य मदों की बिक्री पर लाभ	**50**	55
योग	**693**	**766**

चालू वर्ष में अन्य आय में कमी पिछले वर्ष की तुलना में मुख्य रूप से ब्याज दर में कमी के कारण है।

4. व्यय

(अ) सामग्री खपत, इरेकशन तथा अभियांत्रिकी व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
उपकरणों एवं कच्ची सामग्री की खरीद	**12118**	13103
सिविल इरेकशन एवं अभियांत्रिकी व्यय	**3418**	3054
घटावः पी वी समायोजन सामग्री/उप संविदा लागत	**22**	16
उपयोग	**15514**	16141
समाप्त वस्तुओं तथा जारी कार्य की सूची में परिवर्तन	**736**	994
योग	**16250**	**17135**

सामग्री लागत में कमी मुख्य रूप से उत्पाद में बदलाव/परियोजना मिलान तथा कंपनी में अन्य लागत पहलों के चलाए जाने के परिणामस्वरूप है।

(ब) कर्मचारी लाभ व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
कर्मचारी लाभ व्यय	**6026**	5395

कर्मचारी लाभ व्यय में वृद्धि मुख्य रूप से वर्ष के दौरान अधिकारियों के संबंध में जनवरी 01, 2017 से प्रभावी वेतन वृद्धि के लिए देय देनदारियों के लिए जारी अध्यक्षीय निर्देशों के कारण हुई थी।

(स) विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री एवं वितरण व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री एवं वितरण व्यय	**2675**	2742
अंतिम विनिमय विभिन्नता (लाभ)/ हानि	**(520)**	270
कुल	**2155**	**3012**

विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री एवं वितरण व्यय ₹2155 करोड़ थे जो वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹3012 करोड़ थे। इसमें वित्तीय वर्ष 2017–18 में ₹ 520 करोड़ का विनिमय भिन्नता लाभ शामिल है जबकि वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹270 करोड़ का घाटा रहा। ईआरवी को हटाकर, व्यय ₹67 करोड़ कम था और टर्नओवर की प्रतिशतता के संदर्भ में लागत कमी उपायों एवं नियंत्रित मैकेनिज़्म के साथ यह वित्तीय वर्ष 2016–17 में 9.88% से घटकर वित्तीय वर्ष 2017–18 में 9.61% था।

यूरो (लगभग 15% की वृद्धि) में महत्वपूर्ण वृद्धि के कारण वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान उच्च ईआरवी लाभ प्राप्त करने में सफलता मिली है।

द) व्यवस्थापन (अंतिम)

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
आशंकित ऋण, ऋण नुकसान, उधार, अग्रिम एवं जमा तथा अन्य	**2126**	2100
संविदात्मक उत्तरदायित्व	**70**	(827)
संयुक्त उद्यमों में निवेश की क्षति	**44**	-
डूबे ऋण, एलडी एवं छोड़े गए ऋण नुकसान	**42**	171
योग	**2282**	**1444**

₹2282 करोड़ के व्यवस्थापन किए गए वित्तीय वर्ष 2016–17 के ₹1444 करोड़ के स्थान पर। कंपनी की नीतियों तथा लेखा परीक्षा दिशा निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थाएं की गईं थी।

5. वित्त लागत

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
ब्याज व्यय	**35**	62
उधार लागत	**220**	289
योग	**255**	**351**

वित्त लागत ₹ 255 करोड़ थी वित्तीय वर्ष 2016–17 के ₹351 करोड़ के स्थान पर। इसमें ₹220 करोड़ की उधार लागत सम्मिलित है जो ब्याज की खुलना/दीर्घकालिक व्यवस्थाओं पर छूट प्रभाव तथा वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹289 करोड़के विरूद्ध विलंबित देनदारियाँ हैं। जबकि वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान वित्त लीज एवं अन्य में ₹27 करोड़ के ब्याज लागत में कमी आई है।

6. मूल्य ह्रास एवं ऋण मुक्ति व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
मूल्य ह्रास एवं ऋणमुक्ति व्यय	**786**	849

कंपनी की लेखा परीक्षा नीतियों के अनुसार मूल्यह्रास तथा ऋणमुक्ति व्यय के प्रावधान किए गए हैं।

7. कर व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
चालू कर दृ चालू वर्ष	**552**	610
– पूर्व वर्षों में	**27**	(311)
विलंबित कर दृ चालू वर्ष	**(63)**	(462)
– पूर्व वर्षों में	**262**	295
योग	**778**	132

कर व्यय चालू कर और विलंबित कर के योग को प्रदर्शित करता है। चालू कर आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के अनुसार, विलंबित कर को समायोजित करते हुए बनाया गया है।

8. लाभप्रदता

ईबीआईडीटीए वित्तीय वर्ष 2017–18 में ₹2626 करोड़ था वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹1827 करोड़ के 44% की वृद्धि के साथ। कंपनी ने कर पूर्व लाभ में 152% की महत्वपूर्ण वृद्धि हासिल की है जो वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹628 करोड़ की तुलना में ₹1585 करोड़ रहा था।

ईबीआईडीटीए (₹ करोड़ में)

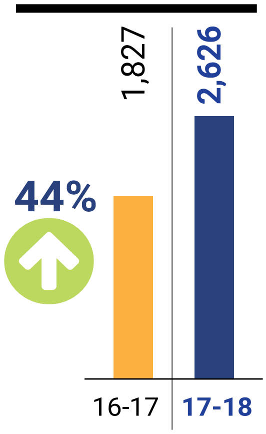

प्रचालन ईबीआईडीटीए (₹ करोड़ में)

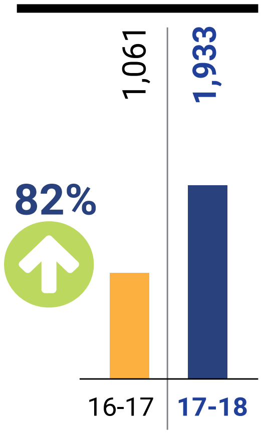

वित्तीय वर्ष 2017–18 में शुद्ध लाभ (पीएटी) ₹807 करोड़ रहा वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹496 करोड़ की तुलना में, 63% की वृद्धि क साथ। इसे सामाग्री लागत में बचत, प्रचालन दक्षता तथा ईआरवी वृद्धि द्वारा खर्चों में कमी लाकर हासिल किया गया है।

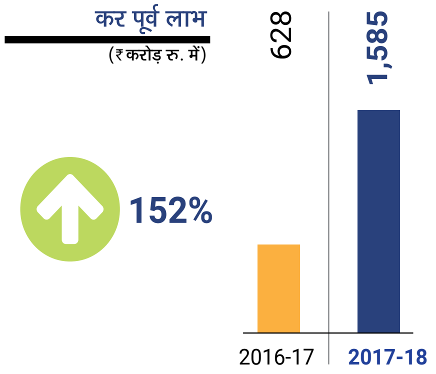

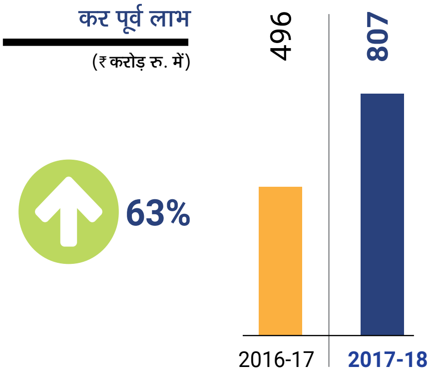

9. अन्य व्यापक आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
परिभाषित कर्मचारी लाभ का पुनर्मापन	127	(44)
उपरोक्त मद से संबन्धित आय का	(44)	15
योग	83	(29)

अन्य व्यापक आय, जो घोषित लाभ योजना जैसे ग्रैच्युटी, पीएफ, पीआरएमबी इत्यादि पर लाभ/हानि के पुनर्मापन को प्रदर्शित करती है ₹83 करोड़ था जो वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹29 करोड़ का व्यय रहा था।

10. निधि प्रवाह स्थिति और तरलता

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पूर्व प्रचालन नकद लाभ	**4221**	2527
प्रचालन कार्यकलापों से शुद्ध नकद प्राप्ति	**994**	562
प्रतिभूतियों के संदर्भ में नकद एवं नकद समतुलयों तथा बैंक शेष में शुद्ध वृद्धि	**684**	408

कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पूर्व प्रचालन नकद लाभ ₹4,221 करोड़था जबकि वित्तीय वर्ष 2016–17 में ₹2527 करोड़ था। कार्यशील पूंजी में प्रयुक्त शुद्ध नकद के समायोजन पश्चात, प्रचालन कार्यकलापों से शुद्ध नकद प्राप्ति ₹994 करोड़ थी जबकि वित्तीय वर्ष 2016–17 में यह ₹562 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष से 77: से अधिक की महत्वपूर्ण वृद्धि रही। प्रतिभूतियों के संदर्भ में वित्तीय वर्ष 2017–18 में नकद एवं नकद समतुलयों तथा बैंक शेषमें शुद्ध वृद्धि ₹684 करोड़ थी जबकि वित्तीय वर्ष 2016–17 में निवेश तथा वित्तीय कार्यकलापों से नकद प्रवाह प्राप्ति पश्चात यह ₹408 करोड़ था।

आपकी कंपनी ने सुदृढ़ वित्तीय स्थिति कायम रखते हुए पिछले वर्ष से अधिक 77: की महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ प्रचालन से सकारात्मक शुद्ध नकद प्रवाह प्राप्त किया है।

वित्तीय स्थिति

11. संपत्ति, प्लाट तथा उपस्कर (पीपीई), अमूर्त परिसंपत्तियाँ तथा डब्ल्यूआईपी पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में					
	मार्च 31, 2018			मार्च 31, 2017		
	पीपीई	अमूर्त	योग	पीपीई	अमूर्त	योग
सकाल वहन मूल्य	**5404**	**222**	**5626**	5174	198	5372
घटावः संग्रहीत मूल्यह्रास एवं ऋणमुक्ति	**2427**	**131**	**2558**	1683	93	1776
शुद्ध वहन मूल्य (शुद्ध ब्लॉक)	**2977**	**91**	**3068**	3491	105	3596
विकास के अधीन सीडब्ल्यू आईपीआईआई एवं अमूर्त परिसंपत्तियाँ	**195**	**8**	**203**	160	9	169
योग			**3271**			**3765**

वर्ष के दौरान मूल्यह्रास / ऋणमुक्ति और पूंजीकरण के समायोजन के पश्चात पीपीई तथा अमूर्त परिसंपत्तियों का शुद्ध वहन मूल्य है। पूंजी निवेश पर सार ''पूंजी निवेश'' पर पैरा के अंतर्गत अलग से दिया गया है।

कंपनी ने आईएनडी एएस 101 के अंतर्गत छूट का चयन किया हुआ है और तदनुसार 31 मार्च, 2015 तक वहन मूल्य को आईएनडी एएस परिवर्तन पर विचारणीय लागत माना गया था। पूर्व जीएएपी के अनुसार वहन मूल्य (ऐतिहासिक लागत पर सकल ब्लॉक) 31 मार्च, 2018 पर ₹1,261 करोड़ था 31 मार्च, 2017 के ₹13025 करोड़ पर।

12. इक्विटी निवेश

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में					
	मार्च 31, 2018			मार्च 31, 2017		
	निवेश	अमूर्त	शुद्ध	निवेश	अमूर्त	शुद्ध
संयुक्त उद्यमों में निवेश	**741**	**53**	**688**	666	9	657
सहायक कंपनी में निवेश	**5**	**5**	.	5	5	.
अन्य इक्विटी प्रपत्रों में निवेश	**6**	**3**	**3**	6	2	4
योग	**752**	**61**	**691**	**677**	**16**	**661**

वर्ष के दौरान मैसर्स आरपीसीएल, संयुक्त उद्यम के साथ अतिरिक्त इक्विटी के लिए ₹74.72 करोड़ की राशि का अंशदान किया गया।

आईएमडी एएस के अनुरूप क्षति हानि पर विचार करने के पश्चात यदि कोई है, संयुक्त उद्यमों (जेवी) और सहायक कंपनी में निवेश की लागत का लेखा–जोखा रखा जाता है। वर्ष के दौरान मैसर्स एनबीपी एल, संयुक्त उद्यम के साथ ₹45.60 करोड़ की क्षति हानि की व्यवस्था की गई। मैसर्स दादा धुनियावाले खांडवा पावर प्रोजेक्ट लिमिटेड संयुक्त उद्यम के साथ निवेश के विरुद्ध ₹5.50 करोड़ की क्षति हानि को बनाए रखा गया (₹22.50 करोड़ के निवेश के बदले अप्रैल 27, 2018 को ₹17 करोड़ प्राप्त किए गए) तथा संयुक्त उद्यम मैसर्स पावर प्लांट परफ़ोर्मेंस इंप्रूवमेंट लिमिटेड के साथ निवेश के विरुद्ध 2 करोड़ रु.)।

रिपोर्टिंग तिथि पर उचित मूल्य पर अन्य इक्विटी प्रपत्रों में निवेश लाभ और हानि तथा वहन मूल्य में परिवर्तन के द्वारा रिपोर्टिंग तिथि पर उचित मूल्य के आधार पर हिसाब रखा गया।

13. व्यापार प्रविष्टियाँ

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में					
	मार्च 31, 2018			मार्च 31, 2017		
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग
व्यापार प्रविष्टियाँ	**12722**	**22771**	**35493**	9788	22076	31864

कंपनी की व्यापार प्राप्तियाँ मुख्य रूप से सरकारी अस्तित्व से हैं जबकि वृद्धि मुख्यतः अप्रचलित प्राप्तियों में लक्ष्यों के पूरा होने से। अंतिम संविदा समाधान की यथार्थता पर है।

14. नकद एवं नकद समतुल्य और बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
नकद एवं नकद समतुल्य	**2769**	1485
3 महीनों से अधिक किन्तु 12 महीनों से अधिक नहीं जमाओं की परिपक्वता	**8400**	9000
निर्धारित बैंक शेष एवं अतिरिक्त राशि के रूप में एफडी	**122**	7
योग	**11291**	**10492**

नकद एवं बैंक शेष मुख्य रूप से ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम, बैंक प्रत्याभूति के रूप में सुरक्षित को परियोजना के निष्पादन की प्रगति के दौरान समायोजित किया है।

15. आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (Õफ्रघध्ऊद्ध	**3626**	3841

आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध) व्यय की मदों पर कर प्रभाव को प्रदर्शित करती हैं जो अस्थायी अंतर की प्रकृति में है, को भविष्य अवधि के कर लाभ के रूप में समायोजित किया गया है।

16. अन्य परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में					
	मार्च 31, 2018			मार्च 31, 2017		
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग
इनपुट कर क्रेडिट प्राप्य	.	**1009**	**1009**	.	360	360
वसूली योग्य दावा	.	**664**	**664**	.	649	649
कर प्राधिकारियों एवं अन्य के पास जमा	**145**	**511**	**656**	87	604	691
अग्रिम एवं अन्य	**110**	**432**	**542**	157	353	510
कम : प्रावधान	**49**	**270**	**319**	41	241	282
योग	**206**	**2346**	**2552**	**203**	**1725**	**1928**

इनपुट कर क्रेडिट प्राप्य में वृद्धि मुख्य रूप से जीएसटी के कारण है, जिसको इस अवधि में समायोजित किया गया है।

17. वस्तुसूची

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
वस्तुसूची	6259	7372

वित्तीय वर्ष 2017–18 में कारोबार के दिनों की संख्या के रूप में वस्तुसूची 82 दिन है जबकि वित्तीय वर्ष 2016–17 में 97 दिन थी।

18. चालू कर परिसंपातियाँ (शुद्ध)

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
चालू कर परिसंपातियाँ (वास्तविक प्रावधान)	223	873

यह स्रोत पर कर कटौती और कर के लिए अग्रिम कर के वास्तविक प्रावधान को प्रस्तुत करता है।

19. शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
प्राधिकृत शेयर पूंजी	2000	2000
जारी, अभिदत्त एवं शेयर पूंजी भुगतान	734	490

वर्ष के दौरान दो वर्तमान पूर्ण तथा भुगतान इक्विटी शेयर रखने वालों को 1:2 के अनुपात में एक इक्विटी शेयर बोनस के रूप में प्रदान किया गया। परिणामस्वरूप, आरक्षित पूंजीकरण के द्वारा भुगतान पूंजी 489.52 करोड़ रु. से बढ़कर ₹734.28 करोड़ हो गई।

20. शेयर इक्विटि

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
अव शेष	31805	31692
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	890	467
कमः वर्ष के दौरान लाभांश (अंतरिम लाभांश सहित) भुगतान	485	294
कम : कॉर्पोरेट लाभांश कर	98	60
कम : वर्ष के दौरान जारी बोनस शेयर	245	.
अंत शेष	31867	**31805**

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान अन्य इक्विटी में ₹62 करोड़ वृद्धि पिछले वर्ष के अंतिम लाभांश के समायोजन और चालू वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश, बोनस शेयरों का जारी करना तथा अन्य व्यापक आय पर विचार करने के बाद वर्ष के लिए लाभ पर रही थी।

21. वित्तीय देयताएँ :

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में					
	मार्च 31, 2018			मार्च 31, 2017		
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग
वित्तीय लीज दायित्व की परिपक्वता	57	46	103	90	64	154
व्यापार देयताएँ	479	10587	11066	631	8709	9340
अन्य वित्तीय देयताएँ	115	2295	2410	105	1467	1572
योग	651	12928	13579	**826**	**10240**	**11066**

व्यापार देयताओं और अन्य देयताओं में वृद्धि कंपनी के प्रचालन की वजह से है। अन्य वित्तीय देयताओं में वर्ष के दौरान कार्यकलापों के वेतन वृद्धि के अनुसरण में जारी की गई अध्यक्षीय निदेश संबंधी देयताएँ भी सम्मिलित हैं।

22. प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में					
	मार्च 31, 2018			मार्च 31, 2017		
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग
संविदागत दायित्वों के लिए प्रावधान	3478	1854	5332	3244	1984	5228
कर्मचारी लाभार्थ प्रावधान	1260	1563	2823	1520	1490	3010
अन्य प्रावधान	184	336	520	218	683	901
सीएसआर के लिए प्रावधान	1	30	31	19	35	54
योग	4923	3783	8706	**5001**	**4192**	**9193**

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान कुल ₹487 करोड़ के प्रावधान कम हुए। कर्मचारियों एवं पर्यवेक्षकों की वेतन वृद्धि के लिए ₹760 करोड़ के प्रावधा किए गए। सीएसआर के लिए डीपीई के दिशा–निर्देशों के अनुरूप प्रावधान किए गए और ₹31 करोड़ की अव्ययित राशि को उत्तरवर्ती वर्षों के लिए रखा गया।

23. अन्य देयताएँ

(₹ करोड़ में)

विवरण	के रूप में					
	मार्च 31, 2018			मार्च 31, 2017		
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग	गैर–वर्तमान	वर्तमान	योग
ग्राहकों से अग्रिम	3337	4235	7572	2979	5267	8246
वैधानिक देय	.	1296	1296	4	427	431
सरकारी अनुदान	27	8	35	.	.	.
योग	3364	5539	8903	2983	5694	8677

ग्राहकों से प्राप्त अग्रिमों को परियोजना के निष्पादन की प्रगति के दौरान समायोजित किया गया। वैधानिक देयों में वृद्धि मुख्यतः जीएसटी देयता की वजह से रही जिसका उपलब्ध शुद्ध इनपुट क्रेडिट की देय तिथियों पर निवहन किया गया और जिनको अन्य वर्तमान परिसंपत्तियों में दर्शाया गया है।

24. खंड निष्पादन

कंपनी के दो प्रचालन खंड हैं पावर और उद्योग। खंडों का निष्पादन निम्नवत है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18		2016.17	
	पावर	उद्योग	पावर	उद्योग
खंड राजस्व	23064	5034	22795	6046
खंड परिणाम	2792	180	2535	244
खंड पूंजी नियोजन	16271	3724	14352	3707
खंड परिणाम खंड राजस्व के : के रूप में	12%	4%	11%	4%

1.5.2 सहायक कंपनी की वित्तीय समीक्षा

बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड

'बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड' नाम से जनवरी 19, 2011 में बीएचईएल की 51: स्टेक होल्डिंग मेजॉरिटी सहित 5.31 करोड़ रु. की इक्विटी निवेश के साथ एक सहायक कंपनी स्थापित की गई थी जिसमें केरल सरकार ने 49: की हिस्सेदारी बरकरार रखी।

निदेशक मंडल ने मई 29, 2018 को '' बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड'' में बीएचईएल की 51: हिस्सेदारी को केरल सरकार को स्थानांतरित किया जो भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदन किए जाने पर होगी।

बीएचईएल का वित्तीय सार– ईएमएल नीचे सारणीकृत है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017-18	2016-17
बीएचईएल शेयर (:)	51%	51%
इक्विटी में बीएचईएल का निवेश	5.36	5.36
प्रचालन से राजस्व	14.51	32.17
कर पश्चात लाभ / हानि)	(6.01)	(4.24)

1.5.3 संयुक्त उद्यम कंपनियों की वित्तीय समीक्षा

(अ) बीएचईएल–जीई गैस टरबाइन सर्विसिस प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस) :

बीएचईएल दृ जीई गैस टरबाइन सर्विसिस प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस) बीएचईएल और जीई की यूएसए आधारित एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जो जीई डिजाइन गैस टरबाइन की रिपेयर एवं सर्विसिंग का कार्य देखती है।

वित्तीय सार नीचे सारणीकृत हैं :

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18	2016–17
बीएचईएल शेयर (%)	50% से कम एक शेयर	50% से कम एक शेयर
इक्विटी में बीएचईएल का निवेश	2.38	2.38
वर्ष के दौरान ऑर्डर बुकिंग	754.20	465.50
प्रचालन से राजस्व	631.87	523.08
कर पश्चात लाभ	53.64	47.99
शुद्ध मूल्य	277.08	258.61

वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए बीजीजीटीएस ने 4.76 करोड़ रु. के इक्विटी शेयर पूंजी पर अंतरिम लाभांश 490: और प्रस्तावित अंतिम लाभांश 190: का भुगतान किया।

(ब) एनटीपीसी,बीएचईएल– प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल) :

एनटीपीसी बीएचईएल – पावर प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल) बीएचईएल और एनटीपीसी की एक सहायक कंपनी है जो पावर प्लांट इक्विपमेंट विनिर्माण के लिए ईपीसी संविदाओं को निष्पादित करवाती हैं। जेवीसी आन्ध्र प्रदेश के मन्नावरम में बैलेंस ऑफ प्लांट (बीओपी) इक्विपमेंट के लिए विनिर्माण सुविधा है।

बीएचईएल द्वारा रायचूर, कर्नाटक में 765/400 किलोवाट सबस्टेशन, शुरू किया गया

वित्तीय स्थिति की संक्षिप्त सारणी निम्नवत है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18*	2016–17
बीएचईएल शेयर	**50%**	50%
इक्विटी में बीएचईएल का निवेश	**50.00**	50.00
प्रचालनों से राजस्व	**144.90**	673.23
लाभ/(हानि) कर उपरांत	**(76.69)**	(34.05)

* अनंतिम गैर–अंकेक्षित आंकड़ों पर आधारित

एनबीपीपीएल को बंद करने पर निदेशक मण्डल ने 8 फरवरी 2018 को हुई बैठक में अपनी सैद्धान्तिक सहमति प्रदान कर दी थी।

ग रायचुर पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) :

रायचुर पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) बीएचईएल, कर्नाटक पावर कार्पोरेशन लिमिटेड और आईएफ़सीआई लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम है जिसे 2X800 मे.वा. के सुपर–क्रिटिकल तापीय विद्युत संयंत्र, यरमारुस, रायचुर, कर्नाटक और 1X800 मे.वा. सुपर– क्रिटिकल तापीय विद्युत संयंत्र, एडलापुर, रायचुर, कर्नाटक में निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन आधार पर निर्मित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

जिसकी 31 मार्च 2018 तक भुगतान की हुई इक्विटी पूंजी 2373.76 करोड़ है। इसमें ₹1277 करोड़ का योगदान केपीसीएल, ₹664.04 करोड़ बीएचईएल और ₹432.72 करोड़ आईएफ़सीआई लिमिटेड का है। कंपनी के वित्तीय मुख्य–बिन्दु निम्नवत हैं :

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18	2016–17
बीएचईएल शेयर (:)	**27.97%**	27.34%
इक्विटी में बीएचईएल का निवेश	**664-.04**	589.32
प्रचालनों से राजस्व	**909.26**	2.93
लाभ/(हानि) कर उपरांत	**(1345.12)**	(79.41)

* आंकड़े बिना लेखा जांच के आधार पर हैं

वाणिज्यिक प्रचालन वित्त–वर्ष 2017–18 में प्रारम्भ हुआ और अबभी तक अधिकतम प्लांट–लोड नहीं प्राप्त हुआ है।

मैसर्स आरपीसीएल की अतिरिक्त इक्विटी के लिए ₹74.72 करोड़ की राशि का योगदान किया गया है।

घ दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) :

दादा धूनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) बीएचईएल और मध्य प्रदेश पावर जेनेरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) द्वारा खंडवा, मध्य प्रदेश में निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन आधार पर 2X800 मे.वा. सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युत संयंत्र केलिए स्थापित एक संयुक्त उद्यम है।

कोल–लिंकेज की अनुपलब्धता तथा भू–अधिग्रहण में समस्याओं के चलते दोनों प्रोमोटरों ने स्वैच्छिक रूप से इस जेवीसी को बंद करने पर अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी। जेवीसी परिसमापन की स्थिति में है।

(ङ) लातूर पावर कंपनी लिमिटेड (एलपीसीएल) :

लातूर पावर कंपनी लिमिटेड (एलपीसीएल) लातूर, महाराष्ट्र में बीएचईएल और महाराष्ट्र स्टेट पावर जेनेरेशन कंपनी लिमिटेड की एक संयुक्त उद्यम कंपनी थी जिसे लातूर, महाराष्ट्र में 2X660 मे.वा. का तापीय विद्युत संयंत्र अथवा 1500 मे.वा. गैस आधारित कंबाइंड साइकिल पावर प्लांट (सीसीपीपी) स्थापित करने के लिए प्रोमोट किया गया था।

कोल–लिंकेज और घरेलू गैस की अनुपलब्धता के चलते दोनों प्रोमोटरों (बीएचईएल और एमएएचएजीईएनसीओ) ने स्वैच्छिक रूप से इस जेवीसी को बंद करने पर अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी और जेवीसी 2017–18 में समाप्त कर दी गई।

(च) पावर प्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल):

पावर प्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल) बीएचईएल और सीमेंस एजी, जर्मनी के मध्य की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसे पुराने फोसिल–फ़्यूल विद्युत संयन्त्रों की निष्पादनता में सुधार के लिए प्रोमोट किया गया है।

चूंकि, कंपनी की व्यवहार्यता सुनिश्चित रखने के लिए उपयुक्त व्यवसाय की कमी थी अतः प्रोमोटर साझीदारों ने परस्पर सहमति से कंपनी को धीरे–धीरे बंद करने का निर्णय लिया। जेवीसी के लंबित ठेकों को बंद करने के बाद वित्त वर्ष 2018–19 में कंपनी को बंद करने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी जाएगी।

1.5.4 समेकित वित्तीय स्टेटमेंट (सीएफ़एस):

समेकित वित्तीय स्टेटमेंट को "समेकित वित्तीय स्टेटमेंट्स" इंड एएस –110 और "एसोशिएट्स और संयुक्त उद्यम में निवेश" पर इंड एएस 28 के अनुरूप तैयार किया गया है।

सहायक कंपनी के वित्तीय स्टेटमेंट को पंक्ति दर पंक्ति के आधार पर सम्मिलित कर तथा संयुक्त उद्यम के लिए इंट्रा–ग्रुप बैलेंस एवं इंट्रा–ग्रुप लेनदेन को हटा कर इंड एएस के इक्विटी तरीके के अनुरूप तैयार किया गया है।

उपरिलिखित इंड एएस के अनुरूप वित्तीय निष्पादन के परिणाम का सारांश निम्नवत है :

(₹ करोड़ में)

लाभ एवं हानि विवरण	वर्षांत	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
प्रचालनों से राजस्व	**28827**	28629
कर पूर्व लाभ	**1215**	586
कर उपरांत लाभ	**438**	455
अन्य व्यापक आय/(व्यय)	**83**	(29)
समग्र आय	**522**	426

(₹ करोड़ में)

बैलेंस शीट	वर्षांत	
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
संपत्तियाँ		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	**3276**	3770
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, अमूर्त संपत्ति और सीडब्ल्यूआईपी (शुद्ध वाहक मूल्य)	**409**	753
इक्विटी विधि का उपयोग करने के लिए निवेश का समायोजन	**12828**	9871
गैर–चालू वित्तीय संपत्तियां	**3632**	3846
स्थगित कर संपत्तियां (नेट)	**206**	203
वर्तमान संपत्तियां	**43194**	42904
संपूर्ण	**63545**	**61347**
इक्विटी और देनदारियां		
इक्विटी और शेयर पूंजी	**734**	490
अनियंत्रित ब्याज	**31601**	31899
गैरमौजूदा देनदारियां	**(4)**	(1)
वर्तमान देनदारियां	**9002**	8817
वर्तमान देयताए	**22212**	20142
कुल	**63545**	**61347**

1.6 पूंजीगत निवेश

- उत्पादकता वृद्धि पर ज़ोर के चलते बीएचईएल ने ₹249 करोड़ वित्त वर्ष 2017–18 में कंपनी की सम्पत्तियों और भवन के आधुनिकीकरण और विद्युत परियोजनाओं में सहायक ढांचागत निर्माण पर निवेशित किए।
- कैपटिव सौर्य ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 15 एमडबल्यूपी की वृद्धि इस वर्ष के पूंजीगत व्यय में विशेष उपलब्धि रही है। इस उपलब्धि से बीएचईएल मिश्रित दीर्घकालिक ऊर्जा उपयोग में दो–कदम और आगे बढ़ गया है। अब वह इन–हाउस सौर्य पीवी संयंत्रों से 26.5 एमडबल्यूपी ऊर्जा का उपयोग कर रहा है। ये सौर्य पीवी संयंत्र जो इन–हाउस निर्मित सौर्य सेल से युक्त हैं तथा जिनमें ट्रैकिंग प्रणाली लगी हुई है न केवल इस क्षेत्र में हमारी तकनीकी उच्चता को ही दर्शाता है बल्कि भारत सरकार के वर्ष 2022 तक 175 जीडबल्यूपी के पुनर्नविकृत ऊर्जा मिशन के लक्ष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।
- पर्यावरणीय जागरूक संगठन होने पर बीएचईएल को गर्व है, इस दिशा में उसने एक कदम और उठाते हुए अपनी भोपाल विनिर्माण इकाई में इको–फ्रेंडली अपशिष्ट प्रबंधन केलिए 4.5 एमएलडी के अपशिष्ट शोधन संयंत्र को स्थापित किया है। इसी प्रकार के संयंत्र का निर्माण हरिद्वार इकाई में लगाने केलिए किया जा रहा है जो हमारे द्वारा उत्पन्न तरल अपशिष्ट को शोधित कर उसके प्रभाव को और कम कर देगा।

कैपटिव पावर जेनेरेशन केलिए बीएचईएल त्रिची में इन–हाउस सौर्य पीवी संयंत्र

उत्पादकता वृद्धि, कंपनी की सम्पत्तियों और भवन के आधुनिकीकरण और विद्युत परियोजनाओं में सहायक ढांचागत निर्माण पर बल।

1.7 गुणवत्ता निष्पादन

बीएचईएल के पास गुणवत्ता नीति के लक्ष्य को प्राप्त करने केलिए सु–प्रतिष्ठापित गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली है जो निम्नवत है :

"ग्लोबल इंजीनियरिंग उद्यम बनने और ऊर्जा, उद्योग एवं बुनियादी सुविधा के क्षेत्र में बेहतर कल केलिए समाधान प्रदान करने की आकांक्षा में, बीएचईएल, अपने सभी कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, नव प्रवर्तन तथा टीम कार्य के द्वारा, अपने उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करके उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाते हुए ग्राहक को संतुष्ट करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।"

प्रक्रिया और उत्पाद की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की प्रभावशीलता में वृद्धि केलिए कई पहल की गई हैं।

बीएचईएल के सभी पहचान किए गए तीस डिवीजनों को आईएसओ 9001:2008 से आईएसओ 9001:2015 संस्करण में अपग्रेड कर दिया गया है।

विनिर्माण इकाइयों (एमयू) और बिजली क्षेत्र परियोजना साइटों में मौजूदा गुणवत्ता प्रणाली को मजबूत करने के लिए, आवधिक गुणवत्ता लेखा परीक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन प्रभावशीलता समीक्षा (क्यूएमईआर – बीएचईएल का एक स्वदेशी कॉपीराइट गुणवत्ता मॉडल) जिसमें कारपोरेट गुणवत्ता और व्यापार उत्कृष्टता और एमयू/ साइट प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। चिन्हित की गई कमियों के आधार पर कार्यान्वयन और सुधार के लिए कार्य योजनाएं तैयार की गई हैं।

2017–18 के दौरान 22 बीएचईएल डिवीजनों की गुणवत्ता प्रबंधन प्रभावशीलता समीक्षा की गई। सोलह विनिर्माण इकाइयों में उत्पाद/प्रक्रिया गुणवत्ता लेखा परीक्षा की गई और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के अनुपालन में सुधार के लक्ष्य से तेईस परियोजना साइट्स की फील्ड गुणवत्ता लेखा परीक्षा की गई।

बीएचईएल के विभिन्न केंद्रों में कॉर्पोरेट गुणवत्ता और व्यापार उत्कृष्टता द्वारा गुणवत्ता प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं इसके अलावा गुणवत्ता के क्षेत्र में कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए इकाइयों के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) केंद्रों द्वारा प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं।

2017–18 के दौरान, कारपोरेट गुणवत्ता और व्यापार उत्कृष्टता विभाग द्वारा आयोजित गुणवत्ता प्रबंधन विषयों में लगभग 400 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया था। यह प्रशिक्षण लगभग 1300 कार्य–दिवस का था। बीएचईएल में गुणवत्ता सर्कल (क्यूसी) आंदोलन जो श्रमिकों और पर्यवेक्षकों द्वारा संचालित किया जा रहा है देश में रोल–मॉडल है। प्रत्येक वर्ष अंतर–इकाई वार्षिक क्यूसी शिखर सम्मेलन बीएचईएल में आयोजित किया जाता है जहां गुणवत्ता मंडल अपने केस स्टडीज का प्रदर्शन करते हैं।

गुणवत्ता और व्यापार उत्कृष्टता पुरस्कारः

- एचपीईपी हैदराबाद इकाई को सितंबर 2017 में गुणवत्ता अवधारणाओं (सीसीक्यूसी–2017) के 31 वें अध्याय के हैदराबाद, भारत में आयोजित सम्मेलन में गुणवत्ता सर्कल फोरम द्वारा भारत में अग्रणी गुणवत्ता सर्कल आंदोलन के लिए" सर्वश्रेष्ठ विकास मंडल आंदोलन के लिए सर्वश्रेष्ठ संगठन" पुरस्कार प्रदान किया गया था।
- बीएचईएल भोपाल इकाई की एक के सस्टडी जिस का शीर्षक" ट्यूब प्लेट ड्रिलिंग और थर्मल एवं परमाणु कंडेंसर की सपोर्ट प्लेट के ड्रिलिंग के लिए इस्पात फिक्सचर के विकास" ने 12वें राष्ट्रीय गुणवत्ता सम्मेलन 2017 में रजत श्रेणी के अंतर्गत डीएल शाह गुणवत्ता पुरस्कार–2017 हासिल किया। इस समारोह को नई दिल्ली में सितंबर 2017 में, भारत की गुणवत्ता परिषद द्वारा आयोजित किया गया था।

बाहरी एजेंसियों द्वारा प्रमाणीकरण/एक्रेडिटेशन

- मैसर्स अमेरिकी पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई) ने एचपीबीपी / वाल्व डिवीजन, त्रिची इकाई को 17 मार्च 2017 से 17 मार्च 20120 तक वैधता के साथ मोनोग्राम लाइसेंसिंग प्रदान किया।

1.8 आंतरिक वित्तीय कंट्रोल सिस्टम

बीएचईएल के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (आईएफसी) को अच्छी तरह से प्रलेखित नीतियों और प्रक्रियाओंके रूप में डिजाइन किया गया है ताकि कंपनी के नीतियों का पालन करने, संपत्ति की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की पहचान और रोकथाम, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी से अपने व्यापार के व्यवस्थित और कुशल आचरण को सुनिश्चित किया जास के।

आई एफ सी के कार्यान्वयन और रखरखाव का स्रोत मैनुअल, दिशा निर्देश, शक्तियों का बंटवारा, आईटी सिस्टम और नियंत्रण हैं ये परिभाषित संगठनात्मक संरचना यानी प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में विभिन्न स्तरों पर कंपनी के विभिन्न विभागों में परिचालन करने वाले लोगों के द्वारा प्रभावित होते हैं।

बीएचईएल में एक इन–हाउस लेखा परीक्षा विभाग है जो अपने व्यापार के संचालन और प्रकृति के आकार के अनुरूप है। कारपोरेट आंतरिक लेखा परीक्षा के अलावा, बीएचईएल के सभी स्थानों पर आंतरिक लेखा परीक्षा गतिविधियों को कवर करने के लिए बीएचईएल में 12 आंतरिक लेखा परीक्षा सेल स्थापित किए गएहैं। आईएफसी की पर्याप्तता और प्रभाव शीलता का आकलन करने के लिए, आंतरिकलेखा परीक्षा जोखिम केंद्रित क्षेत्रों के सतत लेखा परीक्षा और संबंधित स्थानों पर डिजाइन की गई प्रक्रियाओं और प्रणालियों के कामकाज के महत्वपूर्ण मूल्यांकन का पालन करती है।

ऑडिट कार्य, बोर्ड ऑडिट कमेटी (बीएलएसी) द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किए जाते हैं। आंतरिक लेखा परीक्षा गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न मंचों पर प्रस्तुत की जाती हैं और सभी इकाइयों और क्षेत्रों के साथ साझा की जाती हैं। बीएलसीआईएफसी को मजबूत करने के लिए जहां भी आवश्यक हो, प्रमुख आंतरिक लेखा परीक्षा और सीएजी ऑडिट निष्कर्षों की समीक्षा करता है और जहां अपेक्षित हो जिस गतिशील वातावरण में कंपनी कार्यरत है उसके दृष्टिगत निर्देश प्रदान करता है।

सुशासन तंत्र को सशक्त करने सिस्टम और प्रक्रियाओं के सुधार के तथा इस दिशा में उठाए जाने वाले कदमों की निरंतर निगरानी करने की अपनी प्रक्रिया है। कंपनी अपने सभी प्रक्रियाओं और नियंत्रणों को सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के साथ संरेखित करने के अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखती है।

परीक्षण जांच के आधार पर बाहरी परामर्श दाता द्वारा आईएफसी का एक मूल्यांकन भी वर्ष के दौरान किया गया था और उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि परीक्षण किए गए नियंत्रण कंपनी के अंदर कुशलता से परिचालन में पाए गए हैं।

1.9 मानव संसाधन

1.9.1 अभ्यास और विकास

संगठन की बदलती जरूरतों के अनुरूप परिवर्तित, बीएचईएल ने अपने कर्मचारियों में एक विजयी दृष्टिकोण बनाने के लिए ज्ञान हस्तांतरण, कौशल विकास और व्यवहारिक हस्तक्षेप की सुविधा प्रदान की है। कई नए प्रयासों के माध्यम से, कर्मचारियों को व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने के लिए "तत्परता" की स्थिति में बने रहने में सक्षम किया जाता है।

आईआईएम – कोलकाता के सहयोग से पांच आधुनिक प्रबंधन कार्यक्रम (एएमपी) वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर 153 अधिकारियों के लिए आयोजित किए गए थे ताकि वे तेजी से अस्थिर वैश्विक नेटवर्क में उच्च प्रदर्शन की क्रॉसफंक्शनल टीम विकसित कर सकें।

कोर इंजीनियरिंग कौशल को बढ़ावा देने के लिए लंबी अवधि के सामान्य तकनीकी कार्य क्रम की शुरुआत की गई। उपलब्धि अभिविन्यास और प्रदर्शन परामर्श पर एक नई कार्यक्रम श्रृंखला विभिन्न इकाइयों में आयोजित की गई थी।

संगठन में ही "नेता के रूप में कोच" पहल का विकास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित संकाय के सहयोग से किया गया, जिन्होंने संगठन में वर्कशॉप आयोजित किए ताकि प्रबंधकों को कोच के रूप में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक किया जा सके।

कार्यात्मक उत्कृष्टता की सुविधा के लिए 180 से अधिक युवा अधिकारियों के लिए गुणवत्ता, सोर्सिंग नीतियों आदि जैसे कार्य संबंधित विषयों पर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

जन विकास पर ध्यान – कंपनी की व्यावसायिकरण नीतियों के अनुरूप सभी कर्मचारियों की योग्यता का निर्माण)

रचनात्मक सोच और सहयोगी पहुँच प्रारंभ करने के लिए स्टेनफोर्ड प्रमाणित संकाय द्वारा डिजाइन सोच जैसे पीआरआईएमएम (परियोजना सुधार एवं स्थल प्रबंधन), एलईडी (विकास एवं विनिमय के माध्यम से ज्ञानार्जन) इत्यादि कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

बीएचईएल, भारत सरकार की कौशल विकास पहल में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहा था। वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान बीएचईएल ने विभिन्न योजनाओं जैसे स्नातक शिक्षुता, डिप्लोमा शिक्षुता, व्यावसायिक शिक्षुता, ट्रेड शिक्षुता इत्यादि के तहत 24,046 व्यक्तियों को कौशल विकास अवसर प्रदान किए हैं। इसके लिए बीएचईएल को 'सर्वोत्तम केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम' की श्रेणी के तहत कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा शिक्षुता अधिनियम, 1961 के अंतर्गत अधिक संख्या में शिक्षुता प्रदान करने के लिए चैंपियन ऑफ चेंज से सम्मानित किया गया है।

1.9.2 निष्पादन और जीविका विकास

नेतृत्व क्षमता की निरंतरता सुनिश्चित करने हेतु, निकास के कारण रिक्त हुए वरिष्ठ और महत्वपूर्ण नेतृत्व पदों को भरने तथा बौद्धिक पूंजी के विकास के द्वारा वैयक्तिक विकास को भी प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष के दौरान बोर्ड द्वारा एक औपचारिक उत्तराधिकार योजना को अनुमोदित किया गया है।

हमारे युवा कार्यपालकों की जीविका विकास आकांक्षाओं को हासिल करने के लिए और उच्च संभावना कर्मचारियों एवं संभावित उत्तराधिकारियों की पहचान करने के लिए विभिन्न व्यावहारिक क्षमता मूल्यांकन उपकरणों का प्रयोग किया जा रहा है।

विकास योजनाओं को अंतिम रूप देने और उच्च क्षमता वाले कर्मचारियों और संभावित उत्तराधिकारियों की पहचान करने के लिए विभिन्न स्वभावजन्य (बिहेवियरल) क्षमता मूल्यांकन साधनों का उपयोग किया जा रहा है।

योग्यता प्रबंधन पहलों के भाग के रूप में, बीएचईएल कार्यपालकों को तकनीकी और व्यावहारिक क्षमता मूल्यांकन के द्वारा तैयार किया जा रहा है।

कंपनी अधिनियम की धारा 134 (3) (पी) के तहत प्रकटीकरण

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134 (3) (पी) के अनुसार, किसी सूचीबद्ध कंपनी की बोर्ड की रिपोर्ट में बोर्ड, व्यक्तिगत निदेशकों आदि के औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन की रीति को निर्दिष्टकरता एक वक्तव्य सम्मिलित होगा।कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने 5 जून, 2015 की अपनी अधिसूचना के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों से सरकारी कंपनियों को छूट से अधिसूचित किया है जबकि इसके साथ–साथ औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन पर बयान के संबंध में धारा 134 (3) (पी) सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होगी, यदि निदेशकों का मूल्यांकन मंत्रालय द्वारा किया जाता है जोकि अपने स्वयं के मूल्याकन कार्यप्रणाली के अनुसार कंपनी के प्रशासनिक रूप से प्रभारी है।आगे, नियुक्ति, निष्पादन मूल्याकन और पारिश्रमिक के संबंध में उपरोक्त छूट के साथ, धारा 178 की उप–धारा (2), (3) एवं (4) सरकारी कंपनियों के निदेशकों पर लागू नहीं होंगी।

अन्य सीपीएसई के साथ, बीएचईएल और भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन उस वित्तीय वर्ष के दौरान बीएचईएल को जिन पैरामीटर्स और पहलों का उत्तरदायित्व लेने की आवश्यकता है, उनका विवरण देता है। सरकार द्वारा वर्ष के अंत में इस समझौता ज्ञापन का मूल्यांकन किया जाता है और घोषित पैरामीटर्स पर प्रदर्शन के आधार पर बीएचईएल को प्रदर्शन रेटिंग नियत की जाती है।इसके अलावा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और निदेशकों के प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए एक अच्छी तरह से निर्धारित प्रक्रिया है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) ने फंक्शनल निदेशकों के प्रदर्शन के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित की है। फंक्शनल निदेशकों का कार्यकाल उनकी नियुक्ति की निबंधन एवं शर्तों में बताए अनुसार पाँच वर्ष अथवा उनकी अधिवर्षिता की तिथि, इनमें से जो भी पहले हो है। स्वतंत्र निदेशकों के संबंध में, उनकी नियुक्ति और कार्यकाल (आमतौर पर तीन वर्ष की अवधि) भारत सरकार द्वारा तय की जाती है। बोर्ड स्तरीय समितियों के संदर्भ की शर्तों को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाता है। बोर्ड स्तरीय समितियों के कार्यवृत को बोर्ड के समक्ष अवलोकनार्थ रखा जाता है।

इसके अतिरिक्त, मई, 2018 में डीपीई ने, हमारे प्रशासनिक मंत्रालय (डीएचआई) के माध्यम से कंपनी के बोर्ड पर गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशकों के निष्पादन मूल्यांकन/निर्धारण का प्रयास शुरू कर दिया है।

1.9.3 औद्योगिक संबंध

कंपनी की विभिन्न विनिर्माण इकाइयों, डिवीजनों तथा कार्यालयों में वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण एवं शांतिमय रहे। वर्ष के दौरान कोई भी कार्यदिवस बेकार नहीं गया।

वित्तीय वर्ष 2015–16 के लिए बीएचईएल ने औद्योगिक संबंधों में सराहनीय उपलब्धि के लिए प्रतिष्ठित एफआईसीसीआई–एआईओई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। मई 2017 में आयोजित किए गए इस प्रतिष्ठित आयोजन में भाग लेने वाली सरकारी और निजी क्षेत्र की लगभग 50 से अधिक कंपनियों में से बीएचईएल को विजेता ठहराया गया।

वर्ष के दौरान शीर्ष स्तर की द्विपक्षीय फोरम "संयुक्त समिति" की दो बैठकें आयोजित की गईं। वहाँ 53 बैठके प्लांट परिषदों और 515 बैठकें शॉप परिषदों की हुईं। इसके अतिरिक्त, कार्यपालकों और पर्यवेक्षकों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापार समृद्धि एवं चुनौतियां, कंपनी स्तर के मुद्दों इत्यादि पर भी बैठकें आयोजित की गईं।

विभिन्न मंचों में चर्चा का केंद्र उत्पादकता वृद्धि, लागत कमी, ग्राहक प्रतिबद्धताओं को हासिल करने के क्रम में गुणत्ता और वितरण में सुधार के द्वारा कंपनी के सकाल निष्पादन के सुधार पर केन्द्रित रहा।

'आरक्षण नीति का कार्यान्वयन और आरक्षण रोस्टर्स का अनुरक्षण' पर हैदराबाद तथा हरिद्वार में दो कार्यशालाएं क्रमशः सितंबर 15, 2017 से सितंबर 16, 2017 और नवंबर 20, 2017 से नवंबर 21, 2017 तक आयोजित की गईं। एससी/एसटी/ओबीसी एशोसिएशन प्रतिनिधियों की भी वार्षिक कार्यशाला भोपाल इकाई में नवंबर 2, 2017 से नवंबर 3, 2017 तक आयोजित की गईं।

जनवरी 2018 में बीएचईएल कारपोरेट कार्यालय में सीपीएसईएसमें एचआर सर्वोत्तम प्रक्रिया पर दो– दिवसीय परिसंवाद आयोजित किया गया जिसमें 11 सीपीएसईएस के प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपनी एचआर प्रक्रियाओं को साझा किया।

1.9.4 जनशक्ति बल

बीएचईएल की सबसे बड़ी ताकत इसका 37,540 कर्मचारियों का अतिकुशल एवं प्रतिबद्ध कार्यबल है।

1.9.5 राष्ट्रपति के निदेशों की स्थिति

1.9.5.1 आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के लिए आरक्षण नीति संबंधी निदेश

केन्द्र सरकार द्वारा समय–समय पर आरक्षण नीति संबंधी राष्ट्रपति के निदेश जारी किये जाते हैं। इसमें विशेष आरक्षित श्रेणी के उम्दीवारों जैसे अनु–जाति, अनु–जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग एवं दिव्यांगो के लिए सीधी भर्ती तथा कुछ विशेष पदों पर पदोन्नति में आरक्षण का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त इन निदेशों द्वारा विनिर्दिष्ट श्रेणी के कर्मचारियों के

लिए सीधी भर्ती तथा पदोन्नति में छूट तथा रियायत का भी प्रावधान है। इस विषय पर राष्ट्रपति निर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है एवं सरकार द्वारा निर्धारित पोस्ट आधारित रोस्टर प्रणाली के द्वारा आरक्षण की प्रतिशतता सुनिश्चित की जा रही है। तथापि इन दिशा निर्देशों से कम्पनी की आर्थिक स्थिति पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

इन नियम संबंधित अन्य सूचनाएं निम्नलिखित हैं –

1. अ.जाति/अ.जनजाति/ओबीसी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व

31 दिसम्बर 2017 को कुल जनशक्ति में अनु–जाति, अनु–जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों का प्रतिशत क्रमशः 20.25,6.93 तथा 31. 94 है। 2017 के दौरान सीधी भर्ती में अनुजाति अनुजन जाति अन्य पिछडा वर्ग का प्रतिशत क्रमशः 16.66, 16.66 तथा 5.55 है।

निर्धारित प्रारूप में 31 दिसम्बर 2017 तक अनु. जाति अनु. जनजाति व अन्य पिछडा वर्ग की नियुक्तियों का विवरण, जो सरकार को प्रस्तुत किया गया है, अनुलग्नक –। में दिया गया है।

2. 31 दिसम्बर, 2017 को दिव्यांग कर्मचारियों की संख्या

31 दिसम्बर 2017 तक कुल दिव्यांग कर्मचारियों की संख्या 909 है, वर्ष 2017 में दिव्यांग श्रेणी में 2 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। 31 दिसम्बर 2017 को कम्पनी में समूहवार दिव्यांग कर्मचारियों की जनशक्ति अनुलग्नक – B में दर्शाई गई है।

1.9.5.2 कार्य स्थल पर महिला सुरक्षा

कार्य स्थल पर महिलाओं के विरूद्ध लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम एवं लैंगिक उत्पीड़न शिकायतों एवं इससे संबंधित मामलों की "महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013" 9 दिसम्बर 2013 से प्रभाव में है। यह अधिनियम भारत सरकार के महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय के अंर्तगत महिलाओं का कार्य स्थल या लैंगिक उत्पीड़न (निवारण प्रतिषेध एवं प्रतितोष) नियम 2013 कहा जाता है।

इस अधिनियम एवं नियम के प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन किया जा रहा है। इस अधिनियम के अनुसरण में बीएचईएल द्वारा सभी इकाइयों में आंतरिक समितियों का गठन किया गया है एवं उनके गठन एवं संमर्क सूत्र के बारे में इकाइयों की वेबसाइट में दिया गया है। अधिनियम के मुख्य प्रावधान, नियोक्ता के कर्तव्य,शिकायत निवारण कार्यप्रणाली, विद्वेषपूर्ण शिकायतों पर कार्रवाई एवं लैंगिक उत्पीडन संबंधी त्रुटियों को हिन्दी अंग्रेजी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में पोस्टरों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर लगाया गया है। लिंग सुग्राहिता, आत्म रक्षा एवं अधिनियम के प्रति जागरूकता के लिए पचास कार्याशालाएँ / जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके है।

2017–18 के दौरान प्राप्त की गई लैंगिक उत्पीड़न संबंधी शिकायतों का निवारण एवं 31 मार्च 2018 को स्थिति का विवरण अनुलग्नक ब्में दिया गया है

आधुनिकतम एवं कुशल ट्रांसपोर्टेशन की ओर बढ़ते कदम

सभी रेंज के रेल उत्पादों की एक अग्रणी विनिर्माता, बीएचईएल के पास सभी प्रकार के रोलिंग स्टॉक ट्रैक्सन प्रोपल्सन उपकरण उपलब्धं हैं। भारतीय रेलवे के लिए बीएचईएल द्वारा 50% से अधिक रोलिंग स्टॉक की आपूर्ति की गई है।

बीएचईएल ने मुंबई उपनगरीय प्रयोजन के लिए भारत की प्रथम वातानुकूलित ईएमयू ट्रेन के अत्याधुनिक IGBT आधारित 3 – फेस ड्राइव प्रोपल्सन उपकरण के डिज़ाइन एवं विकास की पेशकश की है, प्रोपल्सिन उपकरणों में 3 – फेस ट्रेक्सैन मोटर, ट्रेक्सन ट्रांसफार्मर, IGBT आधारित ट्रेक्सन कनवर्टर, IGBT सहायक कनवर्टर, IGBT आधारित वातानुकूलित कनवर्टर एवं रेल नियंत्रण एवं प्रबंधन प्रणाली (TCMS) (जो कि रेल प्रणाली का मुख्यक भाग है) शामिल हैं। प्रोपल्सन नियंत्रण प्रणाली में रिजनरेटिव इलेक्ट्रिक्ल ब्रेकिंग को शामिल किया गया है जिससे कि प्रचुर मात्रा में ऊर्जा की बचत होती है। यह वातानुकूलित ईएमयू 25 दिसम्बर 2017 से सफलतापूर्वक यात्री सेवा प्रदान कर रही है। इसने अभी तक मुम्बई वासियों की आरामदायक तथा सुरक्षित यात्रा के लिए लगभग एक लाख किलोमीटर की दूरी तय कर ली है ।

अनुलग्नक – ए

31 दिसम्बर, 2017 तक अनुसूचित जाति, अनुजनजाति व अन्य पिछडा वर्ग के प्रतिनिधित्व को दर्शाने हेतु वार्षिक विवरण एवं पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियाँ –

ग्रुप	अनु.जाति/अनु.जनजाति/ओबीसी का प्रतिनिधित्व (31 दिसम्बभर, 2017 के अनुसार)				कलैंडर वर्ष 2017 के दौरान की गई नियुक्तियाँ										
					सीधी भर्ती द्वारा				पदोन्नति द्वारा**			प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा			
	कर्मचारियों की कुल सं.	अनु. जाति	अनु. जन जाति	ओबीसी कुल	कुल	अनु. जाति	अनु. जन जाति	ओबीसी	कुल	अनु. जाति	अनु. जन जाति	कुल	अनु. जाति	अनु. जन जाति	ओबीसी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
ग्रुप ए	11806	2004	881	2656	17	3	3	0				1	0	0	0
ग्रुप बी	8813	1700	614	2002	0	0	0	0				0	0	0	0
ग्रुप सी	16773	3860	1087	7265	1	0	0	1		..लागू नहीं..		0	0	0	0
ग्रुप डी	630	110	17	233	0	0	0	0				0	0	0	0
ग्रुप डी	40	34	1	1	0	0	0	0				0	0	0	0
कुल	**38062**	**7708**	**2600**	**12157**	**18**	**3**	**3**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**

** बीएचईएल में प्रवेश स्तर पर पदोन्नति द्वारा किसी भी प्रकार की नियुक्ति नहीं की गई है ।

अनुलग्नक – बी

कैलेंडर वर्ष 2017 के दौरान दिव्यांगों की नियुक्तियों का विवरण –

ग्रुप	सीधी भर्ती								पदोन्नति							
	आरक्षित पदों की सं.			कुल	चिन्हित पद	नियुक्तियों की सं.			आरक्षित पदों की सं.			कुल	चिन्हित पद	नियुक्तियों की सं.		
	वीएच	एचएच	ओएच			वीएच	एचएच	ओएच	वीएच	ओएच	एचएच			वीएच	एचएच	ओएच
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
ग्रुप ए	0	1	1	17	17	0	1	1								
ग्रुप बी	0	0	0	0	0	0	0	0					..लागू नहीं..			
ग्रुप सी	0	0	0	1	0	0	0	0								
ग्रुप डी	0	0	0	0	0	0	0	0								

नोट :–

1. वीएच का आशय दृष्टिबाधित से है। (नेत्रहीन अथवा अल्पक दृष्टि वाले व्यक्ति)
2. एचएच का आशय श्रवण बाधित से है (जिन व्यक्तियों की सुनने की दिक्कत होती है)
3. ओएच का आशय अस्थि संबंधी विकलांगता से है (लोकोमोटर विकलांगता या सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित व्यंक्ति)

* ग्रुप सी से ग्रुप बी, ग्रुप बी से ग्रुप ए तथा ग्रुप ए में पदोन्ननति के लिए कोई आरक्षण नहीं है। बीएचईएल में सी व डी ग्रुप के अंतर्गत काडर में परिवर्तन को छोड़कर वरिष्ठता सह योग्यता पदोन्नति नीति का अनुसरण किया जाता है। जिसमें सभी कर्मचारी एक ग्रेड में निर्धारित पात्रता पूरी करने के पश्चात तथा संतोषजनक आचरण व निष्पादन स्तर प्राप्त करने या अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नत होते है।

अनुलग्नक – सी

कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा संबंधी वार्षिक रिपोर्ट –

1	वर्ष 2017–18 के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	6
2	वर्ष 2017–18 के दौरान निपटान की गई शिकायतों की संख्या्	6
3	90 दिनों से अधिक लम्बित मामलों की संख्या	2′
4	यौन उत्पीड़न से संबंधित कार्यशालाओं अथवा जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	50
5	**आंतरिक शिकायत समिति (ICC) की संस्तुतियॉ पर नियोक्ता द्वारा की गई कार्रवाई का प्रकार–**	
•	चिकित्सा विभाग में तैनात संविदाकर्मी द्वारा नियमित कमर्चारी के विरूद्व यौन उत्पीड़न की शिकायत (मौखिक व गलत जगह छूना)। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर, शिकायत समिति की जाँच में कर्मचारी दोषी पाया गया, कर्मचारी को गंभीर चेतावनी देने के साथ–साथ उसका तबादला दूसरे विभाग मे कर दिया गया।	मामला समाप्त
•	दो महिला ग्रेजुएट अप्रेंटिसों द्वारा एक आर्टीजन के विरूद्व शिकायत दर्ज की गई राह चलते हुए उनकी शरारतपूर्ण नकल उतारी गई एवं तमिल फिल्म का गाना गाया गया, समिति द्वारा जाँच में यह पता लगा कि संबंधित कर्मचारी को मानसिक बिमारी समस्याएं है तथा इस संबंध मे इलाज भी चल रहा है, उसको वार्निग लेटर दिया गया।	मामला समाप्त
•	बी एस सी (नर्सिंग) प्रशिक्षु द्वारा बीएचईएल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के विरूद्व व्हाट्सएप मैसेज भेजने पर प्रथम सूचना रिर्पोट फाइल की गई। यौन उत्पीडन का आरोप प्रमाणित नही हो पाया एवं मामला समाप्त कर दिया गया।	मामला समाप्त
•	एक महिला कर्मचारी द्वारा पुरूष कर्मचारी के विरूद्व अभद्र व अपमानजनक शब्दों के प्रयोग या शिकायत की गई। जाँच में प्रतिवादी को दोषी पाया गया। प्रतिवादी को एक वर्ष तक एक स्तर नीचे का मूल वेतन (बिना संचित प्रभाव से) सजा के रूप मे दिया गया है ।	मामला समाप्त
•	एक महिला कर्मचारी द्वारा पुरूष कर्मचारी के विरूद्व शिकायत दर्ज की गई कि जब वह अपने विभाग के केबिन से बाहर आ रही थी तो उसका दुपट्टा खीचा। इससे पूर्व भी उसके साथ इस प्रकार की घटना हो चुकी थी। जॉच में आरोप सिद्व नही हो पाया। बजाय यह पाया गया कि टीम के सदस्यों में टीम भावना व विश्वास का अभाव था।	मामला समाप्त
•	एक अनियत महिला कर्मी द्वारा अपने विभाग के कल्याण अधिकारी के विरूद्व शिकायत दर्ज की गई। विस्तृत जाँच में प्रतिवादी को दोषी पाया गया। प्रतिवादी को सजा के रूप मे एक वर्ष का वेतन रोक दिया गया, उन्हें अन्य विभाग मे स्थानांतिरत किया जा रहा है।	मामला समाप्त

′ गवाहों की जिरह में समय लगा

1.10 सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

बीएचईएल सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानो के तहत पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है। कम्पनी में कार्पोरेट कार्यालय में एक केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ), एक केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ)के साथ–साथ प्रत्येक प्रशासनिक इकाइयों में कुल 20 केंद्रीय अधिकारी कार्यरत है। अधिनियम के अधीन प्रथम अपील के नियम के लिए कम्पनी में 21 प्रथम अपीली प्राधिकारी भी कार्यरत हैं।

आवेदन और प्रथम अपील के ऑनलाइन आवेदन हेतु बीएचईएल ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा शुरू किए गए ऑनलाइन आरटीआई वेबपोर्टल (https:@rtionline.gov.in) सुविधा भी कर्मचारियों को प्रदान की है। जिसके परिणाम स्वरूप, ऑनलाइन के माध्यम से प्राप्त आरटीआई आवेदनों एवं आरटीआई प्रथम अपील का जवाब भी ऑनलाइन माध्यम से दिया जा रहा है।

खण्ड 4(1) (इ) के उपबंधों को बीएचईएल की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त सूचना प्राप्त करने की विधियाँ, दिशा निर्देश व प्रपत्र तथा अधिनियम के अधीन आरटीआई व प्रथम अपील भरने के लिए बीएचईएल की वेबसाइट में दिया गया है। सीपीआइओ तथा अन्य संबद्ध हितधारकों को अधिनियम के अधीन उनके दायित्वों के प्रति अवगत कराने के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। दिनांक 28 मार्च 2018 सीपीआइओ और प्रथम अपील प्राधिकारियों के लिए एक वार्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया था ।

लोक उपक्रमों की स्थायी समिति (स्कोप) द्वारा गठित आरटीआई प्रचालन समिति का सदस्य होते हुए बीएचईएल स्कोप द्वारा आयोजित आरटीआई संबंधी मामलों में आयोजित बैठकों एवं चर्चाओं में सक्रिय रूप से प्रतिभागिता करता है ।

केंद्रीय सूचना आयोग को चारों तिमाहियों की तिमाही रिटर्न प्रस्तुत कर दी गई है। वर्ष के प्रारंभ कुल 81 आरटीआई आवेदन व शून्य आरटीआई अपील शेष थी, 2017–18 के दोरान 1250 आवेदन व 215 अपील प्राप्त, हुई। जिनमें से कुल 1254 आवेदनों एवं 197 अपीलों का निपटान किया गया ।

1.11 जोखिम और संबद्धता

एक व्यवस्थित एवं व्यापक उद्यम जोखिम प्रबंधन प्रणाली को कार्यान्वित करने के लिए बीएचईएल में बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति है। इस चार्टर का कार्य आम समझ स्थापित करना, जोखिम की पहचान, आकलन, प्रतिक्रिया, निगरानी, रिपोटिंग की पद्धति का विकास करना, साथ ही प्रबंधन को यह आश्वासन देना कि कम्पनी में जोखिम की अच्छी तरह पहचान कर ली गई है एवं इनका प्रभावी रूप से प्रबंध कर लिया गया है ।

बीएचईएल में बोर्ड स्तर के लिए जोखिम समिति (BLRMC) है जो कि कंपनी में जाखिम नियंत्रण, व्यवस्था, दिशा निर्देश, नितियों एवं प्रकियाओं के लिए उत्तरदायित्वों का निर्धारण करती है। इसके साथ ही जोखिम प्रबंधन प्रचालन समिति (RMSC) कंपनी स्तर पर जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और कार्यान्वियन करने के लिए भी उत्तरदायी है। मुख्य जोखिम अधिकारी (CRO) BLRMC और RMSC का संयोजक होता है। जो कि समय–समय पर बोर्ड/BLRMC को जोखिम प्रबंधन के संबंध में सूचित करने के लिए उत्तरदायी होता है। कंपनी को जिन जोखिमों सामना करना पड़ता है उनका जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा विश्लेषण किया जाता है। बोर्ड/BLRMC नियमित रूप से प्रमुख जोखिम क्षेत्रों की समीक्षा करता है। इकाई स्तर की जोखिम प्रबंधन समिति अपने क्षेत्रों से संबद्ध जोखिमों का विश्लेषण करती है, उन्हें दूर करने की योजना बनाती है, उनका कार्यान्वयन सूनिश्चित करती है तथा आवश्यकता पड़ने पर उच्च प्रबंधन को सूचित करती है ।

कंपनी को जिन जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है तथा उनके निवारण की कार्यनीति नीचे तालिका में दर्शाई गई है –

जोखिमों का विवरण	निवारण के लिए कार्यनीति
ऑनलाइन डाटा एवं सूचना सुरक्षा में सैंध जिनके परणिमस्वरूप महत्व पुर्ण परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण बुनियादी सूचना तंत्र में भारी क्षति	– कंपनी स्तर पर साइबर सुरक्षा नियंत्रण प्रणाली का कार्यान्वयन करना – ISO 27001, ISMS मानकों के अन्तर्गत अन्य पक्ष द्वारा ऑडिट – कारोबार निरंतरता योजना (BCP) एवं आपदा वसूली (DR) नीति का होना। – संकट प्रबंधन ग्रुप का होना। – साइबर खतरों तथा लक्षित हमलों व डाटा सेंध से बचाव के लिए सुरक्षा संचालन केन्द्र की व्यवस्था
बाह्य कारकों का प्रभाव जैसे – सरकार की नीतियाँ, संसाधनों की कमी, जिस कारण कारोबार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।	– प्रशासनिक तंत्र द्वारा नीति सलाह की पहल एवं औद्योगिक निकायों व संघों तक पहुँच। – प्रमुख कारोबारी सहयोगियों से समन्वय ।
वर्तमान/भविष्य के बाजार की आवश्य कताओं के लिए प्रोधोगिक तैयारी	– नए उत्पाादों/प्रोद्यौगिकी का कंपनी में विकास करना। – उपयुक्त भागीदारों के साथ तकनीकी सहयोग ।
देनदारों में वृद्धि	– नगद वसूली में तजी लाने के लिए विशेष समूहों का गठन। – ग्राहकों के साथ सीघ्र निपटारा। – आपूर्ति की बेहतर शेड्यूलिंग। – सरकारी उपयोगिताओं के मामलों का आना।

कृते निदेशक मंडल

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

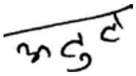

अतुल सोबती
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 25 जुलाई, 2018

बोर्ड रिपोर्ट का अनुलग्न क–II

कॉरपोरेट गवर्नेंस

2.1 कॉरपोरेट गवर्नेंस संबंधी हमारी विचारधारा

बी.एच.ई.एल कॉर्पोरेट गवर्नेंस के सुनियोजित ढांचे के अन्तर्गत कार्य करती है जिनमें गवर्नेस की गुणवत्ता, डिसक्लोजर्स पारदर्शिता, हितधारकों के हितों में लगातार वृद्धि एवं कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व आदि शामिल हैं बीएचईएल कॉरपोरेट गवर्नेस के सुनियोजित ढांचे के अंतर्गत कार्य करती है। बीएचईएल कॉर्पोरेट गवर्नेंस की आधारभूत आवश्यकताओं एवं नियामक संरचना से परे हितधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं एवं समाज के प्रति आत्मविश्वास की भावना जागृत करता है। बीएचईएल के कॉर्पोरेट गवर्नेंस का ढांचा पारदर्शिता की आधारशिला, पूर्ण प्रकटीकरण, स्वतंत्र निगरानी तंत्र एवं सबके लिए निष्पक्षता विशेषतया अलपसख्ंयक शेयरधारको पर टिका है ।

बीएचईएल के कॉरपोरेट गवर्नेंस को निम्नलिखित सिद्धांत मजबूती प्रदान करते है :–

(i) बोर्ड की स्वत्रंता एवं बहुमुखी प्रतिभा

(ii) सभी कर्मचारियों की सत्यनिष्ठा एवं नैतिक व्यवहार

(iii) सभी हितधारकों के कर्तव्यों को मान्यता प्रदान करना, इसमें शेयर धारक, ग्राहक, कर्मचारी, आपूर्तिकर्ता, एवं समाज शामिल है ।

(iv) पारदर्शिता एवं प्रकटीकरण (Disclosure) का उच्चस्तर

(v) कंपनी का सभी संबद्ध क्षेत्रों में कानून का पूरी तरह से अनुपालन

(vi) व्यक्ति एवं पर्यावरण के प्रति सहानुभूति पूर्वक उपर्युक्त लक्ष्यों को प्राप्त करना।

कंपनी कॉर्पोरेट गवर्नेस की प्रक्रियाओं और आचार संहिताओं के दायरे में रहकर कारोबार करने में विश्वास करती है। बीएचईएल शेयरधारकों को लम्बी अवधि में उत्कृष्ट रिटर्न, ग्राहकों के लिए अनुकूल परिणाम, कर्मचारियों के लिए आकर्षक अवसर कंपनी के साझेदारों की प्रगति एवं समाज की समृद्धि के लिए एक मिशाल पेश करती है।

2.2 निदेशक मंडल

i. निदेशकों की संघटना एवं श्रेणी

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 2(45) के अनुसार बी.एच.ई.एल एक सरकारी कंपनी हैं क्योंकि कंपनी की कुल भुगतान शेयर पूंजी का 63.06 प्रतिशत राष्ट्रपति के माध्यम से केंद्र सरकार के पास हैं ।

बीएचईएल के निदेशक गण जिनका प्रतिनिधित्वि कार्यकारी निदेशक जिनमें अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक भी शामिल है, गैर कार्यकारी निदेशक गण जिनका प्रतिनिधित्वक भारत सरकार द्वारा नामित होता है। तथा स्वतंत्र निदेशक के रूप में होता है इससे बोर्ड कार्यो व प्रबंधन तथा नियंत्रण में स्वतंत्रता होती है ।

31 मार्च, 2018 के अनुसार, निदेशक मंडल का गठन निम्नलिखित है:–

निदेशकों का वर्गीकरण	बोर्ड संरचना	मार्च 31, 2018 के अनुसार वास्तविक संख्या
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	1	1
पूर्णकालिक कार्यपालक निदेशक (पदेन)	5	4
अंशकालिक सरकारी निदेशक (सरकार द्वारा नामित) भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम, भारत सरकार के प्रतिनिधि	2	2
अंशकालिक गैर सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक	8	6
कुल	**16**	**13**

मार्च 31, 2018 के अनुसार, निदेशक (वित्त) के पद के साथ–साथ बीएचईएल मंडल में अंशकालिक गैर सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक के दो पद रिक्त हैं ।

* दिनांक अप्रैल 18, 2018 से श्री सुबोध गुप्ता ने पूर्णकालिक (कार्यकारी) निदेशक के रूप में निदेशक (वित्त) के कार्यालय का कार्य भार ग्रहण कर लिया है।

ii. वर्ष 2017–18 के दौरान बोर्ड मिटिंगों व पिछली एजीएम में निदेशकों की उपस्थिति

निदेशको के नाम (सर्वश्री)	बैठकों की सं.		पिछली एजीएम (22 सितम्बर, 2017)
	संख्या	उपस्थिति	
कार्यकारी निदेशक			
अतुल सोबती, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	9	9	हाँ
डी बंद्योपाध्याय, निदेशक (मा.सं.)	9	9	हाँ
अमिताभ माथुर, निदेशक (आईएस एवं पी)	9	9	हाँ
सुब्रत बिस्वास, निदेशक (ई, आर एंड डी)	9	9	हाँ
टी चोक्कलिंगम, निदेशक (वित्त) (30 नवम्बर, 2017 तक)	7	7	हाँ
अखिल जोशी, निदेशक (पावर)	9	9	हाँ

अंशकालिक सरकारी निदेशक – सरकार द्वारा नामित			
डॉ. सुभाष चंद्र पांडेय, विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, उद्योग नीति एवं पदोन्नति विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	9	7	हाँ
भास्कर ज्योति मोहंता, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम मंत्रालय	9	8	नहीं
अंशकालिक गैर सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक			
सुश्री हरिन्दर हीरा (1 मई, 2017 तक)	2	1	’
ए एन रॉय (20 अगस्त, 2017 तक)	5	5	’
राजेश किशोर	9	8	हाँ
केशव एन देसीराजू	9	9	हाँ
आर. स्वामीनाथन	9	9	हाँ
सुश्री सुरमा पाधी	9	9	हाँ
देश दीपक गोयल (23 सितम्बर, 2017 से)	4	4	’
रंजीत रे (23 सितम्बर, 2017 से)	4	4	’

\# दिसम्बर 1, 2017 से निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे हैं।

* पिछली एजीएम तक संबंधित व्यक्ति बीएचईएल के निदेशक नहीं थे।

iii. 31 मार्च, 2018 को अन्य कंपनियों में निदेशक, समितियों में सदस्यता और समितियों के अध्यक्षता के रूप में ब्यौरा :

निदेशकों के नाम (सर्वश्री)	अन्य कंपनियों में निदेशक के कार्य का विवरण	अन्य कंपनियों में निदेशक, समितियों में सदस्यता और समितियों के अध्यक्षता के रूप में ब्यौरा'
अतुल सोबती, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	–नहीं–	–नहीं–
डी बंद्योपाध्याय, निदेशक (मा.सं.)	1. दादा धुनीवाले, खंडवा पावर लि. 2. एनटीपीसी, बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि.	**ऑडिट समिति :** एनटीपीसी, बीएचईएल पावर प्रेजेक्ट प्रा.लि. (सदस्य)
अमिताभ माथुर, निदेशक (आई एस एवं पी)	1. दादा धुनीवाले, खंडवा पावर लि. 2. बीएचईएल, जीई गैस टरबाइन सर्विसेस प्रा.लि.	**ऑडिट समिति :** दादा धुनीवाले खंडवा पावर लि. (अध्यक्ष)
सुब्रत बिस्वास, निदेशक (ई,आर एंड डी)	रायचूर पावर कॉरपोरेशन लि.	–नहीं–
अखिल जोशी, निदेशक (पावर)	रायचूर पावर कॉरपोरेशन लि.	–नहीं–
डॉ. सुभाष चंद्र पांडेय, अंशकालिक सरकारी निदेशक	1. एचएमटी लि. 2. नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन लि. 3. इंडिया ट्रेड प्रोमोशन संस्थान 4. इनवेस्ट इंडिया 5. इंडिया इंटरनेशनल कनवेंशन एंड एग्जीबिशन सेंटर लि. 6. नेशनल जूट बोर्ड 7. नेशनल जूट मेनुफैक्चर्स कॉ. लि. 8. एमएमटीसी लि. 9. एसटीसी इंडिया लि.	**ऑडिट समिति :** इंडिया ट्रेड प्रमोशन संस्थान (सदस्य)
भास्कर ज्योति मोहंता, अंशकालिक सरकारी निदेशक	1. एंड्रयूले एंड क. लि. 2. टाइड वाटर ऑयल क. इंडिया लि. 3. रिचर्डसन एंड क्रुडास लि.	–नहीं–
राजेश किशोर स्वतंत्र निदेशक	–नहीं–	–नहीं–
केशव एन देसीराजू स्वतंत्र निदेशक	1. तमिलनाडु इनफरास्ट्रक्चर फंड मैनेजमेंट कॉ. लि. 2. कॉगनीजेंट फाउंडेशन	**ऑडिट समिति:** तमिलनाडू इनफरास्ट्रक्चर फंड मैनेजमेंट कॉ.लि. (अध्यक्ष)
आर. स्वामीनाथन, स्वतंत्र निदेशक	–नहीं–	–नहीं–

सुश्री सुरमा पाधी स्वतंत्र निदेशक	–नहीं–	–नहीं–
देश दीपक गोयल स्वतंत्र निदेशक	–नहीं–	–नहीं–
रंजीत रे स्वतंत्र निदेशक	–नहीं–	–नहीं–

*केवल ऑडिट समिति एवं हितधारक संबंध समितियों की अध्यक्षता/सदस्यता पर विचार किया गया है

कंपनी का कोई भी निदेशक एवं साथ 20 कंपनियों का निदेशक नहीं हो सकता है कंपनी का कोई भी निदेशक जिन सभी कंपनियों में वह निदेशक के पद पर है उनमें 10 से अधिक समितियों में सदस्य के रूप में अथवा उससे अधिक समितियों में अध्यक्ष के रूप में नहीं रह सकता है।

निदेशकों का परस्पर संबंधों का प्रकटीकरण :– कोई नहीं

iv. बोर्ड बैठकों की संख्या एवं बैठक की तिथि :–

बोर्ड की बैठकें साधारणतया कंपनी के पंजीकृत कार्यालय दिल्ली में होती है एवं नियत समय पर तय की जाती है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से कंपनी सचिव प्रत्येक निदेशक की हर बैठक की सूचना लिखित रूप में भेजता है।

बोर्ड के हर सदस्य को कंपनी की सभी प्रकार की सूचनाओं की पहुँच रहती है। के किसी भी विषय की कार्य सूची में शामिल करने के लिए स्वतंत्र रहते है। ये विषय सामान्यतया पहले ही भेज दिये जाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर वरिष्ठ प्रबंधन को बोर्ड की बैठकों में शामिल होने के लिए आंमत्रित किया जाता है। वो मिटिंग में चर्चा होने वाले मुद्दों पर अतिरिक्त जानकारी प्रदान करते हैं। बोर्ड की बैठक एक तिमाही में कम से कम एक बार होती है जिसमें तिमाही परिणामों की समीक्षा व कार्यसूची में सम्मिलित अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाती है। आवश्यकता पडने पर अतिरिक्त बैठकें आयोजित की जाती है।

समीक्षाधीन वर्ष में बोर्ड की निम्नलिखित नौ बैठकें आयोजित हुई।

6 अप्रैल 2017	7–8 अप्रैल, 2017	29 मई, 2017
19 जुलाई, 2017	10 अगस्त, 2017	10 अक्तूबर, 2017
7 नवंबर, 2017	8 फरवरी, 2018	9 फरवरी, 2018

v. बोर्ड का उत्तरदायित्व :–

बोर्ड का उत्तरदायित्व कंपनी की कार्यनीति तैयार करना, कॉर्पोरेट निष्पादन की निगरानी व समीक्षा, नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करना एंव शेयरधारकों के हितो की रक्षा करना है।

vi. स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका :–

स्वतंत्र निदेशक, बोर्ड एवं समिति की बैठकों की कार्यवाही में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं, वे इंजीनियरिंग, वित्त प्रबंधन, विधि एवं नीति विषयों पर अपनी विशेषता से कंपनी को लाभान्वित करते हैं।

स्वतंत्र निदेशक बोर्ड द्वारा गठित महत्वपूर्ण समितियों जैसे ऑडिट समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, हितधारक संबंध समिति तथा सी एस आर समिति के प्रमुख अंग होते हैं। कंपनी अधिनियम 2013 एवं रुचिबद्ध नियमों के अनुसार ऑडिट समिति तथा नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की अध्यक्षता स्वतंत्र निदेशक करते हैं।

केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम के गैर–अधिकारिक निदेशकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व से संबंधित दिनांक 28 दिसम्बर 2012 के सार्वजनिक उपक्रम विभाग (डीपीइ) के कार्यालय ज्ञापन के अनुसरण में बोर्ड द्वारा एक स्वतंत्र निदेशकों की समिति गठित की गई है। यह समिति कंपनी अधिनियम 2012 के अधीन सूचीबद्ध नियमों व स्वतंत्र निदेशकों की संहिता मे आवश्यकताओं के अनुपालन के अधीन है। सभी बोर्ड स्तर की समितियों की बैठक मे कार्यवृत परिचालित किये जाते है तथा बोर्ड की बैठकों में इन पर चर्चा की जाती है। स्वतंत्र निदेशकों के परिच्यात्मक कार्यक्रमों का विवरण।

विस्तृत रूप में कंपनी की वेवसाइट **www-bhel-com** के वेब लिंक www.bhel.com@indeÛ-php@ind&dir पर Familiarization Programme for Independent Directors (स्वतंत्र निदेशकों संबंधी शीर्षक के अंतर्गत) उपलब्ध है।

vii. निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत की गई जानकारियां–

बोर्ड के समक्ष कार्यसूची प्रस्तुत की गई है जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित मद सम्मिलित हैं–

- वार्षिक परिचालन योजना व बजट एवं अन्य अद्यतन सूचनाएं।
- कैपिटल बजट व अन्य अद्यतन सूचनाएं।
- कंपनी एवं इसके समस्त परिचालन प्रभाग अथवा कारोबारी क्षेत्र के तिमाही परिणाम।
- बोर्ड की ऑडिट समिति अन्य समितियाँ की बैठको के कार्यवृत।
- गैर सूचीबद्ध सहायक कंपनियों के बोर्ड बैठक के कार्यवृत।
- गैर सूचीबद्ध कंपनियों के महत्वपूर्ण लेन देन का विवरण।
- बोर्ड स्तर से नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती संबंधी सूचना।
- संयुक्त उद्यम, अनुसंधान व विकास परियोजना, तकनीकी सहयोग समझौते संबंधी विवरण जिनमें निदेशक मंडल के अनुमोदन की आवश्यकता होती है।
- श्रमिकों संबंधी महत्वंपूर्ण समस्याएं एवं उनका प्रस्तावित समाधान, मानव संसाधन/ औद्योगिक संबंध से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे जैसे वेतन समझौते, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना लागू करना आदि।
- सहायक कंपनियो की सूची।
- मूर्त तथा अमूर्त परिसंपतियाँ का क्रय तथा विक्रय जो कि सामान्य कारोबारी कार्यकाल्यों में नही आते है ।
- विदेशी विनिमय की तिमाही विवरण एवं प्रबंधन द्वारा प्रतिकूल विनिमय दरों के संबंध में उठाए गए कदम।

- बोर्ड द्वारा मांगे गए मामलो पर एक्शन टेकन रिपोर्ट।
- निदेशकों द्वारा अन्य कम्पनियों में निदेशक और समिति के पद की स्थिति की जानकारी।
- विभिन्न कानूनों के अनुपालन पर तिमाही रिपोर्ट।
- प्रमुख कानूनी विवादों से संबंधित सूचना।
- आरबिट्रेशन मामलों की स्थिति।
- बची हुई राशि का अल्पावधि के लिए निवेश।
- वे सभी करार जिनमें निदेशकों की रूचि समझी जा सकती है।
- शेयर धारकों के व्यवसायों की तिमाही आधार पर स्थिति
- महत्वपूर्ण कैपिटल निवेश प्रस्ताव।
- महत्वपूर्ण लेखा नीतियों एवं परम्पराओं में बदलाव और अनके सार्थक कारण।
- विभिन्न इकाइयों/कार्यक्षेत्रों का निष्पादन।
- लिष्टिंग विनियम के तहत आवश्यक अन्य कोई सूचना डीपीई निदेश और एस एस 1 आदि बोर्ड को सूचनार्थ अथवा अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करने के लिए।

viii. नए निदेशकों का चयन–

बीएचईएल की संस्था के अन्तर्नियमों के अनुसार, राष्ट्रपति, भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उद्योग मंत्रालय के माध्यगम से बीएचईएल के बोर्ड में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और पूर्ण कालिक निदेशकों और अंशकालिक गैर सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों की नियुक्ति करते है। दो अंशकालिक सरकारी निदेशकों, जैसे अपर सचिव/संयुक्त सचिव, भरी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उद्योग मंत्रालय एवं विशेष सचिव/अपर सचिव एवं वित्तीय परामर्शदाता, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय को भारत सरकार द्वारा बीएचईएल बोर्ड में नियुक्त किया जाता है।

ix. सदस्यता शर्तें एवं सेवा निवृत्ति नीति–

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और पूर्णकालीन निदेशकों की नियुक्ति उनके पद ग्रहण होने की तिथि से पॉच वर्ष की अवधि या उनकी अर्धवार्षिता आयु या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कार्यकाल के लिए होती है। अंशकालिक सरकारी निदेशको की बीएचईएल बोर्ड भारत सरकार के विवेक पर निर्भर करती है। अल्पावधि गैर सरकारी निदेशकों (स्वतंत्र) के कार्यकाल का निर्णय भारी उद्योग विभाग द्वारा किया जाता है। समान्यतः एक स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की जाती है।

x. आचार संहिता–

बीएचईएल द्वारा अपने कर्मचारियों के उच्च आचरण कायम रखने के लिए एक व्यावसायिक आचरण एवं नैतिकता संहिता लागू की गई है जो कि सभी बोर्ड सदस्यों ,उच्च प्रबंधनकर्मियों पर लागू है। तथा इसे और सुदृढ बनाने के लिए नियामक ढांचे में परिवर्तन एवं परिवर्तित व्यावसायिक गति की एवं अन्य संबंध प्रासंगिक प्रावधानों को आत्मसात किया गया है। स्टॉक एक्सचेंज के साथ लिस्टिंग समझौते का अनुसरण – बीएचइएल के निदेशक मण्डल द्वारा दिनांक 14 नवम्बर 2014 को अपनी 465वीं बैठक मे अपनी कम्पनी के सभी बोर्ड समस्या, उच्च प्रबंधन कर्मियों के लिए व्यावसायिक आचारण एवं नैतिकता संहिता संशोधित एवं अनुमोदित की है। यह संहिता वर्तमान लिस्टिंग नियम का अनुपालन भी करती है। संहिता के अन्तर्गत निम्नलिखित बातें सम्मिलित हैं –

- सामान्य नैतिक अनिवार्यता
- विशिष्ट व्यावसायिक उत्तरदायित्व और
- बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिकों के लिए विशिष्ट् अतिरिक्त प्रावधान

उपर्युक्त संशोधित संहिता की प्रतिलिपि कम्पनी की बेबसाइट www.bhel.com पर उपलब्ध है।

xi. बोर्ड के सदस्यों का अधिकार पत्र –

बोर्ड एवं व्यक्तिगत निदेशकों की भूमिका एवं उत्तर दायित्वों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने के लिए विभाग प्रस्तुत करने के उद्देश्य से बोर्ड द्वारा बोर्ड निदेशकों के लिए अधिकार पत्र का निर्धारण किया गया है। यह अधिकार पत्र हमारे कॉर्पोरेट गर्वनेंस के लक्ष्यों और अवधारणा को भी स्पष्ट करता है। डीपीआई के दिशा–निदेर्शो के अनुसार, लिस्टिंग एवं निदेशकों को उपलब्ध कराने के उददेश्य से –

ए. अपने संविधिक उत्तरदायित्व के सफलतापूर्वक निर्वहन हेतु दिशा–निर्देशों एवं प्रक्रियाओं में अंतदृष्टि

बी. भविष्य की एवं विकसित नीतियों को आत्म सात करने के लिए व्यावसयिक वातावरण की बेहतर जानकारी

सी. बोर्ड सदस्यों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण, बोर्ड द्वारा निदेशकों के प्रशिक्षण के लिए एक नीति को अनुमोदन प्रदान किया गया है। इस कम्पनी के विशिष्ट क्षेत्रों के अनुरूप सामान्य एवं विशिष्ट प्रशिक्षण भी शामिल है।

xii. सी ई ओ/सी एफ ओ प्रमाणन–

लिस्टिंग नियामक के अनुपालन में बोर्ड रिर्पोट के अनुलग्नष्क–3 में सी ई ओ/ सी एफ ओ प्रमाणन संलग्न है।

2.3 बोर्ड स्तर की ऑडिट कमेटी

i. आचार संहिता

कम्पनी अधिनियम, 2013 के भाग 177 की आवश्यकताओं की पूर्ति के अनुपालन एवं लिस्टिंग विनिमय के अनुपालन में बोर्ड द्वारा विर्निदिष्ट बोर्ड स्तर की ऑडिट कमेटी की संदर्भ शर्ते इस प्रकार है:

1. यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त एवं विश्वसनीय हैं, कम्पनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रणाली का निरीक्षण एवं इसकी वित्तीए सूचनाओं की जानकारी देना
2. ऑडिट कम्पनी की नियुक्ति, परिश्रमिक एवं नियुक्ति की शर्तो की अनुशंसा करना।

3. सांविधिक ऑडिटरों को उनके द्वारा प्रदान की गई किन्ही अन्य सेवाओं के लिए भुगतान का अनुमोदन करना।

4. ऑडिट के दौरान उठाए विन्दुओं को वित्तीय विवरण में पर्याप्त समायोजन।

   i. कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 134 के उपखंड 3 के अनुसार निदेशकों के दायित्वों का विवरण बोर्ड रिपोर्ट में दर्शाया जाना अनिवार्य है ।

   ii. वित्तीय नीतियों तथा प्रक्रियाओं में कोई बदलाव, यदि कोई है, और इसका कारण।

   iii. प्रबंधन द्वारा अनुमानित आधारित मुख्य लेखा प्रविष्टियाँ।

   iv. ऑडिट के दौरान उठाए गए बिंदुओं का वित्तीय विवरणिका में पर्याप्त समायोजन।

   v. वित्तीय विवरणिका से संबंधित लिस्टिंग एवं अन्य वैधानिक आवश्यकताओं का अनुपालन।

   vi. संबंधित पार्टियों से किए गए लेन–देन का खुलासा।

   vii. ड्राफ्ट ऑडिट रिपोर्ट के मानदण्ड।

5. बोर्ड के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करने से पूर्व तिमाही वित्तीय विवरणिका एवं ऑडिट रिपोर्ट का प्रबंधन के साथ समीक्षा।

6. इश्यू (पब्लिक इश्यू, राइट इश्यू, प्रिफ्रेंशियल इश्यू आदि) के माध्यम से जुटाई गई पूँजी की प्रबंधन द्वारा समीक्षा। ऑफर दस्तावेज में दर्शाए गए प्रयोजनों के अतिरिक्त पूँजी के उपयोग का विवरण। निगरानी संस्था द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में पब्लिक या राइट इश्यू का उपयोग एवं बोर्ड द्वारा इस विषय में उठाए गए कदम पर उचित संस्तुति।

7. ऑडिटरों की स्वायतता की समीक्षा एवं निगरानी तथा ऑडिट प्रक्रिया की निष्पादन एवं प्रभाव।

8. संबंधित पार्टियों के साथ लेन देन का अनुमोदन अथवा आवश्यक संशोधन।

9. अतंर कॉर्पोरेट ऋण एवं निवेशों की जॉच।

10. कम्पनी की बचनबद्धता अथवा परिसम्पतियों का मूल्यांकन।

11. आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एवं जोखिम प्रबंधन प्रणाली का मूल्यांकन।

12. सांविधिक एवं आन्तरिक ऑडिट की प्रबंधन के साथ समीक्षा, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपर्युक्तता।

13. आंतरिक लेखा प्रक्रिया की उपर्युक्तता की समीक्षा यदि कोई है, आंतरिक ऑडिट विभाग की संरचना, जनशक्ति एवं विभाग का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों की वरिष्ठता, रिपोर्टिंग संरचना कवरेज एवं आंतरिक ऑडिट की आवृत्ति सहित।

14. आंतरिक ऑडिट के साथ किसी सार्थक जॉच परिणाम पर विचार विमर्श एवं उस पर निगरानी रखना।

15. आंतरिक ऑडिट द्वारा किसी मामले में जहॉ कोई संभावित घोटाला या अनियमितता या आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता जॉच रिर्पोट में सामने आती है, की समीक्षा करना और इस मामले को बोर्ड के संज्ञान में लाना।

16. ऑडिट शुरु करने से पूर्व सांविधिक ऑडिटरों के साथ ऑडिट के प्रकार एवं संभावनाओं पर विचार–विमर्श साथ ही किसी संबंधित क्षेत्र पर ऑडिट के पश्चात विचार–विमर्श।

17. निवेशकों, डिबेन्चेर धारकों, शेयर धारकों को भुगतान (घोषित डिबेंचर के भुगतान न होने की दशा में) के चूकों के कारणों का अवलोकन।

18. व्हिसिल ब्लोवर/सतर्कता प्रणाली की कार्य प्रणाली की समीक्षा।

19. आंतरिक ऑडिट/बोर्ड और/अथवा भारत सरकार द्वारा BLAC के संज्ञान में भेजे गये ऑडिट पैरा की समीक्षा और इन मामलों पर अपने सुझाव/मार्ग–दर्शन/प्रतिक्रिया प्राप्त करना ।

20. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के संबंध में सांविधिक ऑडिटरों तथा आंतरिक ऑडिटरों से समय–समय पर विचार विमर्श ।

21. जहॉ आवश्यक हो, वहाँ कुछ उचित मामलों मे बाहय स्त्रोतों से व्यावसायिक परामर्श ।

22. ऑडिट कमेटी निम्नलिखित सूचनाओं की समीक्षा भी करेगीः–

   क. प्रबंधक विचार–विमर्श और वित्तीय स्थिति का विश्लेषण एवं प्रचालनों के परिणाम।

   ख. महत्वपूर्ण संबंधित पार्टियों की विवरणिका।

   ग. सांविधिक ऑडिटरों द्वारा जारी प्रबंधनपत्रों/आंतरिक नियंत्रण कमियाँ।

   घ. आंतरिक नियंत्रण कर्मियों से संबंधित आंतरिक ऑडिट रिर्पोट।

23. ऑडिट कमेटी के संदर्भ की शर्तो में उल्लिखित अन्यि किसी भी कार्य को पूरा करना।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष एवं सदस्यों के नाम–

लिस्टिंग विनियम की अनिवार्यता के अनुपालन में ऑडिट कमेटी में कम से कम दो तिमाही सदस्य स्वतंत्र निदेशक के रूप में सम्मिलित होते हैं और एक स्वतन्त्र निदेशक समिति के अध्यक्ष होते हैं। सदस्य निदेशकों, में प्रतिष्ठित व्यवसायी होते हैं, जिन्हें वाणिज्य होते हैं, वित्त, प्रशासनिक एवं शासन क्षेत्रों का अनुभव होता है।

निदेशक का नाम	पद	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
ए.एन.रॉय, स्वतंत्र निदेशक (20.08.2017 तक)	अध्यक्ष	4	4
राजेश किशोर, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (01.09.2017 से)	2	1
	सदस्य (31.08.2017 तक)	4	4
भास्कर ज्योति महंता, सं. सचिव, डीएचआइ अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य	6	5
सुश्री हरिंदर हीरा, स्वतंत्र निदेशक (01.05.2017 से)	सदस्य	1	1
आर. स्वामीनाथन स्वतंत्र निदेशक (06.04.2017 से)	सदस्य	5	5
सुश्री सुरमा पाधी स्वतंत्र निदेशक (01.09.2017 से)	सदस्य	2	2

निदेशक (वित्त) स्थायी रूप से आमंत्रित सदस्य हैं। कम्पनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुख एवं साविधिक लेखा परीक्षा अधिकारी का प्रतिनिधि लेखा परीक्षा समिति की बैठक में आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित हो सकते हैं। लेखा परीक्षा समिति की रिपोर्ट पर विचार विमर्श के दौरान कम्पनी के लेखा परीक्षा अधिकारी और मुख्य प्रबंधकीय व्यक्ति को समिति की बैठक में अपनी बात रखने के अधिकार होंगे परंतु उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं होगा।

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

समीक्षा वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा समिति की कुल छः बैठकें दिनांक 6 अप्रैल, 2017, 29 मई, 2017, 19 जुलाई, 2017, 10 अगस्त, 2017, 7 नवम्बर, 2017 तथा 8 फरवरी, 2018 को सम्पन्न हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपरोक्त सारणी में दिया गया है।

2.4 नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

i. पारिश्रमिक नीति

चूँकि बी.एच.ई.एल. एक सार्वजनिक उपक्रम है अतः अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/क्रियागत निदेशकों की नियुक्ति तथा पारिश्रमिक का निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जाता है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/निदेशकों की नियुक्ति सम्बंधित शर्तों जो कि भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित हैं, के आधार पर निश्चित पर्क और लाभ जैसेः किराये का आवास, एचआरए का भुकतान, उत्पादन से सम्बंधित इंसेंटिव आदि बी.एच.ई.एल. के नियमों के तहत दिये जाने का प्रावधान है। अंशकालिक गैर–कार्यकारी निदेशकों को कोई भी पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है, तथापि स्वतंत्र निदेशकों को बोर्ड अथवा समिति की बैठक में उपस्थित होने हेतु बैठक शुल्क का भुगतान किया जायेगा।

ii. विचारार्थ विषय

कम्पनी अधिनियम 2013 के भाग 178 के तथा निवर्तमान सूचीकरण करार (वर्तमान सूचीकरण विनियमन) के अनुच्छेद 49 के अनुपालन में बोर्ड ने 30–मार्च–2015 से नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति (एन आर सी) का गठन किया जिसमें विचारार्थ विषय निम्नानुसार हैं:

क) ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना जो निदेशक हेतु योग्य हों व जिन्हें निर्धारित मानदंडों के अनुसार उच्च प्रबंधन में नियुक्त किया जा सकता है तथा उनके नियुक्ति अथवा कार्यमुक्ति से सम्बंधित संस्तुति बोर्ड को प्रस्तुत करना व प्रत्येक निदेशक के निष्पादन सम्बंधी मूल्यांकन करना। उच्च प्रबंधन का अर्थ है कम्पनी के वह व्यक्ति जो कोर प्रबंधन टीम के सदस्य हैं, जिनमें बोर्ड ऑफ डायरेक्टर न हों, जिसमें कार्यकारी निदेशक से एक स्तर नीचे के प्रबंधन के सभी सदस्य हों तथा जिसमें प्रभागीय प्रमुख भी शामिल हों।

ख) निदेशक सम्बंधी योग्यता, सकारात्मक गुणों और स्वतंत्रता आदि के निर्धारण हेतु मानदंड तैयार करना, तथा अधिनियम/सूचीबद्ध विनियमों/डी.पी.ई. निर्देशों में दिए गए प्रावधानों के अनुपालन में निदेशकों, मुख्य प्रबंधकीय व्यक्तियों व अन्य कर्मचारियों के पारिश्रमिक से संबंधी नीति की संस्तुति बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करना।

ग) स्वतंत्र निदेशकों एवं बोर्ड के मूल्यांकन हेतु मानदंड तैयार करना।

घ) बोर्ड में विविधता हेतु नीति तैयार करना ।

ड.) बी.एच.ई.एल. की सहायक कम्पनियों तथा अन्य सरकारी संस्थाओं में बी.एच.ई.एल. अधिकारियों के नामांकन की संस्तुति बोर्ड को भेजना जिसे डी.एच.आई. के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व बी.एच.ई.एल. बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है।

च) पूर्णकालिक निदेशकों को दिये जा रहे विशेष पारिश्रमिक पैकेजों, अनुलाभों जैसे पेंशन अधिकार और अन्य मुआवजा भुगतान जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा नियत नहीं किया गया है, का निरीक्षण करना।

छ) पूर्णकालिक निदेशकों हेतु निश्चित अनुलाभों को अनुमोदित करना जो कि बोर्ड के अधिकार के अंतर्गत है। मुख्य समूहों जैसे इंसेंटिव/लाभ, बोनस, स्टॉक ऑप्शन, पेंशन इत्यादि।

ज) परिलब्धियों, लाभों एवं अन्य संबंधित मामलों में नीति तैयार करना जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा नहीं तय किया गया है पर वे बोर्ड की शक्तियों के अधीन आते हैं।

प) निष्पादन मानदंडों पर आधारित नियत घटकों एंव निष्पादन संबंधी प्रोत्साहनों का अनुमोदन।

झ) गैर कार्यकारी निदेशको की भुगतान हेतु मानदंड तैयार करना।

ञ) गैर–कार्यकारी निदेशकों जिनमें स्वतंत्र निदेशक भी शामिल हैं, को दी जाने वाली फीस/क्षतिपूर्ति/स्टॉक ऑप्शन यदि कोई हो की संस्तुति निदेशक मंडल/शेयर धारकों को करना ।

ट) समस्त कार्यपालकों, श्रमिक संघों से असंबद्ध पर्यवेक्षकों को बोनस/अस्थायी लाभ के लिए नीति एवं वितरण तय करना ।

ठ) एनआरसी के विचारार्थ विषयों से संबंधित किसी अन्य कार्यों को करना

एमसीए की दिनांक 5 जून, 2015 की अधिसूचना में दिया गया है कि कंपनी अधिनियम, 2013 में वर्णित निदेशकों के निष्पादन मूल्यांकन सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होंगे ।

iii. समिति का संगठन, अध्यक्ष एवं सदस्यों के नाम

नामांकन एवं पारिश्रामिक समिति का दिनांक 1 सितंबर, 2017 को पुनर्गठन किया गया था। समिति में निम्नलिखित निदेशकगण शामिल हैं :

निदेशक का नाम	पद
सुश्री हरिन्दर हीरा, स्वतंत्र निदेशक (01.08.2017 तक)	अध्यक्ष
ए.एन.रॉय, स्वतंत्र निदेशक (20.08.2017 तक)	अध्यक्ष (15.05.2017 से)
	सदस्य (14.05.2017 तक)
केशव एन. देशीराजू स्वतंत्र निदेशक (06.04.2017 से)	अध्यक्ष (01.09.2017 से)
	सदस्य (31.08.2017 तक)
डा. सुभाष चन्द्र पाण्डे एसएस और एफए, अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य
भास्कर ज्योती महंता सं. सचिव, डीएचआइ स्वतंत्र निदेशक	सदस्य
राजेश किशोर स्वतंत्र निदेशक (01.09.2017 से)	सदस्य

निदेशक (मा.सं.) स्थायी आमंत्रित हैं। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है ।

iv. बैठकें एवं उपस्थिति

नामांकन एवं पारिश्रामिक समिति की समीक्षाधीन वर्ष में कोई बैठक नहीं हुई है।

v. 2017–18 के दौरान कार्यकारी निदेशकों के पारिश्रामिक का ब्यौरा निम्नवत है :

(रुपयों में)

क्र. सं	अध्यंक्ष का नाम	वेतन	सेवा निवृत्ति लाभ	अन्य लाभ	कुल	सेवा अनुबंध/ नोटिस अवटधि शुल्कध
1.	अतुल सोबती	45,48,727	7,22,709	45,274	53,16,710	..
2.	डी बद्योपाध्याय	40,43,764	6,69,543	5,65,639	52,78,946	रोटेशन के अंतर्गत सेवानिवृत्ति
3.	अमिताभ माथुर	44,15,138	6,87,973	41,314	51,44,424	रोटेशन के अंतर्गत सेवानिवृत्ति
4.	सुब्रत बिस्वास	34,58,104	6,66,675	4,62,687	45,87,466	रोटेशन के अंतर्गत सेवानिवृत्ति
5.	टी चोक्कलिंगम (31.11.2017तक)	37,07,770	4,20,496	4,33,751	45,62,017	.....
6.	अखिल जोशी	38,55,462	6,70,877	5,70,429	50,96,768	रोटेशन के अंतर्गत सेवानिवृत्ति

vi. 2017–18 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों को किए गए भुगतान का ब्यौरा

(रुपयों में)

अध्यक्ष का नाम	सीटिंग फीस		कुल
	बोर्ड की बैठक	समिति की बैठक	
सुश्री हरिन्दकर हीरा	20,000/-	30,000/-	50,000/-
श्री ए एन राय	1,00,000/-	75,000/-	1,75,000/-
श्री राजेश किशोर	1,60,000/-	1,50,000/-	3,10,000/-
श्री केशव एन देसीराजू	1,80,000/-	30,000/-	2,10,000/-
श्री आर स्वामीनाथन	1,80,000/-	1,50,000/-	3,30,000/-
सुश्री सुरमा पाधी	1,80,000/-	1,65,000/-	3,45,000/-
श्री देश दीपक गोयल	80,000/-	30,000/-	1,10,000/-
श्री रंजीत रे	80,000/-	15,000/-	95,000/-

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान स्वतन्त्र निदेशक, बोर्ड मीटिंग में भाग लेने के लिए 20,000/– प्रति बैठक और बोर्ड स्तर की मीटिंग में भाग लेने के लिए 15,000/– प्रति बैठक के लिए हकदार है।

vii. निदेशकों द्वारा इक्विटी शेयरों का स्वामित्व

नीचे दर्शाए गए विवरण के अतिरिक्त – किसी भी निदेशक के पास बीएचईएल के इक्विटी शेयर नहीं है (31 मार्च 2018 की स्थिति)

निदेशक का नाम	कुल शेयरों की संख्या
श्री अतुल सोबती	2250
श्री अखिल जोशी	15

कम्पनी द्वारा 2017–18 में कोई स्टॉक ऑप्शन जारी नहीं किया गया है।

2.5 शेयर धारक समिति

2.5.1 हितधारक संबंध समिति

i. विचारार्थ विषय

कंपनी अधिनियम 2013 एवं पुराने सूचीबद्ध समझौते के अनुरूप निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 12 मई 2014 को शेयरधारक/ निवेशक शिकायत समिति का हितधारक संबंध समिति के नाम पर पुनर्गठन कियागया है । समिति सूचीबद्ध विनियमों का भी अनुपालन सुनिश्चित करती है। समिति शेयरधारकों की शिकायतों का भी निवारण करती है, जिसमें शेयर अंतरण संबंधी शिकायतें, तुलन–पत्र प्राप्ति न होना, घोषित लाभांश न मिलना आदि शामिल हैं।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष एवं सदस्यों के नाम

हितधारक संबंध समिति का दिनांक 6 अप्रैल, 2017 को पुनर्गठन किया गया था।

निदेशकों का नाम श्री	पद	बैंठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	बैंठकों में शामिल
आर. स्वामीनाथन स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	4	4
भास्कर ज्योति मोहंता सं. सचिव, भारी उद्योग विभाग अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य	4	1
सुश्री सुरमा पाधी स्वतंत्र निदेशक (06–04–2017 से)	सदस्य	4	4
निदेशक (मानव संसाधन)	सदस्य	4	4
निदेशक (वित्त)	सदस्य	4	4

समिति में निम्नालिखित निदेशक हैं :

कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में काम करता है

श्री आई.पी. सिंह, कंपनी सचिव सेबी (सूचीबद्ध वाध्यता एवं डिस्क्लोजर्स आवश्यकता) विनिमय 2015 से संबंधित अनुपालन अधिकारी हैं।

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

समिति की समीक्षाधीन वर्ष में 20 मई 2017, 18 जुलाई 2017, 7 नवम्बर 2017 एवं 8 फरवरी 2018 को चार बैठके हुई, प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का ब्यौरा उपर टेबल में दिखाया गया है।

शेयरधारकों की शिकायतों का विवरण

कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्राइवेट लिमिटेड ने समीक्षाधीन वर्ष मे सेबी (SEBI) को शेयरधारकों द्वारा प्राप्त हुई कुल 916 शिकायतों का ब्यौरा दिया है एवं 31 मार्च 2018 तक की सभी शिकायतों का निवारण कर दिया गया है। रिपोर्ट की अवधि की कोई भी शिकायत लम्बित नही है।

2.5.2 शेयर अंतरण समिति

बोर्ड द्वारा 25 मार्च 1992 को शेयर अंतरण समिति का गठन किया गया था। निदेशक मंडल द्वारा 1 अगस्त 2014 को समिति के विचारार्थ विषयों का संशोधन किया गया है। शेयर अतंरण समिति शेयर संबंधी मामलो जैसे – स्थानांतरण, शेयर विभाजन, समेकन, शेयर प्रमाण पत्रों की प्रतिलिपि जारी करना आदि पर विचार एवं अनुमोदन करती है। शेयर अंतरण समिति का दिनांक 01 सितम्बर 2017 में पुनर्गठन किया गया था। एवं इसमें निदेशक (मानव संसाधन) अध्यक्ष एवं निदेशक (ई आर एण्डश डी) व निदेशक (वित्त) सदस्य हैं।

2017–18 के दौरान बैठकें

शेयर अंतरण समिति की वर्ष में कुल 11 बैठकें हुई बैठक के कार्यवृत्ति समय–समय पर निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुीत किए जाते है।

2.6 कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के लिए बोर्ड स्तर की समिति

i. विचारार्थ विषय

सीपीएसई के कॉरपोरेट दायित्वों संबंधी डीपीई के दिशा निर्देशों कर अनुपालन करते हुए बोर्ड द्वारा सी एस आर के क्रियाकलापों पर समय–समय पर निगरानी हेतु 25 नवम्बर (2010 को सी एस आर पर बोर्ड स्तरीय उच्च समिति का गठन किया गया है। समिति को वर्तमान में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्वों संबंधी बोर्ड स्तरीय समिति के नाम से जाना जाता है निदेशक मंडल की 12 मई 2014 को हुई बैठक में कंपनी अधिनियम 2013 की आवश्यकताओं के अनुरूप समिति का पुनर्गठन किया गया है समिति के विचारार्थ विषय निम्न हैं :–

1. कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व नीति का निर्माण एवं बोर्ड के समक्ष इसकी सिफारिश मात्र जिसमें कंपनी अधिनियम 2013 की सदस्या अनुसूची में इस संबंध में कार्यकलापों को लिया जाता है ।
2. भाग एक मे लिए गए कार्यकलापों के प्रोजेक्ट प्रोग्राम एवं व्यय राशि की संस्तुति
3. सी एस आर कार्यकलापों की समय–समय पर निगरानी करना और

4. भारत सरकार द्वारा कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत् विकास के लिए समय समय पर जारी निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

ii. गठित समिति सदस्यों एवं अध्यक्ष के नाम

समिति का पुर्नगठन दिनांक 10 अक्टूबर 2017 को किया गया था समिति मे निम्ननलिखित निदेशक सम्मिलित हैं

निदेशकों के नाम सर्वश्री	पद	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठक	उपस्थिति
सुश्री हरिन्द्र हीरा, स्वतंत्र निदेशक(01.05.2017)	अध्यक्ष	1	
राजेश किशोर स्वतंत्र निदेशक (06.04.2017 से प्रभारी)	अध्यक्ष (15.05.2017 से)	3	3
	सदस्य (14.05.2017)	0	0
भास्कर ज्योति मोहन्ता। सयुंक्ति सचिव भारी उद्योग विभाग अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य	4	3
रंजित रे स्वतंत्र निदेशक 10.10.2017 से	सदस्य	1	1
निदेशक (वित्त)	सदस्य	4	4
निदेशक (मानव संसाधन)	सदस्य	4	4

प्रमुख (सीएसआर) – कार्यपालक निदेशक/महाप्रबंधक (प्रभारी), कॉरपोरेट कार्यालय स्थायी आमंत्रित हैं। कंपनी सचिव, समिति के सचिव हैं ।

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

वर्ष के दौरान समिति की 4 बैठकें दिनांक 06.04.2017 18.07.2018 10.10.2017 और 08.02.2018 को आयोजित की गई बैठकों मे निदेशकों की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका मे दिया गया है

2.7 मानव संसाधन समिति

i. विचारार्थ विषय

विशेष रूप से निम्नलिखित मामलों के अवलोकन हेतु बोर्ड द्वारा मानव संसाधन समिति का गठन 31–05–2006 को किया गयाः–

क. कार्यपालकों की पदोन्नति और रिवार्ड/इन्सेन्टिव के संबंध में विद्यमान नीतियों का पुनरीक्षण।

ख. बदलते हुए व्यापारिक वातावरण के लिए बीएचईएल को तैयार करने के लिए अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन परिवर्तनों का परामर्श देना।

ii. गठित समिति सदस्यों एवं अध्यक्ष के नाम

समिति का पुर्नगठन दिनांक 2017 को किया गया। समिति में निम्नलिखित निदेशक सम्मिलित हैं :

निदेशकों के नाम सर्वश्री	पद	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	उपस्थिति
राजेश किशोर, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	1	1
रंजित रे, स्वतंत्र निदेशक (10.10.2017 से)	सदस्य	0	0
निदेशक (वित्त)	सदस्य	1	1
निदेशक (मानव संसाधन)	सदस्य	1	1

प्रमुख (मा.सं.) – कार्यपालक निदेशक/महाप्रबंधक प्रभारी, कार्पोरेट कार्यालय स्थायी आमंत्रित हैं। कम्पनी सचिव, समिति के सचिव हैं।

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

वर्ष के दौरान समिति की दिनांक 9 अगस्त 2017 को एकमात्र बैठक हुई। उपरोक्त टेबल में प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का ब्यौरा दिया गया है

2.8 स्वतंत्र निदेशकों की समिति

i. विचारार्थ विषय

बोर्ड द्वारा डीपीई कार्यालय ज्ञापन दिनांक – 28.12.2012 के अनुसरण में केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम एन्टरप्राइजेज के गैर सरकारी निदेशकों के आदर्श भूमिका एवं उत्तरदायित्व के लिए, स्वतंत्र निदेशकों की एक समिति गठित की गई है, जो कि कम्पनी अधिनियम, 2013 एवं लिस्टिंग विनियमन के शेड्यूल की आवश्यकता का अनुपालन भी है।

ii. कंपनी की संरचना एवं समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों¦ का नाम

समिति में निम्नीलिखित स्वततंत्र निदेशक शामिल है :

निदेशकों के नाम श्री / सर्वश्री	पद	बैठकों की संख्या	
		अपने का कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
सुश्री हरिंदर हीरा (01.05.2017 तक)	अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक का नेतृत्व	0	0
ए.एन.राय (20.08.2017 तक)	अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक का नेतृत्व 15.05.2017 से प्रभावी	1	1
	सदस्य 14.05. 2017 तक)	0	0
राजेश किशोर	अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक का नेतृत्व	0	0
	(01.09.2017 से प्रभावी)	1	1
केशव एन. देसीराजू	सदस्य	1	1
आर स्वामीनाथन	सदस्य	1	1
सुश्री सुरमा पाधी	सदस्य	1	1
देश दीपक गोयल (23.09.2017 से प्रभावी)	सदस्य	0	0
रंजीत रे (23.09.2017 से प्रभावी)	सदस्य	0	0

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

समिति ने वर्ष के दौरान एक बार 10 अगस्त् 2017 को मुलाकात किया. उपरोक्ते तालिका में प्रत्ये1क सदस्योंए का उपस्थिति विवरण दिया गया है।

2.9 बोर्ड स्तर जोखिम प्रबंधन समिति

i. विचारार्थ विषय

पूर्व सूचीकरण समझौते के साथ (अब सूचीकरण विनियमन) बोर्ड निदेशकों द्वारा 14 नवम्बर 2014 को को बोर्ड स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया। समिति के विचारार्थ विषय नीचे दिए गए है :

(i) जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन कंपनी की जोखिम प्रशासन संरचना और जोखिम प्रबंधन ढांचा, दिशानिर्देश, नीतियों और जोखिम निर्धारण हेतु प्रक्रियाओं की समीक्षा करना

(ii) पहचान किए गए प्रमुख जोखिमों के साथ–साथ निगरानी और इस तरह के जोखिमों को कम करने हेतु प्रक्रियाओं से संबंधित कंपनी जोखिम शमन रणनीतियों की समीक्षा करना।

(iii) समिति की गतिविधियों की सूचना हेतु बोर्ड को रिपोर्ट करे और अनुमोदन के लिए बोर्ड को प्रस्तावित परिवर्तन, यदि कोई हो, की सिफारिश करें।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष एवं सदस्यों का नाम

समिति में निम्नलिखित स्वतंत्र निदेशक शामिल हैं :

निदेशकों के नाम श्री / सर्वश्री	पद	बैठकों की संख्या	
		अपने का कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
एस एस और एफए, डीआईपीपी, अंशकालिक अधिकारिक निदेशक	अध्यक्ष	1	1
केशव एन. देसीराजू, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	1	1
निदेशक (आईएस एवं पी)	सदस्य	1	0
निदेशक (वित्त)	सदस्य	1	1
निदेशक (पावर)	सदस्य	1	1
अध्यक्ष, जोखिम प्रबंधन संचालन समिति	सदस्य	1	1
मुख्य जोखिम अधिकारी	सदस्य और संयोजन	1	1

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

समिति ने वर्ष के दौरान एक बार 18 जुलाई, 2017 को मुलाकात किया. उपरोक्त तालिका में प्रत्ये1क सदस्यों का उपस्थिति विवरण दिया गया है।

2.10 मध्यस्थता और प्रमुख कानूनी विवाद पर समिति

i. विचारार्थ विषय

26 मई, 2015 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल ने मध्यस्थता मामलों के साथ–साथ प्रमुख कानूनी विवादों की विस्तृत समीक्षा के लिए मध्यस्थता और प्रमुख कानूनी विवादों पर समिति गठित की और उसके बाद बोर्ड को अनुमोदित किया।

ii. समिति की संरचना, अध्यबक्ष एवं सदस्यों का नाम

समिति का आखिरी बार पुनर्गठन 10 अक्टूबर 2017 को किया गया था। समिति में निम्नीलिखित निदेशकों को शामिल किया गया :

निदेशकों के नाम श्री/सर्वश्री	पद	बैठकों की संख्या	
		अपने का कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
सुश्री हरिंदर हीरा, स्वतंत्र निदेशक (01.05.2017 तक)	अध्यक्ष	0	0
सुश्री सुरमा पाधी, स्वतंत्र निदेशक, (06.04.2017 से प्रभावी)	अध्यक्ष (15.05.2017 से प्रभावी)	4	4
	सदस्य (14.05.2017 तक)	0	0
भास्कर ज्योति मोहंता जेएस, डीएचआई, अंशकालिक अधिकारिक निदेशक	सदस्य	4	3
देश दीपक गोयल, स्वतंत्र निदेशक, (10.10.2017 से प्रभावी)	सदस्य	2	2
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	4	4

प्रमुख (विधि) समिति के संयोजक हैं और समिति द्वारा समीक्षा हेतु आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करता है।

iii. बैठकें एवं उपस्थिति

समिति ने वर्ष के दौरान चार बार 29 मई, 2017, 09 अगस्त 2017, 06 नवम्बर, 2017 और 08 फरवरी 2018 को मुलाकात की। उपरोक्त तालिका में प्रत्येक सदस्यों का उपस्थिति विवरण दिया गया है।

2.11 विलय और अधिग्रहण पर बोर्ड स्तरीय समिति

i. विचारार्थ विषय, समिति की संरचना, अध्यक्ष और सदस्यों का नाम

समिति का गठन विलय, अधिग्रहण और संस्थाओं के अधिग्रहण से संबंधित प्रस्तावों की व्यवहार्यता की जांच हेतु किया गया था और अंतिम बार 10 अक्टूबर, 2017 को पुनर्निर्मित किया गया था। समिति में निम्नलिखित निदेशकों का समावेश है:

निदेशक का नाम श्री/सर्वश्री	पद
भास्कर ज्योति मोहंता, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक अधिकारिक निदेशक	अध्यक्ष
केशव एन. देसीराजू , स्वतंत्र निदेशक	सदस्य
देश दीपक गोयल, स्वतंत्र निदेशक, (10.10.2017 से प्रभावी)	सदस्य
निदेशक (आईएस एवं पी)	सदस्य
निदेशक (वित्त)	सदस्य
निदेशक (ई,आर एवं डी)	सदस्य
निदेशक (पावर)	सदस्य
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य

एम एवं ए विभाग के प्रमुख स्थायी रूप से आमंत्रित है। कंपनी सचिव समिति को सचिवालय समर्थन प्रदान करता है।

ii. बैठकें एवं उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विलय और अधिग्रहण पर बोर्ड स्तरीय समिति की कोई बैठक नहीं हुई।

2.12 सामान्यक बैठकें

i. पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों के स्थान एवं समय

वर्ष	स्थान	दिनांक	समय
वि.व. 2014–15 (51वीं एजीएम)	एफआईसीसीआई ऑडिटोरियम, बाराखंबा रोड, (तानसेन मार्ग) नई दिल्ली –110001	22, सितम्बर 2015	10.00 बजे पूर्वा.
वि.व. 2015–16 (52वीं एजीएम)	मानेकशॉ सेंटर, परेड रोड, खैबर लाइंस, दिल्ली कैन्ट, दिल्ली –110010	22 सितम्बर, 2016	10.00 बजे पूर्वा.
वि. व. 2016–17 (53वीं तक एजीएम)	मानेकशॉ सेंटर, परेड रोड, खैबर लाइंस, दिल्ली कैन्ट, दिल्ली –110010	22, सितम्बर 2017	10.00 बजे पूर्वा.

ii. पिछले तीन एजीएम में पारित विशेष प्रस्तावों का विवरण

सेबी परिपत्र क्रमांक सआईआर/सीएफडी/नीति सेल/2/2014 दिनांक 17 अप्रैल, 2014 के अनुरूप 22 सितम्बर, 2015 को आयोजित विशेष 51वीं वार्षिक आम सभा में पूर्व सामग्री से संबंधित पार्टी लेनेदेन की मंजूरी हेतु रायचूर पावर कॉपोरेशन लिमिटेड, बीएचईएल के एक संयुक्ता उद्यम, के साथ ₹6,300 करोड़ के मूल्य पर 2,800 मेगावाट यरामारस पावर प्रोजेक्ट हेतु मुख्य संयंत्र उपकरण की आपूर्ति एवं सेवाओं के आदेश हेतु, एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया था,

iii. डाक मतपत्र

पिछले वर्ष डाक मतपत्र के माध्यम से कोई विशेष प्रस्ताव पारित नहीं किया गया था। डाक मतपत्र के माध्यम से ऐसा कोई प्रस्ताव पेश करने का प्रस्ताव नहीं है।

2.13 डिस्क्लोसर

i. भौतिक रूप से संबंधित महत्वरपूर्ण पार्टी लेनदेन पर खुलासा जोकि कंपनी बड़े पैमाने पर कंपनी के हितों के विरूद्ध हो सकते हैं।

कंपनी ने भौतिक रूप से किसी भी महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेनदेन (आरपीटी) में प्रवेश(इंटर्ड) नहीं किया है, जोकि बडें पैमाने पर कंपनी के हितों के विरूद्ध हो सकते हैं संभावित टकराव हो सकता है। फिर भी, संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन नोट 38 के बिंदु संख्या 11 में खुलासा किया गया है – वार्षिक रिपोर्ट में खातों पर नोट्स।

ii. पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित कंपनी पर गैर–अनुपालन जुर्माना और प्रतिबंध (स्ट्रीसक्चपर) लगाया गया

पिछले तीन वर्षों में कंपनी पर ना कोई जुर्माना या प्रतिबंध लगाया गया है और न ही इस तरह कोई अनुपालन हुआ है। कंपनी ने कानून के अनुपालन और उनकी अनुरूपता के संबंध में उच्चतम मानकों को निर्धारित किया है और सभी अनुपालन कानून द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर ही किए जाते हैं।

iii. व्हिस्ल ब्लोअर पॉलिसी

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों हेतु कारपोरेट शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों और सूचीबद्ध कंपनियों और स्टॉक एक्सचेंजों और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के बीच लिस्टिंग समझौते के क्लॉज 49 के अनुसार, एक विस्तृत व्हिस्ल ब्लोअर पॉलिसी का प्रारूप कंपनी द्वारा तैयार किया गया था और इसे 12 अगस्त 2014 को आयोजित 464वीं बैठक में निदेशक मंडल द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया था। नीति सूचीबृद्ध विनियमों के अनुरुप भी है। इसके बाद, एक परिपत्र जो व्हिस्ल ब्लोअर पॉलिसी और सक्षम प्राधिकारी को संपर्क विवरण सूचित करता हो और सभी कर्मचारियों को सूचना हेतु अध्यक्ष, लेखा परीक्षा समिति द्वारा जारी किया गया था।

व्यापक प्रचार हेतु कंपनी की वेबसाइट www-bhel.com पर व्हिस्ल ब्लोअर पॉलिसी की एक प्रति भी अपलोड की गई है। सक्षम अधिकारी का पता, संपर्क सूत्रों और ई–मेल पता परिवर्तन और जो अध्यक्ष, लेखा परीक्षा समिति को समय–समय पर अधिसूचित किया जा रहा है।

इस संबंध में दिशानिर्देशों के अनुसार नीति के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों को संसाधित किया जा रहा है और लेखापरीक्षा समिति तक पहुंचने से किसी भी कर्मचारी को इंकार नहीं किया गया है।

iv. कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशा निर्देशों की आवश्यकताओं के अनुपालन का विवरण और लिस्टिंग विनियमों की उन कॉर्पोरेट प्रशासन अपेक्षाओं को अपनाना, जो अनिवार्य नहीं हैं।

सीपीएसई और सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं), 2015 के लिए बोर्ड द्वारा स्वतंत्र निदेशकों की संख्या को छोड़कर कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों की सभी अनिवार्य आपेक्षाओं का विधिवत अनुपालन किया गया है।

सूचीबद्ध लिस्टिंग विनियमों के तहत गैर–अनिवार्य आपेक्षाओं के संबंध में, बीएचईएल पहले से ही गैर–संशोधित ऑडिट राय के वित्तीय विवरणों की व्यवस्था में है।

लेखा बही में कोई व्यय नहीं किया गया है जो व्यवसाय के उद्देश्य हेतु नहीं है और कोई खर्च नहीं किया गया है जो प्रकृति में निजी हैं और निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए जिम्मेदार हैं।

v. अध्यक्षीय निर्देश

सीपीएसई के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस पर सेबी रेगुलेशन 2015 और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन में, बीएचईएल ने एक बोर्ड को जोखिम प्रबंधन चार्टर को मंजूरी दे दी है। सेबी रेगुलेशन 2015 और सीपीएसई हेतु कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन में, बीएचईएल ने बोर्ड सदस्यों को जोखिम मूल्यांकन और न्यूनीकरण के बारे में सूचित करने हेतु प्रक्रियाओं को निर्धारित करने के लिए जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति निर्धारित की है। चार्टर का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य पूरी कंपनी में एक संरचित और व्यापक जोखिम प्रबंधन प्रणाली को लागू करना है जो यह सुनिश्चित करता है कि जोखिमों की उचित पहचान और प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा रहा है। जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया में जोखिम पहचान, जोखिम आकलन, जोखिम अवमूल्यन, जोखिम शमन और नियमित समीक्षा एवं जोखिमों की निगरानी शामिल है।

बीएचईएल ने बोर्ड स्तर जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) को कंपनी की जोखिम गवर्नेंस संरचना, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशानिर्देशों, नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसके अलावा, जोखिम प्रबंधन संचालन समिति (आरएमएससी) कंपनी भर में जोखिम प्रबंधन पहल की ओर ले जाती है। आरएमएससी के सदस्य, कार्यपालक निदेशक कॉर्पोरेट कार्यों और व्यापार क्षेत्रों से कार्यात्मक प्रमुख शामिल हैं, जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और कार्यान्वित करने हेतु जिम्मेदार हैं। विभागीय स्तर पर, व्यावसायिक क्षेत्रों पर जोखिम प्रबंधन समितियाँ जोखिम प्रोफाइल की समीक्षा और जोखिम शमन योजनाओं को संबंधित इकाईयों क्षेत्रों कार्यान्वयन हेतु जिम्मेदार है ।

vii. कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर अनुपालन प्रमाण पत्र

कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर अनुपालन प्रमाण पत्र संलग्न है।

2.14 संचार के माध्यम

जैसा कि सूचीबृद्ध विनियमों के तहत आवश्यक है, कंपनी बोर्ड मीटिंग्स के स्टॉक एक्सचेंजों को अग्रिम में ही एक नोटिस जारी करती है जिसमें अवांछित लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम विचाराधीन हैं। इसके अलावा, कहा गया परिणाम रिकॉर्ड अनुमोदित होने के तुरंत बाद स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया जाता है। ये अनुमोदित वित्तीय परिणाम संपूर्ण या पर्याप्त रूप से पूरे भारत में प्रसारित होने वाले कम से कम एक अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में बोर्ड या समिति की बैठक के समापन के 48 घंटों के भीतर प्रकाशित होते हैं और क्षेत्रीय भाषा में प्रकाशित एक दैनिक समाचार पत्र में, जहां पंजीकृत कंपनी का कार्यालय स्थित है और कंपनी की वेबसाइट (www-bhel-com) पर भी अपलोड किया गया है ।

शेयरधारकों से संबंधित अन्य जानकारी जैसे निदेशालय में परिवर्तन, अवैतनिक लाभांश का विवरण, वार्षिक रिपोर्ट इत्यादि, कंपनी की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित होते हैं। महत्वपूर्ण घटनाओं सहित आधिकारिक समाचार विज्ञप्तियां जैसे प्रमुख कार्यक्रमों, प्रमुख आदेशों की प्राप्ति, महत्वपूर्ण परियोजनाओं, महत्वपूर्ण सहयोग, अन्य सामग्री कार्यक्रम इत्यादि कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट की जाती हैं और साथ ही स्टॉक एक्सचेंजों को भेजी जाती हैं। जबकि 2017–18 के दौरान बीएचईएल ने विश्लेषकों या निवेशकों को वित्तीय परिणामों पर कोई प्रस्तुति नहीं दी है, वहीं स्टॉक एक्सचेंजों को पूर्व सूचना के साथ तिमाही टेली कॉनफ्रेंस आयोजित की गई थी और इसे वैसा ही वेबसाइट पोस्ट किया गया था। बीएचईएल ने समय–समय पर निवेशक या विश्लेषक फर्मों द्वारा आयोजित निवेशक सम्मेलनों में भी भाग लिया है।

सूचीबृद्ध विनियमों के विनियमन अनुपालन 46 में, कंपनी अपनी वेबसाइट की जानकारी पर प्रसारित करती है, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ निदेशक मंडल की विभिन्न समितियों की संरचना, आचरण संहिता, आरपीटी से निपटने वाली नीति, निवेशक शिकायतों का निवारण और सहायता हेतु जिम्मेदार कंपनी के नामित अधिकारियों की संपर्क जानकारी आदि शामिल है।

भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के "ग्रीन इनिशिएटिव" के अनुसरण में कंपनी वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक आम बैठक आयोजित करने वाली सूचना उन शेयरधारकों को ईमेल के माध्यम से भेजती है जिन्होंने जमाकर्ता प्रतिभागियों आरटीए के साथ अपनी ईमेल आईडी पंजीकृत की है और वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति का चयन नहीं किया है। इस पहल की निरंतर सफलता हेतु, शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने ईमेल आईडी को अपने डिपोजिटरी प्रतिभागियों आरटीए के साथ पंजीकृत करें।

2.15 सामान्य शेयरधारक जानकारी

i	**एजीएम**	**समय**	**स्थान**
	19, सितम्बर	पूवा. 10.00 बजे	मानेकशॉ सेंटर, पराडे रोड, खैबर लाइंस, दिल्ली कैंट, दिल्ली–110010
ii	**वित्तीय वर्ष**	1 अप्रैल, 2017 से 31, मार्च 2018	
iii	**बुक क्लोजर की तिथियां**	13 सितम्बर, 2018 से 19 सितम्बर 2018 (दोनों दिन शामिल)	
iv	**लाभांश भुगतान तिथि**	18, अक्टूबर 2018 को या उससे पहले	

v. **लाभांश इतिहास :**

बीएचईएल 1976–77 से लगातार लाभांश का भुगतान कर रहा है। पिछले आठ वर्षों में बीएचईएल द्वारा भुगतान किए गए लाभांश का विवरण निम्नानुसार हैं:

वर्ष	लाभांश की दर	लाभांश भुगतान की कुल राशि	दिनांक जिस पर जाभांश घोषित किया गया था
2009.2010 **(अंतिम)**	123%	602.11	17, सितम्बर, 2010
2010.2011 **(अंतरिम)**	132.50%	648.62	15, मार्च, 2011*
2010.2011 **(अंतिम)**	179%	876.24	20, सितम्बर, 2011
2011.2012 **(अंतरिम)**	136%	665.75	02, मार्च, 2012*
2011.2012 **(अंतिम)**	184%	900.72	19, सितम्बर, 2012
2012.2013 **(अंतरिम)**	106%	518.89	01, फरवरी, 2013*
2012.2013 **(अंतिम)**	164.50%	805.26	20, सितम्बर, 2013
2013.2014 **(अंतरिम)**	65.50%	320.64	05, फरवरी, 2014*
2013.2014 **(अंतिम)**	76%	372.04	9, सितम्बर, 2014
2014.2015 **(अंतरिम)**	27%	132.17	12, फरवरी, 2015*
2014.2015 **(अंतिम)**	31%	151.75	22, सितम्बर, 2015
2015.2016 **(अंतिम)**	20%	97.90	22, सितम्बर, 2016
2016.2017 **(अंतरिम)**	40%	195.81	07, फरवरी, 2017*
2016.2017 **(अंतिम)**	39%	190.92	22, सितम्बर, 2017
2017.2018 **(अंतरिम)**	40%	293.72	08, फरवरी, 2018*
2017.2018 **(अंतिम)**	51%	374.48	**

* निदेशक मंडल की बैठक की तारीख जिसमें अंतरिम लाभांश

** 29.05.2018 को आयोजित 497वी बैठक में बोर्ड ने 2017–18 हेतु अंतरिम लाभांश की सिफारिश, एजीएम में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन।

नोट:

(1) 4 अक्तूबर 2011 से प्रभावी के अनुसार विभाजित, बीएचईएल के शेयरों की संख्या ₹10/– प्रत्येक के 48.952 करोड़ से ₹2/– प्रति के 244.76 करोड़ में बढ़ी।

(2) कंपनी ने 3 अक्तूबर, 2017 को 1:2 के अनुपात में अपने शेयरधारकों को बोनस इक्विटी शेयर आवंटित किए है। प्रत्येक दो पूर्णताः चुकता किए गए ₹2/– के इक्विटी शेयर हेतु एक पूर्णताः चुकाया गया नया इक्विटी शेयर। इसके फलस्वोरूप, शेयरों की कुल संख्या ₹244.76 करोड़ से बढ़कर 367.14 करोड़ हो गई है।

(3) यदि किसी शेयरधारक ने पिछले सात वर्षों में से किसी के लिए भी लाभांश प्राप्त/दावा नहीं किया है और इसे अभी तक निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईपीएफ) में हस्तांतरित नहीं किया गया है, तो कंपनी की वेबसाइट **(www-bhel-com)** अपलोड की गई प्रक्रिया का पालन करके इस अदत्त लाभांश का दावा कर सकता है। वर्ष 2009–10 (अंतिम) हेतु अदावी लाभांश वर्ष 2017–18 के दौरान पहले से ही निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईपीएफ) में हस्तांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा, वर्ष 2010–11(अंतरिम) और 2010–11 (अंतिम) हेतु अदत्त लाभांश क्रमशः 18, अप्रैल, 2018 और 21 अक्तूबर, 2018 आईपीएफ में हस्तांतरित हेतु देय।

(4) आईपीएफ में हस्तांरित किए गए लाभांश/शेयरों के संबंध में, जिसका शेयरधारक आईपीएफ प्राधिकरण (लेखांकर, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और वापसी) नियम, 2016 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आईपीएफ प्राधिकरण से दावा कर सकते हैं। यह नियम आईपीएफ की वेबसाइट (www- iepf-gov-in) और कंपनी की वेबसाइट (www-bhel-com) पर उपलब्ध है।

vi. क) स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक कोड पर सूचीबद्ध

बीएचईएल के शयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध है जिनका सूचीबद्ध शुल्क 2017–18 हेतु भगतान कर दिया गया है :

स्टॉक एक्सचेंज के नाम	स्टॉक कोड
1. बीएसई लिमिटेड, फिरोज जीजीभाय टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, मुम्बई – 400 001	500103
2. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, एक्सचेंज प्लाजा, प्लॉट नं. सी/1, ब्लॉक –जी, बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (ईस्ट), मुम्बई – 400051	बीएचईएल

ख) जमाकर्ताओं को वार्षिक कस्टोडियन शुल्क

वित्तीय वर्ष 2017–18 हेतु वार्षिक कस्टोडियन शुल्क एनएसडीएल और सीडीएसएल को भुगतान कर दिया गया है

vii. वित्तीय वर्ष 2017–18 में प्रत्येक माह के दौरान बाजार सूचकांक और बीएचईएल शेयरों का उच्च, निम्न, बंद और वाल्यूम बीएसई और एनएसई पर दर्शाया गया है:

बाजार डेटा : वित्तीय वर्ष 2017–18 में प्रत्येक माह के दौरान उच्च, निम्न, बंद बीएसई एनएसई

	बीएसई				एनएसई				बाजार सूचकांक (बंद)	
	उच्च	निम्न	(बंद)	वाल्यूम	उच्च	निम्न	(बंद)	वाल्यूम	एस एवं पी बीएसई सेंसेस	एनएसई निफ्टी
महिने	(₹ में)			(शयरों की संख्या करोड में)	(₹ में)			(शयरों की संख्या करोड में)		
अप्रैल–17	182.65	163.10	175.70	1.84	182.75	163.25	175.70	10.44	29918.40	9304.05
मई–17	179.05	133.65	138.50	2.03	179.00	133.60	138.20	13.63	31145.80	9621.25
जून–17	142.20	131.00	135.35	1.06	142.45	130.80	135.30	8.68	30921.61	9520.90
जुलाई–17	147.25	133.50	144.80	1.17	147.50	133.15	145.10	8.21	32514.94	10077.10
अगस्त–17	146.85	121.40	129.10	0.90	146.55	121.30	128.90	8.94	31730.49	9917.90
सितम्बर–17	145.80	82.30*	84.00*	1.70	145.85	82.10*	83.95*	14.86	31283.72	9788.60
अक्तूबर–17	101.40*	82.55*	97.75*	1.77	101.30*	82.50*	98.00*	16.82	33213.13	10335.30
नवम्बर–17	101.50*	85.90*	91.90*	3.01	101.50*	85.85*	92.00*	28.58	33149.35	10226.55
दिसम्बर–17	94.80*	86.85*	92.60*	1.95	94.50*	86.75*	92.50*	15.69	34056.83	10530.70
जनवरी–18	108.00*	92.70*	100.25*	2.99	107.95*	92.60*	100.20*	27.10	35965.02	11027.70
फरवरी–18	102.20*	88.80*	90.00*	1.69	102.05*	88.20*	89.90*	16.60	34184.04	10492.85
मार्च–18	91.80*	79.50*	81.40*	1.26	91.80*	79.85*	81.35*	12.95	32968.68	10113.70

स्रोत: www.bseindia.com / www.nseindia.com

' बोनस इक्विटी शेयर को 1:2 के अनुपात में जारी करने के बाद शेयर मूल्य में दर्शाता है अर्थात प्रत्येक दो पूर्णताः चुकता किए गए ₹2/– के इक्विटी शेयर हेतु एक पूर्णताः चुकाया गया नया इक्विटी शेयर।

viii. आंतरिक व्यवसाय नीति

बीएचईएल अप्रकाशित मूल्य, संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता को सुरक्षित रखने और ऐसी जानकारी के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रयास करता है। इस उद्देश्य के लिए और सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 1992 के साथ, कंपनी ने 26 अगस्त, 2002 को "आंतरिक व्यएवसाय की रोकथाम के लिए आचरण संहिता" अपनाई थी जिसे बाद में संशोधित किया गया था। जिसे बाद में 29 जनवरी, 2009 को पुनरीक्षित किया गया था।

सेबी ने 15 जनवरी, 2015 को अधिसूचना के माध्यम से सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 लागू किया, जो दिनांक 15 मई 2015 से लागू हुआ। सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 के साथ, बोर्ड ने 6 अप्रैल, 2015 को आयोजित 469वीं बैठक में, 'आंतरिक सूत्रों और उचित प्रकटीकरण, 2015 के लिए विनियमन और रिपोर्टिंग व्यापार के लिए आचार संहिता' को मंजूरी दी। संहिता का उद्देश्य सेबी (अनुयायी व्यापार का निषेध) विनियम, 2015 के अनुपालन को प्राप्त करने के लिए नामित कर्मचारियों और अन्य जुड़े हुए व्यक्तियों द्वारा व्यापार को विनियमित, निगरानी और रिपोर्ट करना है। कोड अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए प्रथाओं और प्रक्रियाओं के लिए भी प्रदान करता है। प्रमुख –कॉर्पोरेट सामरिक प्रबंधन इस कोड के तहत कंपनी के मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी (सीआईआरओ) हैं ।

ix. रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए)

दिल्ली का पता	हैदराबाद का पता
कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्राइवेट लिमिटेड **यूनिट : बीएचईएल** 305, नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली–110 001 दूर : 011–43681700 फैक्स : 011–43681710 ई–मेल : ksbldelhi@karvy-com einward-ris@karvy-com	**कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्राइवेट लिमिटेड** **यूनिट : बीएचईएल** **कार्वी सेलेनियम टॉवर बी,** प्लॉट 31–32, गाचीवावली फाइनेंशियल डिस्ट्रक्टए नानकरामगुडा, हैदराबाद– 500 032 दूर : 040–67162222 फैक्स : 040–23001153 ई–मेल : madhusudhan-ms@karvy-com einward-ris@karvy-com Website.www-karvycomputershare-com

सेवारत शेयरधारकों में आरटीआइए निष्पादन संतोषजनक रहा है। निवेशकों की सभी शिकायतों का निवारण तत्काल किया गया।

x. शेयर ट्रांसफर पद्धति

भौतिक शेयरों के संबंध में शेयर हस्तांतरण प्रणाली में लेन–देन से हस्तांतरण कार्य के साथ शेयरों की प्राप्ति, उसके सत्यापन, अनुमोदन और विधिवत अनुमोदित शेयर प्रमाण पत्रों के प्रेषण को संबंधित विनियमों को निर्धारित विनियमों के अनुसार निर्धारित समय के भीतर प्रेषित करते हैं। लिस्टिंग विनियमों के अनुरूप, हस्तांतरण, उप–विभाजन और समेकन के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर शेयर प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। भौतिक खंड के तहत सभी शेयर हस्तांतरण गतिविधियां जैसे दस्तावेज़ों की रसीद/प्रेषण और उनके सत्यापन मैसर्स करवी कंप्यूटर शेयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए जा रहे हैं ।

xi. धारकों का वितरण

(i) शेयरों का वितरण 31 मार्च, 2018 तक होल्डिंग के अनुसार

इक्विटीशेयर की सं.	शेयर धारकों की सं.	शेयर धारकों का प्रतिशत	शेयर की सं.	शेयर होल्डिंग का प्रतिशत
1 - 500	422420	87.20	49639734	1.35
501 - 1000	32576	6.72	24035617	0.65
1001 - 2000	17084	3.53	24602334	0.67
2001 - 3000	5513	1.14	14302761	0.39
3001 - 4000	1719	0.35	6124514	0.17
4001 - 5000	1257	0.26	5780022	0.16
5001 - 10000	2086	0.44	14814028	0.40
10001 और इससे अधिक	1771	0.36	3532100990	96.21
कुल	**484426**	**100.00**	**3671400000**	**100.00**

(ii) शेयर होल्डिंग पद्धति 31 मार्च 2018 के अनुसार

श्रेणी	2018		2017	
	वोटिंग स्ट्रेंथ	रखे हुए शेयरों की संख्या	वोटिंग स्ट्रेंथ ;द्ध	शयरों की संख्या
प्रमोटर होल्डिंग				
भारतीय प्रमोटर				
भारत का राष्ट्रपति	63.06	2315178000	63.06	1543452000
कुल प्रमोटर हैं	**63.06**	**2315178000**	**63.06**	**1543452000**
गैर प्रमोटर होल्डिंग				
बैंक वित्तीय संस्थांन बीमा कंपनी	15.54	570575233	15.67	383542722
विदेशी संस्थागत निवेशक (योग्य विदेशी निवेशक समेत)	13.04	478725147	15.89	389004270
म्यूचुअल फंड एवं यूटीआई	2.96	108739531	0.76	18498146
अन्य				
व्यक्तिगत	4.10	150369894	3.09	75630859
कार्पोरेट बॉडी	0.90	32995668	0.72	17563551
एनआरआई	0.22	8109847	0.20	4991743
ट्रस्ट	0.13	4722943	0.13	3226202
क्लियरिंग सदस्य	0.05	1800754	0.48	11688997
आईईपीएफ	0.00	180718	0.00	0
निदेशक एवं संबंधित	0.00	2265	0.00	1510
कुल गैर प्रमोटर होल्डिंग	**36.94**	**1356222000**	**36.94**	**904148000**
कुल योग	**100.00**	**3671400000**	**100.00**	**2447600000**

टिप्पणी: कंपनी ने 3 अक्टूबर, 2017 को अपने शेयरधारकों को 1:2 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं, अर्थात पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों के लिए प्रत्येक दो पूर्ण भुगतान किया गया नया बोनस इक्विटी शेयर । नतीजतन, शेयरों की कुल संख्या 244.76 करोड़ से बढ़कर 367.14 करोड़ हो गई ।

शेयर होल्डिंग पद्धति 31 मार्च 2018 के अनुसार

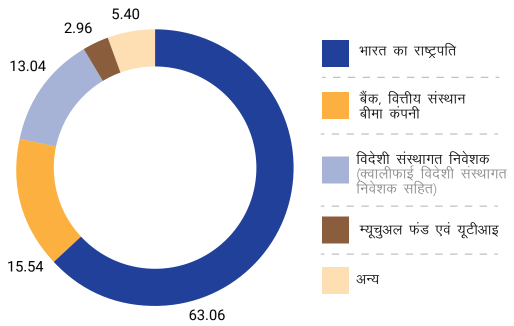

(iii) उन शेयर होल्डर की सूची जिनके पास 31, मार्च 2018 तक कंपनी के 1 प्रतिशत से ज्यादा शेयर थे।

श्रेणी एवं शेयर होल्डर के नाम	मार्च 31, 2018	
	वोटिंग स्ट्रेंथ	शेयरों की संख्या
प्रमोटर्स		
1. भारत के राष्ट्रपति	63.06	2315178000
गैर प्रमोटर्स		
1. भारतीय जीवन बीमा निगम	9.42	345680880
2. मॉरीशस लिमिटेड के पाइनब्रिज निवेशक	1.03	37875005
3. भारत की एलआईसी मार्केट प्लस	1.02	37409820

भारतीया जीवन बीमा निगम मार्किट प्लस–1 ग्रोथ फंड

xii. शेयरों एवं चल निधि को कागज रहित बनाना

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निर्देशों के मुताबिक, बीएचईएल के शेयर सभी श्रेणियों के निवेशको के लिए डिमेट फॉर्म में 5, अप्रेल 1999 से बनाना अनिवार्य कर दिया गया है। बीएचईएल ने दोनो डिपॉजिटरी जैसे नेशनल सिक्योरिटीज लिमिटेड (एनएसडीएल) एवं सेन्ट्रल सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ उनकी सिक्योरिटीज डिमेट मोड में करने के लिए अनुबंध कर लिया है ।

xiii. उत्कृष्ट जीडीआर/एडीआर वारंट या किसी भी परिवर्तनीय यंत्र, रूपांतरण तिथि और इक्विटी पर संभावित प्रभाव:

कुछ नहीं

xiv. विदेशी मुद्रा जोखिम या कमोडिटी मूल्य जोखिम और हेजिंग गतिविधियां

कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान हेजिंग गतिविधिय/लेनदेन बोर्ड द्वारा अनुमोदित विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति के अनुरूप किया गया है। स्टील, कॉपर, एल्यूमिनियम, सीआरजीओ, सीआरएनजीओ, ट्रांसफार्मर ऑइल, लुब्रीकेंट जैसी प्रमुख औद्योगिक वस्तुओं को केंद्रीयकृत रूप से खरीदा जा रहा है। मूल्य लाभ प्राप्त करने के लिए यथासंभव बीएचईएल की विभिन्न इकाइयों की आवश्यकताओं को कम करके पहचानी गई इकाइयों में से एक के द्वारा किया जा रहा है। कंपनी को अलग करने के लिए कीमत में उतार चढ़ाव – फ्रेमवर्क समझोते को वार्षिक/अर्ध वार्षिक/त्रैमासिक आधार पर किया जा रहा है ।

xv. संयंत्र के स्थान

बीएचईएल की निर्माणाधीन इकाइयां	
बैंगलुरू	1. इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन 2. इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिवीजन 3. इलेक्ट्रोपॉर्कलेन डिवीजन
भोपाल	4. हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट
गोइंदवाल	5. इण्डस्ट्रियल वाल्वस प्लांट
हरिद्वार	6. हेवी इलेक्ट्रियल इक्युपमेंट प्लांट 7. सेन्ट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट
हैदराबाद	8. हेवी पॉवर इक्युपमेंट प्लांट
जगदीशपुर	9. इंसुलेटर प्लांट 10. सेन्ट्रललाइज्ड स्टेम्पिंग एंड फेब्रीकेशन प्लांट (सीएस एंड एफपी)
झांसी	11. ट्रांसफार्मर प्लांट
रूद्रपुर	12. कंपोनेंट फेब्रीकेशन प्लांट
रानीपेठ	13. बॉयलर ऑक्जीलरी प्लांट
त्रिरूचिरापल्ली	14. हाइप्रेशर बॉयलर प्लांट 15. सीमलेस स्टीबल टयूब प्लांट
त्रिरूमयम	16. पॉवर प्लांट पाइपिंग यूनिट
विशाखापट्टनम	17. हेवी प्लेट्स एंड वेसिल्स प्लांट
बीएचईएल रिपेयर यूनिट	
मुबंई	1. इलेक्ट्रिकल मशीन रिपेयर प्लांट
वाराणसी	2. हेवी इक्युपमेंट रिपेयर प्लांट
बीएचईएल के सहायक	
कसारागोड	बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड

।कउपदपेजतंजपअम इनपसकपदह – ोवच तमं व िच्ूमत च्संदज च्चपदह न्दपज.जैपतनउंलंउ

xvi. पत्र व्यवहार का पता

शेयरधारक शेयरों के हस्तांतरण, लाभांश की प्राप्ति, लाभांश वारंट के पुनर्मूल्यांकन और कंपनी के शेयरों से संबंधित किसी भी अन्य पत्राचार के संबंध में अपने प्रश्न भेज सकते हैं ।

कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा. लि.

यूनिटः बीएचईएल

दिल्ली :

305, नई–दिल्लीय हाउस	फोन : 011–43681700
27, बाराखंभा रोड	फैक्स : 011–43681710
नई दिल्ली – 110 001	ई–मेलः ksbldelhi@karvy.com einward.ris@karvy.com

हैदराबाद :

कार्वी सेलेनियम टॉवर बी,	फोन : 040–67162222
प्लॉट 31–32, गाचीबोवली,	फैक्स : 040–23001153
फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट	ई–मेलः
नानकरामगुडा,	madhusudhan.ms@karvy.com
हैदराबाद – 500 032	einward.ris@karvy.com

या

श्री आई.पी. सिंह	फोन : 011–26001046
कंपनी सेक्रेटरी	फैक्स : 011–66337533
बीएचईएल	ई–मेलः shareholderquery@bhel.in

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस
सिरी फोर्ट, नई दिल्ली – 110 049

टिप्पणीः इलेक्ट्रॉनिक मोड में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को अपने संबंधित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों को सभी प्रकार के पत्राचार से अवगत करवाना चाहिए।

घोषणा : लिस्टिंग विनियमों के अनुसार यह घोषित किया गया है कि सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वित्त वर्ष 2017–18 के लिए व्यवसाय आचरण संहिता और नैतिक संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

भारत हेवी
इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
के निदेशक मंडल की ओर से और उनके लिए

(अतुल सोबती)
अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25 जुलाई, 2018

कॉर्पोरेट शासन पर लेखा परीक्षक का प्रमाण पत्र

सदस्यो,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड

1. मैंने 31, मार्च 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड के कार्पोरेट शासन (सीआईएनएल 74899डीएल1964जीओ 1004281) के भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड में निर्धारित रूप में (लिस्टिंग आब्लीगेशन एंड डिसक्लोजर रिक्वायरमेंट) अनुपालन की शर्तों की जँच की है। विनियमन 2015 और सार्वजनिक उद्यम विभाग के केंद्रीय सरकार के अधीन उपक्रमों के लिए मई 2010 में जारी दिशा निर्देशों के अनुसार।

2. कॉर्पोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन प्रबंधन की ज़िम्मेदारी है। मेरी जँच कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और कार्यान्वयन तक ही सीमित थी। यह न तो आडिट है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है।

3. मेरी राय में, और सबसे अच्छी जानकारी के अनुसार और मुझे दिए गए स्पष्टीकरण एवं आश्वासन के अनुसार, मैं प्रमाणित करता हूं कि कंपनी ने नियमन 17 (1)(इ) के तहत डीपीई की लिस्टिंग विनियम और दिशानिर्देश 3.1.4 के अनुसार आवश्यक निदेशकों के साथ बोर्ड की संरचना को छोड़कर कॉर्पोरेट शासन की सभी लागू शर्तों के अनुसार पालन किया है।

4. मैं आगे यह बताना चाहता हूँ कि इस तरह का अनुपालन न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के साथ आश्वासन है जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया।

(पी.एस.आर. मूर्ति)
प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी
सीओपी नं. 13090

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : मई 2, 2018

सेक्रेटरियल आडिट रिपोर्ट

31, मार्च 2018 को समाप्त वित्तिय वर्ष

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) और कंपनियों के नियम 9 प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक नियम, 2014 के अनुसार)

सेवा में,

सदस्यो,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड

हमने लागू वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सेक्रेटरियल आडिट किया और पाया कि **भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड** (जिसे बाद में 'कंपनी' या 'बीएचईएल' कहा जाता है द्वारा अच्छी कार्पोरेट प्रथाओं का पालन किया जाता है। सेक्रेटरियल आडिट इस तरह से आयोजित की गई थी कि हमें कार्पोरेट संचालन/वैधानिक अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए उचित आधार प्रदान किया गया ।

सेक्रेटरियल आडिट के दौरान कंपनी की किताबों, कागजात, कार्यवृत्तथ पुस्तिका, फार्म एवं दायर रिटर्न तथा कंपनी द्वारा रखे गए अन्यग रिकार्ड साथ ही कंपनी द्वारा उपलब्धि करवाई गई जानकारी, उनके अधिकारी, एजेंटव प्राधिकृत प्रतिनिधि आडिट के दौरान वित्तीयय वर्ष की समाप्ति पर 31, मार्च 2018 को हमारे सत्याापन के आधार पर यह पाया गया कि कंपनी वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करते हैं साथ हीउचित बोर्ड–प्रक्रियाओं और अनुपालन–तंत्र को यहां रिपोर्टिंग के अधीनरखा गया है ।

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी द्वारा रखी गई पुस्तकों, कागजात, कार्यवृत्त की किताबों, फार्म और दायर रिटर्न व अन्य रिकॉर्ड की जांच की है। इन प्रावधानों के अनुसार :–

(i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और इसके तहत बनाए गए नियम

(ii) प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('एससीआरए') और इसके तहत बनाए गए नियम

(iii) डिपाजिटरी अधिनियम और इसके तहत बनाए गए नियम और उप नियम 1996

(iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम1999 और विदेशी प्रत्यक्ष निवेशऔर बाहरी वाणिज्यिक ऋण की सीमा तक बनाए गए नियम और विनियम

(v) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (सेबी अधिनियम) के तहत निर्धारित निम्नलिखित पिनिमय और दिशा निर्देश :–

(क) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरो का वास्तंविक अधिग्रहण और टेकओवर) विनिमय 2011

(ख) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (आंतरिक व्यवसाय का निषेध) विनिमय 2015

(ग) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी और डिस्लोजर रिक्वायरमेंट जारी करना) विनिमय 2009

(घ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्पत योजना एवं कर्मचारी स्टॉ्क क्रय योजना) दिशा निर्देश 1999 (आडिट अवधि के दौरान कंपनी के लिए लागू नहीं)

(ड) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियां अंक लिस्टिंग व जारी करना) विनिमय 2008 (आडिट अवधि के दौरान कंपनी के लिए लागू नहीं)

(च) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पंजीयको का अंक एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट) विनियमन 1993 (आडिट अवधि के दौरान कंपनी के लिए लागू नहीं)

(छ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों की डिलिस्टिंग) विनिमय 2009 (आडिट अवधि के दौरान कंपनी के लिए लागू नहीं)

(ज) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सिक्योरिटीज का बायबैक) विनिमय 1998 (आडिट अवधि के दौरान कंपनी के लिए लागू नहीं)

(झ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (आब्लीगेशन की लिसिटंग एवं डिसक्लाजर रिक्वायरमेंट) विनियमन 2015 ण

(vi) **हम आगे सूचित करते हैं** कि कंपनी में लागू अनुपालन नियमों और संबंधित दस्तावेजों की जांच तथा रिकॉर्ड में लिए गए विवरणों के अनुसार कंपनी ने कंपनी पर लागू निम्नलिखित विशेष तौर पर लागू नियमों का पालन किया है:

क) कारखाना अधिनियम, 1948

ख) भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923

ग) खतरनाक रसायन के निर्माणए भंडारण और आयातए नियम 1989य तथा

घ) परमाणु ऊर्जा (विकिरण सुरक्षा) नियम, 2004

ङ) बैट्रीज (प्रबंधन और हैंडलिंग) कानून, 2001

हमने, निम्नलिखित उपखंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

i. इंस्टीटयूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज़ ऑफ इंडिया द्वारा जारी निदेशक मण्डल की बैठकों (एसएस–1) और आम बैठकों (एसएस–2) के संबंध में सचिवीय मानक, और

ii. लोक उद्यम विभाग द्वारा अपने ओएम नं. 18(8) 2005–जीएम दिनाक 14 मई 2010 द्वारा जारी कॉर्पोरेट अभिशासन दिशानिर्देश।

समीक्षा काल के दौरान कंपनी ने ऊपर दिए गए अधिनियमों, क़ानूनों, प्रावधानों, दिशा–निर्देशों, मानकों का अनुपालन किया है, जो निम्नलिखित टिप्पणियों के अधीन है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सूचीयन दायित्व और और प्रकटीकरण अपेक्षाओं) विनियम, 2015 के विनियम 17 (1) (ख) और कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देश के पैरा 3.1.4 के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल का गठन अपेक्षानुसार नहीं था। जैसा कि कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या नहीं है।

कंपनी की व्याख्या दी है कि बीएचईएल एक सरकारी कंपनी होने के नाते स्वतंत्र निदेशकों का नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। कंपनी ने पहले ही बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या के नामांकन के लिए भारी उद्योग विभाग, भारी उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार को अनुरोध कर दिया है।

हम, आगे सूचित करते हैं कि रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान निदेशक मण्डल की संरचना में परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों का उचित अनुपालन करते हुए किए गए थे।

सामान्यतः बोर्ड की बैठक की कार्यसूची और कार्यसूची पर विस्तृत नोट सभी निदेशकों को कम से कम सात दिन पहले भेज दिया जाता है और बैठक से पहले कार्यसूची की अग्रिम जानकारी और स्पष्टीकरण को मांगने और प्राप्त करने के लिए एक तंत्र मौजूद है। जिससे बैठक में अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित हो सके। बहुमत के निर्णय को मान लिया जाता है और असहमति रखने वाले सदस्यों की राय को बाद में जरूरत के वक्त इस्तेमाल के लिए रिकॉर्ड कर मिनट्स के तौर पर रख लिया जाता है।

बैठकों के कार्यवृत्त को विधिवत रिकॉर्ड कर अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं और इस कार्यवृत्त में बोर्ड का निर्णय अंतिम होता है तथा कोई अनावश्यक मामलों को रिकॉर्ड में नहीं लिया जाता है।

हम, आगे यह सूचित करते हैं कि कंपनी द्वारा स्थापित अनुपालन तंत्र की समीक्षा के आधार पर और अपनी बैठकों में निदेशक मण्डल द्वारा रिकॉर्ड में लिए गए विधिक अनुपालनों के प्रमाणपत्र के आधार पर मेरा विचार है कि कंपनी के आकार एवं प्रचालनों के अनुरूप कंपनी के पास पर्याप्त प्रणालियाँ एवं प्रक्रियाएं हैं और कंपनी लागू क़ानूनों, नियमों, विनियमों एवं दिशानिर्देशों की निगरानी एवं इनका अनुपालन सुनिश्चित करती है। इसके अलावा, हम यह भी सूचित करते हैं कि कंपनी ने विभिन्न सांविधिक/विनियामक प्राधिकरणों द्वारा उगाही गई मांग सूचनाओं, दावों दण्डों आदि का उत्तर दिया है तथा लेखापरीक्षा अवधि के दौरान जहां जरूरी हुआ सही कार्यवाही करने के लिए उचित उपाय किए हैं।

हम आगे यह सूचित करते हैं कि लेखा परीक्षण के दौरान उपर्युक्त विधियों के अनुपालन में कंपनी मामलों पर अधिक प्रभाव डालने वाले कोई विशेष घटनाएं या कार्रवाई नहीं थे।

कृते **पी.पी. अग्रवाल एंड कंपनी**
कंपनी सचिव
यूसी नं. एस2012डीई 174200

प्रमोद पी. अग्रवाल
सीपी नं. 10566

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 19 जून, 2018

इस रिपोर्ट को समसंख्यक तारीख के हमारे पत्र के साथ पढ़ा जाना चाहिए जो 'अनुबंध क' के रूप में संलग्न है और रिपोर्ट का अभिन्न अंग है।

अनुबंध – क

सेवा में,

सदस्यगण

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

समसंख्यक तारीख की हमारी रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाए।

1. सचिवीय रिकार्ड के रख–रखाव की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी लेखापरीक्षा के आधार पर इस रिकार्ड पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. हमने लेखापरीक्षा की प्रचलित पद्धतियों और प्रक्रियाओं को अपनाया है, जो अभिलेखों की विषयवस्तु की सत्यता के बारे में पर्याप्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए जरूरी थे। सत्यापन परीक्षण के आधार पर किया गया जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सचिवालय के रिकार्डों में सही तथ्य दर्शाएं गए हैं। हमारा मानना है कि जिन प्रक्रियाओं का हमने पालन किया है वे हमारी राय के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करती है।

3. हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और बही–खातों की सत्यता का सत्यापन नहीं किया है।

4. जब भी जरूरत पड़ी, हमने नियम–कानूनों के अनुपालन और कार्यक्रमों में प्रबंधन का प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।

5. कार्पोरेट और अन्य उपयुक्त क़ानूनों, नियमों, मानकों के प्रावधानों के अनुपालन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। हमारा परीक्षण, प्रक्रियाओं की जांच के आधार पर सत्यापन करने तक सीमित था।

6. सचिवालय की लेखापरीक्षा रिपोर्ट न तो इस बात का आश्वासन है कि कंपनी की भविष्य में बनी रहेगी और न ही इस बात का आश्वासन है कि प्रबंधन ने कार्यकुशलता एवं प्रभावोत्पादकता से कंपनी के कारोबार का संचालन किया गया है।

कृते **पी.पी. अग्रवाल एंड कंपनी**
कंपनी सचिव
यूसी नं. एस2012डीई 174200

प्रमोद पी. अग्रवाल
सीपी नं. 10566

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 19 जून, 2018

वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट

टिप्पणी	प्रबंधन का उत्तर
भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम 2015 के विनियम 17 (1) (ख) और कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई के दिशानिर्देशों के पैरा 3.1.4 के अनुसार कंपनी के निदेशक मंडल का गठन अपेक्षानुसार नहीं है जैसा कि कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या नहीं है।	बीएचईएल एक सरकारी कंपनी होने के नाते स्वतंत्र निदेशकों का चयन प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात् भारी उद्योग विभाग, लोक उद्यम विभाग की सर्च कमेटी के परामर्श से करता है। कंपनी के बोर्ड में सेबी सूचीयन विनियम और डीपीई दिशा–निर्देशों के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए कंपनी भारी उद्योग विभाग के साथ लगातार संपर्क में है।

वार्षिक रिटर्न का सार

प्रपत्र संख्या–एमजीटी–9

वार्षिक रिटर्न का सार

31.03.2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार
(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92 (3) और कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन)
नियम, 2014 के नियम 12 (1) के अनुसरण में)

I. पंजीकरण एवं अन्य विवरण:

i) सीआईएन	:	L74899DL1964GOI004281
ii) पंजीकरण तिथि	:	13 नवंबर, 1964
iii) कंपनी का नाम	:	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
iv) कंपनी की श्रेणी/उप श्रेणी	:	सार्वजनिक कंपनी/सरकारी कंपनी/शेयरों द्वारा लिमिटेड
v) पंजीकृत कार्यालय का पता एवं संपर्क विवरण	:	बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली . 110049 फोन : 011.66337000 फैक्स : 011.66337428 ई–मेल : shareholderquery@bhel.in
vi) क्या कंपनी सूचीबद्ध है (हाँ/नहीं)	:	हां
vii) रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट, यदि कोई हो, का नाम, पता एवं संपर्क विवरण		**कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड** कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लॉट 31.32, गाचीबावली फाइनेशियल डिस्ट्रिक्ट नानकरामगुडा, हैदराबाद – 500032 फोन : 040.67162222 फैक्स : 040.23001153 ई–मेल : madhusudhan.ms@karvy.com einward.ris@karvy.com

II. कंपनी के प्रमुख व्यावसायिक कार्यकलाप

कंपनी के सभी व्यावसायिक कार्यकलाप कंपनी के कुल कारोबार का 10 प्रतिशत या उससे अधिक योगदान का ब्योरा :–

क्र.सं.	मुख्य उत्पादों / सेवाओं का नाम और विवरण	उत्पाद/सेवा का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल कारोबार का प्रतिशत
1.	स्टीम जेनरेटरए एवं स्टीम जेनरेटर के साथ उपयोगी ऑक्जिलरी प्लांट का निर्माण	2513	31%
2.	पावर प्लांट का निर्माण	4220	28%
3.	टर्बाइनए ऑक्जिलरी सहित जेनरेटर सेट का निर्माण	2811	22%
4.	इलेक्ट्रिक मोटरए ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण तथा नियंत्रण उपकरण आदि का निर्माण	2710	11%

III. होल्डिंग, सहायक और सहयोगी कंपनियों का विवरण

क्र. सं.	कंपनी का नाम एवं पता	सीआईएन/जीएलएन	सहायक/सहयोगी	धारित शेयरों का प्रतिशत	लागू धारा
1.	**बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड** 283/1–2, गाँव पुत्तुर, डाकघर बेद्रादका कासरगोड, केरल –671124	U31909KL2011GOI027440	सहायक	51%	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(87)
2.	**रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड** 22/23, सुदर्शन कोम्प्लैक्स, शेषाद्री रोड, बेंगलुरु –560009	U40101KA2009PLC049582	सहयोगी	27.97%	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(6)
3.	**दादा धुनिवाले खंडवा पावर लिमिटेड** शेड नं. 7 एमपीएसईबी कॉम्प्लैक्स, रामपुर, जबलपुर– 482008	U40100MP2010PLC023131	सहयोगी	51% (परिसमापन के अधीन)	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(6)

4.	**बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लि.** गुमिदिल्ली टावर्स, छठा तल, 1–10–39 से 44ए बेगमपेट एयरपोर्ट रोड, बेगमपेट, हैदराबाद – 500016	U51505TG1997PTC040657	सहयोगी	51% घटाकर एक शेयर	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(6)
5.	**एनटीपीसी बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्रा. लि.** एनटीपीसी भवन, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003	U40102DL2008PTC177307	सहयोगी	51%	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(6)
6.	**पावर प्लांट परफारमेंस इंप्रूवमेंट लिमिटेड** 54/क–9, किशनगढ़ गाँव, वसंत कुंज, नई दिल्ली – 110070	U28991DL2003PLC120915	सहयोगी	51% घटाकर एक शेयर (परिसमापन के अधीन)	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(6)

बीएचईएल की एक सहयोगी कंपनी, **लातूर पावर कंपनी लिमिटेड** का वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान विघटन किया गया।

IV. शेयरधारिता पद्धति (कुल इक्विटी के प्रतिशत अनुसार इक्विटी शेयर पूंजी का ब्रेकअप)

i) श्रेणीवार शेयर धारिता

शेयर धारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारंभ में धारित शेयरों की संख्या (01.04.2017 को)				वर्ष के प्रारंभ में धारित शेयरों की संख्या (31.03.2018 को)				वर्ष के दौरान प्रतिशत बदलाव'
	डिमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का प्रतिशत	डिमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का प्रतिशत	
क. प्रवर्तक									
(1) भारतीय									
क) व्यक्तिगत/एचयूएफ़	0	0	0	0-00	0	0	0	0-00	0-00
ख) केंद्र सरकार	1543452000		1543452000	63-06	2315178000	0	2315178000	63-06	0-00
ग) राज्य सरकार (रे)	0	0	0	0-00	0	0	0	0-00	0-00
घ) निकाय कॉर्पो.	0	0	0	0-00	0	0	0	0-00	0-00
ङ) बैंक/एफ़आई	0	0	0	0-00	0	0	0	0-00	0-00
च) कोई अन्य	0	0	0	0-00	0	0	0	0-00	0-00
उप योग (क)(1) :–	**1543452000**	**0**	**1543452000**	**63-06**	**2315178000**	**0**	**2315178000**	**63-06**	**0-00**
(2) **विदेशी**									
क) व्यक्तिगत/एचयूएफ़	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
ख) केंद्र सरकार	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
ग) राज्य सरकार (js)	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
घ) निकाय कॉर्पो.	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
ङ) बैंक ध एफ़आई	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
च) कोई अन्य	**0**	**0**	**0**	**0.00**	**0**	**0**	**0**	**0.00**	**0.00**
उप योग (क)(1) :–	**1543452000**	**0**	**1543452000**	**63.06**	**2315178000**	**0**	**2315178000**	**63.06**	**0.00**
ख. सार्वजनिक शेयर धारिता									
(1) **संस्थाएं**									
क) म्युचुअल फंड/यूटीआई	18482146	16000	18498146	0.76	108715531	24000	108739531	2.96	2.21
ख) बैंक/एफ़आई	129480506	4000	129484506	5.29	190546296	6000	190552296	5.19	-0.10
ग) केंद्र सरकार	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
घ) राज्य सरकार	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
ङ) वेंचर केपिटल फंड	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
च) बीमा कंपनियाँ	254056216	2000	254058216	10.38	380019937	3000	380022937	10.35	-0.03

छ) एफआईआई	388995270	9000	389004270	15.89	478711647	13500	478725147	13.04	-2.85
ज) विदेशी उद्यम पूंजीगत निधि	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
i) अन्य (निर्दिष्ट करें)									
योग्य विदेशी इन्वेस्टर	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
उप–कुल (बी)(1)	**791014138**	**31000**	**791045138**	**32.32**	**1157993411**	**46500**	**1158039911**	**31.54**	**-0.78**
शेयर धारकों की श्रेणी	**वर्ष के प्रारंभ में धारित शेयरों की संख्या (01.04.2017 को)**				**वर्ष के प्रारंभ में धारित शेयरों की संख्या (31.03.2018 को)**				**वर्ष के दौरान प्रतिशत बदलाव'**
	डिमेट	**भौतिक**	**कुल**	**कुल शेयरों का प्रतिशत**	**डिमेट**	**भौतिक**	**कुल**	**कुल शेयरों का प्रतिशत**	
2) गैर–संस्थाएं ए) कॉर्प निकाय									
i) भारतीय	17511453	6000	17517453	0.72	32342263	7000	32349263	0.88	0.17
ii) विदेशी	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
बी) व्यक्ति									
i) 1 लाख रुपये तक नाममात्र शेयर पूंजी रखने वाले व्यक्ति शेयरधारक	71817739	1254108	73071847	2.99	141895635	1621461	143517096	3.91	0.92
ii) 1 लाख से अधिक की नाममात्र शेयर पूंजी रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	2559012	0	2559012	0.10	6852798	0	6852798	0.19	0.08
सी) अन्य (निर्दिष्ट करें)									
समाशोधन सदस्य	11688997	0	11688997	0.48	1795799	4955	1800754	0.05	-0.43
निदेशक	1510	0	1510	0.00	2265	0	2265	0.00	0.00
आईईपीएफ	0	0	0	0.00	180718	0	180718	0.00	0.00
एनबीएफसी	46098	0	46098	0.00	646405	0	646405	0.02	0.02
विदेश वाले प्रवासी भारत	4979243	12500	4991743	0.20	8091097	18750	8109847	0.22	0.02
न्यास	3226202	0	3226202	0.13	4722943	0	4722943	0.13	0.00
उप– (बी)(2) कुल	**111830254**	**1272608**	**113102862**	**4.62**	**196529923**	**1652166**	**198182089**	**5.40**	**0.78**
कुल सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग (बी)=(बी)(1)(बी) (2)	**902844392**	**1303608**	**904148000**	**36.94**	**1354523334**	**1698666**	**1356222000**	**36.94**	**0.00**
सी) जीडीआर और एडीआर के लिए धारित द्वारा धारित शेयर	0	0	0	0.00	0	0	0	0.00	0.00
कुल (एबीसी)	**2446296392**	**1303608**	**2447600000**	**100.00**	**3669701334**	**1698666**	**3671400000**	**100.00**	**0.00**

*कंपनी के कुल शेयरों में प्रतिशत शेयरहोल्डिंग के संबंध में।

(ii) प्रमोटरों की शेयरहोल्डिंग

क्र. सं.	शेयरधारक के नाम	वर्ष की शुरुआत में शेयरहोल्ड (01.04.2017 तक)			वर्ष के अंत में शेयरहोल्डिंग (31.03.2018 तक)			शेयर होल्डिंग में%परिवर्तन के दौरान वर्ष'
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों का कुल % बचनबद्ध / एकत्रित	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का%	शेयरों का कुल : बचनबद्ध / एकत्रित	
1	भारत के राष्ट्रपति	1543452000	63.06	0.00	2315178000	63.06	0.00	0.00
	कुल	1543452000	63.06	0.00	2315178000	63.06	0.00	0.00

*कंपनी के कुल शेयरों में प्रतिशत शेयरहोल्डिंग के संबंध में।

(iii) प्रमोटरों की शेयरहोल्डिंग में परिवर्तन

क्र. सं.	नाम	वर्ष की शुरूआत (01.04.2017) / वर्ष के अंत में शेयरहोल्डिंग (31.03.2018)		वृद्धि/घटाने के कारणों को निर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयरहोल्डिंग में तिथिवार वृद्धि/घटाएं			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग (01.04.2017 से 2018/03/31)	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	तारीख	शेयर होल्डिंग में बढ़ोतरी/घटाएं	कारण	शेयरों की संख्या	कुल शेयरों का % कंपनी
1	भारत के राष्ट्रपति	1543452000	63.06					
				03.10.2017	771726000	बोनस	2315178000	63.06
		2315178000	63.06	31.03.2018			2315178000	63.06

(iv) शीर्ष दस शेयरधारकों के शेयरहोल्डिंग पैटर्न (निदेशक प्रमोटर और जीडीआर और धारकों के अलावा)

क्र. सं.	नाम	वर्ष की शुरूआत (01.04. 2017) / वर्ष के अंत में शेयरहोल्डिंग (31.03.2018)		वृद्धि/घटाने के कारणों को निर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयरहोल्डिंग में तिथिवार वृद्धि/घटाएं			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग (01.04.2017 से 2018/03/31)	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	तारीख	शेयर होल्डिंग में बढ़ोतरी/घटाएं	कारण	शेयरों की संख्या	कुल शेयरों का % कंपनी
1	भारतीय जीवन बीमा निगम	230453920	9.42					
				03.10.2017	115226960	बोनस	345680880	9.42
		345680880	9.42	31.03.2018			345680880	9.42
2	सबसे बड़ा विकास पीएलसी ए / सी सबसे तेजी से उभरते बाजार	34660004	1.42					
				19.05.2017	-1769585	बिक्री	32890419	1.34
				26.05.2017	-276136	बिक्री	32614283	1.33
				02.06.2017	-1018727	बिक्री	31595556	1.29
				16.06.2017	2647097	खरीद	34242653	1.40
				04.08.2017	-664310	बिक्री	33578343	1.37
				11.08.2017	-1350054	बिक्री	32228289	1.32
				08.09.2017	-480513	बिक्री	31747776	1.30
				15.09.2017	-7003761	बिक्री	24744015	1.01
				22.09.2017	-2954362	बिक्री	21789653	0.89
				29.09.2017	-310021	बिक्री	21479632	0.88
				03.10.2017	10739816	बोनस	32219448	0.88
				27.10.2017	-4328609	बिक्री	27890839	0.76
				31.10.2017	-4931820	बिक्री	22959019	0.63
				03.11.2017	-2987472	बिक्री	19971547	0.54
				10.11.2017	-10134695	बिक्री	9836852	0.27
				17.11.2017	-1547808	बिक्री	8289044	0.23
				24.11.2017	-4876693	बिक्री	3412351	0.09
				01.12.2017	-3412351	बिक्री	0	0.00
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00

क्र. सं.	नाम	वर्ष की शुरूआत (01.04.2017) / वर्ष के अंत में शेयरहोल्डिंग (31.03.2018)		वृद्धि/घटाने के कारणों को निर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयरहोल्डिंग में तिथिवार वृद्धि/घटाएं			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग (01.04.2017 से 2018/03/31)	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	तारीख	शेयर होल्डिंग में बढ़ोतरी/कमी	कारण	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का %
3	पाइन ब्रिज इंवेस्टमेंट्स जी एफ मौरिशस लिमिटेड	27696389	1.13					
				03.10.2017	13848194	बोनस	41544583	1.13
				02.02.2018	-3200000	बिक्री	38344583	1.04
				09.02.2018	-469578	बिक्री	37875005	1.03
		37875005	1.03	31.03.2018			37875005	1.03
4	लेजार्ड एसेट मैनेजमेंट ए/सी लेजार्ड इमर्जिंग मार्केट्स पोर्टफोलियो	27369356	1.12					
				14.04.2017	-5043758	बिक्री	22325598	0.91
				21.04.2017	-803598	बिक्री	21522000	0.88
				28.04.2017	-1523769	बिक्री	19998231	0.82
				12.05.2017	-638435	बिक्री	19359796	0.79
				26.05.2017	-520	बिक्री	19359276	0.79
				09.06.2017	-5	बिक्री	19359271	0.79
				16.06.2017	-4	बिक्री	19359267	0.79
				30.06.2017	-3	बिक्री	19359264	0.79
				07.07.2017	-3	बिक्री	19359261	0.79
				14.07.2017	-3	बिक्री	19359258	0.79
				21.07.2017	-3	बिक्री	19359255	0.79
				28.07.2017	-2	बिक्री	19359253	0.79
				11.08.2017	-2	बिक्री	19359251	0.79
				18.08.2017	-2	बिक्री	19359249	0.79
				01.09.2017	-3	बिक्री	19359246	0.79
				08.09.2017	-2	बिक्री	19359244	0.79
				15.09.2017	-2	बिक्री	19359242	0.79
				22.09.2017	-2	बिक्री	19359240	0.79
				29.09.2017	-2	बिक्री	19359238	0.79
				03.10.2017	9679619	बोनस	29038857	0.79
				06.10.2017	-2	बिक्री	29038855	0.79
				27.10.2017	-2789384	बिक्री	26249471	0.72
				03.11.2017	-1063067	बिक्री	25186404	0.69
				10.11.2017	-3223052	बिक्री	21963352	0.60
				17.11.2017	-52083	बिक्री	21911269	0.60
				24.11.2017	-928241	बिक्री	20983028	0.57
				01.12.2017	-2103901	बिक्री	18879127	0.51
				08.12.2017	-3172210	बिक्री	15706917	0.43
				15.12.2017	-2265857	बिक्री	13441060	0.37
				22.12.2017	-9678066	बिक्री	3762994	0.10
				29.12.2017	-3762994	बिक्री	0	0.00
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00

क्र. सं.	नाम	वर्ष की शुरूआत (01.04.2017) / वर्ष के अंत में शेयरहोल्डिंग (31.03.2018)		वृद्धि/घटाने के कारणों को निर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयरहोल्डिंग में तिथिवार वृद्धि/घटाएं			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग (01.04.2017 से 2018/03/31)	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	तारीख	शेयर होल्डिंग में बढ़ोतरी/कमी	कारण	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का %
5	मागेलान	26822509	1.10					
				19.05.2017	-1357809	बिक्री	25464700	1.04
				26.05.2017	-211882	बिक्री	25252818	1.03
				02.06.2017	-781676	बिक्री	24471142	1.00
				16.06.2017	-2647097	बिक्री	21824045	0.89
				04.08.2017	-532028	बिक्री	21292017	0.87
				11.08.2017	-1081219	बिक्री	20210798	0.83
				08.09.2017	-384829	बिक्री	19825969	0.81
				15.09.2017	-4628366	बिक्री	15197603	0.62
				22.09.2017	-1808472	बिक्री	13389131	0.55
				29.09.2017	-189775	बिक्री	13199356	0.54
				03.10.2017	6599678	बोनस	19799034	0.54
				27.10.2017	-2534069	बिक्री	17264965	0.47
				31.10.2017	-3095278	बिक्री	14169687	0.39
				03.11.2017	-1848797	बिक्री	12320890	0.34
				10.11.2017	-6267737	बिक्री	6053153	0.16
				17.11.2017	-952452	बिक्री	5100701	0.14
				24.11.2017	-3000230	बिक्री	2100471	0.06
				01.12.2017	-2100471	बिक्री	0	0.00
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
6	एलआई सी ऑफ इंडिया मार्केट प्लस ग्रोथ फंड	24939880	1.02					
				03.10.2017	12469940	बोनस	37409820	1.02
		37409820	1.02	31.03.2018			37409820	1.02
7	एलआई सी ऑफ इंडिया मनी प्लस 1 ग्रोथ फंड	22406815	0.92					
				03.10.2017	11203407	बोनस	33610222	0.92
		33610222	0.92	31.03.2018			33610222	0.92
8	फिडेलिटी पूरिटन ट्रस्ट– फिडेलिटी लो–प्राइज्ड स्टॉक फंड	21000000	0.86					
				07.04.2017	-300000	बिक्री	20700000	0.85
				14.07.2017	-200000	बिक्री	20500000	0.84
				03.10.2017	10250000	बोनस	30750000	0.84
		30750000	0.84	31.03.2018			30750000	0.84
9	भारतीय जीवन बीमा निगम पी एंड जी एस	18902990	0.77					
				03.10.2017	9451495	बोनस	28354485	0.77
		28354485	0.77	31.03.2018			28354485	0.77

क्र. सं.	नाम	वर्ष की शुरूआत (01.04. 2017) / वर्ष के अंत में शेयरहोल्डिंग (31.03.2018)		वृद्धि/घटाने के कारणों को निर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयरहोल्डिंग में तिथिवार वृद्धि/घटाएं			वर्ष के दौरान संचयी शेयरहोल्डिंग (01.04.2017 से 2018/03/31)	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	तारीख	शेयर होल्डिंग में बढ़ोतरी/कमी	कारण	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का %
10	एलआई सी ऑफ इंडिया मार्केट प्लस ग्रोथ फंड	18387175	0.75					
				03.10.2017	9193587	बोनस	27580762	0.75
		27580762	0.75	31.03.2018			27580762	0.75
11	एलआई सी ऑफ इंडिया प्रोफिट प्लस ग्रोथ फंड	17381255	0.71	15.09.2017*				
				03.10.2017	8690627	बोनस	26071882	0.71
		26071882	0.71	31.03.2018			26071882	0.71
12	पाइनब्रिज ग्लोबल फंड्स दृपाइनब्रिज इंडिया इक्विटी	22805112	0.62	03.11.2017*				
				10.11.2017	2199848	खरीद	25004960	0.68
				17.11.2017	1525000	खरीद	26529960	0.72
				24.11.2017	1050000	खरीद	27579960	0.75
				08.12.2017	2000000	खरीद	29579960	0.81
				15.12.2017	1075000	खरीद	30654960	0.83
				19.01.2018	2570949	खरीद	33225909	0.90
				26.01.2018	887297	खरीद	34113206	0.93
				02.03.2018	-500000	बिक्री	33613206	0.92
				16.03.2018	1000000	खरीद	34613206	0.94
		34613206	0.94	31.03.2018			34613206	0.94
13	वेंगार्ड इमर्जिंग मार्केट्स स्टॉक इंडैक्स फंड दृवेंगार्ड इंटरनेशनल इक्विटी इंडेक्स फंड की एक श्रंखला	16419658	0.45	08.12.2017*				
				22.12.2017	-23062	बिक्री	16396596	0.45
				26.01.2018	83378	खरीद	16479974	0.45
				02.02.2018	74508	खरीद	16554482	0.45
				23.03.2018	-16554482	बिक्री	0	0.00
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
14	जे पी मौर्गन फंड्स	16462889	0.45	29.12.2017*				
				19.01.2018	870	खरीद	16463759	0.45
				09.02.2018	438	खरीद	16464197	0.45
		16464197	0.45	31.03.2018			16464197	0.45
15	जे पी मौर्गन फंड्स इंडियन इंवेस्टमेंट कंपनी (मॉरीशस) लिमिटेड	17153584	0.47	05.01.2018*				
		17153584	0.47	31.03.2018			17153584	0.47
16	रिलायंस कैपिट्ल ट्रस्टी कं.लि. –ए/सी रिलायंस टैक्स सेवर (ईएलएसएस) फंड	18900000	0.51	02.02.2018*				
		18900000	0.51	31.03.2018			18900000	0.51

‘ नोटः मैसर्स एलआई सी ऑफ इंडिया प्रोफिट प्लस ग्रोथ फंड,पाइनब्रिज ग्लोबल फंड्स दृपाइनब्रिज इंडिया इक्विटी, वेंगार्ड इमर्जिंग मार्केट्स स्टॉक इंडैक्स फंड दृवेंगार्ड इंटरनेशनल इक्विटी इंडेक्स फंड की एक श्रंखला , जे पी मौर्गन फंड्स, जे पी मौर्गन फंड्स इंडियन इंवेस्टमेंट कंपनी (मॉरीशस) लिमिटेड तथा रिलायंस कैपिट्ल ट्रस्टी कं.लि. दृए/सी रिलायंस टैक्स सेवर (ईएलएसएस) फंड का विवरण शीर्ष दस शेयरधारकों की सूची में प्रवेश होने की तिथि से दर्शाया गया है ।

(v) निदेशकों एवं मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों का की शेयरधारिता

क्र. सं.	सर्व/श्री	वर्ष के प्रारंभ (01.04. 2017)/वर्ष की समाप्ति (31.03.2018)पर शेयरधारिता		वृद्धि/कमी के लिए कारण दर्शाते हुए वर्ष के दौरान शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/कमी			वर्ष के दौरान (01.04.2017 से 31.03.2018 तक) संचयी शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	तिथि	शेयरधारिता में वृद्धि/कमीं	कारण	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का %
1	अतुल सोबती, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	1500	0.00					
				03.10.2017	750	बोनस	2250	0.00
		2250	0.00	31.03.2018			2250	0.00
2	डॉ. सुभाष चंद्र पांडे, अंशकालिक सरकारी निदेशक	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
3	भास्कर ज्योति महंता, अंशकालिक सरकारी निदेशक	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
4	सुश्री हरिन्दर हीरा, स्वतंत्र निदेशक (01.05. 2017 तक)	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	01.05.2017			0	0.00
5	ए एन राय, स्वतंत्र निदेशक (20.08.2017 तक)	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	20.08.2017			0	0.00
6	राजेश किशोर, स्वतंत्र निदेशक	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
7	केशव एन देसीराजू, स्वतंत्र निदेशक	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
8	आर स्वामीनाथन, स्वतंत्र निदेशक	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
9	सुश्री सुरमा पाधी, स्वतंत्र निदेशक	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
10	देश दीपक गोयल, स्वतंत्र निदेशक	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00

क्र. सं.	सर्व/श्री	वर्ष के प्रारंभ (01.04.2017)/वर्ष की समाप्ति (31.03.2018)पर शेयरधारिता		वृद्धि/कमी के लिए कारण दर्शाते हुए वर्ष के दौरान शेयरधारिता में तिथिवार वृद्धि/कमी			वर्ष के दौरान (01.04.2017 से 31.03.2018 तक) संचयी शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	तिथि	शेयरधारिता में वृद्धि/कमीं	कारण	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
11	रंजीत रे, स्वतंत्र निदेशक (23.09.2017 से)	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
12	डी.बंद्योपाध्याय, निदेशक (मा.सं.)	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
13	अमिताभ माथुर,निदेशक (आईएसएंडपी)	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
14	सुब्रत बिस्वास, निदेशक (ईआरएंड डी)	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00
15	टी.चोक्कालिंगम,निदेशक (वित्त) 30.11.2017 तक	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	30.11.2017			0	0.00
16	अखिल जोशी, निदेशक (पावर)	10	0.00					
				03.10.2017	5	बोनस	15	0.00
		15	0.00	31.03.2018			15	0.00
17	आई पी सिंह, कम्पनी सचिव	0	0.00		कोई परिवर्तन नहीं			
		0	0.00	31.03.2018			0	0.00

V. ऋण ग्रस्तता:

बकाया/उपार्जित ब्याज,जो भुगतान के लिए देय नहीं है,सहित कंपनी की ऋणग्रस्तता

	जमा को छोड़कर प्रतिभूत (सुरक्षित) ऋण	अप्रतिभूत ऋण	जमा	कुल ऋण ग्रस्तत
वित्तीय वर्ष क प्रारंभ में ऋण ग्रस्तता i) मूल राशि ii) ब्याज लेकिन भुगतान के लिए देय नहीं iii) उपार्जित ब्याज,किंतु देय नहीं				
कुल (i+ii+iii)				
वित्तीय वर्ष के दौरान ऋणग्रस्तता में परिवर्तन • अधिकता • कटौती			शून्य	
निवल परिवर्तन				
वित्तीय वर्ष के अंत में ऋणग्रस्तता i) मूल राशि ii) ब्याज लेकिन भुगतान के लिए देय नहीं iii) उपार्जित ब्याज,किंतु देय नहीं				
कुल (i+ii+iii)				

VI. निदेशकों एवं मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक

क. प्रबंध निदेशक,पूर्णकालिक निदेशकों एवं/अथवा प्रबंधक का पारिश्रमिक

(₹में)

क्र. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	एमडी/ डब्ल्युटीडी/प्रबंधक का नाम (सर्वश्री)						कुल राशि
		अतुल सोबती सीएमडी	डी.बंद्योपाध्याय, निदेशक (मा.सं.)	अमिताभ माथुर, निदेशक (आई एस एंड पी)	सुब्रत बिस्वास, निदेशक (ई,आर एंड डी)	टी.चोक्कलिंगम, निदेशक–वित्त (10.08.2016 से)	अखिल जोशी, निदेशक (पावर)	
1.	सकल वेतन							
	क) आयकर अधिनियम,1961 की धारा 17(1)में शामिल प्रावधानों के अनुसार वेतन	5271436	4713307	5103110	4124779	4128266	4526339	27867238
	ख) आयकर अधिनियम,1961 की धारा 17(2 के अंतर्गत परिलब्धियों का मूल्य	45274	565639	41314	462687	433751	570429	2119093
	ग) आयकर अधिनियम,1961 की धारा 17(3)अंतर्गत वेतन के बदले लाभ							
2.	स्टॉक विकल्प							
3.	स्वैट इक्विटी							
4.	कमीशन – लाभ का प्रतिशत – अन्य,उल्लेख करें							
5	अन्य, उल्लेख करें							
	कुल (क)	**5316710**	**5278946**	**5144424**	**4587466**	**4562017**	**5096768**	**29986331**
	अधिनियम के अनुसार सीमा	लागू नहीं						

ख. अन्य निदेशकों को पारिश्रमिक

(₹में)

क्र. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	निदेशक का नाम (श्री/सुश्री)								कुल राशि
1	स्वतंत्र निदेशक	सुश्री हरिन्दर हीरा' 01.05.17 तक	ए.एन. राय' 20.08.17 तक	राजेश किशोर	केशव एन देसीराजू	आर. स्वामीनाथन	सुश्री सुरमा पाधी	देश दीपक गोयल '23. 09.17 स	रंजीत रे '23.09.17 से	
	बोर्ड/समिति की बैठकों में शामिल होने के लिए शुल्क	50,000	1,75,000	3,10,000	2,10,000	3,30,000	3,45,000	1,10,000	95,000	16,25,000
	कमीशन	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	अन्य, उल्लेख करें	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (1)	**50,000**	**1,75,000**	**3,10,000**	**2,10,000**	**3,30,000**	**3,45,000**	**1,10,000**	**95,000**	**16,25,000**
2	अन्य गैर कार्यकारी निदेशक	डॉ. सुभाष चंद्र पांडये	भास्कर ज्योति मोहंता	.	.	.	.	.	.	.
	बोर्ड/समिति की बैठकों में शामिल होने के लिए शुल्क	.	.	.	.	.	.	.	.	.
	कमीशन	.	.	.	.	.	.	.	.	.
	अन्य, उल्लेख करें	.	.	.	.	.	.	.	.	.
	कुल (2)	.	.	.	.	.	.	.	.	.
	कुल (ब)=(1+2)	**50,000**	**1,75,000**	**3,10,000**	**2,10,000**	**3,30,000**	**3,45,000**	**1,10,000**	**95,000**	**16,25,000**
	कुल प्रबंधकीय पारिश्रमिक (क+ख)									**3,16,11,331**
	अधिनियम के अनुसार समग्र सीमा	निदेशकों को दिए गए बैठक शुल्क सहित प्रबंधकीय पारिश्रमिक की सीमा से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 लागू नहीं है ।								

ग. एमडी/प्रबंधक/डब्ल्युटीडी को छोड़कर मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों को पारिश्रमिक

(₹में)

क्र. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक			
		सी ई ओ	आई पी सिंह कंपनी सचिव	सीएफओ	कुल
1	सकल वेतन	सारणी–VI (क) के अनुसार		सारणी–VI (क) के अनुसार	
	क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1)में शामिल प्रावधानों के अनुसार वेतन		41,65,659		41,65,659
	ख) आयकर अधिनियम,1961 की धारा 17(2) के अंतर्गत परिलब्धियों का मूल्य		286		286
	ग) आयकर अधिनियम,1961 की धारा 17(3)अंतर्गत वेतन के बदले लाभ				
2	स्टॉक विकल्प				
3	स्वैट इक्विटी				
4	कमीशन				
	– लाभ का प्रतिशत				
	– अन्य,उल्लेख करें				
5	अन्य, उल्लेख करें				
	कुल		41,65,945		41,65,945

VII. जुर्माना/दण्ड/अपराधों का अभियोग

(₹में)

प्रकार	कंपनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	लगाए गए दंड/जुर्माने/अभियोग का शुल्क	प्राधिकरण (आरडी/एनसीएलटी/कोर्ट)	की गयी अपील, यदि कोई हो तो (ब्यौरा दें)
दण्ड					
जुर्माना					
कंपाउंडिंग					
चूककर्ता अन्य अधिकारी			शून्य		
दण्ड					
जुर्माना					
कंपाउंडिंग					

बोर्ड रिपोर्ट का अनुबंध–III

सीईओ और सीएफओ प्रमाणन

मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मुख्य वित्त अधिकारी द्वारा प्रमाणन (लिस्टिंग विनियमन के विनियम 17(8) की शर्तों के अनुसरण में)

सेवामें,

निदेशक मंडल

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

नई दिल्ली

क) हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष का वित्तीय विवरण तथा कैश फ्लो विवरण की समीक्षा की है और हमारी जानकारी तथा विश्वास के अनुसारः

(i) इन विवरणों में ऐसा कोई असत्य विवरण या छोड़ दी गयी जानकारी अथवा भ्रमित करने वाले विवरण नहीं पाए गए हैं ।

(ii) इन विवरणों से कंपनी के कार्यों की एक वास्तविक और उत्तम छवि प्राप्त होती है तथा ये विवरण विशिष्ट लेखांकन मानकों नियमों और विनियमों का अनुपालन करते हैं ।

ख) हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार वर्ष 2017–18 के दौरान कंपनी ऐसे किसी प्रकार के लेन–देन में शामिल नहीं पायी गयी जो कि झूठे,गैर कानूनी अथवा कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले हों ।

ग) हम कंपनी के वित्तीय मामलों में आंतरिक नियंत्रण और वित्तीय रिपोर्टिंग स्थापित करने की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं और हमने इस आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशालिता का मूल्यांकन कर लिया है और हमने इस प्रकार के आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन या प्रचालन में पायी गयी कमियों,यदि कोई हों तो और जिनकी हमें जानकारी है, को लेखा परीक्षकों, लेखा परीक्षा समिति की जानकारी में ला दिया है तथा इन कमियों को दूर करने के उपाय किए जा चुके हैं या किया जाना प्रस्तावित है।

घ) हमने लेखा परीक्षकों तथा लेखा परीक्ष समिति को निम्न प्रकार सूचित किया हैः– (i) वर्ष 2017–18 के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग में आंतरिक नियंत्रण संबंधी महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हो तो।

(ii) वर्ष 2017–18 के दौरान लेखांकन नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हों तो

(iii) वित्तीय रिपोर्टिंग में कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपस्थिति में बड़ी धोखेबाजी के ऐसे अवसर जिनमें प्रबंधन या किसी कर्मचारी का शामिल होना पाया गया हो।

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)

(अतुल सोबती)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28 मई, 2018

निरंतर
विकास

बोर्ड रिपोर्ट का अनुबंध–IV

4.1 निष्पादन निरंतरता – पर्यावरणीय

निष्पादन में निरंतरता हमारे संगठन में प्रबंधकीय प्रक्रियाओं का एक अभिन्न अंग है। ट्रिपल बॉटम लाइन पद्धति हमें किसी भी व्यावसायिक निर्णय के लिए जाने पर सही दिशा में निर्णय लेने हेतु हमारा मार्गदर्शन करती है । इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचने से बचता है,बल्कि हमें कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)संबंधी गतिविधियों के माध्यम से समाज के बड़े भाग में विकास के बीज बोने और उन्हें फैलाने में सहायता मिलती है ।

पर्यावरण को लेकर हमारी चिंता इस दिशा में किए जा रहे हमारे सतत् प्रयासों की द्योतक है। इसके लिए हमने नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को अपने प्रचालनों में बढाया है। स्वच्छ ईंधन का उपयोग, ऊर्जा दक्ष (एनर्जी एफीशिएंट) उपकरणों (लाइट सहित) का उपयोग,वृक्षारोपण, प्राकृतिक संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक प्रबंधन तथा अपशिष्ट प्रबंधन के बेहतर उपाय अपनाए हैं। अपने व्यावसायिक निष्पादन में निरंतरता की प्राप्ति के लिए ये कुछ हमारे अति महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

हमारा संगठन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनेक प्रकार से प्रयासरत है ।इनमें विश्व पर्यावरण दिवस जैसे कार्यक्रम के आयोजन द्वारा हमारे कर्मचारियों के परिवारजनों, हमारी इकाइयों के आस–पास के निवासियों ,स्टेकहोल्डरों आदि को इस दिशा में जागरूक करना शामिल है। वर्ष 2017 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण ,पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे पोस्टर बनाना, प्रश्नोत्तरी, स्लोगन लेखन, वाक् प्रतियोगिता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए पैदल यात्रा आदि का आयोजन शामिल है ।

वर्ष 2017–18 के दौरान बीएचईएल द्वारा की गयी निरंतरता संबंधी विशिष्टताओं का विवरण निम्न प्रकार है :

4.1.1 भौतिक एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधनः

हमारा संगठन हमेशा ही भौतिक तथा प्राकृतिक संसाधनों के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग पर जोर देता रहा है। वर्ष 2017–18 के दौरान इस दिशा में कुछ विशिष्ट गतिविधियां हुई हैं, जिनका विवरण इस प्रकार हैः इकाइयों में उत्पन्न लौह तथा गैर लौह त्याज्य की स्थानीय री–साइकलिंग तथा इसे री–साइकलिंग के लिए सीएफएफपी हरिद्वार भेजा जाना,पैकिंग वुड की री–साइकलिंग, अपशिष्ट तेल का पुनः उपयोग,आई पी जगदीशपुर में हाइड्रॉलिक तेल को बचाने के लिए हाइड्रॉलिक पावर पैक्स के लिए इलैक्ट्रोस्टैटिक ऑयल फिल्ट्रेशन मशीन का संस्थापन,एचईपी भोपाल इकाई में स्टीम जनरेशन (टीआरएम) के लिए ईंधन की खपत में कमी द्वारा 520 एमटी फर्नेस ऑयल की बचत आदि।

4.1.2 ऊर्जा प्रबंधन :

समीक्षाधीन अवधि के दौरान हमारी विनिर्माण इकाइयों तथा परियोजना साइटों में ऊर्जा संरक्षण तथा ऊर्जा के दक्षतापूर्ण उपयोग पर विभिन्न उपाय अपनाकर बल दिया गया जैसे ऊजा दक्ष लाइटें लगाना, दिन की रोशनी पाने के उद्देश्य से विनिर्माण ब्लाकों में पारदर्शी छत, बॉयलरों में हीट रिकवरी सिस्टम लगवाना, भट्टियों, चूल्हों, तथा बर्नरों के ऊर्जा निष्पादन में सुधार, विभिन्न पुराने उपकरणों को बदलकर ऊर्जा दक्ष उपकरण लगवाना आदि ।

हमारी विनिर्माण इकाइयों में 26.5 मे.वा. स्केल की सौर ऊर्जा जनन क्षमता प्राप्त हुई है। इसके अलावा हमारे पास विभिन्न सब–मेगावाट के सतही तथा रूफ टॉप सौर संयंत्र भी उपलब्ध हैं ।

प्दीवनेम कमअमसवचमक ैवसंत च्ंपअम ज्तंबामत पदेजंससमक ंज ठभ्म्स् भ्ंतपकूंत वित मदींदबमक मदमतहल हमदमतंजपवद

हमारी ईडीएन इकाई बेंगलूरु द्वारा प्रारंभिक परियोजना के रूप में हलसूरु लेक, बेंगलूरु में 24 के डबल्यू पी क्षमता वाला फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टाइक सिस्टम स्थापित किया गया है ।

विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से वर्ष के दौरान कुल 15.61 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ जो वर्ष 2016–17 में 14.82 मिलियन यूनिट था ।

4.1.3 जल तथा जैव विविधता प्रबंधन :

जल तथा अपशिष्ट जल का निरंतर प्रबंधन हमारे संगठन की शक्ति का प्रमुख क्षेत्र है हमारे कई संयंत्रों जैसे एचपीईपी हैदराबाद,ईपीडी बेंगलूरु,एचपीबीपी त्रिचि ने मलिन जल उपचार संयंत्रों की सहायता से अपशिष्ट जल का बागवानी हेतु उपयोग से पानी की खपत में बचत की है। वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान हमारी एचईपी भोपाल तथा एचपीबीपी त्रिचि इकाइयों में क्रमशः 4.5 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) क्षमता वाले सिक्वेंशियल बैच रिएक्टर टैकनालॉजी(एसबीआर) वाले एक मलिन जल उपचार संयंत्र तथा मेंब्रेन बायोरिएक्टर (एमबीआर) टैकनालॉजी वाले 2एम एल डी क्षमता के मलिन जल उपचार संयंत्र की स्थापना की गयी। इसके अलावा 16 किलोलीटर प्रतिदिन (केएलडी) क्षमता वाले एसटीपी और 5 किलोलीटर प्रतिदिन (केएलडी) वाले ईटीपी की स्थापना सी एफपी रुद्रपुर में की गयी। इससे हमारी यह इकाई लगभग शून्य लिक्विड डिस्चार्ज इकाई बनाया गयी है ।

हमारी अधिकांश इकाइयों में विश्व पर्यावरण दिवस दिवस 2017 के अवसर पर बड़े पैमाने में वृक्षारोपण किया गया। हमारी अनेक इकाइयों में सेवानिवृत होने जा रहे कर्मचारियों से उनकी सेवानिवृत्ति के दिन वृक्षारोपण कराने की परंपरा है, जिससे कि हमारे संगठन को समुचित आकार देने में उनका योगदान अविस्मरणीय रह सके ।

4.1.4 कार्बन प्रबंधन :

ऊर्जा संरक्षण/ऊर्जा दक्षता उपायों और नवीकरणीय ऊर्जा आधारित प्रणालियों के संस्थापन से हमारे प्रचालनों में एक बड़े पैमाने में कार्बन की छाप को दूर रख पाने में हमें महत्वपूर्ण सहायता मिली है। केवल विभिन्न सौर ऊर्जा संबंधी पहलकदमियों के अपनाने बीएचईएल ने कार्बन फुट प्रिंट दूर रखने में वर्ष 2017–18 के दौरान 15454 डज CO2 & e तक सफलता पायी है जो कि वर्ष 2016–17 (14378MT CO2 & e)से 7.48þ अधिक है। इसके अलावा समीक्षाधीन अवधि के दौरान समूचे बीएचईएल में ऊर्जा दक्षता तथा ऊर्जा संरक्षण उपायों के अपनाए जाने से भारी मात्रा में कार्बन फुट प्रिंट को दूर रखने में सहायता मिली है ।

4.1.5 अपशिष्ट प्रबंधन :

बीएचईएल में अपशिष्ट प्रबंधन की जिम्मेदार परम्परा रही है। इसमें यथासंभव अपशिष्ट का पुनः उपयोग तथा अपशिष्ट निपटान हेतु अपनाई जा रहीं पद्धतियां/तरीके संबंधित सांविधिक प्रावधानों के अनुरूप होना शामिल है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान हमारी इकाइयों में अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में की गयी कुछ विशिष्ट गतिविधियों के उदाहरण इस प्रकार हैं: एचईईपी हरिद्वार, आई पी जगदीशपुर ,एचईआरपी वाराणसी एचपीबीपी त्रिचि में ऑरगेनिक अपशिष्ट की खाद (कम्पोस्टिंग) बनाना, एचईपी भोपाल में पैकिंग बॉक्स बनाने के लिए प्रयुक्त 1296M^3 लकड़ी का पुनः उपयोग, सीएफएफपी हरिद्वार में 14,377MT लौह त्याज्य का कास्टिंग और फोर्जिंग में उपयोग आदि। समूचे बीएचईएल में ठोस त्याज्य/अपशिष्ट ,जिसकी री–सेल वैल्यु हो, का संकलन किया गया और प्राधिकृत री–साइकल करने वाले के माध्यम से इसका निपटान किया गया। खतरनाक अपशिष्टों/ई–अपशिष्टों का निपटान संबंधित सांविधिक प्रावधानों के अनुरूप किया गया ।

4.2 संधारणीयता निष्पादन –सामाजिक

विभिन्न कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल कदमियों के माध्यम से बीएचईएल सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। सी एस आर नीति के अंतर्गत चिन्हित क्षेत्रों में अनेक कार्य किए गए। बीएचईएल को अपने कार्य की पहचान स्वरूप सी एस आर के क्षेत्र में निम्न पुरस्कार प्राप्त हुए हैं:

- बीटी सी एस आर उत्कृष्टता पुरस्कार 2017– ब्यूरोक्रेसी टुडे पत्रिका द्वारा निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत:
  - 'स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन बीटी सी एस आर उत्कृष्टता पुरस्कार
  - 'सार्वजनिक क्षेत्र की सर्वोत्तम कंपनी' – बीटी सी एस आर उत्कृष्टता पुरस्कार
- बी एच ई एल की सी एस आर परियोजना 'शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से औसतन समुदाय को सशक्त बनाना 'के लिए ब्लु इकानॉमी हेतिं झव्ब ऑडर ऑफ मेरिट पुरस्कार ।
- पावर सेक्टर दक्षणी क्षेत्र को ठक्कर बाबा विद्यालय समिति चैन्नई द्वारा वर्ष 2015 में बाढ़ से तबाह इस विद्यालय के भवन के पुनर्निर्माण के लिए "मानवीयता पुरस्कार"।

बीएचईएल दृपीएसएसआर को ठक्कर बाबा विद्यालय समिति चैन्नई द्वारा वर्ष 2015 में बाढ़ से तबाह इस विद्यालय के भवन के पुनर्निर्माण के लिए "मानवीयता पुरस्कार "।

- हीमोफिलिया फैडरेशन इंडिया ने देश में हीमोफिल्क्स (अति रक्तस्राव के रोगी) के कल्याण हेतु दिए जा रहे योगदान के लिए बी एच ईएल को वर्ष के दौरान तीसरी बार सम्मानित किया ।
- बीएचईएल ने 4 से 6 मई 2017 को लोक उद्यम विभाग द्वारा इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) के सहयोग से प्रगति मैदान नई दिल्ली में आयोजित सी एस आर मेले में प्रतिभगिता की ।

माननीय केंद्रीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री श्री अनंत गीते और माननीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम राज्य मंत्री श्री बाबुल सुप्रियो सी एस आर मेले में बीएचईएल स्टॅाल का उद्घाटन करते हुए ।

हरिद्वार तथा ऋषिकेश के निकट गंगा नदी के तट पर बीएचईएल द्वारा संस्थापित बायो डाइजेस्टर शौचालय

बीएचईएल द्वारा की गयी कुछ प्रमुख सी एस आर गतिविधियों का विवरण निम्न प्रकार है:

स्वच्छ भारत :

- महाजेनको (MAHAGENCO) के साथ मिलकर चन्दरपुर टीपीएस, महाराष्ट्र के पास के गांवों में 9 जल संयंत्रों तथा वाटर ए टी एम लगवाने में वित्तीय सहायता प्रदान की ।
- हरिद्वार तथा ऋषिकेश में 25 जोड़े बायोडाइजेस्टर शौचाकयों के संस्थापन में निरंतर सहयोग प्रदान किया गया। ओनमें से 14 समूहों को जो कि 7 जगहों पर स्थित हैं प्रचालन योग्य बना दिया है और शेष पूर्णता की विभिन्न अवस्थाओं में हैं।
- हमारी विभिन्न इकाइयों के आस–पास ग्रामीण इलाकों में स्थित विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण किया गया ।

अपनी इकाइयों और परियोजना स्थलों के आसपास शौचालयों का निर्माण कर बी एच ई एल 'स्वच्छ भारत'कार्यक्रम को बढावा देने में अग्रणी रहा है

शिक्षित भारत :

- समाज के कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को टाउनशिपों में स्थित विद्यालयों में गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए बीएचईएल ने अपना सहयोग जारी रखा है ।
- पटना में मिट्टी और पानी में विषाक्त पदार्थो का आकलन करने के प्रोजेक्ट के लिए ए एन कॉलेज पटना को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी ।
- बीएचईएल की हरिद्वार, झांसी तथा त्रिचि इकाई के आस–पास मोबाइल विज्ञान प्रयोगशाला चलाने के लिए वित्तीय सहयोग जारी रखा है ।
- सरकारी आईटीआइ पीणिया, बेंगलूरु की इलेक्ट्रिकल प्रयोगशाला का नवीकरण कार्य किया गया ।
- क्षितिज भवन,पिपलानी भोपाल में 55 ऐसे स्कूली विद्यार्थियों को छात्रवृति वितरित की जो कि विधवाओं के बच्चे ,अनाथ या शारीरिक रूप से विकलांग थे ।

'उड्यान शालिनी' योजना के अंतर्गत बीएचईएल ने 100 छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की ।

- गरीबी रेखा से नीचे वाले वर्ग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए फाउंडेशन फॉर अकेडेमिक एक्सेलेंस एंड एक्सेस (एफ ए ई ए) के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा है ।

स्वस्थ भारत:

- सीएसआर प्रोजेक्ट "सी डी / पीएनडी: रोकथाम उपचार से बेहतर है" , 'हील ए सोल' नामक सी एस आर प्रोजेक्ट के विस्तृत रूप के अंतर्गत मरीजों में प्रसवपूर्व निदान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा है
- बी एच ई एल की बहुत सी इकाइयों के आस–पास जरूरतमंद गरीब लोगों के लिए रोटरी क्लब तथा अन्य एजेंसियों के माध्यम से चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए।
- बेंगलूरु में 'राष्ट्रोत्थान परिषत'नामक एक एनजीओ को 90 थैलासीमिया से ग्रसित मरीजों के इलाज हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की गयी ।
- महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में वॉकहार्ड फाउंडेशन के माध्यम से मोबाइल मेडिकल वैन चलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा है।
- नगर निगम जबलपुर को एक शव वाहन (मौर्चरी वैन) प्रदान किया गया।

हरित भारत:

- मेदक जिला,तेलंगाना के दो गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइटें तथा घरेलू लाइटें लगायी गयीं ।
- सरकारी कुष्ठरोग अस्पताल ,मागडी रोड ,बेंगलूरु में सोलर वाटर हीटर सुविधा स्थापित की गयी ।

जिम्मेदार एवं अखंड भारत

- भारत में खेलों / खिलाड़ियों के लाभार्थ राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) को ₹10 लाख का अंशदान दिया गया।
- व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे टेलरिंग,पर्स मेकिंग, गुलदस्ता बनाना, ब्यूटीशियन, संगीत,नृत्य आदि पर हमारी हरिद्वार इकाई में लेडीज क्लब के माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।
- केन्द्रीय महिला कारागार ,जिल तुमकुर,कर्नाटक के लगभाग 85 कैदियों को बेकरी यूनिट स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गयी ।
- बी एच ई एल दिव्यांग कर्मचारी कल्याण संघ ,हैदराबाद तथा अलिम्को, कोलकाता की सहायता से दिव्यजन के लिए सहायक सामग्री के वितरणार्थ वित्तीय सहायता प्रदान की गयी।

बीएचईएल की विनिर्माण इकाइयों में महिलाओं को आजीविका प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम

4.2 सी एस आर गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट :

(कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 की अपेक्षाओं के अनुसार)

क्र. सं.	विवरण		
1	अवधि जिसके लिए सी एस आर रिपोर्ट की जा रही है	**से 04/04/2017**	**तक 31/03/2018**
2	इसमें बीएचईएल की सहायक कंपनी/ज्वाइंट वेंचर के सी एस आर संबंधी आकड़े/जानकारी शामिल नहीं है ।		
3	किसी अन्य संगठन की सी एस अर संबंधी गतिविधियों की जानकारी शामिल नहीं की गयी है		
4	कंपनी की सीएसआर नीति ,जिसमें लिए गए प्रोजेक्ट या कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी, सीएसआर नीति, परियोजनाओं या कार्यक्रमों के वैब लिंक का संदर्भ इस रिपोर्ट के अनुबंध – क के रूप में संलग्न है ।		
5	बीएचईएल में गठित सीएसआर समिति : बीएचईएल में सीएसआर समिति बोर्ड स्तरीय समिति (बीएलसी)कहलाती है और इसमें निदेशक (मा.सं.), निदेशक(वित्त) एक अंशकालिक सरकारी निदेशक और कम से कम एक स्वतंत्र निदेशक (अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक)शामिल हैं । समिति के अध्यक्ष एक स्वतंत्र निदेशक होते हैं। इस समिति के गठन संबंधी कोई भी परिवर्तन या सी एस आर समिति का पुनर्गठन बोर्ड के अनुमोदन से किया जाता है। वर्ष 2017–18 के लिए सी एस आर के लिए गठित बोर्ड स्तरीय समिति निम्न प्रकार है:		
	नाम सुश्री /श्री	**पदनाम**	**सी एस आर समिति में पद**
	सुश्री हरिंदर हीरा	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (01.05.2017 तक)
	राजेश किशोर	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (15.05.2017 से)
			सदस्य (06.04.2017 से 14.05.2017 तक)
	भास्कर ज्योति महंता	अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य
	रंजीत राए	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (10.10.2017 से)
	डी बंद्योपाध्याय	निदेशक (मा.सं.)	सदस्य
	टी.चोक्कलिंगम	निदेशक (वित्त)	सदस्य (30.11.2017 तक)
	सुब्रत बिस्वास	निदेशक ई,आर एंड डी और (वित्त)	सदस्य (01.12.2017 से)
6	**विवरण**		**राशि ₹ करोड़ में**
	कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 198 के अनुरूप पिछले 3वित्तीय वर्षो (2014–15,2015–16 और 2016–17) का औसत निवल लाभ		517.58 करोड़
7	**सी एस आर व्यय** **बिंदु 6 में उल्लिखित राशि का 2% निम्नवत आता है**		**वि.व. 2017–18 के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित सी एस आर बजट**
	₹10.35 करोड़		₹10.40 करोड़
8	वि.व.2017–18 के दौरान खर्च की गयी सी एस आर राशि का विवरण		
	विवरण		**₹ करोड़ में**
	वर्ष में खर्च की जाने वाली कुल राशि		10.40
	प्रतिबद्धता के बाद भी खर्च न की गयी राशि		3.04
	वर्ष 2017–18 में खर्च की गयी राशि के प्रकार का विवरण इस रिपोर्ट के अनुबंध दृ ख के रूप में संलग्न है ।		
9	धनराशि खर्च न किए जाने के कारण: क. ली गयी कुछ परियोजनाएं 2017–18 के बाद भी जारी रहने वाली हैं। इन परियोजनाओं पर आने वाले खर्च को वि.व. 2017–18 के लिए पहले से आबंटित सी एस आर बजट से पूरा किया जाएगा । ख.बीएचईएल की सी एस आर नीति के अनुसार ₹3.04 करोड़ की खर्च न की गयी राशि समाप्त नहीं होगी और इसे वि.व. 2018–19 की सी एस आर परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा ।		
10	हमारा एतद द्वारा घोषणा करते हैं कि सी एस आर नीति का कार्यान्वयन और इसकी निगरानी कंपनी की सी एस आर नीति के उद्देश्यों के अनुपालन के लिए की जाएगी ।		

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
बीएचईएल

अध्यक्ष
सीएसआर समिति

नई दिल्ली
दिनांक: 25 जुलाई, 2018

अनुबंध – क

बीएचईएल कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी एस आर) नीति की रूपरेखा

बीएचईएल का सीएसआर विजन है "एक जिम्मेदार कार्पोरेट नागरिक बनना ,जो बेहतर कल बनाने के लिए प्रयासरत है"। हमारा सीएसआर मिशन वाक्य है "सीएसआर के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पूरी निष्ठा और प्रभावशाली तरीके से कंपनी द्वारा दिए गए उत्तरदायित्वों का निर्वाह करना।"

नीति के उद्देश्य :

- कंपनी अधिनियम 2013 ,कंपनी (सीएसआर नीति), नियम 2014 और मौजूदा डीपीई दिशानिर्देशों के अंतर्गत आने वाली ऐसी परियोजनाओं और कार्यक्रमों का विवरण देना,जिन्हें बीएचईएल शुरु करना चाहता है ।
- इन सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों के निष्पादन का तरीका
- इन सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों की निगरानी प्रक्रिया
- शेयरधारकों को बीएचईएल में विद्यमान सीएसआर परंपरा से अवगत कराना
- व्यवसाय एवं सी एस आर एजेंडा को निरंरतर विकास के बृहत उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए निष्पादन

नीति के प्रमुख बिंदु :

- यह कंपनी अधिनियम कंपनी (सीएसआर नीति), नियम 2014, सी एस आर और संवहनीयता पर डीपीई के दिशा निर्देशों की सभी आवश्यकताओं को पूरा करती है।
- यह सीएसआर गतिविधियों के उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को परिभाषित करती है,जो कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII में उल्लिखित हैं।
- यह हाल ही के तीन वर्षों के औसत निवल लाभा का 2% सी एस आर गतिविधियों के लिए आबंटित किए जाने का स्पष्ट उल्लेख करती है।
- कंपनी सीएसआर गतिविधियों के लिए स्थानीय इलाकों को प्राथमिकता देगी और सी एस आर गतिविधियों की राशि क 75% यहां खर्च करेगी।
- ऐसी परियोजना जिसका कुल मूल्य ₹2 करोड़ या उससे अधिक हो को बृहततम परियोजना (मेगा प्रोजेक्ट) कहा जाएगा और ऐसी परियोजनाओं के प्रभाव का आकलन और गणना बाहरी एजेंसियों के माध्यम से करायी जाएगी ।
- कुल वार्षिक सीएसआर बजट का 5% आपदा/विनाश के समय राहत कार्यों के लिए आपातकालीन निधि के रूप में आरक्षित रखे जाने का प्रावधान है।
- कुल वार्षिक सीएसआर बजट का 5% क्षमता निर्माण हेतु आरक्षित रखा जाएहा, जिसमें प्रशासनिक ओवरहैड्स भी शामिल हैं।
- यह कार्पोरेट स्तर पर त्रि–स्तरीय सी एस आर संरचना तथा बी एच ई एल की इकाइयों में सी एस आर संरचना को परिभाषित करती है ।

सीएसआर नीति का वैब लिंक : बीएचईएल सीएसआर नीति www-bhel-com में सीएसआर अनुभाग के अंतर्गत मौजूद है, जिस तक www.bhel.com@CSR@pdf@BHEL&CSR&Policy&Julyþ202017.pdf **से पहुंचा जा सकता है।**

अनुबंध – ख

वित्त वर्ष 2017–18 में सीएसआर फंड का व्यय क्षेत्र

(₹लाख में)

क्र. सं.	चिन्हित सीएसआर परियोजनाएं एवं गतिविधियां	क्षेत्र जिसमें परियोजना शामिल है (अनुसूची–II की मद संख्या) और बीएचईएल के प्रमुख क्षेत्र	परियोजना और कार्यक्रम (1) स्थानीय और अन्य (2) राज्य और जिले जहां कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।	राशि व्यय (बजट) परियोजना के अनुसार	परियोजना अथवा कार्यक्रम पर व्ययित राशि (2017–18में)	संचयी – रिपोर्टिंग अवधि तक व्यय	सीधे या कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से खर्च की गई राशि	कार्यान्वयन एजंसी का नाम
1	कौशल विकास	2 समेकित भारत	स्थानीय, देलही (देलही) तमिलनाडु (वेल्लोर, पुडूकोट्टा), मध्यप्रदेश (भोपाल), कर्नाटक (बैंगलुरु), उत्तराखंड (हरिद्वार) आंध्रप्रदेश (विज़ाग) तेलंगाना (मेडक), उत्तरप्रदेश (अमेठी)	261.07	196.13	196.13	प्रत्यक्ष	बीएचईएल
2	खेल / खिलाड़ियों का विकास	7 स्वस्थ भारत	स्थानीय, देलही (देलही)	10.00	10.00	10.00	लागूकरण एजेंसी	एनएसडीएफ
3	विद्यालय व्यय	2 शिक्षित भारत	स्थानीय, देलही (देलही) तमिलनाडु (वेल्लोर, पुडूकोट्टा), मध्यप्रदेश (भोपाल), कर्नाटक (बैंगलुरु), उत्तराखंड (हरिद्वार) आंध्रप्रदेश (विज़ाग) तेलंगाना (मेडक), उत्तरप्रदेश (अमेठी झांसी)	314.20	300.09	300.09	प्रत्यक्ष	बीएचईएल
4	विविध सीएसआर गतिविधियां	1 स्वच्छ भारत	स्थानीय, मध्यप्रदेश (भोपाल) उत्तरप्रदेश (वाराणसी, झांसी, गाजियाबाद)	24.00	4.75	4.75	प्रत्यक्ष एवं लागूकरण एजेंसी	बीएचईएल,गैर सरकारी संगठन
5	विविध सीएसआर गतिविधियां	2 शिक्षित भारत	स्थानीय, देलही देलही कर्नाटक (बैंगलुरु), तमिलनाडु (त्रिची) उत्तराखंड (उधसिंह नगर) तेलंगाना (विक्राबाद), उत्तरप्रदेश (जीबी नगर)	14.26	4.99	4.99	प्रत्यक्ष और कार्यान्वयन एजेंसी	बीएचईएल,गैर सरकारी संगठन
6	विविध सीएसआर गतिविधियां	3 उत्तरदायी भारत	स्थानीय, देलही (देलही) तमिलनाडु (त्रिचि) मध्यप्रदेश (भोपाल) उत्तराखंड (हरिद्वार) तेलंगाना (मेडक) महाराष्ट्र (मुंबई) आसाम (कोकराझार)	21.07	16.94	16.94	प्रत्यक्ष एवं लागूकरण एजेंसी	बीएचईएल, गैर सरकारी संगठन

क्र. सं.	चिन्हित सीएसआर परियोजनाएं एवं गतिविधियां	क्षेत्र जिसमें परियोजना शामिल है (अनुसूची–II की मद संख्या) और बीएचईएल के प्रमुख क्षेत्र	परियोजना और कार्यक्रम (1) स्थानीय और अन्य (2) राज्य और जिले जहां कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।	राशि व्यय (बजट) परियोजना के अनुसार	परियोजना अथवा कार्यक्रम पर व्ययित राशि (2017–18में)	संचयी – रिपोर्टिंग अवधि तक व्यय	सीधे या कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से खर्च की गई राशि	कार्यान्वयन एजेंसी का नाम
7	विविध सीएसआर गतिविधियां	2 हरित भारत	स्थानीय, तमिलनाडु–(पुदुक्कोट्टई)	2.00	1.61	1.61	प्रत्यक्ष	बीएचईएल
8	मेडिकल कैंप, समग्र हेल्थकेयर	1 स्वस्थ भारत	स्थानीय, दिल्ली (दिल्ली) तमिलनाडु– (त्रिची) मध्यप्रदेश (भोपाल) उत्तराखंड (हरिद्वार) आंध्रप्रदेश (विजाग) तेलंगाना (मेडक, हैदराबाद) महाराष्ट्र (नागपुर)	12.94	11.51	11.51	प्रत्यक्ष	बीएचईएल
9	डिस्क्स, बेंच, वर्दी, किताबें, कंप्यूटर, पेयजल सुविधा आदि प्रदान करना विभिन्न स्कूलों में	2 शिक्षित भारत	स्थानीय, मध्यप्रदेश (भोपाल) कर्नाटक (बेंगलुरु) तेलंगाना (मेडक) उत्तरप्रदेश (अमेठी) पंजाब (तरणतारण, कपूरथला) महाराष्ट्र (नागपुर)	11.11	7.88	7.88	प्रत्यक्ष	बीएचईएल
10	कामकाजी महिला छात्रावास को सहायता	3 उत्तरदायी भारत	स्थानीय, उत्तराखंड (हरिद्वार)	6.96	6.96	6.96	प्रत्यक्ष	बीएचईएल
11	ए.एन कॉलेज, पटना को सीएसआर द्वारा मदद	3 उत्तरदायी भारत	अन्य, बिहार (पटना)	19.80	3.76	3.76	अनुपालन कर्ता एजेंसी	ए एन कॉलेज, पटना
12	निर्माण/शौचालयों का नवीनीकरण, स्वच्छ भारत कार्यक्रम आदि	1 स्वच्छ भारत	स्थानीय, आंध्रप्रदेश (विजाग)	9.59	5.37	5.37	प्रत्यक्ष	बीएचईएल
13	जल एटीएम के साथ पीने के पानी के पौधे	1 स्वच्छ भारत	स्थानीय, महाराष्ट्र (चंद्रपुर)	90.00	0.00	0.00	स्वच्छ भारत	महाजेन को
14	ग्रामीण इलाकों में मोबाइल मेडिकेयर यूनिट का प्रचालन	1 स्वस्थ भारत	अन्य महाराष्ट्र (रायगढ़)	43.00	0.00	0.00	स्वच्छ भारत	वोकहार्ड्ट फाउंडेशन
15	क्षमता निर्माण	क्षमता	स्थानीय एवं सम्पूर्ण भारत में स्थित	200.00	165.80	165.80	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल				**1040.00**	**735.80**	**735.80**		

बोर्ड की रिपोर्ट का अनुलग्नक–V

व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट 2017–18

खंड "क": कम्पनी के बारे में सामान्य जानकारी

1. **कम्पनी की कॉर्पोरेट पहचान संख्या** (CIN): L74899DL1964GOI004281
2. **कम्पनी का नामः** भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
3. **पंजीकृत पता** : बीएचईएल हाउस, सिरीफोर्ट, नई दिल्ली –110 049
4. **वेबसाइटः**www.bhel.com
5. E-mailid:shareholderquery@bhel.in
6. **सूचित वित्तीय वर्षः** 2017–18
7. **जिन क्षेत्रों में कंपनी कार्यरत हैः** ''कॉर्पोरेट प्रोफाइल'' वार्षिक रिपोर्ट, 2017–18 का संदर्भ लें
8. **कंपनी के तीन प्रमुख उत्पादों/सेवाओं की सूची बताएं जो कंपनी बनाती/प्रदान करती हैं:**

   क) भाप जेनरेटर (एनआईसी कोड : 2513) के साथ उपयोग के लिए सहायक संयंत्र सहित भाप जेनरेटर का निर्माण

   ख) टर्बाइन का निर्माण, जेनरेटर सेट सहायक सहित (एनआईसी कोडः 2811)

   ग) पावर प्लांट का निर्माण (एनआईसी कोडः 4220)

   घ) विद्युत मोटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण उपकरण आदि का निर्माण (एनआईसी कोडः 2710)

9. **उन स्थानों की कुल संख्या जहां कंपनी द्वारा व्यवसाय गतिविधि की जाती हैः**

   क) अंतर्राष्ट्रीय स्थानों की संख्या (प्रमुख 5 के विवरण प्रदान करें)

   बीएचईएल द्वारा व्यावसायिक गतिविधि शुरू की जाने वाली प्रमुख जगहें जकार्ता (इंडोनेशिया), ढाका (बांग्लादेश), दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) हैं।

   ख) देश में स्थित स्थानों की संख्या

   कम्पनी की 17 उत्पाद इकाईयां, 2 अनुरक्षण इकाईयां, 4 क्षेत्रिय कार्यालय, 8 सेवा केंद्र सहित 15 क्षेत्रिय प्रचालन कार्यालय हैं।

10. **कम्पनी का बाजार क्षेत्रः** कम्पनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों ही बाजारों में सेवाएं प्रदान करती है।

खंड ख : कम्पनी का वित्तिय विवरण (2017–18)

1.	प्रदत्तपूंजी	:	₹ 734.28 करोड़
2.	सकलबिक्री/टर्नओवर	:	₹ 27850 करोड़
3.	कर उपरांत सकल लाभ	:	₹ 807करोड़
4.	सीएसआर एवं एस डी पर किया गया कुल खर्च	:	₹ 10.4 करोड़ (खर्च न की गई राशि ₹3.04 करोड़ को शामिल करते हुए आगे ले जाया गया)

5. **सीएसआर व्यय के अंतर्गत की जाने वाले गतिविधियों की सूचीः** बीएचईएल वार्षिक रिपोर्ट 2017–18 के अंतर्गत बोर्ड की रिपोर्ट में अनुलग्न क IV का संदर्भ लें,

खंड ''ग'' : अन्य विवरण

1. **क्या कंपनी की कोई सहायक अथवा अनुषंगी कंपनी/कंपनियां हैं?**

   हां बीएचईएल की एक अनुषंगी कम्पनी है – भारत इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड (बीएचईएल ईएमएल) कासरगोड

2. **क्या सहायक कंपनी / कंपनियां मूल कंपनी के बीआर पहलों में भाग लेती हैं। यदि हां, तो सी सहायक कंपनी की संख्या इंगित करें।**

   बीएचईएल–ईएमएलए का सरगोड बीएचईएल के बीआर पहलों में भाग नहीं लेता है तथापि बीएचईएल–ईएमएल, 'सी' श्रेणी में अनुसूचित सार्वजनिक उद्यम है जो कि भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशों का पालन करता है।

3. **क्या कंपनी व्यापार में भागीदार अन्य संस्थाएं (जैसे आपूर्ति कर्ता, वितरक इत्यादि) कंपनी की बीआर पहल में भाग लेती है? यदि हां, तो ऐसी इकाई/संस्थाओं का प्रतिशत इंगित करें? (30% से कम, 30.60%, 60% से अधिक)**

   अधिकतर मामलों में बीआर पहल केवल बीएचईएल द्वारा किए जाते हैं।

खंड ''घ'' : बीआर सूचना

1. **बीआर हेतु उत्तरदायी निदेशक/निदेशकों का विवरण**

   क) बीआर नीतियों के क्रियान्वयन हेतु उत्तरदायी निदेशक/बीआर हेड का विस्तृत विवरण

क्र.	मद/ब्यौरा	विवरण
i.	डीआईएन क्र. (यदि लागू हो)	07221633
ii.	नाम	डी बंद्योपाध्याय
iii.	पदनाम	निदेशक (मा.सं.)
iv.	दूरभाष क्रमांक	01126001003
v.	ई–मेल आई डी	db@bhel.in

2. **सिद्धांत वार (एनवीजी के अनुसार) बीआर नीति / नीतियां (उत्तर दें हां/ना)**

   कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा व्यवसाय की सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक जिम्मेदारियों (एनवीजी) पर जारी राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देशों ने व्यावसायिक उत्तरदायित्व के नौ क्षेत्रों को अपनाया है ये संक्षेप में नीचे हैं:

   पी 1: नैतिकता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के गुणों के साथ व्यवसायों को स्वयं अपना संचालन करना चाहिए।

पी 2: व्यवसायों को ऐसी सामग्री और सेवाएं प्रदान करनी चाहिए जो सुरक्षित हैं और पूरे जीवन चक्र में स्थिरता में योगदान दें।

पी 3: व्यवसायों को सभी कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा देना चाहिए

पी 4: व्यवसायों को सभी पणधारियों विशेषतः वंचित, कमजोर और हाशिए वाले पणधारकों के प्रति उत्तरदायी होते हुए उनके हितोंको ध्यान में रखना चाहिए।

पी 5: व्यवसायों को मानवाधिकारों का सम्मान और प्रचार करना चाहिए।

पी6: व्यवसायों को पर्यावरण को बहाल करने के लिए उनकी देखभाल के साथ ही उनकी उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु प्रयास करना चाहिए।

पी7: व्यवसाय, जब नियामक नीतियों और जनता को प्रभावित करने लगे तो ऐसी स्थिती में उन्हें उत्तरदायी भूमिका का प्रदर्शन करना चाहिए।

पी8: व्यवसायों को समावेशी विकास और न्याय संगत विकास का समर्थन करना चाहिए।

पी9: व्यवसाय जो अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं के साथ व्यवसाय में हो तो इन्हें चाहिए कि उत्तरदायित्वता के साथ इन्हें सम्मान दें।

क्र.	प्रश्नावली	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
1	......के लिए क्या आपके पास कोई नीति/नीतियां हैं।	हां	हां	हां	हां	हां	हां	नहीं	हां	हां
2	क्या संबंधित पणधारकों की सहमति से नीतियां बनाई गई हैं।	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
3	क्या नीति किसी भी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरुप है? यदि हां, निर्दिष्ट करें? (50 शब्द)	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
4	क्या बोर्ड द्वारा नीतिको मंजूरी दी जा रही है? यदि हां? क्या एमडी/मालिक/सीईओ/उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
5	क्या पॉलिसी के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु कंपनी के पास बोर्ड / निदेशक/ आधिकारिक की एक निर्दिष्ट समिति है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
6	नीति को ऑनलाइन देखने के लिए लिंक को क्लिक करें?	जहां भी लागू हैं, वेबलिंक्स दिए गए हैं								
7	क्या संगत सभी आंतरिक एवं बाहरी पणधारकों को नीति के बारे में औपचारिक रूप से सूचित किया गया है? प्रासंगिक आंतरिक और बाहरी हितधार कों ?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
8	इन नीतियों के क्रियांवयन हेतु कंपनी के पास क्या कोई आंतरिक संरचना है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
9	क्या पॉलिसी / नीतियों से संबंधित हितधारकों की शिकायतों को संबोधित करने के लिए कंपनी को नीति / नीतियों से संबंधित शिकायत निवारण तंत्र है ?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
10	क्या कंपनी ने आंतरिक या बाहरी एजेंसी द्वारा इन नीतियों के कामकाज का स्वतंत्र लेखा परीक्षा / मूल्यांकन करवाया है।	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां

टिप्पणियां

1. हमारे पास इन सिद्धांतों के आधार पर स्थापित विभिन्न अभ्यास हैं, लेकिन उनसे संबंधित कोई औपचारिक नीति दस्तावेज नहीं है।
2. एक बार बोर्ड द्वारा पॉलिसी को मंजूरी मिलने के बाद, इसे सीएमडी / बोर्ड निदेशक द्वारा अनिवार्य रूप से हस्ताक्षरित करने की आवश्यकता नहीं है।
3. संगठन की नीतियां और प्रक्रियाएं एआईएसओ 9001, आईएसओ 14001, ओएचएसएएस 18001, सीएजीए संसदीय समितियों, निदेशक मंडल, कार्यात्मक निदेशकों की समिति, बोर्ड स्तर समितियों और / या प्रबंधन समिति इत्यादि द्वारा लेखा परीक्षा / समीक्षाधीन हैं।

2क. यदि किसी सिद्धांत के विरुद्ध क्रमांक 1 उत्तर 'नहीं' है, तो कृपया बताएं ऐसा क्यों: (2 विकल्प तक चयनित करें।)

नीति 7 के संबंध में 'पॉलिसी अडवोकेसी' को दृष्टिगत रखते हुए, हमने इस आधार पर जिम्मेदारी के साथ प्रथाओं/प्रचलनों की स्थापना की है।

3. बीआर से संबंधित शासन

- वह आवृत्ति बताएं जिससे निदेशक मंडल, बोर्ड या सीईओ की समिति कंपनी के बीआर प्रदर्शन का आकलन करती है। (3 महीने के भीतर, 3.6 महीने, वार्षिक, 1 वर्ष से अधिक)

  बीएचईएल में सीएसआर गतिविधियों के आकलन और समीक्षा हेतु बोर्ड स्तरीय समिति ने वर्ष 2017–18 में चार बार बैठक की जबकि बीएचईएल बोर्ड ने वर्ष 2017–18 के दौरान उक्त के संबंध में कुल छः बैठकें सम्पन्न कीं।

- क्या कंपनी बीआर या सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट प्रकाशित करती है? इस रिपोर्ट को देखने के लिए हाइपर लिंक क्या है?

कितनी बार यह प्रकाशित की गई है?

बीएचईएल प्रति वर्ष अपनी सस्टेबिनिलिटी रिपोर्ट प्रकाशित करती है।

निम्नलिखित लिंक के माध्यम से कॉर्पोरेट वेबपृष्ठ पर पिछले 3 वर्षों की रिपोर्टों को देखा जा सकता है: www.bhel.com/index.php/global_compact

नियम1: नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही

सीपीएसई हेतु कॉर्पोरेट गवर्नेंस तथा से बी द्वारा अनुसूचित विनियमों पर लोक उद्यम विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुपाल नार्थ कंपनी में निदेशक मंडल अनुमोदित 'व्यापार नियमावली व नैतिक आचरण' संहिता' प्रभावी है।

www.bhel.com/investor_relations/pdf/Code_of_Business_Conduct_and_Ethics.pdf

बोर्ड ने निदेशक मंडल का एक चार्टर निर्धारित किया है जो स्पष्ट रूप से बोर्ड और व्यक्तिगत निदेशकों की भूमिका और जिम्मेदारियों को परिभाषित करता है। इसके अतिरिक्त कंपनी संवेदनशील आंकड़े तथा अप्रकाशित/अप्रकट मूल्य संबंध ीसूचनाओं की सुरक्षा तथा इन के दुरुपयोग को रोकने हेतु यथा–संभव प्रयास करती है। इस हेतु आंतरिक सूत्रों द्वारा व्यापारिक परिचालन एवं रिपोर्टिंग से संबंधित बोर्ड अनुमोदित आचार संहिता तथा सेबी (अंतः व्यापार की मनाही) के साथ फेयर डिस्क्लोजर (उचित प्रकटीकरण)–2015 तथा अनुसूचित नीतियां बोर्ड सदस्यों तथा पद नामित कार्मिकों को यह निर्देश देती है की कंपनी में कार्य के दौरान कार्य की आवश्यकता और प्रकृति अनुसार प्राप्त सूचनाओं की गोपनीयता तथा सुरक्षा के दायित्वका पूर्ण रुपेण निर्वहन करेंगे। 'कोड अप्रकाशित मूल्य/संवेदनशील जानकारी के निष्पक्ष प्रकटीकरण हेतु तत्संबंधी नियमों व प्रक्रियाओं को प्रशस्त करता है।

www.bhel.com/investor_relations/pdf/BHEL-Insider-Trading-Code-2015.pdf

कॉर्पोरेट गवर्नेंस एवं अनुसूचित नियमों पर लोक उद्यम विभाग के दिशा निर्देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप, बीएचईएल तिमाही आधार पर भारी उद्योग विभाग और स्टॉक एक्सचेंजों को अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। इसके अतिरिक्त अंतः (आंतरिक) व्यापार संहिता के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी आवश्यकतानुसार जो इससे संबंधित/संलग्न हो उनके लिए आंतरिक संचालन दिशानिर्देश को लागू करती है। इकाई प्रमुख/प्रभाग प्रमुख को चाहिए कि इस संहिता के प्रभाव क्षेत्र में आने वाले कार्मिकों से संबंधित सूचना निश्चित समयावधि में देना सुनिश्चित करें।

अनुसूचित/सूचीबद्ध विनियमों के अनुरूप, सभी बोर्ड सदस्य तथा वरिष्ठ प्रबंधन वार्षिक रूप से यह सुनिश्चित करें कि संगत वर्ष के दौरान व्यापार आचार एवं मूल्य संहिता/नियमावली में वर्णित बिंदुओं का अक्षरशः पालन किया गया है, तथा इस आशय का अनुमोदन/आश्वासन कम्पनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में देना होगा। को चाहिए कि के सदस्य और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने सालाना पुष्टि की है कि उन्होंने प्रासंगिक वित्तीय वर्ष के दौरान व्यापार आचरण संहिता और नैतिकता के प्रावधानों का पूरी तरह से पालन किया है और इस प्रभाव की पुष्टि अध्यक्ष और प्रबंध द्वारा दी गई है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में निदेशक। आंतरिक स्त्रोतों (कार्मिक) द्वारा व्यापारिक परिचालन तथा विनियमन हेतु आचार संहिता एवं 'उचित प्रकटीकरण (फेयर डिस्क्लोजर) 2015 के संदर्भ में निदेशक (वित्त) ही कंपनी के अनुपालन अधिकारी होंगे।

इसके अतिरिक्त, बीएचईएल द्वारा अपने कर्मचारियों (स्थापित आदेशों से शासितों के अलावा) के आचरण की उच्चता को बनाए रखने के सतत प्रयासों के परिण ााम स्वरुप बीएचईएल आचरण, अनुशासन एवं अपील नियमावली का प्रादुर्भाव हुआ। इसे आगे धोखाधड़ी रोकथाम नीति एवं व्हिसलब्लोअर नीति जोकि किसी को भी कार्यालयीन संस्कृति मे अस्वीकार्य कृत्यों/प्रथाओं के विरुद्ध एकहथियार की तरह काम आती है बल्कि यह इन दुष्कृत्यों के विरुद्ध एक निवारक भी है। कंपनी 'सूचना का अधिकार अधिनियम' 2005, वैधानिक लेखापरिक्षकों द्वारा ऑडिट/लेखा–परीक्षण एवं कम्पनी अधिनियम–2013 के खंड 139 के तहत नियंत्रक – महालेखापरीक्षक के परीक्षणाधीन है।

www.bhel.com/pdf/BHEL%20Fraud%20Prevention%20Policy.pdf

www.bhel.com/pdf/Whistle%20Blower%20Policy.pdf

www.bhel.com/pdf/Contact%20details%20of%2authorities %20 under%20Whistle%20Blower%20Policy.pdf

बीएचईएल ने क्रय एवं अनुबंध गतिविधियों/क्रियाकलापों में दोनों पक्षों के नैतिक आचरण में अत्यधिक पारदर्शिता,वईमानदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से 'ट्रांस्पेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई)' के साथ एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग से प्राप्त उचित अनुमोदन के आधार पर बीएचईएल में 'पारदर्शिता एवं ईमानदारी नीति' के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु दो स्वतंत्र बाहरी मॉनीटरों (आईईएम) के एक पैनल को नियुक्त किया गया है। बीएचईएल में 'शक्तियों का प्रतिनिधित्व (डेलीगेशन ऑफ पावर्स) के माध्यम से विभिन्न पदाधिकारियों की जिम्मेदारी को भलीभांति परिभाषित किया गया है। कार्य नीति, क्रय नीति तथा ऐसे अन्य नीति निर्धारक दस्तावेज बीएचईएल की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता को परिभाषित करने के साथ ही उच्चतम स्तर की पारदर्शिता के प्रति कम्पनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते है। इस नीति के तहत आपूर्तिकर्ताओं द्वारा वर्ष के दौरान कुल छः प्रस्तुतियां प्राप्त हुई एवं आई ई एम द्वारा सभी का निवारण कर दिया गया है।

कंपनी के पास शेयरधारकों और निवेशकों की शिकायतों के निवारणसे संबंधित मामलों को देखने के लिए विशेष रूप से एक शेयरधारक रिलेशनशिप कमेटी है। जैसाकि मैसर्स करवी कम्प्यूटर शेयर प्राइवेट लिमिटेड (कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट) द्वारा कुल 916 शिकायती रिपोर्ट प्राप्त हुए रिपोर्ट किया गया है, वर्ष के दौरान शेयरधारकों से 916 शिकायतें प्राप्त हुई और सभी शिकायतों को 31 मार्च, 2018 तक हल किया गया। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2017–18 के दौरान केन्द्रीय लोक शिकायत निवारण और निगरानी योजना के तहत आम–जन से कुल 322 लोकव्यथा–पर शिकायतें प्राप्त हुईं। सभी शिकायतों का निवारण 60 दिनों की निर्धारित अवधि के भीतर कर दिया गया था।

सिद्धांत 2: उत्पाद जीवन चक्र निरंतरता

बीएचईएल पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और उपकरणों की दक्षता में सुधार के माध्यम से हरित पर्यावरण में योगदान दे रहा है। बिजली चक्र दक्षता में निरंतर सुधार और कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से कम उत्सर्जन उप–आलोचना से सुपर क्रिटिकल तक प्रौद्योगिकी के विकास के द्वारा समय के साथ हासिल किया गया है। बीएचईएल के गुणों ने बिजली संयंत्र उपकरण जैसे कम सहायक बिजली की खपत, उच्च पौधों की दक्षता, संरचनात्मक रुप से ताप सह और उच्च परिचालन उपलब्धता प्रदान करने के साथ ही उन्नत जीवन चक्र लागत प्राप्त करने में सहायता करते हैं।

चार प्रमुख उत्पाद जो उनके डिजाइन में पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित करते हैं वे पावर प्लांट सुपर क्रिटिकल पैरामीटर, फ्लू–गैस डेसल्फुराइजेशन (एफजीडी), सौर फोटोवोल्टिक और इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिसीटर (ईएसपी) पर भाप के साथ काम कर रहे हैं।

बीएचईएल विभिन्न मोर्चों से विनिर्माण इकाइयों के आसपास और आस पास स्थानीय और लघु उद्यमों (एमएसई) और स्थानीय आपूर्ति कर्ताओं का समर्थन कर रहा है। वे बीएचईएल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा हैं। साथ ही, एमएसई (एमएसएमई–जीओआई मंत्रालय द्वारा जारी) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति –2012 में अनिवार्य रूप से बीएचईएल ने 2017–18 के दौरान एमएसई से अपनी कुल खरीद का 20% लक्ष्य हासिल कर लिया है। बीएचईएल इकाइयों

द्वारा नियमित विक्रेता बैठक और आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, खास कर एमएसई (स्थानीय आपूर्ति कर्ताओं समेत) के साथ–साथ अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए विशिष्ट, जो जरूरतों की पहचान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है और पारस्परिक लाभ के लिए कार्य योजना तैयार करता है।

कंपनी की विनिर्माण प्रक्रियाएं धातु स्क्रैप की उचित मात्रा उत्पन्न करती हैं। बाद में कुछ स्क्रैप कंपनी के भीतरी साइक्लिंग से गुजरती हैं और इसका पुनः उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए हरिद्वार में केंद्रीय फाउंड्रीफोर्ज प्लांट (सीएफएफपी) स्टील फोर्जिंग्स और कास्टिंग्स बनाती है जिसके लिए स्टील स्क्रैप एक प्रमुख कच्ची सामग्री है। पुनः प्रयोज्य सामग्री का इस्तेमाल भी निर्मित वस्तुओं के पैकिंग के लिए किया जाता है।

सिद्धांत 3: कर्मचारी कल्याण

बीएचईएल मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रदूत रहा है। कंपनी की एचआरएम नीति के लिए मार्ग दर्शक सिद्धांत, सक्षम, प्रेरित और प्रभावशाली मानव संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और संगठनात्मक मिशन की उपलब्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए है। कंपनी ने रोजगार संबंध, करियर विकास / विकास और कर्मचारियों के अनुमोदन/लाभ, स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण को विनियमित करने के लिए पारदर्शिता और कार्यान्वयन की एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए 'कार्मिक मैनुअल' के रूप में एचआरएम नीतियों और नियमों को दस्तावेत के रूप में तैयार किया है। इन नीतियों को एक शिकायत निवारण तंत्र द्वारा आगे पूरक किया जाता है। बीएचईएल में कर्मचारी शिकायतों के निवारण के लिए कंपनी की दो निर्धारित योजनाएं हैं – एक श्रमिकों के लिए और अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए। योजना के उद्देश्य के लिए एक शिकायत का मतलब कंपनी नीतियों / नियमों या प्रबंधन निर्णयों के कार्यान्वयन से उत्पन्न किसी भी व्यक्तिगत कर्मचारी से संबंधित शिकायत है। ये दोनों योजनाएं तीन स्तरीय संकल्प प्रदान करती हैं। प्रत्येक चरण में शिकायत के समाधान के लिए निर्धारित समय सीमा निर्धारित की जाती है। इसके अलावा कर्मचारी और अधिकारियों के लिए शिकायत निवारण योजना के मामले में इस योजना के तहत एक अपीलीय तंत्र भी प्रदान किया जाता है, जहां शिकायत के संकल्प से संतुष्ट नहीं होने पर पीड़ित कर्मचारी तुरंत संपर्क कर सकता है। इसके बाद से स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) नीति 2004 है

यह अपने सभी कर्मचारियों को सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह नीति आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस की आवश्यकताओं के अनुरूप है

18001 प्रबंधन प्रणाली प्रमाणीकरण और लिंकwww.bhel.com/healthsafety/HSE%20POLICY.PDF के माध्यम से इस तक पहुंचा जा सकता है।। इस नीति को लागू करने के लिए बीएचईएल की सभी इकाइयों / विभागों में एचएसई इकाइयां हैं और कॉर्पोरेट एचएसई विभाग संगठन स्तर पर एचएसई मामलों से संबंधित सामरिक मार्ग दर्शन प्रदान करता है। एचएसई नीति हमारे सभी कार्यस्थलों पर प्रमुख रूप से प्रदर्शित होती है ताकि श्रमिकों के बीच जागरूकता पैदा हो सके और स्थानीय भाषा में भी इसका अनुवाद किया जा सके। आईएसओ की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए बाह्य एजेंसियों द्वारा आवधिक लेखा परीक्षा की जाती है

14001 और ओएचएसएएस 18001 प्रबंधन प्रणाली हमारे कार्य स्थलों पर कार्यान्वित की गई जिसमें नीति और उसके महत्वपूर्ण तत्वों का कार्य शामिल है।

1. मार्च 31, 2018 को नियमित कर्मचारी की कुल संख्याः 37,540

2. अस्थायी/संविदात्मक आधार पर कर्मचारियों की कुल संख्याः बीएचईएल कर्मचारियों को अस्थायी/आकस्मिक आधार पर भर्ती नहीं करता है। हालांकि, बीएचईएल संगठनात्मक जरूरतों के अनुसार अपने विभिन्न इकाइयों/विभागों/विभागों में ठेकेदारों को कार्य आवंटन/काम ठेका इत्यादि देता है। ठेकेदारों के मातहत श्रमिकों की संख्या समय – समय पर घटती–बढ़ती रहती है।

3. मार्च के रूप में स्थायी महिला कर्मचारियों की संख्या 31,2018: 2,148

4. विकलांगता हित लाभी रुप में विकलांग कर्मचारियों की संख्या मार्च 31, 2018 तक 913 है।

5. बीएचईएल में भाग लेने वाले प्रबंधन के सिद्धांत के आधार पर कार्यकर्ता प्रतिनिधियों के साथ श्रमिकों और कंपनी के ब्याज संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शीर्ष स्तर के द्विपक्षीय निकाय अर्थात बीएचईएल की संयुक्त समिति में प्रतिनिधित्व करने वाले भाग लेने वाले कुल पच्चीस ट्रेड यूनियन हैं। उपरोक्त के अलावा बीएचईएल में अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए प्रत्येक हेतु एक–एक यानि कुल दो कर्मचारी संघ हैं।

6. कर्मचारियों की सभी तीन श्रेणियां जैसे। अधिकारियों पर्यवेक्षकों और श्रमिकों का प्रतिनिधित्व उनके एसोसिएशन/ट्रेड यूनियनों द्वारा किया जाता है। हालांकि चूंकि कार्यकारी/पर्यवेक्षी संघों और श्रमिक संघों की सटीक सदस्यता का पतालगाने के लिए कोई चेक – ऑफ सुविधा नहीं है, इसलिए कर्मचारियों के तीन वर्गों के संबंध में एक फर्म नंबर उपलब्ध नहीं है।

7. 2017–18 में कंपनी को यौन उत्पीड़न पर कुल छह शिकायतें मिलीं और सभी को संतोष जनक ढंग से हल किया गया है। इसके अलावा बालश्रम/मजबूर श्रम/अनैच्छिक श्रम/भेद भावपूर्ण रोजगार की कोई शिकायत नहीं मिली है।

8. वर्ष 2017–18 के दौरान प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण मानव–दिवस की कुल संख्या 3.4 है। कंपनी अपने कर्मचारियों को तकनीकी और व्यवहार कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करती है। स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) पहलू पर प्रशिक्षण हमारे प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के आवश्यक तत्वों में से एक है। इसके अलावा आंतरिक और बाहरी संकाय दोनों सदस्यों द्वारा एचएसई पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए सभी बीएचईएल की विनिर्माण इकाइयों और परियोजना साइटों पर अलग–अलग कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। नीचे नंबर की सूची है। कर्मचारियों (प्रतिशत में) जिन्हें 2017–18 के दौरान सुरक्षा और कौशल (तकनीकी और व्यवहार दोनों) उन्नयन प्रशिक्षण दिया गया था। ठेकेदारों के साथ कार्य–संलग्न/कार्य अनुबंधों के माध्यम से आने वाले आकस्मिक/अस्थायी/संविदात्मक श्रमिकों को सुरक्षा पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

a.	स्थायी कर्मचारी	30.48%
b.	स्थायी महिला कर्मचारी	28.00%
c.	आकस्मिक / अस्थायी / संविदात्मक श्रमिक	26.72%
d.	आकस्मिक / अस्थायी / संविदात्मक श्रमिक	34.20%

सिद्धांत 4: स्टेकहोल्ड निबंधन/कार्य व्यापार

बीएचईएल के पणधारियों के अंतर्गत "ग्राहक" "कर्मचारी" "शेयरधारक" "वेंडर्स" एवं सोसायटी हैं। पणधारियों के हितों एवं उनकी कंपनी से आकांक्षाओं की सुनिश्चितता हेतु स्थापित प्रक्रियाएं है। हितधारकों की सहभागिता द्वारा तथा कार्यक्रमों एवं क्रियांवयन योजनाओं को स्पष्ट एवं मापनीय लक्ष्यों को बताते हुए प्रमुख समस्याओं की पहचान की जाती है। क्षमता वृद्धि हेतु बीएचईएल इकाइयां नियमित रुप से वेण्डर मीट विशेषतया एमएसई (स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को शामिल करते हुए) का आयोजन करती हैं जो खुला संवाद/वार्ता के साथ–साथ सहयोग और परस्पर लाभप्रदता प्रदान करती है। ग्राहक "कस्टमरमीट" जैसे कार्यक्रमों से कम्पनी से जुड़े रहते है। निवेशक समुदाय सम्मेलनों/बैठकों के माध्यम से जुड़े रहते हैं तथा उन्हें उनके निवेश संबंधी जानकारियों को इन बैठको में प्रदान किया जाता है। बीएसईएल ने बीएसईएल विनिर्माण इकाइयों / क्षेत्रों / विभागों / साइटों / कार्यालयों के आसपास

के वंचित, कमजोर, गरीब, जरूरतमंद और हाशिए वाले हितधारकों की पहचान की है और उनकी चिंताओं को बीएसईएल की सीएसआर नीति जो धारा 135 और अनुसूची के अनुपालन में है कंपनी अधिनियम 2013 की सातवीं और 21.10.2014 को जारी सीपीएसई के लिए सीएसआर और स्थायित्व पर डीपीई दिशा निर्देशों के साथ–साथ बनाए गए नियम के अनुसार संबोधित किया गया है।

www.bhel.com/CSR/pdf/BHEL_CSR_Policy_July%202017.pdf

सिद्धांत 5 – मानवाधिकार

भारत का संविधान और विभिन्न लागू कानूनों के परिप्रेक्ष्य में बीएसईएल नीतियां मानवाधिकारों के सिद्धांतों के अनुरूप हैं। बीएचईएल में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीएसईएल के पास विशेष प्रावधान हैं। कंपनी में मानवाधिकार दुरुपयोग का कोई मामला नहीं है।

बीएसईएल ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क (GCNI), भारत का आजीवन सदस्य है। कंपनी यूएनजीसी के दस सिद्धातों पर अपने निष्पादन की रिपोर्ट प्रगति संबंधी जानकारी के माध्यम से 2001 से वार्षिक आधार पर प्रस्तुत करती है, जिसमें यूएनजीसी के सिद्धांतों पर कायम रहने के प्रति बीएलईएल की प्रतिबद्धता भी शामिल है।

यह सीओपी वेब पर उपलब्ध है इस पर यूएनजीसी वेबसाइट और वेबपेज के माध्यम से पहुंचा जा सकता है:www.unglobalcompact.org/participation/report/cop/create-and-submit/active/352981 इसके माध्यम से भी पहुंचा जा सकता है www.bhel.com/index.php/global_compact के परिणाम स्वरूप ऐसी पहलों बीएचईएल ने कार्बन उत्सर्जन से बचने का अधिग्रहण किया 15,454 एमटीसीओ 2. 2017–18 के दौरान जो लगभग है। 7.5% अधिक के रूप में विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा आधारित के माध्यम से 2016–17 की तुलना में सिस्टम। विभिन्न नवीकरणीय के माध्यम से उत्पन्न कुल ऊर्जा 2017–18 के दौरान ऊर्जा प्रणाली 15.61 मिलियन यूनिट थी 2016–17 के दौरान 14.82 मिलियन इकाइयों की तुलना में।कंपनी ने पानी और ऊर्जा से संबंधित कई परियोजनाएं भी ली हैं संरक्षण, पेड़ भारत में पहले से ही सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजी पेश कर चुके हैं, कंपनी कार्बन को कम करने की दिशा में आगे काम कर रही है बीएचईएल के पदचिह्न ने अपने परिचालन के दौरान उत्पादों का निर्माण किया जीवन चक्र आईएचसीएआर और एनटीपीसी के सहयोग से बीएचईएल है उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के तहत विकासशील स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन की नींव। प्रौद्योगिकी के खिलाफ 45.46% की लक्षित दक्षता पैदा होगीं

subcritical के 38% की दक्षता और 41.42% supercritical सेट। नतीजत नए कोयले की खपत और सीओ 2 उत्सर्जन होगां सुपर क्रिटिकल की तुलना में लगभग 11% कम हो जाता हैं बिजली संयंत्र और उपक्रियात्मक की तुलना में लगभग 20% तक बिजली उत्पादन की एक इकाई के लिए बिजली संयंत्र।

सिद्धांत 6: पर्यावरण

बीएचईएल की सभी प्रमुख विनिर्माण इकाइयों और विद्युत क्षेत्र (पीएस) क्षेत्रों में अच्छी तरह से स्थापित पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) आईएसओ 14001: 2004/2015 को मान्यता प्राप्त है। कॉर्पोरेट एचएसई नीति के आध ाार पर ए सभी विनिर्माण इकाइयों और क्षेत्रों ने अपने एचएसई सिस्टम प्राप्त किए हैं जो आईएसओ 14001 'पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली' मानक की आवश्यकता के अनुरूप हैं। ईएमएस एक व्यवस्थित ढंग से पर्यावरण से संबंधित जोखिमों का `सक्रिय रूप से पहचानने और प्रबंधित करने के लिए एक उत्कृष्ट ढांचा प्रदान करता है। सभी बीएचईएल इकाइयों के साथ–साथ पावर सेक्टर क्षेत्रों में एचएसई कोशिकाएं रणनीतिक मार्ग दर्शन प्रदान करने के लिए शीर्ष स्तर पर कॉर्पोरेट एचएसई विभाग द्वारा समर्थित एचएसई नीति के कार्यान्वयन की देखरेख करती हैं। ईएमएस के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण न निकाय द्वारा आवधिक लेखापरीक्षा की जाती है और आईएसओ 14001 की आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है। कंपनी की एचएसई नीति इंटरनेट पर उपलब्ध है और इसे वेबलिंक के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है: www.bhel.com/healthsafety/HSE%20POLICY.pdf. पीडीएफ। एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में संगठन ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के बीच सह संबंध को स्वीकार करता है। इस वैश्विक चुनौती को हल करने के लिए बीएचईएल अपने उत्पादों और सेवाओं में कार्बन उत्सर्जन को कम करने का प्रयास कर रहा है, जो ग्राहकों को संयंत्र के जीवन चक्र में सुधार तथा बगैर पर्यावरणीय क्षति के स्थापित तरीके से बिजली उत्पन्न करने में सक्षम बनाता है। अपने आंतरिक परिचालनों में भी संगठन ऊर्जा दक्षता और अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दे रहा है। बीएसईएल ने कंपनी के विभिन्न स्थानों पर कुल 26.5 मेगावॉट सौर फोटोवोल्टिक (एसपीवी) संयंत्र स्थापित किए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन स्रोतों की हमारी सूची में किलोवाट स्केल रूफटॉप और ग्राउंड आधारित एसपीवी सिस्टम, सौर वॉटर हीटर, सौर स्ट्रीटलाइटिंग इत्यादि शामिल हैं।

उक्त पर कारगर कदम उठाने के परिणाम स्वरूप बीएचईएल ने नवीकरणीय उर्जा स्रोतों के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन में कमी लाते हुए वर्ष 2017–18 के दौरान 15,454 MT CO2–उत्सर्जन कम किया जो वर्ष 2016–17 की तुलना में 7.5% अधिक थी। विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से वर्ष 2016–17 के दौरान उत्पादित कुल ऊर्जा 14.82 मिलियन यूनिट की तुलना में वर्ष 2017–18 के दौरान उत्पादित कुल उर्जा ब 15.61 मिलियन यूनिट थी। कंपनी ने जल और ऊर्जा संरक्षण, वृक्षारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधन संरक्षण इत्यादि से संबंधित कई परियोजनाएं भी ली हैं। भारत में पहले से ही सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी पेश करने के बाद कंपनी बीएचईएल उत्पादों के कार्बन पद चिह्न उनके परिचालन जीवन चक्र तक कम करने के लिए आगे काम कर रही है। बीएचईएल आईजीसीएआर औरएनटीपीसी के सहयोग से स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन के तहत उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी विकसित कर रहा है। तकनीक उप–कृत्रिम 38.42% सुपरक्रिटिकल सेट की दक्षता के मुकाबले 45.46% की लक्षित दक्षता प्रदान करेगी। नतीजतन सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट की तुलना में कोयले की खपत और सीओ 2 उत्सर्जन में लगभग 11% की कमी आएगी और बिजली उत्पादन की एक इकाई के लिए उपक्रियात्मक बिजली संयंत्रों की तुलना में लगभग 20% कम हो जाएगी। बीएसईएल पीढ़ी के उपयोगिता के लिए लागू किए गए निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करने के लिए आवश्यक समाधानों के साथ तैयार है। कंपनी ने बॉयलर डिज़ाइन में संशोधन और एनओएक्स कमी के लिए एससीआर उत्प्रेरक के विकास एसओएक्स उत्सर्जन में कमी और ईएसपी की कण संग्रह दक्षता में सुधार के लिए एफजीडी सिस्टम की स्थापना जैसे उपायों की शुरुआत की है। बीएसईएल ने एनटीपीसी सिम धरी सुपर थर्मल पावर स्टेशन पर प्रदर्शन के तहत अपने समर्पित आरएंडडी प्रयासों के माध्यम से विशेष रूप से उच्चराख कोयले से निकाले गए भारतीय थर्मलपावर प्लांटों के लिए एससीआर प्रौद्योगिकी विकसित की है। बीएसईएल उच्चराख भारतीय कोयले के मेथनॉल के रूपांतरण के लिए प्रौद्योगिकी के विकास पर काम कर रहा है। इस तकनीक के सफल कार्यान्वयन से पेट्रोल के साथ मिश्रण में औद्योगिक उपयोग पर मेथनॉल पैदा करने में मदद मिलेगी जो देश के बढ़ते कच्चे तेल के आयात बिल को काफी हद तक रोक सकती है और भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सुधार कर सकती है। बीएसईएल ने पायलट स्केल पर निष्क्रिय मिटररीयर संपर्क (पीआरसी) तकनीक का उपयोग कर के उच्च दक्षता सौर कोशिकाओं का विकास भी किया है। इस परियोजना में मोनो और बहु–सी सौर कोशिकाओं के विकास शामिल हैं और उच्च दक्षता सौर कोशिकाओं के उत्पादन के लिए व्यावसायिक रूप

से तैनात किए जाएंगे। परिवहन क्षेत्र में विद्युत वाहन गतिशीलता के लिए परिवहन के भविष्य के तरीके के रूप में अनुकूल आंदोलन है। बीएचईएल ई–वाहनों के लिए पहले से ही मोटर / वैकल्पिक, आईजीबीटी नियंत्रक और वीसीयू (वाहन नियंत्रण इकाई) हार्डवेयर विकसित कर रहा है। औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य निदेशालय, सरकार से एक शोकारण नोटिस। 2017–18 के दौरान त्रिची विनिर्माण इकाई द्वारा तमिलनाडु को प्राप्त किया गया है जो 31 मार्च, 2018 को संकल्प के लिए लंबित है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) / राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) से 31 मार्च, 2018 तक लंबित/प्राप्त कोई कानूनी नोटिस नहीं है।

सिद्धांत 7: नीति समर्थन (पॉलिसी अड्वोकेसी)

बीएसईएल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) वाणिज्य और उद्योग चैंबर (एफआईसीसीआई) वाणिज्य और उद्योग के चैंबर (एसोचैम) इंटरनेशनल चेम्बर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी), पीएचडी चेम्बर ऑफ वाणिज्य और उद्योग (पीएचडी), सार्वजनिक उपक्रमों (स्कोप) का स्थायी सदस्य होने के साथ ही विश्व ऊर्जा परिषद का सदस्य तथा कई उद्योग और व्यापार निकायों का सदस्य हैं, जोकिभारतीय परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संतुलन ऊर्जा सुरक्षा, ऊर्जा इक्विटी और पर्यावरण स्थायित्व बनाए रखने वाली नीतियों के पोषक हैं। बीएचईएल नीति पर विषयों पर अपने मंतव्य को आगे रखने के उद्देश्य से ऐसे निकायों के साथ बातचीत (जैसे संगोष्ठियों में भागीदारी और बैठकें, कार्य समूह में भागीदारी आदि) विभिन्न तंत्र का उपयोग करता है।

वाणिज्य और उद्योग के चैंबर (एसोचैम), अंतर्राष्ट्रीय चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी), पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडी), सार्वजनिक उद्यमों का स्थायी सम्मेलन (एससीओपीई)। कंपनी विश्व ऊर्जा परिषद (डब्ल्यूईसी) का भी सदस्य है जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा, ऊर्जा इक्विटी और पर्यावरण स्थिरता पहलुओं को संतुलित करने वाली नीतियों को बढ़ावा देने में सक्षम बनाती है। बीएचईएल ऐसे निकायों के साथ बातचीत के विभिन्न तंत्र का उपयोग करता है (उदाहरण के लिए सेमिनार में भागीदारी और बैठकें, कार्य समूह में भागीदारी आदि) नीति से संबंधित मामले में अपने विचार और राय देने के लिए। कंपनी के हितों को सरकारी प्रश्नों, ज्ञान साझा करने, सर्वेक्षणों के जवाब, उद्योग की जरूरतों पर प्रतिक्रिया, जीएसटी, वित्तीय बजट, विदेशी व्यापार, कंपनी कानून, औद्योगिक नीति, पूंजीगत वस्तु नीति, निर्यात संवर्धन इत्यादि जैसी सरकारी नीतियों के निर्माण के माध्यम से दर्शाया जाता है। कंपनी अमेरिका, फ्रांस, स्वीडन, यूके, रूस, जापान, ब्रुनेई आदि जैसे देशों के साथ व्यापार संवर्धन और सहयोग के लिए बहुपक्षीय निकायों में भाग लेती है। कंपनी डीएचआई, डीपीई, डीआईपीपी, एनआईटीआई आयोग जैसे सरकारी निकायों के साथ भी बातचीत करती है और नीति गत फॉर्मूलेशन में भाग लेती है। राष्ट्रीय विद्युत नीति, रोजगार उत्पादन, विकास और कौशल विकास की चुनौतियां, भारत में मेक, इन–हाउस आरएंडडी, मानव संसाधन प्रबंधन, सीपीएसई के विकास के लिए रोड मैप आदि का प्रचार।

कंपनी ने देश में प्रौद्योगिकी आधार को मजबूत करने, भारतीय विकास क्षेत्र के विकास, पूंजीगत वस्तुओं के क्षेत्र और भारतीय विनिर्माण उद्योग के विकास, निर्यात, बेहतर प्रशासन के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विकास के लिए नीतियों के विकास के लिए जिम्मेदार तरीके से योगदान दिया है, आदि।

सिद्धांत 8: समावेशी विकास

बीएचईएल में एक अच्छी तरह से संरचित संगठनात्मक सेट–vi, नीति और प्रक्रियाएं हैं जिस के माध्यम से विभिन्न सीएसआर कार्यक्रम लागू किए जाते हैं। सीएसआर नीति ने कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–VII से सीएसआर के लिए जोरदार क्षेत्रों के रूप में कई गतिविधियों की पहचान की है। इन गतिविधियों को स्वच्छ भारत, ग्रीन इंडिया, स्वस्थ भारत, विरासत भारत, समावेशी भारत, शिक्षित भारत और जिम्मेदार भारत के सात शीर्षकों के तहत वर्गीकृत किया गया है। नीति वेबसाइट लिंक www.bhel.com/CSR/pdf/BHEL_CSR_Policy_July%202017.pdf और पूरी तरह से कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 की आवश्यकताओं के अनुरूप है।

नीति को यूनिट स्तरीय सीएसआर कमेटी के साथ कॉर्पोरेट स्तर पर तीन–स्तरीय संरचना के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है जो सीएसआर पहलों को मंजूरी, संरेखण, लागू और निगरानी करता है जिसमें परियोजनाएं शामिल हैं जो समाज को विशेष रूप से गरीब, जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभदेती हैं। कंपनी देशभर में कई सामाजिक पहलों का समर्थन करती है। एनजीओ, सरकार जैसे विशेष एजेंसियों के माध्यम से। एजेंसियां आदि सीएसआर नीति के अनुरूप। बीएचईएल ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ भारत, पर्यावरण संरक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रम, आधार भूत संरचना विकास और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के क्षेत्र में कई सीएसआर पहल की हैं, जो अंततः समग्र कल्याण और समाज के समावेशी विकास में योगदान देते हैं। सीएसआर परियोजनाओं को समाज के लिए अधिकतम लाभ प्रदान करने और किए गए पहलों की फलदायित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बारी की से निगरानी और पर्यवेक्षण किया जाता है।

2017–18 के दौरान, सीएसआर गतिविधियों को रिपोर्ट के अनुलग्नक IV में सूचीबद्ध किया गया है। इसके अलावा, परियोजना विवरण www.bhel.com/index.php/projects लिंक पर सूचीबद्ध हैं

सीएसआर के माध्यम से समावेशी विकास के अलावा, कंपनी सरकार द्वारा अनिवार्य रूप से अल्पसंख्यकों और महिलाओं के प्रतिनिधित्व के साथ–साथ समाज केसामाजिक–आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व के लिए भर्ती और पदोन्नति में सकारात्मक कार्रवाई करती है। भारत की। कंपनी एक समान अवसर नियोक्ता है और भर्ती और रोजगार संबंध में लिंग, जाति, जाति, धर्म, भाषाई, क्षेत्र इत्यादि के आधार पर भेदभावन हीं करती है।

सिद्धांत 9: ग्राहक मूल्य

बीएचईएल लगातार उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से ग्राहक के लिए मूल्य बनाने की दिशा में काम कर रहा है। ग्राहक मूल्य बीएचईएल की संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है जो हमारे विजन, मिशन और वैल्यू स्टेटमेंट में भी दिखाई देता है।

लागू कानून की अनिवार्य आवश्यकता के अलावा, कंपनी अपनी आवश्यकताओं और अनुबंधों की शर्तों के अनुसार ग्राहकों को विस्तृत उत्पाद लेबल / नाम प्लेट / टेस्ट प्रमाण पत्र प्रदान करती है।

बीएसईएल के विविध और बड़े पैमाने पर संचालन को देखते हुए, ग्राहक शिकायतें कई तरीकों से पंजीकृत होती हैं। दो समर्पित केंद्रीकृत ऑनलाइन शिकायत प्रणाली, यानी, ग्राहक देखभाल प्रबंधन प्रणाली (सीसीएमएस) और साइट एक्शन अनुरोध (एसएआर) / कमीशनिंग एक्शन अनुरोध (सीएआर) रिज़ॉल्यूशन सिस्टम ऑपरेशन में हैं। 2017–18 में ग्राहकों द्वारा रिपोर्ट किए गए प्रमुख गुणवत्ता वाले मुद्दों को रूट कारण विश्लेषण (आरसीए) के लिए लिया गया था और बीस मामलों में, सुधारात्मक कार्रवाई शुरू की गई थी। शिकायतों के अलावा, ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण, ग्राहकों की बैठक और आमने–सामने बातचीत के माध्यम से ग्राहक प्रतिक्रिया नियमित रूप से ली जाती है। पिछले पांच वर्षों के दौरान अनुचित व्यापार प्रथाओं, गैर जिम्मेदार विज्ञापन और / या विरोधी प्रतिस्पर्धी व्यवहार के संबंध में कंपनी के खिलाफ किसी भी हितधारक द्वारा दायर कोई मामला नहीं है और 31 मार्च, 2018 को वित्तीय वर्ष के अंत में लंबित है।

अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी उपलब्धियां

बोर्ड की रिपोर्ट में अनुलग्नक –6

अनुसंधान और विकास और प्रौद्योगिकी उपलब्धियां

6.1 नवप्रवर्तन

भारत में वर्तमान कारोबारी माहौल बेहद प्रतिस्पर्धी है। ऐसे माहौल में जीवित रहने और विकसित होने के लिए नवीनतम तकनीकों का पालन करना और विश्वसनीय उत्पादों को प्रदान करना आवश्यक हो गया है जो न केवल लागत–प्रतिस्पर्धी हैं बल्कि बेहतर दक्षता और प्रदर्शन भी हैं।

अभिनव और रचनात्मक विकास बीएचईएल की व्यावसायिक रणनीति का एक अभिन्न हिस्सा बनता है। यह समझते हुए कि घर के अनुसंधान और विकास एक कंपनी के आत्मनिर्भरता में एक महत्व पूर्णघटक है, कंपनी ने स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के घर के विकास के लिए एक मजबूत इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास आधार स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

वर्षों से बीएचईएल अग्रणी वैश्विक विनिर्माण और इंजीनियरिंग कंपनियों के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग व्यवस्था में प्रवेश किया। कंपनी ने भारतीय ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने और अपने कार्यों पर विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना के लिए इन प्रौद्योगिकियों को सफलतापूर्वक स्वदेशीकृत कर दिया है। तेरह चल रहे सहयोग के साथ, बीएचईएल इन प्रौद्योगिकियों के सफल अनुकूलन और समय पर अवशोषण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

चल रहे प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते

विदेशी कंपनियों के साथ तकनीकी सहयोग

स.	सहयोगी का नाम	उत्पाद
1.	सेमेंस एजी, जर्मनी	स्टीम टर्बाइन, जेनरेटर और पार्श्व/अक्षीय कंडेनसर
2.	जनरल इलेक्ट्रिक टेक्नॉलॉजी GmbH, स्विट्ज़रलैंड	एक बार बॉयलर और कोयला पुल्वरिसर्स के माध्यम से
3.	मेट्सो ऑटोमेशन इंक, फ़िनलेंड	आधुनिकतम सी एवं आई स्वचालन
4.	ओटोमेलारा, इटली	76/62 सुपर रेपिड गण माउंट
5.	कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान	स्टेनलेस स्टील की मेट्रो कोच एवं बोगियाँ
6.	मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान	पंप
7.	मित्सुबिशी हिटेची पॉवर सिस्टम्स लि. जापान	फ़्ल्यू गैस डिसल्फुराइजेशन
8.	पंखे (फैंस)	पंखे
9.	टीएलटी– टर्बो GmbH, जर्मनी	हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटर
10.	वोग्ट पावर इंटर्नेशनल इंक, यूएसए	सेन्ट्रीफ़्युगल कंप्रेसर
11.	नुओवोपिगनोन एस.आर.एल., इटली	गेट्स एवं डंपर
12.	एचएलबी पावर, कोरिया	फोर्जिंग्स
भारतीय संस्था के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग		
13.	इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइज़ेशन (आईएसआरओ), भारत	स्पेस ग्रेड लिथियम आयन सेल

बीएचईएल ने आंतरिक रूप से बड़े आकार के गेट्स और डंपर्स का निर्माण करने हेतु एचएलबी पावर, कोरिया गणराज्य के साथ एक तकनीकी सहयोग समझौता (टीसीए) किया

6.2 आर एंड डी रणनीति

आज, बीएचईएल पहले से कहीं ज्यादा नवाचार पर केंद्रित है। कंपनी ने स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, साझेदारी और गठबंधन, ज्ञान प्रबंधन और एनबेलर्स समेत पांच समेकित दृष्टिकोण के माध्यम से एक संरचित और केंद्रित तरीके से अपनी आरएंडडी और नवाचार को बदल दिया है।

रणनीतिक दिशा

- आर एंड डी सलाहकार परिषद
- आर एंड डी नीति
- आर एंड डी प्रबंधन प्रणाली
- प्रौद्योगिकी मानचित्रण

पोर्टफोलियो प्रबंधन

- यूएचवी ट्रांसमिशन, परिवहन, सुपर क्रिटिकल प्लांट्स, नवीकरणीय ऊर्जा, जलआदि के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की स्थापना

समर्थक

- लोगों की क्षमताएं
- बुनियादी ढांचे का विकास
- उत्कृष्टता केंद्र
- प्रक्रियाएं
- संगठन का समर्थन
- अनुसंधान और उत्पाद विकास समूह

भागीदारी और गठबंधन

- राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास के साथ सहयोगी समझौता प्रयोगशालाओं / संस्थानों / अकादमिक / कंपनियों

ज्ञान प्रबंधन

- उत्पाद जीवन चक्र प्रबंधन (पीएलएम) का कार्यान्वयन और ज्ञान आधारित इंजीनियरिंग (केबीई)
- कुल समाधान की पेशकश के लिए सिस्टम इंजीनियरिंग
- एकीकृत इंजीनियरिंग स्वचालन प्रक्रियाओं
- अद्वितीय उत्पाद में उनके प्रभावी रूपांतरण के लिए आईपी आररण नीति का विकास

6.3 आर एंड डी संरचना

कंपनी की आरएंडडी संगठनात्मक संरचना का नेतृत्व कॉर्पोरेट स्तर पर कॉरपोरेट टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट (सीटीएम) द्वारा समर्थित निदेशक (ईए आरएंडडी) द्वारा किया जाता है, जिसे एक एकीकृत और केंद्रित तरीके से बीएचईएल की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को मजबूत करने के लिए गठित किया गया है ताकि उत्पाद विकास और इंजीनियरिंग में मजबूत क्षमताओं ने मुख्यरूप से विकसित होने वाली बाजार मांगों की प्रतिक्रिया के आधार पर निर्देशित किया।

इकाइयों में प्रत्येक उत्पाद समूह में समर्पित अनुसंधान और उत्पाद विकास (आरपीडी) मौजूद हैं, जिन्हें समर्थन प्रदान करने के लिए हैदराबाद में केन्द्रीकृत अनुसंधान एवं विकास प्रभाग स्थापित है।

- यूएचवीप्रयोगशाला
- सिमुलेटर

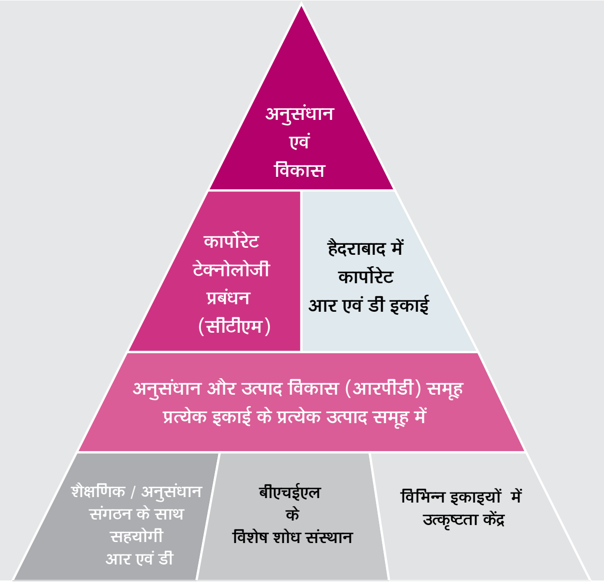

कंपनी के पास एक संरचित अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचा है, जिसमें कॉरपोरेट आरएंडडी और विनिर्माण इकाइयों, उत्कृष्टता केंद्र, विशिष्ट अनुसंधान संस्थान इत्यादि में प्रयोगशालाएं शामिल हैं, जो अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हैं और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के साथ बेंचमार्क हैं। बीएचईएल में उत्कृष्टता के चौदह केंद्र हैं जिनमें शामिल हैं:

कॉर्पो. आरएंडडी हैदराबाद में

- इंटेलिजेंट मशीनें और रोबोटिक्स
- मशीन गतिशीलता
- कंप्रेसर और पंप्स
- नैनो–प्रौद्योगिकी
- यू एच बी प्रयोगशाला
- सिमुलेटर
- अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गति की
- भूतल इंजीनियरिंग
- स्थायी चुंबक मशीनें
- उन्नत ट्रांसमिशन

बेंगलूरु में

- पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, आईजीबीटी और नियंत्रक प्रौद्योगिकी
- नियंत्रण और इंस्ट्रूमेंटेशन के लिए उत्कृष्टता केंद्र

तिरुचिरापल्ली में

- कोयला अनुसंधान केंद्र
- उन्नत फैब्रिकेशन प्रौद्योगिकी

बीएचईएल के पांच विशिष्ट शोध संस्थान

- प्रदूषण नियंत्रण और अनुसंधान संस्थान (पीसीआरआई), हरिद्वार
- वेल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (डब्लूआरआई), त्रिची
- सिरेमिक टेक्नोलॉजिकल इंस्टिट्यूट (सीटीआई), बेंगलुरु
- इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन सेंटर (सीईटी), भोपाल
- अमॉर्फस सिलिकॉन सौर सेल प्लांट (एएसएससीपी), गुरुग्राम

पीसीआरआई में आणविक अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री, बीएचईएल हरिद्वार

अपने सभी उत्पादों में डिजाइन चक्र समय और डिजाइन अनुकूलन को कम करने के लिए ज्ञान आधारित इंजीनियरिंग (केबीई) पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए बीएचईएल ने विशेषज्ञता बनाने और केबीई / पीएलएम गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए कई के बी ई परियोजनाएं शुरू की हैं।

इसके अलावा, ज्ञान अंतराल को पुल करने के विचार से बीएचईएल ने बुनियादी और साथ ही साथ अनुसंधान के लिए अकादमिक और आरएंडडी संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ा दिया है। वर्तमान में बीएचईएल में प्रमुख अकादमिक शोध संस्थानों और संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) है। कंपनी अपने महत्वाकांक्षी प्रौद्योगिकी प्रयासों में सफल होने के लिए लोगों की क्षमताओं, बुनियादी ढांचे, प्रक्रियाओं और संगठन समर्थन जैसे सभी समर्थकों को भी

स्थापित कर रही है।

डब्ल्यूआरआई, तिरुचिरापल्ली में उच्च क्षमता के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप

कुछ प्रमुख अकादमिक / अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोगी आरएंडडी

- प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए केंद्रीय संस्थान, भुवनेश्वर
- भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु
- प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए केंद्रीय संस्थान, भुवनेश्वर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, शिबपुर
- पाउडर धातु विज्ञान और नई सामग्री (एआरसीआई के लिए अंतर्राष्ट्रीय उन्नत अनुसंधान केंद्र), हैदराबाद
- मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी), हैदराबाद
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी), चेन्नई

6.4 वर्ष के दौरान उपलब्धियां

वर्ष के दौरान, बिजली, उद्योग, परिवहन और नवीनीकरण जैसे विभिन्न व्यावसायिक वर्टिकल को कवर करने वाली इंजीनियरिंग, प्रक्रियाओं और उत्पादों में महत्वपूर्ण विकास / सुधार हुए हैं। कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं :

- बीएचईएल ने भारत के पहले ब्रॉडगेज एयर कंडीशनिंग के लिए स्वदेशी विकसित 3–चरण प्रणोदन प्रणाली विकसित की है । मुंबई उपनगरीय पर 12 कार एसी ईएमयू उपनगरीय ट्रेन पश्चिमी रेलवे का खंड।

- बीएचईएल ने रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए कम शोर, कुशल, 50 किलोवाट, 400 हट्‌र्ज स्थायी चुंबक आधारित फ्रीक्वेंसी कनवर्टर (पीएमएफसी) विकसित और निर्मित किया है। मशीन में मोटर और जनरेटर एक ही शाफ्ट पर और उसी घेरे में घुड़सवार है। यह 50 हट्‌र्ज इनपुट को 400 हट्‌र्ज आउटपुट में परिवर्तित करता है और सभी तीन दिशाओं में उच्च शॉकमान का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एमआईएल मानक के अनुसार मशीन का निर्माण और परीक्षण किया जाता है।

- बीएचईएल ने 2X800 मेगावाट एनटीपीसी लारा एसटीपीपी परियोजना के लिए सफलतापूर्वक 120 एमवीए स्टेशन ट्रांसफार्मर विकसित किया है। स्पेशल टाइपस्प्लिट विंडिंग वाले ट्रांसफॉर्मर को सफलतापूर्वक शॉर्ट सर्किट (एससी) राष्ट्रीय हाईपावर टेस्ट लेबोरेटरी (एनएचपीटीएल) बीना में परीक्षण किया गया था।

- बीएचईएल ने भारत सरकार के साथ एमओयू आरएंडडी परियोजना के रूप में 800 केवीएचवीडीसी एप्लिकेशन के लिए सफलतापूर्वक 420 के एन समग्र लंबी रॉडइन्सुलेटर विकसित किया है। सभी डिजाइन और टाइप टेस्टप्रासंगिक आईईसी 6110 9 और 62217 मानक के अनुसार पूरा किए गए थे। यह विकास बीएचईएल को मेंइंसुलेटर की आपूर्ति करने में सक्षम करेगा। राष्ट्रीय ग्रिड की 800 केवीएचवीडीसी ट्रांसमिशन लाइन परियोजनाएं।

- बीएचईएल ने भारत सरकार के साथ एम ओयूआरएंडडी परियोजना के रूप में एडवांस अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) पावर प्लांट एप्लिकेशन के लिए निकेल आधारित मिश्र धातु के साथ उच्च दबाव बाईपास वाल्व सफलतापूर्वक विकसित किया है। बीएचईएल एचपी बाईपास वाल्व को एयूएससी 800 मेगावॉट डेमोप्लांट में आपूर्ति की जाएगी।

बीएचईएल तिरुचिरापल्ली में विकसित उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) पावर प्लांट एप्लिकेशन के लिए निकेल आधारित मिश्र धातु के साथ एचपी बाईपास वाल्व

- बीएचईएल ने भारत सरकार के साथ एमओयू आरएंडडी परियोजना के रूप में एडवांस अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) पावर प्लांट एप्लिकेशन के लिए निकेल आधारित मिश्र धातु के साथ उच्च दबाव बाईपास वाल्व सफलतापूर्वक विकसित किया है। बीएचईएल एचपी बाईपास वाल्व को एयूएससी 800 मेगावॉट डेमोप्लांट में आपूर्ति की जाएगी।

- बीएचईएल ने एयूएससी संयंत्र के पहले भारतीय बॉयलर के लिए वाष्पीकरण झिल्ली पैनल (जीआर1 1सामग्री) के डिजाइन और निर्माण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। झिल्ली पैनल बहुत उच्च तापमान (5 9 5 डिग्री सेल्सियस) और दबाव (390) के अधीन किया जाएगा। केजी / सीएम 2। वेल्डिंग के सभी पहलुओं, ट्यूबों के बहुविमान झुकने, एनडीटी और पीडब्लूएचटी प्रक्रियाओं को शामिल करने वाले टी 9 1 ग्रेड शीट्स के वाष्पीकरण झिल्ली पैनल के निर्माण के लिए व्यापक विनिर्माण प्रक्रिया सफलता पूर्वक स्थापित की गई है।
- बीएचईएल ने पलामूरंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना चरण 2 (9 X145 मेगावाट) और चरण 3 (9 X 145 मेगावाट) के लिए उपयुक्त पंप मॉडल के डिजाइन और विकास को सफलता पूर्वक किया है। इस योजना में उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों को सिंचाई के लिए कृष्णा नदी पर श्री शैलम परियोजना के पूर्व से बाढ़ के मौसम (60 दिनों) के दौरान 120 टीएमसी बाढ़ के पानी को उठाने की योजना है। यह महाबूब नगर, रंग रेड्डी और नलगोंडा जिलों में औद्योगिक उपयोग के लिए हैदराबाद शहर और गांवों के पानी और पेयजल भी प्रदान करेगा।
- बीएचईएल ने सफलतापूर्वक डिजाइन और विकसित किया है
- लिफ्ट सिंचाई आवेदन के लिए ब्रशलेस एक्साइटेशन प्रणाली के साथ 4.7 मेगावाट, 11 केवीए 10 ध्रुव वर्टिकल सिंक्रोनस मोटर। मशीन को ग्राहक आवश्यकता के अनुसार परीक्षण किया गया है और मैसर्स मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) को आपूर्त की गई है।
- बीएचईएल ने लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के लिए सबसे बड़ी रेटिंग 11.65, 11 केवी, 12 पोल वर्टिकल सिंक्रोनस मोटर का निकास किया है, और सभी प्रदर्शन मानकों, परीक्षण आवश्यकताओं और तंग वितरण कार्यक्रमों को पूरा करने का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है। इसे एचपी जैकिंग व्यवस्थाए बस डक्ट प्रकार टर्मिनल बॉक्स और मैकेनिकल ब्रेक जैसे विशेष फीचर के साथ साइट पर आसान पुनः असेंबली के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मोटर Yettinahole लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए मैसर्स केबीएल को आपूर्त की गई है।
- बीएचईएल ने 290 मीटर–किलोवाट की विशिष्ट गति के लिए उपयुक्त फ्रांसिस टरबाइन का हाइड्रोलिक डिजाइन विकसित किया है। एक छोट`पैमाने पर टरबाइन मॉडल का निर्माण 92.7% की बेंचमार्क दक्षता के साथ किया गया है और सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।
- बीएचईएल ने 250 मीटर हेड के लिए उपयुक्तपंप–टरबाइन का हाइड्रोलिक डिज़ाइन पूरा कर लिया है। विकास में पूर्ण जल मार्ग शामिल था जिसमें रनर प्रोफाइल सूट शामिल था मॉडल परीक्षण द्वारा 250 मीटर हेड और इस की मान्यता।
- बीएचईएल ने हाइड्रो टर्बाइन पेलटन व्हील के लिए सिंगल ब्लैंक से मशीनिंग तकनीक विकसित की है। हाइड्रो टरबाइन पेलटन व्हील के निर्माण के लिए अत्याधुनिक 5–अक्ष स्कूप मिलिंग तकनीक 5–अक्ष प्रोग्रामिंग और मशीनिंग पद्धति घरेलू स्तर पर स्थापित की गई है। 450 मिमी व्यास के एक पेल टनव्हील के स्केल किया गया है जिसे 5–एक्सिस मशीन पर एक जालीदार ब्लैंक से बनाया गया है।
- बीएचईएल ने अब तक आयात किए जा रहे सुपर क्रिटिकल सेटों के लिए स्प्रिंग लोडेड बाइपास वॉल्ब को घरेलू स्तर पर तैयार किया। इन वॉल्बस का पहला सेट वानबोरी 1X800 मे.वा. साइट के लिए विनिर्मित, परीक्षित एवं प्रेषित किया जा चुका है।
- एमओईएफ के नए पर्यावरणीय उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करने के लिए बीएचईएल ने अपने समर्पित आरएंडडी प्रयासों के माध्यम से विशेष रूप से उच्च राख कोयले से निकाले गए भारतीय थर्मल पावर प्लांटों के लिए एससीआर प्रौद्योगिकी विकसित की है और यह एनटीपीसी सिमधरी सुपर थर्मलपावर

गैस इन्सुलेटेड सबस्टेशन (जीआईएस) के विकास के लिए 400 के वीसिंगल ब्रेक सर्किट ब्रेकर

कॉर्पोरेट आर एंड डी, हैदराबाद में कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्सके लिए उत्कृष्टता केंद्र

स्टेशन पर प्रदर्शन में है। एनटीपीसी सिमधरी में पायलट प्लांट सफलतापूर्वक काम कर रहा है।

- बीएचईएल ने भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट संशोधित एमओईएफ मानदंडों को पूरा करने के लिए बॉयलर, एससीआर और एफजीडी की संयुक्त मांगों को पूरा करने के लिए बाह्य व्यास 4100 मिमी, 11300 किलोवाट, एगपंस फैन की उच्च क्षमता विकसित, निर्मित और परीक्षण किया है। विकसित फैन तेलंगाना 800 मेगावाट परियोजना को आपूत किया गया है।

- बीएचईएल ने औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए सफलतापूर्वक 20 मेगावाट, 11 केवी, 4 पोल अल्टर्नेटर विकसित किया है। यह अल्टनेटर सभी निषादन मानकों पर सफलतापूर्वक निर्मित और परीक्षण किया गया है। विकसित अल्टनेटर की मैसर्स रोहित सफैक्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद को आपूर्ति की गई है।

- बीएचईएल ने 3.27 मेगावॉट, 6.6 केवी, 4 पोल प्रेशराइज्ड वैरियेबल फ्रिक्वेंशी ड्राइव (वीएफडी) मोटर का सफलतापूर्वक विकास एवं परीक्षण किया है। इस मशीन को खतरनाक क्षेत्र के अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त विशेष सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है। विकसित वीएफडी मोटर ने ग्राहक की आवश्यकताओं को पूरा करने के परीक्षणों के अनुसार सभी प्रदर्शन मानकों को पूरा किया है। यह मशीन आईओसीएल, बरौनी मैसर्स को आपूत की गई है।

- बीएचईएल ने 9000 एचपी लोकोमोटिव मीटिंग कड़े प्रदर्शन आवश्यकताओं के लिए एक कॉम्पैक्ट और लाइटवेट, तीन चरण एसी ट्रैक्शन मोटर का डिजाइन, विकसित और सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

- बीएचईएल ने स्वदेशी 145 केवी और 36 केवीजीआईएस स्विचगियर विकसित किया है। 5 नंबर विकसित 145 केवीजीआईएस के पैनलों को मैसर्स टीएस ट्रांस को विठ्ठलवाड़ी साइट पर आपूर्ति की गई है। विभिन्न परीक्षणों को पूरा करने के बाद आपूर्ति किए गए ब्रेकर्स को ग्राहक द्वारा सफलता पूर्वक चार्ज किया गया है। 11 नंबर टीएस ट्रांसको को 36 केवीजीआईएस पैनलों की आपूर्ति भी की गई है।

- बीएचईएल ने फर्स्ट फर्नेस एप्लिकेशन के लिए फैब्रेटेड आवरण डिजाइन में सब सेबड़ा वायु कंप्रेसर (डीएमसीएल1008) विकसित किया है। काउंटर–कैसिंग में परिवर्तनीय वाल्यूट है, जो प्रभावी अंतिम निर्वहन दबाव वसूली के लिए डिज़ाइन किया गया है। विकसित कंप्रेसर सेल, राउरकेला को आपूर्ति की गई है।

- बीएचईएल ने सुपर क्रिटिकल बड़े आकार के थर्मलसेट (660/800 मेगावॉट) के अनुरूप 30,000 एम 3/घंटा से अधिक क्षमता वाले कूलिंग वॉटर पंप (सीडब्लूपी) के लिए परीक्षण सुविधाओं की सफलतापूर्वक स्थापना की है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार छोटे आकार के मॉडल पंप पर मॉडल परीक्षण आयोजित करके बड़े पंपों का प्रदर्शन इस विकास के माध्यम से साबित किया जा सकता है।

- बीएचईएल ने आईईसी 61850 कम्प्लायन्ट बे कन्ट्रोल यूनिट (बीसीयू) का एक बेहतर संस्करण विकसित किया है, जो मॉड्यूलर आर्किटेक्चर, व्यापक फ़ंक्शन लाइब्रेरी और प्रोग्रामेबल लॉजिक और कॉन्फ़िगर करने योग्य I/O से युक्त है और सब स्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम (एसएएस) में विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने में समर्थ है। बीसीयूएसएएस के लिए एक लचीला, उपयोग में आसान इंटेलिजेंट इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस (आईईडी) है और एक सबस्टेशन में विभिन्न वोल्टेज स्तरों पर विभिन्न के माप, रिमोट मॉनिटरिंग, सुरक्षा और नियंत्रण के लिए उपयोग किया जाता है। सीसीआरआई, बेंगलूरू में बीसीयू का अनूरूपण परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया है।

- बीएचईएल ने हाइड्रो पम्प रनर मॉडल कास्टिंग के लिए 3 डी प्रिंटिंग रॉड मोल्ड प्रौद्योगिकी विकसित की है। टरबाइन फ्रांसिस पंप रनर के स्केल डाउन किए गए मॉडल की ग्रेविटी कास्टिंग के लिए पैटर्न लेस सैंड मोल्ड तैयार करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी युक्त 3D प्रिंटिंग प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसे निष्पादन परीक्षण के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।

- बीएचईएल ने डाइरेक्ट मेटल पाउडर बेड 3 डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी के माध्यम से गैस टरबाइन नोजलटिपका सफलतापूर्वक विकास और विनिर्माण किया है। विकसित हिस्सा परंपरागत रूप से निर्मित हिस्से के मानकों को पूरा करने वाले सभी प्रदर्शन परीक्षणों के अनुरूप है।

- बीएचईएल ने पैरामीट्रिक 3 डीमॉडलिंग का उपयोग करते हुए मैत्री–बांग्लादेश परियोजना के लिए 660 मेगावाट रेटिंग इकाई के लिए एक सीरीज कंडेंसर विकसित किया है।

जनरेटर स्टेंपिंग की स्वचालित असेंबली के लिए रोबोट वर्क सेल

6.5 आरएंडडी और प्रौद्योगिकी विकास के लिए विशेष ध्यान दिए जाने योग्य क्षेत्र

बीएचईएल निम्नलिखित उभरते और मौजूदा क्षेत्रों में क्षमताओं को बनाने और समेकित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है:

- एनटीपीसी और आईजीसीएआर के साथ संघ में भविष्य के थर्मलपावर प्लांट्स के लिए उन्नत अल्ट्रासुपर क्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी का विकास
- उत्पन्न करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास उच्च राख भारतीय कोयले से मेथनॉल
- 800 केवीएचवीडीसी जैसे उन्नत ट्रांसमिशन सिस्टम, 765 केवीए 1200 केवी ट्रांसमिशन सिस्टम/उत्पाद
- 765 केवी रेटिंग तक गैस इन्सुलेट स्विचगियर

हाई पावर डायोड लेजर (एचपीडीएल)

- ई–गतिशीलता पर्यावरण प्रणाली के लिए समाधान का विकास पावरट्रेन, चार्जिंग स्टेशन, ऊर्जा भंडारण सहित सिस्टम, आदि
- विलवणीकरण और जल उपचार संयंत्र
- आईजीबीटी आधारित अनुप्रयोगों सहित कुशल, भरोसेमंद और लागत प्रभावी परिवहन समाधान, डीजल इलेक्ट्रिक लोको के लिए तीन चरण एसी ड्राइव सिस्टम, एमईएमयू और पुनर्जागरण ब्रेकिंग सिस्टम
- मेट्रो और हाईस्पीड ट्रेन–सेट के लिए कोच विनिर्माण।
- उच्च दक्षता सौर कोशिकाओं का विकास, सौर पीवी संयंत्र, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, सौर थर्मल, हवा आदि
- रक्षा उत्पाद
- उच्च तापमान सुपर कंडक्टर्स, नैनो–प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों, हाइड्रोजन ऊर्जा और ईंधन कोशिकाओं के आधार पर अनुप्रयोग
- सर्कुलेटिंग फ्लुइडिज्ड बेड कम्बशन (सीएफबीसी) बॉयलर
- फ्लू गैस डीसल्फराइजेशन (एफजीडी) सिस्टम
- उच्च दक्षता वाले बड़े आकार के जल विद्युत संयंत्र और संपंन का अधिक लम्बा जीवन
- कंपन और शोर में कमी, अवशिष्ट जीवन मूल्यांकन अध्ययन और सिमुलेटर
- सिरेमिक अनुप्रयोगों सहित सतह कोटिंग्स
- उन्नत विनिर्माण तकनीकें
- नई प्रौद्योगिकियों का प्रयोग, जिसमें कुशल मशीनों और रोबोटिक्स का प्रयोग भी शामिल है।
- ज्ञान प्रबंधन और विशिष्ट इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग
- डिजाइन स्वचालन / केबीई / पीएलएम पर ध्यान देने के साथ ईपीसी समेत कुल इंजीनियरिंग समाधान

बीएचईएल, भोपाल में उच्च वोल्टेज परीक्षण प्रयोगशाला

भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा तकनीक का विस्तारीकरण

800 मेगावाट एयूएससी के लिए सुपर हीटर हैडर के लिए अंत कवर वेल्डिंग

कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों के लिए एक अग्रणी प्रौद्योगिकी देश में विकसित की जा रही – जो कि ईंधन के रूप में कोयले का उपयोग करके बहुत कम उत्सर्जन के साथ अधिक कुशल बिजली उत्पादन में समर्थ है।

बीएचईएल, एनटीपीसी और आई जीसीए आर के साथ थर्मल पावर प्लांट्स के लिए उन्नत अल्ट्रासुपर क्रिटिकल (एयूएससी) तकनीक विकसित कर रहा है, संयंत्रों की दक्षता में 46% सुधार कर रहा है, जिससे स्रोत और कोयले की खपत दोनों में सीओ 2 उत्सर्जन कम हो गया है, जो कि नवीनतम तकनीक की तुलना में 11% है।

राष्ट्रीय महत्व की इस मिशन परियोजना के लिए बीएचईएल को पावर साइकल उपस्कर के डिजाइन और निर्माण का कार्य सौंपा गया है।

बोर्ड की रिपोर्ट का अनुबंध – VII

7.1 ऊर्जा का संरक्षण

बीएचईएल में हमारे परिचालन एवं सेवाओं में ऊर्जा का इष्टतम उपयोग केवल मूल्य आधारित ही नहीं है बल्कि इसे संगठन की जिम्मेदारी भी मानता है। इस विचार के साथ कंपनी, हमारे परिसरों में ऊर्जा संरक्षण से संबंधित कई गतिविधियों जैसे ऊर्जा संरक्षण (ईएनसीओएन), ऊर्जा दक्षता (ईई) और हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। ये पारंपरिक ऊर्जा उपयोग को कम करने में हमारी मदद करते हैं तथा इनसे हमारे विभिन्न ऊर्जा उपयोगों में हरित ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलता हैं। साथ ही हमें टिकाऊ ऊर्जा उपयोग की ओर ले जाता है।

बीएचईएल अपनी इकाइयों/परियोजनाओं मेंएसोलरपीवी आधारितस्ट्रीट लाइट्स और सोलर वाटर हीटिंग प्रणाली द्वारा स्वच्छ ऊर्जा उपयोग को बढ़ा रहा है। रूफ टाप एवं ग्रिड इंटरैक्टिव सौर शक्ति सयंत्रों का संस्थापन कर बीएचईल, अपने परिचालनों में टिकाऊ ऊर्जा मिश्रणों हेतु प्रयासरत है। वित्तीय वर्ष 17.18 के दौरान हमारे आंतरिक सौर संयंत्रों द्वारा हमारी सीमित खपत पूर्ति हेतु 15.6 मिलियन यूनिट ग्रीन इलेक्ट्रिसिटी का उत्पादन किया है।

ऊर्जा संरक्षण हेतु प्रक्रिया रिडिजाइन, उपकरणों का रूपांतरण तथा पुनः निर्माण और कर्मचारियों के व्यवहार में बदलाव लाने हेतु शैक्षणिक कार्यक्रम आदि के सहित विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान ईएनसीओएन/ईई गतिविधियों के परिणामस्वरूप 1.37 मिलियन यूनिट ऊर्जा की बचत हुई है।

अब तक बीएचईएल की 8 विनिर्माण इकाइयों को ऊर्जा निष्पादन (ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा का उपयोग एवं खपत आदि) में सुधार हेतु एआईएसओ 50001:2011 (ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली) से प्रमाणित किया गया है।

ऊर्जा संरक्षण हेतु बीएचईएल में नियमित रूप से चलाई जा रही गतिविधियों में निम्न शामिल हैं:

ऊर्जा जागरूकताः कार्यालयों, कारखानों, परियोजना साइटों और उपनगरियों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन।

ऊर्जा संरक्षण : ऊर्जा के उपयोग को कम किए जाने के क्षेत्रों की पहचान करना, रिसाव को बंद करना, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग, बर्बाद हो रही ऊर्जा के (wasteful use) क्षेत्रों की पहचान करना और उसे रोकना तथा इमारतों के लिए ऊर्जा माप प्रणाली का उपयोग आदि।

वर्ष के दौरान, कंपनी भर में, पारंपरिक लाइटों के स्थान पर ऊर्जा कुशल (Energy efficient) एलईडी लाइटों में रूपांतरण, पुराने अक्षम एयर कंडीसनरों के स्थान पर स्टार रेटेड एयर कंडीसनरों का संस्थापन, पावर फैक्टर सुधार हेतु व्यवस्था, परिवर्तनीय फ्रिक्वेंसी ड्राइव एवं कार्यालयों में मोशन सेंसर आदि सहित, 58 ईएनसीओएन परियोजनाएं लागू की गई हैं।

फर्नेस में बेहतर इन्सुलेशन के माध्यम से हीटिंग सिस्टम से ऊष्मा क्षय को रोक कर, भट्ठियों में लोडिंग का अधिकतम उपयोग कर, हीट रिकवरी सिस्टम, उच्च दक्षता लाईटिंग प्रणाली अपनाकर, उच्च दक्षता पम्प्स, मोटर्स एवं कम्प्रेसर, विभिन्न आवृत्ति की ड्राइव का उपयोग आदि करके ऊर्जा दक्षता में सुधार करना।

सौर स्ट्रीट लाइट्स, सौर जल ताप प्रणालीएप्राकृतिकटर्बो वेंटिलेटर्सय डे लाइट पाइपय प्राकृतिक प्रकाश का उपयोग करने के लिए छत पर एफआरपी/पॉली कार्बोनेट की चादरों आदि के माध्यम से अक्षय/वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों का उपयोग करना।

सतत सुधार के लिए आवधिक ऊर्जा अंकेक्षण। ऊर्जा अंकेक्षण विशेषज्ञ निकायों जैसे पीसीआरए/टीईआरआई आदि से एचपीबीपी तिरुचीए बीएपी रानीपेटए ईडीएन बेंगलूरए आईपी जगदीशपुरए सीएस एवं एफपी जगदीशपुरए हर्प वराणसी एवं टीपी झाँसी इकाइयों का एनर्जी ऑडिट सम्पन्न हुआ।

7.2 प्रौद्योगिकी आमेलन और अनुसंधान एवं विकास:

अनुसंधान एवं विकासः

1.	विशिष्ट क्षेत्र जिनमें कंपनी द्वारा अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए।	बोर्ड की रिपोर्ट में अनुलग्नक – VI के अंतर्गत "अनु. एवं बि. तथा प्रौद्योगिकीय उपलब्धियां" में दिया गया है
2.	उपरोक्त अनुसंधान एवं विकास के फलस्वरूप प्राप्त लाभ।	
3.	ध्यान दिए जाने वाले भावी क्षेत्र।	
4.	**अनुसंधान एवं विकास पर खर्चः**	

कुल	752.64 करोड़ रुपए
रिकरिंग	754.41 करोड़ रुपए
पूंजी	7.23 करोड़ रुपए
सम्पूर्ण कारोबार के प्रतिशत के रूप में खर्च	2.70%

7.3 प्रौद्योगिकी समावेशनः

पिछले 5 वर्षों के दौरान आयातित प्रौद्योगिकी का विवरणः

प्रौद्योगिकी	आयातित वर्ष	समावेशन स्थिति
फ्ल्यू गैस डिसल्फ्यूरिजेशन (FGD) प्रणाली	2013	प्रौद्योगिकी समावेशन प्रगति पर है।
स्टेनलेस स्टील मेट्रोकोच और बोगीज	2017	
Gates and Dampers	2018	

7.4 विदेशी मुद्रा आय और व्यय:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18	2016–17
उपयोग में लाई गई विदेशी मुद्रा	2482	3335
कमाई गई विदेशी मुद्रा	1309	2490

निदेशक मंडल के लिए की ओर से
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

अतुल सोबती
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँकः 25 जुलाई, 2018

बोर्ड की रिपोर्ट का
अनुबंध – VIII

फॉर्म एओसी– I

(कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठितधारा 12 9 कीउपधारा (3) के पहले प्रावधानों के अनुसरण में)

सहायक कम्पनियों / सहभागी कंपनियों / संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की विशिष्ट विशेषताओं का विवरणः

भाग ''क'' सहायक कंपनियां (Subsidiaries)

भाग ''क'' सहायक कंपनियां (Subsidiaries)

(प्रत्येक सहायक कंपनी का विवरण करोड़ रुपए की राशि में)

1 क्रम संख्या	01
2. सहायक कंपनी का नाम	बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन लिमिटेड
3. उस तारीख से जब सहायक कंपनी का अधिग्रहण किया गया था	19 जनवरी 2011
4. संबंधित सहायक कंपनी के लिए रिपोर्टिंग अवधि, यदि होल्डिंग कंपनी के रिपोर्टिंग समय से भिन्न हो	लागू नही
5. विदेशी सहायक कंपनियों के मामले मे प्रासंगिक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि पर रिपोर्टिंग मुद्रा और विनिमय दर	लागू नही
6. शेयर पूंजी	10.50
7. आरक्षित और अधिशेष	(18.77)
8. कुल संपति	21.96
9. कुल देनदारियां	30.23
10. निवेश	शून्य
11. कारोबार	14.42
12. कराधान से पहले लाभ	(7.73)
13. कराधान के लिए प्रावधान	(1.72)
14. कराधान के बाद लाभ	(6.01)
15. प्रस्तावित लाभांश	शून्य
16. शेयर धारिता का प्रतिशत	51%

कोष्ठक में दिए गए अंक ऋणात्मक हैं।

नोटः निम्न जानकारी विवरण के अंत में प्रस्तुत की जाएगी।

1. सहायक कंपनियों के नाम जिन्होंने अब तक परिचालन शुरू नहीं किया है।	शून्य
2. सहायक कंपनियों के नाम, जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त किया गया या बेचा गया।	शून्य

भाग 'ख' सहयोगी कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम

सहयोगी कंपनियों एवं संयुक्त उद्यमों से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) के अनुसार विवरण

(₹ करोड़ में)

संयुक्त उद्यम के नाम	बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	एनटीपीसी – बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड
1. नवीनतम अंकेक्षित तुलन पत्र की तारीख	31.03.18	31.03.18रु	31.03.18रु
2. वह तारीख जिसमे संयुक्त उद्यम का अधिग्रहण किया गया था	5 मई, 1997	28 अप्रैल, 2008	15 अप्रैल, 2009
3. वर्ष के अंत में बीएचईएल के द्वारा धारित संयुक्त उद्यमों के शेयर			
संख्या	2379999	50000000	664039700
निवेश की राशि	2.38	50.00	664.04
होल्डिंग प्रतिशत की सीमाः	50% minus one share	50%	27.97%
4. महत्वपूर्ण प्रभाव का विवरण	संयुक्त नियंत्रित इकाइयां		
5. सहयोगी / संयुक्त उद्यम समेकित न होने का कारण	लागू नही	लागू नही	लागू नही
6. नवीनतम अंकेक्षित तुलन पत्र के अनुसार शेयर धारिता के लिए कारण नेटवर्थ	138.55	4.40	266.10
7. वर्ष के लिए लाभ / हानि	इक्विटी पद्धति के अनुसार		
i. समेकन में विचार किया गया	23.82	(38.35)	(376.23)
ii. समेकन में विचार नहीं किया गया	–	–	–

अंकेक्षित नही

कोष्ठक में दिए गए अंक ऋणात्मक हैं।

मेसर्स दादा धुनीवाले खण्डवा पावर लिमिटेड एवं पावर प्लांट परफारमेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेडए परिसमापन के अधीन हैं। इसलिए इन दोनों संयुक्त उद्यमों के समेकन पर विचार नही किया गया है।

वर्ष के दौरान मैसर्स लातूर पावर कंपनी लिमिटेड को विघटित (कपेवसअमक) कर दिया गया है।

कृते निदेशक मंडल की ओर से

(आईपी सिंह) कंपनी सचिव	(सुबोध गुप्ता) निदेशक (वित्त)	(अतुल सोबती) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते डीएसपी एवं एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट **एफआरएन–006791 छ**	**कृते धवन एवं कंपनी** चार्टर्ड एकाउंटेंट **एफआरएन–002864 छ**	**कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी** चार्टर्ड एकाउंटेंट **एफआरएन–006228ॅ**
(सीए संजय जैन) भागीदार **सदस्यता सं. 084906**	**(सीए दीपक कपूर)** भागीदार **सदस्यता संख्या 072302**	**(सीए रितेश कुमार जैन)** भागीदार **सदस्यता संख्या 077026**

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 29 मई, 2018

फॉर्म AOC-2

(अधिनियम की धारा 134 की उपधारा (3) के यंड (ज) और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के अनुसरण में)

कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 188 के उपखंड (1) के संदर्भ में तृतीय प्रावधान के तहत कुछ शर्तों के साथ हुए लेन–देन के साथ कंपनी के ठेकों / अनुबंधों (लेखों) के विवरणों के संबंध में प्रकटीकरण करने के प्रपत्र।

1. ठेके / अनुबंधों / लेन–देन के विवरण (आर्म्स लेंथ आधार पर नहीं) :

क) संबंधित पक्ष का / के नाम एवं संबंध का स्वरूप : शून्य

ख) ठेके / व्यवस्थाओं / लेनदेन का स्वरूप : शून्य

ग) ठेकों या व्यवस्थाओं / लेनदेन की अवधि : शून्य

घ) ठेकों या व्यवस्थाओं या लेनदेन की विशिष्ट शर्तेए मूल्य सहित अगर हो तो : शून्य

ड.) इन ठेकों या व्यवस्थाओं या लेनदेन का औचित्य : शून्य

च) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि / तिथियां : शून्य

छ) अग्रिम के तौर पर भुगतान की गई राशि : शून्य

ज) वह तिथि जब आम सभा में विशेष प्रस्ताव पारित हुआ, जैसा कि खंड 188 के तहत वांछित है : शून्य

2. सामग्री संबंधी ठेकों या अनुबंधों या लेन देन के विवरण (आर्म्स लेंथ आधार पर)

क) संबंधित पार्टी के नाम एवं संबंध का स्वरूप : शून्य

ख) ठेकों / व्यवस्थाओं / लेनदेन की प्रकृति : शून्य

ग) ठेकों / व्यवस्थाओं / लेनदेन की अवधि : शून्य

घ) ठेकों या व्यवस्थाओं या लेनदेन की विशिष्ट शर्तें, मूल्य सहित अगर हो तो ऐसे ठेके या अनुबंध या लेन देन करने के औचित्य : शून्य

ड.) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि / तिथियां : शून्य

च) अग्रिम के तौर पर भुगतान की गई राशि : शून्य

निदेशक मंडल के लिए की ओर से
भारतहेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

अतुल सोबती
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक: 25 जुलाई, 2018

अनुबंध – IX

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

सदस्यगण,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

एकल इंड एएस वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमने यहाँ संलग्न भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (कंपनी) के एकल इंड एएस वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की हैएजिसमें 31 मार्च 2018 के अनुसार तुलन पत्र तथा इसी तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए लाभ एवं हानि लेखा (अन्य व्यापक आय सहित) तथा नकदी प्रवाह विवरण,इक्विटी में परिवर्तनों का विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और अन्य व्याख्यात्मक सूचना शामिल है, के सारांश की लेखापरीक्षा की है। इसके अलावा महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचना का सारांश भी दिया गया है जिसे लेखा परीक्षा की तिथि को / पर समाप्त हुए वर्ष के लिए हमारे द्वारा तैयार किए गए 16 शखाओं के रिटर्न तथा कंपनी के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा समीक्षित 16 शाखाओं के रिटर्न भी संलग्न हैं।

एकल इंड एएस वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी लेखा अधिनियम, 2014 के अधिनियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत विशिष्ट लेखांकन मानकों (इंड एएस) सहित भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के साथ वित्तीय स्थितिए अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय निष्पादनए कंपनी के नकदी प्रवाह और इक्विटी में परिवर्तन के संदर्भ में सही और निष्पक्ष दृष्टि प्रदान करने वाले इन एकल इंड एएस वित्तीय परिणामों को तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 134 (5) में वर्णित तथ्यों के लिए कंपनी के निदेशक मंडल जिम्मेदार हैं।

इस जिम्मेदारी में कंपनी की संपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पहचान करने के लिए अधिनियम के प्रावधान के साथ पर्याप्त लेखांकन रिकार्ड का रखरखाव, सही लेखांकन नीतियों (इंड एएस) के चयन और अनुप्रयोग, उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और अनुमान लगाना, पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की रूपरेखा तैयार करना, लागू करना और प्रबंधन करना शामिल है। इस जिम्मेदारी में वित्तीय विवरण की तैयारी और प्रस्तुति के संगत आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन, कार्यांवयन और अनुरक्षण का दायित्व शामिल है, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करे तथा तथ्यात्मक गलत बयानी, चाहे जालसाजी अथवा त्रुटिवश हो, से मुक्त हो।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी:

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा पर आधारित इन इंडएएस वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है। हमने अधिनियम के प्रावधानों और इसके तहत बनाए गए नियमों के तहत अधिनियम के प्रावधानों, लेखा रिपोर्ट में शामिल किए जाने के लिए जरूरी लेखांकन और ऑडिटिंग मानकों और तथ्यों पर अमल किया है।

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत विशेष लेखापरीक्षा मानदंडों के अनुरूप, एकल इंडएएस वित्तीय विवरणों, लेखापरीक्षा की है। इन मानदंडों के तहत यह अपेक्षित है कि हम नीतिगत अपेक्षाओं का अनुपालन करें और इस संबंध में एक उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए कि क्या ये एकल इंड एएस वित्तीय विवरण तथ्यात्मक गड़बड़ी से मुक्त हैं, लेखापरीक्षा की योजना बनाएं और संचालित करें।

लेखापरीक्षा में परीक्षण के आधार पर जांच और राशि के समर्थन में संलग्न प्रलेख और एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों की तथ्यात्मक गड़बड़ीए चाहे घोटाले अथवा त्रुटिवश हुई हैए के जोखिम का मूल्यांकन शामिल होता है। इन जोखिमों का मूल्यांकन करने मेए लेखा परीक्षक लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के वास्ते एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने और स्वतंत्र प्रस्तुतीकरण के कंपनी के संगत आंतरिक नियंत्रण पर विचार करता हैए जो स्थिति अनुरूप उपयुक्त होते हैं। लेखापरीक्षा में कंपनी के निदेशकों के द्वारा प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों का मूल्यांकन एवं महत्वपूर्ण आकलन तथा प्रस्तुत एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों का सम्पूर्ण मूल्यांकन भी शामिल रहता है।

हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा प्रमाण प्राप्त किए हैं वह हमारे एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा मत के लिए आधार उपलब्ध करवाने के लिए पर्याप्त और उचित है।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमे दिए गए विवरण के अनुसार, एकल इंड एएस वित्तीय विवरण अधिनियम के तहत अपेक्षित तरीके के अनुसार सूचना प्रदान करता है और इंड एएस वित्तीय सहित भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के अनुरूप एक वास्तविक और सही विवरण प्रदान करता है।

क) तुलन पत्र की स्थिति में, 31 मार्च 2018 तक के कंपनी के कार्य की स्थिति (वित्तीय स्थिति),

ख) लाभ एवं हानि के विवरण (अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय कार्य प्रदर्शन) के मामले में उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्षके लिए लाभ और

ग) नकद प्रवाह विवरण के मामले में, उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह,

घ) इस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन के इक्विटी में परिवर्तन के मामले में।

अन्य विषय:

हमने कंपनी के एकल वित्तीय विवरण में शामिल 16 (सोलह) वित्तीय विवरणों/सूचनाओं को ऑडिट नही किया था जिनका वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च 2018 को ₹43,503.33 करोड़ की कुल संपत्ति और उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए ₹19115.29 करोड़ के कुल राजस्व को दर्शाते हैंए जैसा किएकल इंडएएस वित्तीय विवरण में दर्शाया गया था। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/जानकारियों की शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की गई जिनकी रिपोर्ट हमे भेजी गई और ऐसे शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित इन शाखाओं के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटन पर हमारी राय प्रस्तुत की गई।

हमारी राय इस मामले के संबंध में संशोधित नहीं है।

अन्य विधि एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट:

1) अधिनियम के खंड 143 के उपखंड (11) के संदर्भ में भारत सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2016 ("आदेश") के संदर्भ में अपेक्षानुसार हम आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में विनिर्दिष्ट मामलों पर अनुलग्नक प्रस्तुत करते हैं।

2) अधिनियम के खंड 143 (3) के संदर्भ में अपेक्षानुसार हम रिपोर्ट देते हैं कि:

क) जहाँ तक हमें जानकारी और विश्वास है, हमने लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक जानकारियाँ एवं विवरण प्राप्त कर लिए हैं।

ख) हमारे विचार सेए कंपनी ने विधि के अनुसार लेखा बहियां रखी हैंए जैसा कि हमें इन बहियों की जांच में मिला है और हमारे द्वारा दौरा न की गई शाखाओं से हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक पर्याप्त जानकारी प्राप्त हो गई है।

ग) शाखा लेखा परीक्षकों के द्वारा अधिनियम की धारा 143 (8) के तहत लेखापरीक्षित कंपनी के शाखा कार्यालयों के लेखा की रिपोर्ट हमें प्रेषित की गई है और रिपोर्ट करते समय हमारे साथ सही तरीके से विचार विमर्श किया गया है।

घ) इस रिपोर्ट में हमारे द्वारा जांचे गए तुलन पत्र, अन्य व्यापक आय सहित लाभ एवं हानि खाता, नकदी प्रवाह लेखा बहियों तथा इक्विटी लेन देन में परिवर्तन और हमारे द्वारा इस दौरान की गई शाखाओं से प्राप्त जानकारियों के अनुसार है।

ड.) हमारी राय में उपर्युक्त इंडएएस वित्तीय विवरण कंपनी (लेखा) के यथा संशोधित अधिनियम 15 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखाकरण मानकों के अनुरूप हैं।

च) एक सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164(2) जो इस बारे में है कि किसी निदेशक को निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने से अयोग्य घोषित किया जा सकता है, अधिसूचना जी.एस.आर 463 (ई) दिनांक 05.06.2015 के मद्देनजर कंपनी पर लागू नहीं है।

छ) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता के संबंध में और इस तरह के प्रचालन प्रभाव के संबंध में नियंत्रण, 'अनुबंध ख' में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।

ज) अन्य विषयों के संबंध में हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमे दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 में लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किया गया।

i. कंपनी ने अपने इंड एएस वित्तीय विवरण में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटन किया है – वित्तीय विवरणों पर टिप्पणी 38(2) का संदर्भ लें।

ii. कंपनी ने लंबी अवधि के अनुबंध पर, सामग्री के संभावित नुकसान (यदि कोई हो) के लिए लागू कानून और लेखा मानकों के तहत आवश्यकता के अनुसार प्रावधान किया है। वित्तीय विवरणों पर नोट 38 (14) का संदर्भ लें।

iii. कंपनी द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 तथा इसके तहत नियमों के अनुसार निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा फंड में स्थानांतरित की जाने वाली राशि को स्थनांतरित करने में कोई देरी नही हुई है।

3) इस अधिनियम की धारा 143(5) में अपेक्षित, हमने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों पर विचार किया हैए उसके बाद उसी के अनुसार कार्य किया है और उसका प्रभाव कंपनी के लेखा एवं वित्तीय विवरण (अनुबंध ग) पर आया है।

डीएसपी एवं एसोसिएट्स के लिए	धवन एवं कंपनी के लिए	महेश सी सोलंकी एंड कंपनी के लिए
चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन –006791 N	एफआरएन –002864 N	एफआरएन –006228C
(सीए संजय जैन)	(सीए दीपक कपूर)	(सीए रितेश कुमार जैन)
भागीदार	भागीदार	भागीदार
सदस्यता सं. 084906	सदस्यता संख्या 072302	सदस्यता संख्या 077026

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध – क

(भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (कंपनी) की 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लेखों की समसंख्यक दिनांक की हमारी जो 'अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट शीर्षक के अंतर्गत दी गई है, के पैरा–1 में यथा उल्लिखित)

i) (क) कंपनी ने सामान्यतः मात्रात्मक विवरण और अपनी स्थायी परिसम्पत्तियों की स्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए उचित रिकार्ड रखा है।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार प्रबंधन द्वारा तीन वर्ष की अवधि मे सभी अचल परिसम्पत्तियों सहित सभी संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण को शामिल करते हुए निर्धारित कार्यक्रम के अधीन चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार स्थायी परिसम्पत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन कराया जा रहा है, जो हमारी राय में कंपनी के आकार और व्यवसाय के स्वरूप की दृष्टि से समुचित समझा जाता है और वर्ष के दौरान कराए गए सत्यापन में कोई मूर्त विसंगति नहीं देखी गई ।

(ग) कंपनी के नाम से न धारित की गई अचल संपत्ति के विलेख के विवरण इंडएएस वित्तीय विवरण के नोट नं. 2 (क से च) में दिए गए हैं।

ii) (क) हमें जैसा स्पष्ट किया गया है, कुछ यूनिटों में चालू कार्य के भंडार और तैयार माल, जहाँ ऐसी यूनिटों के उत्पादन योजना विभाग का निरीक्षण तथा उत्पादन रिपोर्टों के संदर्भ में इनका वर्ष के अंत में सत्यापन किया जाता है, को छोड़कर वर्ष के दौरान नियमित अंतरालों पर स्थायी मालसूची कार्यक्रम के अधीन प्रबंधन द्वारा मालसूची का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया है। संविदाकारों/फैब्रीकेटरों और अन्य पक्षों के पास पड़े हुए स्टॉक के संबंध में केवल कुछ मामलों में पुष्टियां प्राप्त हुई थीं। हमारी राय में सत्यापन की आवृत्ति उचित है।

iii) हमें दी गई सूचना के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम की धारा 2013 की धारा 189 के अधीन रखे गए रजिस्टर में शामिल कंपनियों, फर्मों के सीमित दायित्व भागीदारों अथवा किसी अन्य पक्षों को प्रतिभूत अथवा अप्रतिभूत ऋण नही दिया है। अतः चालू वर्ष के लिए कंपनी (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश पैरा 3 के खंड (iii) क से (iii) ग कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

iv) कंपनी ने ऋण निवेश, गारंटी और प्रतिभूति के संबंध में कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 185 और 186 के उपबंधों का अनुपालन किया है।

v) कंपनी के रिकॉर्ड की जाँच के आधार पर और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 73 से 76 अथवा अन्य संगत प्रावधानों और कंपनी (जमा राशि की स्वीकृति) नियम, 2014 के अनुसार वर्ष के दौरान आम जनता से कोई जमा राशि स्वीकार नहीं की है।

vi) हमने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 148(1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा विहित कंपनी (लागत रिकाड्र्स एवं लेखा) नियम, 2014 के अनुसरण में, कंपनी द्वारा रखी गई लेखा पुस्तिकाओं तथा कंपनी के रिकार्डो का व्यापक निरीक्षण किया और हमारी राय में कंपनी ने निर्धारित लेखा एवं रिकाड्र्स को संरक्षित रखा है। तथापि, इन लेखों और लागत रिकार्डो की विस्तृत जांच की न तो हमारे अपेक्षा है और न ही हमने की है।

vii) (क) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार और प्रस्तुत की गई तथा हमारे द्वारा जांची गई बहियों और रिकार्ड के अनुसार, हमारी राय में, कंपनी सामान्यत : नियमित रूप से भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, धन कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, उपकर और उपयुक्त प्राधिकारियों पर यथा लागू कोई अन्य वास्तविक सांविधिक देयताओं सहित अविवादित सांविधिक देय राशियों को जमा कर रही है।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार भुगतान की तारीख से 6 महीने से अधिक माह की अवधि हेतु 31 मार्च 2018 को भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, धन कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क उपकर और अन्य सांविधिक देयता बकाया राशि विवादित नहीं थीं।

(ग) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार जिस बिक्री कर, आयकर, उत्पाद शुल्क, सेवा कर, सीमा शुल्क और उपकर को विवाद के कारण जमा नहीं किया है, वह निम्न प्रकार है:

(₹करोड़ में)

क्र. सं.	सांविधिक प्रावधान का नाम	देयताओं की प्रकृति	लम्बित राशि	विरोध के अधीन की गई राशि	मंच जिसके समक्ष विवाद लंबित है
1	केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, विभिन्न राज्यों के मूल्य वर्धित कर और बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर, वैट	79.66	25.65	आकलन अधिकारी
			326.19	50.98	उपायुक्त/संयुक्त आयुक्त /आयुक्त (अपील) अपीलीय अधिकरण
			401.78	157.73	उच्च न्यायालय
			459.54	27.86	सर्वोच्च न्यायालय
			2.87	2.83	सर्वोच्च न्यायालय
			419.74	30.52	विभिन्न अपीलीय प्राधिकारी आकलन अधिकारी

क्र. सं.	सांविधिक प्रावधान का नाम	देयताओं की प्रकृति	लम्बित राशि	विरोध के अधीन की गई राशि	मंच जिसके समक्ष विवाद लंबित है
2	आयकर अधिनियम,1961	आयकर	0.08	-	आकलन अधिकारी
			0.02	-	उपायुक्त/संयुक्त अपील
			10.56	-	अपीलीय अधिकरण
3	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	77.68	7.35	आयुक्त अपील
			176.29	3.49	अपीलीय अधिकरण
			57.46	5.69	उच्च न्यायालय
4	वित्त अधिनियम, 1994 के अधीन सेवा कर	सेवा कर	34.93	2.80	अपीलीय अधिकरण
			335.74	5.71	आयुक्त
			17.15	-	उच्च न्यायालय

viii) हमारे द्वारा कंपनी के रिकार्ड की जाँच और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी द्वारा वित्तीय संस्थानों, बैंकों से लिए गए ऋण या लोन की अदायगी में चूक नही हुई है। कंपनी ने कोई डिबेंचर जारी नही किया है।

ix) हमारे द्वारा कंपनी के रिकार्ड की जाँच और हमें दी गई वर्ष के दौरान कोई धनराशि आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या भावी सार्वजनिक प्रस्ताव शामिल या सावधि ऋण के माध्यम कोई धन प्राप्त नहीं किया है।

x) कंपनी के रिकार्ड और बहियों के बारे में हमारी जांच के दौरान, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षा पद्धति के अनुसार, कंपनी द्वारा कोई भी धोखाधड़ी या उसके अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा कंपनी पर कोई भी धोखाधड़ी नहीं पाई या बताई गई है।

xi) एक सरकारी कंपनी होने के नाते धारा 197 से संबंधित खंड सं (xi) कंपनी अधिनियम 2013 की प्रबंधकीय पारिश्रमिक के संबंध में अधिसूचना सं जीएसआर 463 (ई) दिनांक 05.06.2015 के मद्देनजर कंपनी पर लागू नहीं है।

xii) निधि कंपनी से संबंधित खंड सं (xii) के प्रावधान कंपनी के लिए लागू नहीं हैं।

xiii) हमें दिए गए स्पष्टीकरण और जानकारी और हमारे द्वारा कंपनी के रिकार्ड की जांच के अनुसार, संबंधित पक्ष का लेंनदेन कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 177 और 188 के अनुसार है और इसकाइंड एएस वित्तीय विवरण में उल्लेख किया गया है।

xiv) वर्ष के दौरान आंशिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर या पूरी तरह या शेयरों के प्राइवेट प्लेसमेंट या अधिमान्य आवंटन से संबंधित खंड सं (xiv) के प्रावधान वर्ष के दौरान प्राइवेट प्लेसमेंट ने जगह ली या अधिमान्य आवंटन किसी रूप में कंपनी पर लागू नहीं है।

xv) कंपनी के निदेशकों या उसके साथ जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई भी गैर–नकदी लेनदेन नही किया है।

xvi) कंपनी का भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुभाग 45 – आईए के तहत पंजीकृत होना आवश्यक नहीं है।

डीएसपी एवं एसोसिएट्स के लिए	**धवन एवं कंपनी के लिए**	**महेश सी सोलंकी एंड कंपनी के लिए**
चार्टर्ड एकाउंटेंट	चार्टर्ड एकाउंटेंट	चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन –006791 N	**एफआरएन –002864 N**	**एफआरएन –006228C**
(सीए संजय जैन)	**(सीए दीपक कपूर)**	**(सीए रितेश कुमार जैन)**
भागीदार	भागीदार	भागीदार
सदस्यता सं. 084906	**सदस्यता संख्या 072302**	**सदस्यता संख्या 077026**

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

अनुबंध – ख

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के एकल इंडएएस वित्तीय विवरणों पर समसंख्यक तिथि को स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (1) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट:

हमने समसंख्यक तिथि को समाप्त वर्ष के लिए एकल इंडएएस वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के साथ भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (कंपनी) की 31 मार्च 2018 तक वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लेखापरीक्षा पर गाइडेंस नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने कि लिए जिम्मेदार है। इन उत्तरदायित्वों में शामिल है – पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का डिजाइन, कार्यांवयन और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का रखरखाव, जिसके तहत क्रमबद्धता सुनिश्चित करने के लिए जो कि अपने व्यापार का कुशल एवं प्रभावी ढंग से संचालन किया जा रहा था, जिसमे सम्मिलित हैं– कंपनी की नीतियों का पालन, अपनी संपत्ति की सुरक्षा, रोकथाम और धोखाधड़ी और त्रुटियाँ, सटीकता और लेखा अभिलेखों की पूर्णता का पता लगाना और कंपनी अधिनियम 2013, के तहत अपेक्षानुसार विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी करना।

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षाके आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक राय व्यक्त करने के लिए है। हम अपना ऑडिट लेखापरीक्षा मानकों और वित्तीय रिपोर्टिंग (गाइडेंस नोट) पर ऑडिट के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर गाइडेंस नोट के अनुसार संचालित करते हैं, जो इंस्टीट्यूट आफ चार्टेड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा जारी और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट के लिए लागू, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट की सीमा लागू करने के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (10)के अंतर्गत निर्धारित समझी गईं हों और आईसीएआई द्वारा जारी की गईं हों। उन मानकों और गाइडेंस नोट की अपेक्षा है कि हम नैतिक अपेक्षाओं की पूर्ति करें और लेखापरीक्षा की योजना इस बात को ध्यान में रखकर बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें, उचित आश्वासन प्राप्त करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और व्यवस्थित किया गया था और सभी भौतिक पहलुओं में इस तरह का प्रभावी ढंग से नियंत्रण संचालित है।

हमारी आंतरिक वित्तीय लेखापरीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग को नियंत्रित करती है, जिसमें वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करना शामिल है, जिसमें सामग्री दोष के जोखिम का निर्धारण करना और निर्धारित जोखिम के आधार पर डिजाइन का परीक्षण और मूल्यांकन तथा आंतरिक नियंत्रण का प्रभावी प्रचालन शामिल है। चुनी हुई प्रतिक्रियाएं ऑडिटर के फैसले पर निर्भर करती हैं जिनमें वित्तीय विवरण को गलत दर्शाए जाने के जोखिम का निर्धारणभी शामिल है, चाहे कारण धोखाधड़ी या त्रुटि हो।

हम मानते हैं कि जो ऑडिट साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं और अन्य मामले पैराग्राफ में नीचे दी गई अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के संदर्भ में उनके द्वारा प्राप्त किया गया लेखापरीक्षा साक्ष्य वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी ऑडिट राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर वित्तीय रिपोर्टिंग का अर्थ

किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक डिजाइन की गई प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करती है और आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी करती है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वह प्रक्रिया है, जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में पर्याप्त आश्वासन प्रदान करने और सामन्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए डिजाइन की गई है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणमें वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल है, जो (1) ऐसे रिकार्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जिसमें कंपनी की सम्पत्तियों का विवरण पर्याप्त, सही और उचित रूप में दर्शाया गया है। (2) उचित आश्वासन देते हैं कि लेनदेन आम तौर पर स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति के लिए दर्ज हो रहे हैं और कहा कि प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और कंपनी के निदेशक प्राधिकरण के अनुसार किया जा रहा है और (3) के बारे मे उचित आश्वासन रोकथाम या अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या कंपनी की संपत्ति के स्वभाव के समय का पता लगाने, जो वित्तीय विवरण पर एक भौतिक प्रभाव हो सकता है, प्रदान करते हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएँ

चूँकि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएं हैं, जिनमें मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन और नियंत्रण का ओवरराइड भी शामिल है। इसलिए त्रुटि या जालसाजी के कारण गलत विवरण होने तथा उनका पता न लग पाने की संभावना है। इसके अलावा, भविष्य के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन का अनुमान रहे। इस जोखिम

के अधीन है कि स्थितियों में बदलाव के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों के अनुपालन की डिग्री या प्रक्रियाएं खराब हो सकती हैं

राय / परामर्श

हमारी राय में, कंपनी में सभी प्रत्यक्ष मामलों में 31 मार्च 2018 को वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली और वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावे ढंग से काम कर रही है, जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकांउटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी की गई आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करके कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण मानदंड पर आधारित है।

डीएसपी एवं एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन –006791 N

(सीए संजय जैन)
भागीदार
सदस्यता सं. 084906

धवन एवं कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन –002864 N

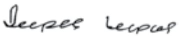

(सीए दीपक कपूर)
भागीदार
सदस्यता संख्या 072302

महेश सी सोलंकी एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन –006228C

(सीए रितेश कुमार जैन)
भागीदार
सदस्यता संख्या 077026

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

अनुबंध – ग

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एकल) के 2017–18 के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा के दौरान सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा जाँच किए जाने वाले क्षेत्रों के बारे में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के अन्तर्गत भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक द्वारा जारी किए गए निर्देश।

क्र.सं.	जाँच किए गए क्षेत्र	उत्तर
1	क्या कंपनी के पास फ्रीहोल्ड और पट्टाधारी भूमि के लिए क्रमशः स्पष्ट हक विलेख/ लीजहोल्ड है? यदि नहीं, तो फ्रीहोल्ड और लीजहोल्ड भूमि का क्षेत्र बताएं जिसके टाइटल/ लीजहोल्ड उपलब्ध नहीं है।	कंपनी के पास विभिन्न क्षेत्रों में फ्रीहोल्ड भूमि 7720.27 एकड़ और लीजहोल्ड भूमि 476.66 एकड़ को छोड़कर फ्रीहोल्ड और पट्टाधारी भूमि के लिए क्रमशः स्पष्ट हक विलेख/ लीजहोल्ड उपलब्ध है। उपरोक्त के अलावा 1242.71 एकड़ भूमि कंपनी के नाम पर उत्परिवर्तित नहीं है। (गजट अधिसूचना के माध्यम से बिना मूल्य के उ. प्र. सरकार द्वारा कंपनी के नाम पर कंपनी को दिया गया है।) नोट; पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि के संबंध में ऊपर दिए गए लगभग सभी मामलों में उपयोग करने के आधार पर राज्य सरकारों से प्राप्त कर लिया गया है और फ्रीहोल्ड के अन्तर्गत वर्गीकृत हैं।
2	क्या किसी ऋण/ उधार/ ब्याज को छूट देने/ बट्टे–खाते में डालने का कोई मामला तो नहीं है। यदि हाँ, तो इसका कारण और इसमें शामिल राशि क्या है?	कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान रिपोर्ट के अनुसार, ₹ 9.51 करोड़ की रकम देनदारों के भट्टे खाते में डाला गया है। (₹8.22 करोड़ पुराने अप्राप्य ऋण तथा ₹1.29 करोड़ पूपूर्व वर्षों के अपने ग्राहकों के एलडी खाते में डाला गया है।)
3	क्या तीसरे पक्ष के पास रखे माल और सरकार या अन्य प्राधिकरण से उपहार/ अनुदान(नों) के रूप में प्राप्त संपत्तियों का उचित अभिलेख रखा जाता है?	तीसरे पक्ष के पास रखे माल और सरकार या अन्य प्राधिकरणों से उपहार के रूप में प्राप्त संपत्तियों का उचित अभिलेख रखा जाता है। हालांकि वर्ष के दौरान सरकार या अन्य प्राधिकरणों से उपहार के रूप में संपत्ति प्राप्त करने का कोई मामला नहीं है।

डीएसपी एवं एसोसिएट्स के लिए	धवन एवं कंपनी के लिए	महेश सी सोलंकी एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट	चार्टर्ड एकाउंटेंट	चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन –006791 N	एफआरएन –002864 N	एफआरएन –006228C
(सीए संजय जैन)	(सीए दीपक कपूर)	(सीए रितेश कुमार जैन)
भागीदार	भागीदार	भागीदार
सदस्यता सं. 084906	सदस्यता संख्या 072302	सदस्यता संख्या 077026

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

No./MAB-III/Rep./01-60/A/cs-Standalone-BHEL/2018-19/387

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
एवं पदेन सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड-III
नई दिल्ली
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Commercial Audit
& Ex-Officio Member, Audit Board-III
New Delhi

Dated: 12/07/2018

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,
नई दिल्ली

महोदय,

विषय: 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिये भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के वार्षिक लेखाओं पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के अन्तर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

मै भारत हेवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लेखाओं पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ अग्रेषित कर रहा हूँ। कृपया इस पत्र की संलग्नकों सहित प्राप्ति की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

संलग्न: यथोपरि

विक्रम डी. मुरुगराज
12.07.18
(विक्रम डी. मुरुगराज, I.A.&A.S.)
प्रधान निदेशक

छठा एवं सातवाँ तल, सी.ए.जी. भवन एनेक्सी, 10, बहादुरशाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002
6th & 7th Floor, C.A.G. Building Annexe, 10, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110002
Tel. : 011-23239213, 23239235 Fax : 011-23239211 Email : mabnewdelhi3@cag.gov.in

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT HEAVY ELECTRICALS LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2018

The preparation of financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2018 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the Company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section139(5) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under Section 143 of the Act, based on independent audit in accordance with standards on auditing prescribed under Section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 29 May 2018.

I, on the behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 143(6)(a) of the Act of the financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2018. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records. On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Vikram D. Murugaraj
12.07.18

(Vikram D. Murugaraj)
Principal Director of Commercial Audit &
Ex-officio Member, Audit Board – III,
New Delhi

Place: New Delhi
Dated: 12. July 2018

वित्तीय विवरण

एकल वित्तीय विवरण 150

समेकित वित्तीय विवरण 220

तुलन पत्र 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
क. परिसम्पत्तियां					
(1) गैर–चालू परिसम्पत्तियां					
(क) सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	2क		2977.53		3491.12
(ख) कार्यशील पूंजी	2ख		194.53		159.51
(ग) अमूर्त परिसम्पत्तियां	3ग		91.31		104.76
(घ) विकासाधीन अमूर्त परिसम्पत्तियां	3घ		8.23		8.83
(ङ) वित्तीय परिसम्पत्तियां					
(i) निवेष	4	690.74		661.42	
(ii) व्यापार प्राप्य	5	12721.97		9787.73	
(iii) ऋण	6	84.28		78.04	
(iv) अन्य वित्तीय परिसम्पत्तियां	7	0.02	13497.01	0.16	10527.35
(च) आस्थगित कर परिसम्पत्तियां (निवल)	8		3625.88		3841.37
(छ) अन्य गैर–चालू परिसम्पत्तियां	9		206.27		203.30
कुल गैर–चालू परिसम्पत्तियां			20600.76		18336.24
(2) चालू परिसम्पत्तियां					
(क) मालसूचियां	10		6258.76		7372.38
(ख) वित्तीय परिसम्पत्तियां					
(i) व्यापार प्राप्य	11	22771.49		22075.56	
(ii) नकदी एवं नकदी समतुल्य	12क	2768.68		1484.89	
(iii) उपरोक्त (ii) को छोड़कर बैंक शेष	12ख	8522.50		9006.90	
(iv) ऋण	13	147.12		138.88	
(v) अन्य चालू परिसम्पत्तियां	14	150.61	34360.40	216.98	32923.21
(ग) चालू कर परिसम्पत्तियां (निवल)	15		222.94		873.08
(घ) अन्य चालू परिसम्पत्तियां	16		2346.29		1725.29
कुल चालू परिसम्पत्तियां			43188.39		42893.96
कुल परिसम्पत्तियां			63789.15		61230.20
ख. इक्विटी और देयताएं					
(1) इक्विटी					
(क) इक्विटी शेयर पूंजी	17		734.28		489.52
(ख) अन्य इक्विटी (देखें एसओसीआईई)			31866.80		31804.92
कुल इक्विटी			32601.08		32294.44

समेकित तुलन पत्र 31.03.2018 की स्थिति के अनुसार

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
देयताएं					
(2) गैर–चालू देयताएं					
(क) वित्तीय देयताएं					
(i) उधार	18	57.18		89.55	
(ii) व्यापार प्राप्य	19	479.06		631.12	
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	114.41	650.65	104.71	825.38
(ख) प्रावधान	21		4923.11		5001.35
(ग) अन्य गैर–चालू देयताएं	22		3364.08		2983.36
कुल गैर–चालू देयताएं			**8937.84**		8810.09
(3) चालू देयताएं					
(क) वित्तीय देयताएं					
(i) व्यापार प्राप्य	23	10586.86		8709.16	
(ii) अन्य वित्तीय देयताएं	24	2341.47	12928.33	1531.45	10240.61
(ख) गैर–चालू देयताएं	25		3782.77		4191.56
(ग) कुल चालू देयताएं	26		5539.13		5693.50
कुल चालू देयताएं			**22250.23**		20125.67
कुल देयताएं			**31188.07**		28935.76
कुल इक्विटी और देयताएं			**63789.15**		61230.20
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	1				

संलग्न टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का अभिन्न भाग हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)

(अतुल सोबती)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

डीएसपी एंड एसोसिएटस हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006791एन

(सीए. संजय जैन)
साझेदार
एम. सं. 084906

धवन एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–002864एन

(सीए. दीपक कपूर)
साझेदार
एम. सं. 072302

महेश सी. सोलंकी एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006228सी

(सीए. रितेश कुमार जैन)
साझेदार
एम. सं. 077026

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

लाभ एवं हानि विवरण

31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए	
आय					
प्राचालनों से राजस्व (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)	27		28813.00		28599.45
जोडें: उत्पाद शुल्क			247.98		1100.37
प्राचालनों से राजस्व (उत्पाद शुल्क को शामिल कर)			29060.98		29699.82
अन्य आय	28		693.05		765.92
कुल आय			29754.03		30465.74
व्यय					
सामग्री की खपत, संस्थापन एवं इंजीनियरिंग व्यय	29		15899.90		16566.14
तैयार सामान की मालसूचियों में परिवर्तन एवं चालू कार्य	30		736.13		994.48
उत्पाद शुल्क			135.27		1252.78
कर्मचारी हितलाभ व्यय	31		6026.47		5394.59
उत्पादन, प्रषासन, बिक्री एवं वितरण संबंधी अन्य व्यय	32		2154.72		3011.61
प्रावधान	33		2282.41		1443.90
वित्तीय लागत	34		254.55		350.61
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	2.1/3.1		786.40		848.84
घटाएं : आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्य की लागत			106.81		25.04
कुल व्यय			**28169.04**		**29837.91**
कर–पूर्व लाभ			**1584.99**		**627.83**
कर व्यय	35				
(क) चालू कर		578.67		298.35	
(ख) आस्थगित कर		199.72	778.39	(166.38)	131.97
निरंतर प्रचालनों से वर्ष के लिए लाभ			**806.60**		**495.86**

लाभ एवं हानि विवरण

31 मार्च, 2018 को समाप्त अवधि के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
अन्य समग्र आय	**36**		
मदें जिन्हें लाभ या हानि (निवल कर) के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा।			
परिभाषित कर्मचारी हितलाभों का पुनर्मापन		**83.33**	(29.00)
वर्ष के लिए कुल समग्र आय		**889.93**	**466.86**
प्रति इक्विटी शेयर अर्जन	**37**		
(1) मूल		**2.20**	1.35
(2) तनुकृत		**2.20**	1.35
प्रति शेयर अंकित मूल्य (आईएनआर)		**2.00**	**2.00**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	1		
संलग्न टिप्पणियां 1 से 38 वित्तीय विवरणों का अभिन्न भाग है।			

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(आई.पी. सिंह)	**(सुबोध गुप्ता)**	**(अतुल सोबती)**
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

डीएसपी एंड एसोसिएटस हेतु	**धवन एंड कं. हेतु**	**महेश सी. सोलंकी एंड कं. हेतु**
सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार
एफआरएन–006791एन	**एफआरएन–002864एन**	**एफआरएन–006228सी**
(सीए. संजय जैन)	**(सीए. दीपक कपूर)**	**(सीए. रितेश कुमार जैन)**
साझेदार	साझेदार	साझेदार
एम. सं. 084906	**एम. सं. 072302**	**एम. सं. 077026**

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

इक्विटी में परिवर्तनों का विवरण (एसओसीआईई)
31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार

क. इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

आईएनआर 2 प्रति के इक्विटी शेयर जारी, अभिदत्त एवं पूर्णतः चुकता	शेयरों की संख्या		राशि	
	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17
अवधि के आरंभ में शेष	2,447,600,000	2,447,600,000	489.52	489.52
जारी बोनस शेयर	1,223,800,000	-	244.76	-
अवधि की समाप्ति पर शेष	3,671,400,000	2,447,600,000	734.28	489.52

ख. अन्य इक्विटी
31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु

(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित एवं अधिशेष			अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी
	पूंजी आरक्षित	सामान्य आरक्षित	प्रतिधारित अर्जन		
1 अप्रैल, 2017 को शेष	35.18	32349.72	(474.60)	(105.38)	31804.92
जोड़ें/(घटाएं) : वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	806.60	83.33	889.93
घटाएं : अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 2016–17	-	-	190.92	-	190.92
घटाएंः अंतरिम लाभांश वित्तीय वर्ष 2017–18	-	-	293.71	-	293.71
घटाएं : कार्पोरेट लाभांष कर	-	-	98.66	-	98.66
घटाएं : बोनस शेयरों का निर्गमन	-	244.76	-	-	244.76
31 मार्च, 2018 को शेष	35.18	32104.96	(251.29)	(22.05)	31866.80

इक्विटी में परिवर्तनों का विवरण (एसओसीआईई)

31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु

(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित एवं अधिशेष			अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी
	पूंजी आरक्षित	सामान्य आरक्षित	प्रतिधारित अर्जन		
1 अप्रैल, 2016 को शेष	**35.18**	**32349.72**	**(616.96)**	**(76.38)**	**31691.56**
जोड़ें / (घटाएं) : वर्ष के लिए कुल समग्र आय	-	-	495.86	(29.00)	466.86
घटाएं : अंतिम लाभांष वित्तीय वर्ष 2015–16	-	-	97.90	-	97.90
घटाएं : अंतरिम लाभांश वित्तीय वर्ष 2016–17	-	-	195.81	-	195.81
घटाएं : कार्पोरेट लाभांश कर	-	-	59.79	-	59.79
31 मार्च, 2017 को शेष	**35.18**	**32349.72**	**(474.60)**	**(105.38)**	**31804.92**

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(आई.पी. सिंह)	**(सुबोध गुप्ता)**	**(अतुल सोबती)**
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

डीएसपी एंड एसोसिएटस हेतु	**धवन एंड कं. हेतु**	**महेश सी. सोलंकी एंड कं. हेतु**
सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार
एफआरएन–006791एन	**एफआरएन–002864एन**	**एफआरएन–006228सी**
(सीए. संजय जैन)	**(सीए. दीपक कपूर)**	**(सीए. रितेश कुमार जैन)**
साझेदार	साझेदार	साझेदार
एम. सं. 084906	**एम. सं. 072302**	**एम. सं. 077026**

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

नकदी प्रवाह विवरण

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
क. प्रचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
वर्ष के लिए लाभ (कर पूर्व)	1584.99	627.83
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
प्रावधान (निवल)	2196.52	1272.75
मूल्यह्रास और परिशोधन	786.40	848.84
वित्त लागत (ब्याज की छूट सहित)	254.55	350.61
उचित मूल्य समायोजन	60.63	(20.02)
संयुक्त उद्यमों में निवेश की हानि	44.39	0.00
अशोध्य ऋण, बही खाते में डाला गया निर्णीत हर्जाना	41.50	171.15
इक्विटी शेयर के निवेश में उचित मूल्य हानि	1.01	2.74
ब्याज एवं लाभांश आय	(616.53)	(711.09)
वापस लिखी देयताएं	(97.01)	(13.19)
म्युचवल फंड की इकाइयों की बिक्री पर लाभ	(25.85)	-
पीपीई के निपटान पर लाभ	(9.41)	(2.36)
कार्यशील पूंजी परिवर्तनों से पूर्व प्रचालन नकदी लाभ	4221.19	2527.26
कार्यशील पूंजी में परिवर्तनों हेतु समायोजन		
व्यापार प्राप्य	(6341.95)	64.52
मालसूचियां	997.44	2136.10
ऋण, अग्रिम राशियां एवं अन्य परिसंपत्तियां	(666.54)	425.57
उप–योग	(6011.05)	2626.19
व्यापार देय	1747.54	(87.92)
ग्राहकों से अग्रिम राशि, जमा राशि एवं अन्य	1179.60	(2151.04)
प्रावधान	(186.34)	(1763.60)
उप–योग	2740.80	(4002.56)
कार्यशील पूंजी से निवल नकदी (में प्रयुक्त)	(3270.25)	(1376.37)
प्रचालनों से जनित नकदी	950.94	1150.89
आयकर की वापसी	720.42	-
आयकर भुगतान	(677.28)	(588.92)
प्रचालन कार्यकलापों से निवल नकदी अन्तर्वाह	994.08	561.97
ख. निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की खरीद	(281.25)	(353.02)
संयुक्त उद्यमों में निवेश	(74.72)	0.00
ब्याज आय	653.85	615.61
मियादी जमा में निवेश (3 माह से अधिक अवधि की परिपक्वता के साथ)	-	(882.13)

नकदी प्रवाह विवरण

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
मियादी जमा में निवेश से आय (3 माह से अधिक अवधि की परिपक्वता के साथ)	**600.00**	-
म्यूचुअल निधियों से प्राप्त आय	**36.67**	21.02
संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	**14.76**	12.85
सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की बिक्री	**11.43**	19.73
निवेश कार्यकलापों से (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**960.74**	(565.94)
ग. वित्तीय कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
प्रदत्त लाभांश	**(484.63)**	(293.71)
लाभांश पर अतिरिक्त कर	**(98.66)**	(59.79)
वित्तीय पट्टा दायित्व का पुनः भुगतान	**(50.41)**	(52.58)
प्रदत्त ब्याज	**(37.33)**	(63.60)
वित्तीय कार्यकलापों (में प्रयुक्त)/से नकदी प्रवाह (टिप्पणी 3 देखें)	**(671.03)**	(469.68)
घ. नकद एवं नकद समतुल्य में निवल वृद्धि/(कमी)	**1283.79**	(473.65)
टिप्पणीः 3 माह से अधिक की मियादी अवधि में नकदी एवं नकदी समतुल्य एवं बैंक शेष में निवल वृद्धि	**683.79**	408.48
नकदी एवं नकदी समतुल्यों का प्रारंभिक शेष	**1484.89**	1958.54
नकदी एवं नकदी समतुल्यों का अंतिम शेष	**2768.68**	1484.89

(1) नकदी प्रवाह का विवरण अप्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत तैयार किया गया है जैसा कि नकदी प्रवाह के इंड एएस–7–विवरण में दर्शाया गया है।
(2) जहां कहीं आवश्यक हुआ, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहित/पुनः व्यवस्थित किया गया है।
(3) वित्तीय कार्यकलापों से नकदी प्रवाह में, वर्ष के दौरान कोई गैर–नकदी मद शामिल नहीं है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(आई.पी. सिंह)	**(सुबोध गुप्ता)**	**(अतुल सोबती)**
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

डीएसपी एंड एसोसिएटस हेतु	**धवन एंड कं. हेतु**	**महेश सी. सोलंकी एंड कं. हेतु**
सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार
एफआरएन–006791एन	**एफआरएन–002864एन**	**एफआरएन–006228सी**
(सीए. संजय जैन)	**(सीए. दीपक कपूर)**	**(सीए. रितेश कुमार जैन)**
साझेदार	साझेदार	साझेदार
एम. सं. 084906	**एम. सं. 072302**	**एम. सं. 077026**

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां

टिप्पणी [1] - महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. वित्तीय विवरण तैयार करने के आधार

क) अनुपालन का विवरण

वित्तीय विवरण, कम्पनी (भारतीय लेखाकरण मानक) नियम, 2015 के अंतर्गत कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखाकरण मानक (इंड एएस) और उसके अनुवर्ती संशोधनों के साथ ही कंपनी अधिनियम, 2013 में निर्धारित वित्तीय विवरणों के संबंध में लागू अतिरिक्त आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ख) आकलन का आधार

वित्तीय विवरण, चालू आधार और लेखाकरण की वर्तमान पद्धति के अनुसार तैयार किए गए हैं। नीति में अन्यथा वर्णित को छोड़कर वित्तीय विवरण तैयार करते समय ऐतिहासिक लागत का प्रयोग किया जाता है।

ग) कार्यात्मक एवं दर्शाई गई मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपये में तैयार किए जाते हैं, जो कि कम्पनी की कार्यात्मक मुद्रा है।

घ) अनुमानों एवं निर्णयों का उपयोग

इंड एएस के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करते समय प्रबंधन ने इस बात का अनुमान, निर्णय और धारणा को ध्यान में रखा है जो लेखाकरण नीतियों के लागूकरण को प्रभावित करते हैं तथा परिसम्पत्तियों, देनदारियों, आय एवं व्यय की मात्राओं को दर्ज किया है। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। किए गए अनुमान एवं धारणाएं चालूगत आधार पर पुनरीक्षित की जाती हैं। लेखाकरण अनुमानों के संबंध में संशोधनों को प्रत्याशित प्रभाव से पहचाना जाता है।

लेखाकरण नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण अनुमान एवं निर्णय

लेखाकरण नीतियों पर उन अनुमानों और निर्णयों को लागू किया जाता है जो निम्नानुसार वित्तीय विवरणों में पहचान की गई मात्राओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं:

i) राजस्व

कम्पनी निर्माण अनुबंधों के संबंध में राजस्व की गणना के लिए पूर्णता के प्रतिशत पद्धति का उपयोग करती है। पूर्णता के प्रतिशत पद्धति का उपयोग करते समय, कम्पनी कुल अनुबंध राजस्व और प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि की समाप्ति पर अनुबंध पूरा करने की शेष लागत का अनुमान लगाती है। इन अनुबंधों की वित्तीय रिपोर्टिंग उन अनुमानों पर निर्भर करती है जो इन अनुबंधों की अवधि के दौरान नियमित तौर पर मूल्यांकित किए जाते हैं, इसलिए पहचाना गया राजस्व एवं लाभ अनुबंध पूर्ण होने की स्थिति के अनुसार परिवर्तन के अधीन होता है।

ii) सम्पत्ति, संयंत्र एवं मशीनरी

चरणबद्ध मूल्यह्रास के संबंध में प्रभार परिसम्पत्तियों की अनुमानित उपयोग अवधि और इसकी उपयोग अवधि की समाप्ति के बाद अनुमानित बचत मूल्य के बाद व्युत्पन्न किया जाता है। मूल्यह्रास पद्धति, कम्पनी की परिसम्पत्तियों का बचत मूल्य प्रबंधन द्वारा परिसम्पत्ति के अधिग्रहण के समय और प्रत्येक वित्तीय वर्ष की पुनरीक्षा के दौरान अनुमानित किया जाता है।

iii) कर्मचारी हितलाभ योजना

कर्मचारी परिभाषित हितलाभ योजना और दीर्घ अवधि हितलाभ योजना की गणना बीमांकिक मान्यताओं के आधार पर की जाती है। तथापि, इन मान्यताओं में कोई भी परिवर्तन दायित्व एवं व्यय की दर्ज मात्रा पर प्रभाव डाल सकता है।

iv) प्रावधान एवं आकस्मिकताएं

प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं की पहचान के लिए निष्पादित मूल्यांकनों को वर्तमान में उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्रबंधन के निर्णय के अनुसार किया जाता है।

2. सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर (पीपीई)

सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण कम लागत संचित मूल्यह्रास एवं संचित कम हानि, यदि कोई हो, पर अग्रेषित किया जाता है।

सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (अनुबंध के अधीन विदेष में प्रयुक्त को छोड़कर) पर मूल्यह्रास वहां जहां अनुमानित उपयोग अवधि अनुमानित उपयोग अवधि के तकनीकी मूल्यांकन पर संक्षिप्त आधार पर है, को छोड़कर कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–2 में निर्धारित उपयोग अवधि के अनुसार सीधी रेखा पद्धति पर प्रभारित किया जाता है जो नीचे दर्शाया गया है:–

(वर्ष)

	एकल शिफ्ट	दोहरी शिफ्ट	तीसरी शिफ्ट
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	12.5	8.33	6.25
स्वचालित/अर्ध–स्वाचालित मशीनें		6.67	5
इरेक्शन उपकरण, पूंजीगत औजार तथा साजो–सामान	5		
रेलवे साइडिंग्स, लोकोमोटिव तथा वैगन	12.5		
ड्रेनेज, सीवरेज तथा जल आपूर्ति	30		
सर्वर एवं नेटवर्क	5		
सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र	25		

मूल्यह्रास पद्धति, उपयोग अवधि एवं बचत मूल्य की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, की गणना प्रत्याषित रूप से की जाती है। पट्टे पर दी गई आस्तियों को पट्टा अवधि के संक्षेप में

यथोचित उपयोग अवधि को छोड़कर इस तरह से मूल्यह्रासित किया जाता है कि कम्पनी द्वारा पट्टा अवधि समाप्त होने के बाद अपने स्वामित्व में लिया जाएगा। फ्रीहोल्ड भूमि को मूल्यह्रासित नहीं किया जाता है।

सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण जिनकी लागत ₹10,000/– या उससे कम है और जिनका घटाकर लिखा गया मूल्य वर्ष के प्रारंभ में ₹10,000/– या उससे कम हो, को पूर्णतः मूल्यह्रासित किया जाता है।

संस्थापना/परियोजना स्थल परः सड़कों, पुलों और नालों की लागत को अनुबंध की अवधि के ऊपर पूर्णतः परिशोधित किया जाता है जबकि, शेड, रेलवे साइडिंग, इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन और अन्य समान इनेबलिंग कार्यों (अस्थाई ढांचों को छोड़कर) को बचत मूल्य, यदि कोई हो, को प्राप्त करने के बाद अनुबंध की अवधि के ऊपर मूल्यह्रासित किया जाता है।

दीर्घ अवधि अनुबंध के अधीन भारत से बाहर प्रयुक्त परिसम्पत्तियों को प्रारंभिक अनुबंध की अवधि के ऊपर मूल्यह्रासित किया जाता है।

अस्थाई ढांचों को निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रासित किया जाता है।

विभिन्न उपयोग अवधि के साथ महत्वपूर्ण घटकों की गणना की जाती है और अलग से मूल्यह्रासित किया जाता है।

3. पट्टे

किसी व्यवस्था के प्रारंभ में कम्पनी इस बात का निर्धारण करती है कि क्या ऐसी किसी व्यवस्था की जरूरत है या इसके लिए पट्टा जरूरी है।

प्रारंभ में पहचान पर, वित्त पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों को उनके अंकित मूल्य से कम और न्यूनतम पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्य के बराबर राशि पर पूंजीकृत किया जाता है। वित्तीय पट्टे के अधीन किया गया न्यूनतम पट्टा भुगतान वित्त व्यय और बकाया देनदारी की कमी के बीच अनुपातिक होता है। पट्टा अवधि के दौरान प्रत्येक अवधि में वित्त व्यय आबंटित किया जाता है जिससे शेष देनदारी राशि पर ब्याज की स्थिर चरणबद्ध दर निश्चित की जा सकें।

प्रचालन पट्टे के अधीन उत्पन्न पट्टा किराया की पहचान उन मामलों जहां पट्टा किराया में वृद्धि महंगाई की सामान्य दर में है, को छोड़कर पट्टा अवधि के ऊपर सीधी रेखा विधि आधार पर लाभ एवं हानि विवरण के अधीन की जाती है।

वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसम्पत्तियों के लिए, कम्पनी प्रभावी ब्याज दर प्रक्रिया का पालन करते हुए पट्टा अवधि के ऊपर वित्त आय की पहचान करती है। उपार्जित प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत मं प्राप्य वित्त पट्टे की माप और पट्टा अवधि के ऊपर पहचानी गई आय की राशि में कमी शामिल होती है।

प्रचालन पट्टे से उत्पन्न पट्टा आय की पहचान उन मामलों जहां पट्टा किराया में चरणबद्ध वृद्धि महंगाई की सामान्य दर में है, को छोड़कर पट्टा अवधि के ऊपर सीधी रेखा विधि आधार पर की जाती है।

4. अमूर्त परिसम्पत्तियां

₹10,000/–से अधिक लागत की अमूर्त मदें पूंजीकरण के लिए मूल्यांकित की जाती हैं और कम लागत संचित परिशोधन और संचित हानि, यदि कोई हो पर अग्रेशित की जाती हैं।

अमूर्त परिसम्पत्तियों को उस तिथि से अनुमानित उपयोग अवधि के ऊपर सीधी–रेखा विधि आधार पर लाभ या हानि विवरण में परिशोधित किया जाता है जब से वह उपयोग के लिए उपलब्ध है। अमूर्त परिसम्पत्तियों की अनुमानित उपयोग अवधि निम्नानुसार हैः

सॉफ्टवेयर	3 वर्ष
अन्य	10 वर्ष

डब्ल्यूडीवी ₹10,000/–या कम वाली अमूर्त परिसम्पत्तियां वर्ष के प्रारंभ में पूर्णतया परिशोधित की जाती हैं।

परिशोधन अवधि और परिशोधन पद्धति की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, को प्रत्याशित रूप से पहचाना जाता है।

अनुसंधान कार्यकलापों पर व्यय की पहचान उपार्जित अनुसार लाभ एवं हानि पर की जाती है। विकास कार्यकलापों पर व्यय केवल तभी पूंजीकृत किया जाता है यदि व्यय को विश्वनीय तरीके से निर्धारित किया जा सकता है, उत्पाद या प्रक्रिया तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य हैं, भविष्य के आर्थिक लाभ संभावित हैं और कम्पनी के पास विकास कार्यकलापों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन है और कम्पनी परिसम्पत्तियों का उपयोग या बिक्री की इच्छुक है। पूंजीकृत व्यय में सामग्री की लागत, प्रत्यक्ष कामगार, ओवरहैड लागत जो अपने इच्छित उपयोग और उधार लागत, यदि कोई हो, को तैयार करने के लिए सीधे आरोप्य है।

अनुसंधान एवं विकास के प्रयोजन हेतु अधिग्रहित की गई परिसम्पत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागतें

योग्य परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण एवं उत्पादन से सीधे सम्बद्ध उधार लागतें ऐसी परिसम्पत्तियों की लागत पर जोड़ी जाती हैं।

कोई परिसम्पत्ति जो अनिवार्य रूप से वास्तविक अवधि के लिए ली जाती हो, इसके इच्छित उपयोग के लिए तैयार होने या योग्य परिसम्पत्ति की बिक्री को बारह माह से अधिक माना जाता है।

अन्य सभी उधार लागतों की पहचान उस अवधि में लाभ एवं हानि विवरण में की जाती है जिसमें वह उपार्जित की जाती हैं।

6. सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश

सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश की गणना कम लागत इम्पेयमेंट हानि, यदि कोई हो, पर की जाती है।

यदि प्रबंधन की मंशा आने वाले समय में निवेश के निपटान करने की है तो इसके बिक्री के लिए धारित पर वर्गीकृत किया जाता है और इसके कम अग्रेशित राशि एवं बिक्री के लिए कम अंकित मूल्य पर मापा जाता है।

7. मालसूचियां

मालसूची की गणना लागत पर या निवल वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर की जाती है। तैयार माल एवं प्रगतिशील कार्य के मूल्यांकन के संबंध में, लागत का मतलब कारखाना लागत है। कच्ची सामग्री, घटकों, खुले औजार, भंडार एवं स्पेयर्स के संबंध में, लागत का मतलब औसत भारित लागत है।

8. राजस्व की पहचान

राजस्व की पहचान तब की जाती है जब यह संभावित है कि लेनदेन से जुड़े आर्थिक हितलाभ, इकाई को आगे बढ़ायेंगे और राजस्व की राशि का आकलन विश्वसनीय तौर किया जा सकता है।

क. निर्माण संविदा

दीर्घ अवधि सेवा अनुबंध सहित निर्माण अनुबंधों से राजस्व की गणना 'पूर्णता के प्रतिशत' के आधार पर की जाती है। पूर्णता के प्रतिशत का निर्धारण अनुबंध को पूरा होने के लिए अपेक्षित कुल अनुमानित अनुबंध लागत के प्रतिशत अनुसार तिथि को उपार्जित अनुबंध लागतों के आधार पर किया जाता है।

ख. निर्माण संविदा के अलावा

राजस्व की पहचान तब की जाती है जब अनुबंध के अनुरूप ग्राहक को महत्वपूर्ण जोखिम एवं पुरस्कार अंतरित किए जाते हैं। दीर्घ अवधि सेवा अनुबंधों के अलावा सेवाओं से राजस्व की पहचान तब की जाती है जब अनुबंध के अनुसार सेवाएं दी जाती हैं।

अन्य आय

- लाभांश आय की गणना उस तिथि को लाभ या हानि के विवरण में की जाती है जिसमें कम्पनी का प्राप्त भुगतान अधिकार स्थापित है।
- ब्याज आय की गणना प्रभावी ब्याज दर विधि द्वारा की जाती है।
- निर्यात प्रोत्साहन/ड्यूटी ड्राबैक, ड्यूटी रिफंड और बीमा के लिए दावों की गणना उपार्जित आधार पर की जाती है।

9. विदेशी मुद्रा विनिमय/लेनदेन

विदेशी मुद्रा लेनदेनों को लेनदेन की तारीख को प्रचलित विनियम दरों पर दर्ज किया जाता है।

विदेशी मुद्रा वर्ग मौद्रिक परिसम्पत्तियों और देयताओं को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि पर प्रभावी विनियम दरों पर कार्यात्मक मुद्रा में रूपांतरित किया जाता है। निपटान एवं रूपांतरण से प्राप्त विदेषी मुद्रा अर्जन या हानि की पहचना लाभ या हानि विवरण में की जाती है।

विदेशी मुद्रा में निर्धारित गैर–मौद्रिक परिसम्पत्तियां और गैर–मौद्रिक देनदारियां की गणना ऐतिहासिक लागत पर की जाती है और लेनदेन की तिथि को प्रचलित विनियम दर पर रूपांतरित किया जाता है।

10. कर्मचारी हितलाभ

परिभाषित अंशदान योजनाएं

कम्पनी की ओर से पारिवारिक पेंशन निधि सहित पेंषन निधि में अंशदान परिभाषित अंशदान योजना के अंतर्गत निहित है और इसे उस अवधियों में लाभ या हानि खाते में मान्यता दी जाती है जिस दौरान कर्मचारी अपनी सेवाएं देता है।

परिभाषित हितलाभ योजनाएं

परिभाषित हितलाभ योजनाओं की प्रकृति में कंपनी की ग्रेच्युटी योजना, भविष्य निधि योजना, सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावें तथा सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा सुविधा योजना शामिल हैं।

इन परिभाशित हितलाभ योजना के संबंध में तुलनपत्र में पहचान की गई देनदारी, योजना परिसम्पत्ति, यदि कोई हो, के अंकित मूल्य को घटाकर रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर परिभाशित हितलाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य है। परिभाशित हितलाभ दायित्व की गणना स्वतंत्र मूल्यांककों द्वारा अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति पर वार्षिक तौर पर की जाती है। परिभाशित हितलाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य उचित सरकारी बांड दर जिसकी परिपक्वता अवधि संबंधित दायित्व के संदर्भ में लगभग है, का उपयोग कर अनुमानित भावी नकदी अंतर्प्रवाह में छूट द्वारा निर्धारित किया जाता है।

पुनः मापन जिसमें वास्तविक लाभ और हानि के साथ ही योजना परिसम्पत्तियों पर प्रतिफल और निवल परिभाषित दायित्व (परिसम्पत्ति) पर निवल ब्याज से शामिल राषि के बीच अंतर शामिल है, की पहचान अन्य व्यापक आय (आयकर का निवल) में की जाती है।

परिभाषित हितलाभ योजना के संबंध में अन्य व्यय लाभ या हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

दीर्घ अवधि छुट्टी दायित्व

कम्पनी संचित क्षतिपूरक अनुपस्थिति की अनुमानित लागत को रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर संचित अप्रयुक्त पात्रता के परिणामस्वरूप भुगतान की गई अतिरिक्त अनुमानित राशि के रूप में गणना करती है। गैर–संचित क्षतिपूरक अनुपस्थिति पर व्यय की गणना उस अवधि में की जाती है जिसमें अनुपस्थित होती है। कम्पनी अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का प्रयोग कर संचित शेष के लिए दायित्व को दर्ज करती है। दीर्घ अवधि हितलाभ योजनाओं के संबंध में पुनः मापन और अन्य व्यय की गणना लाभ या हानि विवरण में की जाती है।

11. प्रावधान

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेनदेनों के अनुभवों द्वारा अनुपूरित उपलब्ध सूचना के संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के आंकलन के आधार पर वित्तीय विवरणों में माना जाता है।

(ii) निर्माण अनुबंधों के लिए कम्पनी जब एवं जैसे भी राजस्व को मान्यता देती है, इसे प्रगतिशील राजस्व के 2.5 प्रतिशत वारंटी लागत प्रदान करती है और वारंटी अवधि के दौरान इसे बनाए रखती है। अन्य अनुबंधों के लिए, वर्ष के अंत में वारंटी अवधि के अंतर्गत अनुबंधों के संदर्भ में अनुबंधित दायित्यों के प्रावधान को अनुबंध के मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर अनुरक्षित किया जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति हेतु अनुबंधों के मामले में, पूर्ण किए गए प्रत्येक उत्पाद के मूल्य के 2.5 प्रतिशत का प्रावधान किया जाता है।

(iii) जब यह संभावित है कि कुल अनुबंध लागत, कुल अनुबंध राजस्व से अधिक होगी, तो इसे तत्काल अनुमानित हानि में मान्यता दी जाती है।

(iv) अन्य प्रावधानों की पहचान तब की जाती है यदि पिछले कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप, कम्पनी के पास वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व हैं जिन पर विश्वास किया जा सकता है, और यह संभावना है कि आर्थिक हितलाभ का बहिर्प्रवाह दायित्व के निपटान के लिए जरूरी होगा।

तथापि, जहां धन के समय मूल्य का प्रभाव महत्वपूर्ण है, ऐसे में प्रावधानों को अनुमानित भावी नकदी प्रवाह, जहां लागू हो, में छूट देकर निर्धारित एवं अनुरक्षित किया जाता है।

12. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को केवल तब मान्यता दी जाती है जब यह सुनिश्चित हो कि उनसे जुड़ी शर्तों का अनुपालन किया जाएगा और अनुदान प्राप्त किया जाएगा। गैर–मौद्रिक अनुदानों की गणना परिसम्पत्तियों के उचित मूल्य पर की जाती है और इसे आस्थगित आय माना जाता है। आस्थगित आय को विधिवत तरीके से लाभ या हानि विवरण और परिसम्पत्तियों की उपयोग अवधि के ऊपर विवेकशील आधार पर मान्यता दी जाती है। राजस्व संबंधी सरकारी अनुदानों को अवधियों के दौरान लाभ या हानि विवरण के ऊपर विधिवत आधार पर मान्यता दी जाती है और यह संबंधित लागत जिसकी क्षतिपूर्ति की जानी है, से मिलान होनी जरूरी है।

13. आयकर

आयकर व्यय में वर्तमान कर एवं आस्थगित कर शामिल होता है। आयकर व्यय की गणना लाभ या हानि विवरण में उस सीमा तक की जाती है जिसमें यह अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में मान्यताप्राप्त मदों से संबंधित हो।

वर्तमान कर रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर लागू कर की दर (कर कानून) या बाद में लागू कर का उपयोग कर वर्ष के लिए करयोग्य आय पर अनुमानित कर भुगतान है तथा जिसमें पिछले वर्षों के संबंध में कर की गणना पर समायोजन शामिल है।

आस्थगित कर की गणना तुलनपत्र पद्धति का उपयोग कर की जाती है, जिसमें किसी परिसम्पत्ति की अग्रेशित लागत और तुलन पत्र में दायित्व एवं इसके कर आधार के बीच अस्थाई अंतर का प्रावधान किया जाता है।

आस्थगित कर की गणना कर की उन दरों पर की जाती है जिनके तभी लागू होने की संभावना होती है, जब अस्थायी अंतरों को उन कानूनों जिन्हें रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर लागू या वास्तविक रूप से लागू किया जाता है, के आधार पर वसूला या निपटान किया जाता है।

आस्थगित कर परिसम्पत्ति की गणना उस सीमा तक की जाती है जब यह संभव हो कि भावी करयोग्य लाभ उपलब्ध होगा और उसे अस्थाई अंतर पर उपयोग किया जा सकता है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि पर आस्थगित कर परिसम्पत्तियों की अग्रेाित लागत की समीक्षा की जाती है और इन्हें उस सीमा तक घटाया जाता है जब तक दूर–दूर तक यह संभव न हो कि संबंधित कर लाभों की वसूली की जाएगी।

लाभांशों के वितरण से प्राप्त अतिरिक्त आयकर की गणना उस समय की जाती है जब संबंधित लाभांश के भुगतान के दायित्व की गणना की जाती है।

14. परिसंपत्तियों की हानि

वित्तीय परिसम्पत्तियों की हानि

व्यापार प्राप्य और पट्टा प्राप्य के संबंध में हानि अनुमोदन की गणना जीवनकाल अनुमानित क्रेडिट हानि के समान राशि पर की जाती है।

अन्य सभी वित्तीय परिसम्पत्तियों के संबंध में हानि अनुमोदन, जिसे इम्पेयर किया जाना है, की गणना जीवनकाल अनुमानित क्रेडिट हानि, यदि प्रारंभिक मान्यता से वित्तीय कारक तेजी से बढ़ा है, के बराबर राशि पर की जाती है। तथापि, यदि प्रारंभिक मान्यता से रिपोर्टिंग तिथि को वित्तीय कारक के क्रेडिट जोखिम में तेजी से वृद्धि नहीं है तो हानि अनुमोदन की गणना 12 माह के अनुमानित क्रेडिट हानि पर की जाती है।

गैर–वित्तीय परिसम्पत्तियों की हानि

कैश जेनरेटिंग यूनिटों की अग्रेषित लागत की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि जहां हानि की कोई संभावना है, पर की जाती है। इम्पेयरमेंट हानि की पहचान लाभ एवं हानि खाता विवरण जहां कैश जेनरेटिंग यूनिटों की प्राप्य राशि अग्रेषित लागत से ज्यादा है, में की जाती है। पिछली अवधियों में पहचान की गई इम्पेयरमेंट हानियों का मूल्यांकन किसी सूचना के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि जहां हानि कम है या देर तक नहीं है, पर किया जाता है।

इम्पेयरमेंट हानि का उस स्थिति में वापिस कर दिया जाता है यदि प्राप्य राशि के निर्धारण के लिए प्रयुक्त अनुमान में कोई परिवर्तन होता है। इम्पेयरमेंट हानि को केवल उस सीमा तक वापिस कर दिया जाता है जिसमें परिसम्पत्तियों की अग्रेषित राशि, उस अग्रेषित राशि जो मूल्यह्रास एवं परिशोधन का निवल, यदि किसी इम्पेयरमेंट हानि की पहचान नहीं की गई थी, पर निर्धारित की गई होगी, से अधिक नहीं होगी।

15. खण्ड रिपोर्टिंग

राजस्व और व्यय की पहचान खण्ड के प्रचालन कार्यकलापों से उनके संबंध के आधार पर खण्डों से की जाती है। राजस्व, व्यय, परिसम्पत्तियां एवं देनदारियां जो कि एक औचित्यपूर्ण तौर पर खण्ड के लिए बांटने लायक नहीं है, उन्हें ''गैर – आबंटित राजस्व/ व्यय / परिसम्पत्तियां /देनदारियां के अंतर्गत शामिल किया जाता है।

16. वित्तीय कारक

(i) गैर–व्युत्पन्न वित्तीय कारक

गैर–व्युत्पन्न वित्तीय कारकों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाता है:

- वित्तीय परिसम्पत्तियां, जो मापी गई हैं
  - (क) परिशोधन लागत और
  - (ख) लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य (''एफवीटीपीएल'')
- परिशोधन लागत पर अग्रेषित वित्तीय देनदारियां

प्रारंभ में, सभी वित्तीय कारकों को उनके उचित मूल्य पर पहचाना जाता है। अग्रेषित राषि, यदि वित्तीय कारकों को एफवीटीपीएल पर नहीं मापा गया है, के निर्धारण में लेनदेन लागत षामिल होती है। वित्तीय परिसंपत्तियों को तब मान्यता नहीं दी जाती है जब वित्तीय परिसम्पत्तियों पर वास्तविक जोखिम और स्वामित्व के अधिकार अंतरित हो चुके होते हैं। ऐसे मामलों में जहां वित्तीय संपत्तियों के वास्तविक जोखिम तथा स्वामित्व के अधिकार ना तो अंतरित किये जाते हैं और नहीं कायम रखे जाते हैं, वित्तीय परिसम्पत्तियों की पहचान केवल उस स्थिति में नहीं की जाती है जब कम्पनी का वित्तीय परिसम्पत्तियों के ऊपर कोई नियंत्रण नहीं होता है। वित्तीय देनदारियों की पहचान उस स्थिति में नहीं की जाती है जब अनुबंध दायित्वों का निपटान हो गया है या निरस्त या समाप्त हो गया है।

क. परिशोधन लागत –

''परिशोधन लागत पर वित्तीय कारक'' प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का पालन करते हुए परिषोधन लागत पर अनुवर्ती मापी जाती है। परिषोधन लागत की गणना छूट या अधिग्रहण पर प्रीमियम और शुल्क या लागत जो ईआईआर का अभिन्न भाग हैं, को ध्यान में रखते हुए की जाती है। परिषोधित ईआईआर को लाभ या हानि के विवरण में वित्त आय में शामिल किया जाता है। इम्पेयमेंट के कारण हुई हानियों की गणना लाभ या हानि विवरण में की जाती है।

ख. एफवीटीपीएल श्रेणी

इस श्रेणी में वर्गीकृत वित्तीय कारक लाभ या हानि विवरण में दर्ज परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर अनुवर्ती अग्रेषित किए जाते हैं। प्रत्यक्ष आरोप्य लेनदेन लागत को उपार्जित लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियां को बाद में निम्नानुसार मापा जाता है:

प्रारंभिक मान्यता के अनुवर्ती, गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियां प्रभावी ब्याज पद्धति का प्रयोग कर परिशोधन लागत पर मापी जाती हैं।

(ii) व्युत्पन्न वित्तीय कारक

सन्निहित व्युत्पन्न, यदि कोई हो, जो भौतिक प्रभाव रखते हो, को मूल अनुबंध से अलग किया जाता है तथा इनकी अलग से गणना की जाती है यदि मूल अनुबंध एवं सन्निहित व्युत्पन्न की आर्थिक विशिष्टताएं एवं जोखिम एक दूसरे से जुड़ें न हो तो सन्निहित व्युत्पन्न के रूप में समान अवधि के साथ एक अलग कारक व्युत्पन्न की परिभाषा होगी, और लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर संयुक्त कारक नहीं मापा जाता है।

व्युत्पन्न को प्रारंभ में उचित मूल्य पर मान्यता एवं मापा जाता है। आरोप्य लेनदेन लागत, लाभ या हानि विवरण में लागत के तौर पर मानी जाती है। प्रारंभिक मान्यता के अनुवर्ती, व्युत्पन्नों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है।

17. नकदी एवं नकदी समतुल्य

नगदी एवं नगदी समतुल्यों में बैंक एवं स्वयं के पास उपलब्ध नकदी शामिल है। इसमें मियादी जमा और तीन माह या उससे कम की मूल परिपक्वताओं के साथ अन्य लधु अवधि मनी मार्केट जमा जो नकदी की ज्ञात राशियों के लिए आसानी से परिवर्तनीय हैं, शामिल होते हैं और ये मूल्य परिवर्तनों के महत्वहीन जोखिम के अंतर्गत आते हैं।

नोट [2क] - गैर–चालू परिसंपत्तियां
सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
सकल ब्लॉक	5404.27	5174.44
घटाएं : संचित मूल्यह्रास	2426.74	1683.32
निवल ब्लॉक (विवरण हेतु नोट 2.1 देखें)	**2977.53**	3491.12

कम्पनी ने इंड एएस 101 के अंतर्गत छूट का विकल्प चुना है, और तद्नुसार 31.03.2015 को अग्रेषित मूल्य को इंड एएस परिवर्तन तिथि को डीम्ड लागत माना था।

नोट [2ख] - गैर–चालू परिसंपत्तियां
कार्यशील पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
संयंत्र एवं मशीनरी तथा अन्य उपकरणः				
संस्थापन / फैब्रिकेशन / प्रतिक्षारत् संस्थापन के अंतर्गत	110.26		84.25	
मार्गस्थ	29.70	139.96	32.46	116.71
चल रहा निर्माण कार्य –सिविल		52.86		40.47
निर्माण भण्डारण (मार्गस्थ शामिल)		1.71		2.33
		194.53		159.51

नोट [3क] - गैर–चालू परिसंपत्तियां
अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
सकल ब्लॉक	221.87	198.04
घटाएं : संचित मूल्यह्रास	130.56	93.28
निवल ब्लॉक (विवरण हेतु नोट 3.1 देखें)	**91.31**	104.76

कम्पनी ने इंड एएस 101 के अंतर्गत छूट का विकल्प चुना है, और तद्नुसार 31.03.2015 को अग्रेषित मूल्य को इंड एएस परिवर्तन तिथि को डीम्ड लागत माना गया था।

नोट [3ख] - गैर–चालू परिसंपत्तियां
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	8.23	8.83
	8.23	8.83

नोट [2.1]

सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01.04.2017 को प्रारंभिक शेष	संयोजन/समायोजन	कटौती/समायोजन	दिनांक 31.03.2018 को अंतिम शेष	01.04.2017 को संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास/परिशोधन	मूल्यह्रास/समायोजन	31.03.2018 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2018 को निवल ब्लॉक	31.03.2017 को निवल ब्लॉक
फैक्टरी/कार्यालय कॉम्प्लैक्स										
स्वामित्वाधीन										
फ्रीहोल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	25.14			**25.14**					**25.14**	25.14
सड़क, पुल एवं नाले	10.70			**10.70**	7.56	1.60		**9.16**	**1.54**	3.14
भवन	1278.84	78.78	1.12	**1356.50**	180.83	120.21	(0.45)	**300.59**	**1055.91**	1098.01
ड्रेनेज, सीवरेज एवं जल आपूर्ति	15.78	0.28	0.20	**15.86**	1.43	0.64	(0.20)	**1.87**	**13.99**	14.35
रेलवे साइडिंग	8.74	0.11		**8.85**	1.86	0.94		**2.80**	**6.05**	6.88
लोकोमोटिव्स एवं वैगन	28.34			**28.34**	6.27	3.14		**9.41**	**18.93**	22.07
संयंत्र एवं मशीनरी	2810.89	105.12	1.05	**2914.96**	1160.80	482.55	(1.63)	**1641.72**	**1273.24**	1650.09
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपस्कर	53.51	1.36	0.40	**54.47**	41.83	6.59	0.24	**48.66**	**5.81**	11.68
इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन	204.92	16.58	0.03	**221.47**	60.17	31.21		**91.38**	**130.09**	144.75
निर्माण उपस्कर	64.68	3.01	0.02	**67.67**	41.93	13.31	(0.02)	**55.22**	**12.45**	22.75
वाहन	10.06	0.22		**10.28**	2.71	1.52		**4.23**	**6.05**	7.35
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	51.62	1.60	0.47	**52.75**	15.75	7.55	(0.27)	**23.03**	**29.72**	35.87
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	85.87	8.52	0.64	**93.75**	50.17	14.01		**64.18**	**29.57**	35.70
₹10,000/– तक लागत की पीपीई	6.76	2.15	0.60	**8.31**	6.76	2.55	(1.00)	**8.31**		
पट्टे पर										
पट्टे पर भूमि (विकास व्यय सहित)	58.60			**58.60**	1.28	0.64		**1.92**	**56.68**	57.32
पट्टे पर भवन	1.63			**1.63**	0.11	0.05		**0.16**	**1.47**	1.52
ईडीपी उपस्कर	162.45	8.83	2.20	**169.08**	69.98	45.77	(2.08)	**113.67**	**55.41**	92.47
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	13.83	0.27		**14.10**	4.69	2.65		**7.34**	**6.76**	9.14
अन्य	0.10			**0.10**	0.10			**0.10**		

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01.04.2017 को प्रारंभिक शेष	संयोजन/समायोजन	कटौती/समायोजन	दिनांक 31.03.2018 को अंतिम शेष	01.04.2017 को संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास/परिशोधन	मूल्यह्रास/समायोजन	31.03.2018 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2018 को निवल ब्लॉक	31.03.2017 को निवल ब्लॉक
टाउनशिप/आवासीय										
स्वामित्वाधीन										
फ्रीहोल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	2.54		0.01	**2.53**					**2.53**	2.54
सड़क, पुल एवं नाले	1.92	0.19		**2.11**	1.19	0.44		**1.63**	**0.48**	0.73
भवन	158.33	2.09	0.23	**160.19**	13.77	5.04	(0.14)	**18.67**	**141.52**	144.56
ड्रेनेज, सीवरेज एवं जल आपूर्ति	11.08	0.17		**11.25**	1.14	0.60		**1.74**	**9.51**	9.94
संयंत्र एवं मशीनरी	36.47	6.18		**42.65**	4.81	4.25	0.01	**9.07**	**33.58**	31.66
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपस्कर	0.03			**0.03**	0.03			**0.03**		
इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन	7.97	0.07	0.04	**8.00**	1.93	0.85	(0.02)	**2.76**	**5.24**	6.04
वाहन	0.01			**0.01**					**0.01**	0.01
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	1.79	0.04		**1.83**	0.60	0.26		**0.86**	**0.97**	1.19
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	8.85	1.26	0.16	**9.95**	4.28	1.72	(0.14)	**5.86**	**4.09**	4.57
₹10,000/– तक लागत की पीपीई	0.22	0.17		**0.39**	0.22	0.17		**0.39**		
पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तिया										
पट्टे पर भूमि (विकास व्यय सहित)	52.25			**52.25**	0.94	0.76		**1.70**	**50.55**	51.31
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	0.52			**0.52**	0.18	0.10		**0.28**	**0.24**	0.34
कुल	**5174.44**	**237.00**	**7.17**	**5404.27**	**1683.32**	**749.12**	**(5.70)**	**2426.74**	**2977.53**	**3491.12**
पिछला वर्ष	4710.91	486.66	23.13	**5174.44**	885.79	803.43	(5.90)	**1683.32**	3491.12	3825.12
आरएंडडी पूंजी मदों का विवरण सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण तथा अमूर्त में शामिल किया गया है।										
संयंत्र एवं मशीनरी तथा अन्य उपस्कर	231.02	19.30		**250.32**	88.47	32.95		**121.42**	**128.90**	142.55
भवन	21.27	2.08		**23.35**	2.30	1.10		**3.40**	**19.95**	18.97

31.03.2018 को निवल ब्लॉक में रु. 0.12 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 0.12 करोड़) की सक्रिय उपयोग से निराकृत तथा रद्द की गई परिसम्पत्तियां शामिल हैं।

सकल ब्लॉक में अनुसंधान के लिए कार्यकारी एजेंसी के रूप में परिसम्पत्तियों की खरीद लागत के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान शामिल नहीं है क्योंकि सम्पत्ति कंपनी के पास मौजूद नहीं है।

31.03.2018	31.03.2017
59.18	49.31

वर्ष के दौरान स्थाई परिसम्पत्तियों में कोई हानि नहीं है।

31.03.2017 को सकल ब्लॉक (पिछले आईजीएएपी के अनुसार) **₹12573.13** करोड़ था तथा 31.03.2018 को **₹12755.58** करोड़ है।

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
1. भवन एवं भूमि सहित		
क i) एकड़ भूमि जिसके लिए औपचारिक अंतरण/पट्टा विलेख निष्पादित नहीं किया गया है	**8196.93**	8198.00
निवल ब्लॉक	**72.90**	73.62
ii) फ्लैटों की संख्या जिसके लिए औपचारिक अंतरण/पट्टा विलेख निष्पादित नहीं किया गया है	**12.00**	12.00
निवल ब्लॉक	**1.24**	1.28
iii) भवनों की संख्या जिसके लिए औपचारिक अंतरण/पट्टा विलेख निष्पादित नहीं किया गया है	**-**	-
निवल ब्लॉक	**-**	-
iv) एकड़ भूमि जिसके लिए भुगतान की गई लागत वैकल्पिक है [पंजीकरण प्रभार एवं स्टैम्प डयूटी, (निवल प्रावधान) की गणना भुगतान पर की जाएगी]	**506.46**	528.18
निवल ब्लॉक	**65.61**	66.37
ख. रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार विभागों एवं अन्य को पट्टे पर दी गई एकड़ भूमि	**30.37**	30.37
ग. रक्षा मंत्रालय (बीईजी) द्वारा उपयोग की जा रही एकड़ भूमि जिसके लिए लाइसेंसिंग समझौता 30.11 2018 तक वैध है।	**180.00**	180.00
घ. एकड़ भूमि विपरीत कब्जा/अतिक्रमण के अधीन है।	**774.55**	759.89

ङ हरिद्वार में 1242.71 एकड़ (पी.वाई. 1242.71 एकड़) भूमि का लंबित उत्तराधिकार जिसके लिए कानूनी प्रक्रिया चल रही है। इसमें भूमि परिमाप 878.85 एकड़ जो कि बीएचईएल के कब्जे में है किंतु गलती से वर्ष 2004 एवं 2007 में सिडकुल, उत्तराखण्ड सरकार के नाम में परिवर्तित हो गई है, भी षामिल है।

च. इसके अतिरिक्त, हरिद्वार संयंत्र में, 8 एकड़ भूमि उत्तराखण्ड सरकार के दिनांक 01.12.2003 के कार्यालय ज्ञापन के अंतर्गत आईओसीआई/राज्य सरकार को अंतरित करने के लिए लंबित है।

उपयुक्त ख से च तक वर्णित भूमि की लागत सामग्री नहीं है

2. कम्पनी 10,000/– ₹ प्रति तक की लागत/प्रारंभिक निवल ब्लॉक वाली पीपीई की एक मद पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास प्रदान करती है। पूर्व वर्षों के प्रभाव पर विचार किए बिना, लाभ पर पीपीई के एक मद पर 100 प्रतिशत मूल्यह्रास प्रदान करने का प्रभाव निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
₹10,000/– तक पीपीई पर 100 प्रतिशत मूल्य ह्रास प्रभारित किया गया है	**3.98**	6.86
घटाएं: उपरोक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	**(1.15)**	(1.92)

नोट [3.1]
अमूर्त परिसम्पत्तियों का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01.04.2017 को प्रारंभिक शेष	संयोजन/समायोजन	कटौती/समायोजन	दिनांक 31.03.2018 को अंतिम शेष	01.04.2017 को संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास/परिशोधन	मूल्यह्रास/समायोजन	31.03.2018 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2018 को निवल ब्लॉक	31.03.2017 को निवल ब्लॉक
आंतरिक रूप से विकसित										
–अन्य	42.59	7.96		**50.55**	24.40	9.52		**33.92**	16.63	18.19
अन्य										
–सॉफ्टवेयर	26.26	0.55		**26.81**	20.14	3.77		**23.91**	2.90	6.12
–तकनीकी जानकारी	118.92	15.32		**134.24**	40.91	21.55		**62.46**	71.78	78.01
–अन्य	10.27			**10.27**	7.83	2.44		**10.27**		2.44
कुल	**198.04**	**23.83**		**221.87**	**93.28**	**37.28**		**130.56**	**91.31**	**104.76**
पिछला वर्ष	185.10	12.94		**198.04**	47.74	45.41	0.13	**93.28**	104.76	137.36

31.03.2017 को सकल ब्लॉक (पिछले आईजीएएपी के अनुसार) ₹481.63 करोड़ था तथा 31.03.2018 को ₹505.26 करोड़ है।

नोट [4] गैर–चालू परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसम्पत्तियां–निवेश

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार			31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार		
	शेयरों की सं. (अंकित मूल्य आईएनआर में)	राशि		शेयरों की सं. (अंकित मूल्य आईएनआर में)	राशि	
I उद्धृत इक्विटी कारक	-		-	-		-
II गैर–उद्धृत इक्विटी कारक (पूर्णतया प्रदत्त शेयर)						
(क) संयुक्त उद्यमों में निवेश (मूल्य पर)						
रायचूर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड	664040000 (10)		664.04	589316000 (10)		589.32
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्रा. लि.	2379999 (10)		2.38	2379999 (10)		2.38
एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्रा. लि.	50000000 (10)	50.00		50000000 (10)	50.00	
घटाएं: हानि का प्रावधान		45.60	4.40		-	50.00
पावरप्लांट परफोरमेंश इम्प्रूवमेंट लि.	1999999 (10)	2.00		1999999 (10)	2.00	
घटाएं: हानि का प्रावधान		2.00	-		2.00	-
दादा धुनिवाले खांडवा पावर लि.	22500000 (10)	22.50		22500000 (10)	22.50	
घटाएं: हानि का प्रावधान		5.50	17.00		6.71	15.79
			687.82			657.49
(ख) सहायक कम्पनी में निवेश (मूल्य पर)						
बीएचईएल–इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड	5355000 (10)	5.36		5355000 (10)	5.36	
घटाएं: हानि का प्रावधान		5.36	-		5.36	-
(ग) इक्विटी कारकों में निवेश पूर्णतया प्रदत्त (एफवीटीपीएल पर)						
नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड	5000000 (10)	5.00		5000000 (10)	5.00	
एपी गैस पावर कॉर्पोरेशन लि.	728960 (10)	0.91		728960 (10)	0.91	
इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि.	1892 (10)	*		1892 (10)	*	
		5.91			5.91	
घटाएं: उचित मूल्य समायोजन		2.99	2.92		1.98	3.93
			690.74			661.42

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
	शेयरों की सं. (अंकित मूल्य आईएनआर में)	राशि	शेयरों की सं. (अंकित मूल्य आईएनआर में)	राशि
* ₹ 1 लाख से कम मूल्य				
गैर–उद्धृत निवेश की औसत राशि		**752.19**		677.47
निवेश के मूल्य में हानि की औसत राशि		**61.45**		16.05

सहकारी समितियों के विभिन्न कर्मचारियों द्वारा धारित इक्विटी शेयर ₹1 लाख से कम मूल्य के हैं।

$ 27 अप्रैल, 2018 को दादा धुनिवाले खांडवा पावर लि. में निवेश के लिए ₹ 17.00 करोड़ की राशि प्राप्त हुई, जो परिसमापन के अधीन है।

नोट [5] गैर–चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसम्पत्तियां–व्यापार प्राप्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
प्रतिभूत, अच्छे माने गए		-		-
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए		**12721.97**		9787.73
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा निम्न हेतु प्रदान किए गए		**8640.21**		5283.81
		21362.18		15071.54
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	**8148.34**		4892.35	
घटाएं: स्वतः कीमत कटौती समायोजन	**491.87**	**8640.21**	391.46	5283.81
		12721.97		9787.73
व्यापार प्राप्य (गैर–चालू) में शामिल: हैं:				
(क) आस्थगित ऋण (निवल प्रावधान)–भुगतान अभी तक देय नहीं है।		**10165.14**		7989.06
(ख) मूल्यांकन ऋण (आंतरिक मूल्य समायोजन को दर्शाता है)		**161.31**		124.63
(ग) निदेशकों से बकाया		-		-
(घ) अधिकारियों से बकाया		-		-

नोट [6] गैर–चालू परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसम्पत्तियां–ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
सुरक्षा जमा		
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	-	-
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए		
एसईबी, पत्तन न्यासों एवं अन्य सहित जमा	84.27	78.01
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा निम्न हेतु प्रदान किए गए		
अन्य जमा	1.62	0.31
	85.89	78.32
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	1.62	0.31
	84.27	78.01
ऋण		
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	-	-
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए		
ऋणों पर उपार्जित ब्याज तथा बकाया	0.01	0.03
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा निम्न हेतु प्रदान किया		
ऋणों पर उपार्जित ब्याज तथा बकाया	0.01	0.01
	0.02	0.04
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों हेतु भत्ते	0.01	0.01
	0.01	0.03
	84.28	78.04
शामिल हैं:		
निदेशकों से बकाया	-	-
अधिकारियों से बकाया	-	-

नोट [7] गैर–चालू परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसम्पत्तियां–अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
वित्तीय पट्टे पर प्राप्य किराया	0.02	0.16
	0.02	0.16

नोट [8] गैर–चालू परिसंपत्तियां

आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल देयताएं)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
आस्थगित कर परिसंपत्तियां		
प्रावधान	2721.55	2982.65
सांविधिक बकाया (भुगतान आधार पर स्वीकृत)	652.95	725.88
मूल्यह्रास– पीपीई एवं अमूर्त परिसंपत्तियां	160.98	132.18
अन्य	101.30	56.31
	3636.78	3897.02
आस्थगित कर देयताएं	10.90	55.65
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निवल देयताएं)	**3625.88**	3841.37

नोट [9] गैर–चालू परिसंपत्तियां

अन्य गैर–चालू परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
सुरक्षित जमा				
कर अधिकारियों एंव अन्य के पास जमा		145.22		86.79
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध जमा हेतु भत्ते		24.01		16.68
		121.21		70.11
उपरोक्त के बाहर:				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	-		-	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	121.21		70.11	
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा प्रावधान किए गए	24.01		16.68	
ऋण एवं अग्रिम राशि				
क्रय हेतु अग्रिम	47.06		58.29	
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	40.63		58.17	
पूंजी अग्रिम	21.98	109.67	40.36	156.82
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध अग्रिम हेतु भत्ते		24.61		23.63
		85.06		133.19
उपरोक्त के बाहर:				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	-		-	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	*85.06*		*133.19*	
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा प्रावधान किए गए	*24.61*		*23.63*	
		206.27		203.30
शामिल हैं:				
निदेशकों से बकाया		-		-
अधिकारियों से बकाया		-		-

नोट [10] चालू परिसंपत्तियां

मालसूचियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
कच्चा सामग्री एवं घटक	**2858.55**		3060.22	
मार्गस्थ सामग्री	**217.10**	**3075.65**	257.19	3317.41
चालू कार्य (उप–ठेकेदारों के साथ मदें)		**2283.83**		2533.69
तैयार माल	**863.79**		1293.90	
मार्गस्थ अंतर–प्रभाग अंतरण	**85.88**	**949.67**	133.44	1427.34
भण्डार एवं स्पेयर पार्ट्स				
उत्पादन	**190.66**		204.02	
ईंधन भण्डारण	**8.36**		8.10	
विविध	**48.55**	**247.57**	51.03	263.15
अन्य मालसूची				
फैब्रिकेटरों / ठेकेदारों के पास पड़ा माल	**76.12**		71.32	
फुटकर औजार	**31.10**		36.37	
स्क्रैप (अनुमानित वसूली योग्य मूल्य पर)	**61.21**	**168.43**	73.31	181.00
		6725.15		7722.59
घटाएं: रूकी हुई मालसूची हेतु प्रावधान		**466.39**		350.21
		6258.76		7372.38
नोट:				
कम हुई मालसूचियां		**142.96**		136.94
घटाएं: उनकी वापसी		**26.78**		43.27
निवल		**116.18**		93.67

नोट [11] चालू परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसम्पत्तियां—व्यापार प्राप्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
प्रतिभूत, अच्छे माने गए		-		-
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए		22771.49		22075.56
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा प्रावधान किए गए		4594.73		5363.38
		27366.22		27438.94
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	4488.07		5147.60	
घटाएं: स्वतः कीमत कटौती समायोजन	106.66	4594.73	215.78	5363.38
		22771.49		22075.56
चालू व्यापार प्राप्य में शामिलः हैं:				
(क) आस्थगित ऋण (निवल प्रावधान)—भुगतान अभी तक देय नहीं है।		6454.27		8747.89
(ख) मूल्यांकन ऋण (आंतरिक मूल्य समायोजन को दर्शाता है)		2032.22		1031.75
(ग) छह माह से अधिक की अवधि हेतु बकाया ऋण		15068.13		17252.79
(घ) निदेशकों से बकाया		-		-
(ङ) अधिकारियों से बकाया		-		-

नोट [12क] चालू परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसम्पत्तियां—नकदी एवं नकदी समतुल्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
बैंक के पास शेषः				
कॉर्पोरेट लिक्विड टर्म जमा	1702.03		731.98	
ईईएफसी खाता	441.73		383.56	
चालू/नकदी ऋण खाता	214.70	2358.46	211.35	1326.89
स्वयं के पास चैक, डिमांड ड्राफ्ट		210.03		122.85
3 माह या कम परिपक्वता वाले बैंकों में जमा		200.00		-
स्वयं के पास नकदी एवं स्टैंप		0.19		0.25
परिवहन में प्रेषण		-		34.90
		2768.68		1484.89

नोट [12ख] चालू परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसम्पत्तियां – उपरोक्त के अलावा बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
3 माह से अधिक किंतु 12 माह से कम परिपक्वता अवधि वाली सावधि जमा		8400.00		9000.00
बीजी हेतु मार्जिन धनराशि के लिए सावधि जमा जारी		2.16		2.03
बैंकों के पास शेष (निश्चित की गई):				
एयूएससी एवं अन्य आरएंडडी परियोजनाएं खाता	115.31		-	
अदावाकृत लाभांश खाता	3.30		3.10	
गैर–प्रत्यावर्तनीय खाता	1.70		1.77	
बोनस मुद्दे पर आंशिक शेयरों की बिक्री आय	0.03	120.34	-	4.87
		8522.50		9006.90
कुल नकदी एवं बैंक शेष (12क+12ख)		11291.18		10491.79

नोट [13] चालू परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियां –ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
सुरक्षित जमा				
धरोहर राशि एवं अन्य जमा		147.19		138.89
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध जमा हेतु भत्ते		3.60		3.89
		143.59		135.00
उपरोक्त के बाहर:				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	*54.07*		*50.88*	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	*89.52*		*84.12*	
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा हेतु प्रावधान किए गए	*3.60*		*3.89*	
ऋण				
सहायक कम्पनी को ऋण	3.00		3.00	
पीएसयू को ऋण	12.00		12.00	
ऋणों पर उपार्जित ब्याज एवं बकाया	5.59	20.59	2.71	17.71
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों हेतु भत्ते		17.06		13.83
		3.53		3.88
उपरोक्त के बाहर:				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	*0.01*		*0.01*	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	*3.52*		*3.87*	
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा हेतु प्रावधान किए गए	*17.06*		*13.83*	
		147.12		138.88
में शामिल:				
निदेशकों से बकाया		-		-
अधिकारियों से बकाया		0.01		0.01

नोट [14] चालू परिसंपत्तियां
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
बैंक जमा तथा निवेश पर उपार्जित ब्याज	**117.94**	183.83
कर्मचारियों हेतु अग्रिम	**32.52**	32.62
वित्तीय पट्टे पर प्राप्य किराया	**0.17**	0.56
	150.63	217.01
घटाएंः अशोध्य एवं संदिग्ध जमा हेतु भत्ते	**0.02**	0.03
	150.61	216.98
में शामिलः		
निदेशकों से बकाया	**-**	0.01
अधिकारियों से बकाया	**0.01**	0.11

नोट [15] चालू परिसंपत्तियां
चालू कर परिसंपत्तियां (निवल प्रावधान)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
अग्रिम कर एवं टीडीएस	**2551.94**	4365.14
घटाएंः कराधान हेतु प्रावधान	**2329.00**	3492.06
	222.94	873.08

नोट [16] चालू परिसंपत्तियां

अन्य चालू परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
वसूली योग्य दावे				
वापस योग्य इनपुट कर ऋण	1009.33		360.09	
वसूली योग्य दावा तथा अन्य	663.94	1673.27	649.50	1009.59
अग्रिम				
सहायक कम्पनी	0.36		0.36	
विक्रेता / उप ठेकेदार	431.21	431.57	352.54	352.90
		2104.84		1362.49
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध अग्रिम एवं दावों हेतु भत्ते		235.40		202.75
		1869.44		1159.74
उपरोक्त के बाहर:				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	-		-	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए:	*1869.44*		*1159.74*	
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा हेतु प्रावधान किए गए	*235.40*		*202.75*	
सुरक्षित जमा				
कर अधिकारियों एवं अन्यों के पास जमा		511.48		603.64
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध जमा हेतु भत्ते		34.63		38.09
		476.85		565.55
उपरोक्त के बाहर:				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	-		-	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	476.85		565.55	
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए तथा हेतु प्रावधान किए गये	34.63		38.09	
		2346.29		1725.29
में शामिल:				
निदेशकों से बकाया		-		0.01
अधिकारियों से बकाया		0.02		0.04

नोट [17] इक्विटी

इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
	शेयरों की सं. (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि	शेयरों की सं. (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि
इक्विटी शेयर पूंजी				
प्राधिकृत	**10000000000 (2)**	**2000.00**	10000000000 (2)	2000.00
जारी, अभिदत्त और प्रदत्त	**3671400000 (2)**	**734.28**	2447600000 (2)	489.52
क) वर्ष के प्रारंभ में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या का पुनर्मिलान नीचे दर्शाया गया है:	**2447600000**	**489.52**	2447600000	489.52
घटाएं: वर्ष के दौरान पुनः क्रय किए गए शेयर	**-**	**-**	-	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान जारी किए गए बोनस शेयर	**1223800000**	**244.76**	-	-
वर्ष के अंत में बकाया शेयर	**3671400000**	**734.28**	2447600000	489.52
ख) वर्ष के अंत में 5 प्रतिशत से अधिक शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों का विवरण				
भारत के राष्ट्रपति	**2315178000**	**63.06%**	1543452000	63.06%
भारतीय जीवन बीमा निगम	**345680880**	**9.42%**	230453920	9.42%
प्रति शेयर अंकित मूल्य (रु.)		**2.00**		2.00

ग) इक्विटी शेयरों से संबंधित शर्तें/अधिकार

कंपनी के पास इक्विटी शेयरों की केवल एक श्रेणी है जिसमें प्रति शेयर रु. 2 कीमत के हैं (पिछले वर्ष ₹2 के प्रति के शेयर)। इक्विटी शेयरों का प्रत्येक धारक प्रति शेयर एक वोट के लिए हकदार है।

नोट [18] गैर–चालू देयताएं

वित्तीय देयताएं–उधार

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
अप्रतिभूत		
वित्त पट्टा दायित्वों की दीर्घकालीन परिपक्वताएं	**57.18**	89.55
	57.18	89.55

(पट्टे पर नोट 38 के पैरा 15 के अनुसार प्रकटन)

नोट [19] गैर–चालू देयताएं

वित्तीय देयताएं– व्यापार देय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
व्यापार देय	**479.06**	631.12
	479.06	631.12

नोट [20] गैर–चालू देयताएं

अन्य वित्तीय देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
ठेकेदारों एवं अन्य से जमा	**110.43**	102.14
पूंजी व्यय हेतु देयता	**3.98**	2.57
	114.41	104.71

नोट [21] गैर–चालू देयताएं

प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
अनुबंधित दायित्व	**3477.90**	3244.33
कर्मचारी लाभों के लिए प्रावधान	**1259.94**	1519.56
अन्य प्रावधान	**184.31**	218.48
कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व*	**0.96**	18.98
	4923.11	5001.35

*(सीएसआर खर्च पर नोट 38 के पैरा 12 के अनुसार प्रकटन)

नोट [22] गैर–चालू देयताएं

अन्य गैर–चालू देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
ग्राहकों तथा अन्य से प्राप्त अग्रिम	**3337.48**	2978.80
आस्थगित आय–सरकारी अनुदान #	**26.60**	4.56
	3364.08	2983.36

#सोलर पीवी संयंत्र की स्थापना हेतु सरकारी अनुदान प्राप्त किया गया है।

नोट [23] गैर–चालू देयताएं

वित्तीय देयताएं–व्यापार देय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
व्यापार देय *	**10517.89**	8691.00
स्वीकार्यता	**68.97**	18.16
* लघु एवं मध्यम उद्यमों से सम्बन्धित देय राशि शामिल है।	**10586.86**	8709.16
	283.43	233.43

(नोट 38 के पैरा 7 के अनुसार प्रकटन)

नोट [24] चालू देयताएं

अन्य वित्तीय देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार		31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
देयताएं				
कर्मचारी देयताएं	**855.60**		187.11	
अन्य देयताएं	**761.92**		646.91	
पूंजीगत व्यय	**111.38**	**1728.90**	116.61	950.63
ठेकेदारों एवं अन्य से जमा		**563.19**		510.84
वित्त पट्टा दायित्व की चालू परिपक्वताएं#		**42.27**		60.31
अप्रदत्त लाभांश*		**3.30**		3.10
ऋणों पर उपार्जित ब्याज एवं बकाया:				
राज्य सरकार	**-**		2.33	
वित्त पट्टा दायित्व	**3.43**	**3.43**	3.65	5.98
उपार्जित ब्याज किन्तु देय नहीं		**0.38**		0.59
		2341.47		1531.45

*वर्ष के अंत में निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि में अंतरित किए जाने हेतु कोई भी राशि देय एवं बकाया नहीं हैं।
#पट्टे पर नोट 38 के पैरा सं. 15 के अनुसार प्रकटन
अन्य देयताओं में बोनस शेयर जारी होने से उत्पन्न आंशिक शेयरों की बिक्री आय के लिए रु. 0.03 करोड़ की राशि शामिल है।

नोट [25] चालू देयताएं

प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
अनुबंधित दायित्व	**1853.42**	1983.63
कर्मचारी हितलाभ हेतु प्रावधान	**1563.11**	1490.19
कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व ##	**30.18**	34.92
अन्य प्रावधान	**336.06**	682.82
	3782.77	4191.56

(सीएसआर खर्च पर नोट 38 के पैरा सं. 12 के अनुसार प्रकटन)

नोट [26] चालू देयताएं

अन्य चालू देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार
ग्राहकों एवं अन्य से प्राप्त अग्रिम	**4235.28**	5266.61
सांविधिक देयताओं हेतु देयताएं	**1296.39**	426.63
आस्थगित आय–सरकारी अनुदान	**7.46**	0.26
	5539.13	5693.50
ग्राहकों एवं अन्य से प्राप्त अग्रिम राशियां एवं मूल्यांकन समायोजन	**1169.12**	2333.52

नोट [27]

प्रचालनों से राजस्व

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु
बिक्री (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)	22066.90	22825.68
बाहरी संस्थापन से आय तथा अन्य सेवाएं	5961.97	5009.59
	28028.87	27835.27
घटाएं: उचित मूल्य समायोजन	178.43	95.22
कारोबार (उत्पाद शुल्क छोड़कर)#	**27850.44**	**27740.05**
जोड़ें: उत्पाद शुल्क	247.98	1100.37
कारोबार (उत्पाद शुल्क शामिल)	**28098.42**	**28840.42**
अन्य प्रचालन आय		
मालभाड़ा एवं बीमा	288.07	298.92
स्क्रैप आय	147.19	168.50
आपूर्तिकर्ताओं से वसूलियां	142.68	112.06
वापिस लिखी देयताएं	97.01	13.19
उचित मूल्य समायोजन (खुली)	95.90	98.88
बीमा दावें	37.44	77.61
निर्यात वृद्धि	26.48	37.96
अन्य	127.79	52.28
अन्य प्रचालन आय	**962.56**	**859.40**
प्रचालनों से राजस्व (उत्पाद शुल्क छोड़कर)	**28813.00**	**28599.45**
प्रचालनों से राजस्व (उत्पाद शुल्क शामिल)	**29060.98**	**29699.82**

तुलनात्मक आधार पर, वर्ष 2017–18 हेतु कारोबार (उत्पाद शुल्क को छोड़कर) इस तथ्य पर विचार करते हुए कि पूर्व जीएसटी व्यवस्था के अंतर्गत, ईडी, सीएसटी तथा सेवा कर खरीदी हुई मदों (बीओआई) तथा सिविल टर्नओवर का अंशभूत होते थे, जो कुल रु. 28338.44 करोड़ से रु. 488 करोड़ अधिक होना चाहिए। तदनुसार, अर्थपूर्ण तुलना हेतु, राशि पर विचार नहीं किया जाता, इंड एएस आवश्यकता की वजह से, ऐसे करों के कारण रु. 488 करोड़ की राशि को सही प्रस्तुति करण एवं तुलना हेतु वर्ष 2017–18 हेतु कारोबार में शामिल करना होता है (रु. 400 करोड़ वर्ष 2016–17 हेतु कारोबार का अंशभूत)।

प्रचालनों से राजस्व:		
क. अस्थायी मूल्यों पर आधारित राशि शामिल है।	140.73	74.10
ख. वर्ष के दौरान रेलवे से मूल्य भुगतान के अनुरूप पूर्व वर्ष में किए गए प्रेषणों हेतु अतिरिक्त दावे शामिल हैं।	-	214.65
ग. उस सीमा जिसमें नवीनतम सूचनाएं उपलब्ध थीं तक संग्रहण आधार पर वृद्धि दावों को शामिल कर, बिक्री अनुबंधों के अनुरूप उत्पन्न वृद्धि दावों हेतु शामिल हैं।	630.94	899.51
घ. उनके प्रतिवेदन जिसके लिए भुगतान प्राप्त किया गया है, पर ग्राहकों की ओर से धारित उपकरण के प्रेषण शामिल होते हैं।	-	3.42
ड. अनुबंध की शर्तों के अनुरूप सुपुर्दगी में विलंब होने के कारण मूल्य कमी (निवल लाभ) हेतु शामिल नहीं है।	(5.13)	12.50
च. जीएसटी राशि शामिल नहीं है।	3559.32	लागू नहीं
छ. सेवा कर राशि शामिल नहीं है।	140.91	534.92

नोट [28]

अन्य आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु
ब्याज आय*		
बैंकों से	**520.25**	671.34
अन्य	**70.70**	5.88
	590.95	677.22
लाभांश आय		
संयुक्त उद्यमों में निवेश पर लाभांश (दीर्घकालीन व्यापार)	**14.76**	12.85
म्युचुअल निधियों में निवेश पर लाभांश	**10.82**	21.02
	25.58	33.87
अन्य आय		
म्युचुअल निधियों की इकाइयों की बिक्री पर लाभ	**25.85**	-
पीपीई एवं पूंजीगत भण्डारों की बिक्री से लाभ (निवल)	**9.41**	2.36
सरकारी अनुदान	**8.73**	0.17
अन्य	**32.53**	52.30
	76.52	54.83
कुल अन्य आय	**693.05**	765.92
*टीडीएस शामिल	**43.97**	69.16

नोट [29]

सामग्री खपत, इरेक्शन एवं इंजीनियरिंग व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु
कच्चे माल की खपत एवं घटक	**12118.35**	13102.81
सिविल, संस्थापन एवं इंजीनियरिंग व्यय	**3417.72**	3054.09
भण्डारण एवं स्पेयर्स की खपत	**385.73**	425.60
	15921.80	16582.50
घटाएं: पीवी समायोजन सामग्री/उप–अनुबंधित लागत	**21.90**	16.36
	15899.90	16566.14

नोट [30]
तैयार माल एवं चालू कार्य की मालसूचियों में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु		31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	
चालू कार्य				
अंतिम शेष	2283.83		2533.69	
प्रारंभिक शेष	2533.69	249.86	3252.97	719.28
तैयार माल $				
अंतिम शेष	863.79		1293.90	
प्रारंभिक शेष	1293.90	430.11	1568.55	274.65
मार्गस्थ अंतर–प्रभागीय अंतरण		56.16		0.55
		736.13		994.48
$ तैयार माल में उत्पाद शुल्क का कारक				
अंतिम शेष		लागू नही		134.25
प्रारंभिक शेष		134.25		154.59

नोट [31]
कर्मचारी हित लाभ व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते एवं अन्य हितलाभ	5038.89	4484.08
भविष्य एवं अन्य निधियों में अंशदान	338.35	349.68
ग्रेच्युटी निधि में अंशदान	321.17	117.24
कर्मचारी हित व्यय	317.88	432.34
समूह बीमा	10.18	11.25
	6026.47	5394.59

नोट [32]

निर्माण, प्रशासन, बिक्री एवं वितरण व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु		31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	
विद्युत एवं ईंधन		**463.31**		451.19
बाह्य ढुलाई प्रभार		**387.14**		425.21
अन्य उप ठेकेदारों पर व्यय		**350.50**		322.18
सुरक्षा एजेंसियों को भुगतान		**217.92**		178.74
मरम्मत एवं अनुरक्षण				
भवन	**56.70**		66.65	
संयंत्र एवं मशीनरी	**32.24**		39.53	
अन्य	**113.07**	**202.01**	114.05	220.23
सहयोग एवं रॉयल्टी पर व्यय		**147.37**		118.69
यात्रा एवं वाहन खर्च		**122.12**		124.58
बीमा		**104.48**		123.87
बैंक व्यय		**75.01**		61.54
किराया व्यय		**70.03**		70.24
किरायाः				
आवासीय	**38.20**		49.07	
गैर–आवासीय	**21.91**	**60.11**	25.41	74.48
दरें एवं कर		**56.40**		51.41
आरएंडडी व्यय		**47.99**		39.03
कार्यालय व्यय		**47.33**		66.10
जल व्यय		**41.81**		43.32
ईडीपी, सॉफ्टवेयर एवं पट्टा लाइन व्यय		**38.72**		36.88
कौशल विकास पर व्यय		**37.73**		43.33
विधिक, अंकेक्षण एवं प्रमाणन व्यय		**36.70**		70.68
प्रचार एवं जन संपर्क व्यय		**28.55**		27.30
निर्यातों से संबंधित व्यय		**14.44**		15.72
मनोरंजन एवं शिष्टाचार व्यय		**10.43**		10.22
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व		**10.40**		37.50
पर्यावरण सुरक्षा		**8.53**		9.67
सेवा कर, स्वच्छ भारत उपकर एवं अन्य उपकर		**4.13**		12.25
इक्विटी शेयर के निवेश में अपूर्त हानि		**1.01**		2.74
विविध व्यय		**90.31**		104.82
		2674.48		2741.92
शुद्ध विनिमय विविधता लाभ (-)/हानि (+)		**(519.76)**		269.69
		2154.72		3011.61

नोट [32]

निर्माण, प्रशासन, बिक्री एवं वितरण व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु
विधिक, अंकेक्षण एवं प्रमाण व्यय में शमिल हैं:		
सांविधिक लेखापरीक्षकों को भुगतान		
अंकेक्षण शुल्क	**0.71**	0.78
कर अंकेक्षण	**0.16**	0.14
तिमाही सीमित समीक्षा एवं अन्य	**0.39**	0.39
अंकेक्षण व्यय	**0.12**	0.12
	1.38	1.43
लागत लेखापरीक्षकों को भुगतान–अंकेक्षण शुल्क	**0.15**	0.13
निदेशक का शुल्क	**0.16**	0.12
विभागीय मरम्मत एवं अनुरक्षण पर व्यय:		
संयंत्र एवं मशीनरी	**202.30**	206.63
भवन	**53.98**	48.32
अन्य	**47.80**	35.62
अनुसंधान एवं विकास पर व्यय	**261.74**	240.74
विदेश यात्रा पर व्यय		
दौरों की संख्या	**224**	294
व्यय	**5.39**	5.09

नोट [33]
प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु		31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	
संदिग्ध ऋण, एलडी एवं ऋण, अग्रिम एंव जमा				
वर्ष के दौरान सृजित	3365.12		2963.39	
घटाएं: वर्ष के दौरान वापसी	764.11	2601.01	1491.65	1471.74
अनुबंधित दायित्व				
वर्ष के दौरान सृजित	797.48		619.99	
घटाएं: वर्ष के दौरान वापसी	727.47	70.01	1446.68	(826.69)
अन्य				
वर्ष के दौरान सृजित	309.10		1564.73	
घटाएं: वर्ष के दौरान वापसी	783.60	(474.50)	937.03	627.70
		2196.52		1272.75
संयुक्त उद्यमों में निवेश की हानि		44.39		-
बट्टाकृत हानि		31.99		13.60
बट्टाकृत अशोध्य ऋण		8.22		72.86
प्रभारित किए गए निर्णीत हर्जाने		1.29		84.69
		2282.41		1443.90

नोट [34]
वित्त लागत

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु		31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	
उधार लागत				
प्रावधानों का प्रत्यावर्तन	197.58		258.71	
आस्थगित देयताओं का संचयन	22.40	219.98	30.06	288.77
ब्याज लागत				
वित्त पट्टा एवं अन्य पर		34.57		61.84
		254.55		350.61
घटाएं: पूंजीकृत उधार लागत		-		-
		254.55		350.61

नोट [35]
कर व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु		31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	
वर्तमान कर				
चालू वर्ष के लिए	551.81		610.11	
पिछले वर्षों के लिए	26.86	578.67	(311.76)	298.35
आस्थगित कर				
चालू वर्ष के लिए	(62.83)		(461.53)	
पिछले वर्षों के लिए	262.55	199.72	295.15	(166.38)
		778.39		131.97

नोट [36]
अन्य समग्र आय / व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु
आय / (व्यय)		
परिभाषित कर्मचारी हितलाभों का पुनःमापन	127.43	(44.35)
घटाएं : उपरोक्त मदों से संबंधित आयकर*	44.10	(15.35)
	83.33	(29.00)
*शामिल हैं		
वर्तमान कर	28.33	0.42
आस्थगित कर	15.77	(15.77)

नोट [37]
प्रति शेयर अर्जन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष हेतु
इक्विटी शेयरधारकों के कारण मुनाफे	806.60	495.86
इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	367.14	367.14
₹2 प्रति शेयर मूल एवं तनुकृत अर्जन	2.20	1.35

22 सितंबर, 2017 को संपन्न वार्षिक आम बैठक में कंपनी के शेयरधारकों ने 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी, यानी दो मौजूदा पूर्ण भुगतान किए गए इक्विटी शेयर के लिए एक इक्विटी शेयर जारी किया गया । बोनस शेयर 3 अक्टूबर, 2017 को आवंटित किए गए। तदनुसार बोनस जारी करने के बाद, इक्विटी शेयरों की संख्या 244.76 करोड़ से बढ़कर 367.14 करोड़ हो गई । तदनुसार, 31 मार्च, 2017 की तुलनात्मक अवधि के लिए अर्जित प्रति शेयर की गणना बोनस शेयर जारी करने के पश्चात शेयरों की नई संख्या के आधार पर इंड एएस 33 प्रति शेयर अर्जन के अनुसार की गई है ।

नोट [38]
लेखों पर टिप्पणियां

1. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ''(बीएचईएल अथवा कंपनी)'' एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है जो भारत में स्थित है तथा इसका पंजीकृत कार्यालय बीएचईएल हाउस, सिरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049 में है ।

कंपनी एकीकृत पावर प्लांट उपस्कर निर्माता है जो पावर, ट्रांसमिशन, उद्योग, परिवहन नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस तथा रक्षा जैसे अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों के लिए उत्पादों एवं सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला के डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, स्थापन, जाँच, कमिशनिंग और सर्विसिंग का कार्य कर रहा है।

2. आकस्मिक देयताएं एवं वचनबद्धताएं जिनके लिए प्रावधान नहीं किया गया था:

(₹ करोड़ में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
		माँग	विरोध पर भुगतान किया गया	राशि	विरोध पर भुगतान किया गया
(i)	आकस्मिक देयताएं :				
	कंपनी के विरुद्ध दावे जो ऋण के रुप में नहीं माने गए :				
(क)	बिक्री कर	**1683.30**	**292.91**	1846.50	298.34
(ख)	न्यायालय एवं मध्यस्थ प्रकरण	**951.09**	**-**	884.19	-
(ग)	सेवा कर	**387.82**	**8.51**	507.67	7.39
(घ)	उत्पाद शुल्क	**311.43**	**16.53**	482.92	24.17
(ङ)	आयकर	**10.66**	**-**	12.73	-
(च)	सीमा शुल्क	**5.80**	**5.80**		-
(छ)	ठेकेदारों द्वारा किए गए सहायक दावे	**0.61**	**-**	0.61	-
(ज)	वस्तु एवं सेवा कर	**-**	**-**	-	-
(झ)	अन्य (विवादित स्टाफ मामलों सहित)	**37.05**	**-**	34.74	-
		31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
(ञ)	निर्णीत हर्जाना (एलडी)	**5068.15**		6214.54	
	– एलडी के संबंध में ग्राहकों द्वारा कटौती की गई राशि	**(2715.92)**		(2730.50)	

(कंपनी द्वारा विभिन्न न्यायालय प्रकरणों, मुकदमों एवं विवादित दावों को देखते हुए इस चरण में संसाधनों के आउटफ्लो की गणना नहीं की गई है।)

(₹ करोड़ में)

(ii) आकस्मिक देयताओं का संचलन	राशि
1 अप्रैल, 2017 को प्रारंभिक शेष	**9983.90**
घटाएं : प्रारंभिक शेष में कमी	**2782.95**
जोड़ें : वर्ष के दौरान जोड़ (निवल)	**1254.96**
31 मार्च, 2018 को अंतिम शेष	**8455.91**

(₹ करोड़ में)

(iii) प्रतिबद्धताएँ	तक के लिए	
	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
(क) अनुबंधों की अनुमानित राशि, अग्रिमों का निवल, जो पूंजी खाते में निष्पादन के लिए शेष है लेकिन प्रावधान नहीं किया गया ।	**226.51**	193.93
– (उपरोक्त में अमूर्त परिसम्पतियों का अधिग्रहण शामिल है)	**(10.01)**	(3.96)
(ख) संयुक्त उद्यम इकाईयों में निवेश जिसके लिए कंपनी को गठन की तिथि/परियोजना की शुरुआत/परियोजना की पहली यूनिट/पहले ईपीसी अनुबंध की पूर्णता, जैसा भी मामला हो, की तिथि से पाँच वर्षों के लिए अपने निपटान हेतु प्रतिबंधित किया गया है ।	**50.00**	639.32
(ग) अतिरिक्त इक्विटी स्टेक को लेने के लिए अन्य जेवी साझेदार के दायित्व के मामले में जेवी में अतिरिक्त निवेश की दिशा में प्रतिबद्धताएं	**-**	111.26

(घ) व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए दीर्घावधि निर्माण अनुबंधों के तौर पर इसमें सामग्री आदि की खरीद के लिए अन्य प्रतिबद्धताएं हो सकती हैं । जिसे सामान्य व्यवसाय प्रक्रिया के रुप में माना गया है ।

3. (i) कंपनी के पास बैंकों से ₹5000 करोड़ (गत वर्ष ₹5000 करोड़) की नकद ऋण सीमा तथा कच्चे माल, उपकरण, चालू कार्य, तैयार माल, स्टोर्स, बही ऋण तथा वर्तमान तथा भविष्य दोनो में चालू परिसंपत्तियों को गिरवी के माध्यम से प्रथम प्रभार द्वारा बैंक कन्सोर्टियम द्वारा स्वीकृत ₹55000 करोड़ (गत वर्ष ₹ 55000 करोड़) की बैंक गारंटी/ऋण सीमा पत्र के संबंध में कंपनी के प्रति गारंटी/क्षतिपूर्ति देयता रक्षित है । 31.03.2018 को बकाया बैंक गारंटियां ₹43881 करोड़ (गत वर्ष ₹40666 करोड़) हैं ।

(ii) 31 मार्च, 2018 को स्वयं दायित्व बकाए के लिए दी गई कारपोरेट गारंटियां ₹ 1747.07 करोड़ (गत वर्ष ₹ 1733.80 करोड़) हैं ।

4. व्यापार प्राप्तियों, व्यापार भुगतानों, ठेकेदार के अग्रिम, जमा तथा उप ठेकेदार/फेब्रीकेटर के पास पड़े स्टॉक/सामग्री के तहत शेष दर्शाए गए बशर्ते कि समामेलन, विसंगति एवं परिणामी समायोजन की पुष्टि के अधीन है, यदि कोई हो । चूंकि कंपनी दीर्घावधि निर्माण अनुबंधों के व्यवसाय में है अनुमोदित बिलिंग अनुसूची के अनुसार अनुबंध के अधीन ग्राहकों को बिल प्रदान किए जाते हैं और जहाँ भी आवश्यक समझे गए हैं प्रावधान दिशानिर्देशों के अनुसार सतत आधारित समाधान प्रदान किए जाते हैं । परियोजना की समाप्ति (ट्रायल आपरेशन एवं परफार्मेंस गारंटी टेस्ट पूरा होने पर) पर अंतिम मिलान किया जाता है। प्रावधानों के दीर्घकालिक निवल सहित कुल प्राप्तियां ₹35493 करोड़ (पिछले वर्ष ₹31863 करोड़) हैं, {₹19041 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 19116 करोड़) के आस्थगित ऋण और अन्य ऋण सहित वर्तमान में भुगतान हेतु अदेय और पूर्ण की गई परियोजनाओं के संबंध में ₹7307 करोड़ (पिछले वर्ष ₹6287 करोड़) सहित बकाया, जिनमें से, ग्राहकों के साथ मिलकर वर्ष के दौरान पूर्ण की गई परियोजनाओं के संबंध में ₹6428 करोड़ (गत वर्ष ₹5497 करोड़) के ऋण बकाया हैं।

5. कंपनी ने एमोरफास सिलिकॉन सोलर सेल प्लांट (एएसएससीपी), गुरुग्राम को 1 अप्रैल, 1999 को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से 30 वर्षों के लिए लीज़ पर लिया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) से औपचारिक लीज़ करार को अभी अंतिम रुप दिया जाना है ।

6. वर्तमान वित्तीय देयताओं में 1990–91 तक सरकार के निर्देश पर कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋण के संबंध में सरकार द्वारा मांगी गई गारंटी फीस के लिए ₹100.51 करोड़ (गत वर्ष ₹100.51 करोड़) राशि शामिल है । इससे छूट लेने के लिए सरकार के साथ इस मामले को उठाया गया है क्योंकि जिस समय ऋण लिया गया था (सरकार द्वारा गारंटीकृत) उस समय ऐसी गारंटी फीस के लिए कोई शर्त नही थी।

7. लघु एवं मध्यम उद्योग प्रकटन के कारण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18	2016–17
i) लेखा वर्ष की समाप्ति पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं की गई मूल शेष राशि	283.43	233.43
ii) लेखा वर्ष की समाप्ति पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया गया शेष ब्याज	-	-
iii) वर्ष के दौरान नियत तिथि के बाद आपूर्तिकर्ता को भुगतान की गई राशि के साथ धारा 16 के संदर्भ में भुगतान किए गए ब्याज की राशि	0.44	0.07
iv) ब्याज की देय राशि और भुगतान करने में देरी के लिए देय (जिसे भुगतान कर दिया गया है लेकिन वर्ष के दौरान नियत तिथि के बाद) लेकिन इस अधिनियम के अंतर्गत निर्दीष्ट ब्याज जोड़े बिना भुगतान ।	-	-
v) वर्ष के दौरान उपार्जित ब्याज की राशि और वर्ष की समाप्ति पर भुगतान के लिए शेष राशि	-	-
vi) अनुवर्ती वर्षों में आगे देय एवं देय ब्याज की शेष राशि, जब तक ऐसी तिथि जब उपरोक्त अनुसार देय ब्याज कटौती योग्य व्यय के रुप में पाबंदी के प्रयोजन के लिए वास्तव में लघु उद्यमों को भुगतान किया जाता है ।	-	1.73

8. आयकर के प्रावधान (आस्थगित कर को छोड़कर) एवं आयकर दरों को लागू करने पर गणना की गई राशियों का समाधान

(₹ करोड़ में)

विवरण		2017–18 समाप्त वर्ष के लिए	2016–17 समाप्त वर्ष के लिए
कर पूर्व सकल व्यापक आय/(हानि)	(क)	1,712.42	583.48
आयकर दर	(ख)	34.608%	34.608%
कर व्यय	(ग) = (क) X (ख)	592.63	201.93
जोड़ें : राशि का जोड़ा गया कर प्रभाव निम्नानुसार है:			
(क) व्यय–कटौती नहीं की गई		21.64	13.51
(ख) कर छूट प्राप्त आय		(8.85)	(11.72)
(ग) कर प्रोत्साहन		(37.48)	(70.49)
(घ) कर दर में परिवर्तन		(34.86)	-
(ङ) कर व्यय में परिवर्तन – पिछले वर्षों में		289.41	(16.61)
कुल	(घ)	229.86	(85.31)
निवल कर व्यय	(ङ) = (ग) + (घ)	822.49	116.62
निवल कर व्यय (नोट 35 एवं 36 देखें)	(च)	822.49	116.62

आस्थगित कर हेतु लागू कर दर 34.944% (वित्त वर्ष 2016–17 – 34.608%)

9. अनुसंधान एवं विकास व्यय

वर्ष के दौरान उपार्जित अनुसंधान एवं विकास व्यय का विवरण, जो (भूमि या भवन के अलावा) आयकर नियम 1961 की धारा 35 (2एबी) के अंतर्गत कटौती योग्य है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18 को समाप्त वर्ष के लिए	2016–17 को समाप्त वर्ष के लिए
(क) (i) भूमि		
(ii) भवन	2.08	-
(ख) संयंत्र एवं मशीनरी एवं अन्य उपकरण	11.34	16.12
(ग) राजस्व व्यय		
वेतन / मजदूरी	157.70	141.81
सामग्री / उपयोगित / स्पेयर्स	17.80	18.10
यूटीलिटिस	0.54	0.55
अन्य आर एंड डी संबंधी व्यय	30.93	31.82
कुल राजस्व व्यय	206.97	192.28
(घ) आर एंड डी केंद्र द्वारा कोई प्राप्ति/आय	(1.69)	(4.73)
(ङ) कटौती योग्य निवल राशि (ख+ग–घ)	216.62	203.67

बीएचईएल, आईजीसीएआर और एनटीपीसी ने एक कन्सोर्टियम के रुप में भविष्य में थर्मल पावर प्लांट्स के लिए एड्वांस्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी के विकास के लिए कोयले की खपत में कमी के साथ ही कार्बन डाई–ऑक्साइड (Co2) उत्सर्जन में कमी लाने हेतु आर एंड डी परियोजना शुरु करने हेतु अगस्त, 2010 में एक समझौता ज्ञापन किया है। आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) ने 10 अगस्त, 2017 को आयोजित बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दी है। वर्ष 2017–18 से शुरु होने वाले तीन वर्षों की इस आर एंड डी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ₹1554 करोड़ का अनुमानित व्यय है जिसमें बीएचईएल से ₹270 करोड़, एनटीपीसी से 50 करोड़ रुपये, आईजीसीएआर से ₹234 करोड़, डीएसटी से ₹100 करोड़ और शेष ₹900 करोड़ का योगदान भारत सरकार के भारी उद्योग विभाग द्वारा किया जाएगा। बीएचईएल ने अपने योगदान में से वर्ष 2017–18 में आर एंड डी हेतु ₹23.60 करोड़ खर्च किए हैं ।

10. संयुक्त नियंत्रित कंपनियां और सहायक कंपनियां

इन कंपनियों एवं बीएचईएल के स्वामित्व के अनुपात का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

(क)	संयुक्त उद्यमों के नाम	व्यवसाय का मूल स्थान	स्वामित्व का अनुपात	
			31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
	बीएचईएल–जीई गैस टरबाइन सर्विसेज. प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)	भारत	एक शेयर 50% से कम	एक शेयर 50% से कम
	एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)	भारत	50%	50%
	रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल)	भारत	27.97%	27.34%
	दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) – परिसमापन के अधीन	भारत	50%	50%
	पावर प्लांट परफार्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल) – समापन के अधीन	भारत	एक शेयर 50% से कम	एक शेयर 50% से कम

(क) एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के मूल्य में हानि के प्रावधान को शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर ₹45.60 करोड़ की सीमा तक बनाया गया है। निदेशक मंडल की 8 फरवरी, 2018 को संपन्न बैठक में एनबीपीपीएल के समापन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है ।

(ख) पावरप्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड में निवेश के मूल्य में हानि की प्रावधान राशि रु. 2 करोड़ है क्योंकि कंपनी परिसमापन के अधीन है और इक्विटी के रुप में भुगतान की गई राशि वसूली योग्य नहीं है ।

(ग) दादा धुनिवाले खंडवा पावर लिमिटेड में निवेश के मूल्य में हानि के प्रावधान को शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर ₹5.50 करोड़ (पिछले वर्ष ₹6.71 करोड़) की सीमा तक रखा गया है। कंपनी समापन प्रक्रिया में है । डीडीकेपीएल में ₹22.50 करोड़ के निवेश के विरुद्ध 27 अप्रैल, 2018 को ₹17 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है ।

(घ) लातूर पावर कंपनी लिमिटेड वर्ष के दौरान समापन प्रक्रिया के अधीन है ।

ख	सहायक कंपनी का नाम	व्यवसाय का मूल स्थान	स्वामित्व का अनुपात	
			31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
	बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड (बीएचईएल ईएमएल)	भारत	**51%**	51%

11. संबद्ध पार्टी लेन–देन

i) **संयुक्त उद्यमः**
बीएचईएल–जीई गैस टरबाइन सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)
रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल)
एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)
दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड
पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड

सहायक कंपनी
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड

अन्य
केंद्रीय सरकार द्वारा नियंत्रित संस्थाएं
भविष्य निधि न्यास
उपदान न्यास, पीआरएमबी न्यास, पेंशन न्यास

ii) अन्य संबद्ध पार्टियां (मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक – कार्यकारी निदेशकगणः वर्तमान एवं सेवानिवृत्त तथा कंपनी सचिव):

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	:	श्री अतुल सोबती
कार्यकारी निदेशकगण	:	सर्वश्री डी. बंद्योपाध्याय, अमिताभ माथुर, एस. बिश्वास, अखिल जोशी, टी. चोकालिंगम (30 नवंबर, 2017 तक)
कंपनी सचिव	:	श्री आई. पी. सिंह

iii) संयुक्त उद्यमों के साथ लेनदेन और शेष राशि का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
	बीजीजीटीएस		आरपीसीएल		एनबीपीपीएल		योग (अन्य सहित)	
वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री	**196.48**	187.76	**91.22**	235.46	**77.27**	361.57	**364.97**	784.79
लाभांश आय	**14.76**	12.85	**-**	-	**-**	-	**14.76**	12.85
रॉयल्टी से आय	**0.90**	1.47	**-**	-	**-**	-	**0.90**	1.47
वस्तुओं और सेवाओं की खरीदी	**1.02**	0.56	**-**	-	**7.38**	9.49	**8.40**	10.05
शेयरों की खरीद	**-**	-	**74.72**	-	**-**	-	**74.72**	-
वर्ष के अंत में बीएचईएल पर बकाया रकम	**48.06**	42.61	**484.76**	472.18	**310.43**	309.34	**843.25**	824.13
वर्ष के अंत में बीएचईएल से बकाया रकम (अग्रिमों सहित)	**0.08**	0.16	**16.94**	27.55	**90.58**	91.66	**107.60**	119.37
संदिग्ध ऋणों व अग्रिमों के लिए प्रावधान	**0.22**	-	**-**	-	**23.34**	12.20	**23.56**	12.22

iv) सहायक कंपनी के साथ लेनदेन का विवरण और शेष राशि

(₹ करोड़ में)

सहायक कंपनी	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
वस्तुओं और सेवाओं की खरीदी	**0.04**	0.59
ब्याज से आय	**0.31**	0.25
वर्ष के अंत में बीएचईएल पर बकाया रकम	**4.00**	4 .00
वर्ष के अंत में बीएचईएल से बकाया रकम (अगिमों सहित)	**1.19**	1.18
संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	**3.70**	0.00

v) **मुख्य प्रबंधन कार्मिक (केएमपी)**

(₹ करोड़ में)

सहायक कंपनी	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
वेतन का भुगतान	**3.20**	2.34
केएमपी के परिजन		
वेतन का भुगतान	**-**	-
लेनदेन का विवरण		
अल्पकालिक कर्मचारी लाभ	**2.76**	1.92
सेवा उपरांत लाभ	**0.44**	0.42
कार्यरत भुगतान किया गया कुल पारिश्रमिक	**3.20**	2.34

मुख्य प्रबंध निदेशक और कार्यरत निदेशकगण को ड्यूटी और गैर–ड्यूटी दोनों ही यात्राओं के लिए स्टाफ कार का उपयोग करने की अनुमति है। नियुक्ति के नियम व शर्तों के अनुसार निर्धारित राशि की वसूली के सापेक्ष गैर–ड्यूटी यात्रा की सीमा 1000किमी/माह है। कार उपयोग से हुए परिक्रमा के मौद्रिक मूल्य को यदि आयकर नियमावली, 1962 के प्रावधानों के अनुसार गणना करें तो राशि जे 0.02 करोड़ की होगी (विगत वर्ष जे 0.02 करोड़)।

कंपनी भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और भारत सरकार के द्वारा शासित है। इसके महत्वपूर्ण लेनदेन अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, राज्य स्वामित्व वाली उपयोगिताओं, रेलवे इत्यादि है जिसे भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से नियंत्रित किया जाता है। ऐसी इकाइयों के साथ लेनदेन सामान्य हैं जो बाजार संचालित दरों पर अनुमानित कीमत में होता है।

12 कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा135 के साथ पठित डीपीई द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार, कंपनी को अपनी सीएसआर नीति के अनुसार हर साल अपने औसत शुद्ध मुनाफे का 2 प्रतिशत खर्च करना होगा। इस वर्ष के लिए सीएसआर व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 की स्थिति	31 मार्च 2017 स्थिति
क. वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली राशि	10.40	37.50
ख. पिछले वर्ष की उपलब्ध राशि	53.90	88.98
ग. योग (क–ख)	64.30	126.48
घ. वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि की मदें–		
– किसी परिसंपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	-	-
– उपरोक्त (i) के अलावा अन्य प्रयोजनों पर	33.16	72.58
योग	33.16	72.58
आगे लायी गई राशि	31.14	53.90
चालू खाता	30.18	34.92
गैर–चालू खाता	0.96	18.98

क) 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि:

(₹ करोड़ में)

विवरण	नगद	नगद भुगतान योग्य	योग
i) किसी परिसंपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	-	-	-
ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य प्रयोजनों पर	7.36	3.04	10.40

ख) 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि:

(₹ करोड़ में)

विवरण	नगद	नगद भुगतान योग्य	योग
i) किसी परिसंपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	-	-	-
ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य प्रयोजनों पर	26.78	10.72	37.50

13 लाभांश

वर्ष के दौरान निम्नलिखित लाभांश घोषित हुए और भुगतान किए गए थे:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18 समाप्त वर्ष हेतु	2016–17 समाप्त वर्ष हेतु
₹ 0.78 का अंतिम लाभांश (विगत वर्ष ₹0.40) प्रति क्वालीफ़ाइंग इक्विटी शेयर	**190.92**	97.90
₹ 0.80 का अंतरिम लाभांश (विगत वर्ष ₹0.80) प्रति क्वालीफ़ाइंग इक्विटी शेयर	**293.71**	195.81

क) उपर्युक्त अंतिम लाभांश के आंकड़े में ₹38.87 करोड़ के लाभांश पर कर शामिल नहीं है। (पिछले वर्ष ₹19.93 करोड़)

ख) उपर्युक्त अंतिम लाभांश के आंकड़े में ₹59.79 करोड़ के लाभांश पर कर शामिल नहीं है। पिछले वर्ष ₹39.86 करोड़)

ग) कंपनी ने 3 अक्टूबर, 2017 को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर आवंटित किया है। तदनुसार, इक्विटी शेयरों की संख्या ₹ 244.76 करोड़ से बढ़कर ₹ 367.14 करोड़ हो गई है। 2017–18 में भुगतान अंतरिम लाभांश ₹ 367.14 करोड़ की इक्विटी शेयर की बढ़ी हुई संख्या पर था।

घ) कंपनी ने वर्ष 2017–18 के लाभ से ₹734.28 करोड़ की प्रदत्त शेयर पूंजी पर अंतिम लाभांश / 51% (प्रति शेयर ₹1.02, ₹374.48 करोड़) का प्रस्ताव दिया है। कॉर्पोरेट लाभांश कर (₹76.9 7 करोड़) के साथ लाभांश (₹374.48 करोड़) पर कुल भुगतान ₹451.45 करोड़।

ड.) निदेशक मंडल ने 29 मई, 2018 को आयोजित बैठक में वित्तीय विवरण 2017–18 जारी करने के लिए अधिकृत किया है।

14 प्रकटन – इंडएएस–11 निर्माण अनुबंध

(₹ करोड़ में)

विवरण	2017–18 समाप्त वर्ष हेतु	2016–17 समाप्त वर्ष हेतु
वर्ष के लिए स्वीकृत अनुबंध राजस्व	**22195.09**	21757.36
वर्ष के अंत में चालू अनुबंधों के संबंध में:		
अब तक लागत की कुल राशि और अभिज्ञात मुनाफे (कम अभिज्ञात घाटे)	**293727.90**	280975.13
प्राप्त अग्रिम की राशि	**5398.72**	4447.76
प्रतिधारण की राशि आस्थगित ऋण	**17940.20**	17776.01
उचित शुद्ध पूर्णांकन के बाद ग्राहकों से बकाया के संबंध में		
एक परिसंपत्ति के रूप में अनुबंध हेतु ग्राहक से बकाया सकल राशि	**3216.73**	2939.99
देयता के रूप में अनुबंधित कार्य हेतु ग्राहक पर बकाया सकल राशि	**1090.79**	1169.85

इंड. एएस –11 के अनुसार कुल लागत का अनुमान और निर्माण अनुबंध के कुल राजस्व के संबंध में राजस्व पहचान हेतु प्रतिशत पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए निर्माण अनुबंधों की समीक्षा की गई और समय–समय पर अद्यतन किया गया है। हालांकि, अनुमानों में परिवर्तन के प्रभाव को मापने के लिए यह व्यवहार्य नहीं है।

15 पट्टे

प्रकटीकरण इंड. एएस 17 – पट्टे

ऑपरेटिंग लीज प्रतिबद्धताएँ – पट्टेदार के रूप में कंपनी

कंपनी कर्मचारीयों, कार्यालय भवनों और ईडीपी उपस्करों के लिए, रद्द करने योग्य और न रद्द करने योग्य दोनों रूपों में प्रचालन पट्टे पर मकान लेती है। निम्न अवधि में से प्रत्येक के लिए रद्द न करने योग्य प्रचालन पट्टे के तहत भविष्य के लिए कुल न्यूनतम पट्टा भुगतानः

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 की स्थिति	31 मार्च 2017 की स्थिति
एक वर्ष से कम अवधि	**1.53**	2.74
एक से पाँच वर्ष के बीच	**1.53**	3.12
पाँच वर्ष से अधिक	**1.31**	1.03
	4.37	6.89

फाइनेंस लीज़ प्रतिबद्धता – पट्टेदार के रूप में कंपनी

कंपनी ने वित्तीय पट्टे पर भूमि, भवन, ईडीपी उपस्कर लिए हैं। न रद्द करने योग्य पट्टों के लिए, भविष्य में न्यूनतम पट्टा भुगतान निम्नानुसार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 की स्थिति	31 मार्च 2017 की स्थिति
एक वर्ष से कम अवधि	**49.86**	73.88
एक से पाँच वर्ष के बीच	**69.84**	104.60
पाँच वर्ष से अधिक	**-**	-
	119.70	178.48

वित्तीय पट्टा देयताएँ निम्नानुसार देय हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	भविष्यगत न्यूनतम पट्टा भुगतान		ब्याज		न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य	
	यथास्थिति					
	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
एक वर्ष से कम अवधि	**49.86**	73.88	**7.59**	13.57	**42.27**	60.31
एक से पाँच वर्ष के बीच	**69.84**	104.60	**12.66**	15.05	**57.18**	89.55
पाँच वर्ष से अधिक	**-**	-	**-**	-	**-**	-

फाइनेंस लीज़ देयताएँ – पट्टादाता के रूप में कंपनी

कंपनी ने वित्तीय पट्टे के अंतर्गत लोकोमोटिव पट्टे पर दिए हैं। वित्तीय पट्टे से प्राप्त राशि का विवरण निम्नानुसार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 की स्थिति	31 मार्च 2017 की स्थिति
पट्टे में सकल निवेश :		
एक वर्ष से कम अवधि	**0.17**	0.56
एक से पाँच वर्ष के बीच	**0.02**	0.19
पाँच वर्ष से अधिक	**-**	-

वित्त प्राप्तियों में शुद्ध निवेश

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 की स्थिति	31 मार्च 2017 की स्थिति
अर्जित वित्तीय आय	**0.01**	0.03
वित्तीय प्राप्तियों में निवेश	**0.19**	0.72

न्यूनतम लीज प्राप्तियों का वर्तमान मूल्य निम्नानुसार है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 की स्थिति	31 मार्च 2017 की स्थिति
न्यूनतम लीज का वर्तमान मूल्य :		
एक वर्ष से कम अवधि	**0.17**	0.56
एक से पाँच वर्ष के बीच	**0.02**	0.16
	0.19	0.72

16. 'कर्मचारी लाभ' पर इंड एएस 19 के अनुसार प्रकटीकरण

परिभाषित लाभ योजनाओं के रूप में कंपनी की निम्नलिखित योजनाएं हैं

i) उपदान योजना

ii) सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा योजना

iii) भविष्य निधि योजना

क. उपदान (वित्त पोषित योजना)

कंपनी की परिभाषित लाभ उपदान योजना है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने पांच साल या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान की है, सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन (15/26 • अंतिम मूल वेतन और महंगाई भत्ता) पर 20 लाख रुपये की अधिकतम सीमा तक की ग्रेच्युटी का हकदार है। भावी भुगतानों के कारण ग्रेच्युटी देयता उत्पन्न होती है, जो सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान मृत्यु या त्याग–पत्र देने की स्थिति में करने की आवश्यकता होती है। अनुमानित इकाई क्रेडिट एक्च्यूअरीअल विधि का उपयोग करके उत्तरदायित्व का आकलन किया गया है। ग्रेच्युइटी एक्ट में संशोधन किया गया है और सरकार ने 2017–18 के दौरान 10 लाख रुपये की पूर्व सीमा से बढ़ाकर ₹20 लाख तक अधिकतम ग्रेच्युइटी सीमा में वृद्धि को अधिसूचित किया है।

I. उपदान योजना पर निवल परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति) / देयता में उतार–चढ़ाव

(₹ करोड़ में)

विवरण	परिभाषित लाभ देयता		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		(परिसंपत्ति)/देयता	
	यथास्थिति					
	31, मार्च, 2018	31, मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
प्रारंभिक शेष	**1,931.43**	1,939.47	**1,931.43**	1,939.47	**-**	-
वर्ष के लाभ में शामिल है:						
चालू सेवा लागत	**120.69**	117.25	**-**	-	**120.69**	117.25
पिछली सेवा लागत	**200.47**	-	**-**	-	**200.47**	-
ब्याज लागत/आय	**144.86**	155.16	**144.86**	155.16	**-**	-
वर्ष के लिए लाभ में निर्धारित राशि	**466.02**	272.41	**144.86**	155.16	**321.16**	117.25
अन्य व्यापक आय में सम्मिलित (ओसीआई) :						
पुनः परिकलन हानि/(लाभ) :						
निम्नलिखित से वास्तविक ह्रास/लाभ :						
वित्तीय अनुमान	**(52.18)**	58.26	**79.28**	1.08	**(131.96)**	57.17
अनुभव समायोजन	**49.05**	(114.03)	**-**	-	**49.05**	(114.03)
अन्य समग्र आय में निर्धारित कुल राशि	**(3.13)**	(55.77)	**79.28**	1.08	**(82.41)**	(56.86)
अन्य						
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	**-**	-	**-**	60.39	**-**	(60.39)
दिये गये लाभ	**(211.55)**	(224.68)	**(211.55)**	(224.68)	**-**	-
बकाया लाभ का भुगतान	**(130.00)**	-	**(130.00)**	-	**-**	-
अंतिम शेष	**2,052.77**	1,931.43	**1,814.02**	1,931.43	**238.75**	-

II. योजनाबद्ध परिसंपत्ति का विवरण

	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2017 की स्थिति
बीमाकर्ता द्वारा मैनेज किया गया फंड	**55.24%**	4.86%
उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (कोटेड)	**41.84%**	43.41%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां (कोटेड)	**2.24%**	31.83%
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर (कोटेड)	**0.67%**	0.68%
बैंक जमा राशि	**0.01%**	3.28%
भारत सरकार की प्रतिभूतिया ंं(कोटेड)	**-**	15.94%
कुल	**100.00%**	100.00%

III. वास्तविक अनुमान

रिपोर्टिंग तिथि को प्रमुख वास्तविक अनुमान निम्नानुसार थेः

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2018 की स्थिति
आर्थिक अनुमान :		
छूट की दर	**7.90%**	7.50%
वेतन वृद्धि दर	**प्रथम 4 वर्षों के लिए प्रतिवर्ष 6.60% और उसके बाद 6% पीए**	प्रथम 4 वर्षों के लिए प्रतिवर्ष 7.65% उसके 6% पीए
जनसांख्यिकीय अनुमान :	**60**	60
मृत्यु संख्या–सारणी	**100% of IALM (2006-08)**	
निकासी दर % (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

IV. संवेदनशीलता विश्लेषण

बड़े मूल अनुमानों में परिवर्तन की स्थिति में परिभाषित लाभ देयता की संवेदनशीलता निम्नानुसार हैः

(₹ करोड़ में)

विवरण	उपदान (वित्त पोषित)			
	31 मार्च, 2018 की स्थिति		31 मार्च, 2017 की स्थिति	
	वृद्धि	ह्रास	वृद्धि	ह्रास
छूट की दर (0.50% मूवमेंट)	**(67.84)**	**73.42**	**(58.27)**	**63.99**
वेतन वृद्धि दर (0.50% मूवमेंट)	**74.12**	(69.06)	**63.31**	(58.22)

मृत्यु दर और निकासी के कारण सूक्ष्मग्राहिता वस्तुगत नहीं है और इसलिए इनके कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है। सूक्ष्मग्राहिता पर भुगतान में पेंशन में वृद्धि की दर, सेवानिवृत्ति से पहले पेंशन में वृद्धि की दर व जीवन प्रत्याशा लागू नहीं है।

उपरोक्त संवेदनशीलता विश्लेषण को एक विधि के आधार पर निर्धारित किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में होने वाली महत्वपूर्ण मान्यताओं में उचित परिवर्तनों के उचित रूप से परिभाषित लाभ दायित्व पर प्रभाव को बड़ाता है। यह विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्वों में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधि नहीं हो सकता है क्योंकि यह संभावना नहीं है कि धारणाओं में परिवर्तन एक–दूसरे से अलग होने पर होगा क्योंकि कुछ अनुमानों का सहसंबंध हो सकता है।

V. भविष्य के वर्षों में उपदान योजना का अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

मूल्यांकन कुछ निश्चित मान्यताओं पर आधारित होते हैं, जो गतिशील प्रकृति के होते हैं और समय के साथ बदलते हैं। चूंकि ऐसी कंपनी वेतन, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु दर, अक्षमता और निकासी में वृद्धि जैसे विभिन्न जोखिमों से अवगत होती है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	ग्रैच्युइटी (वित्त पोषित)	
	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
एक वर्ष से कम	**328.33**	236.06
1–2 वर्ष के मध्य	**274.93**	200.13
2–3 वर्ष के मध्य	**150.07**	145.47
3–4 वर्ष के मध्य	**114.10**	140.30
4–5 वर्ष के मध्य	**96.19**	111.40
5–6 वर्ष के मध्य	**77.51**	98.39
6 साल से अधिक	**1,011.64**	999.68
कुल	**2,052.77**	1,931.43

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए उपदान योजनाओं में अपेक्षित योगदान जे 126.76 करोड़ हैं

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में ग्रैच्युइटी परिभाषित लाभ योजना दायित्व की भारित औसत अवधि 14.78 वर्ष (31 मार्च 2017: 14.66 वर्ष) है।

VI. जोखिम

मूल्यांकन कुछ निश्चित मान्यताओं पर आधारित होते हैं, जो गतिशील प्रकृति के होते हैं और समय के साथ बदलते हैं। चूंकि ऐसी कंपनी वेतन, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु दर, अक्षमता और निकासी में वृद्धि जैसे विभिन्न जोखिमों का सामना करती है।

ख. सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ (वित्तपोषित योजना)

कंपनी में सेवानिवृत्ति चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) लागू है, जिसके अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके पति/पत्नी को कंपनी के चिकित्सा नियमों के अंतर्गत कंपनी के अस्पतालों / सूचीबद्ध अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। वे कंपनी द्वारा तय की गई अधिकतम सीमा तक बाह्य रोगी के रूप में भी उपचार करा सकते हैं। इसके लिए देयता वार्षिक रूप से बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्य की जाती है।

I. सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना पर शुद्ध परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति) / देयता में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	परिभाषित लाभ दायित्व		योजना संपत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) देयता	
	As at					
	31मार्च, 2018 को	31मार्च, 2017 को	31मार्च, 2018 को	31मार्च, 2017 को	31मार्च, 2018 को	31मार्च, 2017 को
प्रारंभिक शेष	**1,820.70**	1,679.37	**1,820.70**	-	**-**	1,679.37
वर्ष के लिए लाभ में शामिलः						
वर्तमान सेवा लागत	**32.66**	30.29	**-**	-	**32.66**	30.29
ब्याज लागत / आय	**136.55**	134.35	**136.55**	-	**-**	134.35
वर्ष के लिए लाभ में मान्यता प्राप्त कुल राशि	**169.21**	164.64	**136.55**	-	**32.66**	164.64
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में शामिल हैः						
पुनःमापन हानि (लाभ)						
से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक हानि (लाभ):						
जनसांख्यिकीय अनुमान	**-**	-	**-**	-	**-**	-
वित्तीय अनुमान	**(103.19)**	74.43	**33.78**	-	**(136.97)**	74.43
अनुभव समायोजन	**149.00**	(6.61)	**-**	-	**149.00**	(6.61)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि						67.82
अन्य						
नियोक्ता द्वारा दिया गया अंशदान	**-**	-	**-**	1,820.70	**-**	(1,820.70)
भुगतान किया गया लाभ	**(110.00)**	(91.13)	**(110.00)**	-	**-**	(91.13)
अंतिम शेष	**1,925.72**	1,820.70	**1,881.03**	1,820.70	**44.69**	(0.00)

कंपनी की योजनाबद्ध परिसंपत्तियों का प्रबंधन, कंपनी के निधि दायित्वों के लिए ली गई बीमा पॉलिसी द्वारा कंपनी के प्रबंधन के अधीन ट्रस्ट के माध्यम से भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जाता है।

II. बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग तिथि को प्रमुख वास्तविक अनुमान निम्नानुसार थे:

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2017 की स्थिति
आर्थिक अनुमानः		
छूट की दर	**7.90%**	7.50%
वेतन वृद्धि दर	**प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.60% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों के लिए 7.65% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकीय अनुमानः		
सेवानिवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु दर	तालिका 100% (2006–08)	
निकासी दर (सभी उम्र)		
30 साल तक	**3%**	3%
31 से 44 साल तक	**2%**	2%
44 साल से अधिक	**1%**	1%

III. संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण अनुमानों में परिवर्तन की स्थिति में परिभाषित लाभ देयता की संवेदनशीलतप निम्नानुसार हैः

(₹ करोड़ में)

विवरण	सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ			
	31 मार्च, 2018 की स्थिति		31 मार्च, 2017 की स्थिति	
	वृद्धि	ह्रास	वृद्धि	ह्रास
छूट दर (0.50% मूवमेन्ट)	**(94.49)**	**96.49**	(89.34)	90.14
लागत (0.50% मूवमेन्ट)	**97.02**	**(95.17)**	90.94	(90.02)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता सामग्री नहीं है और इसलिए परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

संवेदनशीलता के रूप में भुगतान में पेंशन वृद्धि की दर, सेवानिवृत्ति से पहले पेंशन में वृद्धि की दर और जीवन प्रत्याशा लागू नहीं है।

उपरोक्त संवेदनशीलता विश्लेषण को एक विधि के आधार पर निर्धारित किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में होने वाली महत्वपूर्ण धारणाओं में उचित परिवर्तनों के परिणामस्वरूप परिभाषित लाभ दायित्व पर पड़ने वाले प्रभाव को अलग तरीके से दर्शाता है। यह विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्वों में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधि नहीं हो सकता है क्योंकि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि धारणाओं में परिवर्तन एक–दूसरे से पृथक या कुछ मामलों में अनुमानों का सहसंबंध हो सकता है।

IV. भविष्य के वर्षों में उपदान योजना की अपेक्षित परिपक्वता का विश्लेषण (करोड़ में)

(₹ करोड़ में)

विवरण	सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ	
	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2017 की स्थिति
एक वर्ष से कम	**121.85**	103.44
1–2 वर्ष के बीच	**123.81**	105.61
2–3 वर्ष के बीच	**126.78**	108.14
3–4 वर्ष के बीच	**129.37**	111.28
4–5 वर्ष के बीच	**132.78**	115.17
5–6 वर्ष के बीच	**138.09**	119.78
6 वर्ष से अधिक	**1,153.04**	1,157.28
कुल	**1,925.72**	1,820.70

31 मार्च, 2019 को वर्ष की समाप्ति पर सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना में अपेक्षित योगदान 34.97 करोड़ हैं। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना देयताओं का भारित औसत अवधि 12.84 वर्ष (मार्च 31, 2017: 12.57 वर्ष) है।

V. **जोखिम**

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित होते हैं, जो गतिशील प्रकृति के होते हैं और समय के साथ बदलते हैं ऐसी कंपनी चिकित्सा जोखिम, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु दर, अक्षमता और निकासी में वृद्धि जैसे विभिन्न जोखिमों से अवगत होती है।

ग. दीर्घकालिक छुट्टी देयता (नकद योग्य छुट्टी (ई एल) / अर्ध वेतन छुट्टी (एचपीएल)) – (गैर–वित्तपोषित योजना)

कंपनी, कर्मचारियों को अर्जित छुट्टी लाभ और अर्ध वेतन छुट्टी प्रदान करती है जो क्रमशः 15 दिन (अधिकतम) और 10 दिनों में अर्ध वार्षिक रूप से अर्जित करती है। सेवा में रहते हुए अर्जित छुट्टी किसी भी तिमाही में भुनाई जा सकती है। नकदयोग्य छुट्टी और अर्ध वेतन छुट्टी कंपनी नीति एवं छुट्टी नकादिकरण नियमावली के अधीन अधिकतम 300 दिनों तक अधिग्रहण योग्य है। छुट्टी देयता को अन्य दीर्घकालिक लाभ के रूप में माना गया है और अनुमानित इकाई क्रेडिट एक्ट्यूअरीअल विधि का उपयोग करके मूल्यांकन किया गया है। छुट्टी देयता को अन्य दीर्घकालिक लाभ की तरह में माना गया है जिसका मूल्यांकन अनुमानित इकाई क्रेडिट बीमांकक विधि का उपयोग करके किया गया है।

I. **शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) / देयता में संचलन**

(₹ करोड़ में)

विवरण	दीर्घकालिक छुट्टी देयताएँ	
	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2017 की स्थिति
प्रारंभिक शेष	**1,769.49**	1,628.73
वर्ष के लिए लाभ में शामिल		
वर्तमान सेवा लागत	**146.37**	107.77
ब्याज लागत (आय)	**132.71**	130.30
बीमांकिक नुकसान / (लाभ)	**137.08**	226.30
वर्ष के लिए लाभ में पायी गई कुल राशि	**416.16**	464.37
अन्य		
नियोक्ता द्वारा भुगतान योगदान	**-**	-
लाभ का भुगतान किया	**660.00**	323.61
अंतिम शेष	**1,525.65**	1,769.49

II. **बीमांकिक मान्यताएँ**

रिपोर्टिंग तिथि को निम्नलिखित प्रमुख वास्तविक अनुमान थे।

(₹ करोड़ में)

विवरण	दीर्घकालिक छुट्टी देयताएँ	
	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2017 की स्थिति
आर्थिक धारणाएं :		
दीर्घकालिक छुट्टी देयता	**7.90%**	7.50%
वेतन वृद्धि	**प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.60% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों के लिए 7.65% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकीय अनुमानः		
सेवानिवृत्ति आय	**60**	60
मृत्यु दर तालिका	**100% पं एलएम (2006–08)**	
निकासी दर (सभी उम्र)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

घ. भविष्य निधि

कंपनी पूर्व निर्धारित दरों पर भविष्य निधि हेतु एक अलग ट्रस्ट में योगदान देती है, जो अनुमत प्रतिभूतियों में धन निवेश करता है। इस खाते पर वर्ष के लिए 275.80 करोड़ (मार्च 31, 2017: 282. 46 करोड़) की राशि व्यय के रूप में पायी गई है और लाभ और हानि के विवरण पर प्रभारित किया गया है। कंपनी का यह दायित्व है कि भारत सरकार (जीओआई) द्वारा निर्दिष्ट सदस्यों को धन वापसी की न्यूनतम दर सुनिश्चित की जाए। तदनुसार, कंपनी ने ब्याजजनित आय और सभी अवधियों के लिए वैधानिक ब्याज भुगतान आवश्यकताओं पर आधारित बीमांकक की रिपोर्ट प्राप्त की है और जब कभी भी बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाणपत्र अनुसार अचानक से ब्याज में कमी आती है तो उसे खाते में दर्शाया जाएगा।

(₹ करोड़ में)

	2017–2018 को समाप्त वर्ष के लिए	2016–2017 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के लिए बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयता में अधिकता / (कमी)	**1.72**	7.73
वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयता में कमी के लिए संचित प्रावधान	**1.81**	3.53
अन्य समग्र आय विवरण के माध्यम से पायी गई पुनर्मापित लाभ / (हानि)	**10.39**	12.00
लाभ और हानि की विवरणी के माध्यम से परिकलित ब्याज की कमी / (अधिकता)	**8.67**	4.27

कंपनी के पास कर्मचारियों को कवर करने वाले विभिन्न स्थानों पर स्थित पीएफ ट्रस्ट हैं और जिनका प्रबंधन अलग–अलग हैं, योजना संपत्तियों और दायित्वों का विवरण निम्नानुसार है :

(₹ करोड़ में)

स्थान	निर्धारित लाभ दायित्व		योजना संपत्तियों का उचित मूल्य		अधिशेष / (कमी)	
	यथा स्थिति					
	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
बीएचईएल पीएफ ट्रस्ट, रानीपुर, हरिद्वार	**1,359.02**	1,263.70	**1,362.23**	1,262.35	**3.21**	(1.35)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि, त्रिची	**1094.10**	1088.93	**1094.87**	1,088.31	**0.77**	(0.62)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि, भोपाल	**1,081.53**	1,033.79	**1,088.32**	1,041.21	**6.79**	7.42
बीएचईएल नई दिल्ली के कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट, नई दिल्ली	**882.34**	830.17	**894.53**	838.08	**12.19**	7.91
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि, हैदराबाद	**840.78**	873.85	**878.01**	911.51	**37.23**	37.66
बीएचईएल पीपीडी पीएफ ट्रस्ट, चेन्नई	**563.21**	502.23	**561.40**	500.67	**(1.81)**	(1.56)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि, बेंगलूरू	**544.91**	507.04	**549.86**	510.41	**4.95**	3.37
बीएचईएल (बीएपी यूनिट) ईपीएफ ट्रस्ट, रानीपेट	**363.29**	324.38	**363.87**	325.95	**0.58**	1.57
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट, झांसी	**355.32**	344.46	**361.43**	352.49	**6.11**	8.03
भारत हेवी प्लेट्स एंड वेसेल्स लिमिटेड कर्मचारी योगदान भविष्य निधि, विशाखापत्तनम	**104.17**	108.00	**147.60**	135.82	**43.43**	27.82

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग तिथि को निम्नलिखित प्रमुख वास्तविक अनुमान थे

विवरण	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2017 की स्थिति
आर्थिक अनुमानः		
छूट की दर	**7.90%**	7.50%
अपेक्षित वैधानिक ब्याज दर	**8.65%**	8.65%
जनसांख्यिकीय अनुमानः		
सेवानिवृत्ति की आयु	**60**	60
मृत्यु दर सारण	तालिका 100% आंशिक एम(2006–08)	
निकासी (सभी उम्र)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

17 प्रावधानों का में परिवर्तन – इन्ड ए एस – 37 में प्रकटीकरण

(₹ करोड़ में)

निर्णीत हर्जाना	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2017 की स्थिति
प्रारम्भिक शेष राशि	**3881.84**	2985.71
जोड़ें : परिवर्धन	**2180.46**	1506.04
घटाएं : उपयोग / राइट ऑफ/ भुगतान	**(1.29)**	(84.69)
घटाएं : निकासी / समायोजन	**(214.51)**	(525.22)
अंतिम शेष	**5846.50**	3881.84

निर्णीत हर्जाना कंपनी की लेखांकन नीति के अनुसार प्रदान की जाती है और इसे निपटारे या अन्यथा खातों में उचित रूप से निपटाया जाता है। निर्णीत हर्जाने से संबंधित आकस्मिक देयता नोट 38 के पैरा 2 में दर्शायी गयी है।

(₹ करोड़ में)

संविदागत दायित्व	31 मार्च, 2018 की स्थिति	31 मार्च, 2017 की स्थिति
प्रारंभिक शेष	**5227.97**	5807.13
जोड़ें : उधार लेने की लागत	**190.96**	250.70
जोड़ें : परिवर्धन	**1055.19**	759.15
घटाएं : पीवी समायोजन	**(302.11)**	(133.63)
घटाएं : उपयोग / राइट ऑफ / भुगतान	**(223.56)**	(161.45)
घटाएं : निकासी / समायोजन	**(661.53)**	(1288.40)
जोड़ें / (घटाएं): आकलित दरों में परिवर्तन	**44.40**	(5.53)
अंतिम शेष	**5331.32**	5227.97

अनुबंध के नियमों और शर्तों के अनुसार वारंटी दायित्वों को पूरा करने के लिए, संविदात्मक दायित्व के प्रावधान को महत्वपूर्ण लेखा नीति संख्या 11 के साथ धन के सामयिक मूल्य के प्रभाव पर विचार करते हुए किया जाता है।

अनुबंध की वारंटी दायित्वों के पूरा होने तक बरकरार रखा जाता है। क्रमशः अलग–अलग अनुबंध और वर्ष के नियमों और शर्तों के आधार पर वारंटी दायित्व पर वास्तविक खर्च भिन्न हो सकते हैं।

18. वित्तीय लिखत – (प्रकटीकरण इंड एएस –107) लेखा वर्गीकरण और उचित मूल्य माप

क. नकदी और नकद समकक्षों का उचित मूल्य, बैंक शेष, ऋण, व्यापार प्राप्तियां, व्यापार देय और अन्य उनकी ले जाने वाली राशि का अनुमान लगाते हैं। अपेक्षित क्रेडिट हानियों पर विचार करने के बाद व्यापार प्राप्तियों का मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन तकनीक द्वारा वित्तीय उपकरणों के उचित मूल्य को निर्धारित करने और प्रकट करने के लिए कंपनी निम्नलिखित अनुक्रम का उपयोग करती है।

स्तर 1: समान संपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत (कोटिड) मूल्य (असंगत).

स्तर 2: उद्धृत कीमतों के अलावा इनपुट जो स्तर 1 के भीतर शामिल हैं जो संपत्ति या देयता के लिए या तो सीधे (यानी, कीमतों के रूप में) या परोक्ष रूप से (यानी, कीमतों से व्युत्पन्न) देखे जा सकते हैं।

स्तर 3: संपत्ति या देयता के लिए इनपुट जो विचार योग्य बाजार डेटा (अप्रचलित इनपुट) पर आधारित नहीं हैं

ख वित्तीय परिसंपत्तियों / देयताओं का वर्गीकरण

(₹ करोड़ में)

वित्तीय परिसंपत्ति / देयता वर्गीकरण	पिछली राशि	
	मार्च 31, 2018 को	मार्च 31, 2017 को
अमूर्त लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां		
व्यापार प्राप्य	**35493.46**	31863.29
नकद और नकद समकक्ष	**2768.68**	1484.89
अन्य बैंक शेष राशि	**8522.50**	9006.90
ऋण	**231.40**	216.92
अन्य वित्तीय संपत्तियां	**150.63**	217.14
लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां		
निवेश (इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स)	**2.92**	3.93
ऋण लागत पर वित्तीय देयताएं		
व्यापार देनदारियां	**11065.92**	9340.28
अन्य वित्तीय देयताएं	**2410.18**	1572.20
वित्त पट्टादायित्व	**102.88**	153.51

(₹ करोड़ में)

उचित मूल्य–आवर्ती उचित मूल्य माप पर मापी गई वित्तीय संपत्तियां और देनदारियां	स्तर 3 अनुक्रम	
	मार्च 31, 2018 को	मार्च 31, 2017 को
उद्धृतन किए गए इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश	**2.92**	3.93

ग. उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त वैल्यूएशन तकनीक

*उद्धृत न किए गए नकोटिड इक्विटी लिखितों का उचित मूल्य स्तर 3 इनपुट का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है जिसमें प्रति शेयर शुद्ध संपत्ति मूल्य के आधार पर निवेशक कंपनी के वित्तीय विवरणों से इनपुट शामिल होता है।

एफवीटीपीएल संपत्तियों के रूप में वर्गीकृत अनकोटिड इक्विटी शेयरों के उचित मूल्य माप का पुनर्मूल्यांकन

(₹ करोड़ में)

मार्च 31, 2017 को	3.93
उचित मूल्य में परिवर्तन	(1.01)
मार्च 31, 2018 को	2.92

(घ) वित्तीय जोखिम प्रबंधन

उद्देश्य और नीतियां

इस क्षेत्र में परिचालन करने वाली किसी भी कंपनी के प्राकृतिक व्यापार जोखिम से कंपनी की गतिविधियों को विभिन्न वित्तीय जोखिमों से अवगत कराया गया है। वित्तीय जोखिम का प्रबंधन हमेशा कंपनी की व्यावसायिक रणनीतियों और नीतियों का एक अभिन्न हिस्सा रहा है। कंपनी अपने विभिन्न हित धारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप वित्तीय जोखिमों को हल करने के लिए समय–समय पर अपनी नीतियों और दिशा निर्देशों की समीक्षा और संरेखण करती है। वित्तीय उपकरणों के उपयोग से एक्सपोजर जोखिम को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:

- क्रेडिट जोखिम
- लिक्विडिटी जोखिम
- बाजार जोखिम

यह नोट कंपनी के समय उपर्युक्त प्रत्येक जाखिम, केंपनी के उद्देश्यों, जोखिम की माप करने और उसके प्रबंधन के लिए कंपनी की नीतियों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत करता है। आगे के समग्र वित्तीय विवरणों में मात्रात्मक प्रकटीकरण शामिल हैं।

(ड.) जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क

बीएचईएल ने एक बोर्ड को जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति अनुमोदित किया है, जो कंपनी में जोखिम प्रबंधन के लिए समग्र रूपरेखा प्रदान करता है। चार्ट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उचित जोखिम शमन उपायों को अपना ने से जोखिमों की उचित पहचान, आकलन और प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सके। कंपनी के पास 3–स्तर जोखिम प्रबंधन ढांचा है। पहले स्तर पर, कंपनी के बोर्ड स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) को कंपनी की जोखिम प्रशासन संरचना, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशा निर्देशों, नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। जोखिम प्रबंधन संचालन समिति (आरएमएससी) दूसरे स्तर पर जोखिम प्रबंधन ढांचे के गोद लेने और कार्यान्वयन और कंपनी भर में जोखिम प्रबंधन पहल का नेतृत्व करने के लिए ज़िम्मेदार है। बीएलआरएमसी और आर एम एस सी का संयोजक मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) बोर्ड / बीएलआरएमसी को जोखिम प्रबंधन पर आवधिक रिपोर्ट के लिए जिम्मेदार है। कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले प्रमुख जोखिमों का जोखिम जोखिम शमन योजना तैयार करने और कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए यूनिट स्तर से संबंधित क्षेत्रों के लिए उनके संबंधित क्षेत्रों के लिए विश्लेषण किया जाता है।

(च) क्रेडिट जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम को व्यवसाय करने के जोखिम रिवार्ड संतुलन का एक अभिन्न हिस्सा माना जाता है। बीएचईएल सरकारी क्षेत्र (राज्य उपयोगिताओं, पीएसयू, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों आदि) और निजी क्षेत्रों से संबंधित बिजली परियोजनाओं की स्थापना में शामिल है। परियोजनाओं को आमतौर पर वित्तीय संस्थानों / बैंकों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है या भुगतान क्रेडिट ऑफलेटर (एलसी) द्वारा कवर किया जाता है। परियोजना अवधि 3 से 4 साल तक होती है और अग्रिम शर्तों, प्रगति भुगतान, मील का पत्थर भुगतान और इस तरह की परियोजनाओं पर प्रतिधारण जारी किए जाने के अनुसार आमतौर पर भुगतान चरणों में महसूस किया जाता है। चूंकि अधिकांश ग्राहक सरकारी क्षेत्र से संबंधित हैं, कुल लाभ का 81% गठित करते हैं

लाभ या हानि पर पिछले वर्ष के रूप में भारतीय रुपये के मजबूत / कमजोर होने के प्रभाव अमरीकी डालर, यूरो और अन्य लोगों के मुकाबले नीचे दिखाया गया है। यह विश्लेषण विदेशी मुद्रा विनिमय दर भिन्नताओं पर आधारित है जिसे रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी को उचित रूप से संभव माना जाता है। विश्लेषण पिछले वर्ष के लिए उसी वर्ष किया जाता है, यद्यपि नीचे दिखाए गए अनुसार उचित संभावित विदेशी मुद्रा दर भिन्नताएं भिन्न थीं।

(₹ करोड़ में)

विवरण	मार्च 31, 2018 को	मार्च 31, 2017 को
वित्तीय परिसंपत्तियां जिसके लिए क्षति भत्तों को परिकलन 12 माह की वांछित क्रेडिट क्षति (ईसीएल) का उपयोग करके किया जाता है		
नकद और नकद समतुल्य	**2768.68**	1484.89
अन्य बैंक शेष	**8522.50**	9006.90
ऋण	**231.40**	216.92
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	**150.63**	217.14
वित्तीय परिसंपत्ति, जिसके लिए क्षति भत्ते का परिकलन लाइफ टाइम एक्स्पेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) जिसमें इम्पेयरमेन्ट लॉस भी शामिल है, का उपयोग करके किया जाता है		
व्यापार प्राप्य	**35493.46**	31863.29

क्रेडिट जोखिम का कन्सन्ट्रेशन– भौगोलिक प्रतिशत का एकाग्रता	कुल राजस्व का प्रतिशत	
	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
भारत के भीतर	96.19%	96.27%
भारत के बाहर	3.81%	3.73%

काउंटर पार्टी के प्रकार से व्यापार और अन्य प्राप्तियों के लिए क्रेडिट जोखिम के लिए कंपनी का जोखिम निम्नानुसार हैं:

विवरण	कुल व्यापार प्राप्तियों का प्रतिशत	
	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम सहित रेलवे और सरकारी विभाग	43.43%	46.81%
राज्य विद्युत बोर्ड	37.34%	28.11%
निजी ग्राहक और अन्य	15.43%	21.35%
निर्यात	3.81%	3.73%
	100%	100%

(छ) इम्पेयरमेन्ट हानि

(ए) वित्तीय संपत्ति जिसके लिए हानि भत्ते का परिकलन 12 महीने के वांछित क्रेडिट नुकसान का उपयोग करके किया जाता है

कंपनी के पास ऐसी परिसंपत्तियों हैं, जहाँ काउन्टर –पक्षमार देयताएं पूरी करने की पर्याप्त क्षमता रखते हैं और जहां डिफॉल्ट का जोखिम बहुत कम है।

वर्ष के दौरान ऋण के संबंध में हानि के लिए भत्ते में परिवर्तन निम्नानुसार था:

(₹ करोड़ में)

31 मार्च, 2017 को शेष राशि	18.04
निर्धारित इम्पेयरमेन्ट क्षति / राइट ऑफ/ निकासी	4.25
31 मार्च, 2018 को शेष राशि	**22.29**

(ख) हानि प्रावधानों का सुलह

वर्ष के दौरान व्यापार प्राप्तियों के संबंध में हानि के लिए भत्ते में परिवर्तन निम्नानुसार था :

(₹ in Crore)

31 मार्च, 2017 को शेष राशि	6179.87
निर्धारित इम्पेयरमेन्ट क्षति	1100.57
राइट ऑफ की गई राशि / निकासी राशि	(507.02)
31 मार्च, 2018 को शेष राशि	**6773.42**

कंपनी डीपीई दिशानिर्देशों के अनुमोदन के साथ कंपनी की निवेश नीति से निवेश करती है। नकद और नकद समकक्षों और सावधि जमा पर क्रेडिट जोखिम बहुत सीमित है।

(ज) लिक्विडिटी जोखिम

कंपनी देयताओं की पूर्ति के लिए सावधि जमा सहित पर्याप्त नकद एवं नकद समतुल्य रखकर लिक्विडिटी जोखिम का प्रबंधन करती है। सुदृढ़ नकदी प्रबंधन प्रणाली और नकद प्राप्ति की नियमित मॉनिटरिंग से प्रबंधन अपनी वर्ष भर की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने की योजना बनाने तथा पर्याप्त स्रोत कायम रखने में समर्थ हो पाता है

पर्याप्त नकदी और बैंक शेष के अलावा, कंपनी को उन नकदी क्रेडिट सुविधाओं का लाभ भी मिलता है जिनका वर्ष के दौरान उपयोग नहीं हुआ।

कंपनी आंतरिक संसाधनों अर्थात् अपने प्रचालनों से उत्पन्न निधि से अपनी सभी वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।

तदनुसार, कोई लिक्विडिटी जोखिम नहीं माना जाता है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
	भीतर 1 साल	ब्यौरे के भीतर 1 साल	से अधिक 1 साल	से अधिक 1 वर्ष
व्यापार भुगतान	**10586.86**	**479.06**	8709.16	631.12
ठेकेदारों और अन्यों से जमा	**563.19**	**110.43**	510.84	102.14
वित्त पट्टा दायित्व	**45.70**	**57.18**	63.96	89.55
अन्य देय / देनदारियां				
कर्मचारी देय	**855.60**	**-**	187.11	-
अन्य देय	**765.60**	**-**	652.93	-
केम्पक्स का देय	**111.38**	**3.98**	116.61	2.57
कुल	**12928.33**	**650.65**	10240.61	825.38

(झ) बाजार जोखिम

कंपनी अपने परिचालन से कुछ मुद्रा, वस्तु, ब्याज दर के जोखिम का सामना करती। विदेशी मुद्रा जोखिम को कवर करने के लिए कंपनी के पास विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन है। वस्तु की कीमत में बड़े उतार–चढ़ाव का सामना करने में समर्थ बनाने के लिए आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों सहित सप्लाई चेन पक्षकारों के साथ नियामित रूप से दावों के माध्यम से प्राइस पास सहित फ्रेमवर्क करार किए जाते हैं।

कंपनी के पास कोई उधार नहीं है। ऑपरेशन से उत्पन्न अधिशेष निधि का निवेश पीएससू बैकों अथवा बड़े निजी बैंकों तथा सार्वजनिक क्षेत्र की म्युचुअल फंड्स की ऋण आधारित योजनाओं में ही किया जाता है, जिससे जोखिम की संभावना कम से कम होती है।

(जे) विदेशी मुद्रा जोखिम अनावरण – रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विदेशी मुद्रा जोखिम के लिए कंपनी का अनावरण निम्नानुसार हैः

(i) 31.03.2018 को रुके हुए और बकाया उपकरण शून्य (पिछले वर्ष शून्य) है

(ii) विदेशी मुद्रा एक्सपोजर जो व्युत्पन्न उपकरण द्वारा नियंत्रित नहीं हैं या अन्यथा निम्नानुसार हैंः

(एफसी मिलियन में)
(₹ करोड़ में)

विवरण	As at					
	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
	यूरो	समकक्ष भारतीय मुद्रा	यूरो	समकक्ष भारतीय मुद्रा	अन्य भारतीय मुद्रा	अन्य भारतीय मुद्रा
संपत्ति/प्राप्तियां देयताएं (अग्रिम सहित)	**484.80**	**3859.00**	504.80	3462.46	**331.18**	189.92
संपत्ति/प्राप्तियां देयताएं (अग्रिम सहित)	**118.26**	**893.75**	103.80	716.62	**308.95**	211.74
संपत्तियां (निवल देयताएं)	**366.54**	**2,965.25**	401.00	2,745.84	**22.23**	(21.82)

विवरण	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
	यूएसडॉलर	समकक्ष भारतीय मुद्रा	यूएसडॉलर	समकक्ष भारतीय मुद्रा
संपत्ति/प्राप्तियां देयताएं (अग्रिम सहित)	**499.50**	**3220.33**	477.00	3058.67
संपत्ति/प्राप्तियां देयताएं (अग्रिम सहित)	**354.57**	**2251.44**	175.50	1065.92
संपत्तियां (निवल देयताएं)	**144.93**	**968.89**	301.50	1,992.75

संवेदनशीलता विश्लेषण

लाभ या हानि पर वर्ष के अंत में यूएसडी, यूरो और अन्य लोगों के मुकाबले भारतीय रुपए को मजबूत/कमजोर करने का असर नीचे दिखाया गया है। यह विश्लेषण विदेशी मुद्रा विनिमय दर भिन्नताओं पर आधारित है जिसे रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी द्वारा उचित रूप से संभव माना जाता है। विश्लेषण पिछले वर्ष के लिए समान आधार पर किया जाता है, यद्यपि नीचे बताए अनुसार उचित रूप से संभावित विदेशी मुद्रा दर परिवर्तन भिन्न थीं।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
	सुदृढ़ीकरण	कमजोर	सुदृढ़ीकरण	कमजोर
लाभ पर प्रभाव / (हानि) – 1% परिवर्तन :				
यूरो	**29.65**	**(29.65)**	27.46	(27.46)
अमरीकी डालर	**9.69**	**(9.69)**	19.93	(19.93)
अन्य	**0.22**	**(0.22)**	(0.22)	0.22

(ञ) पूंजी प्रबंधन

कंपनी का उद्देश्य, पूंजी प्रबंधन करते समय शेयरधारकों को अधिकतम रिटर्न प्रदान करने और अन्य हितधार कों को लाभ प्रदान करने के लिए अपनी पूंजी की रक्षा, संरक्षण, संरक्षण और वृद्धि करनाहै। निदेशक मंडल भी इक्विटी शेयर धारकों को लाभांश के स्तर पर नज़र रखता है। कंपनी आमतौर पर उद्योग के साथ–साथ रेटिंग एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई वित्तीय अनुपात के आधार पर, मध्यम अवधि के दृश्य और दीर्घ कालिक दृश्यका उपयोग कर के पूंजी पर नज़र रखती है। कंपनी बाहरी रूप से लगाए गए पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है। मजबूत क्रेडिट रेटिंग बनाए रखने के लिए कंपनी की पूंजी संरचना को विभिन्न वित्तीय अनुपातों के खिलाफ प्रबंधित किया जाता है। निदेशक मंडल पूंजी पर वापसी की निगरानी करता है।

पूंजी पर कंपनी की वापसी वित्तवर्ष 2017–18 के लिए 2.47% है जो वित्त वर्ष 2016–17 के लिए 1.54% की तुलना में है।

(ट) पूंजी प्रबंधन

कंपनी का उद्देश्य, पूंजी प्रबंधन करते समय शेयरधारकों को अधिकतम रिटर्न प्रदान करने और अन्य हितधार कों को लाभ प्रदान करने के लिए अपनी पूंजी की रक्षा, संरक्षण, संरक्षण और वृद्धि करना है। निदेशक मंडल भी इक्विटी शेयर धारकों को लाभांश के स्तर पर नज़र रखता है। कंपनी आमतौर पर उद्योग के साथ–साथ रेटिंग एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई वित्तीय अनुपात के आधार पर, मध्यम अवधि के दृश्य और दीर्घकालिक दृश्य का उपयोग कर के पूंजी पर नज़र रखती है। कंपनी बाहरी रूप से लगाए गए पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है। मजबूत क्रेडिट रेटिंग बनाए रखने के लिए कंपनी की पूंजी संरचना को विभिन्न वित्तीय अनुपातों के खिलाफ प्रबंधित किया जाता है। निदेशक मंडल पूंजी पर वापसी की निगरानी करता है।

पूंजी पर कंपनी की वापसी वित्त वर्ष 2017–18 के लिए 2.47% है जो वित्त वर्ष 2016–17 के लिए 1.54% की तुलना में है।

19 सेबी (लिस्टिंग दायित्वों और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015, के अनुसार, कंपनी द्वारा ऋण के रूप में दिए गए ऋण की प्रकृति में ऋण और अग्रिम के आवश्यक विवरण नीचे दिए गए हैं:

i) सहायक कंपनी के संबंध में:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीनें लिमिटेड		
ऋण के रूप में दिए गए और अग्रिम में बकाया ऋण के रूप में दिए गए ऋण ओर अग्रिम की अधिकतम राशि	**3.00**	3.00
वर्ष के दौरान बकाया	**3.00**	3.00

ii) कोई ऋण नहीं दिया गया है (कर्मचारियों को ऋण को छोड़कर), जिसमें कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है या पुनर्भुगतान सात साल से अधिक है और

iii) फर्मों / कंपनियों को ऋण की प्रकृति में कोई ऋण और अग्रिम नहीं है, जिसमें निदेशकों की रुचि है।

20 ऑपरेटिंग साइकिल के रूप में 12 महीने की अवधि पर विचार करते हुए संपत्ति और देयताओं को वर्तमान (करंट) और गैर–वर्तमान (नॉन करंट) के बीच वर्गीकृत किया जाता है।

21. कर्मचारियों के विभिन्न कैडर के लिए वेतन संशोधन दिनांक 2017/01/01 से देय है। अधिकारियों के संबंध में, वर्ष के दौरान राष्ट्रपति के निर्देश के मुद्दे के अनुसार, देयता कर्मचारी लाभ के हिस्से के रूप में प्रदान की गई है।पर्यवेक्षकों और श्रमिकों के लिए, मजदूरी / वेतन संरचना के लंबित समझौते को अंतिम रूप देने के लिए, 31.03.2018 तक 760 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।

22. साल के अंत में ऋण दर (एमसीएलआर) / 8.30% (पिछले वर्ष /9.25%) की मामूली लागत पर उचित मूल्य और दीर्घकालिक प्रावधानों के वर्तमान मूल्य के लिए विचार किया गया है।

23. बीएचईएल पर, विभिन्न कारणों रणनीतिक कारणों जैसे पर्यावरण अनुमति, ईंधन संबंधी, भूमि अधिग्रहण, फंड बाध्यताओं, प्रकृतिक आपदाओं, बीएचईएल द्वारा रणनीतिक कारणों से, 27 परियोजनाओं पर लगाई गई रोक के कारण (अग्रिम समायोजन के बाद) (पिछले वर्ष 2119 करोड़ रुपये), 2197.00 करोड़ रुपये के शुद्ध बकाया ऋण हैं। । इन परियोजनाओं में 711 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 777 करोड़ रुपये) का एफजी / डब्ल्यूआईपी भी पड़ा है। इस संबंध में दिशानिर्देशों के अनुरूप इन परियोजनाओं के लिए 31.03.2018 तक बकाया ऋण के लिए 1,655 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 1618 करोड़ रुपये) और इनवेंटरी के लिए 225 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 180 करोड़ रुपये) का प्रावधान किया गया है। मानकों में संशोधन 1 अप्रैल, 2012 से प्रभावी

24. अप्रैल 1,2017 से प्रभावी इंडस्ट्रीज़ एएस 7 में संशोधन का, कैश फ्लो के स्टेटमेंट और इंड एएस में 102 शेयर आधारित भुगतान वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव / प्रकटीकरण नहीं है क्योंकि इसमें कोई ऐसा लेनदेन नहीं है।

25. (1 अप्रैल, 2018 से प्रभावी) कंपनियों (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2018 के हिस्से के रूप में हालिया लेखांकन कथन (प्रभावी अप्रैल 1, 2018) कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने 28 मार्च, 2018 को इंडस्ट्रीज़ एएस 21 (विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन के प्रभाव) और इंडेक्स 115 (ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व) में संशोधन अधिसूचित किया है।

इंड एएस 21 के परिशिष्ट बी "विदेशी मुद्रा लेनदेन और अग्रिम भुगतान" लेनदेन की तारीख को संबंधित संपत्ति, व्यय या आय की प्रारंभिक मान्यता निर्धारित करने के उद्देश्य से लेनदेन की तारीख को स्पष्ट करता है, जब किसी इकाई को विदेशी मुद्रा में एक अग्रिमभुगतान प्राप्त होता है या भुगतान किया जाता है।

इंडएएस 115 इंडस्ट्रीज– ग्राहकोंकेसाथअनुबंधसेराजस्वः नए मानक मौजूदा राजस्व मान्यता मानकों इंड एएस 11 (निर्माण अनुबंध) और इंड एएस 18 (राजस्व) का स्थान लेते हैं।

26. आंकड़े दो दशमलवों के साथ करोड़ रुपए के निकटतम लिए गए है ।

27. जहां भी आवश्यक माना गया, पिछले वर्ष के आंकड़े फिर से व्यवस्थित/पुनर्गठित किए गए हैं।

28. अन्य सूचना (स्वैच्छिक)

क बिक्री, प्रारंभिक स्टॉक एवं अंतिम स्टॉक

(₹ करोड़ में)

उत्पाद	वर्ष 2017–18,के दौरान बिक्री	01अप्रैल, 2017 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	31मार्च, 2018 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक
एचईपी, भोपाल			
स्विच गियर, कंट्रोल गियर, रेक्टिफायर, कैपेसिटर्स			
स्विचगियर –11 के.वी. से 220 के.वी. उच्च गति एयर ब्लास्ट सर्किट ब्रेकर्स	213.68 (221.86)	0.00 (0.92)	0.00 (0.00)
एसी, डीसी एवं डीजल सिस्टम के लिए ट्रैक्शन कंट्रोल गियर	130.58	0.00	0.00
	(146.55)	(0.00)	(0.00)
इलेक्ट्रॉनिक्स सहित रेक्टिफायर	61.40	0.00	0.00
	(68.16)	(0.11)	(0.00)
बुशिंग्स	31.60	0.39	0.31
	(35.27)	(0.41)	(0.39)
कंट्रोल पैनल	31.40	0.01	0.02
	(39.96)	(0.23)	(0.01)
कैपेसिटर्स	14.81	2.06	1.36
	(21.51)	(3.32)	(2.06)
औद्योगिक कंट्रोल गियर	6.11	0.00	0.00
	(5.91)	(0.00)	(0.00)
ट्रांसफॉर्मर्स			
400 के.वी. तक के पावर ट्रांसफॉर्मर्स	718.13	79.45	39.23
	(784.36)	(30.86)	(79.45)
इन्स्ट्रुमेंट, वेल्डिंग, ट्रांसफॉर्मर्स तथा रिएक्टर्स	24.48	2.80	0.88
	(29.06)	(4.98)	(2.80)
औद्योगिक एवं ट्रैक्शन मशीनें			
एसी, डीसी एवं डीजल प्रणाली, मुख्य/सहायक जेनरेटरों के लिए ट्रैक्शन मोटरें	489.29 (503.99)	0.56 (8.52)	0.23 (0.56)
औद्योगिक मशीनें, 1000 एच.पी. तक की एसी मोटर, सभी प्रकार की डीसी मोटर तथा जेनरेटर	125.20	16.20	14.26
	(178.69)	(29.61)	(16.20)

(₹ करोड़ में)

उत्पाद	वर्ष 2017–18 के दौरान बिक्री	01 अप्रैल, 2017 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	31 मार्च, 2018 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक
हेवी रोटेटिंग प्लांट तथा टर्बाइन			
वाटर व्हील एल्टरनेटर्स तथा वाटर टर्बाइन	926.49	18.87	13.11
	(811.92)	(22.03)	(18.87)
मिनी माइक्रो टर्बाइन एवं जेनरेटर	208.00	6.44	12.53
	(287.38)	(8.76)	(6.44)
1000 एच.पी. से ऊपर की बड़ी इलेक्ट्रिकल मशीनें	252.59	21.80	18.70
	(245.31)	(33.81)	(21.80)
टर्बो एल्टरनेटर्स एवं स्टीम टर्बाइन	234.42	1.88	8.42
	(427.13)	(20.83)	(1.88)
हीट एक्सचेंजर्स	65.77	3.14	3.69
	(93.65)	(12.29)	(3.14)
अन्य	48.35	0.00	0.04
	(78.61)	(0.04)	(0.00)
पूर्ण योग	**3582.30**	**153.60**	**112.78**
	(3979.32)	(176.72)	(153.60)
टीपी, झांसी			
पावर ट्रांसफॉर्मर्स एवं विशेष ट्रांसफॉर्मर्स	419.18	0.00	0.00
	(481.54)	(0.00)	(0.00)
फ्रेट लोको ट्रांसफॉर्मर्स	100.36	1.24	0.00
	(92.81)	(0.00)	(1.24)
ईएसपी ट्रांसफॉर्मर्स	97.26	0.00	0.00
	(59.58)	(0.00)	(0.00)
ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर	59.51	0.00	0.00
	(41.12)	(0.00)	(0.00)
अन्य / विविध	25.91	0.00	0.00
	(25.49)	(0.00)	(0.00)
डीजल शंटर्स	19.22	0.00	0.00
	(36.72)	(0.00)	(0.00)
इन्स्ट्रुमेंट ट्रांसफॉर्मर्स	16.45	0.00	0.00
	(18.61)	(0.00)	(0.00)
एसीईएमयू ट्रांसफॉर्मर	1.59	0.00	0.00
	(-6.90)	(0.00)	(0.00)
बस डक्ट	0.42	0.00	0.00
	(0.02)	(0.00)	(0.00)
पूर्ण योग	**739.90**	**1.24**	**0.00**
	(748.99)	(0.00)	(1.24)

(₹ करोड़ में)

उत्पाद	वर्ष 2017–18 के दौरान बिक्री	01 अप्रैल, 2017 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	31 मार्च, 2018 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक
एचईईपी, हरिद्वार			
टर्बो सेट			
टर्बाइन मोड्यूल्स	1638.11	240.71	214.16
टर्बो जनरेटर मोड्यूल्स	(2003.55)	(274.97)	(240.71)
सुपर रेपिड गन माउंट	175.78	4.72	0.00
	(103.87)	(0.00)	(4.72)
इलेक्ट्रिकल मशीनें	0.00	0.10	16.79
	(0.00)	(0.10)	(0.10)
अन्य	796.12	61.27	31.07
	(914.37)	(40.69)	(61.27)
उप योग	**2610.01**	**306.80**	**262.02**
	(3021.79)	(315.76)	(306.80)
एचपीबीपी, त्रिची			
बॉयलर	6397.22	433.94	236.12
	(6425.87)	(561.84)	(433.94)
वाल्व्स	526.85	38.21	31.15
	(585.36)	(62.80)	(38.21)
एटीपी	263.00	0.00	0.00
	(176.68)	(0.08)	(0.00)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय	7.04	0.00	0.00
	(9.99)	(0.00)	(0.00)
सीमलेस स्टील ट्यूब	3.23	16.82	3.62
	(1.43)	(1.52)	(16.82)
उप योग	**7197.34**	**488.97**	**270.89**
	(7199.33)	(626.24)	(488.97)
बीएपी, रानीपेट			
बॉयलर ऑग्जियलरी	1538.60	207.84	127.53
	(1870.48)	(282.99)	(207.84)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय	10.11	0.00	0.00
	(9.12)	(0.00)	(0.00)
बाह्य इरेक्शन तथा अन्य सेवाओं से आय	4.47	0.00	0.00
	(2.67)	(0.00)	(0.00)
उप योग	**1553.18**	**207.84**	**127.53**
	(1882.27)	(282.99)	(207.84)

(₹ करोड़ में)

उत्पाद	वर्ष 2017–18 के दौरान बिक्री	01 अप्रैल, 2017 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	31 मार्च, 2018 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक
एचपीईपी, हैदराबाद			
पम्प तथा हीटर	585.71	15.15	2.73
	(925.12)	(16.89)	(15.15)
बाउल मिल्स	428.52	0.00	0.00
	(453.15)	(0.00)	(0.00)
गैस टर्बाइन	298.69	9.50	0.00
	(720.44)	(9.50)	(9.50)
कंप्रेसर	286.85	3.46	2.10
	(118.66)	(3.46)	(3.46)
यूटिलिटी सेट (60 मेगावाट)	204.39	3.66	0.00
	(384.54)	(37.64)	(3.66)
लघु एवं मध्यम सेट्स	174.90	6.53	0.00
	(223.02)	(6.53)	(6.53)
ऑयल रिग्स	116.76	0.00	0.00
	(20.73)	(0.00)	(0.00)
ब्रेकर्स	5.59	0.00	0.00
	(9.78)	(0.00)	(0.00)
अन्य (सेवाएं)	42.57	0.00	
	(33.47)	(0.00)	(0.00)
पूर्ण योग	**2143.98**	**38.30**	**4.83**
	(2888.91)	(74.02)	(38.30)
आईएसजी, बैंगलुरू			
अन्य सेवाएं	982.17	0.00	0.00
	(917.34)	(0.00)	(0.00)
पूर्ण योग	**982.17**	**0.00**	**0.00**
	(917.34)	(0.00)	(0.00)
ईडीएन, बेंगलूरू			
नियंत्रक उपकरण	1323.74	17.53	10.22
	(1022.24)	(30.84)	(17.53)
फोटोवोल्टेइक्स	135.13	4.27	0.10
	(687.33)	(0.23)	(4.27)
सिमुलेटर्स (डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स)	22.54	(0.00)	(0.00)
	(38.71)	(0.00)	(0.00)
पावर डिवाइसें	1.73	0.39	0.08
	(0.04)	(0.39)	(0.39)
पूर्ण योग	**1483.14**	**22.19**	**10.40**
	(1748.32)	(31.46)	(22.19)

(₹ करोड़ में)

उत्पाद	वर्ष 2017–18 के दौरान बिक्री	01 अप्रैल, 2017 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	31 मार्च, 2018 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक
ईपीडी, बेंगलूरू			
एसपीवी	139.38	(5.86)	19.90
	(11.85)	(0.00)	(5.86)
कंट्रोल पैनल	47.37	2.22	2.16
	(85.44)	(5.17)	(2.22)
इंसुलेटर्स एवं बुशिंग	36.79	8.89	5.91
	(96.96)	(15.44)	(8.89)
सेरालिन	33.67	3.17	2.37
	(42.12)	(7.91)	(3.17)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय	0.00	0.00	0.00
	(0.24)	(0.00)	(0.00)
उप योग	**257.21**	**20.14**	**30.34**
	(236.61)	(28.52)	(20.14)
पावर ग्रुप			
इरेक्शन तथा अन्य सेवाओं एवं स्पेयर्स से आय	6443.88	-7.06	-1.29
	(4748.97)	(-53.75)	(-7.06)
उप योग	**6443.88**	**-7.06**	**-1.29**
	(4748.97)	(-53.75)	(-7.06)
आईपी, जगदीशपुर			
इंसुलेटर्स	40.00	13.04	7.23
	(88.58)	(20.22)	(13.04)
सेरालिन	16.22	0.18	4.86
	(18.81)	(5.17)	(0.18)
उप योग	**56.22**	**13.22**	**12.09**
	(107.39)	(25.39)	(13.22)

(₹ करोड़ में)

उत्पाद	वर्ष 2017–18 के दौरान बिक्री	01 अप्रैल, 2017 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	31 मार्च, 2018 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक
आईवीपी गोइंदवाल			
वॉल ब्लोअर्स	5.10	0.09	0.24
	(2.00)	(0.17)	(0.09)
गर्डर पिन कनेक्शन, गेट असेंबली, एलडीओ पम्प एवं स्लीव असेंबली	3.06	(0.00)	
	(2.11)	(0.00)	(0.00)
औद्योगिक वाल्व	0.87	12.06	6.24
	(0.51)	(14.76)	(12.06)
ईंधन पाइप कपलिंग	0.56	0.30	0.00
	(0.06)	(0.00)	(0.30)
पाइप कॉलर	0.52	0.03	0.02
	(0.03)	(0.00)	(0.03)
उप योग	**10.11**	**12.48**	**6.50**
	(4.71)	(14.93)	(12.48)
सीएफ़पी, रुद्रपुर			
बसडक्ट प्रोजेक्ट	143.42	2.71	1.22
	(133.92)	(12.14)	(2.71)
सोलर रूफ टॉप एवं पम्प	13.59	0.00	0.00
	(3.62)	(0.00)	(0.00)
उप योग	**157.01**	**2.71**	**1.22**
	(137.54)	(12.14)	(2.71)
एचईआरपी, वाराणसी			
बॉयलर/टर्बाइन एवं ऑग्जिलरी के लिए स्पेयर्स एवं रिपेयर	182.86	2.60	0.64
	(173.69)	(4.55)	(2.60)
उप योग	**182.86**	**2.60**	**0.64**
	(173.69)	(4.55)	(2.60)
ट्रांसमिशन व्यवसाय समूह			
स्पेयर्स (सेवाओं सहित)	537.66	3.33	0.00
	(591.42)	(2.49)	(3.33)
उप योग	**537.66**	**3.33**	**0.00**
	(591.42)	(2.49)	(3.33)
ईएमआरपी, मुंबई			
मरम्मत तथा परियोजना कार्य	15.19	0.06	0.06
	(13.30)	(0.06)	(0.06)
उप योग	**15.19**	**0.06**	**0.06**
	(13.30)	(0.06)	(0.06)

(₹ करोड़ में)

उत्पाद	वर्ष 2017–18 के दौरान बिक्री	01 अप्रैल, 2017 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	31 मार्च, 2018 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक
अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन			
बिक्री से आय (राजस्व मान्यता समायोजन)	-80.53	0.00	0.00
	(61.82)	(0.00)	(0.00)
उप योग	**-80.53**	**0.00**	**0.00**
	(61.82)	(0.00)	(0.00)
उद्योग क्षेत्र			
बिक्री से आय (राजस्व मान्यता समायोजन)	-3.26	-0.24	0.00
	(7.70)	(-0.12)	(-0.24)
उप योग	**-3.26**	**-0.24**	**0.00**
	(7.70)	(-0.12)	(-0.24)
पीई एवं एसडी			
थर्मल सेट	55.90	0.64	0.00
	(230.80)	(0.00)	(0.64)
गैस टर्बाइन	34.54	0.00	0.00
	(2.66)	(0.00)	(0.00)
सोलर	32.12	0.00	0.00
	(0.00)	0.00	0.00
औद्योगिक सेट	23.21	0.00	0.00
	(0.95)	(0.00)	(0.00)
कंप्रेशर्स	0.90	0.00	0.00
	(7.61)	(0.00)	(0.00)
उप योग	**146.67**	**0.64**	**0.00**
	(242.02)	(0.00)	(0.64)
आरएमएसजी			
डीजी सेट एवं इरेक्शन सेवाएं	105.22	0.00	0.00
	(131.85)	(0.00)	(0.00)
उप योग	**105.22**	**0.00**	**0.00**
	(131.85)	(0.00)	(0.00)
एचपीवीपी			
बॉयलर	73.82	25.28	23.46
	(24.51)	(26.41)	(25.28)
क्रायोजेनिक्स	0.39	0.00	0.00
	(0.00)	(0.00)	(0.00)
अन्य	29.76	0.00	0.22
	(6.50)	(0.00)	(0.00)
उप योग	**103.97**	**25.28**	**23.68**
	(31.01)	(26.41)	(25.28)

(₹ करोड़ में)

उत्पाद	वर्ष 2017–18 के दौरान बिक्री	01 अप्रैल, 2017 को तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	31 मार्च, 2018 को तैयार माल का अंतिम स्टॉक
सीएफ़एफ़पी हरिद्वार			
स्टील कास्टिंग	16.11	0.97	0.00
	(14.04)	(0.00)	(0.97)
एनएफ़ कास्टिंग्स	0.03	0.00	0.00
	(0.03)	(0.00)	(0.00)
स्टील फोर्जिंगः मध्यम	0.00	0.00	0.00
	(0.93)	(0.74)	(0.00)
उप योग	**16.14**	**0.97**	**0.00**
	(15.00)	(0.74)	(0.97)
सीएस एवं एफ़पी, जगदीशपुर			
सेटाम्पिंग फेब्रिकेशन	36.48	0.83	2.10
	(54.33)	(0.00)	(0.83)
उप योग	**36.48**	**0.83**	**2.10**
	(54.33)	(0.00)	(0.83)
अन्य	0.00	0.00	0.00
	(-7.98)	(0.00)	(0.00)
उचित मूल्य समायोजन	-178.43		
	(-95.22)		
कुल योग	**28098.42**	**1293.90**	**863.79**
	(28840.42)	**(1568.55)**	**(1293.90)**

नोटः कोष्ठक ( ) में पिछले वर्ष के आंकड़े दिए गए हैं।

(₹ करोड़ में)

ख. कीमती आयात का मूल्य	समाप्ति वर्ष	
	2017-18	2016-17
सीआईएफ़ आधार		
कच्चा माल	**1558.13**	900.98
कम्पोनेंट तथा स्पेयर पार्ट	**744.99**	2130.31
पूंजीगत माल	**24.25**	152.65
	2,327.37	3,183.94

ग. विदेशी मुद्रा में व्यय	समाप्ति वर्ष	
	2017-18	2016-17
i) रॉयल्टी	**141.53**	102.81
ii) तकनीकी जानकारी	**4.05**	3.90
iii) व्यावसायिक परामर्श शुल्क	**3.41**	8.72
iv) ब्याज तथा अन्य (विदेशी परियोजना स्थलों सहित)	**5.52**	35.88
v) लाभांश : @		
क) अप्रवासी शेयरधारकों की संख्या	**8228**	8124
ख) धारित शेयरों की संख्या	**378767708**	363057067
ग) लाभांश की सकल राशि	**29.54**	14.52
घ) जिस वर्ष से लाभांश संबंधित है	**2016-17**	2015-16
	(अंतिम लाभांश)	(अंतिम लाभांश)
अंतरिम लाभांशः @		
क) अप्रवासी शेयरधारकों की संख्या	**9127**	8314
ख) धारित शेयरों की संख्या	**489660016**	382818549
ग) लाभांश की सकल राशि	**39.17**	30.63
घ) जिस वर्ष से लाभांश संबंधित है	**2017-18**	2016-17
	(अंतरिम लाभांश)	(अंतरिम लाभांश)

@ कंपनी ने किसी भी लाभांश का भुगतान विदेशी मुद्रा में नहीं किया है। बैंकरों/अप्रवासी शेयरधारकों के पॉवर ऑफ अटॉर्नी धारकों को भुगतान कर दिया गया है और इसलिए विदेशी मुद्रा में उनको भुगतान किए गए लाभांश की वास्तविक राशि का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।

घ. कच्चे माल, कम्पोनेंट्स, भंडार एवं स्पेयर पार्ट की खपत का मूल्य	समाप्त वर्ष 2017–18	समाप्त वर्ष 2016–17
i) आयातित (सीमा शुल्क सहित)#	**2526.61**	4091.19
ii) घरेलू	**9977.47**	9437.22
iii) कुल खपत का प्रतिशत		
आयातित	**20**	30
घरेलू	**80**	70

(₹ करोड़ में)

ङ. विदेशी मुद्रा में आय	समाप्ति वर्ष 2017–18	समाप्ति वर्ष 2016–17
माल का निर्यात (एफओबी आधार)	**182.44**	292.52
इरेक्शन एवं अन्य सेवाएं	**112.36**	64.55
मानित निर्यात पर विदेशी विनिमय (घरेलू संविदाओं और एसईज़ेड निर्यात सहित)	**1014.00**	2132.48
	1,308.80	2,489.55
# जहां कहीं भी अभिलिखित हैं, सारणीबद्ध सामग्री शामिल हैं		

(₹ करोड़ में)

च. उपभोग की गई कच्ची सामग्री एवं कम्पोनेंट्स का विवरण	समाप्ति वर्ष 2017–18	समाप्ति वर्ष 2016–17
सामग्री समूह :		
फ़ेरस सामग्री	**2431.11**	2021.85
नॉन–फ़ेरस सामग्री	**333.09**	277.64
इंसुलेटिंग सामग्री	**168.29**	142.81
इंसुलेटेड केबल्स एवं मैग्नेट वायर	**26.76**	57.33
कम्पोनेंट्स	**4944.14**	5955.69
अन्य	**4214.96**	4647.49
	12118.35	13102.81

29. प्रचालन खंड

खडों की पहचान संबंधित व्यवसाय क्षेत्रों द्वारा बुक किए गए ऑर्डरों पर 'पावर' और 'उद्योग' के तौर पर की गई है। अंतर्राष्ट्रीय परिचालन समूह द्वारा बुक किए गए ऑर्डरों को यथास्थिति पावर अथवा उद्योग, जैसा भी मामला हो, में शामिल किया जाता है।

कंपनी के कार्यकारी निदेशकों की समिति (सीओएफ़डी) की पहचान मुख्य परिचालन निर्णयकर्ता (सीओडीएम) के तौर पर की गई है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए			31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए		
	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
I. खण्ड राजस्व						
क. खण्ड राजस्व	**23064.17**	**5034.25**	**28098.42**	22794.78	6045.64	28840.42
ख. परिचालन राजस्व–बाहरी	**23064.17**	**5034.25**	**28098.42**	22794.78	6045.64	28840.42
II. खण्ड परिणाम						
क खण्ड परिणाम	**2792.14**	**179.55**	**2971.69**	2534.58	244.15	2778.73
ख अनाबंटित व्यय (आय को छोड़कर)			**1132.15**			1800.29
ग वित्त लागत एवं आयकर से पूर्व लाभ (क)–(ख)			**1839.54**			978.44
घ वित्त लागत (ब्याज की अनवाईडिंग सहित)			**254.55**			350.61
ङ आयकर पूर्व शुद्ध लाभ (ग) – (घ)			**1584.99**			627.83
च आयकर			**778.39**			131.97
छ आयकर पश्चात शुद्ध लाभ			**806.60**			495.86
III परिसम्पत्तियाँ एवं देयताएं						
क खण्ड परिसंपत्तियां	**40812.18**	**8522.98**	**49335.16**	37602.38	9188.25	46790.63
ख सामान्य परिसंपत्तियां			**14453.99**			14439.57
ग कुल परिसंपत्तियां			**63789.15**			61230.20
घ खण्ड देयताएं	**24541.30**	**4799.21**	**29340.51**	23250.32	5480.91	28731.23
ङ सामान्य देयताएं			**1847.56**			204.53
च कुल देयताएं			**31188.07**			28935.76
IV अन्य जानकारी						
क पूंजी व्यय	**186.74**	**48.05**		76.70	201.27	
ख मूल्यह्रास और परिशोधन	**589.56**	**153.20**		657.83	142.15	
ग गैर– नगद व्यय (मूल्यह्रास और परिशोधन के अतिरिक्त)	**1867.25**	**319.49**		455.17	202.28	

V भौगोलिक खण्ड	भारत में	भारत से बाहर	कुल	भारत में	भारत से बाहर	कुल
1 निवल बिक्री/ परिचालनों से आय	**27411.12**	**687.30**	**28098.42**	27974.43	865.99	28840.42
2 गैर–चालू परिसंपत्तियां (पीपीई एवं अमूर्त परिसंपत्तियां)	**3247.41**	**24.19**	**3271.60**	3758.37	5.85	3764.22
3 पूंजी व्यय	**256.04**	**13.66**	**269.70**	329.48	2.98	332.46

मुख्य ग्राहक– बीएचईएल के कुल राजस्व के 10 प्रतिशत से अधिक के एक ग्राहक से राजस्व का विवरण

विवरण	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
पीएसयू	**5419.29**	**828.19**	**6247.48**	7050.71	1916.08	8966.79
रेलवे	**-**	**1157.86**	**1157.86**	-	987.29	987.29

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्य गण

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (जिसे यहां ''होल्डिंग कंपनी'' कहा जाएगा) और उसकी सहायक कंपनियों (होल्डिग कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों को एक साथ ''समूह'' कहा जाएगा) तथा तीन संयुक्त नियंत्रण वाली कंपनियों के दिए गए भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय ब्यौरे का लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2018 का समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ एवं हानि का ब्यौरा (अन्य व्यापक आय सहित), समाप्त हुए वर्ष में समेकित नकदी प्रवाह का ब्यौरा तथा लेखा नीतियां एवं अन्य विवरणात्मक सूचना (जिसे ''समेकित भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरण'' कहा जाएगा) शामिल हैं।

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन का दायित्व

कंपनी अधिनियम 2013 (जिसे ''अधिनियम'' कहा जाएगा) की आवश्यकताओं के अनुरुप इन समग्र वित्तीय विवरणों, जो अधिनियम की धारा 133 में उल्लिखित लेखा मानकों तथा कंपनी (भारतीय लेखा मानक) के यथासंशोधित नियम 2015 सहित भारत में सामान्य रुप से प्रचलित लेखा सिद्धांतों के अनुरुप समूह और उसके संयुक्त नियंत्रण वाली इकाइयों की सकल वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय प्रदर्शन (अन्य व्यापक आय सहित) एवं समेकित नकदी प्रवाह एवं इक्विटी में परिवर्तन के समेकित विवरण का सही एवं निष्पक्ष ब्यौरा देते हैं, को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। समूह में शामिल सहयोगी कंपनियों और संयुक्त नियंत्रण वाली कंपनियों के निदेशक मंडल का उत्तरदायित्व है कि वे समूह की कंपनियों की रक्षा करने और धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताएं रोकने एवं पता लगाने, उचित लेखा नीतियां चुनने एवं लागू करने, तर्कसंगत एवं दूरदर्शी निर्णय लेने एवं अनुमान लगाने और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण तैयार करने, लागू करने एवं बनाए रखने के लिए अधिनियम के उन प्रावधानों के अनुरुप पर्याप्त लेखा मानक तैयार रखें, जो लेखा रिकॉर्ड की सत्यता एवं संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रुप से काम कर रहे थे, सत्य एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण वाले वित्तीय ब्यौरे तैयार करने एवं प्रदर्शित करने के लिए प्रासंगिक थे और धोखाधड़ी एवं त्रुटि के कारण होने वाली गड़बड़ियों से मुक्त थे तथा होल्डिंग कंपनी के निदेशकों द्वारा इंड एएस वित्तीय ब्यौरे तैयार करने के लिए प्रयुक्त होते रहे हैं।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा दायित्व अपनी जांच के आधार पर इन समेकित वित्तीय विवरणों के बारे में विचार प्रकट करना है।

ऑडिट करते समय हमने अधिनियम के प्रावधानों, ऑडिटिंग मानकों तथा उन मसलों को ध्यान में रखा है, अधिनियम के प्रावधानों तथा उनके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार ऑडिट रिपोर्ट में शामिल किए जाने चाहिए।

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत उल्लिखित ऑडिटिंग मानकों के अनुसार जांच की है। इन मानकों का कहना है कि हम नैतिक आवश्यकताएं पूरी करें और ऑडिट की योजना तथा क्रियान्वयन इस प्रकार करें कि सकल वित्तीय ब्यौरे में गड़बड़ी न होने का आश्वासन मिले।

ऑडिट में समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों एवं खुलासों के बारे में ऑडिट प्रमाण प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया अपनाई जाती है। प्रक्रिया का चयन ऑडिटर के निर्णय पर आधारित होता है, जिसमें सकल वित्तीय विवरणों में जोखिम एवं गड़बड़ी, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो अथवा त्रुटि के कारण, का आकलन शामिल है। जोखिम का आकलन करते समय ऑडिटर समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने में होल्डिंग कंपनी के लिए प्रासंगिक रहे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार करता है। एक लेखापरीक्षा में लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन और होल्डिंग कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा किए गए लेखा अनुमानों की तर्कसंगतता के साथ–साथ समेकित इंडस्ट्रीज़ के वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल है।

हम मानते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए ऑडिट प्रमाण एवं अन्य ऑडिटरों की रिपोर्ट में दिए गए प्रमाण जो नीचे अन्य सामग्री के उप अनुच्छेद (क) में प्रस्तुत हैं, सकल वित्तीय विवरणों पर हमारे ऑडिट विचार को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त एवं उचित हैं।

राय

हमारे विचार में और हमारी जानकारी तथा हमें प्रदान किए गए विवरण के अनुसार उपरोक्त समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय ब्यौरे में अधिनियम के अंतर्गत अपेक्षित जानकारी को अपेक्षित तरीके से प्रस्तुत किया गया है और भारत में भारतीय लेखा मानक सहित सामान्य रुप से प्रचलित लेखा सिद्धांतों के अनुरुप 31 मार्च, 2018 को समूह एवं इसके संयुक्त नियंत्रण वाली इकाइयों की स्थिति (वित्तीय स्थिति) तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष में उनके समेकित लाभ (वित्तीय प्रदर्शन सहित अन्य व्यापक आय) सकल नकदी प्रवाह एवं इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण की सही और उचित जानकारी दी गई।

अन्य मामले

(क) हमने एक सहायक कंपनी जिसका वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2018 को उस दिन समाप्त हुए वर्ष में ₹21.95 करोड़ की कुल परिसंपत्ति, (–) ₹8.27 करोड़ की शुद्ध संपत्ति, ₹14.53 का कुल राजस्व और ₹1.35 करोड़ का शुद्ध नकदी प्रवाह दिखा रहे हैं, जैसा कि समेकित भारतीय लेखा मानक में दर्शाया गया है, के वित्तीय विवरणों की जांच नहीं की है।

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए समूह का शेयर ₹23.81 करोड़ का शुद्ध लाभ एवं ₹0.17 करोड़ की अन्य व्यापक आय का विवरण भी शामिल है, जैसा कि इन संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों (एक सहायक एवं एक संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई) के संबंध में समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में उद्धृत है। इन वित्तीय विवरणों की जांच अन्य ऑडिटरों ने की है, जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन ने हमारे समक्ष प्रस्तुत की और समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में इन सहायक कंपनियों तथा संयुक्त नियंत्रण वाली कंपनियों के बारे में बताई गई राशियों तथा प्रकटन के बारे में हमारे विचार एवं अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (3) और (11) के अंतर्गत उन सहायक कंपनियों तथा संयुक्त नियंत्रण वाली कंपनियों के बारे में हमारी रिपोर्ट पूरी तरह अन्य ऑडिटरों की रिपोर्ट पर आधारित है।

(ख) समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में हमने इन संयुक्त नियंत्रण वाली दो इकाइयों के वित्तीय विवरणों की जांच नहीं की है। समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए समूह के लिए ₹414.58 की शुद्ध हानि एवं ₹ शून्य की अन्य व्यापक आय है जैसा कि इन संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों के संबंध में समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में उद्धृत है। इन वित्तीय विवरणों को ऑडिट कराए बिना ही प्रबंधन ने हमारे समक्ष प्रस्तुत किया और समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों में संयुक्त नियंत्रण वाली इन कंपनियों से संबंधित राशियों तथा खुलासों के बारे में हमारे विचार एवं अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (3) और (11) के अंतर्गत उन सहायक कंपनियों तथा संयुक्त नियंत्रण वाली कंपनियों के बारे में हमारी रिपोर्ट पूरी तरह बिना ऑडिट किए विवरणों पर आधारित है।

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों पर हमारे विचार तथा अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं पर हमारी रिपोर्ट में अन्य ऑडिटरों द्वारा किए गए कार्य और उनकी रिपोर्ट तथा प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरणों पर निर्भरता के कारण कोई संशोधन नहीं किया गया है।

बीएचईएल के संयुक्त उद्यम पावर प्लांट परफ़ोर्मैंस इंप्रूवमेंट्स लिमिटेड के लेखों को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि उपरोक्त कंपनी परिसमाप्त की जा रही है और इक्विटी निवेश की पूरी राशि उपलब्ध कराई गई है। दादा धुनीवाले खांडवा पावर लिमिटेड के खातों को भी समेकित नहीं किया गया है क्योंकि कहा गया है कि कंपनी परिसमापन के तहत है और शेयर में नुकसान के लिए निवेश प्रदान किया गया है। शेष राशि बाद में उपलब्ध कराई जाएगी।

अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143(3) की अपेक्षानुसार, हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर और "अन्य मामलों" अनुच्छेद में उल्लिखित सहायक संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के विचार करने पर, जहां तक लागू है, हमारी रिपोर्ट है कि:

(क) हमने वे सभी सूचनाएं एवं विवरण मांगे एवं प्राप्त किए हैं, जो हमारे विचार और जानकारी के अनुसार उपरोक्त समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की जांच के उद्देश्य से आवश्यक हैं।

(ख) हमारे विचार में उपरोक्त समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण तैयार करने के कानून द्वारा आवश्यक उचित बही–खाते अभी तक संभालकर रखे गए हैं, जैसा उन बहियों की जांच तथा दूसरे ऑडिटरों की रिपोर्ट से प्रतीत होता है।

(ग) इस रिपोर्ट में समेकित तुलन पत्र, लाभ एवं हानि के सकल विवरण (अन्य व्यापक आय सहित) तथा नकदी प्रवाह के समेकित विवरण तथा इक्विटी में परिवर्तन के सकल ब्यौरे के साथ समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों को तैयार करने के प्रयोजन के लिए बनाई गई लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

(घ) हमारे विचार से उपरोक्त समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्दिष्ट लेखा मानकों तथा यथासंशोधित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 एवं अन्य भारत में समान्यतया स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के अनुरुप हैं।

(ङ) कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा दिनांक 05–06–2015 को जारी अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 463 (ई) के अनुसार निदेशक के अयोग्यता के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) के प्रावधान सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी के लिए लागू नहीं हैं;

(च) भारत में होल्डिंग कंपनी, इसकी सहायक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता एवं इस तरह के नियंत्रण के संचालन प्रभावशीलता के संबंध में, हमारी अलग रिपोर्ट "अनुलग्नक क" का संदर्भ लें;

(छ) कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुरुप ऑडिटर की रिपोर्ट में यथासंभव शामिल अन्य मामलों के बारे में हमारी राय और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार एवं "अन्य मामलों" अनुच्छेद में उल्लिखित अलग–अलग वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के

साथ–साथ सहायक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं की अन्य वित्तीय जानकारी के विचार के आधार पर;

(i) समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण समूह एवं संयुक्त नियंत्रण वाली इकाइयों की सकल वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटन करते हैं – समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों के नोट 39(2) देखें।

(ii) दीर्घकालिक अनुबंधों में यदि कोई अनुमानित हानि है तो उसके लिए समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण में संबंधित कानून अथवा भारतीय लेखा मानकों के अनुसार आवश्यक प्रावधान कर दिए गए हैं – इन मदों के संदर्भ में सकल वित्तीय विवरणों का नोट 39(15) देखें। चूंकि यह समूह तथा संयुक्त नियंत्रण वाली कंपनियों से संबंधित हैं। और

(iii) होल्डिंग कंपनी तथा भारत में बनी उसकी सहायक कंपनियाँ तथा संयुक्त नियंत्रण वाली कंपनियों को निवेशक शिक्षा एवं संरक्षा कोष में जहां भी रकम हस्तांतरित करने की आवश्यकता थी, वहां हस्तांतरण में विलंब नहीं किया गया।

डीएसपी एंड एसोसिएट्स के लिए	**धवन एंड कंपनी के लिए**	**महेश सी. सोलंकी एंड कंपनी के लिए**
चार्टर्ड अकाउंटेंट	चार्टर्ड अकाउंटेंट	चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन–006791एन	**एफआरएन–002864एन**	**एफआरएन–006228एन**
(सीए संजय जैन)	**(सीए दीपक कपूर)**	**(सीए रितेश कुमार जैन)**
साझेदार	साझेदार	साझेदार
सदस्यता संख्या 084906	**सदस्यता संख्या 072302**	**सदस्यता संख्या 077026**

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : मई 29, 2018

अनुबंध ''क''

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरण पर समसंख्यक तारीख की स्वतंत्र लेखा

कम्पनी अधिनियम, 2013 (''अधिनियम'') की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी की समेकित भारतीय लेखा मानक विवरण का हमारी लेखापरीक्षा के साथ संयोजन में हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बाद में ''होल्डिंग कंपनी'' कहा गया है) की उस तारीख के रूप में वित्तीय रिपोर्टिंग पर वित्तीय आंतरिक नियंत्रण की लेखापरीक्षा की है। हमने एक सहायक और तीन संयुक्त नियंत्रण के अधीन कम्पनियों की लेखापरीक्षा नहीं की। इनमें से एक सहायक और एक संयुक्त नियंत्रण के अधीन कम्पनी की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षक द्वारा की गई और अन्य दो संयुक्त नियंत्रण कम्पनियों की ऑडिट नहीं की गई है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

होल्डिंग कम्पनी का संबंधित निदेशक बोर्ड भारत में निगमित सहायक कम्पनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित कम्पनियों में कंपनी के प्रबंधन की स्थापना और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, जैसा कि भारत के इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखा परीक्षा पर गाइडेंस नोट में कहा गया है, आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंड के आंतरिक नियंत्रण पर आधारित है। इन उत्तरदायित्वों में शामिल हैं – डिजाइन, कार्यान्वयन और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण बनाए रखना, जो यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि व्यवसाय का संचालन सही और प्रभावी ढंग से किया जा रहा था, जिसके अन्तर्गत कंपनी की नीतियों का पालन, अपनी संपत्ति की सुरक्षा, रोकथाम, धोखाधड़ी और त्रुटियाँ, लेखा अभिलेखों की सटीकता, पूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी संबंधी कार्य दक्षतापूर्वक किए जा रहे थे, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अपेक्षित है।

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक राय व्यक्त करने के लिए है। हम अपना ऑडिट लेखापरीक्षा मानकों और वित्तीय रिपोर्टिंग (''गाइडेंस नोट'') पर ऑडिट के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर गाइडेंस नोट के अनुसार संचालित करते हैं, जो भारत की चार्टेड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी, और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट के लिए लागू, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट की सीमा लागू करने के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(10) के अंतर्गत निर्धारित समझी गई हों और आईसीएआई द्वारा जारी की गई हों। उन मानकों और गाइडेंस नोट की अपेक्षा है कि हम नैतिक अपेक्षाओं की पूर्ति करें और लेखापरीक्षा की योजना इस बात को ध्यान में रखकर बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें कि उचित आश्वासन प्राप्त करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और व्यवस्थित किया गया था और सभी भौतिक पहलुओं में इस तरह का प्रभावी ढंग से नियंत्रण संचालित है।

हमारी लेखापरीक्षा में हम उन प्रक्रियाओं को निष्पादित करते हैं जो पर्याप्तता और उनकी प्रचालन प्रभावकारिता के बारे में साक्ष्य प्राप्त करने के लिए हैं। हमारी आंतरिक वित्तीय लेखापरीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग को नियंत्रित करती है, जिसमे वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करना शामिल है, जिसमें सामग्री दोष के जोखिम का निर्धारण करना और निर्धारित जोखिम के आधार पर डिजाइन का परीक्षण और मूल्यांकन तथा आंतरिक नियंत्रण का प्रभावी प्रचालन शामिल है। चुनी हुई प्रक्रियाएं ऑडिटर के फैसले पर निर्भर करती हैं जिनमें वित्तीय विवरण को गलत दर्शाए जाने के जोखिम का निर्धारण भी शामिल है, चाहे कारण धोखाधड़ी या त्रुटि हो।

हम मानते हैं कि जो ऑडिट साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं और 'अन्य मामले' पैराग्राफ में नीचे दी गई अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के संदर्भ में उनके द्वारा प्राप्त किया गया लेखापरीक्षा साक्ष्य वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी ऑडिट राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर वित्तीय रिपोर्टिंग का अर्थ

किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक डिजाईन की गई प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करती है और आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी करती है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियाँ और प्रक्रियाएँ शामिल हैं जो (1) अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित, उचित विस्तार, यथार्थ और निष्पक्ष रूप से कंपनी की संपत्ति के स्वभाव को दर्शाते हैं, (2) उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि लेनदेन आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय वक्तव्यों की तैयारी की अनुमति के लिए दर्ज हो रहे हैं और वहां की प्राप्तियाँ और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और कंपनी के निदेशक प्राधिकरण के अनुसार किया जा रहा है और (3) के बारे में उचित आश्वासन रोकथाम या अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या कंपनी की संपत्ति के स्वभाव के समय का पता लगाने, जो वित्तीय बयान पर एक भौतिक प्रभाव हो सकता है, प्रदान करते हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएँ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाओं के कारण हैं, जिनमें पता न लगाए जा सकने वाले, धोखाधड़ी होने पर या त्रुटि के कारण प्रत्यक्ष मिसस्टेटमेंट, मिलीभगत या नियंत्रण का ओवरराइड अनुचित प्रबंधन की संभावना शामिल हैं। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि स्थितियों में बदलाव के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों अथवा प्रक्रियाओं के अनुपालन में कमी आ सकती हैं।

राय

हमारी राय में होल्डिंग कंपनी, इसकी एक सहायक कम्पनी और तीन संयुक्त रुप से नियंत्रित कंपनियाँ जो भारत में निगमित है, में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और सभी प्रत्यक्ष मामलों में वित्तीय रिपोर्टिंग पर इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण, 31 मार्च, 2018 को प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो भारतीय इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा जारी की गई आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर गाइडेंस नोट में कहे आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करके कंपनी द्वारा स्थापित मानदंड वित्तीय रिपोर्टिंग के आंतरिक नियंत्रण पर आधारित हैं।

अन्य मामले

वित्तीय रिर्पोटिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और प्रचालन प्रभावकारिता के संबंध में अधिनियम की धारा 143 (3)(i) के अंतर्गत हमारी उपर्युक्त रिपोर्टों की एक सहायक कम्पनी और तीन संयुक्त रूप से नियंत्रित कम्पनियाँ जो भारत में निगमित हैं, से जहाँ तक संबंध है, ये भारत में निगमित एक संयुक्त रूप से नियंत्रित कम्पनी तथा एक सहायक कंपनी के लेखा परीक्षक की संगत रिपोर्ट और भारत में निगमित अन्य दो संयुक्त रूप से नियंत्रित कम्पनियों के प्रबंधन प्रमाण–पत्र पर आधारित हैं।

डीएसपी एंड एसोसिएट्स के लिए	**धवन एंड कंपनी के लिए**	**महेश सी. सोलंकी एंड कंपनी के लिए**
चार्टर्ड अकाउंटेंट	चार्टर्ड अकाउंटेंट	चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन–006791एन	**एफआरएन–002864एन**	**एफआरएन–006228एन**
(सीए संजय जैन)	**(सीए दीपक कपूर)**	**(सीए रितेश कुमार जैन)**
साझेदार	साझेदार	साझेदार
सदस्यता संख्या 084906	**सदस्यता संख्या 072302**	**सदस्यता संख्या 077026**

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : मई 29, 2018

No. MAB-III/Rep/01-54/Acs-BHEL/2018-19/381

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
एवं पदेन सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड-III
नई दिल्ली
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Commercial Audit
& Ex-Officio Member, Audit Board-III
New Delhi

Dated: 11/7/2018

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
भारत हेवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड,
नई दिल्ली

महोदय,

विषय: 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिय भारत हेवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड के Consolidated Financial Statements (CFS) पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) एवं धारा 129(4) के अन्तर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियॉं

मै भारत हेवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड के 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के Consolidated Financial Statements (CFS) पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) एवं धारा 129(4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ अग्रेषित कर रहा हूँ। कृपया इस पत्र की संलग्नकों सहित प्राप्ति की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

संलग्नः यथोपरि

विक्रम डी. मुरुगराज
11.07.18

(विक्रम डी. मुरुगराज, I.A.&A.S.)
प्रधान निदेशक

छठा एवं सातवाँ तल, सी.ए.जी. भवन एनेक्सी, 10, बहादुरशाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002
6th & 7th Floor, C.A.G. Building Annexe, 10, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110002
Tel. : 011-23239213, 23239235 Fax : 011-23239211 Email : mabnewdelhi3@cag.gov.in

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) READ WITH SECTION 129(4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT HEAVY ELECTRICALS LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2018

The preparation of consolidated financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2018 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the Company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 139(5) read with Section 129(4) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under Section 143 read with Section 129(4) of the Act, based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under Section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 29 May 2018.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 143(6)(a) read with Section 129(4) of the Act of the consolidated financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2018. We conducted a supplementary audit of the financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited, but did not conduct supplementary audit of the financial statements of subsidiaries, associate companies and jointly controlled entities listed in Annexure I for the year ended on that date. Further, Section 139(5) and 143(6)(b) of the Act are not applicable to BHEL-GE Gas Turbine Services Limited, being a private entity for appointment of their statutory auditor nor for conduct of supplementary audit. Accordingly, C&AG has neither appointed the statutory auditor nor conducted the supplementary audit of the Company. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Vikram D. Murugaraj
11.07.18

(Vikram D. Murugaraj)
Principal Director of Commercial Audit &
Ex-officio Member, Audit Board – III,
New Delhi

Place: New Delhi
Dated: 11 July 2018

ANNEXURE I

List of subsidiaries, associate companies and jointly controlled entities whose financial statements were not audited by the Comptroller and Auditor General of India

A. Subsidiaries Companies

1. BHEL Electrical Machines Limited

B. Joint Ventures Companies

1. NTPC-BHEL Power Projects Private Limited
2. Raichur Power Corporation Limited

31 मार्च 2018 को समेकित बैलेंस शीट

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
क परिसंपत्तिया					
(1) गैर चालू परिसंपत्तियां					
क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	2a		2981.90		3496.43
ख) पूंजीगत कार्य चालू है	2b		194.53		159.51
ग) अमूर्त परिसंपत्तियां	3a		91.31		104.76
घ) अमूर्त परिसंपत्तियां विकासशील हैं	3b		8.23		8.83
ड) निवेश इक्विटी विधि का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार है	4		409.05		753.20
च) वित्तीय परिसंपत्तियां					
(i) निवेश	4a	19.92		3.93	
(ii) पाने लायक कारोबार	5	12723.29		9789.14	
(iii) ऋण	6	84.28		78.04	
(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	7	0.02	12827.51	0.16	9871.27
छ) स्थगित कर परिसंपत्तियां (कुल देनदारियों)	8		3632.43		3846.19
ज) अन्य गैर–चालू परिसंपत्ति	9		206.27		203.30
कुल गैर–चालू परिसंपत्तियां			20351.23		18443.49
2) चालू परिसंपत्तियां					
क) सूची	10		6263.15		7379.67
ख) वित्तीय परिसंपत्तियां					
(i) पाने लायक कारोबार	11	22772.11		22077.58	
(ii) नकद एवं नकद समतुल्य	12a	2768.81		1485.92	
(iii) उपरोक्त (ii) को छोड़कर बैक शेष	12b	8522.78		9007.63	
(iv) ऋण	13	144.39		135.78	
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	14	153.26	34361.35	219.02	32925.93
ग) चालू कर परिसंपत्तियां (कुल प्रावधान)	15		222.94		873.09
घ) अन्य चालू परिसंपत्तियां	16		2346.01		1725.27
कुल चालू परिसंपत्तियां			43193.45		42903.96
कुल चालू परिसंपत्तियां			63544.68		61347.45
ब) इक्विटी एवं दायिताएं					
1. इक्विटी					
क) इक्विटी शेयर पूंजी	17		734.28		489.52
ख) अन्य इक्विटी (एसओसीआईई का संदर्भ ग्रहण करें)			31600.71		31899.47
			32334.99		32388.99
अनियंत्रित ब्याज (एसओसीआईई का संदर्भ ग्रहण करें)			(4.05)		(1.08)
कुल इक्विटी			32330.94		32387.91

31 मार्च 2018 को समेकित तुलन पत्र

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
देयताएं					
2) गैर चालू देयताएं					
क) वित्तीय देयताएं					
(i) आदाता	18	57.18		89.55	
(ii) व्यापार देय	19	481.75		633.10	
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	114.41	653.34	104.71	827.36
ख) प्रावधान	21		4984.89		5006.19
ग) अन्य गैर चालू देयताएं	22		3364.06		2983.36
कुल गैर–चालू संपत्तियां			9002.29		8816.91
3) चालू देयताएं					
क) वित्तीय देयताएं					
(i) आदाता	23	10.28		6.03	
(ii) व्यापार देय	24	10589.25		8715.88	
(iii) अन्य वित्तीय दायिताएं	25	2342.45	12941.98	1532.39	10254.30
ख) प्रावधान	26		3729.30		4193.78
ग) अन्य चालू देयताएं	27		5540.17		5694.55
कुल चालू देयताएं			22211.45		20142.63
कुल देयताएं			31213.74		28959.54
कुल इक्विटी एवं देयताएं			63544.68		61347.45
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	1				

संलग्न टिप्पणियां 1 से 39 वित्तीय विवरण का अभिन्न अंग हैं

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)

(अतुल सोबती)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

डीएसपी एंड एसोसिएटस हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006791एन

(सीए. संजय जैन)
साझेदार
एम. सं. 084906

धवन एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–002864एन

(सीए. दीपक कपूर)
साझेदार
एम. सं. 072302

महेश सी. सोलंकी एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006228सी

(सीए. रितेश कुमार जैन)
साझेदार
एम. सं. 077026

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का समेकित विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
आय					
प्रचालन से राजस्व (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)	28		28827.48		28629.44
जोड़ेः उत्पाद शुल्क			247.98		1102.06
प्रचालन से राजस्व (उत्पाद शुल्क के साथ)			29075.46		29731.50
अन्य आय	29		678.01		753.19
कुल आय			29753.47		30484.69
खर्च					
सामग्री खपत, इरेक्सन, एवं इंजीनियरिंग खर्च	30		15907.27		16590.68
तैयार माल की सूची में परिवर्तन तथा कार्य चालू है	31		739.00		992.94
उत्पाद शुल्क			135.04		1254.47
कर्मचारी लाभ खर्च	32		6034.68		5402.71
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री एवं वितरण खर्च	33		2155.94		3013.33
प्रावधान	34		2240.24		1445.38
वित्त लागत	35		255.16		351.30
मूल्यह्रास और परिशोधन खर्च	2.1/3.1		787.33		849.79
घटाएं : आंतरिक उपयोग हेतु किए गए कार्य की लागत			106.82		25.04
कुल खर्च			28147.84		29875.56
असाधारण मदों एवं कर से पूर्व लाभ/(हानि)			1605.63		609.13
इक्विटी विधि का उपयोग करने के लिए संयुक्त उद्यमों के शुद्ध लाभ/(हानि) का शेयर विचार			(390.76)		(23.56)
कर से पूर्व लाभ/हानि			1214.87		585.57
कर खर्च	36				
क) चालू कर		578.67		298.35	
ख) आस्थगित कर		198.01	776.68	(167.96)	130.39
निरंतर संचालन से वर्ष के लिए लाभ			438.19		455.18
अन्य व्यापक आय					
वह वस्तु जिसे लाभ या हानि (कुल कर) के लिए वर्गीकृत नहीं किया जाएगा	37		83.30		(28.56)
इक्विटी विधि का उपयोग करने के लिए ओसीआई और जेवी के शेयर पर विचार			0.18		(0.14)
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय			521.67		426.48
निम्नलिखित के कारणः					
अभिभावक का इक्विटी धारक			524.63		428.34
अनियंत्रण ब्याज			(2.96)		(1.86)
			521.67		426.48

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का समेकित विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	नोट	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
वर्ष का कुल व्यापक आय			
निम्नलिखित के कारण:			
अभिभावक का इक्विटी धारक		**83.47**	(28.92)
अनियंत्रित ब्याज		**0.01**	0.22
		83.48	(28.70)
वर्ष का कुल लाभ			
अभिभावक का इक्विटी धारक		**441.16**	457.26
अनियंत्रित ब्याज		**(2.97)**	(2.08)
		438.19	455.18
प्रति इक्विटी शेयर की आय	**38**		
1) आधारभूत		**1.19**	1.24
2) डाइल्युटेड		**1.19**	1.24
प्रति शेयर मूल्य (INR)		**2.00**	2.00
महत्वपूर्ण लेखाकरण नितियां	**1**		

1 से 39 मे दी गई टिप्पणियां वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग है

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)

(अतुल सोबती)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

डीएसपी एंड एसोसिएटस हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006791एन

(सीए. संजय जैन)
साझेदार
एम. सं. 084906

धवन एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–002864एन

(सीए. दीपक कपूर)
साझेदार
एम. सं. 072302

महेश सी. सोलंकी एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006228सी

(सीए. रितेश कुमार जैन)
साझेदार
एम. सं. 077026

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष का इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण (एसओसीआईई)

क. इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

इक्विटी शेयर INR का 2 प्रति जारी, सब्सक्राइब्ड एवं पूर्ण चुकता किया गया	शेयरों की संख्या		राशि	
	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17
अवधि के प्रारंभ में शेष	2,447,600,000	2,447,600,000	489.52	489.52
लाभ शेयर जारी	1,223,800,000	-	244.76	-
अवधि के अंत में शेष	3,671,400,000	2,447,600,000	734.28	489.52

ख. अन्य इक्विटी

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित और अधिशेष			अन्य व्यापक आय की अन्य सामग्री	कुल अन्य इक्विटी	गैर नियंत्रित ब्याज
	आरक्षित पूंजी	सामान्य आरक्षित	प्रतिधारित कमाई			
01 अप्रैल , 2017 तक शेष	35.18	32349.72	(380.15)	(105.28)	31899.47	(1.08)
जोड़ें: समायोजन (वित्तीय वर्ष 2016–17 हेतु अपरिक्षित बनाम परिक्षित लाभ/हानि	-	-	4.66	-	4.65	-
जोड़ें/(घटाएं) वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	-	-	441.33	83.30	524.63	(2.96)
घटाएं : वित्तीय वर्ष 2016–17 हेतु अंतिक लाभांश	-	-	190.92	-	190.92	-
घटाएं : 2017–18 वित्तीय वर्ष हेतु अंतरिम लाभांश	-	-	293.71	-	293.71	-
घटाएं : कारर्पोरेट लाभांश कर	-	-	98.66	-	98.66	-
घटाएं : बोनस शेयर को जारी करना	-	244.76	-	-	244.76	-
31 मार्च 2018 तक अंतिम	35.18	32104.96	(517.45)	(21.98)	31600.71	(4.05)

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष का इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण (एसओसीआईई)

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष हेतु

(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित और अधिशेष			अन्य व्यापक आय की अन्य सामग्री	कुल अन्य इक्विटी	गैर नियंत्रित ब्याज
	आरक्षित पूंजी	सामान्य आरक्षित	प्रतिधारित कमाई			
01 अप्रैल, 2016 तक शेष	**35.18**	**32349.72**	**(483.91)**	**(76.36)**	**31824.63**	**0.78**
जोड़ें/(घटाएं) वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	-	-	457.26	(28.92)	428.34	(1.86)
घटाएं : वित्तीय वर्ष 2015–16 हेतु अंतिम लाभांश	-	-	97.90	-	97.90	-
घटाएं : 2016–17 वित्तीय वर्ष हेतु अंतरिम लाभांश	-	-	195.81	-	195.81	-
घटाएं : कारर्पोरेट लाभांश कर	-	-	59.79	-	59.79	-
31 मार्च 2017 तक अंतिम शेष	**35.18**	**32349.72**	**(380.15)**	**(105.28)**	**31899.47**	**(1.08)**

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)

(अतुल सोबती)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

डीएसपी एंड एसोसिएटस हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006791एन

(सीए. संजय जैन)
साझेदार
एम. सं. 084906

धवन एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–002864एन

(सीए. दीपक कपूर)
साझेदार
एम. सं. 072302

महेश सी. सोलंकी एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006228सी

(सीए. रितेश कुमार जैन)
साझेदार
एम. सं. 077026

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित नकद प्रवाह विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
क. प्रचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाहः		
वर्ष के लिए लाभ (कर पूर्व)	**1214.87**	585.57
निम्नलिखित के लिए समायोजन		
प्रावधान (नेट)	**2198.75**	1274.23
मूल्यह्रास और परिशोधन	**787.33**	849.79
वित्त लागत (ब्याज की अनदेखी सहित)	**255.16**	351.30
उचित मूल्य समायोजन	**60.63**	(20.02)
डूबा हुआ, क्षतिग्रस्त हर्जाना और बट्टे खाते में डालना	**41.49**	171.15
इक्विटी शेयर के निवेश में अवास्तविक नुकसान	**1.01**	2.74
ब्याज और लाभांश आय	**(601.49)**	(698.36)
देनदारियां वापस लिखी गईं	**(97.01)**	(13.19)
म्यूचुअल फंड की इकाइयों की बिक्री पर लाभ	**(25.85)**	0.00
पीपीई के निपटारे पर लाभ	**(9.41)**	(2.36)
संयुक्त उद्यमों और निवेश में हानि का हिस्सा	**391.77**	23.70
कार्यशील पूंजी में बदलाव से पूर्व प्रचालन नकद लाभ	**4217.25**	2524.55
कार्यशील पूंजी में बदलाव के लिए समायोजन		
व्यापार स्वीकार योग्य	**(6340.91)**	70.00
सूची	**1000.34**	2135.10
ऋण, अग्रिम और अन्य संपत्तियां	**(667.46)**	424.60
उप–जोड़	**(6008.03)**	2629.70
व्यापार देनदारियां	**1743.92**	(90.79)
ग्राहकों, जमा और अन्य से अग्रिम	**1179.67**	(2150.12)
प्रावधान	**(186.89)**	(1764.03)
उप– जोड़	**2736.70**	(4004.94)
निवल नकदी (प्रयुक्त)/कार्यशील पूंजी से	**(3271.33)**	(1375.24)
प्रचालन से उत्पन्न नकद	**945.92**	1149.31
आय करों की वापसी	**720.42**	-
आय कर प्रदत्त	**(677.27)**	(588.90)
प्रचालन गतिविधियों से कुल नकद प्रवाह	**989.07**	560.41
ख. निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर का क्रय	**(281.25)**	(353.10)
संयुक्त उद्यम में निवेश	**(74.72)**	0.00
ब्याज आय	**653.84**	616.00
आवधिक जमा मे निवेश (3 महीनों से अधिक में परिपक्वता के साथ)	**-**	(881.66)
सावधि जमा में निवेश से प्राप्त आय (3 महीनों से अधिक में परिपक्वता के साथ)	**600.45**	-
म्युचुअल फंड से प्राप्त आय	**36.67**	21.02

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित नकद प्रवाह विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभ	**14.76**	12.85
संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर की बिक्री	**11.46**	19.73
कुल रोकड़ (प्रयुक्त) निवेश गतिविधियों से	**961.21**	565.16
ग. वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह		
भुगतान किया गया लाभांश	**(484.63)**	(293.71)
लाभांश पर अतिरिक्त कर	**(98.66)**	(59.79)
वित्त लीज दायित्व का पुनर्भुगतान	**(46.16)**	(50.08)
ब्याज का भुगतान किया गया	**(37.94)**	(64.29)
निवल नकद (प्रयुक्त)/वित्तीय गतिविधियों से (नोट 3 का संदर्भ)	**(667.39)**	(467.87)
घ. नकद में एवं नकद के समतुल्य में कुल वृद्धि/(कमी)	**1282.89**	(472.62)
नोट : कुल वृद्धि/(कमी) नकद में एवं नकद के समतुल्य एवं 3 माह से अधिक सावधि जमा मे बैंक शेष	**682.44**	409.04
नकद एवं नकद समतुल्य का प्रारंभिक शेष	**1485.92**	1958.54
नकद एवं नकद समतुल्य का अंतिम शेष	**2768.81**	1485.92

1. नकद प्रवाह का विवरण जैसा कि इंडेक्स एएस 7– नकद प्रवाह का विवरण में निर्धारित किया गया है अप्रत्यक्ष विधि के तहत तैयार किया गया है।

(2) जहां भी लागू हो, पिछले वर्ष के आंकड़े पुनः समूहित / पुनः वर्गीकृत किए गए हैं

(3) वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह में, वर्ष के दौरान कोई गैर नकद वस्तु नहीं है

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

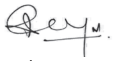
(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)

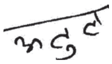
(अतुल सोबती)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

डीएसपी एंड एसोसिएटस हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006791एन

(सीए. संजय जैन)
साझेदार
एम. सं. 084906

धवन एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–002864एन

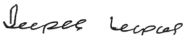
(सीए. दीपक कपूर)
साझेदार
एम. सं. 072302

महेश सी. सोलंकी एंड कं. हेतु
सनदी लेखाकार
एफआरएन–006228सी

(सीए. रितेश कुमार जैन)
साझेदार
एम. सं. 077026

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2018

समेकित वित्तीय विवरण हेतु नोट

नोट [1] – महत्वपूर्ण लेखाकरण नितियां

1. वित्तीय विवरण को तैयार करने का आधार

क) अनुपालन का विवरण

वित्तीय विवरणों को,कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत जैसा कि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है , भारतीय लेखा मानक (इंडएएस) के अनुसार और इसके बाद के संशोधन के साथ–साथ कंपनी अधिनियम 2013 में निंधारित वित्तीय विवरणों के लिए प्रयोज्य अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ तैयार किया गया है ।

ख) मापने का आधार

वित्तीय विवरणों को एक सतत चिंता के आधार पर और लेखांकन की एक संचय विधि पर तैयार किया गया है। पॉलिसी में अन्यथा उल्लिखित वित्तीय विवरणों की तैयारी में ऐतिहासिक लागत का उपयोग किया जाता है।

ग) कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण रूपए में तैयार किए गए है, जो कि कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा है।

घ) आकलन और निर्णयों का उपयोग

भारतीय लेखा मानक एएस के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी में निर्णय लेने, आकलन और पूर्व धारणाओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों के प्रयोग और परिसंपत्तियों की राशि, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट राशि को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमान और अंतर्निहित धारणाओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों के संशोधन संभावित रूप से पहचाने जाते हैं।

लेखांकन नीतियों को लागू करने में आलोचनात्मक आकलन और निर्णय

लेखांकन नीतियों को लागू करने में किए गए आकलन और निर्णय जिनके वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशि पर महत्वपूर्ण प्रभाव है, निम्नानुसार हैं :

1) राजस्व

कंपनी निर्माण अनुबंधों के संबंध में राजस्व को ध्यान में रखते हुए प्रतिशत की पूर्णता विधि का उपयोग करती है।

प्रतिशत–पूर्णता विधि के उपयोग के लिए कंपनी को प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि के अंत में अनुबंध को पूरा करने के लिए शेष लागत और कुल अनुबंध राजस्व का आकलन करने की आवश्यकता होती है। इन अनुबंधों की वित्तीय रिपोर्टिंग आकलनों पर निर्भर करती है जिनका मूल्यांकन लगातार अनुबंधों की अवधि के दौरान किया जाता है, इसलिए मान्यता प्राप्त राजस्व और लाभ में परिवर्तन, अनुबंध पूरा होने की प्रगति पर आधारित होता है।

2) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

परिसंपत्ति के अपेक्षित उपयोगी जीवन और उसके जीवन के अंत में अपेक्षित अवशिष्ट मूल्य का आकलन करने के बाद आवधिक अवमूल्यन के संबंध में मूल्य निकाला जाता है। मूल्यह्रास विधि, उपयोगी जीवन और कंपनी की संपत्ति के अवशिष्ट मूल्य प्रबंधन द्वारा संपत्ति के अधिग्रहण के समय अनुमानित होते हैं और प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान इसकी समीक्षा की जाती है ।

3) कर्मचारी की लाभ योजना

कर्मचारी परिभाषित लाभ योजनाओं और दीर्घकालिक लाभ योजनाओं को वास्तविक मान्यताओं के आधार पर मापा जाता है। हालांकि, इन धारणाओं में किए गए किसी भी बदलाव से दायित्व और व्यय की रिपोर्ट की गई राशि पर असर पड़ सकता है।

4) प्रावधान और आकस्मिकताएं

प्रावधानों और आकस्मिकताओं के निर्धारण हेतु किया गया मौजूदा उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्रबंधन के सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार किया गया है।

2. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण लागत में कम, संचित मूल्यह्रास और संचित अपूर्णीय क्षति यदि कोई हो, पर ले जाया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का मूल्यह्रास, (अनुबंध के तहत विदेशों में उपयोग किए जाने वाले अन्य के अलावा), कंपनी एक्ट, 2013 के अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी जीवन के अनुसार सीधी लाइन विधि पर चार्ज किया जाता है, सिवाय इसके कि अनुमानित उपयोगी जीवन तकनीकी रूप से अनुमानित किया आकलित उपयोगी जीवन के आधार पर छोटा है जैसा कि निम्नवत् दिखाया गया है :

(वर्ष)

	एक शिफ्ट	दो शिफ्ट	तीन शिफ्ट
सामान्य संयंत्र और मशीनरी	12.5	8.33	6.25
स्वचालित/अर्द्ध स्वचालित मशीन	10	6.67	5
निर्माण उपकरण, पूंजीगत उपकरण और टैकल्स	5		
रेलवे सिडिंग, लोकोमोटिव और वैगन	12.5		
ड्रेनेज, सीवरेज एवं जलापूर्ति	30		
सर्वर और नेटवर्क			
सौर पावर जेनरेशन संयंत्र	25		

प्रत्येक वित्तीय वर्ष में मूल्यह्रास विधियों, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों की समीक्षा की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, तो संभावित रूप से जिम्मेदार होते हैं।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष में मूल्यह्रास विधियों, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों की समीक्षा की जाती है और परिवर्तन यदि कोई हो, तो संभावित रूप से जिम्मेदार होते हैं।

लीज परिसंपत्ति का लीज अवधि एवं उनके उपयोगी जीवन के कम होने पर मूल्यह्रास हो जाता है जब तक कि यह तार्किक रूप से निश्चित न हो कि कंपनी लीज अवधि के अंत तक स्वामित्व प्राप्त करेगी। फ्रीहोल्ड भूमि का मूल्यह्रास नहीं होता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण लागत ₹10,000/– या कम और जिनकी लिखित कीमत वर्ष की शुरुआत में ₹10,000 – या कम है, पूरी तरह से कम हो जाता है।

निर्माण/परियोजना स्थलों पर सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत अनुबंध के कार्यकाल पर पूरी तरह से परिशोधित है, जबकि शेड, रेलवे सिडिंग, विद्युत इंस्टालेशन और अन्य समान सक्रिय कार्यों के मूल्यों में (अस्थायी संरचनाओं के अलावा) अवशिष्ट मूल्य को बनाए रखने के बाद यदि कोई हो अनुबंध की अवधि के दौरान कमी आई है।

प्रारंभिक अनुबंध की अवधि के दौरान भारत के बाहर उपयोग की जाने वाली संपत्तियों के दीर्घकालिक अनुबंध का मूल्य कम हो जाता है।

निर्माण के वर्ष में अस्थायी संरचनाओं का पूरी तरह से मूल्य कम हो जाता है।

विभिन्न उपयोगी जीवन के साथ महत्वपूर्ण घटक उत्तरदायी हैं और अलग–अलग मूल्यह्रास होते हैं।

बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के मामले में।

परिसंपत्तियों के आकलित उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा विधि पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है, जो कंपनी एक्ट, 2013 की अनुसूची II के तहत निर्धारित दरों के बराबर/कम हैं। परिसंपत्तियों के वास्तविक उपयोग को प्रतिबिंबित करने के लिए, संपत्ति का आकलित उपयोगी जीवन तकनीकी मूल्यांकन पर आधारित है।

परिसंपत्ति श्रेणी	अनुमानित उपयोगी जीवन (वर्षों)
संयंत्र और मशीनरी	2-15
विद्युत इंस्टालेशन	3-10
फर्नीचर और फिक्स्चर	1-8
कंप्यूटर	3
कार्यालय उपकरण	3-5

लीज अवधि या उपयोगी जीवन, जो कम है परवित्त लीज के तहत परिसंपत्ति परिशोधित है। परिसंपत्ति व्यक्तिगत रूप से जो ₹5,000 या उससे कम लागत वाली संपत्तियों का खरीद के वर्ष में पूरी तरह से मूल्यह्रास हो जाता है।

रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मामले में

सीईआरसी विनियमन 2009 में निर्दिष्ट दरों पर सीधी रेखा विधि पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। उन संपत्तियों के संबंध में जिनके लिए सीईआरसी नियमों में दरों को निर्दिष्ट नहीं किया गया है, जो कंपनी एक्ट, 2013 के अनुसूची II के तहत निर्दिष्ट दरों पर हैं।

परिसंपत्तियों की लागत 90% की सीमा तक कम हो जाती है और 10% अवशिष्ट मूल्य के रूप में कायम रखा जाता है।

अतिरिक्त तिथि के बावजूद परिसंपत्तियों की वृद्धि पर मूल्यह्रास प्रदान किया गया। परिसंपत्तियों की बिक्री/बेचे गए वर्ष में नष्ट की गई संपत्तियों/पर मूल्यह्रास नहीं होता है। ₹5,000 तक की लागत की व्यक्तिगत परिसंपत्तियों को उस वर्ष में पूरी तरह से कम किया जाता है, जिस वर्ष में उनका उपयोग किया जाता है।

एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

कंपनी एक्ट, 2013 की अनुसूची –2 में निर्धारित उपयोगी जीवन के अनुसार परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर मूल्यह्रास सीधी लाइन विधि पर लगाया जाता है।

3. पट्टा

एक व्यवस्था की शुरुआत में, कंपनी निर्धारित करती है कि ऐसी व्यवस्था लीज है या नहीं।

प्रारंभिक मान्यता के बाद, वित्त लीज पर ली गई परिसंपत्तियों को उनके उचित मूल्य के निचले मूल्य के बराबर राशि और न्यूनतम लीज भुगतान के वर्तमान मूल्य को पूंजीकृत किया गया है। वित्त व्यय और बकाया की कमी के बीच वित्त लीज के तहत किए गए न्यूनतम लीज भुगतान विभाजित होते हैं लीज अवधि के दौरान प्रत्येक अवधि को वित्त व्यय आबंटित किया जाता है ताकि देयता के शेष बकाया पर ब्याज का निरंतर आवधिक दर उत्पन्न हो सके।

ऑपरेटिंग लीज के तहत उत्पन्न होने वाले लीज किराया लीज अवधि के दौरान सीधी रेखा के आधार पर लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है, सिवाय इसके कि लीज किराया में वृद्धि मुद्रास्फीति की सामान्य दर के अनुरूप है।

वित्त लीज पर दी गई परिसंपत्तियों के लिए, कंपनी प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग कर लीज अवधि पर वित्त आय को मान्यता देती है। शुरुआती प्रत्यक्ष लागत वित्त लीज के शुरुआती माप में प्राप्त की जाती है और लीज अवधि में मान्यता प्राप्त आय की मात्रा को कम करती है।

ऑपरेटिंग पट्टे से उत्पन्न होने वाली लीज आय को लीज अवधि के दौरान सीधी रेखा के आधार पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है, सिवाय इसके कि लीज किराये में आवधिक वृद्धि अपेक्षित सामान्य मुद्रास्फीति के अनुरूप है।

4. अमूर्त परिसंपत्ति

₹10,000/– से अधिक की लागत वाली अमूर्त वस्तुओं का मूल्यांकन पूंजीकरण के लिए किया जाता है और लागत कम संचित अमूर्तकरण और संचित क्षति, यदि कोई हो, पर ले जाया जाता है।

आकलित उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा विधि पर लाभ और हानि के विवरण में अमूर्त परिसंपत्तियों को उपयोग के लिए उपलब्ध तारीख से परिशोधित किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियों के लिए आकलित उपयोगी जीवन निम्नवत् हैं :

सॉफ्टवेयर	3 वर्ष
अन्य	10 वर्ष

डब्ल्यूडीवी ₹10,000/– या उससे कम की अमूर्त परिसंपत्तियां वर्ष की शुरुआत में पूरी तरह से परिशोधित हैं।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष में परिशोधन अवधि और परिशोधन विधियों की समीक्षा की जाती है और यदि कोई परिवर्तन हो, तो संभावित रूप से जिम्मेदार होते हैं।

अनुसंधान गतिविधियों पर व्यय लाभ और हानि के रूप में माने जाते हैं। विकास गतिविधियों पर व्यय केवल तभी पूंजीकृत होता है जब व्यय को विश्वसनीय रूप से मापा जा सके, उत्पाद या प्रक्रिया तकनीकी और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य, भविष्य के आर्थिक लाभ संभावित हैं और कंपनी विकास को पूरा करने और संपत्ति का उपयोग या बिक्री करने के लिए पर्याप्त संसाधनों का इरादा रखती है। पूंजीकृत व्यय में सामग्रियों की लागत, प्रत्यक्ष श्रम, ओवरहेड लागत शामिल होती है जो कि परिसंपत्ति तैयार करने के लिए इसके इच्छित उपयोग हेतु, और उधार लेने की लागत, यदि कोई हो तो सीधे जिम्मेदार होती हैं।

अनुसंधान और विकास के प्रयोजनों के लिए अधिग्रहित संपत्तियां पूंजीकृत हैं।

5. उधार लागत

क्वालीफाइंग परिसंपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए सीधे जिम्मेदार उधार लागत को ऐसी संपत्तियों की लागत में जोड़ा जाता है।

एक परिसंपत्ति को उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने हेतु बारह महीनों से अधिक की अवधि पर्याप्त है, अपने इच्छित उद्देश्य के योग्य संपत्ति है।

अन्य सभी उधारी लागतों को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है, जिसमें वे खर्च किए जाते हैं।

6. वस्तु सूची

वस्तु सूची मूल्य या शुद्ध प्राप्य मूल्य, जो भी कम हो मूल्यवान है । तैयार माल के मूल्यांकन और कार्य प्रगति के संबंध में, लागत का मतलब कारखाना लागत है। कच्चे माल, घटकों, औजारों, दुकानों और स्पेयर लागत का अर्थ औसत लागत है।

7. राजस्व मान्यता

राजस्व को पहचाना जाता है जब यह संभव है कि लेनदेन से जुड़े आर्थिक लाभ मिले और राजस्व की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सके।

क. निर्माण संविदा

दीर्घकालिक सेवा अनुबंध सहित निर्माण अनुबंधों से राजस्व 'पूर्ण होने का प्रतिशत' विधि का उपयोग करके पहचाना जाता है। पूरा करने का प्रतिशत अनुबंध को पूरा करने के लिए आवश्यक कुल अनुमानित अनुबंध लागत के प्रतिशत के रूप में तिथि के लिए किए गए अनुबंध लागत के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

ख. निर्माण अनुबंध के अतिरिक्त

राजस्व को पहचाना जाता है जब स्वामित्व के महत्वपूर्ण जोखिम और पुरस्कार अनुबंध के अनुसार ग्राहक को स्थानांतरित कर दिए जाते हैं। लंबी अवधि के सेवा अनुबंधों के अलावा सेवाओं से राजस्व को मान्यता दी जाती है जब अनुबंध के अनुसार सेवाएं दी जाती हैं।

अन्य आय

- लाभांश आय उस तारीख को लाभ और हानि के विवरण में पहचानी जाती है जिस पर कंपनी को भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित किया जाता है। प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग कर ब्याज आय को मान्यता दी जाती है।
- निर्यात प्रोत्साहन/कर्तव्य दोष, कर्तव्य धन वापसी और बीमा के लिए दावा अर्जित आधार पर जिम्मेदार हैं।
- बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के मामले में।

विविध डेलिवरेवल व्यवस्था

जब दो या दो से अधिक राजस्व उत्पन्न करने वाली गतिविधियां या डिलिवरेबल्स एक ही व्यवस्था के तहत प्रदान की जाती हैं तो प्रत्येक डिलिवरेबल को खाते की एक अलग इकाई माना जाता है और इसे अलग से गिना जाता है। राजस्व व्यवस्था से खाते की अलग–अलग इकाइयों पर विचार आवटंन प्रत्येक इकाई के सापेक्ष उचित मूल्य पर आधारित होता है।

रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) के मामले में

- ठेकेदारों को दी गई अग्रिम कार्यों पर ब्याज से उत्पन्न ठेकेदारों से आय को वसूली/स्वीकृति आधार पर माना जाता है।
- अस्थिर ऊर्जा और अन्य विविध पावतियों की बिक्री से आय को सीईआरसी / केईआरसी दिशानिर्देशों के अनुसार पूंजीगत लागत के मुकाबले कम करके गिना जाता है।
- केईआरसी (जनरेशन टैरिफ के निर्धारण के लिए नियम और शर्तें) विनियम 2014 के दिशानिर्देशों के अनुसार ऊर्जा की बिक्री से राजस्व मिलता है।

8. विदेशी मुद्रा में विनिमय/लेन देन

लेनदेन की तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर विदेशी मुद्राओं में लेनदेन दर्ज किया जाता है।

विदेशी मुद्रा मूल्य वर्ग की मौद्रिक संपत्तियों और देनदारियों को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विनिमय दर पर कार्यात्मक मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है। निपटारे और परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली विदेशी मुद्रा की लाभ या हानि के विवरण में दिया जाता है।

विदेशी मुद्रा में अंकित गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियां और गैर–मौद्रिक देनदारियां और ऐतिहासिक लागत पर मापा जाता है, लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर पर परिवर्तित किया जाता है।

9. कर्मचारी लाभ

परिभाषित योगदान योजनाएं

परिभाषित योगदान योजना के तहत कवर कर्मचारियों के लिए फैमिली पेंशन फंड समेत पेंशन फंड में कंपनी का योगदान किया गया है और कर्मचारियों द्वारा सेवा प्रदान की जाने वाली अवधि के दौरान लाभ और हानि के विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में इसकी गणना की जाती है।

परिभाषित लाभ योजनाएं

कंपनी की ग्रेच्युटी स्कीम, भविष्य निधि योजना, सेवानिवृत्ति के समय यात्रा दावा सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधा योजना परिभाषित लाभ योजनाओं की प्रकृति के हैं।

इन परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में बैलेंस शीट में दिखाई गई दायिताएं परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य है, रिपोर्टिंग अवधि के अंत में यदि योजना परिसंपत्ति का उचित मूल्य कम हो। परिभाषित

लाभ दायित्व की प्रक्षेपित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग करके स्वतंत्र एक्चुअरीज द्वारा सालाना गणना की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य अनुमानित भविष्य में नकदी बहिर्वाह को उचित सरकारी बॉण्ड दर का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है, जिसमें संबंधित देयता की शर्तों के अनुमानित परिपक्वता के लिए शर्तें होती हैं ।

वास्तविक लाभ और हानि के साथ–साथ योजना परिसंपत्तियों पर वापसी और शुद्ध परिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशि के बीच अंतर, अन्य व्यापक आय, आयकर के शुद्ध में मान्यता प्राप्त है।

परिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित अन्य खर्च लाभ और हानि के विवरण में दिखाया गया है।

दीर्घकालिक छुट्टी देयता

कंपनी जमा प्रतिपूरक अनुपस्थितियों की अनुमानित लागत को अतिरिक्त राशि के रूप में मापती है क्योंकि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में जमा किए गए अप्रयुक्त हकादारी के परिणामस्वरूप अतिरिक्त राशि का भुगतान किया जाता है। गैर–जमा प्रतिपूरक अनुपस्थितियों पर व्यय उस अवधि में पहचाना जाता है जिसमें अनुपस्थितियां होती हैं। कंपनी प्रोजेक्टेड युनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके निर्धारित मूल्य के आधार पर संचित शेष राशि के लिए दायिताएं रिकॉर्ड करती है। दीर्घकालिक लाभ योजनाओं से संबंधित पुनः आकलन और अन्य खर्च लाभ और हानि के विवरण में दिए जाते हैं।

10. प्रावधान

(i) समतुल्य लेनदेन के अनुभव द्वारा उपलब्ध अनुपूरक सूचना के संदर्भ के साथ संभावित परिणाम के प्रबंधन के आकलन के आधार पर वित्तीय विवरणों में कंपनी के परिनिर्धारित नुकसान हेतु दावा की गणना की जाती है।

(ii) निर्माण अनुबंधों के लिए कंपनी राजस्व के 2.5% पर वारंटी लागत प्रदान करती है और जब यह राजस्व को पहचानती है और वारंटी अवधि के दौरान इसे बनाए रखती है। अन्य अनुबंधों के लिए, वर्ष के अंत में वारंटी के तहत अनुबंधों के संबंध में संविदात्मक दायित्वों के प्रावधान अनुबंध के मूल्य के 2.5% पर बनाए रखा जाता है। एक उत्पाद से अधिक की आपूर्ति के लिए अनुबंधों के मामले में प्रत्येक पूर्ण उत्पाद के मूल्य का 2.5% प्रदान किया जाता है ।

(iii) जब यह संभव है कि कुल अनुबंध लागत, कुल अनुबंध राजस्व से अधिक हो जाएगी, तो अपेक्षित हानि तुरंत पहचान ली जाएगी।

(iv) अन्य प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, यदि पिछले कार्यक्रम के परिणामस्वरूप, कंपनी के पास वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है जिसे विश्वसनीय रूप से अनुमानित किया जा सकता है, और यह संभव है कि दायित्व को सुलझाने के लिए आर्थिक लाभों का बहिर्गमन आवश्यक होगा ।

हालांकि, जहां पैसे के समय मूल्य का प्रभाव पर्याप्त है, जहां भी लागू हो, अपेक्षित भविष्य नकद प्रवाह को छूट देकर प्रावधान निर्धारित और अनुरक्षित किया जाता है।

11. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदान केवल तभी पहचाने जाते हैं जब उचित आश्वासन दिया जाता है कि उनसे जुड़ी शर्तों का पालन किया जाएगा, और अनुदान प्राप्त किया जाएगा। गैर मौद्रिक अनुदान की परिसंपत्ति के उचित मूल्य पर गणना की जाती है और उन्हें स्थगित आय के रूप में माना जाता है। परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लाभ और हानि के विवरण में स्थगित आय के रूप में गणना की जाती है। राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदान को उन लागतों से मिलान करने के लिए जरूरी अवधि के दौरान लाभ और हानि के विवरण में व्यवस्थित आधार पर गिने जाते है, जिनकी वे क्षतिपूर्ति करने का आशय हेतु रखे जाते हैं।

12. आय कर

आयकर व्यय में मौजूदा कर और स्थगित कर शामिल है। आयकर व्यय लाभ और हानि के विवरण में दिखाए जाते है, इस सीमा को छोड़कर कि यह अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में आने वाले वस्तुओं से संबंधित है।

वर्तमान कर वर्ष के लिए कर योग्य आय पर देय अपेक्षित कर है, रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लागू या लागू कर दरों (टैक्स कानून) का उपयोग करके और पिछले वर्षों के संबंध में कर के खाते में समायोजन शामिल है।

स्थगित कर बैलेंस शीट विधि का उपयोग करके पहचाना जाता है, जो बैलेंस शीट और उसके कर आधार में संपत्ति या देयता की ले जाने वाली राशि के बीच अस्थायी अंतर प्रदान करता है ।

आस्थगित कर को कर दरों पर मापा जाता है, जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित कानूनों के आधार पर अस्थायी अंतर या तो वसूले जाते हैं या निपटान किए जाते हैं।

एक आस्थगित कर परिसंपत्ति को इस हद तक गणना की जाती है कि यह संभव है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके समक्ष अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सके।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में आस्थगित कर परिसंपत्तियों की निर्वहन राशि की समीक्षा की जाती है और सीमा तक कम किया जाता है, जहां संभव न हो कि संबंधित कर लाभ की वसूली की जा सके।

लाभांशों के वितरण से उद्भूत अतिरिक्त आयकर का निर्धारण उस समय किया जाता है, जब सबंधित लाभांश के भुगतान की देयता का निर्धारण किया जाता है।

13. परिसंपत्तियों की क्षति

वित्तीय परिसंपत्तियों की क्षति

व्यापार प्राप्तियों और लीज प्राप्तियों के संबंध में हानि भत्ता जीवन भर में अपेक्षित क्रेडिट घाटे के समतुल्य राशि पर मापा जाता है।

अन्य सभी वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में हानि भत्ता, जिसकी हानि अपेक्षित है, यदि प्रारंभिक गणना से ही क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, तो पूरी अवधि की अपेक्षित क्रेडिट हानियों को बराबर राशि पर मापा जाता है। तथापि, यदि रिपोर्टिंग की तिथि को प्रारंभिक निर्धारण के समय से वित्तीय लिखत में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है तो हानि भत्ते का आकलन 12 माह की बांछित क्रेडिट हानि की समतुल्य राशि पर किया जाएगा।

गैर–वित्तीय संपत्तियों की हानि

जहां हानि का कोई संकेत होता है वहां नकद उत्पन्न करने वाली इकाइयों की वहन राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर की जाती है। लाभ और

हानि के विवरण में एक हानि पहचानी जाती है जहां ले जाने वाली राशि नकद उत्पन्न करने वाली इकाइयों की वसूली योग्य राशि से अधिक है। पूर्व अवधि में मान्यता प्राप्त हानि का आकलन किसी भी संकेत के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग दिनांक पर किया जाता है कि हानि घट गई है या अब इसका अस्तित्व नहीं है।

वसूली योग्य राशि निर्धारित करने के लिए उपयोग किए गए अनुमानों में बदलाव होने पर एक हानि उलट दी जाती है। एक हानि केवल इस हद तक उलट जाती है कि परिसंपत्ति की ले जाने वाली राशि निर्धारित होने वाली वाहक रशि से अधिक नहीं है, मूल्यह्रास या परिशोधन का शुद्ध, यदि कोई हानि नहीं पहचाना गया है।

14. सेगमेंट रिपोर्टिंग

सेगमेंट की परिचालन गतिविधियों के संबंध में राजस्व और व्यय को सेगमेंट में पहचाना जाता है। राजस्व, व्यय, संपत्ति और देनदारियों जो उचित आधार पर सेगमेंट के लिए आबंटित नहीं हैं, को ''आबंटित राजस्व/व्यय/संपत्ति/देनदारियों'' के तहत शामिल किया गया है।

15. वित्तीय प्रपत्र

i) गैर व्युत्पन्न वित्तीय प्रपत्र

गैर व्युत्पन्न वित्तीय प्रपत्र को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है:

–वित्तीय संपत्ति, पर मापा गया

(ए) अमूर्त लागत और

(बी) लाभ और हानि (''एफवीटीपीएल'') के माध्यम से उचित मूल्य।

–अमूर्त लागत पर की गई वित्तीय देनदारियां।

प्रारंभ में, सभी वित्तीय उपकरणों को उनके उचित मूल्य पर पहचाना जाता है। यदि लेनदेन लागत एफवीटीपीएल में नहीं मापा जाता है तो लेनदेन लागत को ले जाने वाली राशि निर्धारित करने में शामिल किया जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और पुरस्कार हस्तांतरित किए जाने पर वित्तीय संपत्तियों को पहचान लिया जाता है। ऐसे मामलों में जहां वित्तीय परिसंपत्तियों के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और पुरस्कार न तो स्थानांतरित किए जाते हैं और न ही बनाए जाते हैं, वित्तीय संपत्ति की केवल तभी पहचान की जाती है जब कंपनी ने वित्तीय संपत्ति पर नियंत्रण नहीं रखा है। संविदात्मक दायित्वों को छुट्टी या रद्द या समाप्त होने पर वित्तीय देनदारियों को पहचान लिया जाता है। गैर–व्युत्पन्न वित्तीय संपत्तियों को बाद में नीचे मापा गया है:

क. अमूर्त लागत

''अमूर्त लागत पर वित्तीय उपकरण'' को बाद में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) विधि का उपयोग करके अमूर्त लागत पर मापा जाता है। अमूर्त लागत की गणना अधिग्रहण और फीस या लागत पर किसी भी छूट या प्रीमियम को ध्यान में रखकर की जाती है जो ईआईआर का एक अभिन्न हिस्सा हैं। ईआईआर परिशोधन लाभ और हानि में पहचाना जाता है। हानि से उत्पन्न होने वाले नुकसान लाभ और हानि में पहचाने जाते हैं।

ख. एफवीटीपीएल श्रेणी

इस श्रेणी में वर्गीकृत वित्तीय उपकरणों को बाद में उचित मूल्य पर लाभ और हानि के बयान में दर्ज परिवर्तनों के साथ किया जाता है। प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार लेनदेन लागत को लाभ और हानि के बयान में मान्यता प्राप्त है।

गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियों को बाद में नीचे मापा गया है:

प्रारंभिक मान्यता के बाद, प्रभावी ब्याज विधि का उपयोग करके गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियों को अमूर्त लागत पर मापा जाता है।

ii) व्युत्पन्न वित्तीय लिखत

एंबेडेड डेरिवेटिव्स, यदि कोई हो, तो भौतिक प्रभाव होने से, होस्ट अनुबंध से अलग हो जाते हैं और अलग–अलग खाते के लिए जिम्मेदार होते हैं। यदि मेजबान अनुबंध और एम्बेडेड व्युत्पन्न के आर्थिक गुण और जोखिम निकटता से संबंधित नहीं होते हैं, एम्बेडेड व्युत्पन्न के समान शब्दों के साथ एक अलग उपकरण एक व्युत्पन्न की परिभाषा को पूरा करेगा, और संयुक्त उपकरण लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा नहीं जाता है।

डेरिवेटिव को प्रारंभिक रूप से उचित मूल्य पर पहचाना जाता है और मापा जाता है। लाभप्रद लेनदेन लागत के रूप में लाभ और हानि के बयान में मान्यता प्राप्त है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, डेरिवेटिव को लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है।

16. नकद और नकद समतुल्य

नकद और नकद समकक्षों में बैंक और उपलब्ध नकद शामिल हैं। इसमें सावधि जमा और शॉर्ट–टर्म मनी मार्केट डिपॉजिट्स शामिल हैं जो मूल महीनों या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ नकदी की ज्ञात मात्रा में आसानी से परिवर्तनीय हैं और जो मूल्य में परिवर्तनों के महत्वहीन जोखिम के अधीन हैं।

नोट [2 क] - गैर चालू परिसंपत्तियां

संपत्ति, इकाई और उपकरण (पीपीई)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
सकल ब्लॉक		
घटाएं : संचित मूल्यह्रास	2429.46	1685.08
निवल ब्लॉक (विवरण के लिए नोट 2.1 देखें)	**2981.90**	3496.43

कंपनी ने इंड एएस 101 के अंतर्गत छूट का विकल्प चुना है और तदनुसार 31.3.2015 को अग्रेषित मूल्य को डीम्ड लागत माना गया है.

नोट [2 ख] - गैर चालू परिसंपत्तियां

चालू कार्यशील पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति		31 मार्च 2017 को यथास्थिति	
प्लांट और मशीनरी एवं अन्य उपकरण				
– संस्थापन/फैब्रीकेशन/संस्थापन की प्रतीक्षा के अधीन	110.26		84.25	
मार्गस्थ	29.70	139.96	32.46	116.71
कार्यशील निर्माण – सिविल		52.86		40.47
निर्माण स्टोर मार्गस्थ		1.71		2.33
		194.53		159.51

नोट [3क] - गैर चालू परिसंपत्तियां

अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
सकल ब्लॉक	221.87	198.04
घटाएं : संचित परिशोधन	130.56	93.28
निवल ब्लॉक (विवरण के लिए नोट 3.1 देखें)	**91.31**	104.76

कंपनी ने इंड एएस 101 के अंतर्गत छूट का विकल्प चुना है और तदनुसार 31.3.2015 को अग्रेषित मूल्य को डीम्ड लागत माना गया है.

नोट [3 ख] - गैर चालू परिसंपत्तियां

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
विकासाधीन अमूर्त संपत्तियां	8.23	8.83
	8.23	8.83

नोट [2.1]

सम्पत्ति, सयंत्र एवं उपस्कर का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				विवरण				नेट ब्लॉक	
	01.04.2017 को प्रारंभिक जमा	अतिरिक्त समायोजन	कटौती समायोजन	31.03.2018 को लागत	01.04.2017को संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास ऋणमुक्ति	मूल्यह्रास का समायोजन	31.03.2018 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2018 को नेट ब्लॉक	31.03.2017 को नेट ब्लॉक
फैक्ट्री / ऑफिस कॉम्प्लेक्स										
का स्वामित्वाधीन										
फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	25.45			**25.45**					**25.45**	25.45
सड़कें, पुल एवं नाले	10.70			**10.70**	7.56	1.60		**9.16**	**1.54**	3.14
भवन	1281.77	78.78	1.12	**1359.43**	181.03	120.31	(0.45)	**300.89**	**1058.54**	1100.75
निकासी एवं जल–आपूर्ति	15.78	0.28	0.20	**15.86**	1.43	0.64	(0.20)	**1.87**	**13.99**	14.35
रेलवे साइडिंग	8.74	0.11		**8.85**	1.86	0.94		**2.80**	**6.05**	6.88
लोकोमोटिव्स और वैगंस	28.34			**28.34**	6.27	3.14		**9.41**	**18.93**	22.07
प्लांट एवं मशीनरी	2814.42	105.12	1.06	**2918.48**	1162.24	483.34	(1.63)	**1643.95**	**1274.53**	1652.18
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग	53.52	1.36	0.40	**54.48**	41.84	6.59	0.24	**48.67**	**5.81**	11.68
इलेक्ट्रिकल संस्थापना	205.14	16.58	0.03	**221.69**	60.23	31.24		**91.47**	**130.22**	144.91
विनिर्माण उपस्कर	64.68	3.01	0.02	**67.67**	41.93	13.31	(0.02)	**55.22**	**12.45**	22.75
वाहन	10.06	0.22		**10.28**	2.71	1.52		**4.23**	**6.05**	7.35
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	51.62	1.60	0.47	**52.75**	15.75	7.55	(0.27)	**23.03**	**29.72**	35.87
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	85.92	8.52	0.64	**93.80**	50.21	14.02	-	**64.23**	**29.57**	35.71
₹10,000/– तक लागत की स्थायी परिसम्पतियां	6.77	2.15	0.60	**8.32**	6.77	2.55	(1.00)	**8.32**		
पट्टे पर										
पट्टे की भूमि (विकास व्यय सहित)	58.60			**58.60**	1.28	0.64		**1.92**	**56.68**	57.32
पट्टे पर भवन	1.63			**1.63**	0.11	0.05		**0.16**	**1.47**	1.52
ईडीपी उपस्कर	162.45	8.83	2.20	**169.08**	69.98	45.77	(2.08)	**113.67**	**55.41**	92.47
कार्यालय तथा अन्य उपस्कर	13.83	0.27		**14.10**	4.69	2.65		**7.34**	**6.76**	9.14
अन्य	0.10			**0.10**	0.10			**0.10**		
टाउनशिप / आवासीय										
स्वामित्वाधीन										
फ्रीहोल्ड की भूमि (विकास व्यय सहित)	2.54		0.01	**2.53**					**2.53**	2.54
सड़कें, पुल एवं नाले	1.92	0.19		**2.11**	1.19	0.44		**1.63**	**0.48**	0.73
भवन	158.33	2.09	0.23	**160.19**	13.77	5.04	(0.14)	**18.67**	**141.52**	144.56
ड्रेनेज, सीवरेज एवं जल आपूर्ति	11.08	0.17		**11.25**	1.14	0.60		**1.74**	**9.51**	9.94
संयत्र एवं मशीनरी	36.47	6.18		**42.65**	4.81	4.25	0.01	**9.07**	**33.58**	31.66
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	0.03			**0.03**	0.03			**0.03**		
इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन	7.97	0.07	0.04	**8.00**	1.93	0.85	(0.02)	**2.76**	**5.24**	6.04
वाहन	0.01			**0.01**					**0.01**	0.01
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	1.79	0.04		**1.83**	0.60	0.26		**0.86**	**0.97**	1.19
कार्यालय तथा अन्य उपकरण	8.85	1.26	0.16	**9.95**	4.28	1.72	(0.14)	**5.86**	**4.09**	4.57
₹10,000/– तक लागत की स्थाई परिसम्पतियां	0.22	0.17		**0.39**	0.22	0.17		**0.39**		

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				विवरण				नेट ब्लॉक	
	01.04.2017 को प्रारंभिक जमा	अतिरिक्त समायोजन	कटौती समायोजन	31.03.2018 को लागत	01.04.2017को संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास ऋणमुक्ति	मूल्यह्रास का समायोजन	31.03.2018 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2018 को नेट ब्लॉक	31.03.2017 को नेट ब्लॉक
पट्टे पर										
पट्टे पर भूमि (विकास व्यय सहित)	52.25			**52.25**	0.94	0.76		**1.70**	**50.55**	51.31
ऑफिस एवं अन्य उपकरण	0.52			**0.52**	0.18	0.10		**0.28**	**0.24**	0.34
कुल	**5181.51**	**237.00**	**7.15**	**5411.36**	**1685.08**	**750.05**	**(5.67)**	**2429.46**	**2981.90**	**3496.43**
पिछला वर्ष	4717.94	486.70	23.13	5181.51	886.59	804.38	(5.90)	1685.08	3496.43	3831.35
ऊपर सम्मिलित आरएंडी पूंजीगत मदो, संयत्र एवं मशीनरी और अन्य उपकरणों तथा अमूर्त मदो का विवरण										
संयंत्र और मशीनरी एवं अन्य उपस्कर	231.02	19.30		**250.32**	88.47	32.95		**121.42**	**128.90**	142.55
भवन	21.27	2.08		**23.35**	2.30	1.10		**3.40**	**19.95**	18.97

31.03.2018 को सकल ब्लॉक में बेकार औरे सक्रिय प्रयोग से हटाई गई ₹ 0.12 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.12 करोड़) की परिसंपतियां शामिल हैं।

31.03.2018 को नेट – ब्लॉक में बेकार औरे सक्रिय प्रयोग से हटाई गई ₹0.12 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.12 करोड़) की परिसंपतियां शामिल हैं।

सकल ब्लॉक में निष्पादक एजेंसी के रुप में अनुसंधान के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से खरीदी गई परिसंपतियों की लागत शामिल नही है यद्यपि परिसंपतियां कंपनी से जुड़ी नही है ।	31.03.2018	31.03.2017
	59.18	49.31

वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपतियों में कोई हानि नहीं हुई ।

31.03.2018 को सकल ब्लॉक पिछले भारतीय जीएएपी के अनुसार ₹12584.09 करोड़ था ।

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को	31 मार्च, 2017 को
1. भूमि एवं भवन में निम्न शामिल हैं		
क i) एकड़ भूमि जिसके लिए औपचारिक अंतरण/पट्टा विलेख निष्पादित नहीं किया गया है	**8196.93**	8198.00
उपरोक्त का निवल ब्लॉक	**72.90**	73.62
ii) फ्लैटों की संख्या जिसके लिए औपचारिक अंतरण/पट्टा विलेख निष्पादित नहीं किया गया है	**12.00**	12.00
उपरोक्त का निवल ब्लॉक	**1.24**	1.28
iii) एकड़ भूमि सहित जिसके लिए भुगतान की गई लागत वैकल्पिक है, पंजीकरण प्रभार एवं स्टैम्प ड्यूटी पहले से किए गए प्रावधान का निवल की गणना भुगतान पर की जाएगी।	-	-
उपरोक्त का निवल ब्लॉक	-	-
iv) एकड़भूमि, जिसके लिए प्रदत्त लागत अंतिम है	**506.46**	528.18
[पंजीकरण प्रभार एवं स्टाम्प ड्यूटी (प्रावधान को छोड़कर) का लेखाकरण भुगतान होनें पर किया जाएगा]		
उपरोक्त का निवल ब्लॉक	**65.61**	66.37
ख रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार विभागों एवं अन्य को पट्टे पर दी गई एकड़ भूमि	**30.37**	30.37
ग. रक्षा मंत्रालय (बीईजी) द्वारा उपयोग की जा रही एकड़ भूमि जिसके लिए लाइसेंसिंग समझौता 30.11.2018 तक वैध है	**180.00**	180.00
घ. विपरीत कब्जा / ऋणभार के आधीन एकड़ भूमि	**774.55**	759.89

ङ. हरिद्वार में 1242.71 एकड़ (पी.वाई. 1242.71 एकड़) भूमि का लंबित उत्तराधिकार जिसके लिए कानूनी प्रक्रिया चल रही है। इसमें भूमि परिमाप 878.85 एकड़ जो कि बीएचईएल के कब्जे में है लेकिन गलती से वर्ष 2004 एवं 2007 में सिडकुल, उत्तराखंड सरकार के नाम में परिवर्तित हो गई है, भी शामिल है।

च. इसके अतिरिक्त उत्ताराखंड सरकार के दिनांक 01.12.2003 के ऑफिस मेमोरेंडम के तहत हरिद्वार प्लांट की 8 एकड़ भूमि आईओसीआई / राज्य सरकार को हस्तांतरित करनी है।

(उपरोक्त वर्णित ख, ग, घ, एवं च की भूमि की लागत भौतिक नही है)

2. कंपनी प्रत्येक ₹10,000/– तक की लागत। प्रारम्भिक नेट ब्लॉक वाली पीवीई मद पर 100% मूल्यह्रास प्रदान करती है पूर्व वर्षों के प्रभार पर विचार किए बिना लाभ पर पीपीई पर 100% मूल्यह्रास के प्रावधान का प्रभाव निम्नानुसार है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 की समाप्ति पर	31 मार्च 2017 की समाप्ति पर
₹10,000/– तक पीपीई पर 100% मूल्यह्रास लेखा वर्ष में प्रभारित किया गया	**3.98**	6.86
उपरोक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	**(1.15)**	(1.92)
वर्ष के लिए मूल्यह्रास पर प्रभारित अधिक राशि	**2.83**	4.94

नोट [3.1] -
अमूर्त परिसम्पत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				विवरण				नेट ब्लॉक	
	01.04.2017 को प्रारंभिक जमा	अतिरिक्त समायोजन	कटौती समायोजन	31.03.2018 को लागत	01.04.2017को संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास ऋणमुक्ति	मूल्यह्रास का समायोजन	31.03.2018 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2018 को नेट ब्लॉक	31.03.2017 को नेट ब्लॉक
आंतरिक रूप से विकसित										
अन्य	42.59	7.96		**50.55**	24.40	9.52		**33.92**	**16.63**	18.19
अन्य										
– साफ्टवेयर	26.26	0.55		**26.81**	20.14	3.77		**23.91**	**2.90**	6.12
– तकनीकी जानकारी	118.92	15.32		**134.24**	40.91	21.55		**62.46**	**71.78**	78.01
– अन्य	10.27			**10.27**	7.83	2.44		**10.27**		2.44
कुल	**198.04**	**23.83**		**221.87**	**93.28**	**37.28**		**130.56**	**91.31**	**104.76**
पिछला वर्ष	185.10	12.94		**198.04**	47.74	45.41	0.13	**93.28**	**104.76**	137.36

सकल ब्लॉक पिछले भारतीय जीएएपी के अनुसार 31.03.2017 को ₹481.63 करोड़ एवं 31.03.2018 को ₹505.26 करोड़ था

नोट [4] - गैर चालू परिसम्पतियां

निवेश (इक्विटी पद्धति के उपयोग के लिए)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
बीएचईएल – जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड		
प्रारम्भिक निवल परिसम्पत्ति	**129.31**	120.92
वर्ष के लिए लाभ/हानि	**23.82**	21.38
अन्य व्यापक आय	**0.18**	(0.14)
घटाएं : लाभांश का भुगतान	**14.76**	12.85
अंतिम निवल परिसम्पतियां	**138.55**	129.31
रायचूर पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड		
प्रारम्भिक निवल परिसम्पत्ति	**584.39**	589.32
अतिरिक्त इक्विटी योगदान	**74.72**	-
वर्ष के लिए लाभ/हानि	**(376.23)**	(4.93)
वर्ष 2016–17 का ऑडिटेड एवं अनॉडिटेड लाभ/हानि का समायोजन	**(16.78)**	-
अंतिम निवल परिसम्पत्तियां	**266.10**	584.39
एनटीपीसी– बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड		
प्रारम्भिक निवल परिसम्पत्ति	**21.31**	59.77
वर्ष के लिए लाभ/हानि	**(38.35)**	(38.46)
वर्ष 2016–17 के ऑडिटेड एवं अनॉडिटेड लाभ/हानि का समायोजन	**21.44**	-
अंतिम निवल परिसम्पतियां	**4.40**	21.31
दादा धुनीवाले खांडवा पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड		
प्रारम्भिक निवल परिसम्पत्ति	**18.19**	19.74
समायोजन*	**(18.19)**	(1.55)
अंतिम निवल परिसम्पतियां		18.19
कुल निवेश (इक्विटी पद्धति के उपयोग द्वारा गणना)		
प्रारम्भिक निवल परिसम्पत्ति	**753.20**	789.75
अतिरिक्त इक्विटी योगदान	**74.72**	-
वर्ष के लिए लाभ/हानि	**(390.76)**	(23.56)
अन्य व्यापक आय	**0.18**	(0.14)
घटाएं : लाभांश का भुगतान	**14.76**	12.85
वर्ष 2016–17 का ऑडिटेड एवं अनॉडिटेड लाभ/हानि का समायोजन	**4.66**	-
समायोजन*	**(18.19)**	
अंतिम निवल परिसम्पतियां	**409.05**	753.20

* यह संयुक्त उद्यम परिसमापन के अधीन है।

नोट [4क] - गैर–चालू परिसम्पतियां
वित्तीय परिसम्पतियां – निवेश

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति			31 मार्च 2017 को यथास्थिति		
1. उद्धृत इक्विटी लिखत			-			-
2. गैर उद्धृत इक्विटी लिखत (पूर्ण प्रदत्त शेयर्स)						
पूर्ण प्रदत्त इक्विटी लिखत में निवेश (एफवीटीपीएल पर)						
नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड	5000000 (10)	5.00		5000000 (10)	5.00	
एपी गैस पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	728960 (10)	0.91		728960 (10)	0.91	
इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट् स (इंडिया) लिमिटेड	1892 (10)	*		1892 (10)	*	
		5.91			5.91	
घटाएं : उचित मूल्य समायोजन		2.99	2.92		1.98	3.93
दादा धुनीवाले खांडवा पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड	22500000 (10)	22.50		-	-	
घटाएं : हानि के प्रावधान		5.50	17.00	-	-	-
पॉवर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड	1999999 (10)	2.00		1999999 (10)	2.00	
घटाएं : हानि के प्रावधान		2.00	-		2.00	-
सहकारी समितियों में शेयर						
			19.92			3.93
₹1 लाख से कम मूल्य						
गैर उद्धृत निवेश की औसत राशि			30.41			7.91
निवेश के मूल्य में हानि की औसत राशि			(10.49)			(3.98)

सहकारी समितियों के विभिन्न कर्मचारियों द्वारा धारित इक्विटी शेयर ₹1 लाख से कम मूल्य के हैं.

नोट [5] - गैर चालू परिसम्पतियां
वित्तीय परिसम्पतियां – व्यापार प्राप्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति		31 मार्च 2017 को यथास्थिति	
सुरक्षित, अच्छे माने गए		-		-
असुरक्षित, अच्छे माने गए		12723.29		9789.14
असुरक्षित, संदिग्ध माने गए और प्रावधान किए गए		8642.60		5285.40
		21365.89		15074.54
घटाएं : अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	8150.73		4893.94	
घटाएं : स्वतः कीमत कटौती समायोजन	491.87	8642.60	391.46	5285.40
		12723.29		9789.14
व्यापार प्राप्य में (गैर–चालू) शामिल हैं				
क) आस्थगित ऋण (प्रावधानों को छोड़कर) – भुगतान अभी देय नहीं है		10165.14		7989.26
ख) मूल्याकंन ऋण (आंतरिक मूल्य समायोजन शामिल है)		161.31		124.63
ग) निदेशकों से बकाया		-		-
घ) अधिकारियों से बकाया.		-		-

नोट [6] - गैर चालू परिसम्पत्तियां
वित्तीय परिसम्पत्तियां – ऋण

(₹ करोड़ में))

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
प्रतिभूति जमा		
सुरक्षित अच्छे माने गए	-	-
असुरक्षित अच्छे माने गए		
एसईबी, पोर्ट ट्रस्ट एवं अन्य संस्थानों में जमा	84.27	78.01
असुरक्षित, संदिग्ध माने गए और प्रावधान किए गए अन्य संस्थाओं में जमा		
जमा के लिए अनुमति.	1.62	0.31
	85.89	78.32
घटाएं : अशोध्य एवं संदिग्ध जमा के लिए भत्ते	1.62	0.31
	84.27	78.01
ऋण		
सुरक्षित, अच्छे माने गए	-	-
असुरक्षित, अच्छे माने गए		
उद्भूत ब्याज और ऋणों पर देय	0.01	0.03
असुरक्षित, संदिग्ध माने गए और प्रवधान किए गए उद्भूत ब्याज एवं ऋणों पर देय		
	0.01	0.01
	0.02	0.04
घटाएं : अशोध्य और संदिगध ऋण के लिए भत्ते	0.01	0.01
	0.01	0.03
	84.28	78.04
शामिल हैं :		
निदेशकों से बकाया	-	-
अधिकारियों से बकाया	-	-

नोट [7] - गैर चालू परिसम्पतियां

वित्तीय परिसम्पतियां – अन्य वित्तिय परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
पट्टे पर दी गई परिसम्पतियों पर प्राप्य किराया	0.02	0.16
	0.02	0.16

नोट [8] - गैर चालू परिसम्पतियां

आस्थगित कर परिसम्पत्तियां – (देयताओं को छोड़कर)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
आस्थगित कर परिसम्पत्तियां		
प्रावधान	2728.10	2987.47
सांविधिक बकाया (भुगतान के आधार पर अनुमति)	652.95	725.88
मूल्यह्रास – पीपीई एवं अमूर्त परिसम्पतियां	160.98	132.18
अन्य	101.30	56.31
	3643.33	3901.84
अस्थगित कर देयताएं	10.90	55.65
आस्थगित कर परिसम्पत्तियां – (निवल देयताएं)	3632.43	3846.19

नोट [9] - गैर–चालू परिसम्पत्तियां

अन्य गैर–चालू परिसम्पत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति		31 मार्च 2017 को यथास्थिति	
प्रतिभूति जमा				
कर प्राधिकरणें एवं अन्य में जमा		145.22		86.79
घटाएं : अशोध्य और संदिग्ध जमा के लिए भत्ते		24.01		16.68
		121.21		70.11
उपरोक्त के अलावा				
सुरक्षित, अच्छे माने गए	-		-	
असुरक्षित, अच्छे माने गए	*121.21*		*70.11*	
असुरक्षित, संदिग्ध माने गए और प्रावधान किए गए	*24.01*		*16.68*	
ऋण एवं अग्रिम				
खरीद के लिए अग्रिम	47.06		58.29	
दावा वसूली योग्य और अन्य	40.63		58.17	
पूंजी अग्रिम	21.98	109.67	40.36	156.82
घटाएं : अशोध्य और संदिग्ध अग्रिम के लिए भत्ते		24.61		23.63
		85.06		133.19
उपरोक्त के अलावा				
सुरक्षित, अच्छे माने गए	-		-	
असुरक्षित, अच्छे माने गए	*85.06*		*133.19*	
असुरक्षित, संदिग्ध माने गए और प्रावधान किए गए	*24.61*		*23.63*	
		206.27		203.30
शामिल हैं :				
निदेशकों से बकाया		-		-
अधिकारियों से बकाया		-		-

नोट [10] - चालू परिसम्पत्तियां
मालसूची

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति		31 मार्च 2017 को यथास्थिति	
कच्ची सामग्री एवं घटक	**2860.07**		3061.71	
परिवहन में सामग्री	**217.10**	**3077.17**	257.19	3318.90
चालू कार्य (उप–ठेकेदारों के साथ मदों सहित)		**2285.51**		2535.60
तैयार माल	**865.01**		1297.76	
मार्गस्थ में अंतर–प्रभागीय अंतरण	**85.88**	**950.89**	133.44	1431.20
स्टोर्स एवं स्पेयर्स पार्ट्स				
उत्पादन	**190.69**		204.11	
ईंधन भंडार	**8.36**		8.10	
विविध	**48.55**	**247.60**	51.03	263.24
अन्य मालसूची				
फैब्रीकेटरों / ठेकेदारों के पास पड़ा माल	**76.12**		71.32	
फुटकर औजार	**31.10**		36.37	
स्क्रैप (अनुमानित वसूली योग्य मूल्य पर)	**61.21**	**168.43**	73.31	181.00
		6729.60		7729.94
घटाएं : रुकी हुई मालसूची के लिए प्रावधान		**466.45**		350.27
		6263.15		7379.67
नोट :				
मालसूची का राइट डाउन		**142.96**		136.97
घटाएं : उनकी वापसी		**26.78**		43.27
निवल :		**116.18**		93.70

नोट [11] - चालू परिसम्पत्तियां
वित्तीय परिसम्पत्तियां – व्यापार प्राप्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति		31 मार्च 2017 को यथास्थिति	
सुरक्षित, अच्छे माने गए		-		-
असुरक्षित, अच्छे माने गए		22772.11		22077.58
असुरक्षित, संदिग्ध माने गए और प्रावधान किए गए		4595.19		5364.18
		27367.30		27441.76
घटाएं : अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	4488.52		5148.40	
घटाएं : स्वतः कीमत कटौती समायोजन	106.67	4595.19	215.78	5364.18
		22772.11		22077.58
चालू व्यापार प्राप्य में निम्नलिखित शामिल है :				
क) आस्थगित ऋण (प्रावधानों को छोड़कर) भुगतान अभी देय नहीं है.		6454.27		8748.50
ख) वेल्यूएशन ऋण (आंतरिक मूल्य समायोजन को दर्शाता है)		2032.22		1035.29
ग) ऋण छः माह से अधिक समय से बकाया ऋण		15068.13		17252.79
घ) निदेशकों से बकाया		-		-
ड.) अधिकारियों से बकाया		-		-

नोट [12क] - चालू परिसम्पत्तियां
वित्तीय परिसम्पत्तियां – नगद एवं नगदे समतुल्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति		31 मार्च 2017 को यथास्थिति	
बैंकों में शेष				
कॉरपोरेट लिक्विड सावधि जमा	1702.03		731.98	
ईईएफसी खाता	441.73		383.56	
चालू /नगद जमा खाता	214.83	2358.59	212.38	1327.92
मौजूदा चेक और डिमांड ड्राफ्ट		210.03		122.85
3 माह या उससे कम समय की परिपक्वता वाली बैंक में जमा राशि के बैंकों में जमा		200.00		-
मौजूदा नगदी एवं स्टैम्प्स		0.19		0.25
मार्गस्थ लेन–देन		-		34.90
		2768.81		1485.92

नोट [12 ख] - चालू परिसम्पत्तियां

वित्तीय परिसम्पत्तियां – उपरोक्त को छोड़कर बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
3 माह से अधिक लेकिन 12 माह से कम परिपक्वता अवधि वाले सावधि जमा		8400.28		9000.73
बैंक गारंटी हेतु मार्जिन धन के विरुद्ध सावधि जमा		2.16		2.03
बैंकों में शेष निर्धारित				
एडवांस्ड अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल (एयूएससी) व अन्य आर एंड डी परियोजनाओं के खाते	115.31		-	
अदावाकृत लाभांश खाता	3.30		3.10	
गैर – प्रत्यावर्तन खाता	1.70		1.77	
बोनस इश्यू पर आंशिक शेयरों की बिक्री से प्राप्त आय	0.03	120.34	-	4.87
		8522.78		9007.63
कुल बैंक एवं नकद शेष (12 क + 12 ख)		**11291.59**		**10493.55**

नोट [13] - चालू परिसम्पत्तियां

वित्तीय परिसम्पत्तियां– ऋण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
प्रतिभति जमा				
बयाना राशि और अन्य जमा		147.44		139.21
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध जमा के लिए अनुमत राशि		3.60		3.89
		143.84		135.32
उपरोक्त में से				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	*54.07*		*50.88*	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	*89.77*		*84.44*	
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए और प्रावधान किए गए	*3.60*		*3.89*	
ऋण				
कर्मचारियों को ऋण	0.01		-	
सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ऋण	12.00		12.00	
उपार्जित ब्याज और ऋणों पर देय	4.90	16.91	2.29	14.29
घटाएं: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए अनुमत राशि		16.36		13.83
		0.55		0.46
उपरोक्त में से				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	*0.01*		*0.01*	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	*0.54*		*0.45*	
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए और प्रावधान किए गए	*16.36*		*13.83*	
		144.39		135.78
शामिल है :				
निदेशकों से बकाया		-		-
अधिकारियों से बकाया		0.01		0.01

नोट [14] - चालू परिसम्पत्तियां

अन्य वित्तीय परिसम्पत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
बैंक जमा एवं निवेशों पर उपार्जित ब्याज	117.94	183.83
कर्मचारियों को अग्रिम	35.17	34.66
पट्टाधीन वित्त पर प्राप्त किराया	0.17	0.56
	153.28	219.05
घटाएंः अशोध्य एवं संदिग्ध अग्रिमों की अनुमत राशि	0.02	0.03
	153.26	219.02
शामिल है :		
निदेशकों से बकाया	-	0.01
अधिकारियों से बकाया	0.01	0.11

नोट [15] - चालू परिसम्पत्तियां

चालू कर परिसम्पत्तियां (प्रावधानों का निवल)

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
अग्रिम कर एवं स्रोत पर कर कटौती	2551.94	4365.15
घटाएंः कराधान के लिए प्रावधान	2329.00	3492.06
	222.94	873.09

नोट [16] - चालू परिसम्पत्तियां

अन्य चालू परिसम्पत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
वसूली योग्य दावे				
प्राप्य इनपुट कर क्रेडिट	1009.33		360.09	
वसूली योग्य दावे एवं अन्य	664.02	1673.35	649.84	1009.93
अग्रिम				
विक्रेता / उप–ठेकेदार		431.22		352.54
		2104.57		1362.47
घटाएंः अशोध्य एवं संदिग्ध अग्रिमों एवं दावों की अनुमत राशि		235.40		202.75
		1869.17		1159.72
उपरोक्त में से :				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	-		-	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए :	*1869.17*		*1159.72*	
अप्रतिभूत, संदिग्ध मानकर प्रावधान किया गया	*235.40*		*202.75*	
सुरक्षा जमा				
कर कर प्राधिकारणों एवं अन्य संस्थानों में जमा राशि		511.47		603.64
घटाएंः अशोध्य एवं संदिग्ध जमा की अनुमत राशि		34.63		38.09
		476.84		565.55
उपरोक्त में से :				
प्रतिभूत, अच्छे माने गए	-		-	
अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	*476.84*		*565.55*	
अप्रतिभूत, संदिग्ध मानकर प्रावधान किया गया	*34.63*		*38.09*	
		2346.01		1725.27
शामिल है :				
निदेशकों से बकाया		-		0.01
अधिकारियों से बकाया		0.02		0.04

नोट [17] - इक्विटी

इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
	शेयरों की संख्या (रु. में अंकित मूल्य)	राशि	शेयरों की संख्या (रु. में अंकित मूल्य)	राशि
इक्विटी शेयर पूंजी				
प्राधिकृत	**10000000000 (2)**	**2000.00**	10000000000 (2)	2000.00
जारी, अभिदत्त और प्रदत्त पूंजी	**3671400000 (2)**	**734.28**	2447600000 (2)	489.52
क) वर्ष के आरम्भ में बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या का समाधान				
वर्ष की प्रारम्भ में बकाया शेयर	**2447600000**	**489.52**	2447600000	489.52
घटाएं: वर्ष के दौरान वापस क्रय किए गए शेयर	**-**	**-**	-	-
जोड़ें : वर्ष के दौरान जारी किए गए बोनस शेयर	**1223800000**	**244.76**	-	-
वर्ष की समाप्ति पर बकाया शेयर	**3671400000**	**734.28**	2447600000	489.52
ख) वर्ष के अंत में 5 प्रतिशत से अधिक शेयरदारण करने वाले शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों का विवरण				
भारत के राष्ट्रपति	**2315178000**	**63.06%**	1543452000	63.06%
भारतीय जीवन बीमा निगम	**345680880**	**9.42%**	230453920	9.42%
प्रति शेयर अंकित मूल्य (रु.)		**2.00**		2.00

ग) इक्विटी शेयरों से संबंधित शर्तें/अधिकार: कंपनी के पास इक्विटी शेयरों की केवल एक श्रेणी हैं जिसमें प्रति शेयर रु. 2 कीमत के हैं (पिछले वर्ष ₹2 प्रति शेयर)। इक्विटी शेयरों का प्रत्येक धारक प्रति शेयर एक वोट के लिए हकदार है ।

नोट [18] - गैर – चालू देएताएं

वित्तीय देएताएं – उधार

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
अप्रतिभूत		
वित्तीय पट्टा दायित्वों की दीर्घावधि परिपक्वता	**57.18**	89.55
	57.18	89.55

(पट्टे पर नोट 39 के अनुच्छेद 16 के अनुसार प्रकटन)

नोट [19] - गैर – चालू देएताएं

वित्तीय देएताएं– व्यापार भूगतान योग्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
व्यापार भुगतान योगय	481.75	633.10
	481.75	633.10

नोट [20] - गैर – चालू देएताएं

अन्य वित्तीय देएताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
ठेकेदारों एव अन्य से जमा	110.43	102.14
पूंजी व्यय हेतु देयता	3.98	2.57
	114.41	104.71

नोट [21] - गैर – चालू देएताएं

प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
संविदागत दायित्व	3477.90	3244.33
कर्मचारी हितलाभ हेतु प्रावधान	1265.26	1524.40
अन्य प्रावधान	240.77	218.48
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व*	0.96	18.98
	4984.89	5006.19

(कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय पर नोट 39 के अनुच्छेद 13 के अनुसार प्रकटन)

नोट [22] - गैर–चालू देनदारियां

अन्य गैर–चालू देनदारियां

(₹ in Crore)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
ग्राहकों एवं अन्यों से प्राप्त अग्रिम	3337.46	2978.80
आस्थगित आय– सरकारी अनुदान#	26.60	4.56
	3364.06	2983.36

सोलर पीवी पॉवर प्लांट की स्थापना के लिए सरकार से अनुदान प्राप्त ।

नोट [23] - चालू देयताएं

वित्तीय देयताएं – उधार

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
उधार	4.55	6.03
कंपनियों से ऋण	5.73	-
	10.28	6.03

नोट [24] - चालू देयताएं

वित्तीय देयताएं – व्यापार भुगतान योग्य

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक	31 मार्च, 2017 तक
व्यापार भुगतान योग्य*	10520.28	8697.72
स्वीकृत राशियां	68.97	18.16
	10589.25	8715.88
* रु व्यापार भुगतान योग्य, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम से संबंधित है (नोट 39 का पैरा 7 देखें)	283.96	234.57

नोट [25] - चालू देयताएं

अन्य वित्तीय देयताएं

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च, 2018 तक		31 मार्च, 2017 तक	
देयताएं				
कर्मचारी बकाया	856.19		187.57	
अन्य बकाया	762.13		647.16	
पूंजीगत व्यय	111.38	1729.70	116.61	951.34
ठेकेदारों व अन्यों से जमा		563.37		511.07
वित्तीय पट्टा दायित्वों की वर्तमान परिपक्वता		42.27		60.31
न भुगतान योग्य लाभांश*		3.30		3.10
उपार्जित ब्याज एवं ऋणों पर देय ब्याज				
राज्य सरकार	-		2.33	
वित्तीय पट्टा दायित्व	3.43	3.43	3.65	5.98
ब्याज, उपार्जित लेकिन देय नहीं		0.38		0.59
		2342.45		1532.39

* वर्ष के अंत में निवेशक, शिक्षा एवं संरक्षा निधि को कोई भी राशि देय एवं बकाया नहीं।

(पट्टे पर नोट 39 का पैरा नो. 16 देखें)

अन्य बकाया में बोनस शेयर जारी करने से उत्पन्न होने वाले आंशिक शेयरों की बिक्री के ₹ 0.03 करोड़ रुपये शामिल हैं।

नोट [26] - चालू देयताएं

प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
संविदागत दायित्व	**1853.42**	1983.63
कर्मचारी हितलाभों के लिए प्रावधान	**1566.10**	1492.41
कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व ##	**30.18**	34.92
अन्य प्रावधान	**279.60**	682.82
	3729.30	4193.78

(सीएसआर व्यय पर नोट 39 का पैरा 13 देखें)

नोट [27] - चालू देयताएं

अन्य चालू देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को यथास्थिति	31 मार्च 2017 को यथास्थिति
ग्राहकों एवं अन्यों से प्राप्त अग्रिम	**4236.24**	5267.20
देयताएं – सांविधिक बकाया	**1296.47**	427.09
अस्थगित आय – सरकारी अनुदान	**7.46**	0.26
	5540.17	5694.55
ग्राहकों एवं अन्यों से प्राप्त अग्रिम में मूल्यांकन समायोजन भी शामिल है।	**1169.12**	2333.52

नोट [28]
परिचालन से राजस्व

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
बिक्री (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)	**22080.26**	22854.33
बाहरी इरेक्शन और अन्य सेवाओं से आय	**5963.01**	5010.72
	28043.27	27865.05
कमः उचित मूल्य समायोजन	**178.43**	95.22
कारोबार (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)	**27864.84**	27769.83
उत्पाद शुल्क जोड़ें	**247.98**	1102.06
कारोबार (उत्पाद शुल्क सहित)	**28112.82**	28871.89
अन्य परिचालन आय		
भाड़ा – बीमा	**288.07**	298.92
कबाड़ से आय	**147.27**	168.61
आपूर्तिकर्ताओं से वसूली	**142.68**	112.06
वापस की गई देयताएं	**97.01**	13.19
उचित मूल्य समायोजन (बिना वाईडिंग का)	**95.90**	98.88
बीमा दावा	**37.44**	77.61
निर्यात प्रोत्साहन	**26.48**	37.96
अन्य	**127.79**	52.38
अन्य परिचालन आय	**962.64**	859.61
परिचालन से राजस्व (उत्पादन शुल्क छोड़कर)	**28827.48**	28629.44
परिचालन से राजस्व (उत्पादन शुल्क जोड़कर)	**29075.46**	29731.50
परिचालन से राजस्व		
क) अंतरिम कीमतों के आधार पर	**140.73**	74.10
ख) वर्ष के दौरान रेलवे के साथ मूल्य निपटान के अनुसार पिछले वर्ष में किए गए प्रेषण के अतिरिक्त दावा के साथ।	**-**	214.65
ग) बिक्री अनुबंधों के अनुसार उठाए गए वृद्धि दावा शामिल है, प्रोद् भवन के आधार पर वृद्धि दावा सहित, जहाँ तक नवीनतम सूचकांक उपलब्ध थे।	**630.94**	899.51
घ) ग्राहकों के पक्ष में उनके अनुरोध पर किए गए उपकरणों का प्रेषण जिनके लिए भुगतान प्राप्त हुआ है उनको जोड़कर।	**-**	3.42
ड.) अनुबंध की शर्तों के अनुसार सुपुर्दगी में देरी के कारण कीमत में कमी (निवल धनवापसी) को छोड़कर।	**(5.13)**	12.50
च) जीएसटी राशि को छोड़कर	**3559.32**	एन.ए
छ) सेवा कर राशि को छोड़कर	**140.91**	534.92

नोट [29]
अन्य आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
ब्याज आय *		
बैंकों से	**520.27**	671.46
अन्य	**70.40**	5.88
	590.67	677.34
लाभांश से आय		
म्यूचुअल फंड में निवेश से लाभांश	**10.82**	21.02
	10.82	21.02
अन्य आय		
म्युचुअल फंड की इकाइयों की बिक्री से लाभ	**25.85**	-
पीपीई एवं पूंजीगत स्टोर (नेट) की बिक्री से लाभ	**9.41**	2.36
सरकार से अनुदान	**8.73**	0.17
अन्य	**32.53**	52.30
	76.52	54.83
कुल अन्य आय	**678.01**	753.19
*टीडीएस शामिल	**43.98**	69.16

नोट [30]
सामग्री खपत, संस्थापन और इंजीनियरिंग खर्च

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
कच्चे माल और घटकों की खपत	**12124.68**	13125.88
सिविल, संस्थापन एवं इंजीनियरिंग खर्च	**3418.67**	3055.51
भंडार और पूर्जों की खपत	**385.82**	425.65
	15929.17	16607.04
छूट–पीवी समायोजन सामग्री /उपसंविदा लागत	**21.90**	16.36
	15907.27	16590.68

नोट [31]
तैयार माल एवं चालू कार्य की वस्तु सूची में परिवर्तन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए	
चालू कार्य				
अंतिम शेष	**2285.51**		2535.60	
प्रारंभिक शेष	**2535.60**	**250.09**	3254.32	718.72
तैयार माल $				
अंतिम शेष	**865.01**		1297.76	
प्रारंभिक शेष	**1297.76**	**432.75**	1571.43	273.67
मार्गस्थ में अंतर प्रभागीय स्थानांतरण		**56.16**		0.55
		739.00		992.94
$ तैयार माल में उत्पाद शुल्क का तत्व				
अंतिम शेष		लागू नहीं		134.25
प्रारंभिक शेष		**134.25**		154.59

नोट [32]
कर्मचारी लाभ पर खर्च

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते और अन्य लाभ	**5044.78**	4489.98
भविष्य निधि एवं अन्य फंड के लिए योगदान	**339.04**	350.37
ग्रेच्युटी निधि के लिए योगदान	**321.91**	117.85
कर्मचारी कल्याण व्यय	**318.77**	433.26
समूह बीमा	**10.18**	11.25
	6034.68	5402.71

नोट [33]
विनिर्माण, प्रशासन, विक्रय एवं वितरण व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए	
बिजली एवं ईंधन		**463.62**		451.55
जावक माल भाड़ा		**387.15**		425.73
अन्य उप संविदा हेतु व्यय		**350.50**		322.18
सुरक्षा एजेंसियों का भुगतान		**217.92**		178.74
मरम्मत और रखरखाव :				
भवन	**56.70**		66.65	
प्लांट एवं मशीनरी	**32.29**		39.59	
अन्य	**113.07**	**202.06**	114.05	220.29
सहकारिता एवं स्वामित्व पर व्यय		**147.38**		118.69
यात्रा एवं ढुलाई वाहन		**122.21**		124.68
बीमा		**104.48**		123.87
बैंक प्रभार		**75.01**		61.54
पारिश्रामिक शुल्क		**70.03**		70.24
किराया				
आवासीय	**38.21**		49.09	
गैर आवासीय	**21.91**	**60.12**	25.41	74.50
दरें और कर		**56.45**		51.46
अनुसंधान एवं विकास व्यय		**47.99**		39.03
कार्यालय का व्यय		**47.33**		66.10
पानी का शुल्क		**41.81**		43.32
ईडीपी सॉफ्टवेयर एवं पट्टा व्यय		**38.72**		36.88
कौशल विकास पर व्यय		**37.73**		43.33
कानूनी लेखा परीक्षा और प्रमाणन व्यय		**36.56**		70.68
प्रचार एवं जनसंपर्क संबंधी व्यय		**28.55**		27.30
निर्यात संबंधी व्यय		**14.43**		15.72
मनोरंजन एवं शिष्टचार व्यय		**10.43**		10.22
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व		**10.40**		37.50
पर्यावरण संरक्षण		**8.53**		9.67
सेवा कर, स्वच्छ भारत सेस एवं अन्य सेस		**4.14**		12.26
इक्विटी शेयर के निवेश में अप्राप्त नुकसान		**1.01**		2.74
विविध व्यय		**91.10**		105.39
		2675.66		2743.61
निवल विनिमय परिवर्तन लाभ (–) या घाटा(+)		**(519.72)**		269.71
		2155.94		3013.33

नोट [33]
निर्माण, प्रशासन, विक्रय एवं वितरण व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
कानूनी, लेखा परीक्षा एवं प्रमाणीकरण व्यय में निम्न शामिल हैः		
सांविधिक लेखा परीक्षकों को भुगतान		
लेखा परीक्षण शुल्क	**0.72**	0.78
कर लेखा परीक्षा	**0.16**	0.14
त्रैमासिक सीमित समीक्षा एवं अन्य	**0.39**	0.39
लेखा परीक्षा व्यय	**0.12**	0.12
	1.39	1.43
लागत लेखा परीक्षकों का भुगतान– लेखा परीक्षा शुल्क	**0.15**	0.13
निदेशकों का शुल्क	**0.16**	0.12
विभागों का विभागीय मरम्मत एवं रखरखाव		
प्लाटं एवं मशीनरी	**202.30**	206.63
भवन	**53.98**	48.32
अन्य	**47.80**	35.62
अनुसंधान एवं विकास व्यय	**261.74**	240.74
विदेश यात्रा पर व्यय		
दौरा पर्यटन की संख्या	**224**	294
व्यय	**5.39**	5.09

नोट [34]
प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए	
वर्ष के दौरान सृजित संदिग्ध ऋण, निर्णीत हर्जाना और ऋण, अग्रिम और जमा				
वर्ष के दौरान निर्मित	3365.56		2964.19	
घटाएं : वर्ष के दौरान आहरित	764.12	2601.44	1491.65	1472.54
संविदात्मक दायित्व				
वर्ष के दौरान सृजित	797.48		619.99	
घटाएं वर्ष के दौरान आहरित	727.48	70.00	1446.68	(826.69)
अन्य				
वर्ष के दौरान सृजित	312.12		1565.40	
घटाएं वर्ष के दौरान आहरित	784.81	(472.69)	937.03	628.37
		2198.75		1274.23
बट्टे खाते डाले गए घाटे		31.98		13.60
बट्टे खाते डाले गए अशोध्य कर्ज		8.22		72.86
बट्टे खाते डाले गए निर्णीत हर्जाने		1.29		84.69
		2240.24		1445.38

नोट [35]
वित्त लागत

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए	
उधार लागत				
अनवाईंडिंग प्रावधान	197.58		258.71	
आस्थगित देयताओं में वृद्धि	22.40	219.98	30.06	288.77
ब्याज लागत				
वित्त पट्टा एवं ब्याज अन्य पर		35.18		62.53
		255.16		351.30
घटाएं: पूंजीकृत उधार लागत		-		-
		255.16		351.30

नोट [36]
कर व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए	
चालू कर				
चालू वर्ष के लिए	**551.81**		610.11	
पिछले वर्षों के लिए	**26.86**	**578.67**	(311.76)	298.35
आस्थगित कर				
चालू वर्ष के लिए	**(64.54)**		(463.11)	
पिछले वर्षों के लिए	**262.55**	**198.01**	295.15	(167.96)
		776.68		130.39

नोट [37]
अन्य समग्र आय / व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
आय / (व्यय)		
परिभाषित कर्मचारी लाभों का पुनर्मूल्यांकन	**127.39**	(43.67)
घटाएं : उपरोक्त मदों से संबंधित आय कर**	**44.09**	(15.11)
	83.30	(28.56)
*शामिल हैं –		
वर्तमान कर	**28.33**	0.42
आस्थगित कर	**15.76**	(15.53)

नोट [38]
प्रति शेयर अर्जन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
इक्विटी शेयरधारकों के कारण लाभ	**438.19**	455.18
इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	**367.14**	367.14
प्रत्येक 2 रुपये प्रति शेयर का मूल और डाइल्यूटेड अर्जन	**1.19**	**1.24**

दिनांक 22 सितंबर, 2017 को आयोजित अपनी वार्षिक आम बैठक में कंपनी के शेयरधारकों ने 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दी, यानी दो मौजूदा पूर्ण भुगतान किए गए इक्विटी शेयर के लिए एक इक्विटी शेयर जारी किया गया। बोनस शेयर 3 अक्टूबर, 2017 को आबंटित किए गए थे। तदनुसार बोनस जारी करने के बाद इक्विटी शेयरों की संख्या 244.76 करोड़ से बढ़कर 367.14 करोड़ हो गई। तदनुसार, 31 मार्च, 2017 की तुलनात्मक अवधि के लिए प्रति शेयर कमाई की गणना इंडेक्स एएस 33 प्रति शेयर कमाई के साथ लाइन में बोनस जारी करने के बाद शेयरों की नई संख्या के आधार पर भी की गई है।

टिप्पणी [39]

लेखा संबधी टिप्पणियां

1. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ("बीएचईएल" या "कंपनी") भारत में स्थित सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है और बीएचईएल हाउस सिरी फोर्ट, नई दिल्ली –110049 में इसका पंजीकृत कार्यालय है।

   कंपनी एक एकीकृत बिजली संयंत्र उपकरण निर्माता है जो अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों जैसे विद्युत संचरण उद्योग, परिवहन नवीकरणीय, ऊर्जा, तेल एवं गैस और रक्षा के लिए उत्पादों के डिज़ाइन, निर्माण, परीक्षण कमीशन और और सेवाओं के विस्तृत क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

   कंपनी की एक सहायक कंपनी बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन के नाम पर है और संयुक्त उद्यम कंपनियां जैसे बीएचईएल–जीई, गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड, एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, रायचुर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, पावर प्लांट परफोर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड और डेटा धुनीवाल खांडवा पावर लिमिटेड है।

   यह समेकित वित्तीय विवरण भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, (कंपनी) इसके सहायक एवं संयुक्त उद्यम संस्थाओं से संबंधित हैं। समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किए गए हैं

लेखांकन का आधार

i) सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण और समेकन मूल कंपनी के साथ रिपोर्टिंग एक साथ एक ही तिथि को तैयार की जाती है।

ii) समेकित वित्तीय विवरण इंडेक्स के अनुसार "समेकित वित्तीय विवरण" एवं "एसोसिएट्स और संयुक्त उद्यमों में निवेश" आई एनडी एएस–28 और एएस–110 के रूप में तैयार किए गए हैं।

समेकन का आधार

1) सहायक कंपनियाँ, बीएचईएल कंपनी द्वारा नियंत्रित इकाई है।

   सहायक समूह के बैलेंस और इंट्रा–ग्रुप लेन–देन को पूरी तरह खत्म करने और हानि के अवास्तविक मुनाफे को पूरी तरह समाप्त करने के बाद सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों को संपत्ति की देनदारियों, आय और व्यय की वस्तुओं के मूल्य को जोड़कर लाइन–दर–लाइन इंडेक्स 110 के साथ "समेकित वित्तीय वक्तव्य" के पर आधार पर जोड़ा जाता है।

2) कंपनी का हित इक्विटी एकाउंट में किए गए निवेशकों के संयुक्त उद्यम के हित में शामिल है। एक संयुक्त उद्यम एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें कंपनी का संयुक्त नियंत्रण होता है जिससे कंपनी को अपनी संपत्तियों के अधिकारों और व्यवस्था की शुद्ध परिसंपत्तियों का अधिकार होता है। संयुक्त उद्यम में ब्याज इक्विटी विधि का उपयोग कर के निकाला जाता है। शुरुआत में उन्हें लागत पर पहचाना जाता है जिसमें लेनदेन लागत शामिल होती है। प्रारंभिक पहचान के बाद समेकित वित्तीय आकलन में कंपनी की हिस्सेदारी में लाभ या हानि और इक्विटी अकाउंट किए गए निवेशकों के ओसीआई भी शामिल होते हैं, उस तारीख तक जब तक महत्वपूर्ण प्रभाव या संयुक्त नियंत्रण समाप्त हो जाता है।

3) समेकित वित्तीय विवरणों को समान लेन देन और समान परिस्थितियों में अन्य–घटनाओं के लिए समान लेखांकन नीतियों का उपयोग करके तैयार किया गया है और यथासंभव प्रस्तुत किया जाता है।

4) वर्ष के लिए समेकित सहायक कंपनी के शुद्ध हानि को अल्पसंख्यक शेयरो को कंपनी के शेयरधारको के लिए जिम्मेदार शुद्ध आय पर पहुंचने के लिए समूह की आय के साथ समायोजित किया गया है ।

5) समेकित सहायक कंपनी की शुद्ध देनदारियों को अल्पसंख्यक ब्याज हिस्से की पहचान कर समेकित वित्तीय विवरण में संपत्ति देनदारियों और कंपनी शेयरधारक की इक्विटी से अलग रखा गया है।

समेकित वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित संस्थाओं के परिणाम शामिल हैं:

विवरण	व्यापार का मुख्य केंद्र	स्वामित्व का अनुपात	
		2017-18	2016-17
सहयोगी कंपनी			
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन्स लिमिटेड(बीएचईएल–ईएमएल)	भारत	**51%**	51%
संयुक्त उद्यम कंपनी (गणना के लिए इक्विटी पद्धति का उपयोग किया गाया है)			
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाईन सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड	भारत	**एक शेयर 50% से कम**	एक शेयर 50% से कम
एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्टस प्राईवेट लिमिटेड	भारत	**50%**	50%
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन	भारत	**27.97%**	27.34%

क. 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए बीएचईएल ईएमएल के वित्तीय विवरण लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के आधार पर समेकित किए गए हैं।

ख. बीएचईएल–जीई गैस टरबाइन सर्विसेज लिमिटेड के संबंध में संयुक्त उद्यमों में ब्याज 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर माना जाता है।

ग. संयुक्त उद्यमों के संबंध में एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का ब्याज वित्तीय विवरण 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षा के बगैर माना जाता है।

घ. पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट्स लिमिटेड (पीपीआईएल) के संबंध में संयुक्त उद्यमों में ब्याज को समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने पर विचार नहीं किया गया है क्योंकि कंपनी परिसमापन में है। 2 करोड़ रुपये की इक्विटी निवेश की पूरी राशि का प्रावधान क्षति के रूप में किया गया है।

ड. दादा धुनीवाला खांडवा पावर लिमिटेड के संबंध में संयुक्त उद्यम के ब्याज को समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि कंपनी परिसमापन की स्थिति में है।

2. प्रावधान में शामिल न की गई आकस्मिक देयताएँ और प्रतिबद्धताएँ इस सीमा तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं

(₹ करोड़ में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
		मांग की गई राशि	विरोध के तहत भुगतान की गई राशि	मांग की गई राशि	विरोध के तहत भुगतान की गई राशि
(i)	आकस्मिक देयताएं				
	कंपनी से किए गए दावे, जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है।				
क)	बिक्री कर	**1683.30**	**292.91**	1846.50	298.34
ख)	अदालत और मध्यस्थ/मामले	**951.09**	**-**	884.19	-
ग)	सेवा कर	**387.82**	**8.51**	507.67	7.39
घ)	उत्पाद शुल्क	**311.43**	**16.53**	482.92	24.17
ड.)	आयकर	**10.66**	**-**	12.73	-
च)	सीमा शुल्क	**5.80**	**5.80**	-	-
छ)	ठेकेदारों द्वारा जवाबी दावा	**0.61**	**-**	0.61	-
ज)	माल और सेवा कर	**-**	**-**	-	-
झ)	अन्य (विवादित कर्मचारी के मामलों सहित)	**37.05**	**-**	34.74	-
		31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	
ण	निर्णीत हर्जाना (एलडी)	**5068.15**		6214.54	
	–ग्राहकों द्वारा एलडी के लिए कटौती की गई राशि	**(2715.92)**		(2730.50)	

(विभिन्न न्यायालय के मामलों, मुकदमेबाजी और कंपनी द्वारा विवादित दावों को देखते हुए, संसाधनों का बहिर्वाह इस चरण में पता नहीं है।)

(₹ करोड़ में)

(ii)	आकस्मिक देयता में परिवर्तन	Amount
	दिनांक 1 अप्रैल, 2017 को प्रारंभिक शेष	9983.90
	घटाएं : प्रारंभिक शेष में कमी	2782.95
	जोड़ें : वर्ष के दौरान वृद्धि (निवल)	1254.96
	दिनांक 31 मार्च 2018 को अंतिम शेष	8455.91

(₹ करोड़ मे)

विवरण		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
(iii)	प्रतिबद्धताएँ		
क)	अनुबंध की अनुमानित राशि, अग्रिमों का निवल, शेष पूंजी खाते पर निष्पादित किया जाना शेष है और इसके लिए प्रदान नहीं किया गया है।	226.51	193.93
	– (उपरोक्त अमूर्त संपत्तियों के अधिग्रहण हेतु शामिल है)	(10.01)	(3.96)
ख)	संयुक्त उद्यम संस्थाओं में निवेश जिसके लिए कंपनी के निगमन की तारीख से पांच साल के लिए उनके निपटारे के लिए प्रतिबंध हैं/परियोजना का वाणिज्यिक प्रचालन/परियोजना की पहली इकाई/प्रथम ईपीसी अनुबंध की समाप्ति जैसा भी मामला हो	50.00	639.32
ग)	अतिरिक्त इक्विटी हिस्सेदारी लेने के लिए अन्य जेवी पार्टनर की अक्षमता के मामले में संयुक्त उद्यम में अतिरिक्त निवेश की प्रतिबद्धता	-	111.26

घ) व्यवसाय की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, दीर्घकालिक संस्थापन अनुबंध होने के कारण सामग्री आदि की खरीद के लिए अन्य प्रतिबद्धताएं हो सकती हैं, जिसे सामान्य व्यावसायिक प्रक्रिया माना जाता है।

3. (i) कंपनी के पास कुल बैंकों से नकद क्रेडिट सीमा ₹5000 करोड़ (पिछले वर्ष ₹5000 करोड़) और बैंक गारंटी/ क्रेडिट सीमा के पत्रों के संबंध में कंपनी की काउंटर गारंटी/क्षतिपूर्ति आबंध बैंकों के कंसोर्टियम द्वारा स्वीकृत 55000 करोड़ (पिछले वर्ष ₹55000) है। ये कच्चा माल, घटक, कार्य जो प्रगति पर है, तैयार माल, भंडार, व्यापार प्राप्तियां और वर्तमान और भविष्य दोनों अन्य मौजूदा संपत्तियों के प्रथम प्रभार आडमान के माध्यम से संरक्षित हैं। बकाया बैंक 31.03.2018 तक ₹43882 करोड़ (पिछले वर्ष ₹40667 करोड़) की गारंटी देता है।

(ii) दायित्वों के लिए कॉर्पोरेट गारंटी 31.03.2018 तक ₹1747.07 करोड़ बकाया है। (पिछले वर्ष ₹1733.80 करोड़) थी।

4. व्यापार प्राप्तियाँ, व्यापार देय, ठेकेदारों के अग्रिम, जमा और उप–ठेकेदारों/फैब्रीकेटर के पास उपलब्ध स्टॉक/सामग्री के तहत दिखाया गया शेष पुष्टिकरण सुलह और परिणामी समायोजन के आधार पर यदि कोई हो को उसके अधीन होगा। कंपनी दीर्घकालिक निर्माण अनुबंधों के कारोबार में है, ग्राहकों द्वारा अनुमोदित बिलिंग अनुसूची के अनुसार अनुबंध के अनुसार बिल बनाए जाते हैं जहां भी आवश्यक माना जाता है,अविरत प्रक्रियानुसार एवं प्रावधान के अनुसार समाधान किया जाता है। परियोजना के पूर्ण होने के पश्चात ग्राहक के साथ अंतिम समाधान किया जाता है (ट्रायल आपरेशन एवं पी जी टेस्ट पूरा किया गया) (प्रावधानों के दीर्घकालिक निवल सहित कुल प्राप्तियां ₹35493 करोड़ हैं (पिछले वर्ष रू 31863 करोड है), जिनमें स्थगित ऋण और अन्य ऋण 19041 करोड़ शामिल हैं। (पिछले वर्ष रू 19116 करोड है) जो वर्तमान में भुगतान के लिए नहीं है और ₹7307 करोड़ (पिछले वर्ष ₹6287 करोड़) पूर्ण परियोजनाओं के संबंध में बकाया है। जिसमें से ग्राहकों के साथ मिलकर समाधान किए गए पूर्ण किए गए परियोजनाओं के संबंध में 6428 करोड (पिछले वर्ष ₹5497 करोड़ है)

5. कंपनी ने 1 अप्रैल, 1999 को नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) से 30 साल की अवधि के लिए पट्टे पर अमॉरफस सिलिकॉन सोलार सेल प्लांट (एएसएससीपी), गुड़गांव को लिया था। नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ औपचारिक पट्टा समझौता को अंतिम रूप दिया जाना है।

6. 1990–91 तक सरकार के अनुरोध पर कंपनी द्वारा उठाए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के संबंध में भारत सरकार द्वारा मांगे गए गारंटी शुल्क के लिए मौजूदा वित्तीय देयताओं में रुपये ₹100.51 (पिछले वर्ष ₹100.51 करोड़ है) की राशि शामिल है। इसके छूट के मामले को सरकार के साथ उठाया गया है क्योंकि जब ऋण (सरकार द्वारा गारंटीकृत) कंपनी द्वारा लिया गया था। उस समय गारंटी शुल्क के भुगतान के लिए कोई शर्त नहीं थी।

7 सूक्ष्म और लघु उद्यमों के प्रकटीकरण के कारण

(₹ करोड़ मे)

विवरण	2017-18	2016-17
i) लेखांकन वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को भुगतान न की गई मूल राशि।	**283.96**	234.57
ii) लेखांकन वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ताओं को, भुगतान न की गई राशि पर देय ब्याज	**-**	-
iii) धारा 16 के अधीन भुगतान की गई ब्याज की राशि, वर्ष के दौरान निर्धारित दिनों से अधिक के लिए आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि	**0.44**	0.07
iv) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जिसे भुगतान किया गया है लेकिन वर्ष के दौरान नियुक्त दिन से अधिक) लेकिन इस अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोडने के बिना	**-**	-
v) वर्ष के अंत में अर्जित ब्याज की राशि और वर्ष के अंत में भुगतान न की गई बकाया राशि।	**-**	-
vi) देय राशि की शेष राशि जिसका भुगतान आने वाले वर्षों में किया जाना है ऐसी तारीख तक जब ऊपर का देय ब्याज वास्तव में छोटे उद्यमों को, अस्वीकृति की उद्देश्य के लिए कटौती व्यय के रूप में भुगतान किया जाता है	**-**	1.73

8. आयकर दर लागू करके परिकलित आयकर प्रावधान एवं राशि गणना के बीच समाधान (आस्थगित कर को छोड़कर)

(₹ करोड़ मे)

विवरण		2017–18 के समाप्त वर्ष के लिए	2016–17 के समाप्त वर्ष के लिए
कुल समग्र आय / (घाटा) कर पूर्व	**(क)**	**1,342.44**	541.76
आयकर दर	**(ख)**	**34.608%**	34.608%
कर व्यय	**(ग) = (क) X (ख)**	**464.59**	187.49
राशि का कर प्रभाव निम्नानुसार जोड़ें:			
क) व्यय – कटौती नहीं की गई		**6.99**	13.96
ख) छूट आयकर		**(3.74)**	(7.27)
ग) कर प्रोत्साहन		**(37.48)**	(70.49)
घ) कर दर में परिवर्तन		**(34.17)**	-
ड) कर व्यय में परिवर्तन – पिछले साल		**289.41**	(16.61)
ट) जे वी लाभ / (घाटा) के हिस्से पर कर प्रभाव		**135.17**	8.20
कुल	**(डी)**	**356.18**	(72.21)
शुद्ध कर व्यय	**(ई)=(सी)+(डी)**	**820.77**	115.28
शुद्ध कर व्यय (नोट 36 और 37 देखें)	**(एफ)**	**820.77**	115.28

9. अनुसंधान एवं विकास व्यय

वर्ष के दौरान किए गए अनुसंधान एवं विकास व्यय का विवरण, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा (2 एबी) के तहत (भूमि या भवन के अतिरिक्त) योग्य है।

(₹ करोड़ मे)

विवरण		31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए
क) (i) जमीन			
(ii) भवन		**2.08**	-
ख) यंत्र एवं मशीनरी एवं अन्य उपकरण		**11.34**	16.12
ग) राजस्व व्यय			
वेतन/मजदूरी		**157.70**	141.81
सामग्री/उपभोग्य/पुर्जे		**17.80**	18.10
उपयोगिता		**0.54**	0.55
अन्य आर एंड डी संबंधित खर्च		**30.93**	31.82
कुल राजस्व व्यय		**206.97**	192.28
घ) आर एंड डी केंद्र द्वारा कोई रसीद/आय		**(1.69)**	(4.73)
ङ) कटौती योग्य निवल राशि	(B+C-D)	**216.62**	203.67

बीएचईएल, आईजीसीएआर एवं एनटीपीसी की संयुक्त टीम ने अगस्त, 2010 में भविष्य हेतु अनुसंधान एवं विकास परियोजना क्षेत्र में थर्मल पावर प्लांट्स के लिए उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी के विकास के लिए समझौता ज्ञापन किया है, जिसमें कम कोयले की खपत के साथ–साथ कार्बन डाई –ऑक्साइड (सीओ 2) का कम उत्सर्जन शामिल है। आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) ने 10 अगस्त, 2017 को आयोजित बैठक में परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना में ₹1554 करोड़ का अनुमानित व्यय शामिल है जिसमें बीएचईएल से ₹270 करोड़े, एनटीपीसी से ₹50 करोड़, आईजीसीएआर से ₹234 करोड़, डीएसटी से ₹100 करोड़ और सरकार के भारी उद्योग विभाग से शेष ₹900 करोड़ का योगदान शामिल है जो आर एंड डी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 2017–18 से शुरू होने वाले तीन वर्षों के समय विस्तार में फैला है। बीएचईएल ने अपने योगदान से 2017–18 में ₹23.60 करोड़ खर्च किए हैं और आर एंड डी व्यय के खाते में है।

10. सहयोगी कंपनियां

क) सहयोगी कंपनियों के नाम

विवरण	व्यापार का प्रमुख स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व ब्याज का अनुपात		गैर नियंत्रित ब्याज द्वारा स्वामित्व ब्याज का अनुपात	
		निम्न रूप से			
		31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड	भारत	**51%**	51%	**49%**	49%

बी एच ईएल ईएमएल लिमिटेड (सहायक कंपनी) विद्युत मशीनों के घूर्णन के विनिर्माण में लगी हुई है और केरल के कासरगोड में स्थित है।

(ख) सहयोगी कंपनी की संक्षिप्त वित्तीय जानकारी निम्नानुसार है। सहायक कंपनी के लिए दर्शाई गई राशि अंतर–कंपनी स्तर पर कम किए जाने से पूर्व है:–

(₹ करोड़ मे)

संक्षेप तुलन पत्र	31 मार्च, 2018 के लिए	31 मार्च, 2017 के लिए
गैर–चालू परिसंपत्तियाँ	12.42	11.55
चालू संपत्तियाँ	9.54	15.02
कुल संपत्ति	21.96	26.57
गैर–चालू देयता	8.11	6.82
चालू देयता	22.12	21.98
कुल देयता	30.23	28.8
निवल संपत्ति	(8.27)	(2.23)
संचित गैर नियंत्रित ब्याज (एनसीआई)	(4.05)	(1.08)

(₹ करोड़ मे)

लाभ और हानि का संक्षेप में विवरण	2017–18 को समाप्त वर्ष के लिए	2016–17 को समाप्त वर्ष के लिए
राजस्व	14.53	32.13
वर्ष में लाभ (नुकसान)	(6.01)	(4.24)
अन्य समग्र आय	(0.04)	0.44
कुल समग्र आय	(6.05)	(3.80)
एनसीआई को जाने वाले लाभ एवं (हानि)	(2.97)	(1.86)

(₹ करोड़ मे)

संक्षेप में नकदी प्रवाह	2017–18 को समाप्त वर्ष के लिए	2016–17 को समाप्त वर्ष के लिए
परिचालन गतिविधि से नकद प्रवाह	(5.17)	(2.17)
निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह	-	(0.04)
वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह	3.83	2.77
नकद और नकद समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/(कमी)	(1.34)	0.56

11. संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएं

क) इंड एएस वित्तीय विवरणों के आधार पर संयुक्त उद्यम की सारांशित वित्तीय जानकारी, और वित्तीय विवरणों में निवेश की मात्रा के साथ समाधान नीचे निर्धारित किया गया है:

(₹ करोड़ मे)

संयुक्त उद्यम का नाम (इक्विटी विधि द्वारा लेखांकन किया गया है)	व्यापार का मुख्य स्थान	स्वामित्व का अनुपात		अग्रेषित राशि	
		31 मार्च, 2018 के लिए	31 मार्च, 2017 के लिए	31 मार्च, 2018 के लिए	31 मार्च, 2017 के लिए
बीएचईएल–जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड(बीजीजीटीएस)	भारत	प्रति शेयर में 50% प्रतिशत कमी	प्रति शेयर में 50% प्रतिशत कमी	2.38	2.38
एनटीपीसी–बीएचईएल पावर परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)	भारत	50.00%	50.00%	4.40	50.00
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड(आरपीसीएल)	भारत	27.97%	27.34%	664.04	589.32
दादा धुनिवाले खांडवा पावर लिमिटेड	भारत	50.00%	50.00%	17.00	15.79

बीजीजीटीएस बीएचईएल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है और जीई, संयुक्त राज्य अमरीका जीई अभिकल्पित गैस टरबाइन की मरम्मत और सर्विसिंग करने के लिए गठित किया गया है।

बीएचईएल एनटीपीसी लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी "एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड" की स्थापना की है ताकि ईपीसी अनुबंध के लिए भारत और विदेशों में बिजली संयंत्रों और अन्य बुनियादी परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा सके।

येरामारस, कर्नाटक में 2X800 मेगावॉट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट एवं एडलापुर, रायचूर में 1,800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना के लिए रायचूर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड को निर्माण,स्वामित्व एवं प्रचालन आधार पर प्रोत्साहित किया गया है। येरामारस थर्मल पॉवर प्लांट (टीपीपी) इकाई I एवं इकाई II की वाणिज्यिक प्रचालन तिथि (सीओडी) मार्च 2017 एवं अप्रैल 2017 को हासिल किया गया।

क) एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के मूल्य में हानि का प्रावधान शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर ₹45.60 करोड़ की सीमा तक किया गया हैं। 8 फरवरी, 2018 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल ने एनबीपीपीएल के समापन को आगे बढ़ाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

ख) ऊर्जा संयंत्र निष्पादन सुधार लिमिटेड में निवेश के मूल्य में हानि का प्रावधान ₹2 करोड़ (पिछले वर्ष ₹2 करोड़) किया गया है चूंकि कंपनी का परिसमापन हुआ है एवं इक्विटी के रूप में भुगतान की गई राशि वसूली योग्य नहीं है।

ग) दादा धुनीवाला खांडवा पावर लिमिटेड में निवेश के मूल्य में नुकसान के प्रावधान को शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर ₹5.50 करोड़ (पिछले वर्ष ₹6.71 करोड़) तक रखा गया है। कंपनी समापन की प्रक्रिया में है। डीडीकेपीएल में ₹22.50 करोड़ के निवेश के समक्ष 27 अप्रैल 2018 को ₹17 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है।

घ) वर्ष के दौरान लातूर पावर कंपनी लिमिटेड को बंद कर दिया गया।

ख) संयुक्त उद्यम की संक्षिप्त वित्तीय जानकारी निम्नानुसार है :
बीएचईएल–जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड

(₹ करोड़ मे)

तुलन पत्र	31 मार्च 2018 को	31 मार्च 2017 को
बीएचईएल शेयर	**50%**	50%
गैर मौजूदा परिसंपत्तियाँ	**18.86**	18.87
मौजूदा संपत्तियाँ	**227.10**	188.65
नकद और नकद समकक्ष (बेंक शेष के साथ) मौजूदा संपत्तियों में शामिल है।	**24.85**	8.30
गैर मौजूदा देयता	**2.32**	3.41
गैर मौजूदा वित्तीय देयता (व्यापार भुगतान योग्य को छोड़कर)	**0.33**	0.40
मौजूदा देयता	**105.09**	74.81
वर्तमान वित्तीय देयता (व्यापार भुगतान योग्य को छोड़कर)	**4.29**	4.05

(₹ करोड़ मे)

लाभ एवं हानि का विवरण	31 मार्च 2018 अंत तक के लिए	31 मार्च 2017 अंत तक के लिए
राजस्व	**321.33**	269.38
ब्याज आय	**5.03**	6.40
मूल्यह्रास और परिशोधन	**2.29**	1.68
ब्याज व्यय	**0.22**	0.53
आयकर व्यय	**14.70**	13.38
वर्ष में लाभ एवं हानि	**26.82**	24.00
अन्य समग्र आय	**0.18**	(0.14)
कुल समग्र आय	**27.00**	23.86

रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(₹ करोड़ मे)

तुलन पत्र	31 मार्च 2018 को	31 मार्च 2017 को
बीएचईएल शेयर	27.97%	27.34%
गैर चालू परिसंपत्तियाँ	3,429.20	3400.01
चालू संपत्तियाँ	277.88	21.27
नकद और नकद समकक्ष (बैंक शेष के साथ) मौजूदा संपत्तियों में शामिल है।	1.02	0.14
गैर चालू देयता	3,142.24	2719.70
गैर चालू वित्तीय देयता (व्यापार भुगतान योग्य राशि को छोड़कर)	3,142.24	2719.70
चालू देयता	299.35	117.27
वर्तमान वित्तीय देयता (व्यापार भुगतान योग्य राशि को छोड़कर)	137.23	45.84

(₹ करोड़ मे)

लाभ एवं हानि का विवरण	31 मार्च 2018 अंत तक के लिए	31 मार्च 2017 अंत तक के लिए
राजस्व	258.02	0.00
मूल्यह्रास और परिशोधन	188.08	3.54
ब्याज व्यय	319.19	1.12
आयकर व्यय	-	-
प्रचालन को बंद करने से हुए कर लाभ या हानि के बाद वर्ष के लिए लाभ/(हानि)	(376.23)	(4.93)
कुल समग्र आय मूल्यह्रास और परिशोधन	(376.23)	(4.93)

एनटीपीसी–बीएचईएल पावर परियोजना प्राइवेट लिमिटेड

(₹ करोड़ मे)

तुलन पत्र	31 मार्च 2018 को	31 मार्च 2017 को
बीएचईएल शेयर	50%	50%
गैर चालू परिसंपत्तियाँ	195.07	93.39
चालू संपत्तियाँ	167.23	254.30
नकद और नकद समकक्ष चालू संपत्तियों में शामिल है	6.06	8.96
गैर चालू देयता	159.38	16.41
चालू देयता	198.52	309.97
गैर चालू वित्तीय देयता (ट्रेड भुगतान को छोड़कर)	37.93	60.53

लाभ एवं हानि का विवरण	31 मार्च 2018 अंत तक के लिए	31 मार्च 2017 अंत तक के लिए
राजस्व	73.24	321.58
ब्याज आय	0.60	3.88
मूल्यह्रास और परिशोधन	4.05	4.04
ब्याज व्यय	0.76	0.34
आयकर व्यय	(11.93)	0.00
वर्ष में लाभ एवं हानि	(38.35)	(38.46)
कुल समग्र आय	(38.35)	(38.46)

12. संबंधित पार्टियों के बीच लेनदेन

i) **संयुक्त उद्यम**

बीएचईएल –जीई गैस टर्बाइन सर्विसस प्राईवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)

एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)

रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल)

दादा धुनीवाले खांडव पावर लिमिटेड

पावर प्लांट परफॉरमेन्स इम्प्रूवमेंट लिमिटेड

सहयोगी कंपनी

बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड

अन्य

केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित इकाइयाँ

भविष्य निधि ट्रस्ट

ग्रेच्युटी ट्रस्ट, पीआरएमबी ट्रस्ट, पेन्शन ट्रस्ट

ii) **अन्य संबंधित पार्टियां (प्रमुख प्रबंधन कार्मिक – कार्यकारी निदेशक मौजूदा और सेवानिवृत्त और कंपनी सचिव):**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	:	श्री अतुल सोबती
कार्यकारी निदेशक–(सर्व/श्री)	:	डी बंद्योपाध्याय, अमिताभ माथुर, एस बिस्वास, अखिल जोशी, टी चोक्कालिंगम (नवंबर 30 2017तक)
कंपनी सचिव	:	श्री आई पी सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बीएचईएल ईएमएल	:	श्री एस बसु

प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी) (₹ करोड़ मे)

विवरण	वर्ष 31 मार्च 2018 अंत तक के लिए	वर्ष 31 मार्च 2017 अंत तक के लिए
वेतन का भुगतान	**3.20**	2.34
केएमपीयों के संबंधी		
वेतन का भुगतान	**-**	-
लेनदेन का विवरण		
अल्पकालिक कर्मचारी लाभ	**2.76**	1.92
रोजगार के पश्चात लाभ	**0.44**	0.42
कुल पारिश्रमिक भुगतान	**3.20**	**2.34**

सीएमडी और कार्यकारी निदेशकों को डयूटी/ कार्य पर एवं और व्यक्तिगत यात्रा दोनों के लिए स्टाफ कार का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। ड्यूटी से स्तर यात्रा की सीमा 1000 किमी प्रति माह है। निर्धारित राशि की वसूली नियुक्ति के नियम और शर्त के अनुसार की जाएगी।कार के उपयोग के लिए रियायत मूल्य, यदि आयकर नियम 1962 के प्रावधान के अनुसार गणना की जाती है तो ₹.02 करोड़ होगी।

कम्पनी भारी उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत प्रशासनिक नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सार्वजनिक लोक उपक्रम है और इसकी अधिकांश हिस्सेदारी भारत सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है। अन्य पीएसयू, राज्य की सेवाएं, रेलवे आदि के साथ महत्वपूर्ण लेन–देन, जिन्हें भारत सरकार द्वारा सीधे या परोक्ष रूप से नियंत्रित किया जाता है। इस प्रकार की संस्थाओं के साथ लेन देन सामान्य, खुले बाजार मूल्य पर आधारित होता है।

iii) संयुक्त उद्यमों और शेष के साथ लेनदेन का विवरण

(₹ करोड़ मे)

विवरण	के समाप्त वर्ष के लिए							
	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017	मार्च 31, 2018	मार्च 31, 2017
	बीजीजीटीएस		आरपीसीएल		एनबीपीपीएल		कुल (अन्यसहित)	
माल एवं सेवाओं की बिक्री	**196.48**	187.76	**91.22**	235.46	**77.27**	361.57	**364.97**	784.79
लाभांश आय	**14.76**	12.85	**-**	-	**-**	-	**14.76**	12.85
रायल्टी से आय	**0.90**	1.47	**-**	-	**-**	-	**0.90**	1.47
माल एवं सेवाओं का क्रय	**1.02**	0.56	**-**	-	**7.38**	9.49	**8.40**	10.05
शेयरों का क्रय	**-**	-	**74.72**	-	**-**	-	**74.72**	-
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशि	**48.06**	42.61	**484.76**	472.18	**310.43**	309.34	**843.25**	824.13
वर्ष के अंत में बीएचईएल की देय राशि (अग्रिम हित)	**0.08**	0.16	**16.94**	27.55	**90.58**	91.66	**107.60**	119.37
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम के लिए प्रावधान	**0.22**	-	**-**	-	**23.34**	12.20	**23.56**	12.22

13 डीपीई द्वारा जारी दिशानिर्देशों के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार, कम्पनी की अपनी सीएसआर नीति के अनुरूप प्रत्येक वित्तीय वर्ष के गत तीन वित्तीय वर्षों के औसत लाभ का लगभग 2 प्रतिशत प्रत्येक वित्तीय वर्ष में खर्च करना आवश्यक है। वर्ष के लिए सीएसआर पर किये गये व्यय का विवरण निम्न प्रकार से है:

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
क. वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली राशि	10.40	37.50
ख. पिछले वर्ष से उलब्ध राशि	53.90	88.98
ग. कुल (क+ख)	64.30	126.48
ड़. वर्ष के दौरान निम्न पर व्यय की गई राशि		
– निर्माण/किसी सम्पत्ति का अधिग्रहण	-	-
– उपरोक्त (1) के अलावा अन्य प्रयोजनों पर	33.16	72.58
कुल	33.16	72.58
अग्रेषित की गई राशि	31.14	53.90
चालू समय में	30.18	34.92
गैर चालू समय में	0.96	18.98

च) 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान किया गया व्यय

(₹ in Crore)

विवरण	नकद	नकद भुगतान किया जाना है	कुल
1) निर्माण/किसी सम्पत्ति का अधिग्रहण	-	-	-
2) उपरोक्त (1) के अलावा अन्य प्रयोजनों पर	7.36	3.04	10.40

छ) 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान किया गया व्यय

(₹ in Crore)

विवरण	नकद	नकद भुगतान किया जाना है	कुल
1) निर्माण/किसी सम्पत्ति का अधिग्रहण	-	-	-
2) उपरोक्त (1) के अलावा अन्य प्रयोजनों पर	26.78	10.72	37.50

14 लाभांश

वर्ष के दौरान निम्नलिखित लाभांश घोषित और भुगतान किया गया

(₹ करोड़ मे)

	समाप्ति वर्ष 2017–2018	समाप्ति वर्ष 2016–2017
अन्तिम लाभांश ₹0.78 (0.40 गत वर्ष) प्रति क्वालिफाइंग इक्विटी शेयर	190.92	97.90
अन्तरिम लाभांश ₹ 0.80 (गत वर्ष 0.80) प्रति क्वालिफाइंग इक्विटी शेयर	293.71	195.81

क) उपरोक्त अन्तिम लाभांश आंकड़े में लाभांश पर कर ₹38.87 करोड़ (गत वर्ष ₹19.93 करोड़) शामिल नही है

ख) उपरोक्त अन्तरिम लाभांश आंकड़े में लाभांश पर कर ₹59.79 करोड़ (गत वर्ष ₹39.6 करोड़) शामिल नहीं है

ग) कंपनी ने 3 अक्टूबर 2017 को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर आवंटित किये है। तदनुसार, इक्विटी शेयरों की संख्या 244.76 करोड़ से बढ़कर 367.14 करोड़ हो गई। 2017–18 में भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश 367.14 करोड़ की इक्विटी शेयर की बढ़ी हुई संख्या पर था।

घ) कंपनी ने वर्ष 2017–18 के लाभ मे से ₹734.28 करोड़ की भुगतान पूंजी पर अंतिम लाभांश/51% (₹1.02 प्रति शेयर, ₹374.48 करोड़ राशि) का प्रस्ताव दिया है। कुल लाभांश का भुगतान (₹374.48 करोड़) कॉर्पोरेट लाभांश कर के साथ ₹451.45 करोड़ होगा।

ड.) निदेशक मंडल ने 29 मई 2018 को आयोजित बैठक में वित्तीय विवरण 2017–18 जारी करना प्राधिकृत किया है।

15. प्रकटन भारतीय लेखा मानक 11 निर्माण संविदा

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के लिए निर्धारित संविदा राजस्व	**22195.09**	21757.36
वर्ष की समाप्ति पर चल रही संविदा के संबंध में		
इस तिथि तक उपार्जित लागत और निर्धारित राजस्व (निर्धारित हानि घटाएं) की औसत राशि	**293727.90**	280975.13
प्राप्त अग्रिम की राशि	**5398.72**	4447.76
रोके गए ऋणों की राशि (आस्थगित ऋण)	**17940.20**	17776.01
उचित नेट ऑफ के बाद ग्राहकों से बकाया के संबंध में		
परिसम्पत्ति के रूप में, संविदा कार्य के लिए ग्राहक से बकाया सकल राशि	**3216.73**	2939.99
देयता के रूप में, संविदा कार्य के लिए ग्राहक से बकाया सकल राशि	**1090.79**	1169.85

भारतीय लेखा मानक–11 के अनुसार निर्माण संविदाओं के संबंध में अनुमानित कुल लागत एवं कुल राजस्व की समीक्षा की जाती है और राजस्व निर्धारण के प्रतिशत पूर्णता के लिए इसे समय–समयं पर उदयतन किया जाता है। तथापि, अनुमानों में परिवर्तन के प्रभाव को जानने के लिए यह अव्यावहारिक है।

16 पट्टा

भारतीय लेखा मानक 17– पट्टा

परिचालन पट्टा प्रतिबद्धताएं – कम्पनी एक पट्टेदार

कम्पनी विलोपन और गैर विलोपन दोनों परिचालन पट्टे पर कर्मचारियों के लिए आवास, कार्यालय भवन और ईडीपी उपकरण आदि लेने की प्रक्रिया की जाती है। निम्नलिखित प्रत्येक अवधि के लिए गैर विलोपन परिचालन पट्टे के अंतर्गत भावी न्यूनतम पट्टा भुगतान निम्नानुसार था–

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
एक वर्ष से कम	**1.53**	2.74
एक से पाँच वर्षों तक के लिए	**1.53**	3.12
पाँच वर्ष से अधिक अवधि हेतु	**1.31**	1.03
	4.37	6.89

वित्त पट्टा प्रतिबद्धताएं – कम्पनी एक पट्टेदार के रूप में

कम्पनी ने भूमि, भवन, ईडीपी उपकरण वित्त पट्टे पर लिए हैं। रद्द न किए जाने योग्य पट्टे के अंतर्गत भावी न्यूनतम पट्टा भुगतान निम्नवत् है–

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
एक वर्ष से कम	**49.86**	73.88
एक और पाँच वर्षों के बीच	**69.84**	104.60
पाँच वर्ष से अधिक	**0.00**	0.00
	119.70	178.48

वित्त पट्टा दायित्व निम्नानुसार देय हैं

(₹ करोड़ मे)

विवरण	भावी न्यूनतम पट्टा भुगतान		ब्याज		न्यूनतम पट्टा भुगतान की वर्तमान मूल्य	
	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
एक वर्ष से कम	**49.86**	73.88	**7.59**	13.57	**42.27**	60.31
एक और पाँच वर्षों के बीच	**69.84**	104.60	**12.66**	15.05	**57.18**	89.55
पाँच वर्ष से अधिक	**0.00**	0.00	**0.00**	0.00	**0.00**	0.00

वित्त पट्टा प्रतिबद्धताएं – कम्पनी पट्टादाता के रूप में

कम्पनी ने लोकोमोटिव्स वित्तीय पट्टे पर दी है। वित्त पट्टा प्राप्य के घटक निम्नानुसार हैं

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
पट्टे में सकल निवेश		
एक वर्ष से कम	**0.17**	0.56
एक और पाँच वर्षों के बीच	**0.02**	0.19
पाँच वर्ष से अधिक	**-**	-

वित्त प्राप्तियों में शुद्ध निवेश

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
गैर अर्जित वित्तीय आय	**0.01**	0.03
वित्तीय प्राप्तियों में शुद्ध निवेश	**0.19**	0.72

न्यूनतम पट्टा प्राप्तियों का वर्तमान मूल्य निम्नानुसार है

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
न्यूनतम पट्टा प्राप्तियों का वर्तमान मूल्य		
एक वर्ष से कम	**0.17**	0.56
एक और पाँच वर्षों के बीच	**0.02**	0.16
	0.19	0.72

17 भारतीय लेखा मानक 19 के अनुसार 'कर्मचारी हितलाभ'

कंपनी के पास परिभाषित हितलाभ योजना प्रकृति की निम्नलिखित योजनाएं हैं

i) ग्रेच्युटी योजना

ii) सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा हितलाभ

iii) भविष्य निधि योजना

क. ग्रेच्युटी (वित्त पोषित योजना)

कम्पनी के पास परिभाषित हितलाभ ग्रेच्युटी योजना है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने लगातार पांच वर्षों या उससे अधिक नियमित सेवा की है, वह अधिकतम रूपये 20लाख के अधीन सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिन वेतन (15/26 X अंतिम देय मूल वेतन + मंहगाई भत्ता) पाने का पात्र है। भविष्य के भुगतानों में भी ग्रेच्युटी दायित्व बनता है जिसका भुगतान सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान मृत्यु, सेवा छोड़ते समय किया जाता है। दायित्व की गणना अनुमानित यूनिट क्रेडिट बीमांकिक पद्धति पर किया जाता है। ग्रेच्युटी अधिनियम को संशोधित किया गया है और सरकार ने 2017–18 के दौरान ₹10 लाख की पूर्व सीमा से ₹20 लाख तक अधिकतम ग्रेच्युटी सीमा में वृद्धि अधिसूचित की है।

I. ग्रेच्युटी योजना पर शुद्ध परिभाषित हितलाभ (परिसम्पत्ति)/दायित्व में निस्सरण

(₹ करोड़ मे)

विवरण	परिभाषित हितलाभ दायित्व		योजना परिसम्पत्ति का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित हितलाभ ;परिसम्पत्ति)/दायित्व	
	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
प्रारम्भिक शेष	**1,936.16**	1,944.44	**1,931.42**	1,939.47	**4.74**	4.97
वर्ष के लिए लाभ में शामिल						
वर्तमान सेवा लागत	**121.07**	117.46	**-**	-	**121.07**	117.46
पूर्व सेवाओं की लागत	**200.47**	-	**-**	-	**200.47**	-
ब्याज लागत/आय	**145.21**	155.56	**144.86**	155.16	**0.35**	0.40
वर्ष में लाभ के रूप में कुल राशि	**466.75**	273.02	**144.86**	155.16	**321.89**	117.86
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में शामिल						
पुनः मापन हानि (अर्जन)						
निम्न से उत्पन्न बीमांकिक हानि (अर्जन)						
वित्तीय धारणा में परिवर्तन	**(52.18)**	58.46	**79.28**	1.08	**(131.46)**	57.38
अनुभव समायोजन	**49.10**	(114.91)			**49.10**	(114.91)
अन्य व्यापक आय के रूप में पहचानी गई कुल राशि	**(3.08)**	(56.45)	**79.28**	1.08	**(82.36)**	(57.53)
अन्य						
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	**-**	-	**-**	60.39	**-**	(60.39)
भुगतान किए गए हितलाभ	**(211.78)**	(224.85)	**(211.55)**	(224.68)	**(0.23)**	(0.17)
अदत्त हितलाभ	**(130.00)**	-	**(130.00)**	-	**-**	-
अंतिम शेष	**2,058.05**	1,936.16	**1,814.01**	1,931.42	**244.04**	4.74

II. योजना परिसम्पत्तियों का विवरण

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित फंड	**55.24%**	4.86%
उच्च गुणवत्ता कॉरपोरेट बॉण्ड (उद्धत)	**41.84%**	43.41%
राज्य सरकार प्रतिभूतियां (उद्धत)	**2.24%**	31.83%
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	**0.67%**	0.68%
बैंक शेष	**0.01%**	3.28%
भारत सरकार की प्रतिभूति उद्धत)	**-**	15.94%
कुल	**100.00%**	**100.00%**

III. बीमांकिक अवधारणाएं

रिपोर्टिंग तिथि को निम्नलिखित मूल बीमांकिक अवधारणाएं थी।

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
आर्थिक अवधारणाएं		
छूट दर	**7.90%**	7.50%
वेतन प्रत्यावर्तन दर	**प्रथम 4 वर्षों हेतु 6.60% प्रतिवर्ष एवं उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों हेतु 7.65% प्रतिवर्ष एवं उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकी अवधारणाएं	**60**	**60**
मृत्यु–दर सारणी	**आईएएलएम का 100% (2006–08)**	
वापसी दर प्रतिशत (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्षों तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्षों तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

IV. संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण मूल अवधारणाओं को परिवर्तित करने के लिए परिभाषित हितलाभ दायित्व की संवेदनशीलता निम्नानुसार है

(₹ करोड़ मे)

विवरण	(ग्रेच्युटी निधिपोषित)			
	31 मार्च 2018		31 मार्च 2017	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (0.50% निस्सरण)	**(68.01)**	**73.60**	(58.44)	64.16
वेतन प्रत्यावर्तन दर (0.50% निस्सरण)	**74.29**	**(69.23)**	63.49	(58.39)

मृत्यु एवं वापसी के कारण संवेदनशीलता भौतिक नही है इसलिए परिवर्तन के प्रभाव की गणना नही की गई है।

पेंशन में बढोत्तरी की दर के भुगतान में, सेवानिवृत्ति से पूर्व पेंशन में वृद्धि की दर एवं जीवन अपेक्षाओं के रूप में संवेदनशीलता लागू नही है।

उपरोक्त संवेदनशीलता विश्लेषण की इस आधार पर गणना की गई है कि रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर उपार्जित मुख्य अवधारणाओं में उचित परिवर्तन के परिणामस्वरूप परिभाषित हितलाभ दायित्व पर कोई ज्यादा प्रभाव न पड़े। यह विश्लेषण परिभाषित हितलाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन को नही दिखाता है जैसा कि यह असंभाव्य है कि अवधारणाओं में परिवर्तन एक दूसरे के अलग होने से जुड़ी हो सकती है।

V. भविष्य के वर्षों में ग्रेच्युटी प्लान का अनुमानित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ मे)

विवरण	(ग्रेच्युटी निधिपोषित)	
	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
1 वर्ष से कम	328.57	236.27
1–2 वर्ष के बीच	275.08	200.44
2–3 वर्ष के बीच	150.45	145.80
3–4 वर्ष के बीच	114.52	140.71
4–5 वर्ष के बीच	96.59	111.69
5–6 वर्ष के बीच	77.95	101.58
6 वर्ष से अधिक	1,014.89	999.67
कुल	**2,058.05**	**1,936.16**

31मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए ग्रेच्युटी प्लान के संबंध में अनुमानित अंशदान ₹127.39 करोड़ है।

रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर ग्रेच्युटी परिभाषित हितलाभ योजना दायित्व की भारित औसत अवधि 14.78 वर्ष है (31मार्च 2017 ₹14.66 वर्ष)

VI. जोखिम आशंकाएं

मूल्यांकन कुछ निश्चित अवधारणाओं, जो गतिशील प्रवृत्ति की होती है और समय के अनुसार बदलती रहती हैं पर आधारित होता है। जैसे की कम्पनी विभिन्न जोखिमों, जैसे वेतन में वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु, दिव्यांगता और आहरण के संबंध में अनावृत होती है।

ख. सेवानिवृत्ति – पश्चात चिकित्सा हितलाभ

कम्पनी में सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा हितलाभ लागू है जिसके अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारी और उसके पति/पत्नी को कम्पनी अस्पताल/सूचीबद्ध अस्पताल में कम्पनी चिकित्सा नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है। वह कम्पनी द्वारा निर्धारित सीमा के अधीन बाह्य रोगी के तौर पर अपना इलाज करा सकते हैं। इसके लिए दायित्व की गणना बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर प्रतिवर्ष की जाती है।

I. सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा हितलाभ योजना पर शुद्ध परिभाषित हितलाभ (परिसंपत्ति) / दायित्व में निस्सरण

(₹ करोड़ मे)

विवरण	परिभाषित हितलाभ दायिव		योजना परिसम्पत्ति का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित हितलाभ (परिसम्पत्ति)/दायिव	
	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
प्रारम्भिक शेष	1,820.70	1,679.37	1,820.70	-	-	1,679.37
वर्ष के लिए लाभ में शामिल						
वर्तमान सेवा लागत	32.66	30.29	-	-	32.66	30.29
ब्याज लागत/आय	136.55	134.35	136.55	-	-	134.35
लाभ के रूप में पहचानी गई कुल राशि	169.21	164.64	136.55	-	32.66	164.64

(₹ करोड़ मे)

विवरण	परिभाषित हितलाभ दायित्व		योजना परिसम्पत्ति का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित हितलाभ (परिसम्पत्ति)/दायित्व	
	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
अन्य व्यापक आय में शामिल						
पुनः मापन हानि /अर्जन)						
बीमांकिक हानि /(अर्जन) निम्न से						
जनसांख्यिकी अवधारणाएं	**-**	-	**-**	-	**-**	-
वित्तीय अवधारणाएं	**(103.19)**	74.43	**33.78**	-	**(136.97)**	74.43
अनुभव समायोजन	**149.00**	(6.61)	**-**	-	**149.00**	(6.61)
अन्य व्यापक आय में पहचानी गई कुल राशि	**45.81**	67.82	**33.78**	-	**12.03**	67.82
अन्य						
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	**-**	-	**-**	1,820.70	**-**	(1,820.70)
भुगतान किया गया हितलाभ	**(110.00)**	(91.13)	**(110.00)**	-	**-**	(91.13)
अंतिम शेष	**1,925.72**	1,820.70	**1,881.03**	1,820.70	**44.69**	(0.00)

कम्पनी की योजना परिसम्पत्तियां कम्पनी के निधि दायित्वों के लिए ली गई बीमा पॉलिसी के संबंध में कम्पनी द्वारा संचालित ट्रस्ट के माध्यम से भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा प्रतिबंधित की जाती है।

II. बीमांकिक अवधारणाएं

रिपोर्टिंग तिथि को निम्नलिखित मूल बीमांकिक अवधारणाएं थी।

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
आर्थिक अवधारणाएं		
छूट दर	**7.90%**	7.50%
वेतन प्रत्यावर्तन दर	**प्रथम 4 वर्षों हेतु 6.60% प्रतिवर्ष एवं उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों हेतु 7.65% प्रतिवर्ष एवं उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकी अवधारणाएं		
सेवानिवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु–दर सारणी	आईएएलएम का 100% (2006–08)	
वापसी दर (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्षों तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्षों तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

III. संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण मूल अवधारणाओं को परिवर्तित करने के लिए परिभाषित हितलाभ दायित्व की संवेदनशीलता निम्नानुसार है–

(₹ करोड़ मे)

विवरण	सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा हितलाभ			
	31 मार्च 2018		31 मार्च 2017	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (0.50% निस्सरण)	**(94.49)**	**96.49**	(89.34)	90.14
लागत (0.50% निस्सरण)	**97.02**	**(95.17)**	90.94	(90.02)

मृत्यु दर और निकासी/वापसी के कारण संवेदनशीलता भौतिक रूप में नही है इसलिए परिवर्तन के प्रभाव की गणना नही की गई है।

उपरोक्त संवेदनशीलता की गणना इस आधार पर की गई है कि रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर उपार्जित मुख्य अवधारणाओं में उचित परिवर्तन के परिणामस्वरूप परिभाषित हितलाभ दायित्व पर कोई ज्यादा प्रभाव न पड़े। यह विश्लेषण परिभाषित हितलाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन को नही दिखाता है जैसा कि यह असंभाव्य है कि अवधारणाओं में परिवर्तन एक दूसरे के अलग होने से होगा क्योंकि कुछ अधारणाएं एक दूसरे से जुड़ी हो सकती हैं।

IV. भविष्य में सेवानिवृत्ति – पश्चात चिकित्सा हितलाभ का अनुमानित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ मे)

विवरण	सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा हितलाभ	
	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
1 वर्ष से कम	**121.85**	103.44
1.2 वर्ष के बीच	**123.81**	105.61
2.3 वर्ष के बीच	**126.78**	108.14
3.4 वर्ष के बीच	**129.37**	111.28
4.5 वर्ष के बीच	**132.78**	115.17
5.6 वर्ष के बीच	**138.09**	119.78
6 वर्ष से अधिक	**1,153.04**	1,157.28
कुल	**1,925.72**	**1,820.70**

31मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा हितलाभ के संबंध में अनुमानित अंशदान ₹34.97 करोड़ है।

रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर सेवानिवृत्ति – पश्चात चिकित्सा हितलाभ योजना दायित्व की भारित औसत अवधि 12.84 वर्ष है (31 मार्च, 2017 **₹12.57** वर्ष)

V. जोखिम आशंकाएं

मूल्यांकन कुछ निश्चित अवधारणाओं, जो गतिशील प्रवृत्ति की होती है और समय के अनुसार बदलती रहती हैं पर आधारित होता है। जैसे की कम्पनी विभिन्न जोखिमों, जैसे चिकित्सा लागत में वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु, दिव्यांगता और आहरण के संबंध में अनावृत होती है।

ग. दीर्घावधि अवकाश देयता (ईएल / एचपीएल) – गैरपोषित

कर्मचारियों को अर्जित अवकाश लाभ और अर्द्ध वेतन छुट्टी का लाभ देती है जो कि अर्द्ध वार्षिक रूप से क्रमशः 15 दिन (अधिकतम) और 10 दिन जुड़ती जाती है। सेवा के दौरान अर्जित अवकाश नकदीकरण योग्य है और सेवा निवृत्ति के समय यह 300 दिन (अधिकतम) है। अर्द्ध वेतन छुट्टी सेवा–निवृत्ति से तीन महीने पूर्व या 50 वर्ष की आयु के ऊपर विमुक्त होने पर अधिकतम 480 दिनों की कुल सीमा तक नकदीकरण योग्य होती है। अवकाश देयता तो दीर्घ अवधि लाभ माना गया है और प्रक्षेपित इकाई क्रेडिट बीमांकिक पद्धति का उपयोग करते हुए उसका मूल्यांकन किया गया है।

I. शुद्ध परिभाषित हितलाभ (परिसम्पत्ति) / दायित्व में निस्सरण

(₹ करोड़ मे)

विवरण	दीर्घावधि अवकाश देयता	
	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
प्रारम्भिक शेष	**1,769.49**	1,628.73
वर्ष के लिए लाभ में शामिल		
वर्तमान सेवा लागत	**146.37**	107.77
ब्याज लागत/आय	**132.71**	130.30
बीमांकिक हानि/(अर्जन) निम्न से	**137.08**	226.30
वर्ष में लाभ के रूप में कुल राशि	**416.16**	**464.37**
अन्य		
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	**-**	-
भुगतान किए गए हितलाभ	**660.00**	323.61
अंतिम शेष	**1,525.65**	**1,769.49**

II. बीमांकिक अवधारणाएं

रिपोर्टिंग दिनांक पर निम्नलिखित मूल बीमांकिक अवधारणाएं थी–

विवरण	दीर्घावधि अवकाश देयता	
	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
बीमांकिक अवधारणाएं		
छूट दर	**7.90%**	7.50%
वेतन प्रत्यावर्तन दर	**प्रथम 4 वर्षों हेतु 6.60% प्रतिवर्ष एवं उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों हेतु 7.65% प्रतिवर्ष एवं उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकी अवधारणाएं		
सेवानिवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु–दर सारणी	आईएएलएम का 100: (2006.08)	
वापसी दर (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्षों तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्षों तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	**1%**

घ. भविष्य निधि

कम्पनी एक अलग ट्रस्ट में पूर्व – निर्धारित दरों पर भविष्य निधि में एक निश्चित अंशदान का भुगतान करती है जो निधियों को स्वीकार्य प्रतिभूतियों में निवेश करती है। इस मद में वर्ष के लिए ₹275.80 करोड़ (31 मार्च 2017– ₹ 282.46 करोड़) की राशि की व्यय के रूप में पहचान की गई है और इसे लाभ–हानि विवरण में प्रभारित किया गया है। भारत सरकार द्वारा सदस्यों हेतु निर्दिष्ट प्रतिफल की न्यूनतम दर सुनिश्चित करने का कम्पनी का दायित्व है। तद्नुसार, कम्पनी ने बीमांकिक की रिपोर्ट प्राप्त की है जिसके आधार पर समग्र ब्याज अर्जन और समेकित अधिशेष सभी प्रस्तुत अवधियों के लिए सांविधिक ब्याज भुगतान की आवश्यकता से अधिक है और जहां पर भी बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाण पत्र देयता के अनुसार ब्याज में कमी हुई है उसे लेखों में लिया गया है।

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयता में वृद्धि/(कमी)	**1.72**	7.73
बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयता में कमी संचित प्रावधान	**1.81**	3.53
अन्य व्यापक आय विवरण द्वारा पहचाना गया पुनः मापन अर्जन/हानि	**10.39**	12.00
लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से गणना किए गए ब्याज में कमी/अधिकता	**8.67**	4.27

कम्पनी के पास विभिन्न स्थानों पर स्थित पीएफ ट्रस्ट हैं जिसमें कम्पनी के कर्मचारी शामिल हैं और इसका अलग प्रबंधन किया जाता है। योजना परिसम्पत्ति एवं दायित्व का विवरण निम्नानुसार है–

(₹ करोड़ मे)

स्थान	परिभाषित हितलाभ दायित्व		योजना परिसम्पत्ति का उचित मूल्य		अधिशेष / कमी	
	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017	31 मार्च 2018	31 मार्च 2017
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, रानीपुर हरिद्वार	**1359.02**	1,263.70	**1362.23**	1,262.35	**3.21**	(1.35)
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, त्रिची	**1094.10**	1,088.93	**1094.87**	1,088.31	**0.77**	(0.62)
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, भोपाल	**1081.53**	1,033.79	**1088.32**	1,041.21	**6.79**	7.42
बीएचईएल नई दिल्ली ईपीएफ न्यास, नई दिल्ली	**882.34**	830.17	**894.53**	838.08	**12.19**	7.91
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, हैदराबाद	**840.78**	873.85	**878.01**	911.51	**37.23**	37.66
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नै	**563.21**	502.23	**561.40**	500.67	**(1.81)**	(1.56)
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, बंगलूरू	**544.91**	507.04	**549.86**	510.41	**4.95**	3.37
बीएचईएल (वीएपी इकाई) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	**363.29**	324.38	**363.87**	325.95	**0.58**	1.57
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, झांसी	**355.32**	344.46	**361.43**	352.49	**6.11**	8.03
भारत हेवी प्लेट्स एवं वेसेल्स लिमिटेड़ कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि विशाखापट्टनम	**104.17**	108.00	**147.60**	135.82	**43.43**	27.82

बीमांकिक अवधारणाएं

रिपोर्टिंग तिथि को मूल बीमांकिक अवधारणाएं निम्नलिखित थी–

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
आर्थिक अवधारणाएं		
छूट दर	**7.90%**	7.50%
अनुमानित सांविधिक ब्याज दर	**8.65%**	8.65%
जनसांख्यिकी अवधारणाएं		
सेवानिवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु–दर सारणी	आईएएलएम का 100% (2006–08)	
वापसी दर प्रतिशत; सभी आयु वर्ग)		
30 वर्षों तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्षों तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

18. प्रावधानों का निस्सरण – भारतीय लेखा मानक – 37

(₹ करोड़ मे)

निर्णीत हर्जाने	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
प्रारम्भिक शेष	**3883.84**	2986.92
जोड़ें– संयोजन	**2181.25**	1506.83
घटाएं– उपयोग/बट्टे खाते/भुगतान	**1.29**	84.69
घटाएं– निकासी/समायोजन	**215.30**	525.22
अंतिम शेष	**5848.50**	3883.84

निर्णीत हर्जाना कम्पनी की लेखाकरण नीति के अनुरूप प्रदान किया जाता है और भुगतान के समय अथवा अन्यथा उचितरूप से विचार किया जाता है। निर्णीत हर्जाने से संबंधित आकस्मिक देयता नोट–39 के पैरा–2 में दर्शायी गई है।

(₹ करोड़ मे)

अनुबंधित दायित्व	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
प्रारम्भिक शेष	**5227.97**	5807.13
जमा – ऋण लागत	**190.96**	250.70
जमा – संयोजन	**1055.19**	759.15
घटाएं – पीवी समायोजन	**302.11**	133.63
घटाएं – उपयोग/बट्टे खाते/भुगतान	**223.56**	161.45
घटाएं – निकासी/समायोजन	**661.53**	1288.40
जोड़े/घटाएं–अनुमान एवं दर में परिवर्तन	**44.40**	(5.53)
अंतिम शेष	**5331.32**	5227.97

संविदात्मक दायित्व हेतु प्रावधान संविदा के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार वारंटी के दायित्व की पूर्ति के लिए महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 10 अनुसूची के अनुरूप संविदा मूल्य के निर्धारित किया जाता है। उसे संविदा के वारंटी दयित्वों के पूरा होने तक प्रतिधारित किया जाता है। वास्तविक वारंटी दायित्व संबंधित संविदा की शर्तो पर निर्भर करते हुए संविदा दर संविदा और वर्ष दर वर्ष भिन्न हो सकता है।

19. वित्तीय कारक – (भा.मा.ले. – 107) लेखा वर्गीकरण और उचित मूल्य मापन

क. नकदी एवं नकदी समतुल्यों, बैंक शेष, ऋणों, व्यापार प्राप्यों, व्यापार भुगतानों और अन्यों का उचित मूल्य उनके अग्रेषित राशि के लगभग है। व्यापारिक प्राप्तियों का मूल्यांकन अपेक्षित ऋण हानियों पर विचार करने के पश्चात किया जाता है। कम्पनी मूल्यांकन तकनीकों द्वारा वित्तीय घटकों के उचित मूल्य के निर्धारण एवं प्रकटन के लिए निम्नलिखित अनुक्रम का उपयोग करती है।

लेवल 1– अभिन्न परिसम्पत्तियों या देयताओं के लिए सक्रिय बाजार में उद्धत कीमत (गैरसमायोजित)

लेवल 2– लेवल 1 के भीतर शामिल उद्धत कीमतो के अलावा इनपुट जो परिसम्पत्ति या देयता, चाहे प्रत्यक्ष (अर्थात कीमतो के रूप में) या अप्रत्यक्ष (कीमतों से व्युत्पन्न) के लिए पहचाने जाते हैं।

लेवल 3– परिसम्पत्ति या देयता के लिए इनपुट जो विचार योग्य बाजार आंकड़ो पर आधारित नही है (गैर विचार योग्य इनपुट)

ख. वित्तीय परिसम्पत्तियों/दायित्वों का वर्गीकरण (₹ करोड़ मे)

विवरण	अग्रेषित राशि	
	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसम्पत्तियां		
व्यापार प्राप्य	**35495.40**	31866.72
नकद एवं नकदी समतुल्य	**2768.81**	1485.92
अन्य बैंक शेष	**8522.78**	9007.63
ऋण	**228.67**	213.82
अन्य वित्तीय परिसम्पत्तियां	**153.28**	219.18
लाभ एवं हानि द्वारा वित्तीय परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य		
निवेश (समतप घटक)	**2.92**	3.93
परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताएं		
(चालू)	**10.28**	6.03
व्यापारिक देयता	**11071.00**	9348.98
अन्य वित्तीय देयता	**2411.16**	1573.14
वित्त पट्टा दायित्व	**102.88**	153.51

(₹ करोड़ मे)

उचित मूल्य पर मापित परिसम्पत्तियां–पुनरावर्ती उचित मूल्य मापन	स्तर 3 अनुक्रम	
	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
गैर उद्धत वित्तीय घटकों में निवेश	**2.92**	3.93

ग. उचित मूल्य के निर्धारण के लिए उपयोग की गई मूल्यांकन तकनीक

गैरउद्धत इक्विटी घटकों का उचित मूल्य लेवल 3 इनपुट का उपयोग कर निर्धारित किया जाता है जिसमें शुद्ध परिसम्पत्ति मूल्य प्रति शेयर के आधार पर निवेश की गई कम्पनी के वित्तीय विवरणों से इनपुट शामिल है।

एफवीटीपीएल परिसम्पत्तियों के रूप में वर्गीकृत गैरउद्धत इक्विटी शेयरों के उचित मूल्य मापन का मिलान

(₹ करोड़ मे)

31 मार्च 2017 को	3.93
उचित मूल्य में परिवर्तन	(1.01)
31 मार्च 2018 को	**2.92**

घ. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

उद्देश्य एवं नीतियां

कंपनी की गतिविधियां उस क्षेत्र में परिचालन करने वाली किसी भी कंपनी के प्राकृतिक व्यापारिक एक्सपोजर से उत्पन्न होने वाले विभिन्न वित्तीय जोखिमों को उजागर करती है। कम्पनी का वित्तीय जोखिम प्रबंधन व्यवसाय कार्यनीतियों का एक एकीकृत भाग है। कंपनी अपने विभिन्न हितधारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप वित्तीय जोखिम से संबंधित अपनी नीतियों और दिशानिर्देशों की समय–समय पर समीक्षा और संरेखण करती है। कम्पनी वित्तीय कारको के उपयोग से निम्नलिखित जोखिम उजागर करती है–

- क्रेडिट जोखिम
- नकदी जोखिम
- बाजार जोखिम

यह नोट उपरोक्त प्रत्येक जोखिमों, कम्पनी उद्देश्यों, नीतियों और जोखिम के मापन एवं प्रबंधन तथा कम्पनी द्वारा पूंजी प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रस्तुत करता है। आगे मात्रात्मक प्रकटन वित्तीय विवरणों में शामिल किए गए हैं।

ड. जोखिम प्रबंधन ढांचा

बीएचईएल ने एक बोर्ड द्वारा स्वीकृत जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति बनाई है जो कंपनी में जोखिम प्रबंधन के लिए समग्र रूपरेखा प्रदान करता है। चार्टर का एक महत्वपूर्ण प्रयोजन पूरी कम्पनी में एक ऐसा ढांचागत एवं व्यापक जोखिम प्रबंधन प्रणाली का कार्यान्वयन करना है जो यह सुनिश्चित करे कि जोखिमों को उचित रूप से पहचाना जा रहा है और उनको प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। कम्पनी में त्रि–स्तरीय जोखिम प्रबंधन ढांचा है। प्रथम स्तर पर– कम्पनी की बोर्ड स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) को कम्पनी के जोखिम प्रशासन संरचना, जोखिम निर्धारण एवं जोखिम प्रारूप प्रबंधन, दिशानिर्देश, नीतियां एवं प्रक्रियाओं की समीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। द्वितीय स्तर पर जोखिम प्रबंधन स्थाई समिति (आरएमएससी) का जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और कार्यान्वित करने एवं पूरी कंपनी में जोखिम प्रबंधन संबंधी पहल का नेतृत्व करने का उत्तरदायित्व है। मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) बीएलआरएमसी एवं आरएमएससी के संयोजक के रूप में कार्य करता है जिसका समय–समय पर बोर्ड / बीएलआरएमसी को जोखिम प्रबंधन पर रिपोर्टिंग करने का दायित्व है। कम्पनी के समक्ष प्रमुख जोखिमों का विश्लेषण कर इकाई स्तर पर संबंधित क्षेत्र के लिए जोखिम शमन योजना एवं उसके कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया जा रहा है।

च. क्रेडिट जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम को व्यवसाय करने के जोखिमों का एक संतुलित अभिन्न हिस्सा माना जाता है। बीएचईएल सरकारी क्षेत्र (राज्य सुविधाएं, पीएसयू, रेलवे एवं अन्य सरकारी विभाग आदि) एवं निजी क्षेत्र में विद्युत परियोजनाओ को स्थापित करनें के कार्य में संलग्न है। सामान्यतः परियोजनाएं वित्तीय संस्थानों / बैंक या क्रेडिट पत्र (एलसी) द्वारा संरक्षित भुगतानों के माध्यम से निधिपोषित होती हैं। परियोजना अवधि 3 से 4 वर्ष तक होती है और भुगतान सामान्यतः चरणों में अनुबंध के अनुसार (अग्रिम सहित), प्रगति भुगतान, माइलस्टोन भुगतान और शेष भुगतान परियोजना के समापन पर किया जाता है।

चूंकि अधिकांश ग्राहक प्रोफ़ाइल सरकारी क्षेत्र से संबंधित है, कुल प्राप्तियों के 81% तक जमा इस तथ्य के साथ प्राप्त हो जाता है कि कंपनी स्वयं एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई है) और क्रेडिट जोखिम अपेक्षाकृत कम है। निजी क्षेत्र के ग्राहक के संबंध में भुगतान एलसी द्वारा निर्धारित होता है। कंपनी की नीतियों, प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों के अनुरूप समुचित ध्यान और प्राप्यों पर ध्यान केन्द्रीत करने हेतु कंपनी ने संगठन के भीतर विभिन्न स्तरों पर प्राप्य के लिए समीक्षा प्रणाली स्थापित की है। कंपनी हानि या लाभ का आकलन करने के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानि मॉडल का उपयोग करती है और इसका खुलासा अन्यत्र किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कंपनी अपने खातों को अनुदारवादी आधार पर तैयार करती है और किसी भी स्थिति को हल करने के लिए पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध रखा जाता है।

क्रेडिट जोखिम का विवरण

वित्तीय परिसम्पत्तियों की अग्रेषित राशि अधिकतम क्रेडिट आशंका को प्रकट करती है। रिपोर्टिंग तिथि पर क्रेडिट जोखिम की अधिकतम आशंका निम्नानुसार थी–

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
वित्तीय परिसम्पत्तियां जिनके लिए 12 माह अनुमानित क्रेडिट हानियों का उपयोग कर हानि छूट मापी जाती है		
नकदी एवं नकदी समतुल्य	**2768.81**	1485.92
अन्य बैंक शेष	**8522.78**	9007.63
ऋण	**228.67**	213.82
अन्य वित्तीय परिसम्पत्तियां	**153.28**	219.18
वित्तीय परिसम्पत्तियां जिनके लिए पूर्ण जीवनकाल अनुमानित क्रेडिट हानियों का उपयोग कर हानि छूट मापी जाती है		
व्यापार प्राप्य	**35495.40**	31866.72

क्रेडिट जोखिम का संकेन्द्रण– भौगोलिक	कुल राजस्व का प्रतिशत	
	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
भारत के भीतर	**96.19%**	97.00%
भारत के बाहर	**3.81%**	3.00%

व्यापार एवं अन्य प्रकार के प्रतिपक्षों से प्राप्यों के लिए क्रेडिट जोखिम के संबंध में कम्पनी की आशंका निम्नानुसार है–

विवरण	कुल व्यापार प्राप्यों का प्रतिशत	
	31 मार्च 2018 में	31 मार्च 2017 में
केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम एवं रेलवे तथा	**43.43%**	46.81%
सरकारी विभाग भी शामिल	**37.34%**	28.11%
राज्य विद्युत बोर्ड	**15.43%**	21.35%
निजी ग्राहक एवं अन्य	**3.81%**	3.73%
निर्यात	**100%**	100%

छ. इम्पेयरमेंट हानि

(क) वित्तीय परिसम्पत्तियां जिनके लिए 12 माह अनुमानित क्रेडिट हानियों का उपयोग कर हानि छूट मापी जाती है

कम्पनी के पास ऐसी परिसम्पत्तियां हैं जहां दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता में प्रतिपक्ष हैं जहां गलती का जोखिम बहुत कम है।वर्ष के दौरान ऋणों के संबंध में इम्पेयरमेंट के लिए अनुमति में गतिशीलता निम्नानुसार है–

(₹ करोड़ मे)

31 मार्च 2017 को शेष	18.04
इम्पेयरमेंट हानि चिन्हित/बट्टाकृत/निकासी	4.25
31 मार्च 2018 को शेष	**22.29**

(ख) इम्पेयरमेंट हानि प्रावधानों का मिलान

वर्ष के दौरान व्यापार प्राप्यों के संबंध में इम्पेयरमेंट के लिए अनुमति में गतिशीलता निम्नानुसार थी

(₹ करोड़ मे)

31 मार्च 2017 को शेष	6180.26
इम्पेयरमेंट हानि चिन्हित	1100.57
बट्टाकृत/ निकासी राशि	506.58
31 मार्च 2018 को शेष	**6774.25**

कंपनी बोर्ड द्वारा अनुमोदित कंपनी की निवेश नीति के अनुसार और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप अधिशेष निधि का निवेश करती है। नकद और नकदी समतुल्यों पर क्रेडिट जोखिम और सावधि जमा बहुत सीमित है क्योंकि कंपनी आम तौर पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा आवंटित उच्च क्रेडिट रेटिंग वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ जमा में निवेश करती है।

छ. तरलता जोखिम

कंपनी देय राशि को पूरा करने के लिए सावधि जमा सहित पर्याप्त नकद और नकद समतुल्य बनाए रखकर तरलता जोखिम का प्रबंधन करती है। मजबूत नकद प्रबंधन प्रणाली और नकदी प्रवाह की नियमित निगरानी, प्रबंधन को योजना बनाने और अपनी वित्तीय आवश्यकताओं हेतु वित्त पोषित करने के लिए सक्षम बनाता है। पर्याप्त नकदी और बैंक शेष के अलावा, कंपनी को नकदी क्रेडिट सुविधाओं का लाभ मिलता है जो वर्ष के दौरान अप्रयुक्त बना हुआ है। कंपनी प्रचालनो से उत्पन्न अपनी कार्यशील पूंजी यानी आंतरिक संसाधनों से अपनी सभी निधि आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। तद्नुसार, कोई तरलता जोखिम नही पाता है।

अनुबंधित नकदी प्रवाह पर आधारित गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताओं की अनुबंधित परिपक्वता निम्नानुसार है।

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च 2018		31 मार्च 2017	
	1 वर्ष के भीतर	1 वर्ष से अधिक	1 वर्ष के भीतर	1 वर्ष से अधिक
व्यापारिक प्राप्य	**10589.25**	**481.75**	8715.88	633.10
ऋण	**10.28**	-	6.03	-
ठेकेदारों एवं अन्यों से जमा	**563.37**	**114.41**	511.07	104.71
वित्त पट्टा दायित्व	**45.70**	**57.18**	63.96	89.55
अन्य देय/दायित्व				
कर्मचारी बकाया	**856.19**	-	187.57	-
अन्य बकाया	**765.81**	-	653.18	-
कैपेक्स बकाया	**111.38**	-	116.61	-
कुल	**12941.98**	**653.34**	10254.30	827.36

ज. बाजार जोखिम

कंपनी अपने परिचालन से उत्पन्न निश्चित मुद्राए वस्तुए ब्याज दर के जोखिमों से अवगत कराती है। विदेशी मुद्रा जोखिम को कवर करने के लिए कंपनी के पास विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है। कंपनी प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में उतार–चढ़ाव से रक्षार्थ एवं आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों सहित आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों के साथ नियमित रूप से दावों के माध्यम से मूल्य पास सहित अनुबंध प्रारूप बनाया जाता है कंपनी के पास कोई ऋण नहीं है। प्रचालन से उत्पन्न अधिशेष निधि को पीएसयू बैंकों या बड़े आकार के निजी बैंकों के साथ अल्पकालिक जमा में और सार्वजनिक क्षेत्र के म्यूचुअल फंड की ऋण आधारित योजनाओं में निवेश किया जाता है, जिसमें जोखिम कम होता है।

(जे) विदेशी मुद्रा जोखिम विवरणः—

रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर विदेशी मुद्रा जोखिम में कंपनी का विवरण निम्नानुसार हैः

(I) गौण घटक जो 31.03.2018 के प्रतिरक्षी और बकाया राशि, शून्य है (पिछले वर्ष शून्य)

(I) विदेशी मुद्रा विवरण जो व्युत्पन्न कारक या किसी अन्य द्वारा प्रतिरक्षित नहीं हैं, जो निम्नानुसार हैः

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
	यूरो	समकक्ष ₹	यूरो	समकक्ष ₹	अन्य् मुद्रा	अन्य् मुद्रा
संपत्तियां प्राप्य	**484.80**	**3859.00**	504.80	3462.46	**331.18**	189.92
देनदारियां (अग्रिम सहित)	**118.26**	**893.75**	103.80	716.62	**308.95**	211.74
संपत्तियां (निवल देनदारियां)	**366.54**	**2,965.25**	401.00	2,745.84	**22.23**	(21.82)

विवरण	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017को	
	यूएसडी	समकक्ष ₹	यूएसडी	समकक्ष ₹
संपत्तियां प्राप्य	**499.50**	**3220.33**	**477.00**	**3058.67**
देनदारियां (अग्रिम सहित)	**354.57**	**2251.44**	**175.50**	**1065.92**
संपत्तियां (निवल देनदारियां)	**144.93**	**968.89**	**301.50**	**1,992.75**

संवेदनशीलता विश्लेषण

वर्ष के अंत तक यूएसडी, यूरो एवं अन्यो मुद्राओं की तुलना के मुकाबले भारतीय मुद्रा में हुए उतार— चढ़ाव का प्रभाव निम्नलिखित हैः रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति तक विदेशी मुद्रा विनिमय में हुए परिवर्तन के आधार पर कंपनी की संभावित विश्लेषण प्रस्तुत है। यह विश्लेषण विगत वर्ष के आधार पर निष्पा्दित किया गया है, यद्यपि विदेशी विनिमय दरों अंतर था, जो निम्नलिखित हैः—

(₹ करोड़ मे)

विवरण	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
	मजबूत	कमजोर	मजबूत	कमजोर
लाभ / हानि पर प्रभाव : 1% का परिवर्तन				
यूरो	**29.65**	**(29.65)**	27.46	(27.46)
यूएसडी	**9.69**	**(9.69)**	19.93	(19.93)
अन्य	**0.22**	**(0.22)**	(0.22)	0.22

(के) पूंजी प्रबंधनः

पूंजी प्रबंधन करते समय कंपनी उद्देश्य चालूगत आधार की अपनी नियमित दक्षता को सुरक्षित करना है जिससे यह निरंतर शेयरधारकों के लिए रिटर्न और अन्य स्टेकहोल्डरों के लिए लाभ प्रदान कर सकें। निदेशक मंडल पूंजी पर रिटर्न की निगरानी करते है जिसे कंपनी कुल शेयरधारक इक्विटी द्वारा विभाजित कर परिचालनों कार्यकलाप से परिणाम के तौर पर परिभाषित करती है। निदेशक मंडल इक्विटी शेयरधारकों को लाभांश के स्तर की भी निगरानी करतें हैं। कंपनी सामान्यतः उद्योग आर रेटिंग एजेंसियों द्वारा उपयोग किए गए वित्तीय अनुपात के आधार पर लघु अवधि परिदृश्य एवं दीर्घ अवधि परिदृश्य का प्रयोग कर पूंजी की निगरानी करती है। कंपनी बाह्यरूप से लगाई गई पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं होती है। कंपनी की पूंजी संरचना का प्रबंधन मजबूत क्रेडिट रेटिंग बनाए रखने के लिए अपेक्षित विभिन्न वित्तीय अनुपात के अधीन होता है। निदेशक मंडल पूंजी विवरण का भी निगरानी करती है।

कंपनी का पूंजी पर रिटर्न वर्ष 2016—17 में हुई 1.41 प्रतिशत लाभ की तुलना में वर्ष 2017—18 में 1.36 प्रतिशत रहा है।

20 बारह महीने के चालू एवं गैर चालू संचालन अवधि के बीच संपत्तियों एवं देनदारियों को वर्गीकृत किया गया है।

21. दिनांक 01.01.2017 से विभिन्न स्तर के कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन देय है। कार्यपालकों के संबंध में, वर्ष के दौरान राष्ट्रपति आदेश का अनुकरण करते हुए, कर्मचारियों के हितलाभ को देयता के रूप में प्रदर्शित किया गया है। दिनांक 31.03.2018 को ₹760 करोड़ का प्रावधान पर्यवेक्षकों एवं कार्मिकों के लिए रखा गया है, जिनके वेतन संशोधन के मामले विचाराधीन है।

22. बीएचईएल – ईएमएल के संबंध में, कंपनी कार्मिकों के वेतन संशोधन के लिए ₹2.62 करोड़ को अग्रिम राशि के रूप में भुगतान कर चुकी है। जब वेतन संशोधन का अंतिम निर्णय हो जाएगा, तब तदर्थ अग्रिम राशि को देय बकाया राशि के रूप समायोजित की जाएगी। इसको ध्यांन में रखते हुए, बकाया वेतन संशोधन राशि भुगतान के लिए ₹2.62 करोड़ का प्रवधान रखा गया है।

23. वर्ष के अंत तक उधार दर की मामूली लागत (एमसीआरएल) की दर 8.30 प्रतिशत (पिछले वर्ष की दर 9.25 प्रतिशत) एवं दीर्घकालीन प्रावधान को उचित माना गया है।

24. ₹2197 करोड़ (अग्रिम राशि समायोजन के बाद) (पिछले वर्ष ₹2119 करोड़) की 27 परियोजनाएं विभिन्न कारणों से रुका हुआ है, जैसे : पर्यावरण की अनुमति, ईंधन रिसाव, भूमि अधिग्रहण, निधि की कमी, अप्रत्याशित घटना, कार्यनीतिक कारणें से बीएचईएल द्वारा लगाई गई रोक इत्यादि। इन परियोजनाओं में ₹711 करोड़ (पिछले ₹777 करोड) की एफजी/डब्ल्यूआईपी भी रुखा हुआ है। इन परियोजनाओं के संबंध में जारी दिशा निर्देशों के प्रतिकूल 31 मार्च, 2018 तक ₹1655 करोड़ (पिछले वर्ष ₹1618 करोड) का बकाया ऋण तथा ₹225 करोड़ (पिछले वर्ष ₹180 करोड़) इंनवेंटरी के लिए रखने का प्रावधान है।

25 मानको में संशोधन (01 अप्रैल 2018 से लागू)

01 अप्रैल 2018 से लागू नगदी लेन–देन से संबंधित इण्डएएस 7 एवं शेयर आधारित भुगतान से संबंधित इण्डएएस 102 के संशोधन के वित्तीय विवरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि इस तरह का कोई लेन–देन नहीं हुआ है।

26. हाल में लेखांकन घोषणाएं (01 अप्रैल 2018 से लागू)

दिनांक 28 मार्च, 2018 को कार्पोरेट मामले मंत्रालय द्वारा अधिसूचित संशोधन इण्डएएस 21 (विदेशी विनिमय दर में परिवर्तन का प्रभाव) एवं इण्डएएस 115 (ग्राहकों के अनुबंधों से प्राप्ता राजस्व) कंपनी संशोधन नियम 2018 के रूप में और दिनांक 01 अप्रैल 2018 लागू है।

इण्डएएस 21 की अनुबंध–ब ''विदेशी लेन–देन एवं अग्रिम विचार ''स्पष्ट करता है कि संपत्ति/ आय–व्यय से संबंधित लेन–देन की प्रारंभिक विनिमय दर की तिथि निर्धारण वस्तु की प्राप्ति या अग्रिम भुगतान के अनुसार विदेशी मुद्रा के लिए विचारार्थ होगा। इण्ड 115 ''ग्राहकों के अनुबंधों से प्राप्त राजस्व'': नई मानक मौजूदा राजस्व मानक इण्डएएस 11 (निर्माण संविदा) एवं इण्डएएस 18 (राजस्व मान्यता) का स्थान ले लेता है।

इण्डएएस 115 के अंतर्गत राजस्व की मान्यता तभी होगी जब वस्तुओं एवं सेवाओं के संविदाओं के संबंध में ग्राहकों को उनके निष्पादन अवधि की संतुष्टि पर स्थानांतरित तथा उस अवधि की लेन–देन की कीमत के आधार पर राजस्व की मान्यता दी जाएगी। नई मानक का मूल सिद्धांत है कि ग्राहकों को वस्तुओं या सेवाओं के लिए की गई वादाओं के लिए राजस्व को मान्यता देना चाहिए जिसके लिए वह हकदार है। आगे, नई मानकों के अनुबंधों के संबंध में राजस्व का स्वरूप, राशि, समयबद्धता एवं नगदी प्रवाह का स्पष्टीकरण वृहद रूप से करने की आवश्यकता है। इण्डएएस 8 या मानक लागू करने के संचयी प्रभाव के अनुसार पूर्वदर्शी दृष्टिकोण की स्वीकृति दी जाती है।

(कमुलेटिव केच–अप अप्रोच)

कंपनी अपने वित्तीय विवरण में उक्त बदलाव के प्रभाव की परीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए प्रक्रियाशील है।

27 आंकड़ों को निकटतम ₹ करोड़ के दो दशमलव के साथ पूर्णांकित किया गया है।

28 पिछले वर्ष जहां भी पूर्णांकित/पुनर्व्यवस्थित करने की आवश्यकता थी उसे की गई थी।

29. अतिरिक्त जानकारियां

(₹ करोड़ मे)

इकाई समूह के नाम	वित्तीय वर्ष	निवल संपत्तियॉं जैसे कुल संपत्तियों से कुल देयता को घटाकर		लाभ/हानि में हिस्सेदारी		अन्य व्यापक आय में हिस्सेदारी		कुल व्यापक आय में हिस्से दारी	
		समेकित निवल परिणाम का प्रतिशत	राशि	समेकित निवल लाभ / हानि का प्रतिशत	राशि	कुल अन्य व्यापक आय का प्रतिशत	राशि	कुल व्यापक आय का प्रतिशत	राशि
बीएचईएल	2017-18	**98.76**	**31930.16**	**190.55**	**834.97**	**99.82**	**83.33**	**176.03**	**918.30**
	2016-17	97.68	31636.93	106.11	482.98	101.05	(29.00)	106.45	453.98
सह–कंपनी									
बीएचईएल–ईएमएल	2017-18	**(0.01)**	**(4.22)**	**(0.70)**	**(3.07)**	**(0.02)**	**(0.02)**	**(0.59)**	**(3.09)**
	2016-17	0.00	(1.15)	(0.47)	(2.16)	(0.77)	0.22	(0.45)	(1.94)
बीएचईएल–ईएमएल में अनियंत्रित रुचि	2017-18	**(0.01)**	**(4.05)**	**(0.67)**	**(2.95)**	**(0.01)**	**(0.01)**	**(0.57)**	**(2.96)**
	2016-17	0.00	(1.08)	(0.46)	(2.08)	(0.77)	0.22	(0.44)	(1.86)
संयुक्त उद्यम (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)									
बीएचईएल–जीई गैस टरबाईन सर्विस प्राईवेट लिमिटेड	2017-18	**0.43**	**138.55**	**5.44**	**23.82**	**0.22**	**0.18**	**4.60**	**24.00**
	2016-17	0.40	129.31	4.70	21.38	0.49	(0.14)	4.98	21.24
एनटीपीसी – बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड	2017-18	**0.01**	**4.40**	**(8.75)**	**(38.35)**	**-**	**-**	**(7.35)**	**(38.35)**
	2016-17	0.07	21.32	(8.45)	(38.46)	-	-	(9.02)	(38.46)
रायचूर पावर कार्पोरेशन लिमिटेड	2017-18	**0.82**	**266.10**	**(85.86)**	**(376.23)**	**-**	**-**	**(72.12)**	**(376.23)**
	2016-17	1.80	584.39	(1.08)	(4.93)	-	-	(1.16)	(4.93)
दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड	2017-18	-	-	-	-	-	-	-	-
	2016-17	0.06	18.19	(0.34)	(1.55)	-	-	(0.36)	(1.55)
कुल	**2017-18**	**100.00**	**32330.94**	**100.00**	**438.19**	**100.00**	**83.48**	**100.00**	**521.67**
	2016-17	100.00	32387.91	100.00	455.18	100.00	(28.70)	100.00	426.48

30. समेकित परिचालन खण्ड

खंडों की पहचान संबंधित व्यवसाय क्षेत्रों द्वारा बुक किए गए आर्डरों के आधार पर ''पावर'' और 'उद्योग' के तौर पर की गई है। अंतर्राष्ट्रीय परिचालन समूह द्वारा बुक किए गए आर्डरों को यथास्थिति पावर अथवा उद्योग, जैसा भी मामला हो, में शामिल किया जाता है।

कंपनी के कार्यकारी निदेशकों की समिति की पहचान मुख्य परिचालन निर्णयकर्ता (सीओडीएम) के तौर पर की गई है।

(₹ करोड़ मे)

	31.03.2018 के अंत तक			31.03.2017 के अंत तक		
	ऊर्जा	उद्योग	कुल	ऊर्जा	उद्योग	कुल
I. खण्ड राजस्व						
क) खण्ड राजस्व	23064.17	5048.65	28112.82	22794.78	6077.11	28871.89
ख) परिचालन राजस्व – बाहरी	23064.17	5048.65	28112.82	22794.78	6077.11	28871.89
II. खंड परिणाम						
क) खंड परिणाम	2792.14	172.75	2964.89	2534.58	239.02	2773.60
ख) अनाबंटित व्यय (आय को छोड़कर)			1494.86			1836.73
ग) वित्त लागत एवं आयकर से पूर्व लाभ (क)–(ख)			1470.03			936.87
घ) वित्त लागत (ब्याज की अनविंडिंग सहित)			255.16			351.30
ड.) आयकर पूर्व निवल लाभ (ग)–(घ)			1214.87			585.57
च) आयकर			776.68			130.39
छ) आयकर पश्चात निवल लाभ			438.19			455.18
III परिसंपत्तियां एंव देयताएं						
क) खंड परिसंपत्तियाँ	40812.66	8544.93	49357.59	37601.20	9210.89	46812.09
ख) सामान्य परिसंपत्तियाँ			14187.09			14535.36
ग) कुल परिसंपत्तियाँ			63544.68			61347.45
घ) खंड देयताएं	24541.30	4829.44	29370.74	23250.32	5504.69	28755.01
ड) सामान्य देयताएं			1843.00			204.53
च) कुल देयताएं			31213.74			28959.54
IV अन्य जानकारी						
क) पूंजी व्यय	186.74	48.07		76.70	201.31	
ख) मूल्य ह्रास एव परिशोधन	589.56	154.14		657.83	143.10	
ग) गैर–नगद व्यय (मूल्यह्रास एवं परिशोधन को छोडकर)	1867.25	320.54		455.17	205.61	
V भौगोलिक खंड						
	भारत में	भारत के बाहर	कुल	भारत में	भारत के बाहर	कुल
1 निवल बिक्री/परिचालनों से आये	27425.52	687.30	28112.82	28005.90	865.99	28871.89
2 गैर–चालू परिसंपत्तियाँ (पीपीई एवं अमूर्त परिसंपत्तियाँ)	3251.78	24.19	3275.97	3763.68	5.85	3769.53
3 पूंजी व्यय	256.06	13.66	269.72	329.52	2.98	332.50

मुख्य ग्राहक – बीएचईएल के कुल राजस्व के 10 प्रतिशत से अधिक एक ग्राहक से राजस्व का विवरण

	ऊर्जा	उद्योग	कुल	ऊर्जा	उद्योग	कुल
पीएसयू	5419.29	828.19	6247.48	7050.71	1916.08	8966.79
रेलवे	0.00	1157.86	1157.86	0.00	987.29	987.29

स्टेक होल्डरों के लिए अतिरिक्त **जानकारी**

वित्तीय सारांश 294

वर्षवार पूंजी व्यय 295

लाभांश वितरण नीति 296

उत्पाद प्रोफाईल 298

शब्दावली एवं संक्षिप्ताक्षर 307

शब्दावली (वित्तीय) 308

वित्तीय संक्षेपण

(₹ करोड़ मे)

विवरण	2017–18	2016–17	2015–16	2014–15	2013–14
I आय					
कारोबार	**27850**	27740	25091	29542	38389
संचालन से अन्य आय	**963**	859	712	852	887
संचालनों से राजस्व	**28813**	28599	25803	30394	39276
II व्यय					
समान की खपत, निर्माण एवं अभि. व्यय	**15900**	16566	16377	17758	22103
एफजी एवं डब्ल्यूआईपी के इंनवेंट्री परिवर्तन	**736**	994	210	(338)	1054
कर्मचारी हितलाभ व्यय	**6026**	5395	5380	5450	5933
निर्माण, प्रशासन, बिक्री व वितरण व्यय	**2675**	2741	2855	3044	2959
निवल विनिमय में परिवर्तन–लाभ/हानि	**(520)**	270	(403)	386	(659)
निवल उत्पाद शुल्क का समायोजन	**(113)**	152	197	225	286
मूल्यह्रास व परिशोधन व्यय	**786**	849	936	1077	983
वित्त लागत	**255**	351	359	92	133
प्रावधान	**2282**	1444	2075	1667	2329
आंतरिक उपयोग के लिए की गई कार्य लागत को घटाकर	**106**	25	47	28	68
कुल संचालन व्यय	**27921**	28737	27939	29333	35053
संचालन लाभ / (हानि)	**892**	(138)	(2136)	1061	4223
अन्य आय	**693**	766	972	1079	790
करपूर्व लाभ / (हानि)	**1585**	628	(1164)	2140	5013
कुल कर व्यय	**778**	132	(454)	721	1553
कर पश्चात लाभ / (हानि)	**807**	496	(710)	1419	3460
कुल व्यापक खर्च		467	(786)		
लाभांश का भुगतान	**668**	387	98	284	693
कार्पोरेट लाभांश कर	**136**	79	20	57	118
III कंपनी का स्वामित्व (संपत्तियां)					
संपत्ति संयंत्र, उपकरण एवं अमूर्त संपत्तियां	**3069**	3596	3962	4140	4693
डब्ल्यूआईपी पूंजी	**203**	169	318	518	642
गैर–मौजूदा निवेश	**691**	661	664	418	420
अन्य् गैर–मौजूदा संपत्तियां	**13012**	10069	11435	12632	13048
कुल स्थगित – कर संपत्तियां	**3626**	3841	3659	2221	1969
मौजूदा संपत्तियां	**43188**	42894	45125	48538	52019
कुल संपत्तियां	**63789**	61230	65163	68467	72791

वित्तीय संक्षेपण

(₹ करोड़ में)

विवरण		2017–18	2016–17	2015–16	2014–15	2013–14
IV	**कंपनी का स्वामित्व (देनदारियाँ)**					
	गैर–मौजूदा देनदारियाँ	**4015**	3809	4634	5420	6705
	गैर–मौजूदा प्रावधान	**4923**	5001	7625	6802	7496
	मौजूदा देनदारियाँ	**18467**	15934	17388	17922	22713
	मौजूदा प्रावधान	**3783**	4192	3335	4238	2830
	कुल देनदानियां	**31188**	28936	32982	34382	39744
	इक्वीटी शेयर पूंजी		490	490	490	490
	अन्य इक्वीयटी	**31867**	31804	31691	33595	32557
V	**कुल मूल्य**	**32601**	32294	32181	34085	33047
	कुल मूल्य (ओसीआई को छोडकर)	**32623**	32399	32257	34085	33047
VI	**लगाई गई पूंजी**	**28772**	28284	28204	31346	30436
VII	**ईबीआईडीटीए**	**2626**	1827	131	3309	6129
VIII	**वित्तीय निष्पादन अनुपात**					
	संचालन लाभ : संचालन से राजस्व (%)	**3.09**	(0.48)	(8.28)	3.49	10.75
	ईबीआईडीटीए : कारोबार (%)	**9.43**	6.59	0.52	11.20	15.97
	पीबीटी : कारोबार (%)	**5.69**	2.26	(4.64)	7.24	13.06
	पीएटी : निवल मूल्य का औसत (ओसीआई को छोडकर) (%)	**2.48**	1.53	(2.14)	4.23	10.90
	करोबार प्रति कर्मचारी (₹ लाख में)	**74**	70	60	66	81
IX	**लिक्विडीटी अनुपात**					
	मौजूदा अनुपात	**1.94**	2.13	2.18	2.19	2.04
	व्यापार प्राप्ति : मौजूदा (दिनों की संख्या)	**254**	267	300	301	249
	इंनवेंटरी (दिनों की संख्या)	**82**	97	140	125	93
X	**प्रति शेयर ऑकड़ा**					
	प्रति शेयर अर्जन (₹)	**2.20**	1.35	(1.93)	3.87	9.43
	लाभांश प्रति शेयर (₹)	**1.82**	1.05	0.27	0.77	1.89
	निवल मूल्य प्रति शेयर (₹)	**88.80**	87.96	87.65	92.84	90.01

नोटः
1. बेहतर तुलना के लिए, जब तक विशेष रूप से उल्लेख नहीं हो, तब तक संचालन से प्राप्त राजस्व व करोबार में उत्पाद शुल्क व कर शामिल नहीं हैं।
2. वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश व प्रस्तावित अंतिम लाभांश वही है।
3. वर्ष 2017–18 में 1:2 बोनस निर्गत पर पुनर्व्यस्थित प्रति शेयर आंकड़ा।
4. जहॉ भी आवश्यक पाया गया, पिछले वर्ष के आंकड़े को पुन्यस्थत किया गया।
5. आईजीएएपी एवं इण्ड एएस के अनुसार वर्ष 2013–14, 2014–15 एवं 2015–16 के आंकड़े।

वर्षवार पूंजी व्यय

(₹ करोड़ में)

श्रेणी	2017–18	2016–17	2015–16	2014–15	2013–14
योजनाएं	**19**	210	80	217	340
आधुनिकीकरण व युक्तिकरण, अन्य	**164**	51	141	119	141
ग्राहक योजनाओं से संबंधित पूंजी निवेश	**66**	33	90	59	63
कुल	**249**	**294**	**311**	**395**	**544**

लाभांश वितरण नीति

1 कार्यक्षेत्र एवं उद्देश्य

1.1 यह नीति सेबी (सूचीयत बाध्य ताएं एवं प्रकटन आवश्यकताएं) (द्वितीय संशोधन) विनियमन, 2016 द्वारा अधिसूचित विनियमन 43ए के अनुसरण में 8 जुलाई, 2016 को प्रतिपादित की गई है। कथित अधिसूचना में शीर्ष पांच सौर सूचीबद्ध कंपनियों (प्रत्येक वित्तीय वर्ष के बाजार पूंजीकरण के आधार पर) को लाभांश वितरण नीति प्रतिपादित करनी जरूरी है जिन्हें अपनी वार्षिक रिपोर्ट में और अपनी वेबसाइट पर प्रकटित करना होगा।

1.2 तदनुसार, कम्पनी ने 6 अप्रैल, 2017 को आयोजित अपनी बैठक में नीति की प्रभावी तिथि से इस लाभांश वितरण नीति को अनुमोदित एवं अंगीकृत किया है।

1.3 नीति का आशय मापदंड (बाहरी एवं आंतरिक कारक) जिन पर लाभांश घोषित करते समय विचार किया जाएगा और परिस्थितियां जिन पर कम्पनी के शेयरधारक लाभांश की अपेक्षा कर सकते हैं/नहीं कर सकते है तथा प्रतिधारित आय कैसे उपयोग की जाए, आदि को व्यापक रूप से विनिर्देशित करना है।

कम्पनी शेयरधारकों के मूल्य को अधिक से अधिक करने के लिए प्रयासरत है और यह विश्वास करती है कि इस विकास को बढाकर हासिल किया जा सकता है। नीति पर इस बात का व्यापक जोर दिया जा रहा है कि लाभांश के माध्याम से शेयधारकों के प्रतिफल के बीच ईष्टतम समानता बनाए रखी जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कम्पनी के विकास तथा अन्य जरूरतों के लिए पर्याप्त लाभ प्रतिधारित किया जाए।

नीति लाभांश की सिफारिश के लिए बोर्ड के निर्णय का एक विकल्प नहीं है जिसे प्रत्येक वर्ष कम्पनी के ब्याज पर विचार करने तथा नीति में शामिल सभी संगत परिस्थितियां या अन्य कारक, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जाते हैं, पर विचार करने के बाद बनाया जाता है।

2 परिभाषाएं

2.1 'बोर्ड' का मतलब कम्पनी का निदेशक मंडल होगा ।

2.2 'कम्पनी अधिनियम' का मतलब कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा समय–समय पर संशोधित अधिनियम के अनुसार कम्पनी अधिनियम, 2013 और उसके अधीन अधिसूचित किया गया नियम होगा ।

2.3 'लाभांश' में आंतरिक लाभांश शामिल होता है।

2.4 'कम्पनी' का मतलब भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड होगा।

2.5 'नीति' का मतलब लाभांश वितरण नीति होगा।

2.6 'विनियमन' का मतलब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा समय–समय पर संशोधित अधिसूचित भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीयन बाध्यताएं एवं प्रकटन आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 होगा।

2.7 'स्टॉक एक्सचेंज' का मतलब प्रतिभूति अनुबंध (विनियम) अधिनियम, 1956 की धारा 2 के उपवाक्य (च) के अंतर्गत परिभाषित मान्यता प्राप्त 'स्टॉक एक्सचेंज, जहां कम्पनी के शेयर सूचीबद्ध है, होगा।

3. कारक: वित्तीय मापदंडों सहित जो कम्पनी के लाभांश को घोषित करने एवं अदायगी निर्णय लेने पर विचाराधीन होंगे:

3.1 बाहरी कारक

3.1.1 आर्थिक और व्यावसायिक परिवेश: वर्तमान एवं संभावित व्यापार परिदृश्य सहित बड़ी आर्थिक परिस्थितियों पर किसी भी वर्ष में लाभांश के भुगतान की घोषणा करते समय विचार किया जाएगा।

3.1.2 उद्योग की स्थिति: उद्योग की वर्तमान स्थिति जिसमें कम्पनी प्रचालन करती है, को भी लाभांश की घोषणा के संबंध में निर्णय लेते समय विचार किया जाएगा।

3.1.3 सांविधिक प्रावधान एवं दिशानिर्देश : कम्पनी लाभांश की घोषणा के संबंध में कम्पनी अधिनियम के प्रावधानों एवं सेबी तथा अन्य सांविधिक प्राधिकरणों के विनियमनों का अनुपालन सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, एक सरकारी कम्पनी होने के नाते कम्पनी भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी लाभांश घोषणा के संबंध में लागू दिशानिर्देशों पर भी विचार करेगी।

3.1.4 लाभांश पर कर सहित लागू कर : लाभांशों पर कर सहित कम्पनी पर लागू कर जो समग्र नगदी बहिर्प्रवाह को प्रभावित करते हैं।

3.2 आंतरिक कारक

वित्तीय वर्ष के लिए लाभांश की घोषणा पर विचार करते समय बोर्ड अन्य बातों के साथ–साथ कम्पनी के परिचालनों के प्रकृति एवं कार्यक्षेत्र को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कारकों पर भी विचार करेगा :

3.2.1 तिमाही तक/वित्तीय वर्ष के लिए लाभ

3.2.2 कम्पनी के स्वतंत्र आरक्षित में उपलब्ध शेष

3.2.3 कम्पनी एवं उद्योग का लाभांश अदायगी की प्रवृत्ति

3.2.4 भावी व्यवसाय परियोजनाएं और परिचालन आवश्यकताएं

3.2.5 भावी लाभों के लिए अर्जन एवं अनुमानों का स्थायित्व

3.2.6 आगे भविष्य के लिए परिचालन नगदी प्रवाह, कोष की स्थिति और नगदी प्रवाह अनुमान

3.2.7 उधार का स्तर और उधार की क्षमता

3.2.8 जैविक/अजैविक विकास क्षितिजों सहित कम्पनी के वर्तमान एवं भविष्य की पूंजी व्यय योजना

3.2.9 कंपनी की सहायक कंपनियों/जेवी एवं एसोसिएट कंपनियों में अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता

3.2.10 आकस्मिक घटनाएं और आकस्मिकताएं जिनके वित्तीय प्रभाव होते है, के लिए प्रावधान

3.2.11 अन्य कोई कार्य जिसे बोर्ड उचित समझता हो

3.3 वर्ष के लिए लाभ नियमों, लेखाकरण नीतियों, लेखाकरण मानकों में परिवर्तन या अन्यथा के परिणामस्वरूप अपवादात्मक या एकबारगी मदों या गैर–नगदी को छोड़कर बोर्ड के विवेकानुसार समायोजित किया जा सकता है।

3.4 बोर्ड जब भी उचित समझे अंतरिम लाभांश के भुगतान पर विचार कर सकता है। अंतिम लाभांश की सिफारिश वर्तमान में लागू नियमों एवं विनियमों के अनुसार कंपनी के शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन के बाद बोर्ड द्वारा की जाएगी।

4 परिस्थितियां जिनके अधीन शेयरधारक लाभांश की अपेक्षा कर सकता है/नहीं कर सकता है।

लाभांश के रुप में लाभ का वितरण और व्यवसाय तथा अन्य उद्देश्यों में उपयोग के लिए इसका कुछ भाग प्रतिधारित रखना प्रत्येक कंपनी का मौलिक निर्णय है। इस निर्णय में लाभाशों के माध्यम से शेयरधारकों को उचित पारितोषिक और परिचालन आवश्यकताओं एवं भविष्य के व्यवसाय योजनाओं के बीच सही संतुलन होना चाहिए। इसके साथ ही कंपनी अपने शेयरधारकों को नियमित रूप से लाभांश का भुगतान कर रही है इसलिए वह भी भविष्य में इसे पाने की आशा रख सकते हैं। कंपनी निम्नलिखित परिस्थितियों में लाभांश का भुगतान के लिए मजबूर नहीं है:

(क) लाभ ना होना या पर्याप्त लाभ ना होना: यदि किसी वित्तीय वर्ष के दौरान, लाभ नहीं है या यह निर्धारित किया जाता है कि कंपनी का लाभ पर्याप्त नहीं है तो बोर्ड उस वित्तीय वर्ष में लाभांश की घोषणा न करने का निर्णय ले सकता है।

(ख) अन्य अवरोध : संकटपूर्ण कारक जैसे सीमित नगदी संसाधन/उनकी अनुपलब्धता भविष्य में नगदी प्रवाह अनुमानों के कारण सीमाएं, महत्वपूर्ण संसाधनों के लिए आवश्यक आपातकालीन जरूरतें, स्थायित्व व्यापार और लाभ अनुमान आदि तथा अन्य कोई उचित कारक जो बोर्ड जरूरी समझता हो ऐसे पर विचार करते हुए किसी वित्तीय वर्ष के लिए लाभांश की घोषणा नहीं कर सकता है।

5. प्रतिधारित आय का उपयोग

लाभांश के भुगतान के बाद कंपनी की प्रतिधारित आय का उपयोग मुख्यतया विकास योजनाओं तथा कंपनी की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा क्योंकि कंपनी निरंतर वृद्धि एवं स्टेकहोल्डरों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

6. शेयरों के विभिन्न वर्गों के संबंध में अपनाए जाने वाले मापदंड

कंपनी के पास वर्तमान में शेयरों का एक ही वर्ग अर्थात इक्विटी शेयर है। जब यहां जैसे भी यह किसी अन्य शहरों के वर्ग को जारी करने का प्रस्ताव करती है तो नीति तदनुसार संशोधित हो जाएगी।

7. नीति में संशोधन

कंपनी जब भी उचित समझे या सेबी, भारत सरकार या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार अपनी नीति के किसी या सभी प्रावधानों को संशोधित करने का अधिकार रखती है। यद्यपि, नीति में परिवर्तन के बारे में लागू विनियामक प्रावधानों के अनुरूप कंपनी की वेबसाइट और आगामी वार्षिक रिपोर्ट में स्पष्टीकरणों के साथ बताना होगा।

8. सामान्य:

8.1 इस नीति के घटकों या नीति के किसी घटक में संशोधन के अलावा मापदंडों के आधार पर लाभांश की घोषणा कंपनी की वेबसाइट के साथ ही वार्षिक रिपोर्ट में भी प्रकटित करनी होगी।

8.2 नीति का किसी विनियामक प्रावधान के साथ भिन्नता होने की स्थिति में ऐसे विनियामक प्रावधान इस नीति के संगत प्रावधान के साथ लागू होंगे और नीति को ऐसे प्रावधान की प्रभावी तिथि से संशोधित करना होगा।

बीएचईएल का उत्पाद प्रोफाइल

थर्मल विद्युत संयंत्र

- जीवाश्म ईंधन एवं कंबाइंड साइकल अनुप्रयोगों के लिए 1000 मेगावाट क्षमता तक रिजनरेटिव फील्ड साइकिल के साथ स्टीम जनरेटर स्टीम टरबाइन टर्बो जनरेटर। 1000 मेगावाट तक यूनिट आकार का सुपर क्रिटिकल स्टीम साइकिल मानदंडों एवं समतुल्य जनरेटरों के साथ स्टीम जनरेटर स्टीम टरबाइन के डिजाइन एवं निर्माण करने की क्षमता।
- 1000 मेगावाट तक टीजी सेटों की उपर्युक्त आवश्यकता पूरी करते हुए एयर एंड वाटर कूल्ड कंडेनसर, कंडेंन्सेट एक्सट्रैक्शन पंप बायलर फीड पंप, डुप्लेक्स हीटर्स वाल्वस एवं हीट एक्सचेंजर।
- उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण जैसे उच्च दक्षता वाले इलेक्ट्रोस्टिजटिक प्रिसिपिटेटर (ईएसपी) फ्यूल गैस डीसल्फुसराइजेशन (एफजीडी) प्रणाली, सेलेक्टिव कैटेलाईटिक रिडक्शन (एससीआर) प्रणाली एवं गैस सेलेक्टिव नॉन केटेलाइटिक रिडक्शन (एसएनसीआर) प्रणाली।

परमाणु ऊर्जा संयंत्र

- रिएक्टर साइड उपकरण जैसे : स्टीम जनरेटर, रिएक्टर हेडर, एन्ड सिल्ड, खास काम के लिए हीट एक्सचेंजर, प्रेशर वेसल्स परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए मोटर्स इत्यादि। .
- पीएचडब्ल्यूआर (प्रेशराईजड हेवी पावर रियक्ट्स) का टीजी आइलेंड उपकरण, एफबीआर (फास्ट् ब्रीडेड रियक्टर्स) एवं एएचडब्ल्यूआर (एडवन्स हेवी वाटर रियक्टर्स) हीट एक्सचेंजर एवं पंपों को छोडकर सभी स्टीम टरबाईन, टर्बो जेनरेटर्स, एमएसआर (मोस्चीर सेमेरेटर रिहीटर)

गैस आधारित विद्युत संयंत्र

- संयंत्र की रूपरेखा, ईंधन के प्रकार, उत्सर्जन एवं शोर संबंधी विशेष जरूरतों को पूरा करने के लिए 299 मेगावाट, (आईएसओ) तक की उच्च श्रेणी की रेटिंग की गैस टरबाइनें और समतुल्य जनरेटर। ऐसी मशीनों की विशेषताओं में निम्न शामिल है।
  - कुछ ईंधन गैसीय एवं तरलीय दोनों को जलाने की क्षमता।
  - गैसों एवं तरल के सम्मिश्रणों की मिश्रित फायरिंग।
  - निकास से उत्सर्जन स्तर में कमी।
  - उद्योग उपयोगी प्रकरण के लिए गैस टरबाईन आधारित को–जनरेशन एवं कम्बाईन्डस साइकल प्रणाली।

हाइड्रो विद्युत संयंत्र

- समरूप जनरेटर साहित्य के पलान, प्राचीन एवं पलटन प्रकार के कस्टम निर्मित परंपरागत हाइड्रो टरबाइन, समरूप मोटर जनरेटर सहित पंप टर्बन 400 मेगावाट तक के समतुल्य मोटर जनरेटर, 10 मेगावाट तक के समतुल्य जनरेटर सहित टरबाइन।
- लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के लिए समतुल्य मोटरों के साथ उच्च क्षमता के पंप (250 मेगावाट तक)
- सिंचाई योजना के लिए उच्च क्षमता वाले पंप के साथ मिसिंग सेंटर (150 मेगावाट तक)
- परंपरागत टरबाइन के लिए इलेक्ट्रो– हाइड्रोलिक माइक्रो प्रोसेसर आधारित डिजिटल नियंत्रक
- लिफ्ट सिंचाई पंपों के लिए माइक्रोप्रोसेसर आधारित डिजिटल कंट्रोलर
- हाइड्रो जेनरेटरों और मोटरों के लिए स्टेटिक एकसाइटेशन सिस्टम
- हाइड्रो जनरेटर और मोटरों के लिए बुशलेश एक्साइटेशन
- हाइड्रो स्टेशनों के लिए गोलाकार (रोटरी) बटरफ्लाई और रोटरी वाल्व और सहायक उपकरण
- जल ऊर्जा संयंत्र का नवीनीकरण, आधुनिकरण एवं बेहतरीकरण

सौर विद्युत संयंत्र

- ईपीसी समाधान संकल्पना से पीवी सौर ऊर्जा संयंत्र की कमीशनिंग के लिए ग्रिड इंटरएक्टिव सिस्टम बीईएसएस (बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम)
- स्टैंडअलोन सिस्टम
- रूफ टॉप सिस्टम
- हाइब्रिड सिस्टम
- कैनाल टॉप सिस्टम
- फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट
- सौर आधारित सिंचाई पंप

डीजी विद्युत संयंत्र

- एचएसडी, एलडीओ,एफओ, एलएसएचएस, प्राकृतिक गैस आधारित डीजल जनरेटर विद्युत संयंत्र, टर्नकी आधार पर आपातकाल, पीकिंग तथा बेस लोड प्रचालनों के लिए 20 मेगावाट तथा 11 किलोवाट तक की वोल्टे ज क्षमता वाले यूनिट।

विलवणीकरण और जल शोधन संयंत्र

बिजली संयंत्र और औद्योगिक अनुप्रयोगों और विभिन्न शोधन तकनीकों के साथ निगम अनुप्रयोगों के लिए समग्र जल शोधन समाधान जिनमें शामिल है:–

- ट्रीटमेंट पूर्व प्लांट (पीटी)
- सी वाटर रिवर्स ऑस्मोसिस (एसडब्यूल आरओ) प्लांट
- डी–मिनरलाईजेशन (डीएम) संयंत्र
- औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए झिल्ली आधारित उपचार
- प्रवाह उपचार संयंत्र (ईटीपी)
- निगम अनुप्रयोगों के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)
- जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) सिस्टम

प्रणालियां और सेवाएं

- विद्युत उत्पादन प्रणालियां
- टर्नकी विद्युत स्टेशन ईपीसी संविदाएं
- कंबाइंड विद्युत साइकिल संयंत्र
- कैप्टिव विद्युत संयंत्र
- सोलर फोटोवोल्टाइक सिस्टम हेतु कमीशनिंग सलूशन की अवधारणा
- विद्युत स्टेशनों का आधुनिकीकरण और नवीनीकरण और आरएलए अध्ययन
- यूटिलिटियों के लिए सिमुलेटर सहित सॉफ्टवेयर पैकेज
- उक्त सभी प्रणालियों के लिए निर्माण, कमीशनिंग, समर्थन सेवाएं, स्पेयर्स मैनेजमेंट और परामर्शी सेवाएं

औद्योगिक प्रणाली

- सिविल व संरचनात्मक, यांत्रिकी, विद्युत कार्य एवं स्वचालन सहित संपूर्ण कोयला हैंडलिंग संयंत्र और राख हैंडलिंग संयंत्र
- संपूर्ण खनन भिंडर प्रणाली
- संपूर्ण विद्युत, कच्चे माल का संकुचन एवं प्रंस्सकरण के लिए स्वचालन प्रणाली, लौह कार्य बनाना, प्राइमरी एवं सेकेंडरी दर्जे का इस्पात निर्माण लंबे एवं समतल इस्पात उत्पादकों के लिए कस्टर्स एवं मीलिंग
- सिविल एवं संरचनात्मक सहित संपूर्ण मटेरियल हैंडलिंग प्रणाली, इस्पात एवं अन्य उद्योगों के लिए यांत्रिकी, विद्युत एवं स्वचालन प्रणाली
- एल्युमीनियम संयंत्र व अल्मुनियम स्मेल्टर व प्रोसेसिंग और उच्च क्षमता वाले विद्युत रेक्टिफायर के लिए संपूर्ण विद्युत एवं स्वचालन प्रणाली
- स्वचालित भंडारण एवं पुनर्प्राप्ति प्रणाली (एएसआरएस).
- जल ऊर्जा संयंत्र के लिए संयंत्र संतुलन (पीओपी) प्रणाली

बॉयलर

- कोयला, लिग्नाइट, तेल, प्राकृतिक गैस अथवा इन ईंधनों के सम्मिश्रण का उपयोग करके 30 से 800 मेगावाट तक की क्षमता वाली यूटिलिटीयों के लिए स्टीम जनरेटर, 1000 मेगावाट यूनिट तक आकार के लिए सुपरक्रिटिकल मानदंडों वाले बॉयलरों का निर्माण करने की क्षमता
- आयातित गुणवत्ता वाले स्वदेशीकृत कोयले, लिग्नाइट की ब्लेंडिंग, पेटकोक आदि जैसी विभिन्न क्षमता वाली ब्लेंडिंग को– फायरिंग के ज्वलन की क्षमता वाले फ्यूल फ्लेक्सिबल बायलर
- कोयला, प्राकृतिक गैस, औद्योगिक गैस, बायोमास, लिग्नाइट, तेल, बेगास अथवा इन ईंधनों के सम्मिश्रण का उपयोग कर 40 से 450 टन प्रति घंटे की क्षमता वाले औद्योगिक उपयोगों के लिए स्टीम जनरेटर
  - पल्वराइज्ड कोल/लिग्नाइट फायर्ड बॉयलर
  - स्टोकर फायर्ड बॉयलर
  - बबलिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बस्शन (बीएफबीसी) बॉयलर
  - सर्कुलेटिंग फल्युडाइज्ड बेड कम्बस्शन बॉयलर सीएफबीसी
  - हिट रिकवरी स्टीम जनरेटर (एचआरएसजी)
  - सूखे ठोस के 100 से 1000 टन प्रतिदिन की क्षमता वाले कागज उद्योग के लिए रासायनिक रिकवरी बॉयलर

बॉयलर और ऑग्जिलियरीज

पंखे

- 40 से 1300 घन मीटर/सेकंड तक की क्षमता और 400 से 1500 मिली मीटर डब्ल्यू सी तक दाब सहित 200 डिग्री सेंटिग्रेड तक डस्ट लेडेन हॉट गैस प्रयोग और स्वच्छ वायु प्रयोग करने के लिए सिंगल एवं डबल स्टेज के एक्सियल रिएक्शन पंखे
- 25 से 600 घन मीटर प्रति सेकंड तक की क्षमता और 300 से 700 मिलीमीटर डब्ल्यू सी तक दाब सहित 200 डिग्री सेंटीग्रेड तक के स्वच्छ वायु और हॉट गैस दोनों प्रयोगों के लिए एक्सेल इंपल्स पंखे
- गैस कॉलम की 4 से 660 घन मीटर प्रति सेकंड तक की क्षमता तथा 200 से 3000 तक की दाब की क्षमता वाली 400 डिग्री सेल्सियस तक स्वच्छ वायु और डस्ट लेडेन गर्म गैसों के उपयोग के लिए सिंगल एवं डबल एक्शन रेडियल पंखे (प्लेट एरोफाइल ब्लेडेड)

एयर प्री– हीटर

- औद्योगिक और यूटिलिटी बॉयलरों और सीएफबीसी बॉयलरों के लिए ट्यूबुलर एयर प्री–हीटर
- विभिन्न प्रकार के बॉयलरों जैसे बाईसेक्टर, ट्रीसेक्टर और क्वाडसैक्टर के लिए रोटरी रिजेनरेटिव एयर प्री–हीटर
- 800 मेगावाट तक की यूटिलिटी के लिए बड़े रोटरी रिजेनरेटिव एयर प्री–हीटर
- डी नैट्रोजन ऑक्साइड (वायु प्रदूषण) के लिए सेलेक्टिव कैटालाइटीक रिडक्शन (एससीआर) के साथ बॉयलरों के लिए एयर प्री–हीटर

पल्वेराइजर

- 60 मेगावाट से 1000 मेगावाट क्षमता के थर्मल पावर स्टेशनों के लिए 10 टन प्रति घंटे से 120 टन प्रति घंटे की क्षमता वाले कोयला फायर्ड थर्मल स्टेशनों हेतु धीमी एवं मध्यम गति के बाऊल मिल।
- 110 मेगा वाट से 500 मेगावाट तक थर्मल पावर स्टेशनों के लिए 30 टन प्रति घंटे से 110 टन प्रति घंटे के उच्च राख संघटक वाले निम्न श्रेणी कोयला पल्वेराइजिंग के लिए ट्यूब मिल
- यूटिलिटी तापीय विद्युत स्टेशनों के लिए भारतीय बाजार में मजबूत उपस्थिति बनाने के अलावा बीएचईएल निम्नलिखित जरूरतों को भी पूरा करता है–
  - पल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन से लेकर ब्लास्ट फर्नेस के लिए इस्पात संयंत्रों की जरूरतें
  - कोल पल्वेराइजिंग के लिए सीमेंट संयंत्रों की जरूरतें
  - कैप्टिव विद्युत उत्पादन के लिए उर्वरक संयंत्रों की जरूरतें

गुलेटिन गेट्स एवं डेम्पर्स

- इलेक्ट्रिक/न्यूमेटिव एक्टवेटर 100 प्रतिशत रिसाव रोधी के साथ गुलेटिन गेट्स

- इलेक्ट्रिक / न्यूमेटि एक्युएटर 100 प्रतिशत रिसाव रोधी के साथ बाई–प्लेन डेम्पर्स
- इलेक्ट्रिक / न्यूमेटिव एक्चुटर के साथ लोवर डेम्पलर्स
- इलेक्ट्रिक / न्यूमेटिव एक्युएटर के साथ कंट्रोल डेम्पलर्स (रेग्युलेटिंग)

उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण

इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रिसिपीटेटर्स (ईएसपी)

- बायोमास फायर्ड बायलर, सीमेंट संयंत्र, इस्पात संयंत्र, सोडा रिकवरी बायलर सहित कोयला प्रज्वलित उपयोगिता एवं औद्योगिक उपयोग के लिए कम उत्सर्जन व उच्च दक्षता सहित किसी भी क्षमता वाले इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रिसिपीटेटर्स
- औद्योगिक व अन्य उपयोगिताओं के लिए बड़े फिल्टर्स
- एससीआर उपयोग के लिए मेकेनिकल डस्ट कलेक्टर

फ्लू गैस डीसल्फुराजेशन (एफजीडी) सिस्टम

- समुद्री पानी / लाइमस्टोन स्लीरी स्क्रिबर सहित फ्लू गैस डीसल्फु राजेशन सिस्टम
- हीट रिकवरी स्टीम जनरेटर (एचआरएसजी), इंडस्ट्रियल बॉयलर, ऑक्जिलियरी बॉयलर व अन्य फ्लू गैस एक्जानस्टक अप्लिकेशन के लिए स्टील चिमनी

सेलेक्टिव केटलाइटिक रिडक्शेन (एससीआर) सिस्टम

- अमोनिया इंजेक्शन सिस्टम
- नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन नियंत्रण के लिए सेरामिक कैटलिस्टड (हनीकोंब एवं प्लेट टाईप)

सेलेेक्टिव नॉन केटलाइटिक रिडक्शशन (एसएनसीआर) सिस्टम

- यूरिया एवं अमोनिया हैंडलिंग सिस्टम

सूट ब्लोअर्स

- 12.2 मीटर तक चलने वाले लंबे रिट्रेक्टेबल सूट ब्लोअर्स (एलआरएसबी)
- 6.9 मीटर तथा 8.3 मीटर लम्बाई तक चलने वाले फर्नेस टेम्प्रेचर प्रोब (एफटीपी)
- एयर हीटरों के लिए फॉर्वर्ड ब्लोविंग के साथ लंबे रिट्रक्टीबल नॉन–रोटेटिंग (एलआरएनआ) सूट ब्लोनअर्स
- सीएफबीसी बॉयलर अप्लिकेशन के लिए राख डिस्चार्ज वाल्व
- इन्टीग्रल स्टानार्टर के साथ सूट ब्लो्अर्स
- सूट ब्लोअर्स सिक्वेंशियल पीएलसी कन्ट्रोअल पैनल
- रैक टाइप लंबे रिट्रैक्टेबिल सूट ब्लोअर्स
- वॉल ब्लोअर्स
- रोटरी सूट ब्लोअर्स

वाल्व

- उद्योगों एवं औद्योगिक अनुप्रयोग के लिए उच्च दाब तथा निम्न दाब बायपास वाल्व एवं हाइड्रोलिक प्रणाली
- 950 मिमी व्यास, 4500 (791 किलोग्राम / वर्ग सेंटीमीटर) के अधिकतम दाब श्रेणी और 650 डिग्री सेंटीग्रेड ताप क्रम तक स्टीम, तेल और गैस कार्यों के लिए उच्च) और मध्यम प्रेशर वाल्व, कास्ट और फोर्ज इस्पात नॉन रिटर्न वाल्व (स्विंग चेक और पिस्टन लिफ्ट चैक) किस्म
- 900 एमएम अधिकतम श्रेणी 1500 एवं 650 सेंटीग्रेड तक के हॉट – रिहीट एवं कोल्ड रिहीट आइसोलेटेटिंग डिवाइसेस
- 372 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर के निर्धारित दाब और 360 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापक्रम उच्च क्षमता के सुरक्षा वाल्व और 210 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर के निर्धारित दाब तथा 593 डिग्री तक के निर्धारित तापमान के लिए स्वचालित विद्युत प्रचानित प्रेशर रिलीफ वाल्व
- 421 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर के निर्धारित दाब और 537 डिग्री सेंटीग्रेड तक का तापक्रम के लिए विद्युत प्रक्रिया और अन्य उद्योगों में प्रयोग हेतु सुरक्षा रिलीफ वाल्वस
- 2700 मिलीमीटर आकार में अधिकतम व्यास वाले रिएक्टिव कम– एब्जॉर्बप्टिव टाइप साइलेंसर
- डायरेक्ट वाटर लेवल गेज
- एंगल ड्रेन वाल्वस–टर्बाइन ट्रेन उपयोग के लिए सिंगल एवं मल्टी स्टेज सर्विस कंट्रोल वाल्वर
- आरएच एवं एसएच स्प्रे लाइनों के लिए सिवियर सर्विस कंट्रोल वाल्वस
- 800 मिमी व्यास 158 कि ग्रा / वर्ग सेंटीमीटर दाब का 540 डिग्री सेंटीग्रेड तापक्रम तक के लिए निष्कर्षण लाइनों के लिए शीघ्र बंद होने वाला नॉन–रिटर्न वाल्वि और कोल्ड रिहीट नॉन–रिटर्न वाल्व

पाइपिंग प्रणालियां

- सुपर क्रिटिकल सेटों सहित 1000 मेगावाट क्षमता तक के लिए विद्युत स्टेशनों के लिए परिचालन जल पाइपिंग सहित विद्युत चक्र, पाइपिंग, कांस्टेंट लोड हैंगर्स, परिवर्ती स्प्रिग हैंगर्स, हैंगर्स संगठक, निम्न दाब पाइपिंग
- न्यूक्लियर विद्युत स्टेशनों, कंबाइन्ड साइकिल विद्युत संयंत्रों, औद्योगिक बॉयलरों तथा प्रक्रिया उद्योगों में विद्युत संयंत्रों के लिए पाइपिंग प्रणालियां

सिमलेस स्टील ट्यूब

- एएसटीएम / एपीआई और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विशिष्टियों सहित राइफल राइफल्ड ट्यूब एवं स्पाइरल फिन्ड ट्यूब के लिए उपयुक्त कार्बन स्टील और निम्न मिश्रधातु स्टील में 19 से 133 मिलीमीटर तक के बाहरी व्यास और 2 से 14 मिली मीटर तक की मोटाई की सीमा सहित उष्ण् निर्मित और कोल्ड ड्रॉन सीमलेस स्टील ट्यूब

वाष्प टरबाइन

- अंतरराष्ट्रीय निर्दिष्टीकरण के अनुरूप तापीय सीटों के लिए 1000 मेगावाट तक की उच्च रेटिंग की स्टीम टरबाइन

- 700 मेगावाट परमाणु बिजली संयंत्र के लिए स्टीम टरबाइन

टर्बो जनरेटर

- ताप ऊर्जा संयंत्रों के लिए 1000 मेगावाट की उच्च रेटिंग का टर्बो जनरेटर
- न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों के लिए टर्बो जनरेटर

औद्योगिक सेट

- स्टीम टरबाइन आधारित कैप्टिव पावर प्लांट्स
  - एसटीजी / बॉयलर / बीटीजी / ईपीसी 200 मेगावाट तक रेटिंग यूनिट
  - 120 मेगावाट यूनिट तक नॉन री–हीट
  - 200 मेगावाट यूनिट रेटिंग तक री–हीट
- गैस टरबाइन आधारित कैप्टिव पावर प्लांट्स
  - जीटीजी / एचआरएसजी / ईपीसीः एफआर 5 (26 मेगावाट) से एफआर –9 ई (126 मेगावाट)
  - ओपन, कोजेन एवं कंबाइन्ड साइकिल

कास्टिंग एवं फोर्जिंग

- परिष्कृत भारी कास्टिंग एवं क्रीप रोधी एलॉय स्टील, स्टेनलेस स्टील एवं ग्रेड की एलॉय स्टील, जो सबक्रिटिकल, सुपरक्रिटिकल तथा अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल प्रौद्योगिकी के उपकरण हेतु दृढ़ अंतरराष्ट्रीय विशिष्टताओं को पूरा कर सके

कंडेसर और हीट एक्सचेंजर

- सरफेस कंडेंसर
  - न्यूक्लियर पावर प्लांट्स के लिए
  - 12.5 मेगावाट समुद्री अनुप्रयोग के लिए
  - औद्योगिक कंडेनसर के लिए
- फीड वाटर हीटरर्स (एचपी हीटर्स,एलपी हीटर्स, ड्रेन कूलर्स, डुप्लेक्स हीटर, डी–सुपर हीटर्स आदि)
  - थर्मलः– 7 से 500 मेगावाट (सब–क्रिटिकल) एवं 300 से 800 मेगावाट (एकल स्ट्रीम के साथ सुपरक्रिटिकल)
- आर्द्रता सेपरेटर और री–हीटर (एमएसआर) तथा न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए अन्य फीड वाटर हीटर्स (236 मेगावाट, 500 मेगावाट एवं 700 मेगावाट न्यूक्लियर सेट्स)
- लाइव स्ट्रीम री–हीटर (एलएसआर)
  - 500 मेगावाट एफबीआर न्यूक्लियर सेट्स
- टर्बो हाइड्रो जनरेटर के लिए ऑग्जिलियरी हीट एक्सचेंजर्स
  - एयर कूलर्स (फ्रेम और ट्यूब टाइप)
  - ऑयल कूलर्स (शेल और ट्यूब टाइप तथा प्लग–इन टाइप)
  - हाइड्रोजन कूलर्स (फ्रेम और ट्यूब टाइप)
- ट्रांसफार्मरों के लिए ऑग्जिलियरी हीट एक्सयचेंजर्स
  - ऑयल कूलर्स (शेल और ट्यूब टाइप सिंगल ट्यूब अथवा कॉन्सेनट्रिक डबल ट्यूब टाइप) (फ्रेम और ट्यूब टाइप)
  - सामान्य प्रयोग के लिए ऑग्जिलियरी हीट एक्सचेंजर्स
  - वाटर – वाटर कूलर्स (शेल और ट्यूब टाइप)
- सीमेंट, चीनी रिफाइनरिस, पेट्रो–केमिकल्स एवं फार्टिलाइजर्स इन्डस्ट्रीज़ के लिए इंडस्ट्रियल हीट एक्सटचेंजर्स
- थर्मल और न्यूरक्लियर सेटों के लिए फ्लैश टैंक
- सभी रेटिंग के ताप, न्यूोक्लियर सेटों सर्विस टैंक, स्टोरेज टैंक और प्रेशर वैसल्स एवं औद्योगिक अनुप्रयोग
- सीएस / एसएस / नॉन फेरस शेल और ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स और प्रेशर वेसल्स (सभी अनुप्रयोगों के लिए, भले ही रेंटिंग कुछ भी हो)
- एफआर–9 ई तक जीटीजी हेतु एयर–कूल्ड हीट एक्सचेंजर्स और सभी रेटिंग्स के कम्प्रेशर अनुप्रयोग
- सभी कंडेन्संरों के लिए स्टीम जेट एयर इजर्क्टर्स (150 मेगावाट तक)
- 7 मेगावाट से 800 मेगावाट तक डीरेटर्स
- ग्लैंड स्ट्रीम कन्डेन्र्स 7 मेगावाट से 150 मेगावाट
- सभी संभव कम्प्रे शर अनुप्रयोगों के लिए गैस कूलर्स
- ऑयल कूलर्स–एसटीजी 150 मेगावाट तक, जीटीजी एफआर–9 ई तक
- 150 मेगावाट एसटीजी और 9एफए जीटीजी तक के जनरेटर एयर कूलर्स

पम्प्स

- 1000 मेगावाट तक की क्षमता वाले यूटिलिटियों के उपयुक्त विभिन्न प्रयोग के लिए पम्पस
  - बायलर फीड पम्प्स (मोटर अथवा स्टीम टरबाइन चालित) और बायलर फीड बूस्टर पम्प्स
  - कंडनसेट एक्सटेंशन पम्प्स
  - सर्कुलेटिंग वाटर पम्प्स (कूलिंग वाटर पंप के तौर पर भी जाना जाता है)
  - परमाणु ऊर्जा संयंत्र के सेकेंडरी साइड के लिए विभिन्ना पम्प्स

कंप्रेसर्स

- निम्नलिखित कॉन्फ़िगरेशन एवं पैरामीटर्स के साथ मल्टीस्टेज सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेसर्स सहायक प्रणाली के विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए विनिर्माण और आपूर्ति की जाती है।
  - मॉडल –

- 40 बार डिजाइन प्रेशर तक होरिजेन्टली स्प्लिट टाइप
- 350 बार डिजाइन प्रेशर तक वर्टीकली स्प्लिट टाइप
  - क्षमता– 300000 घन मीटर प्रति घंटा
  - गैस– एयर, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन, मीथेन, प्राकृतिक गैस, वैट गैस, प्रोपलीन आदि
  - सीलिंग सिस्टम– ड्राय गैस सील
  - आद्योगिक– रिफइनरीज, फार्टिलाइजर्स, ऑयल एवं गैस, इस्पात, पावर एवं प्राकृतिक गैस ढुलाई
  - **अंतरराष्ट्रीय मानदंड – एपीआई 617**
  - **परीक्षण क्षमता – एमआरटी, परफॉर्मेंस टेस्ट, पूर्णलोड, पूर्ण दबाव, पूर्ण गति परीक्षण, पूर्ण यूनिट परीक्षण**
  - **ड्राईवर – भाप टरबाइन, गैस टरबाइन, मोटर।**

सोलर फोटोवोल्टिइक

- मोनो / मल्टी क्रिस्टेइलीन सोलर सेल्सा (156 एमएम)
- मोनो / मल्टी क्रिस्टेइलीन पीवी मॉड्यूल्स (300 डब्ल्यू पी तक)
- पावर कंडीशनिंग यूनिट (1.25 मेगावाट तक)
- स्काडा प्रणाली (सुपरवाइजरी कंट्रोल एवं डाटा–एक्वीजीशन)
- स्विचगियर पैनल्स (सभी केवी के लिए)
- पावर ट्रांसफार्मर्स (15 एमवीए एवं इससे उपर के लिए)
- पैसिव सोलर ट्रैकिंग सिस्टम
- स्पेस ग्रेड सोलर पैनल
- स्पेस ग्रेड बैटरीज

स्वचालन और नियंत्रण प्रणाली

- स्टीम जनरेटर्स / बायलर कंट्रोल्स, बायलर संरक्षण सहित
- स्टीम टरबाइन कंट्रोल्स
- बायलर फीड पंप (बीएफपी) ड्राइव टरबाईन कंट्रोल
- स्टेशन कंट्रोल एवं इन्ट्रुमेंटेशन / डीसीए
- ऑफ साइट / ऑफ बेस कंट्रोल्स / बैंलेन्सड ऑफ प्लांट कंट्रोल्स
  - राख हैंडलिंग प्लांट (एएचपी)
  - कोयला हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी)
  - विद्युत संयंत्र के लिए जल प्रणाली
  - मिल रिजेक्टं सिस्टम (एमआरएस)
  - कन्डनसेट ऑनलोड ट्यूब क्लीनिंग सिस्टम (सीओएलटीसीएस)
  - गैस बूस्टर कम्प्रेशर्स (जीबीसी)
  - कन्डनसेट पॉलिशिंग इकाई (सीपीयू)
  - हीटिंग, वेंटिलेशन एवं एयर कंडिशनिंग (एचवीएसी)
  - इंधन ऑयल अनलोडिंग प्रणाली (एफओयूएस)
- हाइड्रो विद्युत संयंत्र नियंत्रण प्रणालियां
- गैस टरबाईन नियंत्रण प्रणालियां
- न्यूक्लियर पावर प्लांट टरबाईन एवं सेकेंड्री साइकल कंट्रोल सिस्टम
- न्यूक्लियर पावर प्लांट प्राइमरी साइकल कंट्रोल सेंटर इन्ट्रुमेंटेशन पैकेज (सीसीआईपी)
- पॉवर ब्लाक आफ सोलर थर्मल पावर प्लांट
- औद्योगिक स्वचालन
- सब–स्टेशन ऑटोमेशन (एस ए एस) और पर्यवेक्षीय नियंत्रण तथा आंकडा अधिग्रहण प्रणालियां (स्काडा)
- नॉन–एफएसटी एचवीडीसी कन्ट्रो ल पैनल्स
- इलेक्ट्रिकल कंट्रोल सिस्टम (ईसीएस) फॉर रिफाइनरीज
- एनर्जी मेनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) फॉर पावर प्लांनट
- एमवी / एलवी स्विचगेयर के लिए इलेक्ट्रकल इंटरफेस सिस्टम

पावर इलेक्ट्रॉनिक्स

- एक्साइटेशन सिस्टम
- एसी ड्राइव सिस्टम
- स्टेटिक स्टार्टस
- इंडक्शन हीटिंग इक्यूपमेंट

ट्रांसमिशन सिस्टम कंट्रोल

- 33 केवी से 765 केवी के लिए ईएचवी एवं यूएसवी सर्विस स्टेशन / स्विच यार्ड दोनों ही एआईएस एवं जीआईएस टाइप के
- एचवीडीसी पारेषण प्रणाली
- फ्लेक्सिबल ऐसी ट्रांसमिशन सिस्टम (एफएसीटीएस) सोल्यूशिन
  - फिक्स्ट सिरीज कंपनसेशन (एफएसी)
  - स्टेटिक वार कंपनसेशन (एसवीसी)
  - स्टेटकॉम
  - कंट्रोल शंट रियेक्टर (सीएसआर)
  - फेज शिफ्टिंग ट्रान्सरफर्मर (पीएसटी)
- पावर सिस्टम स्टडीज़ फिजिबिलिटी स्टडीज़ एवं इंसुलेशन कोर्डिनेशन
- एचवीडीसी एवं एफएसीटीएस (फैक्ट्स) के लिए कनवर्टर वाल्व्स एवं कंट्रोल्स

पावर सेमी कंडक्टर डिवाइसेस

- डायोडेस– 1400–4400 वी /250–2000 ए की रेंज तक
- थाईरिस्टर–1400–7000 वी / 150–4950 ए की रेंज तक
- टर्बो जनरेटर के लिए आवर्ती डायोडस

सॉफ्टवेयर सिस्टम सोल्यूशन

- मेरिट आर्डर रेटिंग
- थर्मल यूटिलिटीज हेतु कार्यनिष्पादन विश्लेषण, डायग्नोस्टिक एवं ऑप्टिमाइजेशन (पीएडीओ)
- कार्यनिष्पादन गणना और ऑप्टिमाइजेशन सिस्टम
- डीसीएस से तृतीय–पक्ष प्रणालियों के लिए ओपीसी संपर्क
- इंटरप्राइज एसेट मैनेजमेंट सिस्टम
- एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी)
- ऑपरेटर ट्रेनिंग सिम्युलेटर
- पावर हाउस इंटरानेट सॉफ्टवेयर
- अलार्म विश्लेषण प्रणाली
- रियल टाइम परफॉरमेन्स मॉनिटरिंग सिस्टम
- हिस्टोरिकल रिप्लेट सिस्टम

स्विच गियर

36 केवी ताप वॉल्टेज रेटिंग और गैस इंसुलेटेड स्विच गियरों (36 केवी, 145 केवी, 420 केवी) के लिए भीतरी और बाहरी प्रयोगों हेतु विभिन्न किस्मों के मीडियम वोल्टेज वैक्यूम स्विचगियर

- थर्मल, न्युक्लियर, हाइड्रो एवं कंबाइंड साइकिल पावर प्लांट प्रोजेक्ट के लिए 12 केवी, 50 केए, 4000 ए एम पी तक के भीतरी स्विच गियर
- उद्योग एवं रिफाइनरी के लिए 36 केवी, 40 केए, 2500 एएमपी तक के भीतरी स्विच गियर
- वितरण प्रणाली के लिए 12 केवी, 25 केए, 1250 एएमपी के भीतरी कम्पेक्ट स्विच गियर ब्रेकर्स
- डिस्ट्रीब्यूशन / ट्रैक साइड रेलवे एप्लीकेशन के लिए आउटडोर वैक्यूम सर्किट ब्रेकर (12 केवी, 25 केए, 1250 एएमपी / 36 केवी,25 केए, 2000एएमपी / 25 केवी, 25 केए, 1600 एएमपी)
- ग्रामीण खंड के लिए 12 केवी आउटडोर पोल माउंटेड ऑटो रिक्लोजर / सेक्शनेलाइजर कैपिसिटर स्विच
- पारेषण एवं वितरण नेटवर्क रिफाइनरियों / हाइड्रो स्टेशन / मेट्रो के लिए गैस इन्सुलेटेड स्विचगियर (36 केवी,40 केए 2500 एएमपी / 145 केवी,40 केए, 2500 एएमपी / 420 केवी 40 केए, 3150 एएमपी)
- एएफ 6 सर्किट ब्रेकर्स (145 केवी,40 केए, 3150 ए), (420 केवी, 50 केए, 4000 ए)

बस डक्ट

- 800 मेगावाट तक की क्षमता वाले यूटिलिटीज के जनरेटर पावर आउटपुट के लिए उपयुक्त संबंध उपस्कर युक्त बस डक्ट

ट्रांसफार्मर एवं रिएक्टर

- 1200 केवी वोल्टेज़ तक की वोल्टता के लिए पावर ट्रांसफार्मर
  - जनरेटर ट्रांसफार्मर (500 एमवीए, 400 केवी, 3 फेज तक / 400 एमवीए 765 केवी, 1 फेज / 400 एमवीए, 400 केवी, 1 फेज तक)
  - ऑटो ट्रांसफार्मर्स (1000 एमवीए, 400 केवी, 3 फेज / 600 एमवीए, 400 केवी, 1 फेज / 1000 एमवीए, 765 केवी, 1 फेज, / 1000 एमवीए, 1200केवी 1 फेज तक)
- 500 केवी पावर स्टेशन के लिए कनवर्टर ट्रांसफार्मर / स्मूदींग रियक्टर (600 एमवीए 800 केवी / 254 एमवीएआर)। (600 एमबीए, 800 केबी / 254 एमपीएआर)
- शंट रियक्टर्स (150 एमवीएआर, 420 केवी, 3 फेज / 110 एमवीएआर, 765 केवी 1 फेज तक)
- ईएचवी अनुप्रयोगों के लिए कंट्रोल शंट रियक्टर
- पारेषण लाइन के लिए फेज शिफ्टिंग ट्रांसफार्मर (500 एवीए, 400 केवी, 3 फेज, 500 एमवीए 420 केवी 1 फेज, पीएसटी) (3 फेज में 1500 एमवीए बैंक)
- इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफार्मर्स
  - 400 के वी तक करंट ट्रांसफार्मर
  - 220 के वी तक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वोल्टेज ट्रांसफार्मर
  - कैपिसिटर वोल्टेज ट्रांसफार्मर (33 केवी से 1200 केवी तक)
- स्पेशल ट्रांसफॉर्मर्स
  - रेक्टिफायर ट्रांसफार्मर 120 केए, 132 केवी तक)
  - फर्नेस ट्रांसफॉर्मर्स (33 केवी, 60 एमवीए तक)
- ईएसपी ट्रांसफार्मर 95 केवीपी, 1600 एमए)
- 3.3 एमएच, 2700 एएमपी तक स्मू दिंग रिएक्टर
- 300 एमएच, 120 एएमपी तक ड्राई टईप रिएक्टर
- 05 एमएच, 4600 एएमपी तक डीसी चोक
- 15 एमवीए, 33 केवी तक के ड्राई टईप ट्रांसफार्मर
- पावर ट्रांसफर के लिए संयुक्त निगरानी प्रणाली

कैपेसिटर्स

- पावर फैक्टर सुधार (मोटर कैपेसिटर्स) के लिए एचटी कैपेसिटर) 3.3 से 11 केवी डेल्टा कनेक्टेड कैपिसिटर बैंक
- शंट सीरीज और एसवीसी (स्टेटिक वीएआर कंपनसेशन) हार्मोनिक फिल्टर और एचवीडीसी प्रयोगों (3.3 केवी से 500 केवी, फेज–1 / फेज 3 कैपेसिटर बैंक ऑफ रेटिंग) 0.5 एवीए से 250 एमवीए के लिए एमटी कैपेसिटर्स
- सीवीटी के लिए कैपेसिटर डिवाइडर
- पीएलसीसी के लिए कपलिंग कैपेसिटर
- जनरेटर्स और ट्रांसफार्मर्स के लिए संरक्षण के लिए सर्ज कैपेसिटर (11 केवी से 40 केवी)
- ट्रैक्शन लोकोमोटिव के लिए रूफ कैपेसिटर
  - 1200 केवी तक के लिए कैपेसिटर डिवाइडर
  - 400 केवी तक पीएलसीसी के लिए कपलिंग कैपेसिटर

बुशिंग्स

- ट्रांसफार्मर एप्लीकेशन के लिए 52 से 400 केवी ओआईपी कंडेनसर बुशिंग्स
- 25 केवी लोकोमोटिव बुशिंग्स।
- आयल केबल बॉक्स, वाल बुशिंग्स, उच्चतर क्रीपेज, हाई कैंटि लीवर लोड, हाई अल्टीट्यूड बुशिंग्स जैसी स्पेशल एप्लीकेशन बुशिंग्स

ऑन लोड टैप चेंजर्स (ओएलटीसी)

पावर ट्रांसफार्मर, फर्नेस ट्रांसफार्मर, स्टेशन ट्रांसफार्मर, रेक्टिफायर ट्रांसफार्मर, आदि जैसे विभिन्न एप्लीकेशंस के लिए ऑन लोड टैप चेंजर्स

- 765 केवी श्रेणी ट्रांसफार्मर पर ऑन सर्किट टैप चेंजर्स
- 765 केवी तक श्रेणी ट्रांसफार्मर पर ऑफ सर्किट टैप स्विच

कंट्रोल गियर

- **औद्योगिक कंट्रोल गियर**
  - उद्योगों/विद्युत संयंत्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर्स
  - रिडंडेंट थाईरिस्टर स्टेक्स और डीसी फील्ड ब्रेकर के साथ डीजिटल एक्सटेंशन कंट्रोल सिस्टम (1000 ए, 400 वी डीसी)
  - पीएलसी आधारित डिजिटल कंट्रोल के साथ लार्ज करंट रेक्टिफायर
  - डिजिटल हाइड्रोलिक/ कंपैक्ट गवर्नर्स
  - डिजिटल एवीआर (1 फेज, 300 वी डीसी / 3 फेज, 400 वी डीसी)
  - इस्पात, एलुमिनियम, सीमेंट कागज, रबड़, खनन, चीनी और पेट्रो–रसायन उद्योगों में प्रयोग के लिए कंट्रोल पैनल और क्यूबिकल्स
- **कॉन्टेक्टर्स**
  - 660 वोल्ट तक की वोल्टेज के लिए एलटी एयर ब्रेक टाइप एसी
  - 660 वोल्ट तक की वोल्टेज के लिए एलटी एयर ब्रेक टाइप डीसी कॉन्ट्रैक्टर्स
  - 11 केवी तक की वोल्टेज के लिए एचटी वैक्यूम टाइप एसी
- **कंट्रोल और रिले पैनल**
  - ईएचवी ट्रांसमिशन परियोजनाओं हेतु 400 केवी तक वोल्टेज के लिए कंट्रोल और प्रोटेक्शन पैनल्स
  - सिंक्रोनाईजिंग ट्राली/स्विंग पैनल्स
  - थर्मल, न्युक्लियर, हाइड्रो और कंबाइंड साइकिल विद्युत संयंत्र परियोजनाओं के लिए 800 मेगावाट तक के बड़े जनरेटर के लिए प्रोटेक्शन पैनल
  - एमवी स्विच गियर के लिए रिमोट कंट्रोल और रिले पैनल
  - हाइड्रो सेट के लिए टरबाइन गेज पैनल
  - आउटडोर–टाइप कंट्रोल पैनल और मार्शलिंग कीओस्क
  - रिमोट ट्रांसफार्मर टेप–जर कंट्रोल पैनल
  - स्विच गियर, एसईएपी और थाईरिस्टर, रेपकॉन तथा स्टेटकॉन पैनल्स

इंसुलेटर्स

- **पोर्सलेन्स इंसुलेटर**
  - एसी/डीसी एप्लीकेशन्स, स्वच्छ एवं प्रदूषित वातावरण के लिए 70 केएन से 420 केएन तक इलेक्ट्रो मैकेनिकल क्षमता वाले 1200 केवी एसी एवं 800 केवी एचवीडीसी तक का ट्रांसमिशन लाइन एवं सर्विस स्टेशन के लिए हाईटेंशन पोर्सलेन डिस्क इंसुलेटर्स
  - ट्रांसफार्मरों और एसएफ 6 सर्किट ब्रेकरों के लिए 765 केवी तक के हॉलो पोर्सलैन्स
  - सब स्टेशन में प्रयोग के लिए बस पोस्ट और आइसोलेटरों के लिए 400 केवी तक के सॉलिड कोर इंसुलेटर्स
- **कंपोजिट इंसुलेटर्स**
  - 25 केवी रेलवे ट्रैक्शन के लिए
  - ट्रांसमिशन लाइनों के लिए 765 केवी तक लॉन्ग रॉड इंसुलेटर
  - इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफार्मरों के लिए 765 केवी तक हॉलो इंसुलेटर
- **वीयर प्रतिरोधी सामग्री (सेरालिन)**
  - थर्मल विद्युत स्टेशनों तथा विभिन्न प्रयोग के लिए वीयर प्रतिरोधी अनुप्रयोग हेतु सेरामिक – लाइनर्स
  - राख स्ल री अनुप्रयोग के लिए सेरामिक लाईनर्स

औद्योगिक तथा विशेष सिरामिक्स

- बॉयलर ड्रम जल स्तर अनुवीक्षण में प्रयुक्त होने वाली ईडब्ल्यू एलआई– इलेक्ट्रॉनिक जल स्तर संकेतक (बीएचईएल विजन प्रणाली)
- क्रिसमस ट्री वाल्सन के लिए सेरामिक और टंगस्टन कार्बाइड फ्लो बीन्स्
- थर्मल पावर प्लांट में पल्वसराइजिंग के लिए ग्राइंडिंग मीडिया

विद्युत मशीनें

एसी स्क्विरल केज, स्लिप रिंग, सिंक्रोनस, वेरिएबल स्पीड मोटर्स, औद्योगिक अल्टरनेटरों तथा जोखिम क्षेत्रों के लिए मोटरों का उत्पादन नीचे वर्णित रेंज के अनुसार किया जाता है। विशेष प्रयोजनार्थ मशीनों का निर्माण अनुरोध पर किया जाता है

- वोल्टास एसी– 415 से 13800 वी
- फ्रीक्वेंसी–50 हट्र्ज और 60 हट्र्ज
- एनक्लोजर– एसपीडीपी टीईटीवी, टीईएफसी, सीएसीडब्ल्यू, सीएसीए और डक्टक वेंटिलेटेड

- सुरक्षित क्षेत्र प्रयोग के लिए ऐसी मशीनें
  - इंडक्शन मोटर
  - स्क्विरल केज मोटर–150 केडब्ल्यू से 22000 केडब्लू
  - स्लिप रिंग मोटर्स–150 केडब्ल्यू से 10000 केडब्ल्यू
  - सिंक्रोनस मोटर –1000 केडब्ल्यू से 25000 केडब्ल्यू

- वेरियबल स्पीड मोटर्स–150 केडब्ल्यू से 22000 केडब्ल्यू (स्क्विरल केज मोटर)
- वेरियबल स्पीड मोटर्स–1000 केडब्ल्यू से 25000 केडब्ल्यू (सिंक्रोनस मोटर)

- जोखिमपूर्ण क्षेत्र में प्रयोगों के लिए ऐसी मशीनें (नियत गति अथवा वीएफडी के साथ)
  - फ्लेम प्रूफ स्क्वारल केज इंडक्शन मोटरें (एक्स–'डी') (150 केडब्ल्यू से 1500 केडब्लू)
  - नॉन स्पार्किंग स्क्विरल केज इंडक्लू मोटर्स (एक्स–'एन') (150 केडब्ल्यू से 4000 केडब्लू (अनुरोध पर उच्चतर रेटिंग)
  - इनक्रीज्ड् सेफ्टी स्क्विरल केज इंडक्शन मोटर्स (एक्स–'ई') (150 केडब्ल्यू से 4000 केडब्लू (अनुरोध पर उच्चतर रेटिंग)
  - प्रशराइज्ड मोटर (एक्स–'पी') (150 केडब्ल्यू से 22000 केडब्लू (स्क्विरल केज मोटर)
  - प्रशराइज्डप मोटर (एक्स–'पी') 1000 केडब्ल्यू से 25000 केडब्लू (सिंक्रोनस मोटर)
- इस्पात मिल के लिए मिल ड्यूटी मोटर (150 केडब्ल्यू 5000 केडब्ल्यू बेस स्पीड 150 आरपीएम)
- इंडस्ट्रियल अल्टरनेटर (स्टीम टरबाइन, गैस टरबाइन तथा डीजल इंजन चालित) (15 केवीए से 25000 केवीए)
- इंडक्शन जनरेटर– 300 केवीए से 6000 केवीए मिनी / माइक्रो एचईपी हेतु
- 330 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 2–पोल गैस टरबाइन चालित जनरेटर
- 60 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 4–पोल गैस टरबाइन चालित जनरेटर
- 330 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 2 पोल स्टीम टरबाइन चालित जनरेटर
- 60 मेगावाट तक और समतुल्य एक्साइटर्स के साथ 4–पोल स्टीम टरबाइन चालित जनरेटर
- 5 मेगावाट तक स्थाई चुंबक आधारित जनरेटर
- 270 मेगावाट तक गैस टरबाइन जनरेटर

रेल परिवहन

- परिवहन प्रणालियां
  - एसी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव (5000 एचपी तक, 25 केवी एसी)
  - एसी–डीसी वोल्टेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव
  - एसी ईएमयू कोच
  - मेट्रो कोच
  - शहरी परिवहन प्रणालियां
  - ट्रैक्शन प्रोपल्शन सिस्टम के लिए:
  - 6000 एचपी आईजीबीटी आधारित एसी इंजनों के लिए
  - 25 केवी 3 फेज आईजीबीटी पर आधारित एसी इलेक्ट्रिकल मल्टिपल यूनिट (ईएमयू)
  - वातानुकूलित ईएमयू
  - 1600 एचपी आईजीबीटी पर आधारित एसी – डीईएमयू
  - 25 केवी 3 फेज आईजीबीटी पर आधारित मेमु
  - 1600 एचपी मल्टी–जनरेटर सेट लोकोमोटिव
- डीजल–इलेक्ट्रिक शंटिग लोकोमोटिव (1400 एचपी तक)
- बैटरी संचालित लोकोमोटिव
- ओएचई रिकार्डिंग – कम टेस्ट कार
- बैटरी संचालित रोड वाहन
- डायनामिक ट्रेक स्टेबलाइजर
- रेल – रोड वाहन
- डीजल इलेक्ट्रिक टावर कार
- यूटिलिटी वाहन

परिवहन उपस्कर

- ट्रैक्शन कनवर्टर
- औग्जिलरी कनवर्टर
- वाहन नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक्स
- होटल लोड कनवर्टर
- पारंपरिक बिजली इंजनों के लिए ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर (5400 केवीए तक) और 3 फेज के ड्राइव इलेक्ट्रिक इंजन के लिए (7775 केवीए तक)
- ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर (1050 केवीए तक) पारंपरिक एसी ईएमयू / एमईएमयू और (1578 केवीए तक 3 फेज के ईएमयू के लिए)
- लोको और एएमयू के लिए एसी ट्रैक्शन मोटर (1200 किलोवाट तक)
- लोकोमोटिव और एएमयू के लिए डीसी ट्रैक्शन मोटर (630 किलोवाट तक)
- लोकोमोटिव एवं ईएमयू के लिए एसी ट्रैक्शन अल्टरनेटर (3860 केडब्ल्यू तक)
- ट्रैक्शन जनरेटर (2000 केडब्लू तक)
- ऑग्जिलरी आवश्यकताओं के लिए मोटर जनरेटर सेट (25 केडब्लू तक)
- ऑग्जिलरी जनरेटर एवं एक्साइटर (50 केडब्ल्यू तक)
- ईडी करंट क्लच
- डायनामिक ब्रेकिंग प्रणाली के लिए डीसी ब्लोअर मोटर्स (50 केडब्लू तक)
- ट्रैक्शन गियर एवं पिनियन्स
- माल डिब्बा (28 एक्सेल, 296 टन तक)
- कन्वेंशनल रोलिंग स्टॉक के लिए कंट्रोल गियर उपकरण
- कंट्रोल क्यूबीकल्स

- ट्रैक्शन रेक्टिफायर्स
- बोगी फ्रेम
- पहिया एवं एक्सेल असेंबली

रक्षा एवं अंतरिक्ष

- नौसेना जहाजों के लिए सुपर रिपीट गन माउंट (एसआरजीएम) 76 /62 गन
- नौसेना जहाजों के लिए इंटीग्रेटेड प्लेटफार्म मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस)
- इंटीग्रेटेड ब्रिज सिस्टम आईबीएस
- स्टेटिक मेन मोटर जनरेटर (एसएमएमजी)
- सभी रक्षा एवं अर्धसैनिक बलों के लिए प्रशिक्षण सिमुलेटर का वाहन, प्लेटफार्म, रडार्स, हथियार, मिसाइल्स एवं कंप्यूटर बेस्ड ट्रेनिंग (सीबीटी)
- टी–72 टैंकों के लिए टरेट कास्टिंग
- जहाजों के लिए कास्टिंग एवं फोर्जिंग
- स्पेशल एप्लीकेशन के लिए कास्टिंग एवं फोर्जिंग
- विभिन्न वायुयान प्लेटफार्म के लिए कंपैक्ट हीट एक्सचेंजर्स
- रॉकेट यान एवं उपग्रह के लिए ईंधन टंकी एवं अन्य उपकरण
- स्ट्रेटेजिक एप्लीकेशन के लिए स्टीम टरबाइन
- परमानेंट मैगनेट फ्रीक्वेंसी कनवर्टर्स
- रिजर्व प्रोपल्शन मोटर ड्राइव
- कंपैक्ट ब्रशलेस अल्टरनेटर्स

ऊर्जा भण्डारण प्रणाली तथा ई–मोबिलिटी

- इलेक्ट्रिक बस
- इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पॉवरट्रैन
- इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग सुविधाएं
- पॉवर कंडीशनिंग यूनिट सहित ग्रिड स्टोरेज सल्यूशन्स (पीसीयू) एवं स्काडा

ऑयल क्षेत्र उपकरण

- ऑयल रिग – एसी–वीएफडी तथा एसी–एससीआर प्रौद्योगिकी के साथ–साथ ऑन–शोर ड्रिलिंग रिग 9,000 मीटर की गहराई की ड्रिलिंग 6,100 मीटर गहराई तक की सर्विस के वर्क–ओवर रिग 3,000 मीटर गहराई की ड्रिलिंग के लिए मोबाइल रिग मैचिंग ड्रा वर्क्स एवं होस्टिंग उपकरण के साथ। इसमें शामिल हैः–
  - मस्ट एवं सब–स्ट्रक्चर
  - रोटेटिंग उपकरणः ड्रॉ वर्क्स रोटरी स्वावेल्स ट्रैवेलिंग ब्लॉक्स
  - स्वतंत्र रोटरी ड्रॉइव इकाई
  - पंप सहित मड सिस्टम
  - पॉवर पैक तथा रिग इलेक्ट्रिक
  - रिग उपकरण
  - रिग उपयोगिता तथा सहायक उपकरण
  - नवीनीकरण तथा बीएचईएल और गैर–बीएचईएल के ऑयल रिग का उन्नयन
  - 1150 HP तक के 3 फेस ऑयल रिग मोटर
  - सभी आवश्यक रेंज के डीसी ऑयल रिग
  - सभी आवश्यक रेंज के डीसी ऑयल रिग
- 10,000 पीएसआई तक के लिए वेल हेड्स और एक्समस ट्री, मड लाइन सस्पेंशन, चोक एंड किल मनीफोल्ड, सीबीएम वेलहेड्स, डीएसपीएम एच–मॅनीफोल्ड, एसेम्बली, मड वॉल्व, ईएसपी हैंगर्स, ब्लॉक टाइप एक्समस ट्री एवं कैसिंग हेड्स के लिए लैडिंग बेसेस।
- ऑयल रिग कंट्रोलः
  - एसी पॉवर कंट्रोल रुम
  - डीसी पॉवर कंट्रोल रुम
  - डीजी सैट के लिए 1430kV तक ए.सी. पॉवर पैक
    - एसी कंट्रोल माड्यूल
    - डीसी कंट्रोल माड्यूल
  - ड्रिलर कंसोल
  - केबल सैट केबल ट्रेज, केबल बॉक्स तथा ऑयल रिग के लिए चालक दल कक्ष
  - मोबाइल लाइटनिंग टॉवर, रिग लाइटनिंग टॉवर
  - ऑयल रिग अनुप्रयोग के लिए डीजी सेट (63/250/380/500 केवीए)
  - एसी एससीआर रिग्स में पॉवर फैक्टर सुधार के लिए स्टैटकॉम

फैब्रिकेटड उपस्कर तथा मैकेनिकल पैकेजिज

- नाईट्रोजन, ऑक्सीजन, आर्गन के निकास के लिए एयर सेपरेशन यूनिट्स इत्यादि
- तरल नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, आर्गन के लिए आर्गन क्रयोजनिक प्रणालियां
- क्रयोजनिक भण्डारण टैंक, माउंडेड भण्डारण प्रणालियां और भण्डारण क्षेत्र
- पेट्रोकेमिकल संयंत्रों के लिए कॉलम और रिएक्टर्स
- प्रेशर वेसल्स, शेल और ट्यूब टाइप तथा एयर फिन टाइप हीट एक्स्चेंजर्स
- फायर्ड हीटर्स
- उर्वरक उद्योग के लिए पर्ज गैस रिकवरी यूनिट

शब्दकोश एवं संक्षिप्ताक्षर

एडीए	एयरोनॉटिकल डेवेलपमेंट एजेन्सी
एसी–एससीआर	एसी सिलिकॉन कंट्रोल्ड रेक्टिफायर
एपीजीईएनको	आंध्र प्रदेश पॉवर जनरेशन कार्पोरेशन
एपीपीडीसीएल	आंध्र प्रदेश पॉवर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड
एटी एण्ड सी	सकल तकनीकी एवं वाणिज्य
बीपीसीएल	भारत पेट्रोलियम कोर्पोरेशन लिमिटेड
बीएसई	मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज
सी एण्ड आई	कंट्रोल एण्ड इंस्ट्रुमेंटेशन
सीईए	केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
सीईआरसी	केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग
सीएफबीसी	सर्कुलेटिंग फल्युडाइज्ड बैड कम्बस्टन
सीएलडब्ल्यू	चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स
सीएमआईई	सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकानमी
सीपीसीएल	चेन्नै पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड
सीपीएसई	केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम
सीएसआर	कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
डीईएमयू	डीजल इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट
डीईटीसी	डीजल इलेक्ट्रिकल टॉवर कार
डीएमडब्ल्यू	डीजल लोको आधुनिकीकरण कार्यशाला
डीपीई	लोक उद्यम विभाग
डीआरडीओ	रक्षा अनुसंधान विकास संगठन
ईडी	कार्यपालक निदेशक
ईईएसएल	ऊर्जा दक्षता सेवाएं लिमिटेड
ईएचवी	एक्ट्रा हाई वोल्टेज
ईएमयू	इलेक्ट्रिकल मल्टिपल यूनिट
ईपीसी	इंजीनियरिंगए विक्रय तथा निर्माण
ईएसपी	इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर
एफएसीटीएस	फ्लेक्सिबल अल्टरनेटिंग करंट ट्रांसमिशन सिस्टम
एफजीडी	फलू गैस डिसल्फुराइजेशन
जीडीपी	सकल घरेलू उत्पाद
जीएचएवीपी	गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना
जीटीजी	गैस टरबाइन जनरेटर
एचएएल	हिंदुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड
एचईपी	हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट
एचपीसलएल	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड
एचपीसीएल	हीट रिकवरी स्टीम जनरेटर
एचवीडीसी	हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट
आईसीएफ	इंटेग्रल कोच फैक्ट्री
आईजीबीटी	इंसुलेटेड–गेट बाइपोलर ट्रांसिस्टर
आईजीसीएआर	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र
आईओसीएल	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड
आईपीआर	बौघिक सम्पदा अधिकार
आईएसओ	मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन
इसरो	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
केबीई	ज्ञान आधारित इंजीनियरिंग
एम एवं ए	मर्जर एवं अधिग्रहण
एमईएमयू	मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट
एमओयू	समझौता ज्ञापन
एमपीपीजीसीएल	मध्य प्रदेश पॉवर जरनेशन कंपनी लिमिटेड
एमयू	मिलियन यूनिट्स
एनएएल	राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला
एनएएलसीओ	नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी
एनडीटी	नॉन डेस्ट्रक्टिव टैस्टिंग
एनपीसीआईएल	न्यूक्लियर पार कॉर्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
एनएसई	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज
ओईएल	मूल उपकरण विनिर्माता
ओएनजीसी	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
पीसीयू	पावर कंडीशनिंग यूनिट
पीएलएम	उत्पाद जीवन चक्र प्रबंधन
पीएचडब्ल्यूआर	प्रेषराइज्ड हेवी वाटर रियाक्टर
पीवीयूएनएल	पत्रतु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
आर एण्ड डी	अनुसंधान एवं विकास
आर एण्ड एम	नवीकरण एवं आधुनिकीकरण
आरसीएफ	रेल कोच फैक्ट्री
आरपीसीएल	रायचूर पावर कंपनी लिमिटेड
आरआरवीपीएनएल	राजस्थान राज्य विद्युत प्रसार निगम लिमिटेड
स्काडा	सुपरवाइज़री कंट्रोल एण्ड डाटा एक्विजशन
एससीसीएल	सिंगरेणी कोलेरीज कंपनी लिमिटेड
सेबी	भारतीय प्रतिभूती एवं विनिमय बोर्ड
एसईआरसी	राज्य इलेक्ट्रिसिटी नियामक आयोग
एसपीवी	सोलर फोटो वाल्टाइक
एसआरजीएम	सुपर रैपिड गन माउंट
एसटीपीपी	सुपर थर्मल पावर प्लांट
टीएएनजीईडी	तमिल नाडु ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड
टीपीएस	थर्मल पॉवर स्टेशन
टीएसजीएनको	तेलंगाना स्टेट पावर जेनरेशन कॉर्पोरेशन लि.
टीएसटीआरएएनएससीओ	ट्रॉंसमिशन कोर्पोरेशन ऑफ तेलंगाना लिमिटेड
यूएचवी	अल्ट्रा हाई वोल्टेज
यूएचवीएसी	अल्ट्रा हाई वोल्टेज एसी
यूपीपीटीसीएल	उत्तर प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कार्पोरेशन
यूपीआरवीयूएनएल	राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि.
वीएफडी	वेरियबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव
डब्लयूएजी	डब्ल्यू (ब्रॉड गेज) ए (एसी ट्रैक्शन), जी (गुड्स ड्यूटी)

शब्दकोश (वित्तीय पारिभाषिक पद)

लेखा प्रणाली नीतियां : लेखा प्रणाली नीतियां, विनिर्दिष्ट लेखा प्रणाली तत्व हैं तथा इन तत्वों को वित्तीय विवरण की तैयारी तथा प्रस्तुतीकरण के लिए कंपनी द्वारा अपनाया गया है।

एक्युरल : विवरण की तैयारी मर्कंटाइल प्रणाली पर की जाती है। लेन–देन के प्रभाव तथा अन्य गतिविधियों की पहचान और रिकार्ड किया जाता हैं तथा संबंधित अवधि की वित्तीय सारणी में रिपोर्ट की जाती है।

अमॉर्टाइजेशन : अप्रत्यक्ष संपत्ति की उपयोगिता के आधार पर मूल्य ह्रास राशि के प्रणालीबद्ध आवंटन

तुलन–पत्र : तुलन–पत्र, जिससे संपत्ति, ऋण तथा खास समय पर मालिक की वित्तीय स्थिति को दर्शाया जाता है।

बोनस शेयर्स : वर्तमान शेयरहोल्डरों को उनके शेयरों के संख्या के आधार पर बिना कोई प्रभार से अतिरिक्त दिया हुआ शेयर हैं।

बुक मूल्य : लेखा बुक अथवा वित्तीय विवरण में दर्शाई गई राशि।

कैपिटल एम्प्लाइड : पूंजी नियोजित फंड अपने व्यापर में एक अंश के रूप में उपयोग किया जाता है। इसका सीडब्ल्युआईपी तथा अस्थगित कर परिसंपत्ति के शुद्ध मूल्य से काटने द्वारा परिकलन किया जाता है।

कैपिटल रिजर्व : लाभांश जो वितरण हेतु उपलब्ध न होने वाली आरक्षित राशि ।

नकद एवं नकद समानांतरण : नकद का अर्थ हाथ में उपलब्ध नकद तथा मांग जमा। नकद समानांतरण अल्प अवधि के लिए है, मूल्य में परिवर्तन होन का नगण्य जोखिम के अंतर्गत भारी निवेशों को नकद राशि में तत्काल परिवर्तन कर सकते हैं।

आकस्मिक देयता :

(ए) पूर्व घटनाओं से उत्पन्न होने वाले संभावित दायित्व, जिसका अस्तित्व केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के उद्भव या गैर–घटना द्वारा पुष्टि की जाएगी, पूरी तरह की इकाई के नियंत्रण से नहीं; अथवा

(बी) एक वर्तमान दायित्व जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होता है परंतु इसकी पहचान नहीं की जाती है, कि

(i) यह संभव नहीं है कि आर्थिक लाभों को जोड़ने वाले संसाधनों का बहिर्वाह दायित्व को सुलझाने के लिए आवश्यक होगा ; अथवा

(ii) दायित्व की राशि को पर्याप्त विश्वसनीयता के साथ मापा नहीं जा सकता है।

कार्पोरेट लाभांश कर : घोषित राशि पर कंपनी द्वारा भुगतान किए गए एक अतिरिक्त आयकर है, लाभांश के रूप में कंपनी द्वारा वितरित/भुगतान की गई राशि ।

वर्तमान संपत्तिः वर्तमान के रूप में संपत्ति का वर्गीकरण इस प्रकार किया जा सकता है, जबः

(ए) संपत्ति के सामान्य आवर्तन में संपत्ति को रुपए में बदलने की अपेक्षा, या बिक्री के लिए मांग अथवा इसका उपयोग;

(बी) इसको प्राथमिक तौर पर व्यापार के उद्देश्य के लिए रखा गया है;

(सी) रिपोर्टिंग अवधि के उपरांत बारह महीने के भीतर रुपए में बदलने की अपेक्षा;

(डी) संपत्ति, नकद है या नकद के बराबर जो की संपत्ति को तबदील से प्रतिबंधित करना या रिपोर्टिंग अवधि के उपरांत न्यूनतम बारह महीने के भीतर देय चुकता करना।

वर्तमान देयः वर्तमान के रूप में देय का वर्गीकरण इस प्रकार किया जा सकता है, जबः

(ए) सामान्य आवर्तन में देय को चुकता करने की अपेक्षा;

(बी) इसको प्राथमिक तौर पर व्यापार के उद्देश्य के लिए रखा गया है;

(सी) रिपोर्टिंग अवधि के उपरांत न्यूनतम बारह महीने के भीतर देय चुकता करने के लिए बाकि है या

(डी) रिपोर्टिंग अवधि के उपरांत न्यूनतम बारह महीने के भीतर देय चुकता करने के लिए शर्तरहित अधिकार नहीं है।

वर्तमान कर व्ययः वर्तमान कर, कुछ अवधि के कर सहित लाभ (कर हानि) से संबंधित भुगतान (वसूली करने वाली) हेतु राशि है।

ऋण जोखिमः जोखिम यह है कि एक वित्तीय संस्थान के लिए एक पार्टी के लिए एक दायित्व निर्वहन करने में विफल होने के कारण वित्तीय नुकसान का कारण बन जाएगी।

समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस)ः समेकित वित्तीय विवरण – संपत्ति, देय, इक्विटी, आय, खर्च तथा मूल कंपनी की कैश फ्लो तथा उसकी सहयोगी कंपनियों को सिंगल इकाई के रूप में प्रस्तुत की जाएगी।

स्थगित ऋण : स्थगित ऋण वो ऋण है जो ठेका की शर्तों के तहत निधारित लक्ष्यों जैसे परीक्षा प्रचालन पीजी परीक्षण आदि के पूरा होते भुगतान के योग्य बनता है।

स्थगित कर : स्थगित कर का परिकलन दर एवं कर नियमों के अंतर्गत किया जाता है अथवा वास्तव में बैलेंस शीट की तारीख से लागू किया जाता है।

स्थगित कर संपत्ति : अप्रयुक्त कर घाटे और अप्रयुक्त कर क्रेडिट के आगे ले जाने की कटौती योग्य अस्थायी भेदों के संबंध में भविष्य की अवधि में स्थगित कर संपत्तियां आयकरों की वसूली योग्य हैं ।

स्थगित कर देय : स्थगित कर देनदारियां, कर योग्य अस्थायी भेदों के संबंध में भविष्य की अवधि में देय आयकर की राशि हैं।

मूल्यह्रास : मूल्यह्रास, एक संपत्ति के जीवित उपयागिता के आधार पर मूल्यह्रास राशि की प्रणालीबद्ध आवंटन है।

परिभाषित लाभ योजनाएं : परिभाषित लाभ योजनाएं योगदान योजनाओं के अलावा नौकरी के उपरांत की लाभ योजनाएं हैं। परिभाषित योगदान योजना नौकरी के उपरांत की लाभ योजनाएं हैं जिसके तहत एक इकाई एक अलग इकाई में निश्चित योगदान देता है ।

ईबीआईडीटीए का अर्थ है ब्याज, कर, मूल्यह्रास एवं ऋण परिशोधन पूर्व का के अर्जन करना। प्रचालन ईबीआईडीटीए को ईबीआईडीटीए द्वारा प्राप्त गैर रूप में पहचाना जाता है।

प्रति शेयर आय: ईपीएस एक वित्तीय अनुपात है, जिससे प्रत्येक यूनिट शेयर का आय की सूचना प्राप्त होती है।

एक्स्पेक्टेड क्रेडिट लॉस : सभी संविदात्मक नकदी प्रवाहों के बीच अंतर उस अनुबंध के अनुसार किसी इकाई के होने वाले कारण तथा मूल प्रभावशाली दर पर सभी नगदी प्रवाह की स्वीकृति मूल प्रभावशाली ब्याज दर में डिस्काउंट की अपेक्षा की जाती है।

इक्विटी पद्धति : लेखांकन की इक्विटी विधि का उपयोग उद्यम में कंपनी के निवेश की मात्रा के अनुपात में संयुक्त उद्यम से उत्पन्न शुद्ध आय निर्धारित करने के लिए किया जाता है। इक्विटी विधि लेखांकन की एक विधि है जिससे निवेश के प्रारंभ में लागत पर पहचान किया जाता है और उसके बाद निवेशक की शुद्ध परिसंपत्तियों के निवेशक के हिस्से में अधिग्रहण के उपरांत में बदलाव के लिए समायोजित किया जाता है।

शुद्ध मूल्य : उचित मूल्य वह है जो किसी भी संपत्ति को बेचने के लिए प्राप्त किया जाएगा या माप के प्रति तिथि पर बाजार प्रतिभागियों के बीच व्यवस्थित लेनदेन में देयता को स्थानांतरित करने के लिए भुगतान किया जाएगा।

वित्तीय संपत्ति : किसी संपत्ति (ए) नकदी (बी) अन्य अस्तित्व के इक्विटी इंस्ट्रुमेंट (सी) नकदी या किसी अन्य वित्तीय संपत्ति या किसी अन्य इकाई के साथ वित्तीय देयता प्राप्त करने का एक संविदात्मक अधिकार (डी) एक अनुबंध जो इकाई के अपने इक्विटी द्वारा निपटाया जाएगा या जा सकता है।

वित्तीय देय : (ए) नकदी या किसी अन्य वित्तीय संपत्ति या किसी अन्य इकाई के साथ वित्तीय देयता प्राप्त करने का एक संविदात्मक अधिकार (बी) एक अनुबंध जो इकाई के अपने इक्विटी द्वारा निपटाया जाएगा या जा सकता है।

वित्तीय साधन : कोई भी अनुबंध जो एक विभाग की वित्तीय परिसंपत्ति और वित्तीय देयता या किसी अन्य विभाग के इक्विटी उपकरण उत्पन्न देता है।

वित्तीय पट्टा : वित्तीय पट्टा एक प्रकार का पट्ट है जिसके द्वारा सम्पत्ति का स्वामित्व को जोखिम तथा पुरस्कार प्राप्त होते हैं। तदनुसार, इसका शीर्षक का स्थानांतरण हो भी सकता है, नहीं भी हो सकता है।

वित्तीय गतिविधियां : गतिविधियां जो अंशदायी इक्विटी तथा ऋणदान इक्विटी तथा संयोजना में बदलाव का परिणाम है।

सामान्य आरक्षण: भविष्य की आवश्यकताओं (ज्ञात या अज्ञात) को पूरा करने के लिए कंपनी के अर्जित लाभांश को सामान्य आरक्षण के रूप में बरकरार रखा जाता है।

चिंता का विषय: इसका अर्थ है कि निकटतम भविष्य के प्रचालन के छूट के कोई आशय नहीं रखता है।

कंपनी के स्वामित्वः 'कंपनी के स्वामित्व', एक या अधिक कंपनियों का स्वामित्व से संबंधित है, जो कि कंपनी की सहायक कंपनियां हैं।

निवेश गतिविधियां : निवेश गतिविधियों में दीर्घावधि–संपत्ति के अधिग्रहण तथा निपटान शामिल हैं ।

कमी क्षति : कमी क्षति एक प्रकार की राशि है जो संपत्ति के परिणाम से संबंधित है अथवा नकद उत्पन्न इकाई जिसकी वसूली योग्य राशि से अधिक हो। एक संपत्ति के वसूलीयोग्य राशि या नकद उत्पन्न इकाई जिसका निपटाना उच्चतम उचित मूल्य से कम लागत का हो ।

अमूर्त संपत्ति : अमूर्त संपत्ति एक पहचानित भौतिक वस्तु रहित गैर आर्थिक संपत्ति से संबंधित है।

संयुक्त उद्यम : संयुक्त उद्यम जिसमें संपत्ति पर पक्षों को संयुक्त नियंत्रण रखने की व्यवस्था प्रबंध किया जाता है।

नकदी जोखिम : जोखिम जो किसी सत्व को वित्तीय देनदारियों से जुड़े दायित्व को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है तो नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति द्वारा तय किए जाते हैं ।

विपणन जोखिम : बाजार की कीमतों में बदलावों के कारण एक वित्तीय साधन के निष्पक्ष मूल्य या भावी नकदी प्रवाह का जोखिम उतार–चढ़ाव होगा। विपणन जोखित में तीन प्रकार हैंः करेन्सी जोखिम, ब्याज दर जोखिम तथा अन्य मूल्य जोखिम ।

कुल मूल्य : अपनी देनदारियों पर किसी इकाई की कुल परिसंपत्तियों के बुक मूल्य से अधिक हो । इसे शेयरधारकों के फंड के रूप में भी जाना जाता है।

शुद्ध वसूली योग्य मूल्य : शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, शुद्ध प्राप्य मूल्य व्यापार के सामान्य पद्धति में समाप्ति के अनुमानित लागत तथा बिक्री करने के लिए आवश्यक अनुमानित लागत।

गैर–चालू संपत्ति : गैर–चालू संपत्ति जो है तुलना पत्र दिनांक से एक वर्ष की अवधि के भीतर नकदी करने की संभावना नहीं है।

गैर–चालू देयता : गैर–देनदारियां उन दायित्वों को एक वर्ष के भीतर निपटाने के कारण नहीं हैं।

गैर–नियंत्रण ब्याज (एनसीआई): नियंत्रण ब्याज (50% से अधिक परंतु 100% से कम) एक सहायक कंपनी में इक्विटी स्वामित्व का हिस्सा है जो मूल कंपनी के लिए जिम्मेदार नहीं है तथा सहायक वित्तीय परिणामों को स्वयं के साथ समेकित करता है।

अन्य व्यापक आय (ओसीआई) : अन्य व्यापक आय में आय और व्यय की वस्तुएं शामिल हैं जिन्हें लाभ या हानि (पुनः वर्गीकरण समायोजन सहित) के सहमति या अन्य औद्योगिक संपत्ति से अनुमति नहीं है ।

परिचालित लीज़ : परिचालित लीज़ एक प्रकार की ठेका है जो संपत्ति का उपयोग करने की अनुमति देती है किंतु इस पर स्वामित्व का अधिकार नहीं है। परिचालित लीज़, संपत्ति का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें लीज़ संपत्ति तथा कंपनी के तुलना पत्र पर भविष्य में भुगतान करने वाली किराये से संबंधित देयता को शामिल नहीं किया जाता है।

परिचालित गतिविधियां : परिचालित गतिविधियां, मूल आय उत्पन्न करने वाले स्रोत है तथा गैर–निवेश की अन्य गतिविधियां तथा वित्तीय गतिविधियां शामिल हैं।

संपत्ति संयंत्र तथा उपकरण (पीपीई) : संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण मूर्त वस्तुएं हैं जो :

(ए) उत्पादन में उपयोग किया जाता है या सामग्री की आपूर्ति या सेवाएं, दूसरों को किराए पर देना या प्रशासनिक उद्देश्य के लिए: तथा

(बी) एक से अधिक अवधि के दौरान उपयोग करने की उम्मीद रखते हैं।

प्रचालनों से राजस्व : अवधि के दौरान सामान्य परिचालन गतिविधियों के दौरान उत्पन्न होने वाले आर्थिक लाभों का सकल प्रवाह। टर्नओवर तथा अन्य प्रचालन द्वारा प्रचालन से आय के रूप में प्राप्त राजस्व ।

सहायक कंपनी : सहायक कंपनी एक अन्य कंपनी के स्वामित्व अथवा अन्य कंपनी द्वारा नियंत्रित कंपनी है।

मूल्यांकन समायोजनः दीर्घावधि निर्माण ठेका में, उसकी समाप्ति अवधि के प्रतिशतताः के आधार पर राजस्व निर्धारित किया जाता है तथापि ग्राहक के साथ किया गया बीबीयू (बिलिंग ब्रेकअप) समझौते के अनुसार बिलिंग किया जाता है। टर्नओवर तथा बिलिंग के अंतर को मूल्यांकन समायोजन के रूप में पहचानित किया जाता है।

कार्यकारी पूंजी : दिन–प्रतिदिन प्रचालनों को आयोजन करने हेतु उपलब्ध निधि।

चेतावनी कथन

वार्षिक रिपोर्ट में कंपनी के वक्तव्य, उद्देश्य, उम्मीद या अनुमानों का वर्णन करना दूरंदेशी है। वास्तविक परिणाम भौतिक रूप से, व्यक्त या निहित परिणामों से, आर्थिक विकास, सरकारी नीतियों और अन्य आकस्मिक कारकों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

(सीआईएन:एल74899डीएल1964जीओआई004281)
पंजीकृत कार्यालय: बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049
फोन: 011–66337000, फैक्स: 011–66337428
वेबसाइट:www.bhel.com, ई–मेल: shareholderquery@bhel.in

सूचना

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के सदस्यों की 54वीं वार्षिक आम बैठक बुधवार, 19 सितंबर, 2018 को प्रातः 10.00 बजे मानकशॉ सेंटर, परेड रोड, खैबर लाइन्स, दिल्ली कैंट, दिल्ली–110010 (मार्ग मानचित्र संलग्न) में निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए आयोजित की जाएगी:

सामान्य कार्य:

1. दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लेखापरीक्षित एकल एवं समेकित विवरणों के साथ उस पर निदेशकों और लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना, विचार करना एवं स्वीकार करना।

2. वर्ष 2017–18 के लिए लाभांश घोषित करना।

3. डॉ सुभाष चन्द्र पांडे (डीआईएन:0613073) के स्थान पर नये निदेशक नियुक्त करना जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहे है और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं।

4. श्री अखिल जोशी (डीआईएन:06604954) के स्थान पर नये निदेशक नियुक्त करना जो चक्रानुक्रम द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्ताव दे रहे हैं।

5. वर्ष 2018–19 लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक निश्चित करने के लिए बोर्ड को प्राधिकृत करना।

विशेष कार्य:

6. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और अगर सही माना जाए तो आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना।

   ''संकल्प किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 148 के प्रावधानों तथा अन्य लागू प्रावधानों और कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) नियम, 2014 (किसी भी संविधिक सुधार(रों) अथवा इनके पुनः अधिनियम से, वर्तमान में लागू सहित) के अनुरूप कंपनी के निदेशक मंडल से यथा अनुमोदित 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के लागत अभिलेखों की लेखापरीक्षा करने के लिए लागत लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक अगली वार्षिक आम बैठक द्वारा संपुष्टि शेयरधारकों को प्रस्तुत किया जाएगा।''

   ''यह भी संकल्प किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल को एतद् द्वारा ऐसे सभी कार्य करने और ऐसे कदम उठाने के लिए अधिकृत किया जाता है, जो कि इस संकल्प को प्रभाव में लेने के लिए आवश्यक, उचित अथवा प्रभावी हो सकते हैं।''

7. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और सही माने पर आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना:

   ''संकल्प किया जाता है कि श्री देश दीपक गोयल (डीआईएन:07739221), जिन्हें कंपनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 160 (1) के साथ पाठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 23.09.2017 के प्रभाव से इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक अपर निदेशक पद पर नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 160(1) के उपबंधों के अनुसरण में, स्वयं निदेशक से लिखित सूचना प्राप्त हुई है, और एतद द्वारा उन्हें कंपनी का स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

8. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और सही माने पर आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना :

   ''संकल्प किया जाता है कि श्री रंजित रे (डीआईएन:07942234), जिन्हें कंपनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 160 (1) के साथ पाठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 23.09.2017 के प्रभाव से इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक अपर निदेशक पद पर नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 160(1) के उपबंधों के अनुसरण में, स्वयं निदेशक से लिखित सूचना प्राप्त हुई है, और एतद द्वारा उन्हें कंपनी का स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

9. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और सही माने पर आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना :

   ''संकल्प किया जाता है कि श्री सुबोध गुप्ता (डीआईएन:08113460), जिन्हें कंपनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 160 (1) के साथ पाठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 18.04.2018 के प्रभाव से इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 160(1) के उपबंधों के अनुसरण में, स्वयं निदेशक से लिखित सूचना प्राप्त हुई है, चक्रानुक्रम द्वारा सेवानिवृत्त होने के उत्तरदायी पर एतद द्वारा उन्हें कंपनी का निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

10. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और सही माने पर आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना :

    ''संकल्प किया जाता है कि श्री प्रवीण एल अग्रवाल (डीआईएन:05277383), जिन्हें कंपनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 160 (1) के साथ पाठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक

18.05.2018 के प्रभाव से इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 160(1) के उपबंधों के अनुसरण में, स्वयं निदेशक से लिखित सूचना प्राप्त हुई है, एतद द्वारा उन्हें कंपनी का निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

11. **सामान्य संकल्प** के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और सही माने पर आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना :

''संकल्प किया जाता है कि श्री एस. बालाकृष्णन (डीआईएन:07804784), जिन्हें कंपनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 160 (1) के साथ पाठित कंपनी की अंतर्नियमावली के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसरण में दिनांक 01.06.2018 के प्रभाव से इस वार्षिक आम बैठक की तारीख तक अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में, कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 160(1) के उपबंधों के अनुसरण में, स्वयं निदेशक से लिखित सूचना प्राप्त हुई है, चक्रानुक्रम द्वारा सेवानिवृत्त होने के उत्तरदायी पर एतद द्वारा उन्हें कंपनी का निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

12. विशेष संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और सही माने पर आशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना :

''संकल्प किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंध 14 तथा अन्य लागू प्रावधानों के अनुसरण में अनुच्छेद 5 के उपरांत कंपनी के नियमों में निम्नलिखित अनुच्छेद शामिल किया जाता है। ''

5ए. शेयरों का वापस खरीदी

''इन लेखों में निहित कुछ भी होने के बावजूद और धारा 68, 69, 70 कंपनी अधिनियम 2013 के अनुपालन में, कंपनी अपने स्वयं के शेयरों या अन्य विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को वापस ले सकती है जिसे निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन और प्रतिबंधों के लिए उपयुक्त विषय पर विचार कर सकता है जैसा कि आवश्यक हो सकता है और समय–समय पर लागू अधिनियम/विनियम/नियमों के प्रावधानों के तहत आवश्यक हो, यदि कोई भी संशोधन हो इसके अंतर्गत सीमाओं, प्रतिबंधों, नियमों और शर्तों आदि के अधीन हो सकता है ।''

''आगे संकल्प किया जाता है कि उपरोक्त संकल्प को प्रभावी रूप देने के प्रयोजन हेतु कंपनी के निदेशक मण्डल एतद् द्वारा शेयरों का वापस खरीदी हेतु कोई भी आवश्यक विचार करने द्वारा विवेकानुसार इस संबंध में उत्पन्न किसी भी प्रश्न, शंका या परेशानी को दूर करने सहित जैसा भी जो ऐसे सभी कार्यों, विलेखों, मामलों एवं विषयों पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत हैं।''

निदेशक मंडल के आदेशानुसार

आई.पी.सिंह)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10 अगस्त, 2018

टिप्पणियां:

1- बैठक में भाग लेने और मतदान के लिए पात्र सदस्य स्वयं अपने बदले बैठक में भाग लेने और मतदान करने के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त करने के हकदार हैं। प्रतिनिधि को कंपनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है। प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया व्यक्ति ऐसे सदस्य अथवा अधिकतम पचास सदस्यों की ओर से कार्य करेगा, जिनके पास मतदान के अधिकार के लिए कंपनी की कुल शयर पूंजी का दस प्रतिशत से अधिक नहीं है। लेकिन कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 19(2) के प्रावधान के अनुरूप, कंपनी की कुल शेयर पूंजी का 10 प्रतिशत से अधिक धारण करने वाला कोई सदस्य जिसे मतदान का अधिकार है एकल व्यक्ति को प्रतिनिधि नियुक्त कर सकता है और ऐसा व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति अथवा शेयरधारक के लिए कार्य नहीं करेगा। विधिवत् पूरा भरा गया प्रतिनिधि फार्म वार्षिक आम बैठक मैं निर्धारित समय के अड़तालीस (48 घंटों) पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए। खाली प्रतिनिधि फॉर्म संलग्न है।

2. कॉर्पोरेट सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने प्रतिनिधि को उनकी ओर से वार्षिक आम बैठक में उपस्थित होने और वोट करने के लिए अधिकृत करने हेतु बोर्ड प्रस्ताव की विधिवत् प्रमाणित प्रति/पावर ऑफ अटार्नी भेजें।

3. ऊपर यथा निर्धारित विशेष कार्य के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 102 (1) के अनुसरण में संगत व्याख्यात्मक विवरण यहां इसके साथ संलग्न है।

4. डॉ. सुभाष चन्द्र पांडे तथा श्री अखिल जोशी, निदेशक चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने पर स्वयं पुनःनियुक्ति के लिए प्रस्ताव करेंगे। तथापि, डॉ. सुभाष चन्द्र पांडे तथा श्री अखिल जोशी की नियुक्ति की शर्तों के अनुसार कंपनी के निदेशक (पॉवर) के रूप में कार्यकाल दिनांक 30 सितंबर, 2018 को समाप्त होगा। पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशक का संक्षिप्त परिचय सूचना के अनुच्छेद में प्रस्तुत किया गया है।

5. निदेशक मंडल ने वर्ष 2017–18 के दौरान अदा किए जा चुके अंतरिम लाभांश 40 प्रतिशत (₹0.80 प्रति शेयर) के अलावा कम्पनी की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी पर 51 प्रतिशत (₹1.02 प्रति शेयर) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

6. सदस्यों का रजिस्टर और कंपनी की शेयर अंतरण बहियां अंतिम लाभांश, यदि बैठक में घोषित किया जाता है, के लिए पात्र शयरधारकों के नामों के निर्धारण के प्रयोजनार्थ दिनांक गुरुवार, 13 सितंबर, 2018 से बुधवार, 19 सितंबर, 2018 (दोनों दिन शामिल) बंद रहेंगे।

7. दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक मंडल द्वारा यथा अनुशासित इक्विटी शेयरों पर अंतिम लाभांश, यदि कंपनी की वार्षिक आम बैठक में स्वीकृत किया जाता है, लाभांश की घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर अथवा दिनांक 18.10.2018 को अथवा उसके पूर्व शेयरधारकों को देय होगा, जिनका नाम:

   (i) शेयरों के संबंध में एनएसडीएल/सीडीएसएल द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली सूची के अनुसार 12 सितंबर, 2018 को कारोबारी घंटों के बंद होने के समय शेयरों के लाभभोगी मालिक के नामों में इलेक्ट्रॉनिक मोड में रखा गया और

   (ii) वास्तविक रूप में उन सभी वैध शेयरों के अन्तरण अनुरोधों को प्रभावी बनाने के पश्चात् कम्पनी के सदस्यों के रजिस्टर में सदस्य के रूप में है जो 12 सितंबर, 2018 को कारोबारी घंटों के बंद होने पर अथवा उससे पूर्व कम्पनी/आरटीए के साथ दर्ज कराया गया।

8. सदस्यों को कंपनी को ईसीएस के माध्यम से प्रेषण करने में समर्थ बनाने के लिए विधिवत भरा हुआ और हस्ताक्षरित फार्म (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया) में अपने नेशनल इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस/इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (एनईसीएस) का अधिदेश प्रस्तुत करने का सुझाव दिया जाता है।

9. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 125 के साथ पठित कंपनी अधिनियम अधिनियम की धारा 124 के अनुसरण में लाभांश की राशि जो 7 वर्षों की अवधि के लिए अदत्त/अदावकृत रहती है, को केन्द्र सरकार की निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में अंतरित करना अपेक्षित है। इसके बाद सदस्यों का उक्त राशि पर किसी भी प्रकार का दावा, चाहे जो भी हो, नहीं रह जाता । तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2010–11 के लिए अंतिम लाभांश, वित्तीय वर्ष 2011–12 के अंतरिम लाभांश, जो अदावाकृत रहता है, को उक्त खाते में क्रमशः दिनांक 21.10.2018 तथा 06.04.2019 को अंतरित किया जाता है।

   सदस्य, जिन्होंने दिनांक 31.03.2011 को समाप्त अथवा उसके बाद किसी वित्तीय वर्ष (वर्षों) के लिए अभी तक अपने अंतिम लाभांश का दावा/नकदीकरण नहीं किया है, निर्दिष्ट 7 वर्ष की अवधि की समाप्ति से पूर्व भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी से संपर्क कर सकते हैं।

10. सदस्य कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 72 के अनुरूप ऐसे किसी व्यक्ति को मनोनीत करते हुए नामांकन की सुविधा का लाभ ले सकते हैं (फार्म वार्षिक रिपोर्ट में दिया गया है) जिन्हें, उनकी मृत्यु की दशा में, कंपनी में उनके शेयर विहित होंगे।

11. कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 142 (1) के साथ पठित धारा 139 (5) के अनुसरण में किसी सरकारी कंपनी के लेखा परीक्षक भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किए जाते है और उनका पारिश्रमिक वार्षिक आम बैठक में कंपनी द्वारा नियत किया जाता है। आम बैठक वर्ष 2018–19 के लेखापरीक्षकों का उपयुक्त पारिश्रमिक नियत करने के लिए निदेशक मंडल को प्राधिकृत कर सकती है।

12. सदस्यों से अनुरोध है कि वे पता और एनईसीएस/ईसीएस के विवरण और स्थायी खाता संख्या (पैन) सहित अन्य संबंधित पत्राचार के किसी भी परिवर्तन को सूचित करें:–

    (i) अपने इक्ट्रॉनिक शेयर खातों के संबंध में अपने निक्षेपागार भागीदार (डीपी) को, और

    (ii) लाभांश वारंट की तत्काल और सुरक्षित प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए अपनी फोलियो संख्या, बैंक का नाम और खाता संख्या बताते हुए अपने वास्तविक शेयरों, अगर कोई हो, के संबंध में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय या रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट मैसेर्स कार्वी कंप्यूटर शेयर प्राइवेट लि. (कार्वी सिलेनियम टॉवर, बी. प्लॉट 31–32, गांचीबाउली, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक, नानकरामगुडा, हैदराबाद–500032) को भेजें।

13. सदस्य, जो अमूर्त रूप में शेयर धारित करते हैं, वे अपनी ग्राहक और डीपी आईडी संख्या लिखने का और जो वास्तविक रूप में शयर धारित करते हैं, उनसे बैठक में भाग लेने के उपस्थिति पर्ची में अपनी फोलियो संख्या लिखने का अनुरोध किया जाता है। तथापि, ऑडिटोरियम में प्रवेश, बैठक स्थल पर काउंटर पर उपलब्ध और उपस्थिति पर्ची से बदली जाने वाली प्रवेश पर्ची के आधार पर होगा।

14. कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 की धारा 20 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 तथा सूचीयन समझौते के उपबंध 44 अनुसरण में कंपनी को अपने सदस्यों को मैसेर्स कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्राइवेट लिमिटेड के जरिये इलक्ट्रानिक तरीके से अपने मताधिकर का प्रयोग करने की सुविधा उपलब्ध करवाते हुए हर्ष हो रहा है। जन सदस्यों के नाम बुधवार, 12 सितंबर, 2018 (अंतिम तिथि) अर्थात् कंपनी द्वारा वार्षिक रिपोर्ट के वितरण तथा वार्षिक आम बैठक बुलाए जाने हेतु सूचना (ई–वोटिंग के लिए सूचना सहित) हेतु ली गई अंतिम तिथि को सदस्यों के रजिस्टर/लाभार्थी स्वामियों की सूची में मौजूद है, ई–वोटिंग/वार्षिक आम बैठक के उद्देश्य के लिए वोट करने के पात्र होंगे। ई–वोटिंग अवधि रविवार, 16 सितंबर, 2018 को प्रातः 9.00 बजे आरंभ होगी और मंगलवार, 18 सितंबर, 2018 सायं 5.00 बजे को समाप्त होगी। ई–वोटिंग मॉड्यूल 18 सितंबर, 2018 को सायं 5.00 बजे बंद हो जाएगा। इक्ट्रानिक पद्धति से मतदान करने के इच्छुक सदस्य आवश्यक यूजर आईडी एवं पासवर्ड के साथ अलग से भेजी गई ई–वोटिंग की विस्तृत प्रक्रिया का संदर्भ ले सकते हैं। शेयरधारक द्वारा प्रस्ताव पर एक बार मतदान किए जाने के उपरांत, बाद में शेयरधारक को इसमें परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। शेयरधारकों को मतदान का अधिकार अंतिम तिथि 12 सितंबर, 2018 है, कि स्थिति के अनुरूप में कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी में उनके हिस्से के समानुपात में होगा।

15. मत पत्रों के जरिए मतदान की सुविधा वार्षिक आम बैठक में उपलब्ध होगी और बैठक में उपस्थित जिन सदस्यों ने दूरस्थ ई–वोटिंग के जरिए मतदान नहीं किया है वे बैठक में मतपत्रों के जरिए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

16. जिन सदस्यों ने वार्षिक आम बैठक से पूर्व ही दूरस्थ ई वोटिंग के जरिए मतदान किया है वे भी बैठक में भाग ले सकते हैं लेकिन वे दोबारा मतदान के लिए हकदार नहीं होंगे।

17. कंपनी ने ई–वोटिंग प्रकिया की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच के लिए जांचकर्ता के तौर पर कार्य करने हेतु मैसर्स आशु गुप्ता एंड कंपनी की सुश्री आशु गुप्ता, पेशेवर कंपनी सचिव, को नियुक्त किया है। जांचकर्ता ई–वोटिंग अवधि समाप्त होने के अधिकतम तीन कार्य दिवसों की अवधि के भीतर कम से कम दो गवाहों की उपस्थिति में, जो कंपनी के रोज़गार में नहीं हैं, मतों को खोल देंगे और पक्ष अथवा विपक्ष में यदि कोई है, डाले गए को मतों की जांचकर्ता की रिपोर्ट तुरंत कंपनी के अध्यक्ष को प्रस्तुत कर देंगे। परिणाम कंपनी की वार्षिक आम बैठक में अथवा इसके उपरांत घोषित किए जाएंगे। घोषित परिणाम और साथ में जांचकर्ता की रिपोर्ट कंपनी की वेइबसाइट पर अध्यक्ष/उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा लिखित में परिणाम की घोषणा और तदनुसार शेयर बाजारों को सूचित कर दिए जाएंगे।

18. सदस्यों से अनुरोध है कि

i. बैठक स्थल पर विधिवत् पूर्ण और हस्ताक्षरित उपस्थिति पर्ची एवं फोटो पहचान पत्र साथ लाएं।

ii. सभी पत्राचार में अपनी फोलियो संख्या/डीपी एवं ग्राहक आईडी संख्या का उल्लेख करें।

iii. सुरक्षा कारणों से ऑडिटोरियम के भीतर कोई ब्रीफकेस अथवा बैग ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

iv. वार्षिक आम बैठक में कोई उपहार वितरित नहीं किया जाएगा।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार

(आई.पी.सिंह)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10 अगस्त, 2018

सूचना का अनुबंध

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102 (1) के अनुसरण में व्याख्यात्मक विवरण

10 अगस्त, 2018 की संलग्न सूचना के मद सं. 6 से 12 में उल्लिखित व्यवसाय से संबंधित वास्तविक तथ्यों के वर्णन में निम्नलिखित व्याख्यात्मक विवरण प्रस्तुत हैं :

मद संख्या 6

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 148 के साथ पठित कम्पनी (लेखा एवं लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के अनुसार बोर्ड द्वारा मंजूर किए गए लागत लेखापरीक्षकों के पारिश्रमिक को शेयरधारकों द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

लेखापरीक्षा समिति की सिफारिश के आधार पर, 25 जुलाई, 2018 को हुई बैठक में निदेशक मंडल ने निम्नानुसार रु.14.70 लाख के कुल पारिश्रमिक के साथ नियुक्ति के लिए सात लागत लेखापरीक्षकों/फर्मों के नाम अनुमोदन किया हैः

(₹ लाख में)

क्र.सं.	लागत लेखापरीक्षक का नाम	यूनिट	2018–19 का पारिश्रमिक
1	मैसर्स आर.जे.गोयल एंड कं., दिल्ली (मुख्य लागत लेखापरीक्षक)	समेकित ऑडिट रिपोर्ट	0.91
		हीप हरिद्वार	1.82
		सीएफएफपी हरिद्वार	0.36
2	मैसर्स शेमे एण्ड बैनर्जी, दिल्ली	झांसी	0.73
		एचईआरपी वाराणसी	0.36
		भोपाल	1.82
3	मैसर्स केआरजे एण्ड एसोसिएट्स, हैदराबाद	हैदराबाद	1.82
4	मैसर्स एम.कृष्णस्वामी एण्ड एसोसिएट्स, चेन्नै	तिरुचि	2.42
		बीएपी रानीपेट	1.21
5	मैसर्स जे.एच. एसोसिएट्स, बेंगलूरु	ईपीडी, बेंगलूरु	0.48
		ईडीएन, बेंगलूरु	0.61
6	मैसर्स के.बी.सक्सेना एण्ड एसोसिएट्स, लखनऊ	आईवीपी गोइंदवाल	0.36
		सीएस एण्ड एफपी जगदीशपुर	0.48
		सीएफपी रुद्रपुर	0.36
		आईपी जगदीशपुर	0.48
7	मैसर्स उप्पालपति एण्ड एसोसिएट्स, विशाखापत्तनम	एचपीवीपी विशाखापत्तनम	0.48
		कुल	14.70

उपरोक्त शुल्क में लागू कर एवं जेब खर्च शामिल नहीं है जो अतिरिक्त दिए जाते हैं।

तदनुसार सदस्यों से 31 मार्च, 2019 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में लागत लेखापरीक्षकों के लिए पारिश्रमिक को मंजूरी देने का निवेदन किया जाता है ।

कंपनी के किसी भी निदेशक, मुख्य प्रबंधन अधिकारियों या उनके रिश्तेदारों का किसी भी तरह का वित्तीय या फिर अन्य हित नहीं जुडा है जिसका संकल्प मद संख्या 6 में किया गया है।

निदेशक मंडल इस संकल्प को शेयरधारकों की मंजूरी के लिए इसे प्रस्तावित करते हैं।

मद संख्या – 7

श्री देश दीपक गोयल (डीआईएनः07739221), आयु 61 वर्ष, 23 सितंबर, 2017 के प्रभाव से बीएचईएल के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के तौर पर नियुक्त हुए।

श्री गोयल, भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी (सेवा निवृत्त) (1982 बैच) रह चुके हैं और कानपुर विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान तथा रसायन शास्त्र डिग्री तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान तथा विधि में स्नातकोत्तर डिग्री धारक है।

श्री गोयल, वर्ष 1982–1991 के दौरान सहायक/उप आयुक्त के रूप में कार्यरत थे, वर्ष 1991–1992/1994–2000 के दौरान संयुक्त/अपर आयुक्त तथा वर्ष 2001–2014 के दौरान के आयुक्त रहे हैं। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के कार्पोरेट कर योजना सलाहकार (1992–1994) में भी अपनी सेवा प्रदान की है। प्रधान आयुक्त (एएस के समरूप) (2014–2016) तथा आयकर विभाग में मुख्य आयुक्त (जनवरी 2016 से नवंबर 2016) के रूप में अपनी सेवा प्रदान की है।

श्री गोयल के विशेषज्ञता में वित्त, विधि, प्रबंधन तथा प्रशासनिक क्षेत्र शामिल है। श्री गोयल को प्रशासन तथा प्रत्यक्ष कर प्रवर्तन, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की नई परियोजनाओं के वित्तीय मूल्यांकन में व्यापक अनुभव है। अनेक राज्यों के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कार्पोरेट टैक्स प्लैनर तथा सलाहकार के रूप में जाना जाता है। श्री गोयल ने दो वर्ष के लिए सरकारी सेवा में अपर सचिव स्तर तक के पद पर अपनी सेवा प्रदान की है तथा वे आयकर विभाग के मुख्य आयुक्त पद से सेवा निवृत्त हो चुके हैं। उन्होंने आयकर आयुक्त (संयुक्त सचिव के समानंतर) के रूप में चौदह वर्ष सेवा प्रदान की है।

श्री गोयल की नियुक्ति, स्वतंत्र निदेशक के रूप में दिनांक 11.09.2020 तक या अगले आदेश जो भी पहला हो, की जाती है। श्री गोयल बोर्ड बैठकों में उपस्थित तथा बोर्ड स्तर समिति बैठक में भाग लेने के लिए पारिश्रमिक के लिए हकदार है ।

श्री गोयल के पास बीएचईएल के कोई शेयर नहीं हैं और अन्य निदेशकों/प्रबंधक/कंपनी के मुख्य प्रबंधकीय कर्मी के साथ उनके कोई रिश्ता नहीं हैं।

श्री गोयल ने वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान अपने कार्यकाल में आयोजित सभी (चार) बोर्ड बैठक में भाग लिया।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के अनुसार कंपनी के अंतर्नियम के अधिनियम 67 (iv) के साथ पढ़े, श्री देश दीपक गोयल को आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारण का अधिकार हैं और वह नियुक्ति के पात्र हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के पद के लिए श्री गोयल की उम्मीदवारी के प्रस्ताव के लिए कंपनी को लिखित रूप में एक नोटिस मिला है।

कंपनी ने श्री गोयल से एक घोषणा प्राप्त की है वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 की उपधारा (6) के अंतर्गत और लिस्टिंग विनियम के विनियम 16 अंतर्गत दोनों में निर्धारित स्वतंत्र के मानदंडों को पूरा करते हैं। उनके व्यापक अनुभव और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए, कंपनी यह चाहेगी कि श्री देश दीपक गोयल कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के तौर पर नियुक्त किए जाएं। बोर्ड के विचार से श्री देश दीपक गोयल कम्पनी अधिनियम 2013 व उनके अन्तर्गत लिए गए कम्पनी के स्वतंत्र निदेशक पद पर नियुक्ति की सभी शर्तों को पूरा करते हैं प्रबंधन और शर्तों से स्वतंत्र रहेंगे।

श्री देश दीपक गोयल के अलावा किसी भी निदेशक या कंपनी का मुख्य प्रबंधकीय कर्मी या किसी भी प्रकार से उनके संबंधी का, संबंध या रुचि आर्थिक रूप या अन्यथा मद संख्या 7 पर प्रस्ताव में नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के अनुमोदन के प्रस्ताव की सराहना की है।

मद संख्या – 8

श्री रंजित राय (डीआईएनः07942234), आयु 61 वर्ष, 23 सितंबर, 2017 के प्रभाव से बीएचईएल के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक के तौर पर नियुक्त हुए।

श्री रंजित राय, भारतीय विदेश सेवा अधिकारी (सेवा निवृत्त) (1980 बैच) रह चुके हैं, वह अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर डिग्री धारक है तथा नेशनल डिफेन्स कॉलेज, नई दिल्ली में रणनैतिक अध्ययन पर एक कोर्स भी कर चुके हैं। वर्ष 1980 में भारतीय विदेश सेवा ज्वाइन करने से पूर्व श्री रंजित राय ने दो वर्ष की अवधि के लिए सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में कार्य किया ।

श्री राय के विशेष क्षेत्र प्रशासन तथा प्रबंधन हैं । वह वियतनाम तथा हंगेरी (बोसनिया तथा हरजेगोविना तथा स्लोवेकिया के लिए भी) के लिए भारत राजदूत रूप में अपनी सेवा प्रदान कीं तथा भारत के स्थायी मिशन, न्यू यार्क के प्रथम सचिव (संयुक्त संघ के संयुक्त स्टॉफ पेंशन बोर्ड तथा सदस्य–युनाइटेड नेशन सलाहकार समिति–प्रशासनिक एवं बजटरी प्रश्न)। भारतीय उच्चायुक्त, कंपाला, में द्वितीय सचिव/उच्चायुक्त के रूप में अपनी सेवा प्रदान की है। संयुक्त राष्ट्र संघ के लिए कोसावो में तथा संयुक्त राष्ट्र संघ, न्यू यार्क (2000 से 2002 तक) के शांति बनाएं रखने के विभाग में प्रतिनियुक्ति पर कार्य किया। उन्होंने वर्ष 2002 से 2006 तक नेपाल और भूटान के लिए संबंध रखने हेतु उत्तर डिवीजन के प्रमुख के रूप में सेवा की। वर्ष 1998 से 2000 तक विदेश मंत्रालय में निदेशक पद पर कार्य किया। वर्ष 1994 से 1995 तक आर्थिक सहयोग इकाई के निदेशक/उप सचिव के रूप में सेवा की तथा अवर सचिव/उप सचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ डिवीजन/विदेश सचिव के कार्यालय में (1986 से 1991 तक) कार्य किया। आपने भारत के राष्ट्रपति के प्रेस सचिव के रूप में अपनी सेवा प्रदान की है। श्री राय नेपाल के राजदूत के पद पर सचिव–भारत सरकार के रैंक पर सेवा निवृत्ति हुए ।

श्री रंजित राय की नियुक्ति, स्वतंत्र निदेशक के रूप में दिनांक 11.09.2020 तक या अगले आदेश जो भी पहला हो, की जाती है। श्री राय बोर्ड बैठकों में उपस्थित तथा बोर्ड स्तर समिति बैठक में भाग लेने के लिए पारिश्रमिक के लिए हकदार है ।

श्री रंजित राय के पास बीएचईएल के कोई शेयर नहीं हैं और अन्य निदेशकों/प्रबंधक/कंपनी के मुख्य प्रबंधकीय कर्मी के साथ उनके कोई रिश्ता नहीं हैं।

श्री राय ने वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान अपने कार्यकाल में आयोजित सभी (चार) बोर्ड बैठक में भाग लिया।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के अनुसार कंपनी के अंतर्नियम के अधिनियम 67 (iv) के साथ पढ़े, श्री रंजित राय को आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारण का अधिकार हैं और वह नियुक्ति के पात्र हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के पद के लिए श्री रंजित राय की उम्मीदवारी के प्रस्ताव के लिए कंपनी को लिखित रूप में एक नोटिस मिला है।

कंपनी ने श्री राय से एक घोषणा प्राप्त की है वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 की उपधारा (6) के अंतर्गत और लिस्टिंग विनियम के विनियम 16 अंतर्गत दोनों में निर्धारित स्वतंत्र के मानदंडों को पूरा करते हैं। उनके व्यापक अनुभव और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए, कंपनी यह चाहेगी कि श्री राय कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के तौर पर नियुक्त की जाएं। बोर्ड के विचार से श्री रंजित राय कम्पनी अधिनियम 2013 व उनके अन्तर्गत लिए गए कम्पनी के स्वतंत्र निदेशक पद पर नियुक्ति की सभी शर्तों को पूरा करते हैं प्रबंधन और शर्तों से स्वतंत्र रहेंगे।

श्री रंजित राय के अलावा किसी भी निदेशक या कंपनी का मुख्य प्रबंधकीय कर्मी या किसी भी प्रकार से उनके संबंधी का, संबंध या रुचि आर्थिक रूप या अन्यथा मद संख्या 8 पर प्रस्ताव में नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के अनुमोदन के प्रस्ताव की सराहना की है।

मद संख्या 9 :

श्री सुबोध गुप्ता (डीआईएन 08113460) आयु 54 वर्ष, 18 अप्रैल, 2018 को बीएचईल के बोर्ड में निदेशक (वित्त) के तौर पर नियुक्त हुए।

श्री गुप्ता, इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट अकांउटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के फेलो सदस्य हैं तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य (ऑनर्स) में स्नातक डिग्री धारक है। इससे पूर्व महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट वित्त) योजना तथा रणनैतिक, खजाना प्रबंधन तथा टैक्सेशन प्रबंधन में कार्यरत थे। इसके अतिरिक्त, श्री गुप्ता नें कंपनी में 'उद्योग क्षेत्र' व्यापार विभाग प्रबंधन के अंतर्गत रणनैतिक व्यापार इकाईयों के वित्त गतिविधियों के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया।

वित्त व्यवसायी करियर के दौरान बीएचईएल के वित्तीय प्रचालनों में 32 वर्षों का व्यापक अनुभव रखते हैं। बीएचईएल में अपना करियर वर्ष 1985 में वित्त प्रशिक्षु के रूप में प्रारंभ किया तथा अपने व्यावसयिक जीवन में चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों को निभाने की दिशा में वित्त प्रबंधन के सभी तथ्यों को अपनाया।

प्रमुख विनिर्माण इकाइयों में कॉस्टिंग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के टीम नेतृत्व करते समय कंपनी ने लागत प्रबंधन के लिए प्राप्त मैडेन आईसीडब्ल्यूएआई राष्ट्रीय पुरस्कार–2005 तथा सीआईआई–एक्सिम बैंक द्वारा प्रदत्त उत्कृष्ट व्यापार–2006 पुरस्कार हेतु श्री गुप्ता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुणवत्ता प्रबंधन के लिए यूरोपियन फांउडेशन द्वारा प्रमाणित टीक्यूएम मूल्यांकनकर्त्ता के रूप में उन्होंने व्यापार प्रक्रियाओं के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया और इसके अलावा उन्होंने टीक्यूएम के अंतर्गत अनेक आंतरिक तथा बाहय मूल्यांकन किया है। इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा सावर्जनिक क्षेत्र उपक्रम विनिर्माण–भारी की श्रेणी के अंतर्गत कॉर्पोरेट प्रबंधन आचरण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें, वर्ष 2016 के लिए सर्टिफिकेट ऑफ मैरिट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री गुप्ता, ट्रान्समिशन बिजनेस ग्रुप, अंत परि.प्र.एवं उद्योग क्षेत्र के वित्त विभाग के प्रमुख के रूप में कंपनी के सर्वोपरी लक्ष्य हासिल करने के लिए मूल्य निर्धारण, लागत नियंत्रण तथा अनेक लाभाकारी योजनाओं के लिए वित्तीय रणनैतिक तथा नीति निर्धारण द्वारा कंपनी के उद्योग व्यापार क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किया है।

जोखिम मूल्यांकन तथा रणनैतिक समझौते में उसका निवारण उपायों के सुझावकर्त्ता के रूप में तथा विदेश व्यापार अवसरों में उन्होंने महत्वपूर्ण सलाहाकार के रूप में तथा कंपनी में इंड–एस के कार्यान्वित करने में अपना योगदान प्रदान किया है। वह वर्तमान व्यापार नीतियों में आने वाली विपणन चुनौतियों को सामना करने की दिशा में लक्ष्य तय करने हेतु गठित कार्पोरेट की विभिन्न समितियों में सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

श्री गुप्ता की नियुक्ति भारत सरकार (2007 स्केल) द्वारा अनुमोदित की शर्तें और नियमों पर ₹75,000– ₹1,00,000 प्रतिमाह के वेतनमान में 17.04.2023 तक है या जब तक अगले आदेश आए, इनमें से जो भी पहले हो।

श्री गुप्ता के पास बीचएईएल के पास कोई शेयर नहीं हैं और अन्य निदेशकों/प्रबंधक/ कंपनी के केएमपी के साथ उनका कोई रिश्ता नहीं हैं।

श्री गुप्ता को 18.04.2018 को निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया गया था, वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान उन्होंने किसी भी बोर्ड मिटिंग में भाग नहीं लिया है।

कंपनी के अधिनियम, 2013 की धारा 161 के अनुसार कंपनी के अंतर्नियम के अधिनियम 67 (iv) के साथ पढ़ें, श्री गुप्ता को आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारण का अधिकार हैं और वह नियुक्ति के पात्र है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी के निदेशक के पद के लिए श्री गुप्ता की उम्मीदवारी के प्रस्ताव के लिए कंपनी को लिखित रुप में एक नोटिस मिला हैं।

श्री सुबोध गुप्ता के अलावा किसी भी निदेशक या कंपनी का मुख्य प्रबंधकीय कर्मी या किसी भी प्रकार से उनके संबंधी का, संबंध या रुचि आर्थिक रूप या अन्यथा, मद संख्या 9 पर प्रस्ताव में नहीं है।

निदेशक मंडल ने शयरधारकों के अनुमोदन के प्रस्ताव की सराहना की है।

मद संख्या 10:

श्री प्रवीण एल अग्रवाल (डीआईएन 05277383) आयु 49 वर्ष, 18 मई, 2018 को बीएचईएल के बोर्ड में अंशकालीन–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक के तौर पर नियुक्त हुए।

श्री प्रवीण एल अग्रवाल भारतीय वन सेवा अधिकारी (1994 बैच) के है, वह एक कॉमनवेल्थ स्कॉलर हैं तथा विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालयों से निरंतर विकास, सार्वजानिक नीति तथा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री धारक हैं।

श्री अग्रवाल, वर्तमान में संयुक्त सविच पद पर भारी उद्योग विभाग तथा लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार में कार्यरत हैं। वह सार्वजनिक नीति तथा प्रशासनिक क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखते हैं। आपने वर्ष 1995 के दौरान सीमा व्यापार मुद्दों पर 'अंतर्राष्ट्रीय विजिटर्स लीडरशिप कार्यक्रम' के लिए यूएस–राज्य विभाग के प्रतिष्ठित फैलोशिप प्राप्त किया।

वह एन्ड्रयू युले एंड कंपनी लिमिटेड के बोर्ड में अंशकालीन आधिकारिक निदेशक भी हैं।

बीएचईएल के बोर्ड में भारत सरकार नामिति होने के नाते श्री प्रवीण एल अग्रवाल बीएचईएल से कोई भी पारिश्रमिक प्राप्त नहीं करते हैं।

श्री प्रवीण एल अग्रवाल के पास बीएचईएल के कोई शेयर नहीं हैं और अन्य निदेशकों/प्रबंधक/कंपनी के केएमपी के साथ उनके कोई रिश्ता नहीं हैं।

श्री प्रवीण एल अग्रवाल की नियुक्ति दिनांक 18.08.2018 से निदेशक के तौर पर हुई तथा वित्त वर्ष 2017–2018 के दौरान आयोजित कोई बोर्ड बैठक में भाग नहीं लिया।

कंपनी के अधिनियम, 2013 की धारा 161 के अनुसार कंपनी के अंतर्नियम के अधिनियम 67 (iv) के साथ पढ़ें, श्री प्रवीण एल अग्रवाल को आगामी वार्षिक आम बैठक की तारीख तक पद धारण का अधिकार हैं और वह नियुक्ति के पात्र हैं। कंपनी अधिनियिम, 2013 की धारा 160 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी के निदेशक के पद के लिए श्री प्रवीण एल अग्रवाल की उम्मीदवारी के प्रस्ताव के लिए कंपनी को लिखित रुप में एक नोटिस मिला हैं।

श्री प्रवीण एल अग्रवाल के आलावा किसी भी निदेशक या कंपनी का मुख्य प्रबंधकीय कर्मी या किसी भी प्रकार से उनके संबंधी का, संबंध या रुचि आर्थिक रुप या अन्यथा, मद संख्या 10 पर प्रस्ताव में नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के अनुमोदन के प्रस्ताव की सराहना की है।

मद संख्या 11:

श्री एस बालाकृष्णन (डीआईएन 07804784) आयु 57 वर्ष, 01 जून, 2018 को बीएचईएल के बोर्ड में निदेशक–औद्योगिक प्रणालिया एवं उत्पाद (आईएस एण्ड पी) के तौर पर नियुक्त हुए।

इससे पूर्व, श्री एस बालाकृष्णन, हेवी पॉवर इक्यूपमेंट प्लांट (एचपीईपी), रामचन्द्रपुरम, यह बीएचईएल की एक प्रमुख उत्पाद इकाई है, में कार्यपालक निदेशक पद पर कार्यरत थे। इसके अलावा श्री एस बालाकृष्णन कंपनी के औद्योगिक उत्पाद (इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल) व्यापार, उद्योग क्षेत्र, नई दिल्ली में महाप्रबंधक प्रभारी के पद पर कार्यरत थे।

श्री एस बालाकृष्णन, इंदौर विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश से मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातक डिग्री धारक हैं। उन्होंने भोपाल विश्वविद्यालय से स्ट्रेस तथा बाइब्रेशन विश्लेषण पर अपनी स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है।

आप 35 वर्षों की कार्य अवधि में विभिन्न जैसे इलेक्ट्रिकल मशीन, ट्रांसफार्मर, गैस टरबाइन, स्टीम टरबाइन, पल्विराइज़र, हीट एक्वेंजर, आयल रिग आदि क्षेत्रों में विस्तृत अनुभव रखते हैं।

श्री एस बालाकृष्णन ने अपना करियर बीएचईएल में वर्ष 1982 में इंजीनियर प्रशिक्षु के रुप में कंपनी की तिरुच्चि इकाई में प्रारंभ किया। तदुपरांत, भोपाल यूनिट में जहां उन्होंने विभिन्न जैसे ए.सी. मशीन, न्यूक्लियर टरबाइन एवं ट्रांसफॉर्मर क्षेत्र में कार्य किया।

वह भारत पंप्स एण्ड कंप्रेशर्स लिमिटेड के बोर्ड में अंशकालिक नामित निदेशक भी हैं।

श्री एस बालाकृष्णन की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा अनुमोदित शर्तें और नियमों पर ₹75,000 – ₹1,00,000 प्रतिमाह (स्केल 2007) के वेतनमान में 30. 11.2020 तक है या जब तक अगले आदेश आए, इनमें से जो भी पहले हो।

श्री एस बालाकृष्णन के पास बीएचईएल के कोई शेयर नहीं हैं और अन्य निदेशकों/प्रबंधक/कम्पनी के केएमपी के साथ उनके कोई रिश्ता नहीं हैं

श्री एस बालाकृष्णन की नियुक्ति दिनांक 01.06.2018 से निदेशक (आईएस एवं पी) के तौर पर हुई तथा वित्त वर्ष 2017–2018 के दौरान आयोजित कोई बोर्ड बैठक में भाग नहीं लिया।

कंपनी के अधिनियम, 2013 की धारा 161 के अनुसार कंपनी के अंतर्नियम के अधिनियम 67 (iv) के साथ पढ़ें। श्री एस बालाकृष्णन को आगामी वार्षिक आम

बैठक की तारीख तक पद धारण का अधिकार हैं और वह नियुक्ति के पात्र हैं। कंपनी अधिनियिम, 2013 की धारा 160 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी के निदेशक के पद के लिए श्री एस बालाकृष्णन की उम्मीदवारी के प्रस्ताव के लिए कंपनी को लिखित रुप में एक नोटिस मिला हैं।

श्री एस बालाकृष्णन के आलावा किसी भी निदेशक या कंपनी का मुख्य प्रबंधकीय कर्मी या किसी भी प्रकार से उनके संबंधी का, संबंध या रुचि आर्थिक रुप या अन्यथा, मद संख्या 11 पर प्रस्ताव में नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के अनुमोदन के प्रस्ताव की सराहना की है।

मद संख्या 12:

कंपनी अधिनियम, 2013 के जरिए कंपनी अपने शेयर तथा सेक्यूरिटीज को वापस खरीदने की प्रावधान प्रदान करती है। कंपनी केवल उन परिस्थितियों में अपने शेयरों को खरीद सकती है जब आर्टिकल ऑफ एसोशिएशन द्वारा प्राधिकृत प्राप्त कर सके। अपने शेयर को खरीदने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का उपयोग करके आर्टिकल ऑफ एसोशिएशन में बदलाव करने का अवसर प्रदान कर सकती है।

वर्तमान में कंपनी को आर्टिकल ऑफ एसोशिएशन के अनुच्छेद 5 के अंतर्गत अपने शेयरों का खरीदने पर प्रतिबंध लगाया गया है। शेयरों का खरीदने के लिए आवश्यक प्रावधान प्रदान करने के लिए आर्टिकल ऑफ एसोशिएशन में अनुच्छेद 5ए को शामिल करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाता है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 में प्रस्तावित प्रावधानों के अनुसरण में, आर्टिकल ऑफ एसोशिएशन में परिवर्तन हेतु सदस्यों के अनुमोदन हेतु विशेष संकल्प प्रस्तुत किया जाता है।

कोई भी निदेशक या केएमपी अथवा उनके रिश्तेदार अपनी शेयरधारिता की सीमा तक मद नं. 12 में प्रस्तावित संकल्प को छोड़कर बाकि कोई संबंध, वित्तीय या अन्य काई रिश्ता नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए संकल्प प्रस्ताव की सराहना की है।

निदेशक मंडल क आदेशानुसार,

(आई पी सिंह)
(कंपनी सचिव)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10 अगस्त, 2018

पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का विवरण

डॉ. सुभाष चंद्र पांडे

डॉ. सुभाष चंद्र पांडे (डीआईएनः 01613073) आयु 59 वर्ष दिनांक 31 मार्च, 2016 से बीएचईएल बोर्ड में अंशकालिक आधिकारिक निदेशक के रूप में शामिल किए गए ।

डॉ. पांडे ने ऑपरेशंस रिसर्च (नॉनलाइनर प्रोग्रामिंग)क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय से गणित (पीएचडी) में डॉक्टरेट की हुई है।

डॉ. पांडे भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के 1983 बैच से हैं तथा वर्तमान में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग में विशेष सचिव और वित्तीय सलाहकार के रूप में तैनात हैं। उनके पास भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय के एसएस और एफए पद का अतिरिक्त प्रभार भी है।

डॉ पांडे के पास सार्वजनिक वित्त, बजट एवं व्यय प्रबंधन और लेखा परीक्षा, अनुसंधान एवं विकास उत्पादन तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशाल अनुभव है। भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग के भीतर, उन्होंने सरकारी लेखा, राज्य लेखा, रक्षा और वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी लेखापरीक्षा में प्रशिक्षण, संभाला है। उन्होंने बजट और खातों के मामलों पर तीन साल तक एंटीगुआ और बरबूडा सरकार के सलाहकार के रूप में भी कार्य किया है।

वित्त मंत्रालय में डीएस / निदेशक / ओएसडी के रूप में, डॉ पांडे 13 से अधिक केंद्रीय बजट, 8 राज्य के बजट, 3 पंचवर्षीय योजनाएं, 3 वित्त आयोग, राज्य पुनर्गठन आदि में शामिल हैं और वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक के कई समितियों के सदस्य रहे हैं। निदेशक (बजट) के रूप में, सरकारी ऋण और घाटे के वैधानिक विनियमन पर उनके प्रयासों ने वित्तीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम को अधिनियमित किया है। वह प्रारंभ के 3 साल अधिनियम के गठन और इसके कार्यान्वयन से सम्बद्ध थे। रक्षा मंत्रालय में, वह रक्षा अनुसंधान एवं विकास और उत्पादन के वित्तीय प्रबंधन में शामिल थे।

डॉ. पांडे द्वारा सम्पन्न अन्य कार्यों में प्रिंसिपल अकाउंटेंट जनरल (ऑडिट), जम्मू–कश्मीर के रूप में कार्य करना शामिल है। वह बाहरी लेखाधारकों के साथ भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग के लेखापरीक्षा योजना और इंटरफेस को संभालने वाले भारत के सी एंड एजी के मुख्यालय में महानिदेशक (रणनीतिक प्रबंधन) के रूप में काम कर रहे थे।

डॉ पांडे एचएमटी लिमिटेड, निवेश भारत, भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र लिमिटेड, राष्ट्रीय वस्त्र निगम लिमिटेड, भारत व्यापार संवर्धन संगठन, राष्ट्रीय जूट बोर्ड, राष्ट्रीय जूट निगम लिमिटेड, एमएमटीसी लिमिटेड और एसटीसी इंडिया लिमिटेड के बोर्डों पर एक अंशकालिक आधिकारिक निदेशक हैं और केंद्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान, सीमेंट और बिल्डिंग सामग्री के लिए राष्ट्रीय परिषद, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, नेशनल ऑटोमोटिव टेस्टिंग आर एंड डी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की गवर्निंग काउंसिलों में सरकार द्वारा मनोनीत हैं। वह इंडिया ट्रेड प्रोमोशन ओर्गनाईजेशन की लेखापरीक्षा समिति के सदस्य भी हैं।

बीएचईएल बोर्ड पर भारत सरकार द्वारा नामित होने के नाते, डॉ पांडे को बीएचईएल से कोई पारिश्रमिक नहीं मिलता है।

डॉ पांडे के पास बीएचईएल के कोई भी शेयर नहीं है और उनके अन्य निदेशकों / प्रबंधक / कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई संबंध नहीं है।

डॉ पांडे ने वित्त वर्ष 2017–18 में आयोजित सात (नौ में से) बोर्ड मीटिंगों में भाग लिया है।

श्री अखिल जोशी

श्री अखिल जोशी (डीआईएनः 06604954) आयु 59 वर्ष को दिनांक 10 अगस्त, 2016 को बीएचईएल बोर्ड में निदेशक (पावर) के रूप में शामिल किया था।

श्री जोशी ने दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (डीसीई) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है।

श्री जोशी के पास बीएचईएल के प्रमुख क्षेत्रों में काम करने का 38 से अधिक वर्षों का विविध अनुभव है। निदेशक (पावर) के रूप में उनकी पदोन्नति से पहले, श्री जोशी कार्यपालक निदेशक (विद्युत क्षेत्र–प्रबंधन सेवाएं और मानव संसाधन) के रूप में नियुक्त थे। उन्होंने कॉर्पोरेट टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट (सीटीएम) के कार्यकारी निदेशक के रूप में भी कार्य किया और पूरी कंपनी में प्रौद्योगिकी अधिग्रहण और विश्व के अग्रणीयों के साथ समीकरण बनाने, रणनीतिक गठजोड़ बनाने, आंतरिक उत्पाद विकास, बीएचईएल के विभिन्न संयुक्त उद्यमों और विलय और अधिग्रहण के प्रबंधन के निरीक्षण के लिए उत्तरदायी थे।

श्री जोशी ने पावर सेक्टर के स्पेयर एंड सर्विसेज बिजनेस, टेक्नोलॉजी लाइसेंसिंग और बीएचईएल के इंटरनेशनल ऑपरेशंस डिवीजन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग के प्रमुख के रूप में, उन्होंने सफलतापूर्वक दुनिया भर में अग्रणी मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) से प्रमुख प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने के लिए वार्ता का नेतृत्व किया। इन प्रौद्योगिकियों का अधिग्रहण कंपनी की प्रतिस्पर्धिता को बनाए रखने और अपने प्रस्तावों की सीमा का विस्तार करने में महत्वपूर्ण रहा है। अंतर्राष्ट्रीय परिचालन प्रभाग में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका, सीआईएस क्षेत्र, भूमध्यसागरीय और यूरोप जैसे अत्यधिक प्रतिस्पर्धी विदेशी बाजारों में कंपनी के कारोबार के बहु–गुना विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सफलतापूर्वक इराक, वियतनाम, बेलारूस, बांग्लादेश, साइप्रस और मिस्र जैसे विभिन्न विदेशी बाजारों के उपयोगिता खंडों में बीएचईएल की प्रथम प्रविष्टि का नेतृत्व किया।

श्री जोशी के समृद्ध अनुभव में पावर सेक्टर के परियोजना प्रबंधन ग्रुप (पीएमजी) और हरिद्वार में कंपनी के हेवी इलेक्ट्रिकल उपकरण प्लांट (एचईईपी) के कार्यकाल भी शामिल हैं।

श्री जोशी रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में पार्ट–टाइम चेयरमैन के पद पर पदस्थ हैं।

श्री जोशी की नियुक्ति ₹75,000 – ₹1,00,000 पीएम के वेतनमान में, (पूर्व संशोधित) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों और शर्तों पर, दिनांक 30.09.2018 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, है ।

वर्तमान में श्री जोशी के पास बीएचईएल में 15 इक्विटी शेयर हैं और उनके अन्य निदेशकों / प्रबंधक / कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई संबंध नहीं है।

श्री जोशी ने वित्त वर्ष 2017–18 में आयोजित सभी बोर्ड मीटिंगों (नौ) में भाग लिया है।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा

(आईपी सिंह)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 10 अगस्त, 2018

नोटस

TEAR HERE

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

(सीआईएन : एल74899डीएल1964जीओआई004281)
पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली – 110049
फोनः 011–66337000, फ़ैक्सः 011–66337428
वेबसाइटः www.bhel.com ई–मेलः shareholderquery@bhel.in

उपस्थिति पर्ची

54वीं वार्षिक आम बैठक बुधवार, 19 सितंबर, 2018 को 10.00 बजे
मानेकशॉ सेंटर, परेड रोड, खैबर लाइन्स, दिल्ली कैंट, दिल्ली –110010 में आयोजित की जाएगी

उपस्थित सदस्य का नाम (साफ अक्षरों में भरें)	
फोलियो / डीपी आईडी–ग्राहक आईडी सं.	
धारित शेयरों की संख्या	
धारित शेयरों के प्रतिनिधि का नामः 19 सितम्बर, 2018 (साफ अक्षरों में भरें, यदि सदस्य के स्थान पर प्रतिनिधि भाग ले रहा हो)	

मैं एतदद्वारा 19 सितंबर, 2018 को आयोजित 54वीं वार्षिक आम बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज करता / करती हूं।

सदस्य / प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

विधिवत भारी हुई यह पर्ची बैठक कक्ष में प्रवेश द्वार पर सौंपी जाए।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

(सीआईएन : एल74899डीएल1964जीओआई004281)
पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली – 110049
फोनः 011–66337000, फ़ैक्सः 011–66337428
वेबसाइटः www.bhel.com ई–मेलः shareholderquery@bhel.in

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 105(6) और कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 19(3)के अनुसरण में

प्रतिनिधि फार्म

सदस्य का नाम	
पंजीकृत पता	
फोलियो नं / डीपी आईडी / ग्राहक आईडी	
ईमेल पता	
धारित शेयरों की संख्या	

मैं /हम ऊपर वर्णित नामक कंपनी के३३३३० शेयरों के सदस्य होने के नाते एतदद्वारा निम्नलिखित को प्रतिनिधि नियुक्त करता/ करते हैं /हूं:

1.	नाम		हस्ताक्षर	
	हस्ताक्षर			
	ईमेल आईडी			
इनके ना होने पर				
2.	नाम		हस्ताक्षर	
	हस्ताक्षर			
	ईमेल आईडी			
इनके ना होने पर				
3.	नाम		हस्ताक्षर	
	हस्ताक्षर			
	ईमेल आईडी			

कंपनी के 54वीं वार्षिक आम बैठक के लिए, जो कि 19 सितंबर, 2018 को प्रातः 10:00 बजे मानेकशॉ केंद्र, परेड रोड, खैबर लाईन, दिल्ली कैंट, दिल्ली–110 010 में आयोजित की जाएगी, और नीचे उल्लिखित प्रस्तावों के संबंध में किसी भी स्थगन के लिए मेरे / हमारे प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित होने और मेरे / हमारी ओर से वोट (मतदान) देने हेतु:

क्र.सं.	प्रस्ताव
सामान्य कार्य	
1.	दिनांक 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों और साथ उस पर निदेशकों और लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट स्वीकार करना।
2.	वर्ष 2017–18 के लिए लाभाष की घोषणा करना
3.	पारी के अनुसार सेवानिवृत होने वाले डॉ सुभाष चंद्र पांडे (डीआईएनः01613073) की पुनः नियुक्ति
4.	पारी के अनुसार सेवानिवृत होने वाले श्री अखिल जोशी (डीआईएनः06604954) की पुनः नियुक्ति
5.	निदेशक मण्डल को वर्ष 2018–19 के लिए लेखापरीक्षकों के पारिश्रमिक का निर्धारण करने के लिए अधिकृत करना
विशेष कार्य	
6.	वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए लागत लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक निश्चित करना
7.	श्री देश दीपक गोयल (डीआईएनः07739221) को निदेशक के रूप में नियुक्त करना
8.	श्री रणजीत राय (डीआईएनः 07942234) को निदेशक के रूप में नियुक्त करना
9.	श्री सुबोध गुप्ता (डीआईएनः 08113460) को निदेशक के रूप में नियुक्त करना
10.	श्री प्रवीण एल. अग्रवाल (डीआईएनः 05277383) को निदेशक के रूप में नियुक्त करना
11.	श्री एस. बालाकृष्णन (डीआईएनः 07804784) को निदेशक के रूप में नियुक्त करना
12.	शेयरों के वापस–खरीदी के संबंध में धारा 5 ए की प्रविष्टि द्वारा एसोसिएशन ऑफ आर्टिकल्स में संशोधन

दिनांक ———————— को हस्ताक्षरित

कृपया रसीदी टिकट चिपकाएं

____
शेयरधारकों के हस्ताक्षर

प्रथम प्रतिनिधि के हस्ताक्षर | द्वितीय प्रतिनिधि के हस्ताक्षर | तृतीय प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

टिप्पणियाँः
क. फॉर्म पर कंपनी में दर्ज हस्ताक्षर के नौसार टिकट के आर–पार हस्ताक्षर किए जाने चाहिए
ख. सही एवं पूर्ण रूप से भरा हुआ यह फॉर्म बैठक के आयोजन के निर्धारित समय से अड़तालीस घंटे पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा कराया जाना चाहिए ।

बीएचईएल की 54वीं एजीएम के लिए मार्ग–मानचित्र

यहां से काटें

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

(सीआईएन : एल74899डीएल1964जीओआई004281)
पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली – 110049
फोनः 011–66337000, फैक्सः 011–66337428
वेबसाइटः www.bhel.com, ई–मेलः shareholderquery@bhel.in

प्रिय शेयरधारक/शेयर धारकों

संदर्भ : राष्ट्रीय इलेक्ट्रोनिक समाशोधन सेवाओं (एनईसीएस) / इलेक्ट्रोनिक समाशोधन सेवाओं (ईसीएस) के जरिए लाभांश का भुगतान

सेबी (सूचीयन बाध्यता एवं प्रकटन आवश्यकता) विनियम 2015 के अनुसरण में सभी सूचीबद्ध कंपनियाँ लांभाश के भुगतान के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्वीकृत किसी भी इलेक्ट्रोनिक मोड सभी ईसीएस/एनईसीएस/सीधे क्रेडिट आदि के भुगतान की पद्धति को अपनाएंगे।

यदि आपने पहले से हमारे रजिस्ट्रार यानि मैसर्स कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लिमिटेड या डिपोजिटरी प्रतिभागी (डीमैट होंल्डिग के मामले में), एनईसीएस/ईसीएस/बैंक खाता विवरण प्रेषित नहीं किए हैं, तो आपसे हमारा अनुरोध है कि नीचे दिए गए फॉर्मेट में उक्त विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि 19 सितंबर, 2018 को आयोजित होने वाली कंपनी की 54वीं वार्षिक आम बैठक में घोषित होने वाले लाभांश का शीघ्र सुरक्षित एवं सही भुगतान किया जा सके।

कृपया सुनिश्चित करें कि रजिस्ट्रारों/डिपोजिटरी प्रतिभागी को आपके द्वारा प्रस्तुत किए गए विवरण सही हैं, क्योंकि उनमें कोई त्रुटि होने पर लाभांश की राशि गलत खाते में जमा हो जाएगी

कृपया आपकी बेहतर सेवा करने में हमारी मदद करें।

भवदीय

(आई.पी. सिंह)
कंपनी सचिव

विशेष टिप्पणीः यदि आपके पास डीमैट रूप में शेयर हैं तो अपने डिपोजिटरी प्रतिभागी को आपके बैंक खाता विवरणों/ एनईसीएस / ईसीएस/ सीधे क्रेडिट अधिदेश पर ध्यान देने का परामर्श दें।

एनईसीएस/ईसीएस अधिदेश/बैंक खाता विवरणों के लिए फॉर्म

मैं/हम...एतदद्वारा बीएचईएल/ अपने डिपोजिटरी प्रतिभागी कोः

☐ मेरे/हमारे लाभांश वारंट पर निम्न विवरण छापने

☐ एनईसीएस /ईसीएस द्वारा बैंक खाते में मेरे लाभांश राशि जमा करने हेतु प्राधिकृत करता हूं/करने हैं

(जो लागू न हो कृपया उसे काट दें)

मेरा/हमारा फोलियो सं........................... अथवा डीपी आईडी सं. ....ग्राहक सं.....................................

बैंक खाते का विवरणः

क.	बैंक का नाम	: ....
ख.	शाखा का नाम	: ....
	(केवल अधिदेश के लिए पता)	....
ग.	एमआईसीआर चैक में दिए गए बैंक और	: ....
	शाखा के 9 अंको की कोड संख्या	: ....
घ.	आईएफएससी कोड	: ....
च.	खाते का प्रकार (बचत/चालू)	: ....
छ.	बैक बुक में दिए गए अनुसार खाता सं.	: ....
छ.	शेयरधारक का एसटीडी कोड एवं फोन न.	: ....

यदि एनईसीएस/ईसीएस कार्यान्वित न हो सकी अथवा बैंक एनईसीएस/ईसीएस को किसी कारण से समाप्त कर देता है, तो मैं/हम कंपनी को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/ठहराएंगे ।

Mail to

M/s Karvy Computershare Pvt. Ltd.
UNIT: BHEL
Karvy Selenium Tower B, Plot 31-32,
Gachibowli Financial District, Nanakramguda,
HYDERABAD-500032

....
शेयरधारक के हस्ताक्षर

कृपया (i) 9 अंको की कोड सं. की यथार्थता के सत्यापन हेतु आपके उक्त खाते से संबन्धित आपके बैंक द्वारा जारी चैक या खाली रद्द किए गए चैक की प्रति और (ii) अपने पैन कार्ड की एक प्रति इस फॉर्म के साथ संलग्न करें।

बैंकर, लेखा परीक्षक और शेयर स्थानांतरण एजेंट

बैंकर्स

इलाहाबाद बैंक

आंध्र बैंक

बैंक ऑफ बड़ौदा

कैनरा बैंक

सेंट्रल बैंक

कॉर्पोरेशन बैंक

आईडीबीआई बैंक

इंडियन बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक

ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स

पंजाब एंड सिंध बैंक

पंजाब नेशनल बैंक

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

सिंडिकेट बैंक

यूको बैंक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

विजया बैंक

ऐक्सिस बैंक

एचडीएफसी बैंक

आईसीआईसीआई बैंक

इंडसइंड बैंक

कोटक महिंद्रा बैंक

फेडरल बैंक लिमिटेड

यस बैंक

सिटी बैंक एन.ए

ड्यूश बैंक एजी

जे पी मॉर्गन

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक

हांगकांग और शंघाई बैंकिंग निगम लिमिटेड

लेखापरीक्षक

डीएसपी एंड एसोशिएट्स, नई दिल्ली
धवन एंड कं, नई दिल्ली
महेश सी सोलंकी एंड कं, भोपाल
वी. नारायणन एंड कं, तिरूची
राव एंड कुमार, हैदराबाद
राव एसोशिएट्स, बेंगलुरु
एम श्रीनिवासन एंड एसोशिएट्स, चेन्नई
एम.बी. गाभावाला एंड कं, वाराणसी

लागत लेखा परीक्षकों

आर जे गोयल एंड कं, दिल्ली
एम कृष्णास्वामी एंड एसोशिएट्स, चेन्नई
नरसिम्हा मूर्ति एंड कं, हैदराबाद
संजय कासलीवाल एंड एसोशिएट्स, भोपाल
जे एच एंड एसोशिएट्स, बेंगलुरु
के बी सक्सेना एंड एसोशिएट्स, लखनऊ
वेलमार्थी एंड एसोशिएट्स, विशाखापत्तनम

शेयर स्थानांतरण एजेंट

कार्वी कंप्यूटर्स शेयर प्रा. लिमिटेड
यूनिटः बीएचईएल

दिल्लीः 305, नई दिल्ली हाउस,
27, बाराखंबा रोड,
नई दिल्ली – 110 001
फोन : 011– 43681700
फैक्सः 011– 43681710
ईमेल : ksbldelhi@karvy.com
: einward.ris@karvy.com

हैदराबादः कार्वी सेलेनियम टॉवर बी,
प्लॉट 31–32, गाचीबोवली, फ़ाईनेंशियल जिला,
नानकरामगुडा, हैदराबाद – 500 032
फोन : 040–67162222
फैक्सः 040–23001153
ईमेलः madhusudhan.ms@karvy.com
: einward.ris@karvy.com
वेबसाइटः www.karvycomputershare.com

पंजीकृत कार्यालय

बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली – 110049 (भारत)
सीआईएनः L 748 99 DL1964GOI004281
फोनः 011–66337000, फ़ैक्सः 011–66337428
वेबसाइटः www.bhel.com ईमेलः shareholderquery@bhel.in

कोयला: भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा

बीएचईएल ने कोयला गैसीफिकेशन सुविधा विकसित की

दुनिया भर में विद्युत उत्पादन के लिए अग्रणी ईंधन, कोयला, भविष्य के लिए स्वच्छ ऊर्जा का एक संभावित स्रोत हो सकता है। भारत पर्यावरण अनुकूल ढंग से अपने प्रचुर कोयला भंडार का उपयोग करने के उपाय तलाश रहा है, कोयले से मेथनॉल का उत्पादन, अनेक विकल्पों में से एक विकल्प है।

स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों के विकास से कोयले को स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तित करने के लिए, बीएचईएल देश में कोयले का क्लीनर उपयोग करने वाली अग्रणी संस्था है। बीएचईएल विशेष रूप से अधिक राख वाले भारतीय कोयले के लिए गैसीफिकेशन प्रौद्योगिकी विकसित करने वाला भारत का पहला संगठन है, और इस तकनीक के लिए सफलतापूर्वक प्रदर्शन संयंत्र विकसित किया है।

वर्तमान में, बीएचईएल अधिक राख वाले, भारतीय कोयले को मेथनॉल में परिवर्तित करने के लिए प्रौद्योगिकी के विकास पर काम कर रहा है। इस नई तकनीक के सफल विकास का प्रदर्शन करने के लिए, अधिक राख वाले भारतीय कोयले से मेथनॉल उत्पन्न करने के लिए एक प्रायोगिक सुविधा स्था. पित की जा रही है।

Coal Feeding System

भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली – 110049, भारत
कॉर्पोरेट पहचान संख्या : L74899DL1964GOI004281

www.bhel.com